Accredited With Grade A
NAAC

वार्षिक रिपोर्ट
2022-2023

हीरक जयंती
Diamond Jubilee
1962-2022

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
17 – बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली – 110016

वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

©राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (100 प्रतियाँ), 2023
(भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित)

संकाय समन्वयक : डा. सांत्वना जी मिश्रा

कुलसचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), 17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–II, नई दिल्ली–110 020, नवंबर 2023 में 150 प्रतियां डिजाईन एवं मुद्रित।

विषय–सूची

अध्याय		
1.	विहंगावलोकन	01
2.	अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम	33
3.	अनुसंधान	59
4.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं	79
5.	कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	89
6.	प्रकाशन	97
7.	नीपा में सहायता अनुदान योजना	103
8.	प्रशासन और वित्त	107
अनुलग्नक		
संकाय का अकादमिक योगदान		113
परिशिष्ट		
I.	प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	229
II.	वित्त समिति के सदस्य	231
III.	अकादमिक परिषद के सदस्य	232
IV.	अध्ययन बोर्ड के सदस्य	235
V.	योजना और निरीक्षण बोर्ड के सदस्य	237
VI.	संकाय और प्रशासनिक स्टाफ	239
VII.	वार्षिक लेखा	243
लेखा परीक्षा रिपोर्ट		289

विहंगावलोकन

1

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर अपने महत्वपूर्ण और व्यापक अकादमिक कार्यकलापों के माध्यम से देश के शिक्षा संस्थानों के नेटवर्क में एक विशिष्ट स्थान रखता है। नीपा विश्व में शैक्षणिक योजना के लिए स्थापित पहली संस्था थी और इस प्रकार कालान्तर में इस संस्था ने शैक्षणिक रणनीति उद्विकास करने का मार्ग प्रशस्त करने का अतिरिक्त दायित्व अपने ऊपर लिया था। इस संस्था द्वारा विकसित शैक्षणिक रणनीति समावेशी होने के साथ–साथ वहनीय भी है।

नीपा के उद्विकास की यात्रा फरवरी 1962 में ही आरम्भ हुई थी जब सयुक्त राष्ट्र एजेंसी और भारत सरकार के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत यूनेस्को द्वारा शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिए एशिया क्षेत्रीय केंद्र के रूप में हुई थी। इस केंद्र का मुख्य कार्य एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा स्कूल पर्यवेक्षकों के लिये अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को संबंधित तकनीकी सहायता प्रदान करना था। तत्पश्चात् 1 अप्रैल, 1965 से इस नवोदित केन्द्र का नाम बदलकर एशिया शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया। यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच दस वर्षीय समझौते की समाप्ति के पश्चात, इस एशिया संस्थान को भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और तत्पश्चात वर्ष 1970 में शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के रूप में इसकी स्थापना की गई। 31 मई 1979 को विस्तारित अधिदेश के साथ इस कालेज की पुर्नसंरचना तैयार कर इसका पुनः राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पंजीकृत किया गया।

शैक्षिक नीति, योजना निमार्ण तथा प्रशासन के क्षेत्र में नीपा द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुये संस्थान को वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत इसे 'मानित विश्वविद्यालय' का दर्जा प्राप्त हुआ जिसके अंतर्गत इसे डिग्री प्रदान करने की शक्तियाँ प्रदान की गई और पुनः नाम परिवर्तन के बाद इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) कहा जाने लगा।

दिनांक 30.11.2017 की अधिसूचना संख्या फा.सं. न्यूपा/प्रशासनिक/आरओ/परिपत्र/030/2017 के माध्यम से **राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)** का नाम पुनः परिवर्तन कर **राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा)** (मानित विश्वविद्यालय) के रूप में कर दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिनांक 10 नवंबर 2017 और 29 नवंबर 2017 के संप्रेषित पत्र सं. एफ. 5–1/2017(सी.पी.पी.–1/डी.यू.) द्वारा संप्रेषित माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में 'विश्वविद्यालय' शब्द को पुनः 'संस्थान' शब्द से प्रतिस्थापित किया गया।

इसे आगे राष्ट्रीय संस्थान, नीपा के नाम से भी संबोधित किया जाएगा। अन्य विश्वविद्यालयों की तरह यह भी पूर्णतः भारत सरकार द्वारा अनुरक्षित है। नीपा ने वर्ष 1986 की नीति तैयार करने में अग्रणी भूमिका निभाई, वर्ष 1993 में पंचायती राज संबंधी संवैधानिक विधेयकों में सहायता प्रदान की और इसके साथ–साथ शिक्षा का अधिकार अधिनियम के निरूपण में भी सहायता प्रदान की जिसे वर्ष 2009 में कार्यान्वित किया गया था। नीपा जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीपीईपी) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के अन्तर्गत पद्धतियों और विकेन्द्रीकृत योजनाओं के कार्यान्वयन में प्रमुख भूमिका में रहा है। शिक्षा के लिए जिला सूचना प्रणाली के माध्यम से नीपा द्वारा तैयार किया गया डाटाबेस विश्व का सबसे बड़ा डाटाबेस था। नीपा द्वारा बृहत् पैमाने पर किया गया प्रायोगिक शोधकार्य शिक्षा के क्षेत्र में साक्ष्य आधारित विश्वसनीय सूचना का प्रमुख स्रोत रहा है। वर्तमान में इस संस्था ने शोध, शिक्षण, क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अपने अधिदेश को और अधिक व्यापक बनाया है और यह भारत में नीति, योजना निर्माण और शिक्षा प्रबंध के मामले में अग्रदूत रहा है। शिक्षा व्यवस्था में उप–राष्ट्रीय एवं संस्थागत स्तरों पर शिक्षा के क्षेत्र में कार्यात्मक दक्षता में सुधार लाने के लिए शिक्षा नीति निर्माण और क्षमता विकास में इसने सदैव सक्रिय भूमिका निभाई है।

नीपा की दृष्टि और उद्देश्य

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान का मुख्य उद्देश्य 'ज्ञान के प्रोन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस दृष्टिकोण के अंतर्गत, संस्थान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में उच्चस्तरीय शिक्षण, अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण को प्रोत्साहन देते हुए शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करना है।

नीपा की भविष्यगत नीति, इसका लक्ष्य और कार्यनीति अभिमुख समावेशी प्रगति और संधारणीय विकास के विचार में प्रबलता से रची बसी हुई है। यह संस्थान ज्ञान के प्रोन्नयन के माध्यम से मानवीय अधिगम समाज की परिकल्पना करता है। इसी भविष्यगत लक्ष्य के अनुरूप इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उन्नत स्तर का अध्यापन, अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण को बढ़ावा देकर शैक्षणिक नीति योजना निर्माण और प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य करना रहा है। राष्ट्रीय संस्थान के मुख्य कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नांकित हैं :

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण और क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय तथा संघ शासित क्षेत्रों के स्तर पर सांस्थानिक क्षमता का सुदृढ़ीकरण तथा स्कूल, समुदाय, जिला, राज्य/संघ प्रदेशों तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित, सहभागिता और जवाबदेह शैक्षिक अभिशासन तथा प्रबंधन प्रणाली का संस्थानीकरण करना।

- शैक्षिक सुधारों का अनुसमर्थन करना और शिक्षा क्षेत्र के लिए विकास कार्यक्रमों की प्रभावी योजनाओं की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुश्रवण को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अपेक्षित ज्ञान और कौशलों से सुसज्जित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में युवा पेशेवरों और शिक्षाविदों सहित विशेषीकृत मानव संसाधनों के समूह का विस्तार करना;

- शैक्षिक क्षेत्र में उभरती तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने हेतु तथ्य आधारित जवाबदेही एवं प्रभावी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन एवं संबंधित विषयों के ज्ञान आधार में वृद्धि करना;

- शैक्षणिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार एवं बेहतर शैक्षिक नीतियों के क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन एवं अनुसंधान परिणामों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम व्यवहार समेत सूचना तथा ज्ञान की साझेदारी एवं पहुंच में सुधार करना;

- अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन देते हुये शैक्षिक नीति निर्माण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार/तकनीक शिक्षा के सभी चरणों एवं व्यवस्थाओं में रणनीतिक उपागम, शैक्षिक योजना प्रक्रियाओं के अभिशासन तथा प्रबंधन में सुधार हेतु तथा अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं में नेतृत्वकारी भूमिका जो शैक्षिक नीति–निर्माण तथा देश में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन व्यवहार का निर्माण करती है।

मुख्य कार्य

अपने उद्देश्य को पूरा करने हेतु राष्ट्रीय संस्थान निम्नांकित मुख्य कार्यों में संलग्न है :

- शिक्षा के सभी चरणों में शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना;
- सर्वोत्तम प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के कैडर के गठन हेतु प्री–डॉक्टोरल, डॉक्टोरल तथा पोस्ट डॉक्टोरल कार्यक्रमों और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों सहित अध्यापन के विकसित अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों का विकास तथा आयोजन और साथ में शैक्षिक नीतियों योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, अनुश्रवण हेतु सतत् सांस्थानिक क्षमताओं का निर्माण करना;
- शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान एजेंडा तथा वचनबद्धता को स्वरूप देना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिये आवश्यक समर्थन हेतु नये ज्ञान का सृजन तथा तथ्य आधारित नीति निर्माण और बेहतर शैक्षिक योजना और प्रबंधन व्यवहार/तकनीक का प्रयोग करना;
- केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों को उनकी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन से संबंधित क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु तकनीकी समर्थन प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन में सुधार हेतु सहायता प्रदान करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में विकास कार्यक्रमों के मूल्यांकन तथा निर्माण हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों को परामर्शी सेवायें प्रदान करना;
- शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान तथा नित नए ज्ञान के सृजन हेतु सूचना तथा विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य करना, शैक्षिक नीतियों, योजना तथा प्रशासन में विशेष रूप से, विचारों/अनुभवों के आदान–प्रदान तथा नीति–निर्माताओं, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के बीच नीतिगत चर्चा हेतु विचार मंच प्रदान करना है, प्रभावी नीतियों तथा शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में तकनीक/व्यवहार को शिक्षा क्षेत्र संबंधी चुनौतियों का सामना करने हेतु चिह्नित करना तथा शैक्षिक क्षेत्र संबंधी विकास लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त करना;
- शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में सुधार हेतु प्रयासों/कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों की एजेंसियों, निधि और कार्यक्रमों समेत राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय

संस्थानों एवं संगठनों के साथ नेटवर्किंग तथा सहयोग करना; और

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास में उभरती हुई प्रवृत्तियों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण करना, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों की पहचान तथा शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त नीति निर्माण तथा कार्यक्रम हस्तक्षेप से लक्ष्यों को सुगम बनाना और शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रगति का मूल्यांकन करना।

राष्ट्रीय संस्थान उपरोक्त कार्यों को राज्य तथा संघ शासित प्रदेश एवं केंद्रीय स्तर पर सरकारों तथा संस्थानों के साथ निकटतम संपर्क तथा सहयोग के माध्यम से आयोजित करते हैं। उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ राष्ट्रीय संस्थान कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन एवं शैक्षिक व्यवस्था की योजना तथा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को उजागर करता है। संस्थान का एक मुख्य पहलू जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय संस्थान का संबंध द्वि–रूप कार्य प्रणाली है। संस्थान अपने ज्ञान आधार में वृद्धि वास्तविकता क्षेत्र में अनुसंधान तथा क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल, कालेज, राज्य तथा केंद्रीय सरकार के विभिन्न स्तरों पर विभागों के साथ संपर्क द्वारा करता रहा है। राष्ट्रीय संस्थान के रूप में, यह राज्यों/संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण को पूर्ण करने हेतु संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण, राज्य सरकारों तथा राज्य संस्थानों के साथ निकटवर्ती संपर्क बनाना, उनकी शैक्षिक व्यवस्था का समालोचनात्मक अध्ययन करना, नीतियों तथा कार्यक्रमों एवं उन्हें व्यावसायिक परामर्श तथा तकनीकी समर्थन हेतु प्रयासरत रहता है। संस्थान अपने अधिकांश क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और अन्तर्दृष्टि जमीनी स्तर के शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं को हस्तान्तरित कर रहा है। संस्थान अपने ऐसे कार्यक्रमों द्वारा शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक थिंक टैंक (प्रसार केन्द्र) बना हुआ है। इस प्रकार से नीपा की इस दोहरी भूमिका ने अपने अध्यापन तथा अनुसंधान के अकादमिक कार्यों को व्यापक प्रामाणिकता प्रदान की है।

अकादमिक ढांचा तथा समर्थन सेवाएं

नीपा के अकादमिक ढांचे में विभाग, केंद्र, विशेष पीठ हैं जो शिक्षा के विशिष्ट पक्षों तथा तकनीकी समर्थन एकक/समूह तथा अकादमिक समर्थन प्रणाली अपने संबंधित विषयगत क्षेत्रों से जुड़ी विकास तथा क्रियान्वयनकारी गतिविधियों के प्रति उत्तरदायी हैं। नीपा के संकाय में प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता सम्मिलित हैं जो शिक्षा नीति, योजना तथा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। प्रत्येक विभाग अंतरशास्त्रीय विषयों के आधार पर संयोजित है और वे ज्ञान, विद्वता तथा अन्य अध्ययन कार्यक्रमों और अनुसंधान क्षेत्रों के माध्यम से सामान्यतः शिक्षा, और विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में विशेष तौर पर संसाधन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान/परियोजना सहायकों तथा अनुसचिवीय कर्मचारियों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ के रूप में संकाय सदस्य हैं। अकादमिक विभाग का अध्यक्ष प्रोफेसर होता है। विभाग विभिन्न प्रशिक्षण तथा अनुसंधान कार्यक्रमों के निष्पादन और विकास तथा उनको प्रदान किये गये क्षेत्रों में परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत, संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन आठ अकादमिक विभागों तथा विशेष पीठ, स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, परियोजना प्रबंधक एकक तथा दो केंद्रों द्वारा किया गया जिन्हें अकादमिक तथा प्रशासनिक सेवा एककों द्वारा अनुसमर्थन प्रदान किया गया।

अकादमिक संगठन

विभाग

- शैक्षिक योजना
- शैक्षिक प्रशासन
- शैक्षिक वित्त
- शैक्षिक नीति
- विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
- उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा
- शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
- शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास

केन्द्र

- राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
- उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र

समर्थन सेवाएं

- पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र
- कंप्यूटर केन्द्र
- प्रकाशन एकक
- परियोजना प्रबंधन एकक
- डिजीटल अभिलेखागार
- प्रशिक्षण कक्ष तथा हिंदी कक्ष

एकक

- स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
- अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी)

अकादमिक विभाग

शैक्षिक योजना विभाग

शैक्षिक योजना विभाग (डीईपी), नीपा के मूलभूत विभागों में से एक, भारत में मानव विकास की उन्नति में योगदान के मिशन के साथ साक्ष्य आधारित शैक्षिक योजना को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। शिक्षा में विकास परिणामों के प्रबंधन के लिए विकेन्द्रीकृत योजना पर बल देने के साथ, विभाग का मुख्य प्रयास संस्थागत, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर योजना के दृष्टिकोण, रूपरेखा, इनपुट, प्रक्रियाओं और परिणामों का अध्ययन करना है ताकि इसे समझा जा सके और देश में शैक्षिक नियोजन प्रथाओं में सुधार हो सके।

गरीबी को कम करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के साधन के रूप में शिक्षा पर बढ़ते बल के साथ, विभाग न केवल रणनीतिक योजना के संस्थागतकरण को कवर करने के लिए शैक्षिक योजना के विस्तारित दायरे पर विचार करता है बल्कि शिक्षा प्रबंधन के विकेंद्रीकरण और स्थानीय स्तर की योजना तकनीकों के उपयोग को भी बढ़ावा देता है। विभाग शिक्षा में सार्वजनिक निवेश की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्कूल मैपिंग, माइक्रो प्लानिंग और स्कूल सुधार योजना को बढ़ावा देता है। स्कूली शिक्षा में रणनीतिक योजना और उच्च शिक्षा में संस्थागत योजना में क्षेत्र–व्यापी दृष्टिकोण (एसडब्ल्यूएपीएस) को बढ़ावा देना विभाग के अन्य प्रमुख अधिदेश हैं।

शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण, अन्य बातों के साथ–साथ, विभाग के मुख्य कार्य हैं। यहां यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि समानता, समावेशन, सीखने के परिणामों की गुणवत्ता, वित्तपोषण और जवाबदेही से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए शिक्षा में रणनीतिक कार्यक्रम योजना को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान और कौशल का निर्माण और प्रसार करना और शिक्षा वितरण में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग विभाग के प्रमुख क्षेत्र हैं। तदनुसार, विभाग क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करता है, और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान करता है और संस्थान के अनुसंधान और लंबी अवधि के क्षमता विकास कार्यक्रमों में शैक्षिक योजना से संबंधित कई पाठ्यक्रमों को संचालित करने के अलावा, विभिन्न उप–राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों को पेशेवर सहायता और परामर्श प्रदान करता है।

वर्ष 2022–23 के लिए, विभाग द्वारा 'उत्तर–पूर्वी राज्यों में परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धति' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और सीमेट निदेशकों की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। विभाग के संकाय सदस्य निम्नलिखित पांच प्रशिक्षण मॉड्यूल भी विकसित कर रहे हैं:

1. स्कूल आयु जनसंख्या के प्रक्षेपण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
2. स्कूली शिक्षा में एनईपी 2020 नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय अनुमानों पर पहुंचने पर ध्यान देने के साथ नामांकन प्रक्षेपण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
3. सेक्टर विश्लेषण के लिए के.पी.आई. के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल, जिसमें उनके अनुमान के तरीके, व्याख्याएं और स्कूली शिक्षा की योजना और निगरानी में उपयोग शामिल है;
4. जिला स्कूल शिक्षा विकास योजना में संचयी लक्ष्य निर्धारित करने में परिणाम ढांचे (आरएफ) का उपयोग करने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल; और
5. राज्य/जिला स्कूल शिक्षा विकास योजनाओं में हस्तक्षेप रूपरेखा तैयार करने में लॉजिकल फ्रेमवर्क मैट्रिक्स (एलएफएम) का उपयोग करने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

विभाग यू–डीआईएसई डेटा (यू–डीआईएसई परियोजना) के उपयोग और प्रसार में शामिल है। विभाग की अनुसंधान गतिविधियों में सहायता करने के अलावा, यू–डीआईएसई परियोजना तकनीकी कर्मचारी विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों में लगे नीपा संकाय को डेटा प्रदान करने में भी लगे हुए थे। वित्त वर्ष 2022–23 में नीपा से किसी भी फंडिंग सहायता के बिना शुरू किया गया एक और शोध है भारत में छात्र परिणाम और नीतिगत मुद्दे: यह मुख्य रूप से यू–डीआईएसई डेटा के आधार पर 2012–13 से स्कूलों के एक पैनल के प्रदर्शन का विश्लेषण है। यह अध्ययन 2012–13 के बाद से स्कूली

शिक्षा (ग्रेड 1–10) की आंतरिक दक्षता में रुझानों का विश्लेषण करने के लिए, ज्यादातर यू–डीआईएसई और यू–डीआईएसई + डेटाबेस से माध्यमिक डेटा का उपयोग करता है। विभाग के संकाय सदस्य एनसीटीई द्वारा अनुरोधित 'भारत में स्कूल शिक्षा में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का एक अध्ययन' नामक शोध अध्ययन में भी शामिल हैं, लेकिन एनसीटीई या नीपा से किसी भी वित्तीय सहायता के बिना। यह राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तरों पर स्कूली शिक्षा में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अनुमान/परियोजना लगाने के लिए एक अखिल भारतीय अध्ययन है। इस अध्ययन का उद्देश्य न केवल भारत में शिक्षक श्रम बाजार की विशेषताओं का एक संक्षिप्त विवरण प्रदान करना है, बल्कि शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का पूर्वानुमान लगाना और साथ ही 2030 तक स्कूली शिक्षा में आवश्यक शिक्षकों के स्टॉक का अनुकरण करना है, यदि एनईपी 2020 द्वारा निर्धारित नामांकन लक्ष्यों को हासिल किया जाना है।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

शैक्षिक प्रशासन विभाग नीपा के प्रमुख एवं विषयगत विभागों में से एक है जिसका मुख्य उद्देश्य प्रशासन और प्रबंधन एवं शिक्षा के सभी स्तरों में विविध आयामों अनुसंधान, अध्ययन, प्रशिक्षण तथा परामर्शकारी सेवाओं में सक्रिय रूप से बौद्धिक और अकादमिक संलग्नता है। विभाग का एक मुख्य शैक्षिक क्षेत्र सरोकार एक समृद्ध ज्ञान आधार का विकास करना और शैक्षिक प्रशासन तथा प्रबंधन के विविध आयामों पर शैक्षिक प्रशासकों तथा शोधार्थियों को एक मजबूत पेशेवर अनुसमर्थन का निर्माण करना है। अपने लक्ष्य के अनुसार शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर मजबूत डाटा बेस का निर्माण किया है। विभाग उच्च और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में अकादमिक प्रशासकों सहित शैक्षिक प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर शामिल व्यवसायियों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में बड़े पैमाने पर परियोजनाओं और अनुसंधान अध्ययन और कार्यशालाओं और क्षमता विकास कार्यक्रम भी चलाता है। शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा हाल के वर्षों में विभाग ने दो प्रमुख क्षेत्रों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन पर बड़े पैमाने पर सूचना डेटा बेस का निर्माण शामिल है, जो तीसरे अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण पर प्रमुख शोध परियोजना के माध्यम से एकत्र किया है। साथ ही शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना और जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन के आयोजन के साथ कई दूरगामी और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये। विभाग एम.फिल/पीएचडी में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन और संबंधित विषयगत क्षेत्रों पर पाठ्यक्रम के अलावा शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम; और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यक्रम एवं विशेषताएं

अ. वर्ष 2020–21 और 2021–2022 के लिए शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार की राष्ट्रीय योजना

पुरस्कार की योजना अर्थात् शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना (एनएसआईईए) शैक्षिक प्रशासन विभाग के माध्यम से कार्यान्वित संस्थान का एक नियमित दीर्घकालिक कार्यक्रम है। नीपा में इस योजना की स्थापना 2013–14 में शिक्षा की सार्वजनिक प्रणाली में सुधार लाने तथा शैक्षणिक सेवा में दक्षतापूर्ण प्रदायगी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से क्षेत्र स्तर के शिक्षा प्रशासन के योगदान को मान्यता देने के सुपरिभाषित उद्देश्य से शुरू की गई थी। क्षेत्र स्तर के शिक्षा अधिकारियों तक पहुंचने के लिए यह नीपा की महत्वपूर्ण पहलों में से एक है। शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार विशेष पुरस्कार वितरण समारोह में चयनित जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों को दिए जाते हैं। वर्ष 2014 में इस पुरस्कार योजना शुभारंभ होने के समय से, मामलों की योग्यता के आधार पर कई प्रकरणों को चिन्हित किया गया है। पिछले वर्षों की तरह, वर्ष 2020–2021 और 2021–2022 के लिए पुरस्कारों पर विचार के लिए विभिन्न राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारों से बड़ी संख्या में नामांकन प्राप्त हुए थे। विशेषतः समितियों द्वारा गहन संवीक्षा और बहु–स्तरीय स्क्रीनिंग के बाद नवाचारों और नवोन्मेष के कई प्रकरणों को पुरस्कार और प्रशस्ति प्रमाण पत्र के लिए चुना गया है। चयनित अधिकारियों को शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष पर राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

ब. कार्यशाला/वेबिनार/परामर्शी बैठकें

1. 11 से 15 जुलाई, 2022 तक जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर परिबोधन सह–कार्यशाला

11 जुलाई, 2022 से नीपा में जिला शिक्षा पदाधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर पांच दिवसीय परिबोधन–सह–कार्यशाला का आयोजन किया गया और इसका समापन 15 जुलाई 2022 को हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन शैक्षिक प्रशासन व्यवस्था और प्रबंधन के विभिन्न पहलूओं से संबंधित मुद्दों से निपटने में विभिन्न कौशल और अभिक्षमता से युक्त करने के अलावा नई नीति के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी क्षमता विकसित करना था, जो कि समय की मांग है। इस संदर्भ में, कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य प्रतिभागियों को शैक्षिक प्रशासन के व्यापक क्षेत्रों में नए बदलावों और चुनौतियों से परिचित कराना; शैक्षिक प्रशासन में उनके नेतृत्व कौशल की अभिवृद्धि करना; और प्रबंधकीय प्रभावशीलता से संबंधित विषयों में उनकी क्षमताओं का विकास करना है। पूरे देश से अधिकारियों ने पांच दिवसीय इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों ने इसे खूब सराहा और उन्होंने ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता का स्वागत किया।

2. उच्चतर शिक्षा में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन संबंधी राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला सह–विमर्श बैठकः एनईपी 2020 और उच्चतर शिक्षा का संस्थागत संदर्भः विश्वविद्यालयों के परिप्रेक्ष्य (केंद्रीय, राज्य और मानित) 7–9 दिसंबर, 2022।

7–9 दिसंबर, 2022 तक आयोजित कार्यक्रम में सभी राज्यों और क्षेत्रों के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के 149 वरिष्ठ स्तर के अकादमिक प्रशासकों और अकादमिक प्रमुखों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रतिभागियों में भारत के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के विश्वविद्यालयों के कुलपति/कुलसचिव/डीन/निदेशक/विभागाध्यक्ष जैसे शैक्षिक प्रशासक और अकादमिक प्रमुख नेतृत्व सम्मिलित थे। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के संस्थानों, मुख्यतः विश्वविद्यालय प्रणाली केंद्रीय, राज्य, मानित विश्वविद्यालय की रूपरेखा के भीतर कार्यरत सार्वजनिक वित्त पोषित संस्थान का प्रतिनिधित्व किया गया। कार्यक्रम एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और इसमें अपनाई जा रही रणनीतियों के चरण में पेश होने वाली समस्याओं और चुनौतियों का सहलोचनात्मक विश्लेषण करने के लिए उच्चतर शिक्षा की संस्थाओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति का प्रारूप तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

3. 31 अक्टूबर से 4 नवंबर 2022 तक आरआईई, भोपाल के एम.एड. छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम

इस वर्ष आरआईई, भोपाल से एम.एड. के 5 छात्रों ने इंटर्नशिप में भागीदारी की। इंटर्नशिप के दौरान, छात्रों को शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। उन्हें इसके साथ–साथ संस्थागत कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी गई। सर्वप्रथम उन्हें नीपा और इसके विभिन्न विभागों/केंद्रों और उनमें से प्रत्येक द्वारा की गई गतिविधियों से परिचित कराया गया। इसके बाद, उन्हें शैक्षिक योजना, नीति और प्रशासन पर कई विषयों के बारे में, जैसे एनईपी 2020 की प्रमुख विशेषताएं, शिक्षा का प्रशासन और प्रबंधन, सूक्ष्म आयोजना, स्कूल मानक और मूल्यांकन और स्कूल नेतृत्व के बारे में जानकरी दी गई।

उनके समानुदेशन के भाग के रूप में, छात्रों को एसडब्ल्युओसी विश्लेषण का उपयोग करते हुए महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण–अधिगम पर संक्षिप्त आलेख प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।

4. 27–29 सितंबर, 2022 तक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्तिकरण पर कार्यशाला

उपरोक्त कार्यक्रम 27–29 सितंबर, 2022 तक आयोजित किया गया जिसमें डब्ल्यूडीसी/पीठासीन अधिकारी/आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यगण, वरिष्ठ संकाय सदस्य, यथा विभिन्न प्रकार के संस्थानों मुख्यतः विश्वविद्यालय प्रणाली–केन्द्रीय राज्य, मानित विश्वविद्यालय की रूपरेखा के भीतर कार्यरत सरकारी वित्त पोषित संस्थाओं के डीन और विभागाध्यक्षों मुख्य रूप से सम्मिलित थे। कार्यक्रम का आयोजन प्रतिभागियों में लैंगिक के प्रति संवेदनशील होने की अभिक्षमता

विस्तार के साथ–साथ समावेशी परिसर के निर्माण को बढ़ाने और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण प्रतिषेध के संबंध में उनका परिबोधन, और आंतरिक शिकायत समिति के कानूनी और सामाजिक पहलुओं की जानकारी देना और इसे अधिक सशक्तियां प्रदान करना था।

शैक्षिक वित्त विभाग

इस विभाग का दोहरा उद्देश्य शिक्षा के सभी स्तरों– राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा विश्व स्तर पर आर्थिक तथा वित्तीय पक्ष पर अनुसंधान करना तथा उसे प्रोत्साहित करना है तथा विकासशील देशों और भारत में शिक्षा क्षेत्र की वित्तीय योजनाओं तथा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों के क्षमता निर्माण और ज्ञान का सृजन करना है। विभाग के कार्यक्रम/गतिविधियां– अनुसंधान, अध्यापन, प्रशिक्षण तथा परामर्श हैं जो नीति, योजना तथा विकास, शिक्षा के सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण, सरकारी तथा निजी संसाधनों की लामबंदी, शिक्षा के सभी स्तरों पर संसाधनों का आवंटन तथा उपयोग, प्राथमिक से उच्च, तथा संसाधन आवश्यकताओं के आकलन से जुड़े मुद्दों के इर्द–गिर्द केंद्रित हैं। अधिकांशतः शोध के क्षेत्र शिक्षा के वित्त पोषण, कार्यक्रम और नीतिगत मुद्दों से संबंधित हैं। परामर्शकारी सेवाएँ नीतिगत मुद्दों पर केंद्रित हैं। अध्यापन के विषय में शिक्षा का अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त पोषण से जुड़े सैद्धांतिक और अनुभवजन्य मुद्दे शामिल हैं। प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम के विषय योजना तकनीक और प्रबंधन प्रणाली पर आधारित हैं।

शैक्षिक नीति विभाग

शैक्षिक नीति विभाग शैक्षिक अभिशासन और प्रबंधन में वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए शैक्षिक नीति का अध्ययन, शैक्षिक समस्याओं का मूल्यांकन और विश्लेषण, नीति तथा व्यवहारों का मार्गदर्शन तथा परिणामों को समझने के लिए प्रतिबद्ध है। चूँकि अपने मिशन में यह प्रतिबद्ध है, शैक्षिक क्षेत्र में प्रासंगिता और गुणवत्ता, समता, पहुँच जैसे अवरोधकों के प्रति ज्ञान के वर्धन में, इसलिए यह विभाग समय–समय पर विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर हितधारकों, व्यवहारकर्त्ताओं तथा भारत में शैक्षिक व्यवस्था को प्रमाणित करने वाली जननीति मुद्दों पर चर्चाएं आयोजित करता है। उपरोक्त मुद्दों के साथ शैक्षिक अनुसंधान और शैक्षिक नीति के बीच शैक्षिक संस्थानों में अध्ययन अधिगम और प्रदर्शन के बेहतर लिंकेज को स्थापित करने हेतु यह विभाग अनुसंधान पर बल देता है। अनुसंधान का उद्देश्य केवल शैक्षिक प्रतिभास की जटिलताओं को दर्शाना ही नहीं होता, बल्कि कार्रवाई के लिए संस्तुतियों प्रदान करना भी होता है। समाज में वर्तमान परिवर्तनों और शिक्षा पर इसके प्रभाव को देखते हुए, विभाग समय–समय पर हितधारकों द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए गुंज–यंत्र के रूप में कार्य करता है। विभाग योजनाकारों प्रशासकों, क्रियान्वयनकर्त्ताओं तथा विद्वानों के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करता है जिससे कि वे वर्तमान ढांचे, प्रक्रियाओं और भारत में संगठित शिक्षा के सांस्कृतिक संदर्भों पर प्रभावी और नैतिकता से कार्य कर सकें।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग व्यापक रूप से अधिकार–आधारित और समेकित ढांचे के अंतर्गत समग्र स्कूल शिक्षा, अनौपचारिक और प्रौढ़ साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष बल देता है। यह विभाग बचपन की देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा सहित स्कूली शिक्षा के पूरे क्षेत्र को उजागर करना है। इसके अलावा, विभाग के प्रमुख कार्यों में स्कूली शिक्षा, प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षक, अध्यापक प्रशिक्षण आदि क्षेत्रों में केन्द्र और राज्य सरकारों, अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थाओं के लिए अनुसंधान और विकास, शिक्षण, प्रशिक्षण और परामर्शी सेवाएं प्रदान करना है।

विभाग भारत में शैक्षिक विकास को सुधारात्मक और अनुभवजन्य आधार प्रदान करने के लिए प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षण तथा स्कूली शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में शोध अध्ययन करता है। राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के लिये कार्यशालाएं और क्षमता विकास के कार्यक्रम सभी के लिए शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु ज्ञान, क्षमता और कौशल को बढ़ाने के लिए आयोजित करता है। यह विभाग स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में सह–क्रियात्मक संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ अनुभव और विशेष क्षमताओं को साझा करता है।

यह विभाग संस्थान का एक मुख्य और सबसे पुराना विभाग होने के नाते, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), कार्यक्रमों का कार्यान्वयन (1992), शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) और सभी के लिए शिक्षा (स.लि.शि.) व्यावसायिक और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में महत्वपूर्ण व्यावासायिक योगदान दे रहा है। इसके अलावा, विभाग एसएसए, आरएमएसए और केन्द्र प्रायोजित शिक्षक शिक्षा (सीएसटीई) और समग्र शिक्षा के लिए नीतिगत सिफारिशों में भी योगदान दे रहा है।

हाल के वर्षों में, शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में, विभाग ने भारत में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए दो राष्ट्रीय कार्यक्रमों 'स्कूल मानक और मूल्यांकन (शाला सिद्धि) और स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम' को संस्थागत बनाने का समर्थन किया। इसने अवधारणा, सामग्री विकास और दोनों कार्यक्रमों को सही दृष्टिकोण से लागू करने के लिए 'राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र' और 'स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक' की स्थापना करने की सुविधा प्रदान की।

शैक्षिक परिणामों के इस युग में, शिक्षा की गुणवत्ता, प्रदर्शन में सुधार और स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर प्रभावशीलता की मांग में वृद्धि और नीतिगत विचार–विमर्श के केंद्र के रूप में जारी है। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार और नींव के रूप में शिक्षा की गुणवत्ता को स्वीकारते हुए, विभाग का लक्ष्य है कि स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता, स्कूल प्रभावशीलता और साक्ष्य आधारित सुधार, शिक्षक प्रबंधन और विकास को दीर्घकालिक लक्ष्य के सूचकांक में शामिल करना है। विभाग ने नीपा परिप्रेक्ष्य योजना (2020–2030), राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 और एनईपी 2020: कार्यान्वयन रणनीतियों को अपने फोकस क्षेत्रों के रूप में संरेखित किया है।

विभाग के प्रमुख केन्द्रिक क्षेत्र

1. शिक्षा के प्रति अधिकार–आधारित और समावेशी दृष्टिकोण

भारत सरकार के शिक्षा का अधिकार अधिनियम के केंद्र बिंदु के रूप में, विभाग समावेशी रूपरेखा के भीतर प्री–स्कूल और माध्यमिक स्तर की शिक्षा तक इसके विस्तार के लिए व्यावसायिक सहयोग प्रदान करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। शिक्षा का अधिकार ढांचे के भीतर अधिगमकर्ता की विविधता भी विभाग के कार्यों के महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में सतत जारी है।

2. प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा

एनईपी 2020 में गुणवत्तापरक प्रारंभिक बचपन विकास देखभाल और शिक्षा के लक्ष्य को विद्यालय के लिए तत्परता सुनिश्चित कर वर्ष 2030 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा वर्ष 2025 तक सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल प्राप्ति पर बल दिया गया है। तदनुसार, यह विभाग योजना प्रबंध और प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा हेतु अनुसंधान और क्षमता विकास के कार्यों में लगा हुआ है क्योंकि यह क्षेत्र प्राथमिक शिक्षा की सबसे कमजोर कड़ियों में से एक रहा है। यह विभाग ईसीसीई क्षेत्र में शासन, प्रबंधन और गुणवत्ता जैसे विषयों का निवारण कर शोध के क्षेत्र का विस्तार करने के साथ–साथ ईसीसीई में नीतियों और प्रथाओं पर पुनर्विलोकन कर रहा है।

3. स्कूल प्रोफाइल तैयार करना, गुणवत्ता और सुधार

प्रभावशीलता और सुधार के संदर्भ में शिक्षा के बदलते परिप्रेक्ष्य में स्कूल की महत्वपूर्ण भूमिका में सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रमुखता दी जा रही है। इस प्रकार, स्कूली शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण पहल से स्कूलों, इसकी गुणवत्ता और सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पड़ती है। अधिगमकर्त्ताओं के खराब कार्य निष्पादन के कारण स्कूल सुधार के परिप्रेक्ष्य पर अधिक गंभीरता से ध्यान देने का दबाव बढ़ा रहा है। अतः विभाग का मुख्य ध्यान स्कूलों की प्रोफाइलिंग, स्कूल गुणवत्ता सूचकांक के निर्धारण, स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और गुणवत्ता सुधार के लिए मानक निर्धारण का कार्य निरंतर जारी है। यह स्कूलों की विकासात्मक आवश्यकताओं के मूल तत्व के रूप में स्कूल की जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी बल दे रहा है।

4. मानक–निर्धारण और स्कूल प्रदर्शन प्रबंधन

अब मानक निर्धारण और स्कूल प्रदर्शन प्रबंधन को स्कूल की गुणवत्ता के लिए संभावित स्तर समानकर्ता के लिए

उत्तरोत्तर महत्व दिया जा रहा है। स्कूलों में बदलाव के लिए स्कूल कार्य निष्पादन प्रबंध और गुणवत्ता आश्वासन हेतु मानक निर्धारण को अहम माना जा रहा है। स्कूलों के कार्य निष्पादन स्तर की रूपरेखा तैयार करने में मापन बिन्दु के रूप में या एक पैमाने के रूप रूप में स्कूल मानकों का प्रयोग किया जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर मानक समुच्चय जिसे पूरे देश में सभी स्कूलों को अनिवार्यतः पालन करना चाहिए, इस तर्क पर आधारित है कि राष्ट्रीय मानकः– 1. सभी स्कूलों, या शिक्षा प्रणाली की प्रत्याशा का स्तर बढ़ेगा। 2. इससे यह आश्वासन मिलेगा कि सभी छात्र राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि को प्राप्त करें 3. समुन्नत शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया और स्कूली शिक्षा प्रथाओं के माध्यम से बेहतर जवाबदेही सुनिश्चित होगी। स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) के माध्यम से इन निर्देशों में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। अतएव, यह इस विभाग के मुख्य केन्द्र वाले क्षेत्रों में से एक के रूप में सतत जारी रहेगा।

5. व्यावसायिक मानक, शिक्षक प्रबंधन और विकास

शिक्षक प्रबंधन और विकास की केंद्रीयता को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा एवं स्कूल प्रभावशीलता के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रमुख संकेतकों में से एक माना जाता है। भारत और विश्व स्तर पर किए गए हालिया शोध से पता चला है कि शिक्षक प्रभावशीलता छात्रों के अधिगम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्कूल–आधारित भावी सूचक है। शिक्षक की गुणवत्ता को मोटे तौर पर तीन प्रारूपों में विभक्त किया जा सकता है–आपूर्ति और मांग के विषय; शिक्षकों की तैयारी और अत्यधिक क्षमता वाले शिक्षकों का प्रतिधारण। अध्यापकों की उभरती हुई भूमिका के सदंर्भ में, उनकी शैक्षणिक सूझबूझ, अध्यापन का अभ्यास, उनके कार्यकरण का संदर्भ और शैक्षिक हितधारकों के साथ उनके संबंध, शिक्षक प्रबंधन और विकास की वास्तविकताओं के बारे में गहन समझ और जांचने की आवश्यकता बढ़ जाती है। योग्य शिक्षकों की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, विभाग राष्ट्रीय स्तर के विमर्शों तथा प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्तरों पर शिक्षक प्रबंधन विषय के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और शोध अध्ययन कार्यों में अनवरत लगा हुआ है। इस प्रकार अनुसंधान कार्य को जारी रखते हुए, शोध और विकास के क्षेत्र में शिक्षक प्रभावशीलता और सुधार, शिक्षक कार्य निष्पादन प्रबंधन और मूल्यांकन, शिक्षक जवाबदेही और आचार संहिता तथा शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास को भी इसमें शामिल किया जायेगा।

6. शिक्षक शिक्षा का शासन और प्रबंधन

पिछले एक दशक के दौरान शिक्षक शिक्षा प्रणाली पाठ्यचर्या सुधार के माध्यम से अपने कार्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार करने तथा इसकी अवधि, इसके प्रतिमान और मानक इत्यादि की समयावधि संबंधी कानूनी सिफारिशों को लागू करने के लिए संघर्षरत है। आज के परिणाम–आधारित वातावरण में, शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को निरंतर साक्ष्य देने की आवश्यकता है कि उनके कार्यक्रम की प्रक्रियाएं जवाबदेही, प्रभावी और वर्तमान और भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रासंगिक होने के लिए मूल्यवर्धित हैं। यह विभाग नीति निर्माण, शिक्षक शिक्षा और विकास हेतु योजना निर्माण में सार्थक योगदान दे रहा है। इस विभाग ने शिक्षक शिक्षा की केन्द्र प्रायोजित योजना के मूल्यांकनात्मक अध्ययन अवधि में शिक्षक शिक्षा नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षक और शिक्षण संबंधी राष्ट्रीय मिशन पर जे.एस. वर्मा समिति की रिपोर्ट जो शिक्षक शिक्षा और मिशन (पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण योजना) का विकास इस विभाग और नीपा द्वारा महत्वपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेप रहे हैं। शिक्षक शिक्षा में शासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन अनुसंधान और विकास के लिए उपेक्षित क्षेत्र रहा है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, विभाग शिक्षक शिक्षा में बदलाव लाने के लिए उचित नीतिगत दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए अनुसंधान, विकास और राष्ट्रीय विचार–विमर्श पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

7. स्कूल नेतृत्व

स्कूल की गुणवत्ता में परिवर्तन और रूपांतरण तथा छात्रों के कार्य निष्पादन को बढ़ाने के लिए प्रबंधन और स्कूल नेतृत्व की भूमिका को भारत के नीतिगत चर्चाओं में महत्व दिया जा रहा है। तदनुसार, पूर्व में यह विभाग नेतृत्व विकास कार्यक्रम और विभिन्न राज्यों द्वारा संस्थागत बनाने के लिए स्कूल नेतृत्व रूपरेखा के मध्य विद्यमान अंतराल का लेखाजोखा तैयार करने में लगा हुआ था। इस विभाग ने यूकेईआरआई द्वारा वित्त पोषित परियोजना में नेशनल कॉलेज ऑफ स्कूल लीडरशिप, नॉटिंघम के निकट सहयोग से भी अपना योगदान दिया और नीपा

में स्कूल नेतृत्व केंद्र की स्थापना करने में सहयोग प्रदान किया। इस केंद्र की परिप्रेक्ष्य योजना अलग से तैयार की गई है। यह विभाग, अपने प्रयास को जारी रखते हुए, 'शिक्षक नेतृत्व' को केंद्र स्तर पर लाकर 'शैक्षिक नेतृत्व' पर ध्यान केंद्रित करेगा।

8. कोविड–19 के दौरान शिक्षा और सुरक्षित स्कूल

स्कूल परिवर्तन की महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्रीय युक्ति के रूप में सुरक्षित स्कूल की महत्ता को ध्यान में रखकर यह विभाग प्रशिक्षण सामग्री, क्षमता निर्माण और विभिन्न हितधारकों में नए सिरे से सूझबूझ उत्पन्न करने के लिए विचार–विमर्श विकसित करने में लगा है। विभाग ने स्कूली शिक्षा और कोविड–19 विषय पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक का भी आयोजन किया।

विभाग ने नीपा की 'परिप्रेक्ष्य योजना' से फोकल क्षेत्रों को दीर्घावधि, मध्यम और अल्पकालिक रणनीतियों और नई शिक्षा नीति 2020 के रूप में तैयार किया है। यद्यपि यह विभाग सदैव विभिन्न अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों जैसे ईएफए, एमडीजी और एसडीजी द्वारा की गई सिफारिशों का पालन कर रहा है। तथापि कार्यक्रमों को सरकार की तात्कालिक आवश्यकता और रूपांतरकारी एजेण्डा के रूप में आपनाए जाने का प्रस्ताव है, ताकि शिक्षा के परिणामों में गुणवत्तापरक सुधार हो सके और सभी सामाजिक–आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के अधिगमकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

यह उच्च और व्यावसायिक शिक्षा की नीति, योजना और प्रबंधन से जुड़े आयामों में संलग्न है। यह उच्च और व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण और निजीकरण, गुण्वत्ता, शासन, वित्त पर अनुसंधान को बढ़ावा देता है। विभाग संस्थागत प्रमुखों, विश्वविद्यालयों और राज्य के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं संचालित करता है। विभाग उच्च और व्यावसायिक शिक्षा की नीतिगत योजनाओं और कार्यान्वयन एजेंसियों को तकनीकी और पेशेवर परामर्श प्रदान करता है। अपने अस्तित्व में आने के साथ ही विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को लगातार अनुसंधान सहायता और नीतिगत सलाह प्रदान करता रहा है। विभाग में डब्ल्यूटीओ सेल ने अनुरोधों का विश्लेषण करने और गैट्स के तहत भारत के प्रस्तावों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग ने उच्च शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीयकरण के विभिन्न आयामों का अध्ययन किया और उस पर चर्चा और प्रसार करने के लिए सेमिनार आयोजित किए। यह विभाग उच्चतर शिक्षा के लिये विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं को अंतिम रूप देने में सहयोग करता रहा है। यह विभाग विशेषज्ञों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संकायाध्यक्षों, कुलसचिवों अकादमिक स्टाफ कॉलेज के निदेशकों और कॉलेज प्राचार्यों के लिए सम्मेलन और संगोष्ठियों के आयोजन में यू.जी.सी. का सहयोग करता रहा है। इस विभाग ने कार्य निष्पादन आधारित उच्चतर शिक्षा पर विश्व सम्मेलन आयोजित करने हेतु यूनेस्को क्षेत्रीय सम्मेलन के आयोजन और भारतीय उच्चतर शिक्षा में कार्य निष्पादन आधारित वित्त पोषण पर योजना आयोग – विश्व बैंक प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन में भी सहयोग किया है। वार्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत यह विभाग विभिन्न श्रेणियों के कॉलेज प्राचार्यों के लिये नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। विभाग विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच के विभिन्न आयामों तथा अकादमिक सुधार पर संगोष्ठियां आयोजित करने में अकादमिक समर्थन प्रदान करता है। विभाग शैक्षणिक कार्यक्रम– एम.फिल. तथा पीएच.डी. कार्यक्रमों के शोधार्थियों और दो डिप्लोमा प्रोग्राम नामतः इंटरनेशनल डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (आईडेपा) और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (पीजीडेपा) का अतिरिक्त शोध निर्देशन कर रहा है। विभाग एम.फिल., पीएच.डी., आईडीईपीए और पीजीडीईपीए कार्यक्रमों के शोधार्थियों का उनके शोध प्रबंधों पर पर्यवेक्षण करता रहा है।

विभाग के सदस्य उच्च शिक्षा के कई महत्वपूर्ण और सार्थक पहलुओं पर लगातार शोध कर रहे हैं जैसे 'महाविद्यालयों में स्व–वित्तपोषित पाठ्यक्रम', 'भारत में विदेशी शिक्षा प्रदाता', 'वंचित युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के विकल्प और अभिनव रूप', 'विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों की गतिशीलता', 'भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र', 'भारत में निजी विश्वविद्यालय', 'दक्षिण एशिया में रोजगार के लिए कौशल', 'उच्च शिक्षा में स्वायत्तता', 'बिहार और अन्य राज्यों में उच्च शिक्षा का अभिशासन', 'भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में

पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव', 'यूजीसी छात्रवृत्ति मूल्यांकन', 'यूजीसी यात्रा अनुदान का मूल्यांकन' और 'कोविड–19 और उच्च शिक्षा' और 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व'।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग शोध और क्षमता विकास संबंधित कार्यों के साथ–साथ भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की शिक्षा का आंकड़ा आधारित प्रबंधन सूचना प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी परामर्श देता है। यह विभाग भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) और आंकड़ा आधार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूनीसेफ के सहयोग से जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा यह विभाग शैक्षिक सांख्यिकी के मुद्दों और शिक्षा के समकालीन मुद्दों पर सम्मेलन/संगोष्ठियां और शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधियों पर कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और सांख्यिकी तथा शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली पर बल देते हुए परामर्श प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली के निर्माण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तद्नुसार स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली की दिशा में वर्ष 2012–13 से देशभर में समान आंकड़ा प्रपत्र में पहले कदम के रूप में डाइस और सेमीस का समेकित आंकड़ा संगृहित किया गया है। वर्ष 2015–16 के दौरान स्कूल शिक्षा प्रदान कर रहे 1.5 मिलियन स्कूलों से आंकड़ा एकत्र किए गए।

इस विभाग द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के विषय में एजुसेट द्वारा डाइस पर संवेदनशीलता कार्यक्रम, शैक्षिक शोध में डाइस आंकड़ों का उपयोग और स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली आदि शामिल हैं। यह विभाग विकासशील देशों के लिए ईएमआईएस पर सुनियोजित पाठ्यक्रम के साथ–साथ पीजीडेपा के भाग के रूप में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधि पर पाठ्यक्रम का अध्यापन करता है। विभाग का संकाय ईएमआईएस और स्कूली शिक्षा से संबंधित पक्षों पर भारत सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करता है।

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

विभाग शैक्षिक प्रशासकों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान केंद्रित करता है। कार्यक्रम प्रेरण और प्रौन्नत स्तर पर प्रशिक्षुओं की जरूरतों के आधार पर तैयार किए गए हैं। यह विभाग प्रशिक्षुओं को देश और विश्व स्तर पर चल रहे शैक्षिक सुधारों के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और नीतियों को स्पष्ट करने में मदद करता है। इसको प्राप्त करने के लिए विभाग दो डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करता है एक राष्ट्रीय और दूसरा अंतरराष्ट्रीय शिक्षा कर्मियों के लिए। राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉड्यूलर पाठ्यक्रम – शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) सालाना आयोजित करता है और इन दोनों कार्यक्रमों की व्यापक मांग है। इसके अलावा, विभाग 2016 से विशेष रूप से मध्यम स्तर के शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) के लिए सालाना एक महीने का अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

वर्ष 1982–83 से देश में केवल नीपा में ही शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) उपलब्ध कराया जा रहा है और यह इस संस्थान के विशिष्ट पाठ्यक्रमों में से एक है। पीजीडेपा की परिकल्पना बारह महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में की गई थी जिसे संयुक्त विधि (द्वि–विधि) से उपलब्ध कराया जाता है। इस कार्यक्रम में पूरे भारत के विभिन्न शिक्षा विभागों के शैक्षणिक प्रशासक यथा निदेशालय, एससीईआरटी, सीमैट, डाईट, डी.ई.ओ, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौ सेना इत्यादि के अधिकारीगण भाग लेते हैं और वे अपने–अपने संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्ष 2022–23 के दौरान विभिन्न संगठनों के सत्रह प्रतिभागीगण और आठ राज्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। अब तक नीपा ने शैक्षणिक प्रशासकों की संहति के रूप में लगभग कुल 950 प्रतिभागियों को यह डिप्लोमा प्रदान किया है जो देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों में सेवारत हैं।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

इस संस्थान में शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है क्योंकि पूरे देश में इस कार्यक्रम की अधिक मांग है। कुछ राज्य के शिक्षा विभाग इस डिप्लोमा को अपने राज्यों में सेवारत शिक्षा अधिकारियों की पदोन्नति के लिए अनिवार्य पूर्व अपेक्षा मानते हैं। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण लेने वाले अधिकारी जिस विभाग का प्रतिनिधित्व करते हैं उनकी प्रशिक्षण संबंधी अपेक्षाओं का पूर्णतः ध्यान रखा जाता है। जैसेः एससीईआरटी/सीमैट/डाइट और राज्य सरकारों में सेवारत शिक्षा निदेशालयों के जिला शिक्षा अधिकारी/ब्लॉक शिक्षा अधिकारी इत्यादि। एक वर्षीय पीजीडेपा कार्यक्रम दीर्घावधिक गहन कार्यक्रम है ताकि देश में (1) प्रतिभागियों को शैक्षिक योजना और प्रबंधन का मूलभूत संकल्पनाओं की जानकारी देकर; (2) प्रतिभागियों को शैक्षिक प्रशासन में उन्नत निर्णय लेने के लिए योजना और प्रबंधन कौशल विकसित करने में सक्षम बनाकर; और (3) शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन में प्रतिभागियों की क्षमता विकसित कर देश में व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित प्रशासकों के एक संवर्ग का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।

पीजीडेपा कार्यक्रम का अभिकल्प तैयार करते समय मूलभूत सरोकार इस बात को लेकर था कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रतिभागियों को नीपा में तीन महीने से अधिक की अवधि तक नहीं ठहरना पड़े और वे अपने स्वयं के कार्यस्थल पर अधिगम प्राप्त कर सकें। तदनुसार, स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्ति के लिए बारह महीने के कार्यक्रम संयुक्त विधि में उपलब्ध कराया जाना अभिकल्पित है। हालाँकि, कई शिक्षा विभागों को दीर्घ अवधि के कार्यक्रम के लिए अपने अधिकारियों को भेजने में होने वाली कठिनाई के दृष्टिगत पीजीडेपा की योजना इस तरह से तैयार गई है कि कार्यक्रम का आमने–सामने और आवासीय अध्ययन की अवधि तीन महीने से अधिक न हो। इसमें प्रतिभागियों के कार्यस्थल पर प्रारंभिक चरण, नीपा में फेस–टू–फेस (आमने–सामने), कार्यस्थल पर परियोजना चरण, मुक्त और दूरस्थ अधिगम के माध्यम से उन्नत पाठ्यक्रमों का संचालन और नीपा में सेमिनार–सह–कार्यशाला विधि से परियोजना कार्य प्रस्तुति की व्यवस्था की गई है। 9वां पीजीडेपा का संचालन सितंबर 2022 से जुलाई 2023 तक आयोजित किया गया जिसमें 8 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र/संगठनों के 17 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन और समन्वयन शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग द्वारा किया गया।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

नीपा में वरिष्ठ और मध्यम स्तर के शैक्षिक नीति निर्धारक, योजनाकारों और प्रशासकों के लिए प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) उपलब्ध कराया जाता है। वर्ष 1983 में यूनेस्को के साथ भारतीय राष्ट्रीय आयोग द्वारा आयोजित एशियाई देशों की उप–क्षेत्रीय बैठक की सिफारिशों के बाद वर्ष 1985 में आईडेपा का शुभारम्भ किया गया था। राष्ट्रीय संस्थान ने 36वें ऐसे वार्षिक आईडेपा कार्यक्रमों को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के आईटीईसी प्रभाग के सहयोग से सफलतापूर्वक पूरा किया है। अब तक, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका और प्रशांत क्षेत्रों के 95 देशों के कुल 953 प्रशिक्षुओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है। शैक्षिक प्रशासकों के लिए यह अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम नीपा के सर्वाधिक लोकप्रिय डिप्लोमा कार्यक्रमों में से एक है जो विश्व के लगभग 95 देशों तक अपनी पहुंच रखता है।

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए)

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) एक अल्पकालिक विशेषकृत कार्यक्रम है जिसकी संकल्पना अधिकांश शैक्षिक पदाधिकारियों के दीर्घकालिक कार्यक्रम में भाग लेने में उनकी कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। यह चार सप्ताह का पैकेज्ड कार्यक्रम है जो क्षमता निर्माण की

तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करता है और शैक्षिक प्रशासकों को पुनः सक्रिय करता है ताकि वे स्वदेश लौटने पर चुनौती के रूप में सफल कार्य निष्पादन कर सकें। अब तक चार कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं और इस कार्यक्रम में 26 देशों के कुल 75 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया है।

विभाग की अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

प्रोफेसर बी.के. पंडा और डा. मोना सेदवाल द्वारा प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को चिह्नांकित करने के लिए वर्तमान और भविष्य की तुलना में शैक्षिक प्रशासकों की भूमिका और उनके कार्यों की गहन जांच करने के लिए एक अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के तीन प्रतिवेदनों की योजना बनाई गई है जिनमें विभिन्न विषय सन्निहित हैं:

- **प्रथम शोध विषयः** भविष्यगत प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की पहचान के लिए शैक्षिक प्रशासकों की भूमिका और कार्यों पर अध्ययन।
- **द्वितीय शोध विषय** : शैक्षिक प्रशासकों का क्षमता विकास– अध्ययन पूरा हो गया है, और इसे प्रस्तुत किया गया है।
- **तीसरा शोध विषयः** शिक्षा अधिकारियों की क्षमता विकास संबंधी आवश्यकताओं का अध्ययन जारी है।

शोध परियोजना से संबंधित जिला स्तर के शैक्षणिक प्रशासकों के साथ कार्यशालाएं आयोजित की गई।

1. 26 जून, 2022 को गूगल मीट के माध्यम से पुडुचेरी के जिला स्तर के शैक्षिक प्रशासकों के साथ एक ऑनलाईन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बारह शैक्षणिक प्रशासकों ने भाग लिया।
2. 15 अक्तूबर, 2022 को गूगल मीट के माध्यम से, महाराष्ट्र के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों के साथ एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अठारह शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया।
3. 18 दिसंबर, 2022 – जूम मीट के माध्यम से, असम के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों के साथ एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें पंद्रह शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया।

विशेष पीठ

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

2010 से प्रत्येक वर्ष, मौलाना अबुल कलाम आजाद, भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री की जयंती मनाने के लिए, 11 नवंबर को मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा दिवस की संज्ञा दी गई है। 2022–23 के दौरान, नीपा द्वारा 11 नवंबर, 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया और स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली के निवर्तमान प्रोफेसर, प्रो. अविजीत पाठक द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 13वां मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान का शीर्षक था ''संवाद और सुनने की कलाः हमारी कक्षाओं पर पुनर्विचार''। उन्होंने 'संरचनात्मक बाधाओं से आगे बढ़कर अपनी एजेंसी को पुनः प्राप्त करने के लिए अधिगम प्राप्त करने के मार्ग में आने वाले आघात का सामना करते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की वकालत करते हुए प्रयोगात्मक शिक्षार्थियों के रूप में अपनी छिपी हुई क्षमता पर विश्वास करने; संभावनाओं की कला को आत्मसात करने और आशा शिक्षाशास्त्र के साथ प्रयोग करने का साहस जुटाने के लिए उद्बोधन किया। बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों और शिक्षाविदों ने व्याख्यान में भाग लिया।

राष्ट्रीय अध्येता

नीपा के पास शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों का समर्थन और विस्तार करने के लिए राष्ट्रीय अध्येताओं की नियुक्ति का प्रावधान है। इस पद के लिए प्रसिद्ध विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को नियुक्त किया जाता है। वे अपने विविध अनुशासनात्मक दृष्टिकोण अपने साथ लाते हैं और नीति, योजना, प्रशासन और वित्त पर बहु–विषयक और समग्र परिप्रेक्ष्य विकसित करने में योगदान देते हैं। इनकी नियुक्ति एक निश्चित अवधि के लिए की जाती है। अतीत में कई विशेषज्ञ इस पद पर कार्य कर चुके हैं। वर्तमान में पद रिक्त हैं और विशेषज्ञता के वांछित क्षेत्रों में विशेषज्ञों की उपलब्धता के आधार पर जल्द ही भरे जाने की संभावना है।

केंद्र

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रा.वि.ने.केंद्र की स्थापना 2012 में की गई थी। यह केंद्र भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान से संचालित होता है। अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र अपने चार पहलुओं: पाठ्यक्रम और सामग्री विकास, सतत व्यावसायिक विकास, नेटवर्किंग और संस्थागत निर्माण और अनुसंधान और विकास के माध्यम से सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त क्षेत्रों में स्कूल प्रमुखों और प्रणाली स्तर के पदाधिकारियों की नेतृत्व क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, केंद्र यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि 'हर बच्चा सीखे और हर स्कूल उत्कृष्ट हो।' अपने अस्तित्व के पिछले 10 वर्षों में, केंद्र ने कई मोर्चों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक लंबी दूरी तय की है – स्कूल नेतृत्व विकास और प्रासंगिक व्यवसायी–केंद्रित संसाधन सामग्री, क्षमता विकास कार्यक्रम, विभिन्न अल्पकालिक और दीर्घकालिक नेतृत्व पाठ्यक्रम पर आमने–सामने और आभासी मोड के माध्यम से पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करना। राष्ट्रीय स्तर के संगठनों और राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों के साथ अनुसंधान और निर्माण नेटवर्क का संचालन करना।

रा.वि.ने.केंद्र ने स्कूल नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम डिजाइन और पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (2014, 2015) द्वारा उल्लिखित समग्र दृष्टिकोण से स्कूल परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया है। इसमें सात प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं जो स्कूल के नेताओं को उनके स्कूल में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण से व्यापक रूप से सुसज्जित करते हैं। इसके अलावा, रा.वि.ने.केंद्र ने स्कूल प्रमुखों और शैक्षिक प्रशासकों के निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए विश्व स्तरीय नेतृत्व कार्यक्रम विकसित किए हैं। इनमें से कुछ हैं स्कूल नेतृत्व विकास पर हैंडबुक (2014), 12 भारतीय भाषाओं में राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा अनुवादित और प्रासंगिक, स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (2016)। स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर स्नानकोत्तर डिप्लोमा (2014) और स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर 6 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (2021)। केंद्र ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्कूल प्रमुखों के लिए एक क्षमता विकास कार्यक्रम भी चलाता है http://pslm.niepa.ac.in/.

रा.वि.ने.केंद्र ने वर्ष 2022–2023 में स्कूल प्रमुखों और शैक्षिक प्रशासकों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर स्व–निर्देशात्मक पैकेज भी लॉन्च किया। ये थे (क) सतत व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व मार्ग: स्कूल नेताओं

के लिए स्व–अनुदेशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज (2022) और (ख) स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करना: नवोदय विद्यालय समिति के सहयोग से सीखने में सहायता के लिए स्कूल नेतृत्व का पोषण करना (2022)।

केंद्र एक प्रमुख कार्यक्रम निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) में सक्रिय रूप से योगदान देता है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के लिए राष्ट्रव्यापी क्षमता विकास कार्यक्रम स्कूली शिक्षा के सामान्य और विषयगत मुद्दों पर विभिन्न मॉड्यूलर पाठ्यक्रम विकसित करता है। रा.वि.ने.केंद्र ने निष्ठा कार्यक्रम के सभी चरणों में पाठ्यक्रमों में योगदान दिया , जिन्हें 1.0, 2.0 और 3.0 के रूप में नामित किया गया है, जिसमें प्राथमिक, माध्यमिक से लेकर प्री–स्कूल तक स्कूली शिक्षा के सभी चरण शामिल हैं। निष्ठा के लिए स्कूल नेतृत्व पाठ्यक्रम स्कूल नेताओं के लिए विभिन्न नेतृत्व गुणों और कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि उन्हें पूरे स्कूल परिवर्तन और छात्र अधिगम में सुधार के लिए बदलाव शुरू करने और बनाए रखने में सक्षम बनाया जा सके।

नेटवर्किंग और संस्थागत भवन

केंद्र ने स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम को संस्थागत बनाने और प्रणालीगत अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए जनजातीय मामलों के मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, आर्थिक मामलों के मंत्रालय, केंद्रीय विद्यालय संगठन , नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सहित विभिन्न मंत्रालयों और राष्ट्रीय स्तर के संगठनों के साथ सहयोग किया है। केंद्र 29 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर काम करता है, जहां इसने मौजूदा सरकारी शिक्षा संस्थानों जैसे एससीईआरटी, एसआईईएमएटी, एमआईईपीए, एसआईएसएलईपी, डीआईईटी, डीईआरटी आदि में स्कूल नेतृत्व अकादमियां स्थापित की हैं। स्कूल नेतृत्व अकादमियां रा.वि.ने.केंद्र और नीपा के सह–साझेदार के रूप में उभरी हैं। नीपा तथा रा.वि.ने. केंद्र स्कूल नेतृत्व पर संदर्भ–विशिष्ट मॉड्यूल और सामग्री (पाठ और वीडियो आधारित) विकसित कर रहा है, समग्र शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय के तहत प्रशिक्षण के माध्यम से स्कूल प्रमुखों और प्रणाली पदाधिकारियों की क्षमता का निर्माण और सूक्ष्म अनुसंधान कर रहा है। इन प्रमुख कार्यों के माध्यम से, स्कूल नेतृत्व अकादमियाँ विविध संदर्भों से स्कूल नेताओं को अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्कूल नेतृत्व विकास पर लाइव स्ट्रीमिंग सत्र

केंद्र सी.आई.ई.टी. और एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा उपलब्ध कराए गए प्लेटफॉर्म पी.एम.ई विद्या चैनल 6, 9 और 12 पर स्कूल नेतृत्व विकास पर लाइव स्ट्रीमिंग सत्र आयोजित करता है। इन सत्रों को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य स्कूल प्रमुखों, शोधकर्ताओं और सिस्टम–स्तरीय पदाधिकारियों को ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए स्टूडियो में लाइव आने में सक्षम बनाना है।

अनुसंधान और विकास

रा.वि.ने.केंद्र ने अग्रणी छोटे स्कूलों और विविध संदर्भों में अग्रणी स्कूलों पर चल रहे अध्ययनों के माध्यम से अनुसंधान और विकास में योगदान दिया है। केंद्र का लक्ष्य निकट भविष्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन करने पर शोध करना है।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई)

उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई) (http://cprhe.niepa.ac.in/) की स्थापना राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) में एक स्वायत्त विशेष शैक्षणिक केंद्र के रूप में की गई थी ताकि अनुभवजन्य विश्लेषण; और भारत में उच्च शिक्षा में नीति और नियोजन का समर्थन और अनुसंधानों को बढ़ावा दिया जा सके। सीपीआरएचई का लक्ष्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान भंडार, अनुसंधान और विश्लेषण का एक अत्याधुनिक केंद्र के रूप में कार्य करना है; और उच्च शिक्षा पर एक थिंक–टैंक के रूप में भारत में उच्च शिक्षा विकास और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विद्वतापूर्ण नीतिगत चर्चा को बढ़ावा देना है। सीपीआरएचई का व्यापक मिशन भारत में शिक्षा के विकास के लिए तैयार की गई नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान के सृजन, साझाकरण और अनुप्रयोग में योगदान देना है। केंद्र कई अंतर–संबंधित क्षेत्रों में वर्तमान राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर अपने प्रयासों में, उच्च शिक्षा के प्रावधान का विस्तार और सुधार; समता और समावेश सुनिश्चित करना; गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार; और शासन और प्रबंधन में सुधार को केंद्रित

करेगा। साथ ही, भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली को सक्षम बनाने के लिए उच्च शिक्षा के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय रूप से भी संलग्न रहेगा। सीपीआरएचई द्वारा प्रस्तावित और शुरू की गई सभी शोध गतिविधियों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, नीपा परिप्रेक्ष्य योजना 2030 और नीपा द्वारा तैयार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन योजना के संदर्भ को ध्यान में रखा गया है।

सीपीआरएचई गतिविधियाँ 2022–23

सीपीआरएचई कार्यक्रम और गतिविधियां मुख्य रूप से उन अनुसंधान विषयों के आसपास एकीकृत और केंद्रित हैं जिन्हें केंद्र की परिप्रेक्ष्य योजनाओं में प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2022–23 के लिए योजनाबद्ध सीपीआरएचई गतिविधियां जनवरी 2017 में यूजीसी और मा.सं.वि. मंत्रालय को तैयार और प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम ढांचे और कार्य योजना का अनुसरण करती हैं।

सीपीआरएचई अनुसंधान अध्ययनों के अलावा, केंद्र ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुरोध पर अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन भी किए हैं। अनुरोध पर अनुसंधान क्षेत्रों में अध्ययन किए गए हैं जिनमें 4.8 मिलियन अभ्यर्थियों के राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) परिणामों का विश्लेषण शामिल है; पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन; भारत में विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों की अधिक आपूर्ति और एकाग्रता का अध्ययन; 1949 में (मा.सं.वि. मंत्रालय के अनुरोध पर) भारत सरकार द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसरशिप (एनआरपी) योजना का मूल्यांकन; यूजीसी के लिए राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क (एनएचईक्यूएफ) पर एक अवधारणा नोट और मा.सं.वि. मंत्रालय के अनुरोध पर सीपीआरएचई ने 'भारत में निजी मानित विश्वविद्यालयों में फीस निर्धारण' पर एक अध्ययन किया। यह परियोजना पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और राजस्थान राज्यों में लागू की गई थी। रिपोर्ट मा.सं.वि. मंत्रालय को सौंप दी गई है और सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख श्रृंखला में एक शोध पत्र प्रकाशित किया गया है।

यूजीसी के अनुरोध पर, केंद्र ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यकों के लिए यूजीसी कोचिंग योजनाओं का बड़े पैमाने पर मूल्यांकन अध्ययन किया। यह परियोजना उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात, केरल, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, मेघालय, त्रिपुरा राज्यों में लागू की गई थी। रिपोर्ट यूजीसी को सौंप दी गई है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के अनुरोध पर, सीपीआरएचई ने भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र विविधता के प्रबंधन के आयामों पर मॉड्यूल तैयार किया। मॉड्यूल मुख्य रूप से सीपीआरएचई अनुसंधान अध्ययन पर आधारित हैं जिसका शीर्षक है 'नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक संलग्नता के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और समावेशन का एक अध्ययन'। मॉड्यूल का उद्देश्य उच्च शिक्षा में संकाय और प्रशासकों को छात्र विविधता, शैक्षणिक एकीकरण और सामाजिक समावेशन से संबंधित मुद्दों पर संवेदनशील बनाना था, जिसमें नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव में उच्च शिक्षा की भूमिका भी शामिल थी। मॉड्यूल निम्नलिखित विषयों पर विकसित किए गए थेः

मॉड्यूल 1ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशनः अवधारणाएं और दृष्टिकोण

मॉड्यूल 2ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण

मॉड्यूल 3ः परिसरों में शैक्षणिक एकीकरण प्राप्त करने के दृष्टिकोण

मॉड्यूल 4ः उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप

मॉड्यूल 5ः परिसर में सामाजिक समावेशन

मॉड्यूल 6ः छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र

मॉड्यूल 7: छात्र विविधता, नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव

सात मॉड्यूल पूरे कर लिए गए हैं और आईसीएसएसआर को प्रस्तुत कर दिए गए हैं। मॉड्यूल नीपा द्वारा प्रकाशित किए गए हैं।

सीपीआरएचई/नीपा से तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद, कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा 'तेलंगाना की उच्च शिक्षा में मूल्यांकन और आकलन' अध्ययन करने का अनुरोध किया गया था। इस संबंध में, सीपीआरएचई/नीपा विशिष्ट सिफारिशों के लिए उचित समयबद्ध अध्ययन करने में तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद और कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस का सहयोग कर रहा है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य तेलंगाना राज्य में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के वर्तमान मूल्यांकन ढांचे (परीक्षाओं) का अध्ययन और मूल्यांकन करना है; भविष्य की बाज़ार आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाकर, उस ज्ञान और कौशल का निर्धारण करना जिसका मूल्यांकन करने की आवश्यकता है; एनईपी उद्देश्यों के अनुरूप छात्र मूल्यांकन प्रक्रिया में विशिष्ट बदलावों और अगले कदमों की सिफारिश करना, तथा तेलंगाना को अगली पीढ़ी की मूल्यांकन प्रणालियों को शुरू करने के लिए एक अनुकरणीय राज्य बनाना। परियोजना नवंबर 2022 में शुरू हुई और परियोजना रिपोर्ट अप्रैल 2023 में तेलंगाना एस.सी.एच.ई को प्रस्तुत की गई।

वर्ष 2022–23 में सीपीआरएचई ने अंतरराष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं पर भी प्रगति की। आईआईईपी/यूनेस्को के सहयोग से 20 नवंबर 2020 को लचीले शिक्षण पथः भारत में उच्च शिक्षा के लिए चुनौतियां और अवसर पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था। वेबिनार का प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव के संदर्भ में भारत में उच्च शिक्षा में मौजूदा लचीले शिक्षण मार्गों पर चर्चा करना था; संस्थागत अनुभवों को साझा करना और अन्य भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए उनकी प्रयोज्यता पर चर्चा करना और लचीली शिक्षा के मार्गों में सुधार के लिए रणनीतियों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। आईआईईपी संश्लेषण प्रकाशन के लिए 'मुक्त और दूरस्थ शिक्षा और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मः भारतीय उच्च शिक्षा में पहुंच और प्रगति को लचीला बनाने का एक साधन' शीर्षक से एक आलेख को अंतिम रूप दिया गया है और इसे जुलाई 2021 में मलेशिया में अंतर्राष्ट्रीय नीति फोरम में प्रस्तुत किया गया था। वर्ष 2022–23 में, रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है और नीपा को सौंप दिया गया है। अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट और निष्कर्षों के आधार पर 'चुनौतियों को अवसरों में बदलनाः उच्च शिक्षा में लचीले शिक्षण मार्ग (एफएलपी)' नामक पुस्तक तैयार की गई है और नीपा वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तारः संस्थागत दृष्टिकोण (वारविक विश्वविद्यालय, यूके और सीपीआरएचई/नीपा के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना) एक 4–वर्षीय अनुसंधान परियोजना (2022–26) है जिसे वारविक विश्वविद्यालय से पूर्ण वित्त पोषण सहायता प्राप्त है। यह पहले एफसीएफ परियोजना 'ए फेयर चांस फॉर एजुकेशन' (2017–21) की पहुंच और प्रभाव को आगे बढ़ाता है। यह परियोजना पहली परियोजना से एक महत्वपूर्ण संदेश लेती है जिसमें प्रभाव की संभावना महत्वपूर्ण है। यह उच्च शिक्षा से लेकर भारत में एस.ई.डी.जी. के छात्रों के लिए स्कूल के बाद के विकल्पों पर सूचित मार्गदर्शन प्रदान करने में सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों की महत्वपूर्ण लेकिन वर्तमान में कम उपयोग की जाने वाली क्षमता है।

वर्ष 2022–23 में सीपीआरएचई गतिविधियों ने अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने, राष्ट्रीय संश्लेषण रिपोर्ट और राज्य अनुसंधान रिपोर्ट को अंतिम रूप देने, नए अनुसंधान प्रस्तावों को अंतिम रूप देने और अनुसंधान के नए क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों को शुरू करने, ऑनलाइन कार्यशालाओं का संचालन करने और एनईपी 2020 विषयों पर वेबिनार आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित किया और सीपीआरएचई अनुसंधान के आधार पर प्रकाशनों की एक श्रृंखला को पूरा किया। केंद्र की नियमित प्रकाशन गतिविधियाँ रहीं, अर्थात् भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (सेज और रूटलेज द्वारा प्रकाशित), सीपीआरएचई अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार पर आधारित संस्करणों का प्रकाशन (स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित), सीपीआरएचई अनुसंधान पत्र श्रृंखला, सीपीआरएचई अनुसंधान पर आधारित नीति संक्षेप और सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्टें वर्ष 2022–23 में प्रकाशित की गईं।

22 राज्यों में छह बड़े पैमाने पर बहु–संस्थागत अध्ययन शुरू किए गए और पूरे किए गए। सीपीआरएचई ने उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशन से संबंधित विषयों को कवर किया है; भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और सीखना; भारत में उच्च शिक्षा का शासन और प्रबंधन; भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषणः धन का प्रवाह और उनका उपयोग; संस्थागत स्तर पर बाहरी और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन और उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार क्षमता का अध्ययन। करीब 36 शोध रिपोर्ट तैयार की गई हैं।

एकक

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक (शाला सिद्धि)

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता की दिशा में एक अभिनव पहल है। यह भारत में गुणवत्ता आश्वासन की एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यापक स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता को संस्थागत बनाता है। एक अभिनव पहल के रूप में, कार्यक्रम का उद्देश्य गुणवत्ता सुधार और बेहतर सीखने के परिणामों के लिए स्कूल गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली विकसित करना है।

शाला सिद्धि कार्यक्रम बनाने का मुख्य उद्देश्य मानकों और प्रक्रियाओं के एक सहमत मानक को स्थापित करना और संदर्भित करना है, जिसे सभी स्कूलों को स्थायी तरीके से हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। यह 'स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन' को साधन और 'स्कूल सुधार' को लक्ष्य के रूप में देखता है। इसलिए, स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन का तात्पर्य किसी व्यक्तिगत स्कूल के मूल्यांकन और समग्र तरीके से उसके प्रदर्शन से है। यह स्कूलों को उनकी ताकत, सुधार के अवसरों को समझने, कार्यों को प्राथमिकता देने, निर्णय लेने और उनके सुधार के लिए साक्ष्य–आधारित समर्थन बनाने की सुविधा प्रदान करता है।

शाला सिद्धि कार्यक्रम के उद्देश्य हैंः स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता को संस्थागत बनाना; स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता के लिए मानक और कार्यप्रणाली निर्धारित करना; सहयोगात्मक स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता (स्वयं और बाह्य मूल्यांकन) के लिए स्कूलों और प्रणाली को सशक्त बनाना; स्कूलों को आत्म–प्रकटीकरण और जवाबदेही के साथ साक्ष्य–आधारित आत्म–सुधार प्रक्रिया शुरू करने के लिए सशक्त बनाना; स्कूल और सिस्टम द्वारा साक्ष्य–आधारित कार्रवाई की शुरुआत के माध्यम से स्कूल–आधारित सुधार दृष्टिकोण विकसित करना; बेहतर सीखने के परिणामों के लिए स्कूली शिक्षा प्रक्रियाओं को बदलने के लिए स्कूल गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली की मजबूत प्रणाली की संस्कृति विकसित करना।

प्रगति एवं स्थितिः शाला सिद्धि

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की बढ़ती भागीदारी के साथ–साथ शाला सिद्धि कार्यक्रम के तहत स्कूलों का कवरेज भी बढ़ा है। वर्ष 2016–18 को स्कूल स्व–मूल्यांकन की तैयारी के लिए सीखने के वर्ष के रूप में माना गया था। स्कूल स्व–मूल्यांकन एक वार्षिक सुविधा के रूप में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा क्रमशः वर्ष 2016–18, 2018–19, 2019–20, 2020–21, 2021–22 और 2022–23 के लिए लागू किया गया है। वर्ष 2021–22 के दौरान, लगभग 4.17 लाख स्कूलों ने स्कूल स्व–मूल्यांकन पूरा कर लिया है और इसे समर्पित वेब–पोर्टल पर अपलोड कर दिया है।

शाला सिद्धि स्कूल स्व–मूल्यांकन के साथ–साथ, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने स्कूलों का बाहरी मूल्यांकन भी शुरू किया है। वर्ष 2020–21 में 30 हजार से अधिक स्कूलों ने बाह्य–मूल्यांकन पूरा कर लिया है और कई राज्य पूरा करने की प्रक्रिया में हैं।

शाला सिद्धि स्व–मूल्यांकन के तहत स्कूलों का कवरेज सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में असमान है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु और गुजरात उच्च प्रदर्शन वाले राज्य हैं जबकि असम, बिहार मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, ओडिशा मध्यम प्रदर्शन वाले राज्य हैं; हिमाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश कम प्रदर्शन वाली श्रेणी में आते हैं। कुछ राज्यों में जैसे; महाराष्ट्र, तमिलनाडु, चंडीगढ़ और राजस्थान ने लगभग 100 प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया है।

एनईपी 2020 गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता स्व–नियमन और मान्यता प्रणाली पर जोर देती है। इस संबंध में, शाला सिद्धि कार्यक्रम इन सिफारिशों को मजबूत कर रहा है और स्कूल शिक्षा के शासन और विनियमन को बदलने के लिए स्कूल गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली, एसएसएसए की स्थापना और एसक्यूएएएफ के विकास की एक मजबूत प्रणाली बनाने में सहायता कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली शिक्षा में मजबूत स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता प्रणाली की संस्कृति विकसित करना है।

परियोजना प्रबंधन एकक

राष्ट्रीय संस्थान में परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की स्थापना गृह स्तर एवं प्रायोजित अनुसंधान के समर्थन और प्रबंधन के उद्देश्य से की गई थी। यह एकक शिक्षा नीति और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (व्यक्तिगत शोध) के क्षेत्र में अध्ययन के लिए नीपा सहायित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु और अध्ययन, सेमिनार, मूल्यांकन आदि के लिये नीपा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय अनुदान सहायता योजना विभाग के सभी बाह्य वित्त–पोषित और आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं के उचित समन्वय के लिये प्रशासन की एक केन्द्रीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करता है।

यह एकक सामान्य रूप से, परियोजना अनुमोदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिये परियोजना कार्यान्वयन में प्रगति की निगरानी और संबंधित समर्थन सेवाएँ प्रदान करने सहित नीपा में किए गए विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन के लिये प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह सभी मामलों में धन और घरेलू व्यय के लेखा सहित नीपा – परियोजना भर्ती और नियुक्तियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

पीएमयू विभिन्न परियोजनाओं के लेखांकन, परियोजना स्टाफ की भर्ती, बजट के अलावा संस्थान में चल रहे और पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं/अध्ययनों से संबंधित सभी कार्य की देखभाल करता है।

पीएमयू एकक में अध्यक्ष, कुलपति द्वारा चयनित किया जाता है। इसके अलावा पांच अन्य अकादमिक तथा समर्थन स्टाफ भी चयनित किये जाते हैं। समर्थन स्टाफ में परियोजना परामर्शदाता, परियोजना प्रबंधक तथा कनिष्ठ परामर्शदाता सम्मिलित हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक

भारत की व्यापक उच्चतर शिक्षा प्रणाली और लगभग 1,000 विश्वविद्यालयों एवं 40,000 महाविद्यालयों में प्रतिवर्ष 36 मिलियन से भी अधिक विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ नवयुवकों के बढ़ते हुए नामांकन को देखते हुए देश गुणवत्तापरक उच्चतर शिक्षा की आवश्यकता को समझते हुए अपने स्नातक योग्यताधारियों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने की भूमिका को आत्मसात् करता है। वस्तुतः अन्तरराष्ट्रीय स्वरूप दिया जाना अर्थात् अन्तरराष्ट्रीयकरण सदैव भारत में उच्चतर शिक्षा विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है क्योंकि यह देश सबसे अधिक अन्तरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को भेजने वालों की श्रेणी में दूसरे स्थान पर है। तथापि, भारत में मात्र 46,000 विद्यार्थी ही आते है जिनमें से अधिकांश दक्षिण एशियाई क्षेत्र से हैं। उच्चतर शिक्षा की वैश्विक रैंकिंग में भी भारत पीछे चल रहा है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, अन्तरराष्ट्रीयकरण का मुद्दा भारत में उच्चतर शिक्षा पर होने वाले विमर्श में पुनः मुख्य विषय के रूप में उभर रहा है।

भारत की योजना अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए खुद को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने और अंततः अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित करने की है। देश अपने अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार करने का भी इच्छुक है और इसने कई महत्वपूर्ण योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। स्टडी इन इंडिया प्रोग्राम, स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन (SPARC) और ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (GIAN)। कोलंबो योजना और आई टी ई सी जैसे पुराने कार्यक्रमों ने एक ठोस नींव रखी है जिस पर वर्तमान प्रयासों का निर्माण करना है। भारत

में पहले से ही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों, बहुपक्षीय निकायों और द्विपक्षीय एजेंसियों के साथ शैक्षिक सहयोग गतिविधियां हैं। यह उन नेटवर्क विश्वविद्यालयों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जो पहले ही स्थापित हो चुके हैं या स्थापित होने की प्रक्रिया में हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी) का सिंहावलोकन

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत की नेतृत्व क्षमता को तब महसूस किया जा सकता है जब यह वैश्विक पहलों की योजना और वित्तपोषण दोनों में सक्रिय रूप से संलग्न हो। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में अग्रणी भूमिका निभाने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए विशिष्ट सहयोग व्यवस्थाओं के संदर्भ का विश्लेषण प्रदान करने के लिए एक तंत्र की आवश्यकता होती है, अनुभवजन्य साक्ष्य की पीढ़ी, दस्तावेजों की तैयारी और एमओई को नियमित प्रतिक्रिया। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए एक संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता है और यह नीपा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी) की स्थापना के लिए संदर्भ बनाता है।

मुख्य कार्य

एकक की समग्र जिम्मेदारी शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से संबंधित मामलों पर अपने अनुसंधान और प्रलेखन, सलाहकार और निगरानी भूमिका के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय और अन्य निर्णय लेने वाले निकायों को समर्थन प्रदान करना है। विशेष रूप से, एकक के निम्नलिखित कार्य हैं:

1. शिक्षा में भारत और अन्य देशों, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग में प्रवृत्तियों और पैटर्न का विश्लेषण और दस्तावेज करना।
2. शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में बैठकों में आधिकारिक भागीदारी के लिए पृष्ठभूमि दस्तावेज और संक्षिप्त विवरण तैयार करने में मदद करना
3. शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की अंतर–सरकारी, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियों के साथ भारत की नेटवर्क गतिविधियों का समन्वय और सुदृढ़ीकरण करना।
4. शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुरोध किए जा सकने वाले सहयोग के कार्यक्रमों के डिजाइन, कार्यान्वयन और निगरानी में मदद करना।
5. प्रत्येक वर्ष शिक्षा मंत्रालय द्वारा की जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय सहयोग गतिविधियों पर एक रिपोर्ट तैयार करना।

यूआईसी में एक सलाहकार, चार उप सलाहकार, एक कनिष्ठ परियोजना सलाहकार और एक कंप्यूटर सहायक है। सलाहकार एकक का प्रभारी होता है और इसकी गतिविधियों का समन्वय करता है। प्रोफेसर के. रामचंद्रन यूआईसी के वरिष्ठ सलाहकार हैं। एकक का नेतृत्व नीपा के कुलपति करते हैं।

शिक्षा मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ (आईसीसी) की विभिन्न गतिविधियों के आधार पर, सलाहकार और उप सलाहकारों को निम्नलिखित कार्यात्मक जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं।

क्र.सं.	वर्टिकल का नाम	व्यापक जिम्मेदारियां
1.	अमेरिका (उत्तरी अमेरिका और लैटिन अमेरिका और कैरिबियन)	जी–20, ई–9, और अमेरिका के भीतर देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/एमओयू से संबंधित कार्य/मामलों का समर्थन करना।
2.	यूरोप	यूरोपीय संघ, ओईसीडी, और यूरोप के भीतर देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/एमओयू से संबंधित कार्य/मामलों का समर्थन करना।
3.	एशिया प्रशांत (पूर्वी एशिया, दक्षिण–पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र)	एसीडी, ब्रिक्स, आसियान, आईबीएसए, और एशिया प्रशांत के देशों और एसीडी, ब्रिक्स, आसियान और आईबीएसए के सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/एमओयू से संबंधित कार्य/मामलों का समर्थन करना
4.	अन्य एशिया क्षेत्र (दक्षिणी एशिया, काकेशस, मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया)	राष्ट्रमंडल, एससीओ, बिम्सटेक, सार्क, और एससीओ, बिम्सटेक और सार्क के सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/एमओयू से संबंधित कार्य/मामलों का समर्थन करना।
5.	अफ्रीका (उप–सहारा अफ्रीका, उत्तरी अफ्रीका)	अफ्रीकी संघ, अफ्रीका में देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों/एमओयू से संबंधित कार्य करना है।
6.	यूनेस्को	यूनेस्को, एएसईएम

शैक्षणिक सहायता समर्थन एकक

पुस्तकालय, प्रलेखन केंद्र और डिजिटल अभिलेखागार

संस्थान में अत्याधुनिक पुस्तकालय है जिसमें शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन और संबंधित विषयों के क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों और अन्य सामग्रियों का विस्तृत और समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है जैसे; सीएएस, एसडीआई, संदर्भ सेवा, वेब ओपेक, सर्कुलेशन, जेरोक्सिंग। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अपने संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देने के लिए विकासशील पुस्तकालय नेटवर्किंग (DELNET) का सदस्य रहा है। पुस्तकालय में वर्तमान में यूएनओ, यूएनडीपी, यूनेस्को, आईएलओ, यूनिसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी आदि जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों के समृद्ध संग्रह के अलावा 59,208 से अधिक पुस्तकों/दस्तावेजों और 7,616 पत्रिकाओं का संग्रह है। पुस्तकालय शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों,

250 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं को भी प्राप्त करता है। पुस्तकालय ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए जेस्टोर, एलसवियर और सेज जैसे तीन ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस की सदस्यता भी ली है। नीपा के प्रलेखन केंद्र में लगभग 17,993 खंड हैं, जिसमें आधिकारिक रिपोर्टों, केंद्र और राज्य सरकार के प्रकाशनों, शैक्षिक सर्वेक्षणों, पंचवर्षीय योजनाओं, जनगणना रिपोर्ट और गैर प्रिंट सामग्री आदि का एक अनूठा संग्रह शामिल है। दस्तावेजीकरण केंद्र में बहुत महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी हैं, और शिक्षा पर सर्वेक्षण जो शैक्षिक अनुसंधान और नीति–निर्माण के लिए आवश्यक हैं। भारत में शिक्षा के सभी पहलुओं, क्षेत्रों और स्तरों पर संदर्भ और अनुसंधान के स्रोत के रूप में सभी दस्तावेजों को सॉफ्ट रूप में एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय संस्थान में एक डिजिटल अभिलेखागार की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय संस्थान के विस्तारित चेहरे के रूप में उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाना है। उच्च स्तरीय पूर्ण स्वचालित डिजिटल स्कैनर सहित नवीनतम आईसीटी का उपयोग डिजिटल दस्तावेजों के डिजाइन, भंडारण और पुनर्प्राप्ति के लिए किया जाता है। उपयोगकर्ता के अनुकूल सॉफ्टवेयर, कई खोज विकल्पों के साथ, डिजिटल अभिलेखागार की एक अंतर्निहित विशेषता है।

शिक्षा दस्तावेजों का डिजिटल अभिलेखागार 2013 में स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य सभी शिक्षा दस्तावेजों को एक स्थान पर सॉफ्ट संस्करण में रखना है। डिजिटल अभिलेखागार का संग्रह पहले से ही 11,000 से अधिक है और लगातार बढ़ रहा है। दस्तावेजों को 18 श्रेणियों के तहत वर्गीकृत और केंद्रीय और राज्य और ऐसी अन्य श्रेणियों के तहत उप–विभाजित किया गया है। डिजिटल अभिलेखागार स्वतंत्रता के पश्चात से ही शिक्षा प्रणाली के सभी पहलुओं, क्षेत्रों और स्तरों को कवर करने वाली नीति और अन्य संबंधित दस्तावेजों तक पहुंच प्रदान करता है, ताकि किसी भी नीति विश्लेषक और योजनाकार, शोधकर्ता और शिक्षा में रुचि रखने वाले अन्य लोगों को संदर्भ और डेटा का उपयोग के लिए कहीं और जाने की आवश्यकता न हो। डिजिटल अभिलेखागार का उद्देश्य नीपा के विस्तारित रूप में उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय तैयार करना है।

कंप्यूटर केंद्र

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी जरुरतें पूरा करता है। यह केंद्र संस्थान के सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधाएं

प्रदान करता है। नेटवर्क संसाधन को पहुंचाने के लिए सभी संकाय और स्टाफ को नेटवर्क प्वांइट सुलभ किए गए हैं। नीपा डोमेन से सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत ई–मेल खाता खोले गए हैं। सभी संकाय सदस्यों को 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी दी गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डेस्कटॉप और संकाय सदस्यों को लैपटाप आवंटित किए गए हैं। नीपा में समुचित नेटवर्क सुरक्षा का रखरखाव किया जा रहा है। केद्र में आधुनिकतम सुविधाएं हैं, जैसे–आईबीएम–ई सिरीज सर्वर जो तीव्र अर्थनेट से जुड़ा है। वर्तमान में निम्नलिखित आधारभूत सुविधाएं हैं–उन्नत कैट–6 केबल, केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सुविधा, जिसमें उच्च कार्यनिष्पादन वाले सर्वर्स, क्लाइंट पी सी, इंटरनेट से अपलिंक और अन्य सेवाएं और अति सक्षम बहुकल्पिक यू पी एस के जरिए पर्याप्त रूप में अनवरत पावर आपूर्ति उपलब्ध है।

प्रकाशन एकक

नीपा में शिक्षा के शोध और विकास के प्रसार–प्रचार हेतु प्रकाशन कार्यक्रम है। नीपा प्रकाशन एकक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य संबंधित सामग्री रिपोर्टों, पुस्तकों, जर्नलों, न्यूज़लेटर, अनुसंधान आलेखों, तथा अन्य प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान तथा विकास की सूचनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। राष्ट्रीय संस्थान द्वारा प्रकाशित कुछ पत्रिकाओं में 'जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन', 'परिप्रेक्ष्य' हिन्दी जर्नल तथा एंट्रीप न्यूज़लेटर इत्यादि हैं। राष्ट्रीय संस्थान का प्रकाशन एकक शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है।

हिंदी कक्ष

यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहयोग देता है।

प्रशासन और प्रबंधन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) यूजीसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत एक 'मानित विश्वविद्यालय' है और सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। राष्ट्रीय संस्थान के प्राधिकारियों में कुलाधिपति, कुलपति प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और अध्ययन बोर्ड तथा संस्थान के प्रबंधन बोर्ड द्वारा घोषित या नामित ऐसे अन्य प्राधिकरण; संस्थान के कुलपति प्रधान अकादमिक और कार्यकारी अधिकारी हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग (पीएन I अनुभाग) ने 16 जनवरी, 2020 के अपने पत्र संख्या 2–7/2016–पीएन–I के माध्यम से यूजीसी के अनुसार नीपा के संशोधित संघीय ज्ञापन और नियमों, 2019 को भेजा है। जिसमें कहा गया है कि संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय अब प्रबंधन बोर्ड होगा।

प्रबंधन बोर्ड: प्रबंधन बोर्ड संस्थान के विनियम बनाने की शक्तियों के साथ प्रबंधन का प्रमुख अंग और संस्थान का सर्वोच्च कार्यकारी निकाय होगा। प्रबंधन बोर्ड का मुख्य कार्य संघीय ज्ञापन में निर्धारित संस्थान के उद्देश्यों को कार्यान्वित करना है। प्रबंधन मंडल संस्थान के सभी मामलों के सामान्य पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी है। प्रबंधन बोर्ड में अध्यक्ष (पदेन) के रूप में संस्थान के कुलपति होते हैं; डीन (अकादमिक और अनुसंधान); कुलाधिपति द्वारा नामित तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविद, जिन्होंने प्रोफेसर के पद पर कार्य किया हो और वे न तो संस्थान या प्रायोजक निकाय से होंगे और न ही उनके रिश्तेदार होंगे; शिक्षा मंत्रालय (एमओई) का एक प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव, भारत सरकार के पद से नीचे के न हो; संस्थान के दो संकाय सदस्यः वरिष्ठता के आधार पर बारी–बारी से प्रोफेसरों और सह–प्रोफेसरों में से एक–एक; और शिक्षा मंत्रालय के तीन नामांकित व्यक्ति जो प्रख्यात शिक्षाविद हों और जो प्रोफेसर के पद से नीचे नहीं हों। संस्थान के कुलसचिव प्रबंधन बोर्ड के पदेन सचिव होंगे। 31 मार्च, 2023 तक प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–I में दी गई है।

वित्त समिति : वित्त समिति की मुख्य भूमिका संस्थान की लेखा की जांच करना और व्यय के प्रस्तावों की समीक्षा करना है। राष्ट्रीय संस्थान की वार्षिक लेखा और वित्तीय आकलनों को वित्त समिति के सम्मुख रखा जाता है और समिति की टिप्पणियों के साथ इसे अनुमोदन के लिए प्रबंधन बोर्ड को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाता है। वित्त समिति राष्ट्रीय संस्थान की आय और संसाधनों के आधार पर वार्षिक आवर्ती और गैर आवर्ती व्यय की सीमाऐं तय करती है। संस्थान के कुलपति वित्त समिति के अध्यक्ष हैं; डीन (अकादमिक और अनुसंधान); शिक्षा मंत्रालय का एक प्रतिनिधि, जो संयुक्त सचिव के पद से नीचे का न हो; प्रबंधन बोर्ड के दो नामांकित व्यक्ति; जिनमें से एक बोर्ड का सदस्य हो और राष्ट्रीय संस्थान का वित्त अधिकारी जो वित्त समिति के सचिव के रूप में कार्य करेगा।

31 मार्च, 2023 तक वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–II में दी गई है।

अकादमिक परिषद : नीपा अकादमिक परिषद संस्थान का शीर्षस्थ अकादमिक निकाय है। अकादमिक परिषद शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और परामर्श के स्तर पर सतत सुधार और अंतर–विभागीय सहयोग, परीक्षा और परीक्षण आदि के प्रति उत्तरदायी होता है। इसका पदेन अध्यक्ष संस्थान के कुलपति होते हैं। संस्थान के डीन, (अकादमिक और अनुसंधान); राष्ट्रीय संस्थान के विभागों के विभागाध्यक्ष; विभागों से दो सह–प्रोफेसर, परस्पर वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुसार नामित; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुसार विभागों से दो सहायक प्रोफेसर; प्रतिष्ठित शिक्षाविदों या मानित विश्वविद्यालय संस्था की गतिविधियों से संबंधित किसी अन्य क्षेत्र के व्यक्तियों में से तीन व्यक्तियों को कुलपति द्वारा नामित किया जाता है। मानित विश्वविद्यालय, कुलपति द्वारा नामित; तीन सदस्य जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों और अकादमिक परिषद द्वारा विषय विशेषज्ञ के आधार

पर सहयोजित किए गए हों। नीपा का कुलसचिव परिषद का पदेन सचिव होता है। 31 मार्च 2023 के अनुसार सदस्यों की परिशिष्ट–III में दी गई है।

अध्ययन बोर्ड : राष्ट्रीय संस्थान के कुलपति अध्ययन बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं; डीन (अकादमिक और अनुसंधान); विभागाध्यक्ष और संकाय/विभाग के सभी प्रोफेसर; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुक्रम द्वारा संकाय/विभाग के दो सह–प्रोफेसर; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर बारी–बारी से संकाय/विभाग के दो सहायक प्रोफेसर; संबंधित व्यवसाय से संबंधित विशेषज्ञता के लिए अधिकतम 2 विषय विशेषज्ञ को सहयोजित किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक स्थायी आमंत्रित व्यक्ति होगा। 31 मार्च, 2023 तक अध्ययन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–IV में दी गई है।

योजना और निगरानी बोर्ड : योजना और निगरानी बोर्ड संस्थान का प्रमुख योजना निकाय है जो संस्थान के विकास कार्यक्रमों की निगरानी के लिए उत्तरदायी होगा। योजना एवं निगरानी बोर्ड के अध्यक्ष संस्थान के कुलपति होते हैं। कुलसचिव इसके सचिव हैं, जिसमें सभी विभागों के सात आंतरिक सदस्य (विभागाध्यक्ष) और संस्थान के बाहर के तीन प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हैं। 31 मार्च, 2023 तक योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–V में दी गई है।

कार्यबल और समितियां: विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए समय–समय पर कुलपति द्वारा विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति हेतु सलाह और निगरानी के लिए विशेषज्ञों की परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं। एक सलाहकार अनुसंधान अध्ययन बोर्ड का गठन कुलपति की अध्यक्षता में किया जाता है, जिसमें अन्य के अलावा, सभी अकादमिक विभागों के प्रमुख इसके सदस्य होते हैं, और कुलसचिव, इसके सदस्य–सचिव के रूप में, शैक्षिक योजना और प्रशासन में अध्ययन के लिए सहायता योजना के तहत प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करते हैं।

संगठनात्मक ढांचा

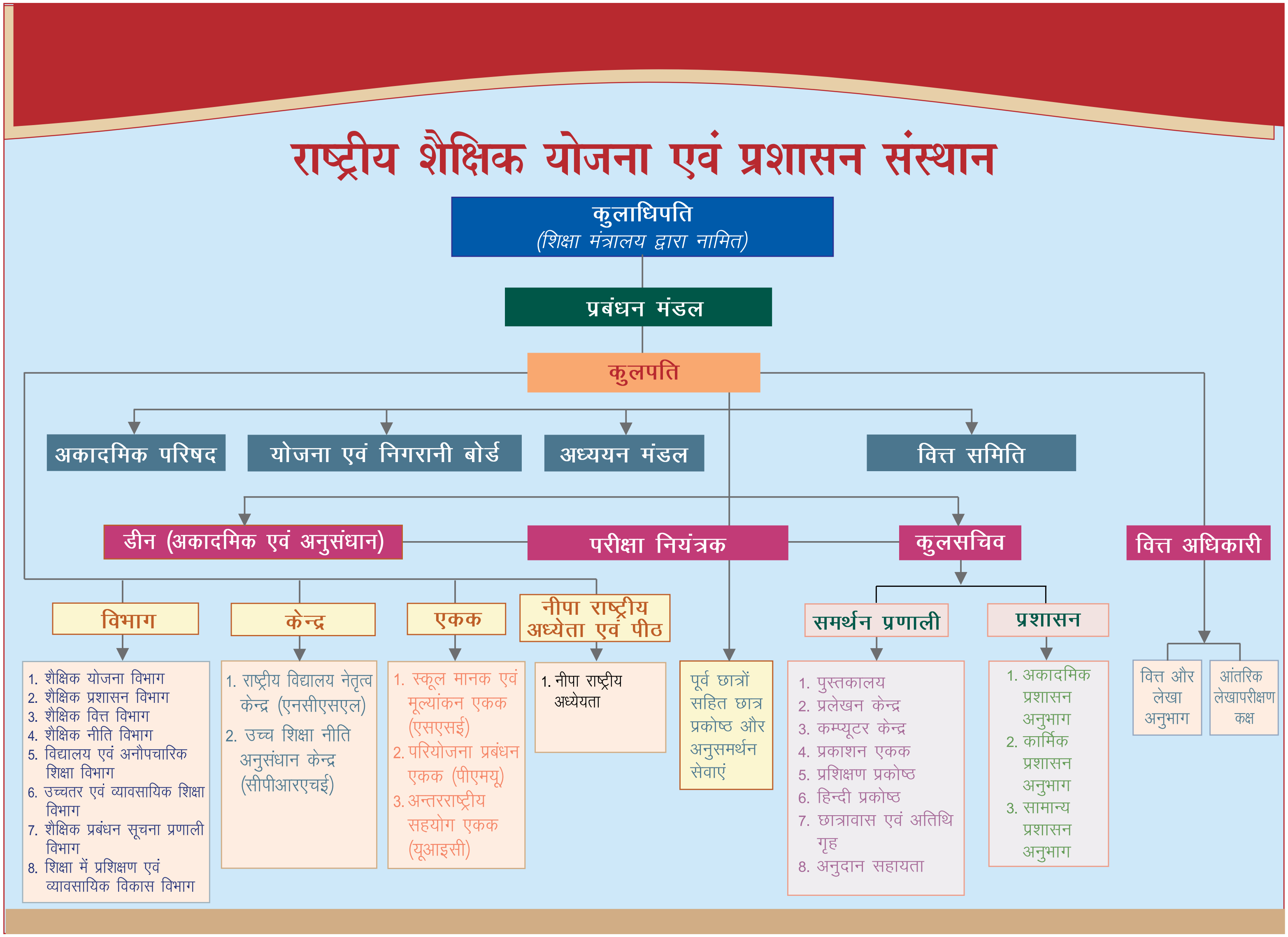
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
कुलाधिपति
(शिक्षा मंत्रालय द्वारा नामित)
प्रबंधन मंडल
कुलपति
अकादमिक परिषद
योजना एवं निगरानी बोर्ड
अध्ययन मंडल
वित्त समिति
डीन (अकादमिक एवं अनुसंधान)
परीक्षा नियंत्रक
कुलसचिव
वित्त अधिकारी
विभाग
केन्द्र
एकक
नीपा राष्ट्रीय अध्येता एवं पीठ
समर्थन प्रणाली
प्रशासन
1. शैक्षिक योजना विभाग
2. शैक्षिक प्रशासन विभाग
3. शैक्षिक वित्त विभाग
4. शैक्षिक नीति विभाग
5. विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
6. उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
7. शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग
8. शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
1. राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल)
2. उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र (सीपीआरएचई)
1. स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक (एसएसई)
2. परियोजना प्रबंधन एकक (पीएमयू)
3. अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआइसी)
1. नीपा राष्ट्रीय अध्येता
पूर्व छात्रों सहित छात्र प्रकोष्ठ और अनुसमर्थन सेवाएं
1. पुस्तकालय
2. प्रलेखन केन्द्र
3. कम्प्यूटर केन्द्र
4. प्रकाशन एकक
5. प्रशिक्षण प्रकोष्ठ
6. हिन्दी प्रकोष्ठ
7. छात्रावास एवं अतिथि गृह
8. अनुदान सहायता
1. अकादमिक प्रशासन अनुभाग
2. कार्मिक प्रशासन अनुभाग
3. सामान्य प्रशासन अनुभाग
वित्त और लेखा अनुभाग
आंतरिक लेखापरीक्षण कक्ष

प्रशासन और वित्त

राष्ट्रीय संस्थान के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग— अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और दो कक्ष—प्रशिक्षण कक्ष और एम.फिल., पीएच.डी. कक्ष हैं। कुलसचिव सभी अनुभागों के प्रभारी हैं। कुलसचिव नीपा प्रबंधन बोर्ड और अकादमिक परिषद के सचिव भी हैं। कुलसचिव को प्रशासनिक कामकाज में प्रशासनिक अधिकारी, प्रशिक्षण अधिकारी और अनेक अनुभाग अधिकारी अनुसमर्थन प्रदान करते हैं।

कुलसचिव शैक्षणिक सहायता समर्थन एककों, जैसे— पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र, डिजीटल अभिलेखागार, कंप्यूटर केंद्र, प्रकाशन एकक और हिंदी कक्ष के कार्यकलापों के प्रति उत्तरदायी हैं।

वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग और आंतरिक लेखा परीक्षा कक्ष के प्रभारी हैं और अनुभाग अधिकारी (लेखा) रोकड़ और आंतरिक लेखा परीक्षक इनका अनुसमर्थन करता है।

स्टाफ कर्मचारियों की संख्या (2022—23)

31 मार्च, 2023 के अनुसार नीपा की कुल कर्मचारियों संख्या 167 थी।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2022—23 के दौरान संस्थान को कुल 5184.37 लाख रुपये का अनुदान मिला (आवर्ती और गैर—आवर्ती मद)। वर्ष के आरंभ में संस्थान के पास आवर्ती मद में 344.40 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान आंतरिक कार्यालय और छात्रावास से 53.24 लाख रुपए की राशि प्राप्ति हुई। योजना और गैर—योजना मदों में वर्ष के दौरान व्यय 5052.17 लाख रुपये था।

संस्थान के पास 540.98 लाख रुपये शेष था और दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष 2022—23 के दौरान 418.48 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष के दौरान कुल 323.10 लाख रुपये खर्च किए गए। (परिशिष्ट—VII)

परिसर और भवन आधारभूत सुविधा

राष्ट्रीय संस्थान के पास एक चार–मंजिला कार्यालय, सुसज्जित स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास–क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप–I के 16, टाइप–II से V तक के 8–8 क्वार्टर और एक कुलपति आवास हैं।

इसके अलावा, संस्थान के पास बिंदापुर, द्वारका में टाइप–III के 25 क्वार्टर हैं।

संस्थान परिसर में सुसज्जित प्रशिक्षण हॉल, कंप्यूटर केंद्र, अंतरराष्ट्रीय डायनिंग हाल, जिम और क्लास रूम इत्यादि हैं।

संस्थान ने हाल ही में परिसर में अर्जित 2100 वर्ग मीटर के भूखंड में नया अकादमिक भवन के निर्माण के लिये अपेक्षित कदम उठाए हैं। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ लीज डीड निष्पादित की गई है।

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

2

11:08

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

एम.फिल. और पीएच.डी.

एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम शैक्षिक नीति, योजना, प्रशासन और वित्त के संबंधित क्षेत्रों में एक ठोस ज्ञान और कौशल आधार प्रदान करते हुए विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्त्ताओं की अनुसंधान क्षमता का निर्माण करने के लिए रूपांकित किए गए हैं।

शैक्षिक प्रशासन के लिए विद्वान तैयार करना

राष्ट्रीय संस्थान एक प्रदायक संस्थान है जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन से संबंधित जरुरत के अनुसार शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन में विशेषज्ञता से युक्त मानव संसाधनों का विकास सूक्ष्म एवं व्यापक स्तर पर करता है। ऐसे विशेषज्ञों को एम.फिल.–पीएच.डी. डिग्री की ओर ले जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों में अन्तर विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से तैयार किया जाता है ताकि वे शैक्षिक योजनाओं और प्रबंधन रणनीतियों को तैयार करने के कौशल से अच्छी तरह सुसज्जित हो सके।

वस्तुतः संस्थान की एम.फिल. और पीएच.डी. उपाधियाँ विशेषज्ञों रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा संस्थान युवा शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है और शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उनकी आजीविका तैयार करता है। नीपा इसके माध्यम से शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुश्रवण का अनुसमर्थन करने हेतु विशेषज्ञ और सक्षम मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रमों का महत्व इसमें अंतर्निहित गतिशील और लचीले उपागम के द्वारा यह शिक्षा और सामाजिक विकास के अन्य सहायक क्षेत्रों से जुड़कर नवाचारी बहुशास्त्रीय पाठ्यक्रमों का विस्तार करता है।

संस्थान द्वारा संचालित पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रम में शामिल हैं: (i) पूर्णकालिक एम.फिल.–पी.एचडी. एकीकृत कार्यक्रम (ii) पूर्णकालिक सीधा पीएच.डी. कार्यक्रम और (iii) अंशकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम। ये कार्यक्रम वर्ष 2007–08 में आरंभ किए गए थे। एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए डिजाइन किए गए हैं जो शैक्षिक नीति, योजना प्रशासन तथा वित्त के संबंधित

क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत पूरे किए गए शोध अध्ययनों से अपेक्षा की जाती है कि ये नीति निर्माण, शिक्षा सुधार कार्यक्रमों तथा क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ–साथ ज्ञान आधार को समृद्ध करने में भारी योगदान करेंगे। एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत शोध के व्यापक क्षेत्रों में शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक प्रबंधन, सूचना प्रणाली, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षा में समता और समावेशन, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, अल्पसंख्यक शिक्षा, तुलनात्मक शिक्षा और शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण शामिल हैं।

प्रस्तुत दो वर्षीय एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम कार्य (16 क्रेडिट) होते हैं। इसके बाद एक छह सप्ताह की अवधि के लिए इंटर्नशिप (4 क्रेडिट) और एक वर्ष शोध प्रबंध (16 क्रेडिट) होते हैं। सभी शोधार्थी जो सफलतापूर्वक पूर्वक एम.फिल. पाठ्यक्रम पूरा और निर्धारित कार्यक्रम के मानदंडों को पूरा करते हैं। (वर्तमान में एफ.जी.पी.ए. 5 या उससे अधिक 10 अंक) यह शोधार्थी पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश और पंजीकरण प्रक्रिया में भाग लेने के लिए योग्य हो जाते हैं। पीएच.डी कार्यक्रम में दाखिला लेने की तिथि के दो वर्ष बाद ही शोधार्थी अपने शोध प्रबंध जमा करा सकते हैं।

पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को दाखिला की पुष्टि हेतु एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। इसके बाद वे दो वर्ष के शोध कार्य के उपरांत ही वे उपाधि हेतु अपने शोध प्रबंध जमा कर सकते हैं।

अंशकालिक पीएच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को पीएच.डी. में दाखिला की पुष्टि से पहले एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। अंशकालिक पीएच.डी. के शोधार्थी दाखिला की पुष्टि के कम से कम चार वर्ष बाद अपना शोध प्रबंध जमा कर सकते हैं।

तालिका 2.1

वर्ष 2022–23 में नामांकित, अध्ययनरत और अध्ययन पूर्ण करने वाले शोधकर्त्ताओं की सूची

	एम.फिल.	पी–एच.डी. पूर्णकालिक	पी–एच.डी. अंशकालिक	योग
वर्ष 2022–23 के दौरान नामांकन	23	24	–	**47**
अकादमिक सत्र 2022–23 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रम कर रहे शोधार्थियों की कुल संख्या	38 (वर्ष 2021–22 में नामांकित शोधार्थियों सहित)	74 (वर्ष 2007–08 से 2022–23 तक नामांकित शोधार्थियों सहित)	15 (वर्ष 2007–08 से 2022–23 तक नामांकित शोधार्थी)	**127**
वर्ष 2022–23 के दौरान स्नातक शोधार्थियों की कुल संख्या	22	02	01	**25**

डिप्लोमा कार्यक्रम

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के छः घटक हैं: (i) पाठ्यक्रम तैयारी कार्य (ii) आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य (iii) परियोजना कार्य (iv) परियोजना कार्य का मूल्यांकन और अंतरिम प्रमाण पत्र विवरण और (v) उन्नत पाठ्यक्रम कार्य और (vi) अंतिम मूल्यांकन और पीजी डिप्लोमा प्रमाण–पत्र वितरण।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

संस्थान शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा) कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। वर्ष 1982–83 के आरंभ से ही यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए विशेष रूप से संरचित डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। आरम्भ में यह कार्यक्रम पूर्व–प्रवेश पाठ्यक्रम के रूप में संरचित किया गया था। यद्यपि वर्ष 2014–15 से इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम को संवर्धित करके इसमें परिवर्तन किया गया है और इसके डेपा मूलभूत कार्यक्रम के स्वरूप और घटकों में परिवर्तन कर पीजीडेपा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन)–शैक्षिक योजना और प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में बदल दिया गया है। प्रतिभागियों के कार्य और भूमिकाओं तथा उनकी संस्थाओं जैसे एससीईआरटी/सीमेट/डाइट/डीईओ/बीईओ और राज्य सरकारों के शिक्षा निदेशालयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को संबर्धित किया गया है।

एक वर्षीय पीजीडेपा कार्यक्रम को मौजूदा डेपा में व्यापक रूपांतरण के बाद निर्मित किया गया है जो एक सघन दीर्घकालिक कार्यक्रम है जो कि देश में पेशेवर रूप से शैक्षिक प्रशासकों का संवर्ग का विकास सुनिश्चित करेगा। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) शैक्षिक योजना और प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना।

(ii) शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर निर्णय कार्य के लिए प्रतिभागियों में योजना और प्रबंधन कौशल के विकास हेतु सक्षम बनाना।

तालिका 2.2:

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) राज्य/संघ क्षेत्रवार भागीदारी			
राज्य/संघ क्षेत्र	8वां पी.जी.–डेपा	9वां पी.जी.–डेपा	योग
आसाम	9	-	9
छत्तीसगढ़	1	-	1
दिल्ली	-	-	-
हरियाणा	3	3	6
हिमाचल प्रदेश	1	-	1
भारतीय नौसेना	2	2	4
जम्मू और कश्मीर	-	-	-
कर्नाटक	-	-	-
मध्य प्रदेश	1	-	1
महाराष्ट्र	4	2	6
मणिपुर	-	1	1
नागालैण्ड	3	2	5
पुदुचेरी	-	-	-
राजस्थान	2	-	2
सिक्किम	-	-	-
तमिलनाडु	-	-	-
उत्तराखंड	-	4	4
उत्तर प्रदेश	2	1	3
भारतीय वायु सेना	2	2	4
योग	**30**	**17**	**47**

(iii) प्रतिभागियों में शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं के पर्यवेक्षण और मूल्यांकन योग्यता का विकास करना।

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम का निरूपण करते समय मूलतः इस बात का ध्यान दिया गया था कि प्रतिभागी को इस पाठ्यक्रम के लिए नीपा में तीन माह से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े और वह अपने कार्य स्थल पर पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सके। इसके अनुसार इसे 12 महीने के स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में रूपातंरित किया गया है। अनेक शिक्षा विभाग इस पाठ्यक्रम हेतु अपने अधिकारियों को लंबी अवधि के लिए प्रतिनियुक्त नहीं कर सकते हैं इसलिए इस तरह से योजना बनाई गई है कि आमने–सामने और आवासीय पाठ्यक्रम कार्य हेतु प्रतिभागियों को एक खंड में 3 महीने से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े। इसमें प्रतिभगियों के कार्यस्थल पर एक प्रारम्भिक चरण, नीपा में आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य, कार्यस्थल पर परियोजना कार्य, मुक्त और दूरवर्ती अधिगम प्रणाली के माध्यम से उन्नत पाठ्यक्रम का संचालन और संगोष्ठी सहित कार्यशाला शामिल है। नीपा में अंतिम मूल्यांकन और पीजीडेपा प्रमाणपत्र हेतु संगोष्ठी–सह–कार्यशाला कार्य का प्रस्तुतिकरण सम्मिलित है।

आठवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम अगस्त 2021 से जुलाई 2022 के दौरान आयोजित किया गया। जिसमें 11 राज्यों/संघ प्रदेशों के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस डिप्लोमा कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय शिक्षा में प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग द्वारा किया गया।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

राष्ट्रीय संस्थान 1985 से विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 6 माह का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गणराज्यों, दक्षिणी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हैं। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं– (i) सघन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम; (ii) अनुप्रयुक्त कार्य और

(iii) शोध प्रबंधन। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में तीन माह का सघन पाठ्यचर्या है जो नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की जाती है। यह चरण आवासीय है और प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस चरण के दौरान परिसर में निवास करें। दूसरे चरण में प्रतिभागी को स्वदेश में ही राष्ट्रीय संस्थान के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में क्षेत्र आधारित शोध परियोजना अध्ययन करना होता है।

आईडेपा कार्यक्रम में सिद्धान्त और व्यवहार के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के साथ गहन पाठ्यचर्या शामिल है। एजेंडा के व्यापक रूप में व्याख्यान और समूह कार्य, व्यावहारिक अभ्यास, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के दौरे और शैक्षिक विकास नीति, नियोजन, प्रबंधन, प्रशासन, पर्यवेक्षण और नेतृत्व के एक चुने हुए पहलू पर एक शोध परियोजना शामिल है जिसमें क्षेत्र को अपनाना शामिल है और अंतर–अनुशासनिक दृष्टिकोण सिद्धान्त और व्यवहार को जोड़ने के लिए लागू किए गए काम में (i) देश और विषयगत संगोष्ठी आलेख प्रस्तुतियाँ (ii) क्षेत्रों का दौरा कार्यक्रम शामिल है, जिसमें भारत में विभिन्न शैक्षिक नवाचारों की योजना और उनका प्रबंधन किया जा रहा है और (iii) एक क्षेत्र अनुसंधान परियोजना के लिए अनुसंधान की रूपरेखा तैयार करना सम्मिलित है।

कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रतिभागियों के स्वदेश में ही आयोजित होता है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को प्रथम चरण के दौरान निर्धारित क्षेत्र कार्य आधारित शोध परियोजना पर कार्य करना पड़ता है। शोध परियोजना कार्य (तीन माह की अवधि) में पूरा करने के बाद प्रतिभागी को अपना लघुशोध प्रबंध राष्ट्रीय संस्थान को प्रस्तुत करना पड़ता है। लघु शोध प्रबंध की प्राप्ति और तदुपरांत राष्ट्रीय संस्थान के संकाय द्वारा उसके मूल्यांकन के बाद प्रतिभागी को डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाती है।

फरवरी 2023 से अप्रैल 2023 के दौरान आयोजित होने वाला आईडेपा आयोजित नहीं किया जा सका।

अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शिक्षा में प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग द्वारा आयोजित और समन्वित किया जाता है।

तालिका 2.3

सभी कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी 2022–23

क्र. सं.	देश का नाम	भागीदारों की संख्या
1.	भूटान	-
2.	बांग्लादेश	2
3.	कम्बोडिया	3
4.	इथियोपिया	-
5.	फ़िजी	-
6.	केन्या	5
7.	मालदीव	2
8.	मंगोलिया	-
9.	म्यांमार	5
10.	श्रीलंका	-
11.	निकारागुआ	1
12.	नेपाल	2
13.	मोरक्को	5
14.	इराक	2
15.	थाइलैंड	-
16.	यूनेस्को	-
17.	दक्षिण सूडान	6
18.	कनाडा	1
19.	तंजानिया	-
20.	यूनाइटेड किंगडम	7
21.	गाम्बिया	1
22.	उजबेकिस्तान	1
23.	आस्ट्रेलिया	3
24.	मलेशिया	1
25.	दक्षिण अफ्रीका	1
26.	कनाडा	1
	योग	**49**

तालिका 2.4

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में राज्य/संघ शासित क्षेत्रवार भागीदारी 2022–23

क्र. सं.	राज्य/संघीय क्षेत्र	भागीदारों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	339
2.	अरुणाचल प्रदेश	39
3.	असम	162
4.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	6
5.	बिहार	249
6.	छत्तीसगढ़	112
7.	चंडीगढ़	187
8.	दादरा और नगर हवेली	18
9.	दमन और दीव	131
10.	दिल्ली	461
11.	गोवा	64
12.	गुजरात	778
13.	हरियाणा	247
14.	हिमाचल प्रदेश	34
15.	जम्मू और कश्मीर	169
16.	झारखण्ड	183
17.	कर्नाटक	86
18.	केरल	118
19.	लद्दाख	20
20.	लक्षद्वीप	5
21.	मध्य प्रदेश	97
22.	महाराष्ट्र	276
23.	मणिपुर	178
24.	मेघालय	53
25.	मिजोरम	304
26.	नागालैंड	82
27.	ओडिशा	184
28.	पंजाब	74
29.	पुडुचेरी	13
30.	राजस्थान	87
31.	सिक्किम	78
32.	तेलंगाना	165
33.	तमिलनाडु	107
34.	त्रिपुरा	33
35.	उत्तराखण्ड	97
36.	उत्तर प्रदेश	191
37.	पश्चिम बंगाल	82
38.	चूंकि 4 कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र द्वारा आयोजित किए गए हैं; इसलिए राज्य–वार आंकड़ा उपलब्ध नहीं हैं।	435
	योग	**5944**

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में सुधार हेतु सांस्थानिक क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न वर्गों के शिक्षा कर्मियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम राष्ट्रीय संस्थान (नीपा) के प्रमुख कार्यकलाप के रूप में सतत जारी है। वर्ष 2022–23 के दौरान राष्ट्रीय संस्थान ने शिक्षा के विभिन्न विकास क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों और शिक्षा नीति योजनाओं, प्रशासन के विविध पक्षों से जुड़े 110 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और बैठकों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के मुख्य विषय थे: स्कूलों की योजना और प्रबंधन, उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रावधानों का आकलन, शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन, और स्कूल नेतृत्व आदि। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी थे जिला और राज्य स्तर के शिक्षाकर्मी, शिक्षा निदेशक और राज्य स्तर के अन्य अधिकारी, केंद्र, राज्य और जिला स्तर के शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, विशेष श्रेणी वाले संस्थानों जैसे अल्पसंख्यक प्रबंधित संस्थानों के प्रमुख, विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अन्य प्राधिकारी, कालेज प्राचार्य और कालेजों तथा उच्च शिक्षा के वरिष्ठ प्रशासक, विश्वविद्यालय तथा समाजविज्ञान शोध संस्थानों के नवनियुक्त प्राध्यापक आदि। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2022–23 के दौरान राष्ट्रीय संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की गईं :

शैक्षिक योजना विभाग

- उत्तर–पूर्वी राज्यों में परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धति पर 31 अक्टूबर से 04 नवंबर, 2022 (पांच दिवसीय) प्रशिक्षण कार्यक्रम, गुवाहाटी, असम।
- 1–3 मार्च, 2023 को आमने–सामने माध्यम से सीमैट निदेशकों की वार्षिक बैठक, नीपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की योजना का कार्यान्वयन, अप्रैल 2022 – मार्च 2023, नीपा, नई दिल्ली।
- जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक शासन में नेतृत्व पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 11–15 जुलाई, 2022।
- आमने–सामने माध्यम से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्त बनाने पर कार्यशाला, 27–29 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।

- ''एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा और मूल्यांकन'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला – चर्चा बैठक, 7 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- ''एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा और मूल्यांकन'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला – चर्चा बैठक, 8 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- ''एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा और मूल्यांकन'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला – चर्चा बैठक, 9 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक वित्त विभाग

- ''स्कूली शिक्षा में छात्र आधारित वित्तीय सहायता प्रणालीः मुद्दे और चुनौतियाँ'' पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 14–18 नवंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

- सतत उद्योग शैक्षणिक संबंधों पर राष्ट्रीय कार्यशाला – प्रक्रिया और प्रथाएं, 9–10 फरवरी, 2023, नीपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक नीति विभाग

- 'उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक जुड़ावः नीतियां और प्रथाएं' पर कार्यशाला, (अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों और राष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ) 4–5 अगस्त, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

- 'नई शिक्षा नीति–2020 के तहत एसईडीजी के लिए विशेष शिक्षा क्षेत्रों का संचालनः कार्यान्वयन चुनौतियां और मार्ग' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला, 29–31 अगस्त, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- 'स्कूल शिक्षा में नई शिक्षा नीति–2020 के कार्यान्वयन – स्थिति, मुद्दे और मार्ग' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला, 9–10 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- 'नई शिक्षा नीति–2020 के कार्यान्वयन (स्कूल शिक्षा) – स्थिति, मुद्दे और मार्ग' पर राष्ट्रीय कार्यशाला (मिश्रित), 5–6 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- 'सामाजिक विज्ञान और मानविकीः हिंदी में विचार–विमर्श और अकादमिक लेखन' पर कार्यशाला, 12–13 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय।
- 'उच्च शिक्षा में लैंगिक मुद्दे' पर कार्यशाला, 30–31 जनवरी, 2023, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- 'आरटीई और एनईपी–2020 के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों' के लिए ऑनलाइन कार्यशाला, 1–3 फरवरी, 2023, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- ''शैक्षिक नीति निर्माण संरचनाएं और प्रक्रियाएं' पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 20–24 मार्च, 2023, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- ''नृवंशविज्ञान दृष्टिकोण विकास नीति' पर नीति आयोग–नीपा सहयोगात्मक कार्यशाला, 22–23 मार्च, 2023, नीति–आयोग, नई दिल्ली।

- 'भारत में शहरी सीमांतता, सामाजिक नीति और शिक्षाः युवा और शिक्षा पर विशेष केन्द्रित' विषय पर सेमिनार, 27–28 मार्च, 2023, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

- 'पीएम पोषण कार्यान्वयन की स्थिति' पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक, 6 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- भारत में 'सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना का मूल्यांकन अध्ययन' पर ऑनलाइन परामर्श बैठक, 29–30 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- 'शैक्षिक प्रशासकों और शिक्षक प्रशिक्षकों की दक्षताओं को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के एकीकरण' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 1–3 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- ''भारत में पीएम पोषण योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन', 12–13 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- 'भारत में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना का मूल्यांकन अध्ययन', 19–20 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली
- 'स्कूल शिक्षा में सार्वजनिक नीतियों को तैयार करने में संकेतकों का उपयोग' पर कार्यक्रम, 20–24 मार्च, 2023, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- ''स्कूल की तैयारियों पर विशेष बल देने के साथ भारत में स्कूलों को फिर से खोलने और स्कूल की भागीदारी तथा अधिगम में सुधार'' पर कार्यशाला, 16–20 जनवरी, 2023, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

- 'प्रारंभिक शिक्षा में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता का प्रबंधनः पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आगे का मार्ग' पर कार्यशाला, 27–28 फरवरी, 2023, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली
- 'भारत में सार्वभौमिकरण और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के अभिशासन और प्रबंधन' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 23–24 मार्च, 2023 जयपुर, राजस्थान।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

- 'शिक्षा, विकास और असमानताएँ' पर पूर्व छात्र संगोष्ठी, 20 अक्टूबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विश्वविद्यालयों के संकायाध्यक्षों/प्रमुखों के नेतृत्व पर विकास कार्यशाला, 23–25 नवंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- महाविद्यालय प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास, 28 नवंबर–2 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- पूर्वोत्तर के महाविद्यालय प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास–सह–कार्यशाला, 20–24 मार्च, 2023 गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में।
- 'वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और नवोन्मेष' पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक कार्यशाला, 9–12 जनवरी, 2023, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

- 8वां शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) – चरण IV, 25 अप्रैल, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

- 8वां शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण V (ए), 6 मई, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- 8वां शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण VI, 4–8 जुलाई, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- 9वां शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण I, 1–31 अगस्त, 2022 (कार्य स्थल पर प्रारंभिक चरण), नीपा, नई दिल्ली।
- 9वां शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण II, 1 सितंबर–30 नवंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- 9वां शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीईपीए) – चरण III (परियोजना कार्य), 1 दिसंबर, 2022–31 मार्च, 2023 (कार्य स्थल पर)।
- शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, 16–29 अगस्त, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, 7–20 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र (एन.सी.एस.एल.)

क्षेत्रीय भाषा में विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम का शुभारंभ (बुनियादी स्तर)

- विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन (तेलुगु) के ऑनलाइन कार्यक्रम का शुभारंभ, 7 अप्रैल, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन (गुजराती) के ऑनलाइन कार्यक्रम का शुभारंभ, 27 अप्रैल, 2022 नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूलों में अधिगम अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देनाः नेतृत्व हस्तक्षेप, 6 मई, 2022।
- जीएमएसएसएसएस, फरीदाबाद, हरियाणा में अधिगम नेतृत्व, 13 मई, 2022।
- स्कूल सुधार के लिए अग्रणी नवाचार, 20 मई, 2022।

- शैक्षणिक नेतृत्व पर आधारित अधिगम की रूपरेखा तैयार करना, 27 मई, 2022।
- मिजोरम में सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए नेतृत्व, 3 जून, 2022।
- शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व पर आधारित अधिगम हेतु एक रूपरेखा बनाना, 10 जून, 2022।
- महामारी के दौरान शिक्षण और अधिगम में अग्रणीः आंध्र प्रदेश के एक प्राथमिक विद्यालय का मामला, 17 जून, 2022।

- हितधारकों के साथ स्कूल सुधार के लिए साझेदारीः स्कूल प्रबंधन समिति की भूमिका, 24 जून, 2022।
- स्कूल प्रशासन में अग्रणी नवाचार, 1 जुलाई, 2022।
- पूर्वोत्तर में अग्रणी स्कूलः चुनौतियाँ और अवसर, 8 जुलाई, 2022।
- अग्रणी स्कूल–सामुदायिक साझेदारीः गुजरात में एक प्राथमिक विद्यालय का मामला, 15 जुलाई, 2022।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माध्यमिक विद्यालय का परिवर्तनः प्रमुख की भूमिका, 22 जुलाई, 2022।
- विद्यालय परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रभाव के रूप में जिला नेतृत्वः डाईट की भूमिका, 29 जुलाई, 2022।
- नागालैंड के माध्यमिक विद्यालयों में कौशल आधारित शिक्षा के लिए नेतृत्व, 5 अगस्त, 2022।
- उत्तरदायी स्कूल नेतृत्वः असम के चार क्षेत्रों पर केन्द्रित, 12 अगस्त, 2022।
- गुजरात के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में अनुभवात्मक शिक्षा के लिए अग्रणी नवाचार, 19 अगस्त, 2022।
- अग्रणी छोटे स्कूलः राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बगहार, शिमला का एक केस अध्ययन, 26 अगस्त, 2022।
- राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पश्चिम बंगाल में ड्रॉपआउट छात्रों को रोकने के लिए नेतृत्व अभ्यास, 2 सितंबर, 2022।
- विद्यालयों में संगठनात्मक नागरिकता व्यवहारः एक नेतृत्व परिप्रेक्ष्य, 9 सितंबर, 2022।
- विद्यालय परिवर्तन के लिए अग्रणी शिक्षण अधिगमः पंजाब में एक माध्यमिक विद्यालय का केस अध्ययन, 16 सितंबर, 2022।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमियों द्वारा स्कूल नेतृत्व विकास के लिए परिप्रेक्ष्य योजना, 17 सितंबर, 2022।
- मणिपुर के एक राजकीय स्कूल में सामुदायिक भागीदारी के लिए नेतृत्व, 23 सितंबर, 2022।
- लीडर्स हू मॉडल, 30 सितंबर, 2022।
- झारखण्ड का विद्यालय, 4 नवंबर, 2022।
- लैंगिक समावेशिता के लिए नेतृत्वः राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का अध्ययन, 11 नवंबर, 2022।
- केरल में सरकारी सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालय में अग्रणी नवाचार, 18 नवंबर, 2022।
- स्कूल नेतृत्व विकास पर पदचिन्ह बनाने में एसआरजी की भूमिकाः उत्तर प्रदेश का अध्ययन, 25 नवंबर, 2022।
- स्कूलों परिवर्तन के लिए नेतृत्वः उत्तराखंड में प्राथमिक विद्यालय का अध्ययन, 2 दिसंबर, 2022।
- उत्तराखंड में जी.आई.सी. में छात्रों के अधिगम सुधार के लिए नेतृत्व, 9 दिसंबर, 2022।
- जम्मू और कश्मीर में उज्ज्वल भविष्य के लिए छात्र दक्षता विकसित करने हेतु स्कूल नेतृत्व, 6 दिसंबर, 2022।
- छत्तीसगढ़ में राजकीय स्कूल में स्कूल परिवर्तन के लिए नेतृत्व की कल्पना करना, 23 दिसंबर, 2022।
- तेलंगाना में प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों को नेतृत्व के रूप में तैयार करना, 30 दिसंबर, 2022।
- अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा पर प्रारंभिक चर्चा, 6 जनवरी, 2023।
- उत्तराखंड में एक शैक्षिक ब्लॉक में नेतृत्व, 13 जनवरी, 2022।
- 20 जनवरी, 2022 को अरुणाचल प्रदेश के सुदूर पहाड़ी इलाके में राजकीय माध्यमिक विद्यालय का नेतृत्व।
- छात्रों के अधिगम सुधार के लिए नेतृत्वः ओडिशा में राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय का अध्ययन, 27 जनवरी, 2022।

स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल (निष्ठा)

- दमन और दीव के स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल (निष्ठा), 10–12 मई, 2022, ऑनलाइन मोड, नीपा, नई दिल्ली।

- संबलपुर, ओडिशा में एलपीडी के लिए मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) पर संवेदीकरण कार्यक्रम, 21–23 जून, 2022 नीपा, नई दिल्ली।
- निष्ठा मूल्यांकन अध्ययन के लिए कार्यशाला, 8 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

अन्य बैठकें / कार्यशालाएँ

- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (सामग्री विकास) पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अप्रैल 2022–मार्च 2023, दीर्घकालिक कार्यक्रम।
- माध्यमिक विद्यालय प्रमुखों का क्षमता निर्माण कार्यक्रम, एसएलए, हरियाणा, 26 मई, 2022।
- स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना और बैठकें, झारखंड में स्कूल नेतृत्व पर डाईट संकाय की क्षमता निर्माण, 20–21 जून, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- सीमैट–केरल–स्कूल नेतृत्व अकादमी, मलयालम, में स्कूल प्रमुखों के लिए स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (पीएसएलएम) पर ऑनलाइन कार्यक्रम का शुभारंभ, 27 जून 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- अकादमिक नेतृत्व के लिए पाठ्यक्रम पर चर्चा, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस में परामर्शी बैठक में भागीदारी, 29 जुलाई, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर ऑनलाइन कार्यशाला (कार्यशाला–II), 23–26 अगस्त, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर ऑनलाइन कार्यशाला (कार्यशाला–I), 30 अगस्त–2 सितंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम।
- दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के लिए एसएलए बैठक– 2022–23 (बैच I), ऑनलाइन माध्यम, 14 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- दिशानिर्देश के कार्यान्वयन के लिए एसएलए बैठक, 2022–23 (बैच II) ऑनलाइन माध्यम, 15 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- मणिपुर राज्य सरकार के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के लिए निपुण–भारत कार्यशाला में शैक्षणिक सहायता, 20–22 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूल नेतृत्व अकादमी, मणिपुर मुख्य समूह सदस्यों के साथ बैठक, 20 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- राजकीय स्कूलों में छात्रों के शिक्षण और अधिगम के परिणामों में सुधार के लिए स्कूल नेतृत्व पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की रूपरेखा और कार्यान्वयन पर ऑनलाइन कार्यशाला, 27–30 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए निजीकृत शिक्षण पर ऑनलाइन कार्यशाला की समीक्षा बैठक, 27 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए निजीकृत शिक्षण पर ऑनलाइन कार्यशाला की समीक्षा बैठक, 28 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- महाराष्ट्र के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल बैठक, 29 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूल परिसर के प्रमुखों के लिए शैक्षणिक नेतृत्व विकसित करने पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री कार्यशाला और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 3–8 अक्टूबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, झारखंड, 7 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, आंध्र प्रदेश, 9 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, मध्य प्रदेश, 15 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, केरल, 15 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, मिजोरम, 17 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, कर्नाटक, 23 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, तेलंगाना, 23 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

- विद्यालय नेतृत्व अकादमी, झारखंड, मुख्य समूह सदस्यों के साथ बैठक, 24 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी, झारखंड, मुख्य समूह बैठक, 26 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी, नागालैंड के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, 29 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी, बिहार के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, 30 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- विद्यालय नेतृत्व अकादमी, छत्तीसगढ़ के मुख्य समूह सदस्यों के साथ ऑनलाइन बैठक, 30 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- बिहार के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल मीट, 9 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- बिहार के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल मीट, 10 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- स्कूली शिक्षा में लैंगिक समावेशिता के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला, 12–15 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- व्यावसायिक शिक्षा के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला, 19–22 दिसंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- अरुणाचल प्रदेश के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल बैठक, 26 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- गोवा के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल बैठक (चरण II), 26 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- पश्चिम बंगाल के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल बैठक, 28 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- गुजरात के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल बैठक, 29 दिसंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- एडब्ल्युपीबी 2023–2024 के लिए विद्यालय नेतृत्व अकादमी नोडल्स के साथ ऑनलाइन गूगल मीट (राज्य से आमंत्रण), 5 जनवरी, 2023।
- असम के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल बैठक, 10 जनवरी, 2023।
- तमिलनाडु के मुख्य समूह के साथ ऑनलाइन गूगल मीट, 19 जनवरी, 2023।
- स्कूल नेतृत्व अकादमियों के लिए मॉड्यूल के शुभारंभ संबंधी ऑनलाइन तैयारी, 27 जनवरी, 2023।
- प्रणाली स्तर के अधिकारियों के लिए नेतृत्व कार्यक्रम के लिए सामग्री विकास कार्यशाला, 11–13 जनवरी, 2023।
- स्कूलों में समानता, विविधता और समावेशन के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला, 27 फरवरी – 1 मार्च, 2023, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- व्यावसायिक शिक्षा के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला, 2–4 मार्च, 2023, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक, 6 मार्च, 2023 नीपा, नई दिल्ली।
- शिक्षक प्रशिक्षकों के बीच शैक्षणिक नेतृत्व विकसित करने पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री कार्यशाला, (डाइट और एससीईआरटी) 13–17 मार्च, 2023, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- शिक्षक प्रशिक्षकों के बीच शैक्षणिक नेतृत्व विकसित करने पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री कार्यशाला, (डाइट और एससीईआरटी) 30–31 मार्च, 2023, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

- आईएचईआर 2023: भारत में उच्च शिक्षा में अनुसंधान पर पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक, 25 मई, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम के साथ डिजिटल प्रौद्योगिकी का एकीकरण' पर पहली अनुसंधान विशेषज्ञ समिति की बैठक, 29 सितंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- आईएचईआर 2023: भारत में उच्च शिक्षा में अनुसंधान पर द्वितीय सहकर्मी समीक्षा बैठक, 19 अक्टूबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।

- भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने पर पहली अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक, 20 अक्टूबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- कॉलेज तत्परता और छात्र सफलता पर पहली शोध पद्धति कार्यशाला, 9–10 नवंबर, 2022, नीपा, नई दिल्ली।
- 'सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा संसाधन आवंटन और संसाधन जुटाने की गतिशीलता' पर दो नीति संक्षेपों के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक, 17 नवंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 16–17 फरवरी, 2023, आमने–सामने माध्यम, आईएचसी, नई दिल्ली।
- सीपीआरएचई, कार्यकारी समिति की बैठक, 3 मार्च, 2023, आमने–सामने माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- राज्य उच्च शिक्षा परिषद की बैठक, 16–17 मार्च, 2023, तेलंगाना।

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

- साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार योजना का विकास और स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता को संरेखित करने पर चार क्षेत्रीय कार्यशालाएँ, 17–18 नवंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, जम्मू और कश्मीर।
- साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार योजना का विकास और स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता को संरेखित करने पर चार क्षेत्रीय कार्यशालाएँ, 2–3 फरवरी, 2023, आमने–सामने माध्यम, आंध्र प्रदेश।
- शाला सिद्धिः स्कूल बाहरी मूल्यांकन और स्कूल सुधार पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 31 मई, 2022, आमने–सामने माध्यम, मिजोरम।
- शाला सिद्धिः स्कूल बाहरी मूल्यांकन और स्कूल सुधार पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 1 नवंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, चंडीगढ़।
- शाला सिद्धिः स्कूल के बाहरी मूल्यांकन और स्कूल सुधार पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 24 नवंबर, 2022, आमने–सामने माध्यम, बिहार।
- शिक्षा अधिकारियों के लिए बाहरी मूल्यांकन और स्कूल मान्यता पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम, 30–31 मार्च 2022, आमने–सामने माध्यम से, गंगटोक, सिक्किम
- एनईपी 2020 के सदंर्भ में स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और मान्यता पर राष्ट्रीय कार्यशालाएं, 27–28 मार्च 2023, यूएसआई, नई दिल्ली में आमने–सामने माध्यम से

आईसीटी कार्यक्रम

- ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय विकास कार्यक्रम, 4–8 अप्रैल, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय विकास कार्यक्रम, 9–13 मई, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रम (उत्तर पूर्व क्षेत्र) की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय विकास कार्यक्रम, 6–10 जून, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोग पर संकाय विकास कार्यक्रम, 19–23 सितंबर, 2022, ऑनलाइन माध्यम, नीपा, नई दिल्ली।

वर्ष 2022–23 के दौरान, संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 110 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला, सेमिनार, सम्मेलन और बैठकें आदि आयोजित कीं।

कुल 5993 प्रतिभागियों में से 5944 भारतीय प्रतिभागी थे (तालिका 2.4) और 49 अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से थे (तालिका 2.3)।

भारत
राज्यवार भागीदारी
2022-23

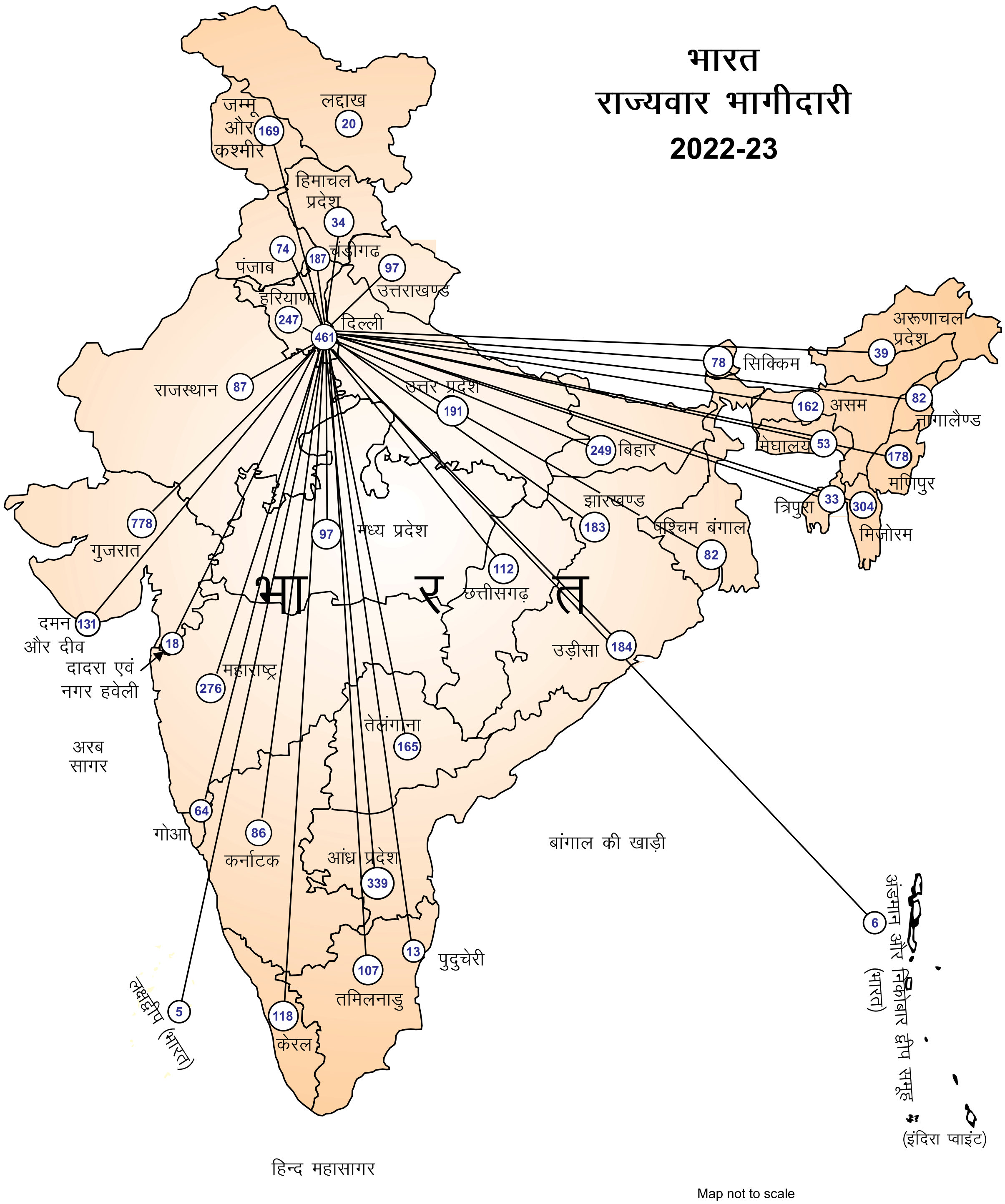

नीपा के कार्यक्रम

वर्ष 2020–21 और 2021–22 के लिए शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार की राष्ट्रीय योजना

शैक्षिक प्रशासन विभाग के माध्यम से कार्यान्वित संस्थान का यह एक नियमित दीर्घकालिक कार्यक्रम है। यह योजना 2013–2014 में नीपा द्वारा शिक्षा की सार्वजनिक प्रणाली के कामकाज में सुधार लाने और शैक्षिक सेवाओं का कुशल वितरण सुनिश्चित करने में क्षेत्र स्तर के शैक्षिक प्रशासन के योगदानों को पहचानने के अपने परिभाषित उद्देश्यों के साथ शुरू की गई थी। यह क्षेत्र स्तर के शिक्षा अधिकारियों तक पहुंचने के लिए नीपा की महत्वपूर्ण पहलों में से एक है। शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार एक विशेष समारोह में, चयनित जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों को दिए जाते हैं। 2014 में पुरस्कार योजना शुरू होने के बाद से, मामलों की योग्यता के आधार पर कई मामलों को चिन्हित किया गया है। पिछले वर्षों की तरह, वर्ष 2020–2021 और 2021–2022 के पुरस्कारों पर विचार के लिए विभिन्न राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के स्कूल शिक्षा विभागों से बड़ी संख्या में नामांकन प्राप्त हुए थे। विशेषज्ञ समितियों द्वारा मामलों की सावधानीपूर्वक जांच और बहु–स्तरीय स्क्रीनिंग के बाद नवाचारों और नवोन्मेष के कई मामलों को पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र के लिए चुना गया है। चयनित अधिकारियों को शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष पर राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

कॉपलॉट राज्य सभा का दौरा

22 जून 2022 को संसदीय समिति का नीपा का दौराः कॉपलॉट (पटल पर रखे गए पत्रों पर समिति), राज्यसभा

राज्य सभा सचिवालय ने अपने पत्र क्रमांक [सीटी11012/4/21022 कोम. सेक. (सीओपीएलओटी)–आरएसएस दिनांक 15.06.2022], ने नीपा, नई दिल्ली की वार्षिक रिपोर्ट और लेखापरीक्षित खातों को संदर्भित अवधि 2015–16 से 2019–20 को राज्य सभा के पटल पर रखने में देरी की स्थिति की समीक्षा करने के लिए 22 जून, 2022 को राज्य सभा संसदीय समिति की प्रस्तावित यात्रा के बारे में जानकारी दी थी।

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने यह भी बताया कि देरी के कारण और अन्य सामग्री उनके माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी और 22 जून, 2022 को नीपा में समिति की यात्रा का समन्वय करेंगे। 6 सदस्यीय समिति जिसमें मौजूदा सांसद शामिल होंगे उनके साथ राज्य सभा सचिवालय के निदेशक/संयुक्त निदेशक और शिक्षा मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी होंगे। सीओपीएलओटी (पटल पर रखे गए पत्रों पर समिति), राज्य सभा ने 22 जून, 2022 को संस्थान का दौरा किया और नीचे दिए गए विवरण के अनुसार नीपा, नई दिल्ली की वार्षिक रिपोर्ट और लेखापरीक्षित खातों को प्रस्तुत करने पर अनुपालन देखा और संतुष्टि व्यक्त की और साथ में यह भी अपेक्षा करी की भविष्य में ऐसे दस्तावेजों को समय पर जमा करने में उचित सावधानी बरती जाएगी। सीओपीएलओटी के अध्यक्ष के रूप में श्री केसी राममूर्ति

और सदस्य के रूप में श्री जीके वासन, श्री हरनाथ सिंह यादव और श्री बिकास रंजन भट्टाचार्य थे।

वित्तीय वर्ष	नोडल मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय) को जमा करने की तिथि		संसद के सभा पटल पर रखे गये दस्तावेजों की तिथि (लोकसभा / राज्यसभा)	
	सीएजी से प्राप्त लेखापरीक्षा रिपोर्ट	वार्षिक रिपोर्ट	लोकसभा	राज्य सभा
2015-16	07.06.2019	17.12.2019	23.03.2020	19.03.2020
2016-17	29.11.2019	22.09.2020	13.02.2021	17.03.2021
2017-18	29.11.2019	05.07.2021	29.11.2021	10.08.2021
2018-19	29.11.2019	28.07.2021	29.11.2021	10.08.2021
2019-20	22.01.2021	27.10.2021	13.12.2021	15.12.2021
2020-21	24.03.2022	10.03.2022	08.08.2022	08.02.2023

संस्थान को कार्यवाही के दौरान हुई बातचीत पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट और प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। इसके अनुपालन में, इसे नोडल मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया था।

योग दिवस

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान में 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव एक व्यापक और ज्ञानवर्धक अनुभव था। इस कार्यक्रम में दैनिक योग सत्र, प्राणायाम सत्र, जानकारीपूर्ण व्याख्यान, रचनात्मक प्रतियोगिताएं और योग दिवस पर एक भव्य समापन शामिल था। इन गतिविधियों ने योग के लाभों की गहरी समझ को बढ़ावा देते हुए शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा दिया। 4 मई से 21 जून, 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन प्रोफेसर एके सिंह और डॉ. कश्यपी अवस्थी द्वारा किया गया,

इस कार्यक्रम का उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए योग के अभ्यास को बढ़ावा देना रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने हेतु शिक्षित, संलग्न और प्रेरित करने के लिए रूपांकित की गई गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल थी।

दैनिक योग शिविर (4 मई–21 जून): हर शाम 4:00 बजे से 5:00 बजे तक, प्रतिभागी योग शिविर सत्र के लिए एकत्र होते थे। डॉ. अजय शास्त्री, श्री उमेश बाबू और श्रीमती प्रतिभा सिंह सहित अनुभवी प्रशिक्षकों के नेतृत्व में, ये सत्र लचीलेपन, संतुलन और आंतरिक शांति को बढ़ाने के लिए विभिन्न आसन, श्वास तकनीक और ध्यान पर केंद्रित थे। प्रतिभागियों को शाम 6:00 बजे से 7:00 बजे तक आयोजित दैनिक प्राणायाम सत्र से भी लाभ हुआ। इन सत्रों में सांस नियंत्रण के महत्व और मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया गया।

23 मई को, श्री उमेश बाबू द्वारा व्यक्तिगत स्वास्थ्य और कल्याण के लिए योग पर एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें व्यक्तिगत स्वास्थ्य और कल्याण को बनाए रखने में योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। श्री उमेश बाबू ने योग को दैनिक जीवन में एकीकृत करने के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक सुझाव साझा किए। 27 मई को प्रोफेसर तारकनाथ का एक और व्याख्यान सत्र योगिक संस्कृति के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर आयोजित किया गया। इस सत्र में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योग के समग्र दृष्टिकोण पर महत्व दिया गया। योग के सांस्कृतिक पहलुओं और इतिहास पर भी प्रकाश डाला, जिससे योग की जड़ों के प्रति गहरी सराहना को बढ़ावा मिला।

1 जून को कविता प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को रचनात्मक तरीकों से योग के बारे में अपने अनुभव और समझ को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस प्रकार योग के महत्व का उत्सव मनाते हुए व्यक्तियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया। 6 जून को बौद्धिक सहभागिता के दिन समाज, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता पर योग के प्रभाव पर केंद्रित तात्कालिक भाषण, निबंध लेखन और वाद–विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 13 जून को प्रतिभागियों ने अपनी शारीरिक शक्ति और योग आसन तथा सूर्य नमस्कार क्रम में निपुणता का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम ने शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा दिया और नियमित योग अभ्यास के लाभों का प्रदर्शन किया।

योग दिवस समारोह (21 जून): उत्सव का भव्य समापन 21 जून, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ। प्रतिभागी सामूहिक योग सत्र के लिए एकत्र हुए, जिसमें एकता और सद्भाव पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रेरणादायक भाषण के साथ प्रमाणपत्रों का वितरण भी हुआ।

8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का प्रतिभागियों पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे शारीरिक फिटनेस, मानसिक कल्याण और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा मिला। संस्थान में शोद्यार्थियों और कर्मचारियों के बीच स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए दैनिक योग सत्र सुबह 6:00 बजे से 7:30 बजे तक जारी रहा। चूँकि दुनिया लगातार स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रही है, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह समग्र कल्याण प्राप्त करने में योग के महत्व की याद दिलाता है। इस कार्यक्रम ने योग और इसके सिद्धांतों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित किया, जिससे स्वस्थ और खुशहाल जीवन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया, जो भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने पर एक भव्य आदरांजलि है। 27 जुलाई से 15 अगस्त, 2022 तक आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों की याद दिलाना और हमारे देश की स्वतंत्रता और प्रगति की यात्रा का उत्सव मनाना था। इस कार्यक्रम ने हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कलात्मक प्रतिभा और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया और यह उत्साह और देशभक्ति से भरा उत्सव था। हर घर तिरंगा अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम, गायन प्रतियोगिताओं, निबंध प्रतियोगिताओं, चित्रकारी प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक उत्सवों ने छात्रों, कर्मचारियों और परिवारों को गर्व और एकता की भावना से एकजुट किया।

हर घर तिरंगा अभियान 23 जुलाई को शुरू किया गया था और सभी कर्मचारियों और छात्रों को स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान जागरूकता फैलाने और अपने पड़ोस के लोगों को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

27 जुलाई को गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई और छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने देशभक्ति

गीतों के साथ अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता दर्शकों को बहुत पसंद आई क्योंकि इसमें संगीत के माध्यम से हमारे देश की विविधता में एकता को दर्शाया गया था।

3 अगस्त को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को स्वतंत्रता की दिशा में भारत की यात्रा और आज की दुनिया में इसके महत्व पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

4 अगस्त को चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई और छात्रों ने कैनवास पर अपनी रचनात्मकता को उजागर किया। कलाकृतियों में पिछले 75 वर्षों में भारत की विविधता, संस्कृति और प्रगति को दर्शाया गया।

कार्यक्रम का भव्य समापन भारत के स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त को हुआ। दिन की शुरुआत हमारी आजादी के प्रतीक तिरंगे झंडे को फहराने के साथ हुई। इस महत्वपूर्ण अवसर के बाद भारत की विविध और समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले नृत्य प्रदर्शन, नाटक और गायन सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इसने छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच गर्व, देशभक्ति और एकता की भावना पैदा की।

संस्थान का स्थापना दिवस

नीपा को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत 'मानित विश्वविद्यालय' का दर्जा दिया गया था और 2006 में डिग्री प्रदान करने की शक्ति के साथ इसका नाम बदलकर पुनः राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान कर दिया गया था। प्रत्येक वर्ष 11 अगस्त को विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त होने की तिथि को नीपा अपने स्थापना दिवस के रूप में मनाता है और इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों द्वारा स्थापना दिवस व्याख्यान दिए जाते हैं। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित

शिक्षाविदों ने व्याख्यान दिया, जिनमें प्रभात पटनायक (2007), एमएस स्वामीनाथन (2008), बेटेइले (2009), मृणाल मिरी (2010), पी. साईनाथ (2011), शांता सिन्हा (2012), कृष्ण कुमार (2013), शिव विश्वनाथन (2014), टीके ओमेन (2015), टीएन मदान (2016), कुलदीप माथुर (2017), मनोरंजन मोहंती (2018), पंकज चंद्रा (2019), ए.के शिवा कुमार (2020) और के. कस्तूरीरंगन (2021) शामिल हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान आयोजित सोलहवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2022 में नोबेल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा 'ग्लोबलाइसिंग कम्पैशनः की टू द फ्यूचर' विषय पर दिया गया था।

नीपा दीक्षांत समारोह

दीक्षांत समारोह शुक्रवार 21 अक्टूबर, 2022 को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, पीएचडी हाउस, 4/2 सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली–110016 में आयोजित किया गया था। प्रो. दीपक

नैय्यर, पूर्व. दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में, 27 पीएच.डी. और 106 एम.फिल. शोधार्थियों को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार डिग्री प्रदान की गई। 18 पीएच.डी. शोधार्थियों और 80 एम.फिल. शोधार्थियों ने

कार्यक्रम	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	Total
एम.फिल.	16	08	10	17	17	16	22	106
पीएच.डी.	02	01	02	05	07	08	02	27
कुल	**18**	**09**	**12**	**22**	**24**	**24**	**24**	**133**

व्यक्तिगत रूप से डिग्रियां प्राप्त की, जबकि पीएच.डी में (9) और एम.फिल. (26), शोधार्थियों को अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की गई। एक दीक्षांत समारोह विवरणिका और शोध निबंध/थीसिस के सार का सार–संग्रह भी जारी किया गया और दीक्षांत समारोह में आमंत्रित सभी शोधार्थियों, संकाय सदस्यों और अतिथियों आदि को प्रदान की गई। नीपा के पहले समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ।

नॉक (एनएएसी) द्वारा नीपा का प्रत्यायन

वर्ष के दौरान नॉक के पहले चक्र के लिए नॉक द्वारा नीपा का प्रत्यायन पूरा हुआ। एक विश्वविद्यालय के रूप में नीपा के जीवन में यह सबसे महत्वपूर्ण विकासों में से एक है। 1962 में अपनी स्थापना के पिछले साठ वर्षों में नीपा को शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान माना गया है। नीपा की संस्थागत मान्यता, वास्तव में, 2006 में मानित विश्वविद्यालय की उपाधि के बाद देय थी। नीपा ने नॉक द्वारा मान्यता के लिए स्वेच्छा से आवेदन किया था। नीपा की स्व–अध्ययन रिपोर्ट मई 2022 में नॉक को प्रस्तुत की गई थी। स्व–अध्ययन रिपोर्ट के अनुमोदन और स्व–अध्ययन रिपोर्ट में दिए गए आगत के आधार पर, नॉक की एक सहकर्मी समीक्षा टीम ने 12–14 अक्टूबर 2022 के दौरान नीपा का दौरा किया। सहकर्मी टीम ने नीपा के मौलिक योगदान की व्यापक रूप से सराहना की। नीपा के काम की विस्तृत समीक्षा के बाद पीयर टीम ने उच्च स्कोर प्रदान किया

जो ए++ आता है। नीपा ने नॉक द्वारा समग्र ग्रेडिंग में 4 में से 3.05 स्कोर के साथ ए ग्रेड हासिल किया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

2010 से हर साल, प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती मनाने के लिए, 11 नवंबर को मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान का आयोजन

किया जाता है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में नामित किया गया है। 2022–23 के दौरान, 11 नवंबर, 2022 को नीपा द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया और 13वां मौलाना आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में प्रोफेसर अविजीत पाठक, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर द्वारा दिया गया। उनके व्याख्यान का शीर्षक था 'संवाद और सुनने की कला: हमारी कक्षाओं पर पुनर्विचार'। उन्होंने 'संभावित डिस्टोपिया' का विरोध करने के लिए, हमें 'संरचनात्मक बाधाओं' से परे देखने के लिए अपने अभिकरण को फिर से हासिल करना सीखना चाहिए और प्रयोगात्मक शिक्षार्थियों के रूप में अपनी छिपी क्षमता पर भरोसा करना चाहिए– संभावनाओं की कला, और आशा के शिक्षाशास्त्र को प्रयोग करने का साहस करने पर बल

दिया। व्याख्यान में बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों और शिक्षाविदों ने भाग लिया।

हीरक जयंती

राष्ट्रीय योजना एवं प्रशासन संस्थान, जैसा कि आज जाना जाता है, ने पिछले छह दशकों में एक लंबी परिवर्तनकारी यात्रा की है। इसने एशियाई क्षेत्रों के लिए शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों के प्रशिक्षण के लिए यूनेस्को क्षेत्रीय केंद्र से लेकर 2006 से एक विश्वविद्यालय होने की वर्तमान स्थिति तक अतिरिक्त जिम्मेदारियों के कई चरण देखे हैं, संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई जिम्मेदारियां निभाई हैं और पूरी की हैं। वर्तमान में, संस्थान ने अनुसंधान, शिक्षण, क्षमता विकास और भारत में शिक्षा की नीति, योजना और प्रबंधन में अग्रणी होने के अपने अधिदेशों को व्यापक बना लिया है। इसने प्रणाली, उप–राष्ट्रीय और संस्थागत स्तरों पर शिक्षा की परिचालन दक्षता में सुधार के लिए शैक्षिक नीति निर्माण और क्षमता विकास में हमेशा सक्रिय भूमिका निभाई है। नीपा ने अपने सभी अवतारों में हमेशा कई

भूमिकाएँ और भारत में शिक्षा प्रणाली के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है।

इस मेगा इवेंट के प्रबंधन और आयोजन के लिए एक समिति का गठन किया गया, जिसमें शामिल थीं– प्रोफेसर आरती श्रीवास्तव (अध्यक्ष), प्रोफेसर नीरू स्नेही, डॉ. सांत्वना जी. मिश्रा, डॉ. अमित गौतम, डॉ. कश्यपी अवस्थी, डॉ. वी. सुचरिता, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, सुश्री बबीता बलोदी एवं प्रशासनिक अधिकारी। उत्सव के लिए कई कार्यक्रम सूचीबद्ध किए गए, जिनमें शामिल थे– क्विज़ प्रतियोगिता, अंताक्षरी प्रतियोगिता, फैकल्टी हेरिटेज वॉक, फोटो प्रदर्शनी, वृत्तचित्र, संस्थागत माई–स्टैम्प, स्मारक लोगो, आदि।

हीरक जयंती समारोह (60 वर्ष) ने नीपा में पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों और छात्रों दोनों को शामिल करते हुए गतिविधियों की एक वर्ष लंबी श्रृंखला को चिह्नित किया। हीरक जयंती समारोह को मनाने के लिए एक लोगो पूरे वर्ष सभी आधिकारिक संचार पर उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। 09 नवंबर 2022 को फैकल्टी हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया और नीपा के सभी संकाय सदस्यों को सफदरजंग मकबरा, नई दिल्ली में वॉक के लिए आमंत्रित किया गया। 10 नवंबर 2022 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए नीपा के शोध विद्वानों ने अच्छी संख्या में भाग लिया। नीपा के गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए 15 नवंबर 2022 को डाइनिंग हॉल, नीपा में अंताक्षरी प्रतियोगिता मनाई गई। 22 नवंबर 2022 को स्टीन ऑडिटोरियम, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में मेगा इवेंट मनाया गया। मेगा इवेंट के दौरान संस्थागत माई–स्टैम्प जारी किया गया। मेगा इवेंट में नीपा की यात्रा की एक फोटो प्रदर्शनी भी थी जिसमें पिछले 60 वर्षों में हासिल किए गए प्रमुख मील के पत्थर प्रदर्शित किए गए थे। गीत, नृत्य, कविता, नुक्कड़ नाटक के मिश्रण से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। यह मेगा इवेंट नीपा की 60 साल की लंबी यात्रा को चित्रित करने वाले अनुभवों और यादों को संकलित करने वाली पुस्तक के विमोचन का मंच भी था, नीपा आज जो है उसमें मदद करने वाले संकायों, प्रशासकों, छात्रों के अनुभवों को एक साथ लाया गया, नीपा के सभी पूर्व और वर्तमान छात्रों और कर्मचारियों ने सफल बनाने के लिए मेगा इवेंट में भाग लिया।

इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए समिति के सदस्यों ने कड़ी मेहनत की और प्रोफेसर भूषण पटवर्धन द्वारा नीपा परिसर में वृक्षारोपण के साथ यह उत्सव संपन्न हुआ।

आंध्र प्रदेश के कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (पांच बैच)

पृष्ठभूमि

नीपा ने आंध्र प्रदेश सरकार के कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय के सहयोग से जनवरी 2023–मार्च 2023 के

बीच 5 बैचों में आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार हैः

1. पहला बैच 02–07 जनवरी 2023
2. दूसरा बैच 16–21 जनवरी 2023
3. तीसरा बैच 13–18 फरवरी 2023
4. चौथा बैच 20–25 फरवरी 2023
5. पांचवां बैच 13–18 मार्च 2023

कार्यक्रमों को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक रूप से समर्थन दिया गया था। यह नीपा में संस्थागत नेताओं के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रमों की श्रृंखला में मुख्य कार्यक्रमों में से एक था। कार्यक्रमों का संचालन अंतर्विभागीय सहयोग एवं विभिन्न समितियों के सहयोग

से किया गया। शैक्षिक प्रशासन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर कुमार सुरेश ने कार्यक्रम निदेशक के रूप में इस प्रक्रिया का नेतृत्व किया। प्रोफेसर आरती श्रीवास्तव, डॉ. सांत्वना जी. मिश्रा, प्रोफेसर नीरू स्नेही, डॉ. अन्शू श्रीवास्तव और डॉ. अमित गौतम ने एक–एक कार्यक्रम का समन्वय किया और प्रत्येक कार्यक्रम के सुचारु संचालन की दिशा में काम किया। कार्यक्रम के पांच बैचों में आंध्र प्रदेश के सरकारी कॉलेजों के लगभग 165 प्राचार्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का ध्यान एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के परिचालन–पहलुओं पर है।

जी–20 और नीपा की गतिविधियाँ

भारत की जी20 अध्यक्षता और शिक्षा एजेंडा पर एक परामर्शदात्री बैठक, 13–14 फरवरी, 2023

नीपा ने जी20 शिक्षा कार्य समूह के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग को अपना समर्थन दिया। भारत की जी20 अध्यक्षता और शिक्षा एजेंडा पर दो दिवसीय परामर्श बैठक, 13–14 फरवरी, 2023 को हुई। बैठक का मूल उद्देश्य शिक्षा समूह के लिए चार पहचाने गए विषयगत क्षेत्रों पर आगत उत्पन्न करना था। चर्चा करने और आगत प्रदान करने के लिए बड़ी संख्या में विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। परामर्श बैठक से नीपा आगतों और संस्तुतियों को सृजित करने में सक्षम रहा। तत्पश्चात संस्तुतियों को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय से साझा किया गया।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा आयोग (एनसीआईएसएम) के साथ नीपा का सहयोग

शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक प्रमुख और अद्वितीय संस्थान के रूप में नीपा के मौलिक योगदान के साथ–साथ शैक्षिक प्रशासकों और संस्थागत प्रमुखों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम प्रदान करने में इसकी विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए, भारतीय चिकित्सा के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम), भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोगा–रिपा कॉलेजों के प्राचार्यों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नीपा से संपर्क किया। चर्चा की एक श्रृंखला के बाद, जुलाई 2023 से मई 2024 के बीच 20 बैचों में 550 कॉलेजों के प्राचार्यों को प्रशिक्षित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन तैयार किया गया। अध्यक्ष, वैद्य जयंत देव पुजारी, आयुर्वेद मंडल के अध्यक्ष, प्रोफेसर बीएस प्रसाद, प्रोफेसर सुधांशु भूषण, प्रभारी कुलपति, नीपा, कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर कुमार सुरेश और प्रोफेसर आरती श्रीवास्तव ने बैठक में भाग लिया। एनसीआईएसएम के हितधारकों की प्रतिक्रिया के आधार पर पाठ्यक्रम डिजाइन तैयार किया गया था। कार्यक्रम का पहला बैच 10–14 जुलाई 2023 तक शुरू होगा। 10 जनवरी 2023 को नीपा में आयोजित बैठक का चित्र।

अनुसंधान 3

KAMLESH VYAS
PROF. VIMAL
ARTI SRIVASTAVA

अनुसंधान

संस्थान, शिक्षा के क्षेत्र में विकासात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करने तथा साक्ष्य आधारित विकल्पों और रणनीतियों को तैयार के लिए नवीन ज्ञान जुटाने हेतु, शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन को विशेषकर ध्यान में रखते हुए, विभिन्न विषयों में पारस्परिक शोध और अध्ययनों को ग्रहित कर बढ़ावा और सहायता प्रदान करता आ रहा है। संस्थान भारत के विभिन्न राज्यों और अन्य देशों में भी गुणात्मक तथा मात्रात्मक दोनों प्रकार के शोध, वर्तमान नीतियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पुनरीक्षण और मूल्यांकन की तकनीकों तथा प्रशासनिक ढ़ांचों एवं प्रविधियों में तुलनात्मक अध्ययन करता है। अध्ययनों सहित ऐसे कार्य–शोध पर जोर दिया जाता है, जो शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन में सुधार के लिए मुख्य क्षेत्रों में नवीन

ज्ञान को सृजित कर सकता है।

एम.फिल. और पीएच.डी कार्यक्रमों के अतिरिक्त, राष्ट्रीय संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले शोध अध्ययन, अन्य एजेंसियों द्वारा प्रायोजित शोध; अन्तरर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त अध्ययन; कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययन और आंकड़ा प्रबंधन अध्ययनों जैसे शोध कार्यक्रम को भी सहायता प्रदान करता है। संस्थान में शिक्षा प्रणाली में उठने वाले संभावित प्राथमिकता के मुद्दों अथवा भारतीय शिक्षा प्रणाली वास्तव में जिन मुद्दों से जूझ रही है, उनसे संबंधित शोध अध्ययन होते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 12 शोध अध्ययन पूर्ण किए गए, जबकि 25 अध्ययन प्रगति पर हैं।

पूर्ण शोध अध्ययन

(31 मार्च, 2023 तक)

1. **मूल्यांकन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का कार्यान्वयन: स्थिति, मुद्दे और मार्ग (स्कूली शिक्षा)**

प्रधान अन्वेषक: प्रो. ए.के. सिंह, प्रो. वीरा गुप्ता, प्रो. रस्मिता स्वाँई, डॉ. एस.के. मलिक और *डॉ. कश्यपी अवस्थी*

अध्ययन पूरा हुआ और मसौदा रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी गई।

2. **मूल्यांकन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का कार्यान्वयन: स्थिति, मुद्दे और मार्ग (उच्चतर शिक्षा)**

प्रधान अन्वेषक: प्रो. कुमार सुरेश

अध्ययन पूरा हुआ और मसौदा रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी गई।

3. **हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में बालिकाओं की शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन**

अन्वेषक: प्रो. मधुमिता बंध्योपाध्याय

अध्ययन पूरा हुआ।

4. **भारत में उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता: संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन**

अन्वेषक: डॉ. अनुपम पचौरी

अध्ययन पूरा हुआ।

5. **लैंगिक पर शैक्षिक एटलस : एक जिला–स्तरीय प्रस्तुति**

अन्वेषक: डॉ. सुमन नेगी

अध्ययन दिसंबर 2022 को पूरा हुआ।

6. **राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा)**

अन्वेषक: प्रो. सुधांशु भूषण

अध्ययन पूरा हुआ और मसौदा रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी गई।

7. **भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता**

अन्वेषक: डॉ. नीरू स्नेही

भारत में उच्चतर शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता एजेंडा का महत्वपूर्ण भाग बन गया है। स्वायत्तता देने का तात्पर्य ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि स्वायत्तता हमारे समक्ष उत्पन्न होने वाली बहुत सी समस्याओं के लिए रामबाण हो। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि सामान्यतः भारत के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में और विशेष रूप से अधि–स्नातक महाविद्यालयों में किस हद तक स्वायत्तता है; अधि–स्नातक स्तर की संस्थाओं को स्वायत्तता प्रदान करने में हितधारको की क्या भूमिका है और साथ ही स्वायत्तता संबद्ध महाविद्यालयों के साथ संबद्ध महाविद्यालयों के कार्यकरण की तुलना करना भी इसका उद्देश्य है।

इन उद्देश्यों के संदर्भ में 5 क्षेत्रों के 10 राज्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध 40 महाविद्यालयों के प्रतिदर्श (नमूना) से संग्रहित आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इस डाटा में प्रयोगानुभविक और द्वितीयक दोनों आंकड़ों को समाहित किया गया है। प्रयोगानुभविक

आंकड़े विश्वविद्यालय के प्रशासकों/महाविद्यालय के प्राचार्यों और अध्यापकों से साक्षात्कार एवं फोकस समूह के विमर्श के माध्यम से एकत्र किया गया। शोध प्रश्न और आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट को पांच अध्यायों में विभक्त किया गय है। इन अध्यायों में सैद्धान्तिक रूपरेखा, महाविद्यालयों में स्वायत्तता का तुलनात्मक विश्लेषण, स्वायत्तता और स्वायत्त महाविद्यालयों पर इसके प्रभाव और अन्य विनियामक/सांविधिक निकायों द्वारा स्वायत्तताके नियंत्रण की विवेचना की गई है और एक अंतिम अध्याय दिया गया है।

वर्तमान में पूर्ण की गई और तैयार रिपोर्ट का संपादन किया जा रहा है और शीघ्र ही इसे प्रस्तुत किया जाएगा।

8. अफ्रीका–एशियाई देशों में बच्चों की अधिगम साम्यता पर कोविड–19 का प्रभाव

परियोजना निदेशकः प्रो. कुमार सुरेश

अफ्रीका–एशियाई विकास नेटवर्क, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान के तहत एक सहयोगात्मक अनुसंधान

अनुसंधान अध्ययन पूरा हो गया है रिपोर्ट सीआईसीआई को सौंपी जा रही है।

9. समग्र शिक्षा : स्कूली शिक्षा के लिए एकीकृत योजना (मूल्यांकनपरक अध्ययन)

प्रधान अन्वेषकः प्रो. प्रणति पंडा

अध्ययन पूरा हुआ और मसौदा रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी गई।

10. पी.एम. पोषण, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना के भारत में कार्यान्वयन संबंधी मूल्यांकनपरक अध्ययन

प्रधान अन्वेषकः प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय

अध्ययन पूरा हुआ और मसौदा रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी गई।

11. निष्ठाः इसका आच्छादन, सांस्थानिक स्तर (विद्यालय) में इसकी सार्थकता और इसका कार्यान्वयन

प्रधान अन्वेषकः प्रो. सुनीता चुग और डॉ. चारू स्मिता मलिक

अध्ययन पूरा हुआ और मसौदा रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी गई।

12. समतामूलक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियां और अभ्यास पर मॉड्यूल

प्रधान अन्वेषकः नीरू स्नेही

यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, टिस्स, एयूडी और जामिया मिलिया इस्लामिया के सहयोग से निर्माणाधीन वैश्विक साझेदारी सहयोगात्मक परियोजना के अन्तर्गत मॉड्यूल तैयार किया गया और मॉड्यूल का प्रतिवेदन ब्रिटिश काउंसिल में प्रस्तुत किया गया।

अनुसंधान अध्ययन (जारी)

(31 मार्च, 2023 तक)

1. शैक्षिक प्रशासन का तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश

शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान की विशिष्ट पहलों में से एक है। ज्ञान सर्वेक्षण का मूल उद्देश्यों राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना और उनके कृत्य के संबंध में सूचना एकत्र करना और यदि कोई अधिगम अंतराल दृष्टिगोचर होता है तो उनकी पहचान करना है। इसके पूर्व दो सर्वेक्षण 1970 और 1990 के दशक में किए गए थे। तृतीय अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण राज्यों के साथ मिलकर किया गया है। सर्वेक्षण कार्य दिसंबर 2014 में आरम्भ हुआ था। सभी राज्यों से अनुरोध किया गया था कि वे राज्यों में शैक्षिक प्रशासन का कार्य करने के लिए नोडल अधिकारियों को नाम निर्दिष्ट करें। अलग–अलग राज्यों ने अलग–अलग कालावधि में इस अनुरोध के प्रत्योत्तर में कार्य किया। यहाँ तक कि जिन राज्यों ने प्रत्युत्तर दिया था वे भी राज्य विशिष्ट स्थिति के कारण निर्धारित समय सीमा के भीतर सर्वेक्षण कार्य पूरा नहीं कर सके। बहुत से क्षेत्रीय और राज्य विशिष्ट कार्यशालाओं में नोडल अधिकारियों ओर उनकी अपनी–अपनी टीम का सर्वेक्षण के प्रयोजन

और विधि के संबंध में परिबोधन किया गया। उन्हें सूचना एकत्र करने तथा आंकड़े संग्रहित करने की युक्तियों के साथ–साथ रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रारूप और विषयवस्तु भी उपलब्ध करायी गयी। अधिकांश राज्यों ने सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया था और संबंधित राज्यों को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया था। तथापि, झारखण्ड जम्मू कश्मीर में सर्वेक्षण कार्य अभी भी पूरा नहीं हुआ है। प्रारूप प्रतिवेदन अभी भी राज्यों के पास लंबित हैं।

शैक्षिक प्रशासन के सर्वेक्षण संबंधी प्रारूप प्रतिवेदनों का संपादन कर इसे प्रसार के लिए अंतिम रूप दिया जाना है।

2. **शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों का अध्ययन** (शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश और अन्शू श्रीवास्तव
(प्रो. विनीता सिरोही पहले टीम की सदस्य थीं लेकिन अन्य प्रमुख अध्ययन और संस्थागत गतिविधियों में व्यस्तता के कारण उन्होंने अपनी असमर्थता व्यक्त की है इसलिए एक और नया सदस्य जोड़ा गया है)

अध्ययन का उद्देश्य शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्य के पहलू पर संसाधन डाटा अंतराल को पूरा करना है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों पर शायद ही जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा विभाग की वेबसाइटों में संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शैक्षिक प्रशासन की संरचना की बुनियादी जानकारी शामिल है, लेकिन ये मुख्य रूप से सचिवालय और निदेशालय स्तरों तक सीमित हैं। अधिकांश मामलों में निदेशालय स्तर से नीचे शैक्षिक प्रशासनिक ढांचे की जानकारी बहुत कम है।

यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि जिले में और जिला स्तर के नीचे के अधिकारियों के पदनाम, स्थिति और भूमिका में काफी भिन्नताएं हैं। क्षेत्र स्तर के शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यात्मक जिम्मेदारियों का शैक्षिक सेवाओं के कुशल और प्रभावी वितरण पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है। जिले और निचले स्तर पर शैक्षिक प्रशासन नीतियों और शैक्षिक विकास के कार्यक्रमों को लागू करना जिम्मेदारियों से भरा हुआ है। इसके अलावा, हाल के वर्षों में शैक्षिक विकास के लिए नीतिगत पहल, क्षेत्र स्तर पर शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यों में मानकीकरण कुछ हद तक आवश्यक है। वास्तव में, संरचनाओं और कार्यों में कोई समानता नहीं है। शैक्षिक प्रशासन से संबंधित कई समस्याएं और मुद्दे हैं। तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन की राज्य रिपोर्टें इन्हें इंगित करती हैं। शैक्षिक प्रशासन की नई चुनौतियाँ किस हद तक प्रशासनिक संरचना नई मांगों और चुनौतियों के लिए पर्याप्त रूप से जवाबदेह है, इसके अन्वेषण की आवश्यकता है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कई राज्यों ने विभिन्न स्तरों पर, विशेष रूप से जिला और ब्लॉक स्तरों पर अपने प्रशासनिक ढांचे में सुधार किए हैं। बिहार कई अन्य राज्यों के साथ इस संबंध में उदाहरण है। कुछ राज्यों में शुरू किए गए सुधार के उपाय दूसरों के लिए शिक्षाप्रद हो सकते हैं। कई बार प्रशासनिक संरचना में किए गए सुधार और राज्य में इसकी कार्यात्मक जिम्मेदारियां अन्य राज्यों के लिए सीखने की संभावनाओं को खोलती हैं। सार्वजनिक डोमेन में सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण, पारस्परिक रूप से सीखने की संभावना नहीं है। विभिन्न स्तरों शैक्षिक प्रशासन की संरचना पर जानकारी की अनुपलब्धता के अलावा; राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन के हर स्तर से जुड़ी कार्यात्मक जिम्मेदारी पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

इस संदर्भ में तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण में शेष अंतरालों को भरने के लिए वर्तमान अध्ययन किया गया।

3. **शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियां** (शैक्षिक प्रशासन में तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता

जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण शैक्षिक अधिकारी होते हैं। वे स्कूलों के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला और ब्लॉक स्तर पर शैक्षिक प्रशासन उनकी निगरानी और समर्थन के मामलों में स्कूलों से निकटता से जुड़े होते है; वे स्कूलों और

उच्च स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। स्कूल स्तर पर सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन इन अधिकारियों की महत्वपूर्ण कार्यात्मक जिम्मेदारियों को दर्शाता है। किस प्रकार ये अधिकारी क्षेत्र स्तर पर उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं इनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के विस्तार के संपूर्ण पहुंच को समझना महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन के आंकड़े प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों पर आधारित है। अध्ययन मुख्य रूप से शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण सहित जिला शिक्षा अधिकारियों और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलनों के साथ–साथ जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों से संबंधित क्षेत्र–आधारित आंकड़ा संग्रह पर उपलब्ध डेटाबेस पर आधारित होगा। शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की राज्य रिपोर्ट में विवरणात्मक प्रारूप के अनुसार जिला और ब्लॉक स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बारे में कुछ बुनियादी जानकारियों के अलावा, जिसमें वर्णनात्मक प्रारूप के अनुसार स्थिति, भूमिका और कार्यकारी जिम्मेदारियां शामिल हैं। हालांकि, विश्लेषणात्मक आयाम शामिल नहीं हैं। वर्णनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य से किया जाएगा। वर्तमान अध्ययन मुख्य रूप से क्षेत्र अध्ययन के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों और जानकारी के अलावा आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित होगा। विश्लेषणात्मक दृढ़ता के संदर्भ में वर्णनात्मक आंकड़ों के महत्व को जोड़ने के लिए, गुणात्मक आयामों को भारत के विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले जिलों और ब्लॉकों को जोड़ा जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों और क्षेत्र आधारित आंकड़ों की स्थिति, जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों की भूमिका, जिम्मेदारियों और चुनौतियों दोनों के विश्लेषण के आधार पर किया जा रहा है।

4. भारत के शैक्षिक शासन में संघवाद और संघ–राज्य संबंध (शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश

संघीय प्रणालियों में शैक्षिक प्रशासन संवैधानिक रूप से अनिवार्य न्यायिक विनिर्देश और सरकार के गठन के बाद से दो स्तरों– सरकारी और घटक इकाइयों के बीच जिम्मेदारियों को सौंपने पर आधारित है। कुछ मामलों में शिक्षा के संचालन की जिम्मेदारी विशेष रूप से घटक इकाइयों की होती है। संघीय इकाइयों के लिए नीति और वित्तीय स्वायत्तता स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारियों के वितरण के आधार पर होती हैं। अतः शिक्षा के शासन में संघीय सरकारों और घटक इकाइयों के बीच संबंधों की प्रकृति को निर्धारित करता है।

भारत में शैक्षिक प्रशासन की अपनी गतिशीलता संघीय विविधता के तर्क और संदर्भ में गहराई से निहित है। संघ और राज्यों के संवैधानिक रूप से परिभाषित जिम्मेदारियों और यथोचित सीमांत क्षेत्राधिकार सरकार के दो स्तरों के रूप में भारत में शिक्षा के संघीय शासन का औपचारिक मॉडल है। यह एक स्तर पर संघीय इकाइयों की स्वायत्तता के अंतर्निहित आधार पर आधारित है और दूसरे स्तर पर बड़े संघीय आदेश के साथ जैविक कड़ी है। संघीय सरकार से राज्यों के शैक्षिक प्रयासों में सक्षम भूमिका निभाने और साथ ही संघीय विविधता के साथ राष्ट्रीय (संघीय) प्राथमिकताओं को सामंजस्य बनाने में भी उम्मीद की जाती है।

भारत में शिक्षा का प्रशासन संघ और राज्यों के बीच एक साझा जिम्मेदारी है। साझा जिम्मेदारी का संदर्भ संविधान के 42वें संशोधन द्वारा प्रभावित धाराओं के तर्क का विस्तार है। शासन के इस पहलू को संघ और राज्यों के बीच कुछ हद तक सहयोग की आवश्यकता है। संघ और राज्यों के बीच सहकारी साझेदारी की भाषा अक्सर भारत में शिक्षा के संघीय शासन के मॉडल का वर्णन करने के लिए उपयोग की जाती है। सहकारिता साझेदारी (सहकारी संघवाद) का यह उपयोग प्रशासन की समन्वय संरचना के समरूप संबंधों में कितनी सक्षमता के साथ आ सका है, यह एक ऐसा प्रश्न है जिसके अन्वेषण की आवश्यकता है। निस्संदेह, संवैधानिक व्यवस्था की मूल योजना ने शिक्षा के प्रशासन में राज्यों के लिए एक अपेक्षाकृत स्वायत्त डोमेन की परिकल्पना की थी। हालांकि, शिक्षा में सुधार के लिए संघीय सरकार द्वारा संवैधानिक संशोधनों, अधीनस्थ विधानों और नीतिगत पहलों के रूप में संवैधानिक विकास ने संघ–राज्य संबंधों और शासी शिक्षा में राज्यों की क्षमता को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से 1980 के दशक के बाद पिछले कई दशकों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई नीतिगत सुधार किए गए हैं। केंद्र सरकार की दिशानिर्देशों में कई केंद्र प्रायोजित योजनाओं और

एजेंसियों के प्रसार, इस अवधि के महत्वपूर्ण घटनाक्रम हैं। ये संघीय सरकार के विस्तार की भूमिका और राज्य सरकारों की सिकुड़ती क्षमता के साधन के रूप में हैं। इसी संदर्भ में अध्ययन आयोजित किया जा रहा है।

अध्ययन प्राथमिक और माध्यमिक आंकड़ों के आधार पर डेस्क और क्षेत्र आधारित अनुसंधान दोनों का संयोजन है। इसके तीन घटक हैं। पहला, संघ–राज्य संबंधों को प्रभावित करने वाले संवैधानिक और उत्तर संवैधानिक विकास का अध्ययन है। इसका प्रमुख उद्देश्य अधिनियम, अधीनस्थ विधान एवं नीतिगत पहल और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में सुधार करना। दूसरा, मुख्य रूप से स्कूली शिक्षा पर केंद्रित होगा और तीसरा, उच्च शिक्षा पर केंद्रित होगा। अनुभवजन्य अध्ययन के लिए कुछ राज्यों को जानकारी के रूप में लिया जाएगा। परियोजना सलाहकार समिति के विशेषज्ञों और सदस्यों के परामर्श से अध्ययन में शामिल किए जाने वाले आयामों के विवरण पर काम किया जाएगा।

5. शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष (शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)

प्रधान अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता

शिक्षा प्रणाली और इसकी बहुविध विभाओं (इसके विविध आयामों) के पल्लवन के फलस्वरूप शैक्षिक प्रशासकों के समक्ष शिक्षा तंत्र का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गई है। इन चुनौतियों के बीच शैक्षिक प्रशासक अलग–अलग स्तरों पर कार्य कर चुनौतियों को अवसर में परिवर्तित करने के लिए अनेकानेक पहल कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय और संस्थागत स्तर के प्रशासन के मामले में विशेष रूप से ऐसा किया जा रहा है। इस अध्ययन में शैक्षिक प्रशासन में विभिन्न रूपों में नवाचार और नवोन्मेष की बारीकियों को समाहित करने का प्रयत्न किया गया है। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के शैक्षिक प्रशासन की अवार्ड की राष्ट्रीय योजना के भी अनुरूप है।

6. भारत में तुलनात्मक शैक्षिक लाभ की स्थानिक गतिशीलता

अन्वेषकः प्रो. मोना खरे

परियोजना की मुख्य विशेषताएँः भारत में शैक्षिक विकास में अन्तर्राज्यीय अभ्यान्तरों के अवधारकों की पहचान करने और उन्हें चिन्हित करने के लिए द्वितीयक आंकड़ा आधारित शोध अध्ययन शैक्षणिक विकास के द्योतक तत्वों को चिन्हांकित करने के बाद शैक्षिक विकास की बहुविध अनुक्रमणिका तैयार करना।

कार्यकलापः विद्यालयी शिक्षा के विकास के लिए सारणीकरण और आंकड़ा विश्लेषण का कार्य पूरा किया गया। प्रथम तीन प्रारूप अध्ययन तैयार है। उच्चतर शिक्षा विकास के संकेतकों को चिन्हाकिंत किया गया है और द्वितीयक स्रोतों से डाटा संकलन का कार्य पूरा हो गया है। स्थानित विकास की सम्मिश्रण अनुक्रमणिका के निर्माण के निमित्त संसूचकों को चिन्हांकित किया गया है ओर संकलन कार्य पूरा हो गया है। शोध अध्ययन से उद्धृत तीन पत्र संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए गए और उन्हें प्रकाशित किया गया। जिला स्तर पर डाटा संकलन किया गया और उनका परिशोधन और सारणीकरण करने के पश्चात् परिकलन कार्य पूरा किया गया। राज्य स्तरीय विश्लेषण कार्य पूरा हो गया है। राज्यों के प्रतिवेदन तैयार किए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिवेदन आधा तैयार हो चुका है। अंतिम प्रतिवेदन तैयार करने में कुछ महीने के लिए एक परियोजना स्टाफ का अनुरोध किया गया है।

7. भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता

अन्वेषकः प्रो. मोना खरे

भारत की गणना विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में से एक के रूप में की जाती है, शिक्षित स्नातकों की रोजगार क्षमता के अक्सर देश के समक्ष आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बड़ी चुनौती मानी जाती है। भारत विकास की गाथा इस अर्थ में अनुपम है कि यहाँ आर्थिक विकास के व्यापक स्वीकृत मॉडल अर्थात् कृषि से उद्योग और फिर सेवा के क्षेत्र में अंतरण को चुनौती दर है। स्वतंत्रता के आरंभिक वर्षों में विनिर्माण जगत से होने वाली वृद्धि शीघ्र ही तृतीयक क्षेत्र की प्राधान्यता से प्रतिस्थापित हो गया। साथ ही, 1960 के दशक से 1980 के दशक तक की कम रोजगार वृद्धि और इस अवधि में शिक्षित बेरोजगारों की बढ़ती हुई संख्या की उदारीकरण युग अर्थात् 1990 के दशक में पुनरावृत्ति हुई। जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था औद्योगिक क्षेत्र में अग्रेसित हुआ जिसका भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 3/4 हिस्सा

योगदान है। रोजगार के मामले में यह बात सही नहीं बैठती। जहाँ एक बड़ी आबादी कृषि और कृषि से सम्बद्ध कार्यकलापों में व्यस्त है। जिसमें से एक बड़ा हिस्सा जीवन निर्वाह का स्तर पारंपरिक कृषि ही है। तथापि, भावी अनुमान से पता चलता है कि रोजगार के मामले में 60 प्रतिशत नौकरियों की बढ़ोतरी सेवा क्षेत्र में होगी। स्नातकों की रोजगारपरकता की समस्या में पूर्ति और मांग दोनों पक्ष सम्मिलित हैं। इतना ही नहीं रोजगार परकता और कौशल ह्रास को भी रोजगार, बेरोजगारी और श्रम बाजार की परिस्थितियों से पूर्णतः अलग नहीं किया जा सकता है। वर्तमान अध्ययन में बाह्य और आन्तरिक कारकों के साथ–साथ मांग और पूर्ति संबंधी कारक जिनका स्नातक रोजगार परकता पर प्रभाव को संयुक्त रूप से दर्शाने का प्रयत्न किया गया है। इस अध्ययन में तीन अन्तःसंबद्ध जगत अर्थात् सूक्ष्म, संस्थानिक और व्यक्तिगत स्तरों पर भारत में स्नातक रोजगार परकता और उच्चतर शिक्षा के विषय को समझने का प्रस्ताव है जो इस प्रकार हैंः– शिक्षित रोजगार/बेरोजगारी के रूझान के वृहद आर्थिक आयाम; उद्योग की बढ़ती हुई माँग और विश्वविद्यालय/उच्चतर शिक्षा के आयाम; व्यष्टिक हितधारकों का उच्चतर शिक्षा में भागीदारी के बारे में बदलते हुए अवबोध और प्रत्याशा तथा रोजगार की तैयारी के सन्दर्भ में प्रावधान। इस अध्ययन का उद्देश्य शोध संबंधी निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देना है: (क) उच्चतर शिक्षा स्नातकों की रोजगारपरक कौशल के संबंध में नियोक्ताओं का परिप्रेक्ष्य; (ख) उनके कार्य स्थल अपेक्षाओं की तुलना में विश्वविद्यालय की शिक्षा के दौरान रोजगार की तैयारी के बारे में नए कर्मचारियों के क्या अनुभव हैं; (ग) रोजगार परकता के लिए कौशल विकसित करने के बारे में विद्यार्थियों की उच्चतर शिक्षा संस्थानों से क्या उम्मीदें हैं; (घ) उद्योग के लिए तैयार स्नातकों को तैयार करने में उच्चतर शिक्षा क्षेत्र की भूमिका में विश्वविद्यालय के शिक्षक और प्रशासकों की क्या अनुक्रिया है? (ङ) क्या स्नातक रोजगार परकता कौशल नीति समय की माँग है? प्रमुख हितधारकों के संदर्श यथा नियोक्ता और नए कर्मचारी, विद्यार्थी और शिक्षकगण का पता लगाया जाता है जो शोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर दे सकें। यह देश में बहु–स्तरीय, बहु–राज्यीय अध्ययन है जिसमें देश के कई शहरों को शामिल किया गया है। चिन्हित छह शहरों में स्तर–I के चार शहर– मुम्बई, दिल्ली, बेंगलुरू, हैदराबाद हैं। स्तर–II के शहरों में लखनऊ प्रमुख रोजगार प्रदाता है; स्तर–III श्रेणी के शहरों में उदयपुर रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्रथम तीन शहरों में से एक है।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य स्नातक रोजगार परकता को सभी हितधारकों के अवबोध का विश्लेषण करना; नियोक्ता–कर्मचारी समुदाय और शैक्षणिक समुदाय (विद्यार्थी और शिक्षकों) में स्नातमक रोजगार परकता कौशल के बारे में प्रसरण व विभिन्नता को समझना, महिला और पुरुष, सामाजिक समूहों और क्षेत्रों के बीच कौशल अंतरक विभेद की रोजगार परकता का परिमाप, भारतीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में विद्यमान ऑन–कैम्पस/ऑफ कैम्पस रोजगार परकता सहयोग का अध्ययन करना और उच्चतर शिक्षा स्नातकों को लाभप्रद रोजगार प्राप्त करने में आनेवाली संस्थानिक अड़चनों को चिन्हित करना है।

विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला 18 और 19 जनवरी, 2018 को आयोजित की गयी। 5 राज्यों (महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना की उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता के संबंध में सीपीआरएचई अध्ययन की समीक्षा की जा रही है। (चार की समीक्षा की गई, दो अंतिम संस्करण प्राप्त हुए हैं)। उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता के संबंध में सीपीआरएचई का संलिष्ट प्रतिवेदन तैयार किया जाना है (शीघ्र ही पूरी होने वाली है)।

8. भारत में माध्यमिक शिक्षा में सरकारी–निजी क्षेत्र का समन्वयः आकार, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं और नामांकन (प्रवेश) की रूपरेखा

अन्वेषकः डॉ. एन.के. मोहंती

पीआई द्वारा दी गई मौखिक सूचना के आधार पर उन्होंने विभागीय सलाहकार समिति (डीएसी) की बैठक में शोध अध्ययन के चरण–2 के लिए नया शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

9. ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन

अन्वेषकः डॉ. एस.के. मलिक

अध्ययन के उद्देश्यः

1. माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की

शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रकृति और सीमा का पता लगाना;

2. स्कूल पूर्ण होने पर अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना की प्रभावशीलता और शिक्षा के उच्च स्तर पर उनकी गतिशीलता की जांच करना;

3. छात्रों को उनके अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाने और उपयोग करने में आने वाली समस्याओं और बाधाओं का पता लगाना;

4. योजनाओं के कार्यान्वयन में सरकार और स्कूल प्रशासन के अधिकारियों द्वारा समस्याओं और बाधाओं का पता लगाना और

5. छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त उपायों का पता लगाना।

अध्ययन की पद्धति

वर्तमान में उड़ीसा राज्य का अध्ययन किया जा रहा है। वहाँ तीस जिले हैं। अध्ययन के प्रयोजनार्थ, जिले का चयन साक्षरता दर के आधार पर किया जाएगा। तीस जिलों में से अध्ययन के प्रयोजनार्थ सर्वाधिक साक्षरता दर वाले अनुसूचित जाति के आबादी वाले दो जिले का चयन किया गया। (जगतसिंहपुर और खोर्दा) दो चयनित जिलों में से प्रत्येक जिले के दो प्रखण्डों का चयन माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के अधिक नामांकन के आधार पर किया गया। प्रत्येक प्रखंड से माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों के सर्वाधिक नामांकन वाले 5 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया। अध्ययन के प्रत्यर्थियों में प्रधानाध्यापक, विद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थीगण, प्रशासकगण और माता–पिता थे।

अध्ययन की वर्तमान स्थिति

1. साहित्य की समीक्षा कार्य पूर्ण हो गया है।

2. रिपोर्ट लिखने का कार्य प्रगति पर है और अंतिम रिपोर्ट जुलाई, 2023 तक प्रस्तुत की जाएगी।

10. चयनित राज्यों में निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत निजी स्कूलों में कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों के प्रावधान के कार्यान्वयन का अध्ययनः नीति और व्यवहार

अन्वेषकः प्रो. अविनाश कुमार सिंह

पृष्ठभूमि

निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा (आरटीई) अधिनियम के कार्यान्वयन के साथ, अधिनियम की धारा 12(1)(सी) के तहत राज्यों ने कमजोर वर्गों और वंचित समूहों (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित बच्चों के लिए निजी और गैर सहायता प्राप्त प्राथमिक स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें निःशुल्क प्रदान करना शुरू कर दिया है। हालांकि, अधिनियम अपने कार्यान्वयन के चौथे वर्ष में है, संबंधित प्राधिकारियों के बीच बहुत स्पष्टता नहीं है कि प्रावधान से संबंधित नियमों और विनियमों को कैसे लागू किये जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की पहचान और चयन के लिए पात्रता मानदंडों का पालन कैसे किया जा रहा है? निजी स्कूल विभिन्न राज्यों में संवैधानिक प्रतिबद्धताओं और प्रावधानों को पूरा करने में नियमों और विनियमों का पालन कैसे कर रहे हैं? इन अधिकारों को हासिल करने में माता–पिता और बच्चों को किन समस्याओं और बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है? आरटीई प्रावधान के कार्यान्वयन में अंतर और अंतर–राज्यीय दोनों प्रकार के बदलाव बताए गए हैं। इस संदर्भ में, देश के 5 अलग–अलग क्षेत्रों में फैले चयनित 10 राज्यों में शिक्षा के अधिकार अधिनियम–2009 के तहत वंचित बच्चों की शिक्षा की नीति और प्रथाओं की समझ विकसित करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य हैं:

i) नीति और प्रथाओं के संदर्भ में विभिन्न राज्यों में आरटीई अधिनियम के तहत आरक्षण प्रावधान के कार्यान्वयन की प्रकृति और सीमा का आकलन करना;

ii). वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की श्रेणियों से संबंधित बच्चों और अभिभावकों के बीच आरक्षण के प्रावधानों के बारे में जागरूकता स्तर का पता लगाना;

iii). स्कूल और कक्षा में विभिन्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से बच्चों के समायोजन से संबंधित मुद्दों की जांच करना;

iv). विभिन्न राज्यों के स्कूलों में आरक्षण प्रावधानों के कार्यान्वयन के बारे में अभिनव अभ्यास की पहचान करना;

v). विभिन्न हितधारकों, अभिभावकों, बच्चों, शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों द्वारा आरटीई प्रावधानों के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और बाधाओं की पहचान करना; तथा

vi). निजी स्कूलों में आरक्षण के आरटीई प्रावधान की योजना और कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए उपयुक्त उपाय सुझाना।

वर्तमान स्थिति

उपरोक्त अनुसंधान परियोजना कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में है, जिसमें विषय के अनुसंधान और विकास से संबंधित साहित्य की समीक्षा और अनुसंधान उपकरणों का विकास शामिल है। साहित्य समीक्षा के तहत, चयनित राज्यों के प्रोफाइल और राज्यों में आरटीई मानदंडों का अनुपालन, माध्यमिक आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया जा रहा है। अध्ययन के तहत निर्धारित मानदंडों पर चुने गए 10 राज्य शामिल हैं: केरल, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और असम। इसके अलावा, आंकड़ा संग्रह के उपकरण के प्रारूप तैयारी के तहत हैं। निम्नलिखित उपकरणों की रूपरेखा तैयार किये हैं:–

- स्कूल सूचना अनुसूची
- माता–पिता साक्षात्कार अनुसूचियां
- मुख्य अध्यापक और अन्य अध्यापकों के लिए अनुसूचियां
- वंचित समूह और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए अनुसूची
- बच्चों के माता–पिता और अन्य सामुदायिक सदस्यों के लिए अनुसूचियां
- स्कूल प्रबंधन समितियों के सदस्यों के लिए अनुसूची
- विभिन्न स्तरों (क्लस्टर, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर) पर शिक्षा कर्मियों के लिए जांच सूची
- कक्षा अवलोकन अनुसूचियां
- केन्द्र समूह चर्चा के लिए जांच सूची

दिल्ली और झारखण्ड में एक प्रायोगिक क्षेत्रीय कार्य किया गया है। प्रायोगिक क्षेत्र कार्य में, प्रारूप शोध उपकरण अभिकल्प की परख की गई है। क्षेत्रीय कार्य के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर संसाधनों और उपकरणों को अंतिम रूप दिया गया। कोविड महामारी और इसके परिणाम स्वरूप विद्यालय बंद होने के कारण क्षेत्र–आधारित प्राथमिक आंकड़ा संकलन का कार्य पूरा नहीं किया जा सका। शोधपरक विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया है और द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त होने वाले आंकड़ों को भी इसमें समाहित किया जा रहा है। आगामी तीन से चार महीने के लिए गहन डाटा संकलन की योजना बनाई गई है, तत्पश्चात् आंकड़ा विश्लेषण और प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का कार्य किया जाएगा। द्वितीयक स्रोत डाटा और प्रायोगिक क्षेत्रीय कार्य से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर शैक्षिक प्रतिवेदन तैयार किया गया है। इसके अलावा अल्पावधि के भीतर सीमित पैमाने पर क्षेत्रीय कार्य करने के लिए आकस्मिक योजना के आधार पर शोध परियोजना को छह माह का समय विस्तार दिया गया है। समय विस्तार के आधार पर परियोजना कर्मचारियों की नियुक्ति के साथ, क्षेत्रीय कार्य और आंकड़ा संकलन का कार्य आगामी माह में आरम्भ होने की उम्मीद है।

11. भारत में उच्चतर शिक्षा सुधार की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः सुधार के सिद्धान्तों, नीतियों और संस्थानों पर तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य (1991–2012)

अन्वेषकः प्रो. मनीषा प्रियम

इस शोध में मैसूर विश्वविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय के मामलों का उपयोग करते हुए उच्च शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का अध्ययन करने के लिए एक केस तुलनात्मक पद्धति का उपयोग शामिल है। संदर्भ से परिचित होने, मिलने वाले व्यक्तियों की सूची तैयार करने, प्रमुख सूचनादाताओं के लिए साक्षात्कार कार्यक्रम तैयार करने और मैसूर विश्वविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय का प्रासंगिक द्वितीयक साहित्य और नीति दस्तावेज़ का की ग्रंथ सूची तैयार करने हेतु दोनों क्षेत्रों का दौरा किया गया।

अनुसंधान परियोजना के लिए क्षेत्रीय कार्य, कोविड–19 के परिणामस्वरूप अभूतपूर्व राष्ट्रीय लॉक–डाउन के कारण रुक गया और अनुरोध पर, परियोजना को एक वर्ष का विस्तार दिया गया।

प्रतिवेदन और प्रकाशनों की स्थिति

- 2022:''द मॉडर्न यूनिवर्सिटी इन अ लोकल एरीनाः द पॉलिटिक्स ऑफ एजुकेशनल रिफॉर्म्स इन प्रिंसली मैसूर,'' रॉब जैनकिन्स एंड लूइस टिलिन (संपादित) में प्रकाशित। डिके एंड पॉलिटिकल रीजेनरेशन इन इंडियन पॉलिटिक्सः एसेज इन औनर ऑफ जेम्स मैनर, ओरिएण्ट ब्लैक्स्वान (पुस्तक के अध्याय के रूप में आ रहा है)
- 2022: '' बाउंडेड एस्पिरेशन्स एंड यूथ कैपेसिटीः इन्टेरोगेटिंग पब्लिक हायर एजुकेशन इन नॉर्थ इंडिया ''जर्नल ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री एंड कल्चर (पत्रिका के आलेख के रूप में प्रकाशनाधीन', यह टेलर एंड फ्रांसिस का विशेष जर्नल वॉल्यूम जर्नल ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री एंड कल्चर है।)
- 2022: 'ऐन इंस्टिट्यूशन ऑफ मॉडर्निटी एमिस्ट द रूरल फिल्ड्स ऑफ मैसूरः रिफ्लेक्शन्स ऑन द महाराजाज़ कॉलेज, श्रीवास्तव, आरती (संपादित) द सेन्टेनैरियन्स, राउटलेज (पुस्तक के अध्याय के रूप में प्रकाशनाधीन।)
- 2019: ''मिसिंग वूमेन लीडरशिप इन इंडियन हायर एजुकेशन, शामिका रवि (संपादित) में डिफिकल्ट डायलौग्सः अ कम्पेडियम ऑफ कंटेम्पोरेरी एसेज ऑन जेंडर इन इक्वालिटी इन इंडिया, नई दिल्लीः बूकिंग्स इंडिया।

अब तक पूर्ण कार्य

1. मैसूर विश्वविद्यालय और महाराजा कॉलेज जो विश्वविद्यालय की नींव स्थापित करने के क्रम में प्रमुख संस्थान था, के मुख्य कार्यकारियों का साक्षात्कार किया।
2. मैसूर विश्वविद्यालय और महाराजा महाविद्यालय के पुराने शिक्षकगण और एलुम्नाई का साक्षात्कार पूर्ण।
3. पटना विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों – कुलपति, सम–कुलपति और पटना विश्वविद्यालय के संकाय के साथ साक्षात्कार हो चुका है।
4. पटना महाविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय में विद्यार्थी केन्द्रित समूह चर्चाएं की गई और इसकी प्रतिलिपि रखी गई है।
5. महत्वपूर्ण सूचना प्रदाताओं इत्यादि के साथ आगे के साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार की समय सूची तैयार कर ली गई है।
6. पटना विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय से पटना विश्वविद्यालय की शासन व्यवस्था के बारे में पृष्ठाकार सामग्री संकालित की गई है।
7. मैसूर विश्वविद्यालय के शासकीय दस्तावेजों का संकलन भी किया है और साथ ही मैसूर विश्वविद्यालय के इतिहास और कार्यकरण से संबंधित कुछ प्रकाशनों का भी संकलन किया।
8. महाराजा कॉलेज– सामाजिक जाति श्रेणी में प्रवेश पाने वालों के भी आंकड़े एकत्र किए हैं। इस दत्र का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि नामांकन की प्रकृति को देखा जा सके, और इसमें कोई किसी प्रकार की विभिन्नता तो नहीं है जिससे राज्य की नीतिगत योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थी के अभिगम में साम्यता के विषयों में सहयोग प्रदान किया जाता है।

प्रारंभिक क्षेत्रीय कार्य के फलस्वरूप निम्नांकित सार्थक चिंतन उद्भासित हुआः

1) मैसूर विश्वविद्यालय परंपरागत तौर पर उदारवादी कला (लिबरल आर्ट) और मानविकी का केन्द्र रहा है, जबकि बंगलौर विश्वविद्यालय विज्ञान में विशेषज्ञता रखता है।
2) मैसूर के महाराजा का विश्वविद्यालय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसका शुभारंभ महाराजा निःशुल्क विद्यालय के रूप में हुआ था। तत्पश्चात् यह महाराजा कॉलेज बन गया और अब यह मैसूर विश्वविद्यालय का मनसा गंगोत्री कैम्पस है।
3) दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, कन्नड़ साहित्य विभाग और प्राच्य अधिगम (संस्कृत) केंद्र के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण सराहना करी है।
4) आज यह विश्वविद्यालय कन्नड़ माध्यम में विद्वत अधिगम का केंद्र है।

5) विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों में पद्म पुरस्कार और ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्ति शामिल हैं।

मैसूर और बेंगलूरू में किस प्रकार का कार्यकलाप किया जाना शेष हैः–

1) मैसूर विश्वविद्यालय के नीति–निर्माता अधिशासी अधिकारियों के साथ शासन व्यवस्था और नीतिगत सुधार के विषय पर साक्षात्कार।

2) लिंग और सामाजिक जातीय विविधता के दृष्टिगत प्रवेश, अध्यापकों की नियुक्तियाँ और पदरिक्तियाँ, विश्वविद्यालय की वित्तीय व्यवस्था और मैसूर विश्वविद्यालय के संस्थानिक विविधीकरण संबंधी दत्र संकलन।

3) सरकारी अभिलेखागार, बेंगलूरू से अभिलेखीय सामग्री का संकलन।

4) मैसूर/कर्नाटक सरकार से, बेंगलूरू के पिछड़ा वर्ग आयोग के प्रतिवेदनों का अवलोकन।

5) शासन व्यवस्था और नीतिगत सुधारों के संबंध में पटना विश्वविद्यालय के नीति–निर्धारक पदाधिकारियों के साथ साक्षात्कार

6) लिंग और सामाजिक जाति विविधता के आधार पर नामांकन, शिक्षकों की नियुक्तियां और पदरिक्तियां, विश्वविद्यालय की वित्त व्यवस्था और विश्वविद्यालय की संस्थानिक शासन व्यवस्था के बारे में आंकड़ा संकलन

7) सरकारी अभिलेखागार, कोलकत्ता से अभिलेखागार में उपलब्ध सामग्री का संकलन।

8) विद्यार्थियों के साथ विषय केंद्रित सामूहिक विमर्श और छात्रावास सुविधाओं का अवलोकन।

9) विश्वविद्यालय नेतृत्व, कुलपति की भूमिका तथा मुख्य चुनौतियों के बारे में महत्वपूर्ण सूचनापरक साक्षात्कार।

12. स्कूल शिक्षा के भू–स्थानिक सूचना प्रणाली का प्रायोगिक अध्ययन

अन्वेषकः श्री एनुगुला एन. रेड्डी

01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 की अवधि के दौरान कोई विवरण प्रदान नहीं किया गया।

13. प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए शैक्षिक प्रशासकों के वर्तमान की तुलना में भविष्यपरक कार्यों एवं भूमिकाओं की समलोचनात्मक जाँच करने हेतु गहन अध्ययन

अन्वेषकः प्रो. बी.के. पंडा और डॉ. मोना सेदवाल

पृष्ठभूमि और समीक्षा

सभी स्तरों पर मानव संसाधन प्रबंधन में सार्थक परिवर्तन आया है। संगठन अपने लोगों को प्रबंधन और विकास में बहुत अधिक महत्व दे रहे हैं। ऐसा भी महसूस किया गया है कि न केवल शिक्षकों को तैयार करने की आवश्यकता है प्रत्युत निरंतर उन शैक्षणिक प्रशासकों का भी क्षमता निर्माण किए जाने की आवश्यकता है जिन पर शैक्षणिक संस्थानों के कुशल और सफल प्रबंधन का दायित्व है। देश के विभिन्न राज्यों में अनेक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए गए हैं। तथापि, उनमें से अधिकांश संस्थानों में या तो सेवा–पूर्व या सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण पर बल दिया जाता है। इसके अलावा, व्यावसायिक विकास के लिए कोई ऐसे विशिष्ट कार्यक्रम नहीं हैं जिसे उन शैक्षणिक प्रशासकों के लाभार्थ बनाया गया हो जो कि जिला और अनुमंडल स्तर पर कार्य कर रहे हैं या सेवारत हैं। शैक्षणिक प्रशासकों के ये संवर्ग ज्यादातर मामलों में उपेक्षित रहते हैं और उन्हें चुनौतीपूर्ण नई नीति, सरकारी कार्यक्रम और परियोजनाओं की सम्हलाई के लिए अपने सर्वांगीण व्यावसायिक कौशल और अभिक्षमताओं के कोटि उन्नयन का अवसर नहीं प्राप्त हो पाता है। समुचित व्यावसायिक विकास कार्यक्रम उपलब्ध नहीं होने के परिणामस्वरूप शैक्षणिक प्रशासकों के व्यावसायिक विकास के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों का कार्यान्वयन प्रभावित हुआ है।

शैक्षणिक प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण मॉडल पर बल

देश के प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक प्रशासकों को प्रशिक्षित करने की गुंजाइश बहुत कम या नगण्य होने की वर्तमान स्थिति को देखते हुए राज्य, जिला और प्रखंड स्तर पर कार्यरत शैक्षणिक प्रशासकों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण फ्रेमवर्क बनाए जाने की आवश्यकता है ताकि उन्हें शिक्षा संबंधी विद्यमान नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में समय–समय पर जानकारी दी जा सके। यह

फ्रेमवर्क सतत रूप से शैक्षणिक प्रशासकों क आवश्यकता को पूरा करने में समर्थ हो सकता है जिसमें संबंधित राज्यों में स्थापित मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थाओं के माध्यम से सम्यक् प्रभावी व्यावसायिक विकास कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। इनमें सेवा मे ंप्रवेश के समय और सेवा अवधि के मध्य में गुणवत्तापरक प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराने के साथ साथ इसे व्यापक बनाने के लिए कतिपय मार्गदर्शी सिद्धान्तों को अपनाया जा सकता है।

इस संदर्भ में, शैक्षणिक प्रशासकों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण फ्रेमवर्क बनाकर शैक्षणिक प्रशासकों की क्षमता विकसित करने का प्रस्ताव है। इस फ्रेमवर्क का अभिकल्प कतिपय मुद्दों को शामिल करने के लिए तैयार किया गया है। यथाः (क) इन शैक्षणिक प्रशासकों के लिए किस प्रकार के प्रशिक्षण संस्थान बनाए जाने की आवश्यकता है। (ख) जिन शैक्षणिक प्रशासकों के संवर्ग को प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता है उनकी पहचान करना। (ग) इन शैक्षणिक प्रशासकों के मध्य किस प्रकार की व्यावसायिक क्षमता और कौशल निर्माण किए जाने की आवश्यकता है, उनका अभिनिश्चय करना। (घ) विद्यमान प्रशिक्षण संस्थाओं की राष्ट्रीय स्तर एवं राज्य स्तर तक उन्नयन करना और उनके विकास हेतु योजना निर्माण करना।

अध्ययन का उद्देश्य

- शैक्षिक प्रशासकों को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण का भविष्य के आयामों हेतु पहचान करना;
- शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता के निर्माण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करना;
- मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं और ऐसे संस्थानों की क्षमताओं को समझना जो शैक्षिक प्रशासकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं;
- शैक्षिक और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों के संदर्भ में शैक्षिक प्रशासकों के व्यावसायिक विकास के लिए एक मॉडल प्रशिक्षण ढांचा विकसित करना; तथा
- एक मॉडल कार्यक्रम विकसित करना जो संसाधनों की दृष्टि से प्रशिक्षण के कार्यान्वयन में स्थायी हो और लागत प्रभावी को बनाने और ई–लर्निंग विधियों के उपयोग की पहुँच व्यवहार्य हो।

1. ''प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान के लिए शैक्षिक प्रशासकों की भूमिका और कार्यों पर अध्ययन'' की पहली विषयगत रिपोर्ट 19 अक्टूबर, 2020 को कुलपति के कार्यालय और परियोजना प्रबंधन एकक को प्रस्तुत की गई थी।
2. ''क्षमता विकास – अफ्रीकी शैक्षिक प्रशासकों की अपेक्षाएँ'' विषय पर अध्ययन का दूसरी विषयगत रिपोर्ट जुलाई 2022 में प्रस्तुत की गई।
3. तीसरी और अंतिम रिपोर्ट की समीक्षा एवं डाटा संकलन का कार्य प्रगति पर है।

अभी तक अनुसंधान अध्ययन के दो रिपोर्ट अक्टूबर, 2020 और जुलाई 2022 में पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी हैं। तीसरी और अंतिम रिपोर्ट का कार्य प्रगति पर है।

14. राजस्थान के शैक्षिक रूप से और गैर–शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक में सामाजिक गतिशीलता और स्कूल प्रबंधन का तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषकः डॉ. मोना सेदवाल

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), 2009 ने राष्ट्र भर के स्कूलों में बच्चों को लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजस्थान में भी, आरटीई ने स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और जमीनी स्तर पर काम कर रहे अन्य शैक्षणिक संस्थानों पर प्रमुख जिम्मेदारियों को बढ़ावा देकर इसे एक वास्तविकता बना दिया है। इसी तर्ज पर, भारत सरकार ने शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक (ईबीबी) की पहचान की है जहाँ सभी के लिए शिक्षा को वास्तविकता बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं।

उपर्युक्त चर्चा से को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान अध्ययन में स्कूल प्रबंधन में जाति की गतिशीलता के प्रकाश में एसएमसी की संरचना के प्रभाव की जांच करने का प्रस्ताव है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 के अनुसार, राजस्थान में राज्य में अनुसूचित जाति की 59 श्रेणियां हैं। राजस्थान राज्य में 17 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 13 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति शामिल हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, साक्षरता 53 प्रतिशत है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैंः–

- शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक और गैर–शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक के गांवों में स्कूल प्रबंधन पर इसके

सामाजिक संरचना, इसके संबंध और प्रभाव का आकलन करने के लिए।

- स्कूल प्रबंधन के कामकाज और स्कूल प्रबंधन के सदस्यों के रवैये और ईबीबी और गैर–ईबीबी में अनुसूचित जातियों के समुदायों से आने वाले बच्चों के प्रति मुख्याध्यापक के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
- ईबीबी और गैर ईबीबी में बीईओ, डीईओ, डायट और एसआईईआरटी द्वारा प्रदान किए गए शैक्षिक इनपुटों की मदद से एसडीपी को विकसित करने और इसे लागू करने में स्कूल प्रबंधन की भागीदारी का अध्ययन करना।
- यह अध्ययन करने के लिए कि ईबीबी और गैर–ईबीबी में एससी जनसंख्या के लिए गाँव स्तर पर स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली कितनी समावेशी है।
- सामग्री और कार्यप्रणाली के साथ–साथ एसएमसी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करने और ईबीबी और गैर–ईबीबी गांवों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अ.जा. सदस्यों की भागीदारी दर का आकलन करना।
- वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन तथा एम.फिल. वैकल्पिक पाठ्यक्रम 5 में अध्यापन कार्य के अतिरिक्त कार्यभार के कारण शोध कार्य के लिए क्षेत्र में जाने में असमर्थता के कारण विलंब हुआ।
- अध्ययन की वर्तमान स्थितिः शोध कार्य हेतु प्रथम तीन अध्यायों का प्रारूप तैयार किया जा चुका है।
- आंकड़ा संकलनः क्षेत्रीय कार्य किया जा रहा है क्योंकि पहला दौरा जनवरी, 2023 और मार्च 2023 में किया गया था। आंकड़े अभी भी संकलित किये जाने हैं जिसके निमित्त फोकस ग्रुप डिसकशन (केन्द्रित सामूहिक विमर्श) के लिए आगे का दौरा किया जाना है और वैयक्तिक साक्षात्कार भी समयानुक्रम में आयोजित किया जाना है। स्कूल बंद होने के कारण इसे करना संभव नहीं है और विद्यालयों के खुलते ही इस कार्य को पुनः आरम्भ किया जाएगा।

15. भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव

अन्वेषकः डॉ. संगीता अंगोम

पुस्तकालय शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों के साथ–साथ जनता के लिए सीखने का बहुत महत्वपूर्ण स्रोत है। विश्व के उन्नत देशों की तुलना में भारतीय महाविद्यालयों और उसके पुस्तकालयों की स्थिति दयनीय है। अधिकांश महाविद्यालयों में पुस्तकालय की उचित सुविधाएँ नहीं हैं और जहाँ भी पुस्तकालय उपलब्ध हैं, वहाँ न तो उचित रूप से अनुरक्षित हैं और न ही प्रशिक्षित जनशक्ति द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इस समस्या के कई कारण हैं जिनमें बजट, स्थान, संसाधन, जनशक्ति, राष्ट्रीय नीतियों की कमी और मानक शामिल हैं। कॉलेज के पुस्तकालय छात्रों के समग्र विकास में उन्हें सुविज्ञ व्यक्ति में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सुव्यवस्थित कॉलेज पुस्तकालय की उपलब्धता उनके पढ़ने के कौशल, जानकारियां प्राप्त करना और संसाधनों के बारे में ज्ञान में सुधार में मददगार है। हालांकि, कॉलेज पुस्तकालयों की स्थितियों के बारे में बहुत कम अनुभवजन्य आंकड़े हैं। साहित्य समीक्षा से स्पष्ट होता है कि महाविद्यालयों के पुस्तकालय में अकादमिक पुस्तकालयों या इनके सुविधाओं के उपयोग पर काफी अध्ययन किए गए हैं। लेकिन अधिकांश अध्ययन एक विशेष राज्य तक ही सीमित थे और उच्च शिक्षा संस्थानों विशेषकर स्नातक महाविद्यालयों के पुस्तकालय सुविधाओं पर राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई अध्ययन किया गया हो। वर्तमान अध्ययन दो विशिष्ट उद्देश्यों के साथ प्रस्तावित हैः i) पुस्तकालय सुविधाओं से संबंधित राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मापदंडों को ध्यान में रखते हुए भारतीय महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना; ii) उपयोगकर्ता (छात्र) के शैक्षणिक प्रदर्शन पर कॉलेज पुस्तकालय के प्रभाव का आकलन करना।

शोध पद्धति

इस अध्ययन में विश्लेषणात्मक उपागम सहित सर्वेक्षण शोधकार्य को अंगीकार किया गया। अध्ययन देश के पाँच क्षेत्रों के 20 राज्यों से नमूना लेकर किया गया। प्रत्येक नमूना (प्रतिदर्श) राज्य से 5 कॉलेज को प्रतिदर्श महाविद्यालय के रूप में लिया गया। अध्ययन के लिए

सरकारी और गैर–सरकारी (निजी) दोनों महाविद्यालयों का चयन किया जा रहा है। आंकड़ा संकलन के लिए प्रयुक्त युक्तियों में प्रश्नावली और साक्षात्कार अनुसूचियां सम्मिलित थीं। प्रतिदर्श संबंधित विद्यार्थियों और अध्यापकों से अध्ययन के संगत गहन सूचना एकत्र करने के लिए केन्द्रित सामूहिक विमर्श भी किया गया। द्वितीयक आंकड़े कॉलेज के दस्तावेजों यथा वार्षिक प्रतिवेदन, एनएएसी अध्ययन दस्तावेज, संदर्शिका इत्यादि से संकलित की गई। आंकड़ा प्रश्नावलियों और साक्षात्कार अनुसूचियों को एकत्र करने के लिए विभिन्न युक्तियों का प्रयोग किया गया।

प्रतिवेदन की प्रगति

कोविड महामारी अर्थात् कोविड–19 के कारण लगभग डेढ़ वर्ष तक परियोजना कार्यकलाप को रोकने के पश्चात् 21 जून, 2022 से एक कनिष्ठ परियोजना परामर्शदाता की नियुक्ति के फलस्वरूप परियोजना कार्य को पुनः आरम्भ किया गया है। तीन परियोजना स्टाफ के योगदान देने के फलस्वरूप परियोजना कार्य 22 जुलाई 2022 से सुचारू रूप से प्रगति पर है। छह मास की समयावधि के भीतर अर्थात् जुलाई–दिसम्बर, 2022 तक 18 राज्यों के 80 महाविद्यालयों से आंकड़ा संकलन का कार्य पूरा हो चुका है। 40 प्रतिशत आंकड़ा प्रविष्टि और आंकड़ों का 30 प्रतिशत अनुलेखन मार्च 2023 तक पूरा हो चुका है। आंकड़ा प्रविष्टि अनुलेखन और राज्यवार आंकड़ा विश्लेषण का शेष कार्य जारी है।

- जुलाई–दिसम्बर, 2022 की समयावधि के दौरान अठारह राज्यों का क्षेत्रीय दौरा का कार्य पूरा हो चुका है।
- कुल मिलाकर 18 राज्यों के 80 कॉलेज का कार्य पूरा हो चुका है।
- आंकड़ा परिशोधन, कोडिंग का कार्य पूरा किया गया और एसपीएसएस की रूपरेखा तैयार की गई।
- आंकड़ा प्रविष्टि का 40 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।
- डाटा विश्लेषण का 30 प्रतिशत अनुलेखन पहले की पूर्ण किया जा चुका है।
- राज्यवार आंकड़ा विश्लेषण का कार्य अभी हाल ही में आरम्भ किया गया है।

कार्य योजना

1. शेष डाटा प्रविष्टि, डाटा ट्रांसक्रिप्शन और राज्यवार डाटा विश्लेषण का कार्य पूरा करना।
2. अगले तीन महीने में अर्थात् जून, 2023 तक राज्य–वार डाटा विश्लेषण को पूरा करने का लक्ष्य है।
3. समेकित परियोजना प्रतिवेदन (प्रारूप–1) के अगस्त, 2023 तक पूरा होने की प्रत्याशा है।

16. भारत में शिक्षक शिक्षा का अभिशासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन

अन्वेषकः प्रो. प्रणति पंडा

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य संरचनात्मक और प्रकार्यात्मक कुशलता के साथ–साथ शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में विद्यमान सुशासन और गुणवत्ता आश्वासन की प्रभाविता का पता लगाना है।

अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में सुशासन विनियमन और गुणवत्तापूर्ण आश्वासन से संबंधित साहित्य की समीक्षा का कार्य पूर्ण हो चुका है। कोविड–19 महामारी के कारण प्राथमिक दत्त संकलन (संरचनाबद्ध प्रश्नावली के माध्यम से) करने में विलंब हुआ। अब प्राथमिक आंकड़ों की प्रविष्टियाँ पूरी हो गई हैं। सांख्यिकीय प्रक्रियाओं और कार्य विधियों के माध्यम से प्राथमिक डाटा विश्लेषण का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा, दो अध्याय पूरे हो गए हैं। जबकि अन्य अध्याय का कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना का अंतिम प्रतिवेदन वर्ष 2023 के अंत तक प्रस्तुत किया जाएगा।

17. भारतीय उच्वतर शिक्षा में अनुदेशात्मक अभिकल्पः प्रास्थिति, समीक्षा, चुनौतियाँ और संस्तुतियाँ

अन्वेषकः प्रो. के. श्रीनिवास और डा. आर.सी. शर्मा (सह–अन्वेषक)

शिक्षण–अधिगम के क्षेत्र में बदलते हुए प्रतिमान के साथ हमने औपचारिक शिक्षा प्रणालियों और मुक्त एवं

लचीली शिक्षा प्रणालियों के आधार पर अध्यापकों और अधिगमकर्ताओं की भूमिका में बदलाव देखा है। इक्कीसवीं सदी में इंटरनेट की मुख्य भूमिका होने के कारण शिक्षा प्रणाली में अधिगमकर्ता अधिगम प्रक्रिया के मूल में है। किसी भी रूप में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के प्रयोग (सरल से सम्मिश्र) का प्रभाव शैक्षणिक परिदान के सभी तीनों प्रकार्य पर पड़ा है भले ही वह औपचारिक या अत्यधिक संरचनाबद्ध, पारंपरिक विधि, अनौपचारिक विधि या मुक्त संरचना वाली और लचीली विधि और अनौपचारिक शिक्षा जो पूर्णतः गैर–संरचनाबद्ध हों, ये सभी विधियाँ इससे प्रभावित हुई हैं। प्रभावी अधिगम में संज्ञानात्मक और भावात्मक दोनों अधिगम परिणामों पर विचार किए जाने के साथ–साथ अधिगमकर्ताओं की भावनात्मक स्थितियों पर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि ये अधिगम से संलयित हैं। पाठ्यक्रम अभिकल्प संबंधी निर्णय में सहयोगात्मक और वैयक्तिक अधिगम परिवेश का निर्माण कर सामाजिक अधिगम के विभिन्न उपागम को अवश्य ही सम्मिलित किया जाना चाहिए। भारतीय उच्चतर शिक्षा प्रणाली और अनुदेशनात्मक अभिकल्प पर साहित्य की समीक्षा, सर्वेक्षण उपकरण का प्रारूप और उसकी विश्वसनीयता/वैधता। रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है और दो सप्ताह के भीतर जमा करा दी जाएगी।

18. कौशल का आधारभूत शिक्षण और रोजगार क्षमताः भारत में युवा वर्ग का एक अध्ययन

अन्वेषकः प्रो. विनीता सिरोही

निर्धारित समयानुसार कार्य प्रगति पर है।

- राज्यों के आंकड़ा संग्रह प्रक्रिया में है।
- विश्लेषण रूपरेखा सामग्री की तैयारी प्रगति पर है।

19. भारत–आसियान संबंधः प्रवर्धित साझेदारी के लिए शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना

अन्वेषकः डॉ. सरिंग चोनजोम भूटिया

आसियान के 10 सदस्य देशों में मैने भारत के शैक्षणिक संबंध से संबंधित व्यापक आंकड़े संकलित किये है और इसमें इंडोनेशिया, मलेशिया, मयांमार, थाइलैंड, सिंगापुर, वियतनाम और फिलिपिन्स के साथ शैक्षणिक सहयोग की प्रस्थिति का भी उल्लेख है। ब्रुनेई दारूसलाम का आंकड़ा वर्तमान में एकत्र किया जा रहा है। कंबोडिया और लाओ पीडीआर के लिए शेष दत्र एकत्र किया जाना है। मैने पूर्व में चीन, दक्षिण कोरिया और जापान का भी आंकड़ा संकलन किया है जो आसियान के सदस्य देश न होकर पूर्वी एशियाई क्षेत्र में अवस्थित हैं। सहकर्मी (डा. गौरव के. झा) के यूनिट छोड़ने और विशेष रूप से जी20 कार्य की अतिरिक्त जिम्मेदारियों के कारण परियोजना कार्य में देरी हो रही है।

20. दुबई, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, यूरोप और कतर में अन्तरराष्ट्रीय शाखा परिसर (इन्टरनेशनल ब्रांच कैम्पस) का शोध–परक अध्ययनः भारत के लिए सबक

अन्वेषकः डा. सरिंग चोनजोम भूटिया, (अन्य लेखकः डॉ. अनामिका, श्री एल्डो मैथ्यूज, डॉ. बिनय प्रसाद, आलोक रंजन)

संधार (फ्रेमवर्क) तैयार है। तीन केस अध्ययन तैयार है। दो केस अध्यन सहकर्मियों द्वारा प्रस्तुत किया जाना शेष है जिसका उल्लेख नीचे किया गया है।

- यूरोप में परा राष्ट्रीय शिक्षा के बारे में केस अध्ययनः लैंकाशायर विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय ब्रांच कैम्पस (आईबीसी) श्री आलेक रंजन
- कतर में अंतरराष्ट्रीय ब्रांच कैम्पस की समालोचनात्मक समीक्षाः भारत के लिए सबकः डा. बिनय प्रसाद
- केस अध्ययन के बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है।

21. भारत में सामाजिक पूँजी और स्कूली शिक्षा का अंतः जुड़ावः परियोजनाः एक अन्तर्राज्यीय तुलनात्मक अध्ययन

प्रधान अन्वेषकः **प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय**

परियोजना के बारे में

प्रस्तावित अध्ययन के द्वारा विभिन्न जातियों के संदर्भो में समाजिक पूंजी के निर्माण में शिक्षा की भूमिका का पता लगाएगा और किस तरह से वे अपने बच्चों के लिए शैक्षिक सुविधाओं को सुलभ बनाने के लिए अपनी सामाजिक पूँजी का उपयोग करते हैं। इस अध्ययन में सामाजिक भेदभाव और सामाजिक बहिष्करण से आसानी

से प्रभावित होने वाले व्यक्तियों और गृहस्थियों के बच्चों को सामाजिक पूंजी का उपयोग कर गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के निमित्त विद्यालयों में सामाजिक पूंजी को सुदृढ़ करने और उन्हें उद्विकसित करने में विद्यालयी भूमिका पर बल दिया जाएगा। स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर अपने बच्चों को प्राप्त शैक्षणिक अवसर का सदुपयोग करने में समाज की अलग–अलग श्रेणी के परिवार ओर माता–पिता व अभिभावकगण किन विधियों को अपनाते हैं इसे समझने का भी प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा, इस अध्ययन में और भी प्रश्न यथा क्या स्कूली शिक्षा प्राप्ति और बच्चों की सहभागिता सामाजिक पूंजी से सहबद्ध हैं या नहीं, और क्या सामाजिक पूंजी को बच्चों की अधिगम उपलब्धि से संबद्ध करने की कोई सभावना है अथवा नहीं।

चूंकि समुदाय के सदस्य और अलग–अलग हितधारकों की योग्यता एवं उनके मध्य परस्पर विश्वास संदर्भ के अनुसार अलग–अलग होती है। सामाजिक पूंजी, सामुदायिक भागीदारी और शैक्षिक स्थिति के मध्य अतंःसंबंध का परीक्षण बहु–परिप्रेक्षीय रूपरेखा में किया जाना है। इसी कारणवश, भारत के पांच अलग–अलग राज्यों में अध्ययन किए जाने का प्रस्ताव है। जैसाकि आपको सुविदित ही है कि इन राज्यों में विद्यमान सामाजिक–सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक संदर्भों से सामाजिक पूंजी निर्माण और उनका उपयोग प्रभावित होता है। साथ ही, सामाजिक पूंजी का प्रभाव इन राज्यों के समग्र विकास और वहाँ निवास करने वाले व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। शिक्षा और मानव विकास के अन्य मुख्य निर्मात्री तत्वों के मामले में भी कई सत्य हैं। इसलिए सामाजिक पूंजी और शिक्षा एवं विकास के अन्य पहलुओं के दृष्टिगत जो संदर्भगत दृष्टिगोचर होता है, प्रयास किया जाएगा कि प्रत्येक राज्य का मामला शोध अध्ययन करने के साथ–साथ राज्य विशिष्ट निष्कर्ष की अन्तर्राज्यीय तुलना के आधार पर एक संश्लिष्ट प्रतिवेदन भी तैयार की जाए।

इसी कारण से इस अध्ययन में निम्नलिखित शोध प्रश्नों की जांच की जाएगीः

- सामाजिक पूंजी क्या है
- भारत के संदर्भ में सामाजिक पूंजी से स्कूली शिक्षा कैसे प्रभावित होती है।
- विभिन्न प्रदेश/राज्यों के संदर्भ में सामाजिक पूंजी और शिक्षा किस प्रकार एक साथ समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देते हैं।
- अलग–अलग क्षेत्रों या राज्यों में व्यक्ति, समूह एजेंसियाँ और संगठन किस प्रकार बच्चों को शिक्षित करने में सामाजिक पूंजी को उपयोग में लाते हैं।
- सामाजिक पूंजी निर्माण और इसके सुदृढ़ीकरण तथा शैक्षणिक विकास में इसके उपयोग के लिए किन–किन नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया जा रहा है।
- उपेक्षित और हाशिए के जनसमूह के लाभार्थ सामाजिक पूंजी और बच्चों की स्कूली शिक्षा के मध्य अन्तःसंबंध में किस प्रकार और अधिक सुधार किया जा सकता है?

उद्देश्य

अध्ययन से पूर्व निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैः

- अध्ययनाधीन क्षेत्रों में सामाजिक पूंजी की प्रकृति और इसके निर्माण का अध्ययन करना;
- अध्ययनाधीन राज्यों के भीतर अलग–अलग सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भों में सामान्यतः शिक्षा प्राप्ति और विशेष रूप से स्कूली शिक्षा ग्रहण करने में सामाजिक पूंजी का उपयोग कैसे किया जाए इसका अध्ययन करना।
- सामाजिक पूंजी, सामान्यतया शिक्षा और विशेष रूप से स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में दोनों के मध्य अन्तःसंबद्धता का अध्ययन करने के निमित्त सामाजिक पूंजी निर्माण और इसके सुदृढ़ीकरण में विद्यालयों की भूमिका का मापन और इसके साथ समावेशी शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए बालकों की शिक्षा के लिए संसूचित निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अलग–अलग हितधारक किस प्रकार सामाजिक पूंजी का प्रयोग करते हैं; इसका अध्ययन करना।

- सामाजिक पूंजी निर्माण और इसे सुदृढ़ करने के लिए लागू की जा रही विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों के साथ–साथ कालक्रम में शैक्षणिक विकास में उपयोग और इसके अन्तःपीढ़ी अंतरण के संबंध में अध्ययन करना।
- सामाजिक पूंजी और बालकों की शिक्षा के मध्य सशक्त अंतः स्थापित करने के लिए भविष्य में की जानेवाली पहलों की पहचान करना।

अध्ययन क्षेत्र

सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता तथा विकास की विद्यमान चुनौतियों के दृष्टिगत निम्नलिखित राज्यों (तालिका–1) में अध्ययन कार्य किए जाने का प्रस्ताव है:–

तालिका–1: अध्ययन के राज्य

भौगोलिक क्षेत्र	राज्यों के नाम
उत्तर	पंजाब / हिमाचल प्रदेश
पश्चिम	राजस्थान / हरियाणा
पूर्व	उड़ीसा / छत्तीसगढ़
उत्तर–पूर्व	सिक्किम / मिजोरम
दक्षिण	तेलांगना / कर्नाटक

परियोजना की वर्तमान स्थिति

- क्षेत्रीय दौरा करने के लिए प्रश्नावलियों और साक्षात्कार की अनुसूचियों के रूप में युक्तियाँ तैयार की जा रही हैं। कुछेक युक्तियाँ का अध्ययन क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है।
- संबद्ध साहित्य समीक्षा और द्वितीयक आंकड़ा शोध दल द्वारा अध्ययन के लिए एकत्र की जा रही हैं।
- आंकड़ा संकलन के लिए क्षेत्रीय दौरा करने की योजना बनाई गई है और क्षेत्रीय कार्य के लिए राज्यों के जिले और प्रखंडों को निर्धारित किया गया है।
- 16–20 जनवरी, 2023 तक होने वाली कार्यशाला की तैयारी

22. उच्चतर शिक्षा में महाविद्यालय की तत्परता और विद्यार्थियों की सफलता

***प्रधान अन्वेषक:* डॉ. निधि एस. सभरवाल**

सीपीआरएचई / नीपा भारत में उच्चतर शिक्षा के विविध अधिगमकर्ताओं की महाविद्यालयों की तत्परता की विद्यमान स्थिति और इसके प्रभावी विशेषताओं के संदर्भ में सूक्ष्म सूझबूझ विकसित करने के लिए एक शोध परियोजना शुरू की गई है। कॉलेज की तत्परता का तात्पर्य उन ज्ञान और कौशल से है जो अकादमिक सफलता के लिए अधिगम हेतु विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। महाविद्यालय की तत्परता का विषय वृहत प्रणाली में और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है जहाँ उच्चतर शिक्षा संस्थानों को पहली पीढ़ी के अधिगमकर्ताओं की अपेक्षा के अनुरूप कार्य करना पड़ता है। ऐसे अधिगमकर्ता महाविद्यालय तत्परता के विभिन्न स्तरों पर हैं और विशिष्ट अपेक्षाओं के साथ उच्चतर शिक्षा में प्रवेश पाते हैं। पारंपरिक रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले समूह के विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि करने के साथ–साथ यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उच्चतर शिक्षा में सफल होने के लिए उन्हें पर्याप्त ज्ञान और कौशल प्रदान किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में उच्चतर शिक्षा में अधिगम प्रतिफल में समता के लक्ष्य को आगे बढ़ाने को पुनः अभिकथित किया गया है और संस्थाओं के उपर यह दायित्व सौंपा गया है कि वे शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्र में विविध विद्यार्थी जनसमूह के सहयोग के लिए योजनाएं बनाएँ।

इस अध्ययन में, वैविध्य अधिगमकर्ताओं द्वारा अपेक्षित कौशल और सक्षमता के प्रारूपों का अनुभवमूलक शोध करने का प्रयास किया गया है जिससे उच्चतर शिक्षा परिसर में शैक्षणिक सफलता के लिए तत्परता अपनाने के मार्ग में आनेवाली बाधाओं को दूर किया जा सके। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि विविध क्षेत्र के विद्यार्थियों से जुड़ने की प्रक्रिया में, इस अध्ययन का लक्ष्य उच्चतर शिक्षा में महाविद्यालय तत्परता कौशल विकसित करने के लिए संस्थागत तैयारी की जाँच करना है। अध्ययन के विशिष्ट शोध प्रश्न निम्नानुसार हैं: (1) कॉलेज के विद्यार्थियों के समक्ष अकादमिक जगत में कौन सी कठिनाईयां आती हैं; (2) कॉलेज के विद्यार्थियों को सामाजिक क्षेत्र में किन

कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है; (3) विद्यार्थी की सफलता के लिए महाविद्यालय की तत्परता में सुधार लाने के लिए विद्यमान संस्थानिक नीतियाँ और सहयोग सेवाएँ कौन सी हैं? इस अध्ययन के माध्यम से बृहत उच्चतर शिक्षा प्रणाली में महाविद्यालय की तत्परता से संबंधित मुद्दों के निराकरण के लिए प्रयास किया जा रहा है जिसका उद्देश्य विविध पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के शैक्षणिक एकीकरण और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना है ताकि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अपने अध्ययन के अंत में उन्नत अधिगम प्रतिफल प्राप्त हो सके।

इस अध्ययन में बहु–संस्थानिक केस अध्ययन उपागम अपनाया गया है। पांच भौगोलिक क्षेत्र (उत्तर, पश्चिम, मध्य, पूर्व और दक्षिण) में अवस्थित चयनित पाँच उच्चतर शिक्षा संस्थान जिनमें विश्वविद्यालय, अधि–स्नातक महाविद्यालय और राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (एनआईटी/आईआईटी) सम्मिलित हैः वहाँ यह अध्ययन किया जा रहा है। इस अध्ययन में मिश्रित विधि उपागम को अपनाया गया है और इसमें सूचना और आंकड़े एकत्र करने के लिए गुणवत्तापूर्ण और परिमाणात्मक शोध उपकरण दोनों का प्रयोग किया जाता है।

इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए सलाह देने तथा इसके मार्गदर्शन हेतु एक शोध विशेषक समिति की बैठक गठित की गई थी। बैठक हुई जिसमें एक व्यापक साहित्य समीक्षा, एक अवधारणात्मक एवं सैद्धान्तिक रूपरेखा के साथ–साथ अध्ययन हेतु पद्धति समिति की प्रतिपुष्टि और मार्गदर्शन के लिए उनके सम्मुख प्रस्तुत की गई। सदस्यों से प्राप्त जानकारी के आधार पर शोध प्रस्ताव में संशोधन किए जाने के साथ–साथ शोध युक्तियाँ भी तैयार की गई। विशेषज्ञों से टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए युक्ति विकास बैठक में ग्यारह शोध युक्तियों का मसौदा प्रस्तुत किया गया। गुणात्मक व मात्रात्मक आंकड़ा संग्रहण के प्रयोजन सहित सभी युक्तियां समूह के समक्ष प्रस्तुत की गई। समूह के सदस्यों से प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर युक्तियों में संशोधन किया गया। इन युक्तियों को अंतिम रूप देने के लिए प्रयोगिक अध्ययन कार्य पूरा हो गया है। नवम्बर, 2022 में प्रथम शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन कर एक शोध परियोजना का शुभारम्भ किया गया। पाँच राज्यों के सभी पाँच शोध दल कार्यशाला में उपस्थित हुए (असम, बिहार, दिल्ली, केरल और महाराष्ट्र)।

23. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का राष्ट्रीय मूल्यांकन अध्ययन

प्रधान अन्वेषकः **डॉ. वेटुकुरी पी.एस. राजू (सदस्य, मुख दल)**

आंकड़ा संग्रहण और आंकड़ा विश्लेषण कार्य भी पूण हुआ और रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

24. भारत में उच्चतर शिक्षा संस्थानों का शिक्षण अधिगम सर्वेक्षण

अन्वेषकः **प्रो. सुधांशु भूषण**

दिनांक 10 अक्तूबर, 2022 की अधिसूचना के माध्यम से परियोजना अधिसूचना जारी कर दी गई है।

25. भारत में उच्चतर शिक्षा के शिक्षण–अधिगम को डिजीटल प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करना

अन्वेषकः **प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र**

दिनांक 17 नवंबर, 2022 की अधिसूचना के माध्यम से परियोजना अधिसूचना जारी कर दी गई है।

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

4

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

ज्ञान और सूचना की साझेदारी

संस्थान ने शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन से संबंधित मौजूदा और नवीनतम ज्ञान को सुलभ बनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्य आरंभ किए हैं। संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान एवं सूचना प्रलेखन और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है।

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र संस्थान के संकाय और स्टाफ सदस्यों, देश–विदेश के शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालय के एम.फिल. तथा पीएच.डी के विद्यार्थियों, नीपा द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और अतिथि संकाय सदस्यों तथा पाठकों की सूचना संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन एवं अधिगम केंद्र के रूप में कार्य करता रहा है। पुस्तकालय, संस्थान के अध्यापन, अधिगम और शोध में सहयोग के लिए आधुनिक अध्यापन–अधिगम सामग्री, कंप्यूटर तथा इलेक्ट्रानिक सुविधाएं जैसे– वाई–फाई से सुसज्जित है।

आजकल, पठन सामग्री और सूचना के स्रोत प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बदल रहे हैं। इसलिए, नीपा पुस्तकालय ने भी अपनी संग्रह नीति में व्यापक परिवर्तन किया है। पुस्तकालय वर्तमान में प्रिंट और ऑनलाइन दोनों स्वरूपों में अपनी 90 प्रतिशत से अधिक पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। हालांकि, पुस्तकों को मुद्रित रूप में ही प्राथमिकता दी जाती है।

पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं और लेखों का समृद्ध संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष 2022–23 में पुस्तकालय ने शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंधन तथा इससे संबंधित विषयों पर राष्ट्रीय तथा अतंर्राष्ट्रीय जर्नल एवम् पत्रिकाएं मंगाई। पुस्तकालय द्वारा खरीदे गये जर्नल डाटाबेस में ई.पी.डब्ल्यू.आर.एफ. से एक सांख्यिकी आंकड़ा आधार ''ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम श्रृंखला'' के साथ–साथ कई प्रतिष्ठित प्रकाशकों जैसे– सेज, एमराल्ड और जेस्टोर के चार आनलाईन जर्नल डाटाबेस शामिल हैं।

नीपा पुस्तकालय ने नई आनलाइन सूचना सेवाएँ जैसे कि– ''न्यूज फ्लैश'', 'नीपा इन द प्रेस', एसडीआई (नीपा संकाय के अकादमिक कार्य का प्रसार) तथा ''न्यू अराईवल'' प्रारम्भ किया है। पुस्तकालय ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की ग्रन्थ सूची तैयार की है। उपयोगकर्ताओं को संदर्भ सामग्री, आलेखों, रिपोर्टों इत्यादि के लिये फोटोकॉपी सेवाएँ प्रदान की गई हैं।

नीपा पुस्तकालय में सभी गतिविधियाँ, जैसे सूची बनाना, प्राप्तियाँ, प्रसार तथा श्रेणी नियंत्रण पूर्णरूप से कम्प्यूटरीकृत है। इसके लिये लिबसिस 10 साफ्टवेयर पैकेज का नवीनतम वर्ज़न प्रयोग किया जा रहा है। नीपा में लैन से इंटरनेट या फिर इंटरानेट के माध्यम से सीधे या यू.आर.एल. के माध्यम से नीपा की वेबसाईट पर वेब ओपेक का प्रयोग करके ओपेक का उपयोग किया जा सकता है। इसके माध्यम से नीपा पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, जर्नलों और लेखों का डाटाबेस देख सकते हैं।

नीपा प्रलेखन केन्द्र में शैक्षिक योजना, प्रबंधन और प्रशासन पर 20,000 से अधिक का वृहद और समृद्ध संग्रह है। इसके संग्रह में केन्द्र – राज्य सरकारों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रकाशन जैसे राज्य तथा जिला गणना, राज्य तथा जिला गैजेटियर केन्द्र तथा राज्य विश्वविद्यालय के नियम और संविधि, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) तथा सर्व शिक्षा अभियान, राज्यों की सांख्यिकी पुस्तकें, अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण, आर्थिक सर्वेक्षण आयोग तथा समिति की रिपोर्ट, राज्य आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य शैक्षिक योजनाएं, राज्य मानव संसाधन विकास रिपोर्टें तथा पंचवर्षीय योजनाएं सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान के विभिन्न प्रकाशनों जैसे अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, संस्थान की वार्षिक रिपोर्टें (1962–2021), प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्टें, विभिन्न मंत्रालयों की वार्षिक रिपोर्टें, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान (आईआईईपी), पेरिस के प्रकाशन शामिल हैं। केन्द्र में नीपा एम.फिल./ पीएच.डी कार्यक्रम और अन्य विश्वविद्यालय के थीसिस का एक वृहद संग्रह है तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन पर क्रमशः स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और अन्तरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) पर शोध संग्रह उपलब्ध है। इसके पास गैर–पुस्तक पाठ्य सामग्री जैसे इंडेक्सिंग डाटाबेस, भारत की जनगणना, राज्य मानव संसाधन विकास रिपोर्ट तथा शिक्षा और इससे संबंधित क्षेत्रों पर अन्य प्रकाशनों पर संग्रह है।

गतिविधियाँ एवं प्रमुख क्षेत्र

प्रलेखन केंद्र आईसीटी के सहयोग से, मुक्त शैक्षिक संसाधनों, निःशुल्क और मुक्त संसाधन सॉफ़्टवेयर, मूडल और गूगल क्लासरूम एलएमएसएस और अकादमिक समग्रता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल सभी विषयों के संकाय के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित करता है। 2022–23 के दौरान, इसने 19–23 सितंबर 2022 तक **शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर** 5 दिनों का संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया। प्रलेखन केंद्र भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की पहल ''शोधशुद्धि'' कार्यक्रम के तहत ओरिजिनल (पूर्व में उरकुंड) साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर पर शिक्षकों, शोधार्थियों और कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत सामग्री की समानता की जाँच करता है। ओरिजिनल पीडीएस एक वेब आधारित साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर है जिसका उपयोग विश्वविद्यालयों/संस्थानों के सभी उपयोगकर्ताओं द्वारा किया जाता है। प्रलेखन केंद्र संस्थान द्वारा प्रदान की गई थीसिस को शोधगंगा–भारतीय शोध का एक भंडार पर अपलोड करने के लिए भेजता है। प्रलेखन केन्द्र ने लिबसेस 10 सॉफ्टवेयर के प्रयोग करके अपने सभी कार्यकलापों को कंप्यूटरीकृत कर दिया है। इसके अतिरिक्त उपयोगकर्त्ता को डेस्कटॉप पर ऑनलाईन पब्लिक एक्सेस कैटालॉग (ओपेक) तथा सूचना संसाधन तथा सेवाओं की विस्तृत जानकारी के साथ इलैक्ट्रानिक डाटाबेस की पहुंच, प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, इसके समृद्ध संग्रह, विस्तृत सारणी और विविध सेवाएं तथा सुविधाएं भारत तथा विदेशों से उपयोगकर्ताओं को इसकी सूचना संसाधन और सेवाओं का प्रयोग करने के लिये आकर्षित करती है। उपयोगकर्त्ताओं को पठन हेतु प्रलेखन केन्द्र में सुविधाजनक शान्तिपूर्ण और अनुकूल परिवेश उपलब्ध है तथा उपयोगकर्त्ताओं के लिए वातानुकूलन, पर्याप्त रोशनी और जनरेटर बैक–अप की सुविधा उपलब्ध है। प्रलेखन केन्द्र की पठन सुविधाओं का लाभ संकाय, संस्थान के शोधकर्ता परियोजना स्टाफ, भारत तथा विदेश के शोधकर्ता, प्रोजेक्ट स्टाफ, पीजीडेपा एवं आईडेपा के भागीदार तथा आगन्तुक संकाय द्वारा उठाया जाता है। डेलनेट (विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क) के सदस्य के रूप में, केंद्र ने अंतःपुस्तकालय संसाधनों को साझा करने की गतिविधियाँ सुदृढ़ की है। प्रलेखन केन्द्र पूरे वर्ष सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः नौ बजे से सायं 5.30 बजे तक खुला रहता है।

डिज़ीटल संसाधनों और सेवाओं तक पहुंच

इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय तथा अनुसंधानविदों के बीच विभिन्न प्रकार की सूचना की साझेदारी, संपर्कता, सहभाजन के लिए इंटरनेट गतिविधियों को सुदृढ़ तथा विकसित किया गया है। यह सूचना तथा ज्ञान का संग्रह, सृजन, हस्तांतरण तथा एकीकरण करता है। इसके डिज़ीटल संसाधन जैसे पुस्तकें, आलेख, अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, सम्मेलन संगोष्ठी के कार्यकलाप, विख्यात शिक्षाविद् व्याख्यान श्रृंखला, दृश्य–श्रव्य व्याख्यान, समिति तथा समिति रिपोर्टें, इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। डिजीटल अभिलेखागार शिक्षा तथा इससे संबंधित क्षेत्रों के 12,000 नीतिगत दस्तावेज़ों के डिजीटल अभिलेख उपलब्ध कराता है। यह दस्तावेज़ इंटरनेट या इंटरानेट के माध्यम से [http://14.139.60.153/ or http://www.niepa.ac.in/darch.aspx]. पर देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त ऑनलाइन सूचना संसाधनों और प्रलेखन सेवाओं को इंट्रानेट के माध्यम से पाठकों तक विस्तारित किया गया है ताकि नई प्राप्तियों की सूची, नए जर्नलों की सूची, पाक्षिकों के वर्तमान घटक; जे.स्टोर तथा ऑनलाईन जर्नल डाटाबेस का सम्पूर्ण टेक्स्ट एक्सेस; संदर्भ ग्रंथ सूची – मांग पर; साहित्य की खोज तथा इलैक्ट्रानिक दस्तावेज़ वितरण प्रणाली (ई.डी.डी.एस.) के लिये इंटरनेट के माध्यम से चौबीस घंटे ऑनलाईन सूचना संसाधन तथा प्रलेखन सेवाएं पाठकों को प्रदान की गई हैं। केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं जैसे अनुसंधान अध्ययन, शोध प्रबंध, थीसिस, सामयिक पत्र श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, पीजीडेपा और आईडेपा के शोध प्रबंध, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) भी इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं।

यह 300 मुद्रित जर्नलों (राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय) और ऑनलाईन डाटा बेस जैसे सेज ज्ञान, सेज शिक्षा संग्रह ऑनलाईन, एलसेवियर, एमेराल्ड तथा जेस्टोर की पहुंच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त पाठकों

को 14 अप्रैल, 2023 तक भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (94,051,509 संसाधन), मुक्त जर्नल पहुंच निर्देशिका (डीओएजे) लगभग 19,209 पूर्ण लिखित जर्नल (87,75,950 आलेख), मुक्त पुस्तक पहुँच निर्देशिका (डी. ओ.ए.बी) लगभग 60,000 अकादमिक सहकर्मी समीक्षा पुस्तकें, नेटवर्क डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ थीसिस एंड डिसर्टेशंस (एनडीएलटीडी), 6 मिलियन से अधिक ई. टी.डी. (6,402,381 ई.टी.डी.) तथा शोधगंगा (4,49,225 थीसिस), स्वयम, एमआईटी ओपनकोर्सवेयर, आदि के साथ अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण–पठन डाटाबेस, इंडेक्सिंग डाटाबेस, पत्रिकाओं की वर्तमान सामग्री, समाचार पत्र और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण–पठन रिपोर्ट उपलब्ध कराता है।

व्यक्तिगत योगदान (डॉ. डी.एस. ठाकुर का शैक्षणिक योगदानः 2022–23)

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत और प्रकाशित शोध पत्र / लेखः

जर्नल में प्रकाशित लेख

i. ठाकुर, डी.एस. (2022). बिल्डिंग ए नॉलेज सोसाइटी–कंट्रीब्यूशन ऑफ नॉलेज डेवलपमेंट एमोंग शिड्यूलड कास्टस्। ***जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन***, 36(2), 135–158, आईएसएसएन 0971–3859।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

27–31 जनवरी, 2023 के दौरान भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद और भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली (टी.एन.) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित **46वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान के लिए ओपन–सोर्स सॉफ्टवेयरः ओपन ब्राडकास्टर सॉफ्टवेयर का अध्ययन** पर 28 जनवरी, 2023 को संदीप चटर्जी और डी.एस. ठाकुर द्वारा संयुक्त रूप से आलेख प्रस्तुत किया।

संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन

प्रलेखन केंद्र ने आईसीटी के सहयोग से दिनांक 19 से 23 सितंबर 2023 के दौरान नीपा, नई दिल्ली में **ऑनलाइन मोड में अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों** पर 5 दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों, प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों और अन्य शोध संगठनों के सभी विषयों के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। यह एक आईसीटी आधारित कार्यक्रम था जहां मूडल (ग्नोमियो) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम **डा. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल** से प्रतिभागियों द्वारा लेख, वीडियो, चर्चा मंच, कार्य योजना सहित अधिगम के संसाधन एक्सेस किए गए।

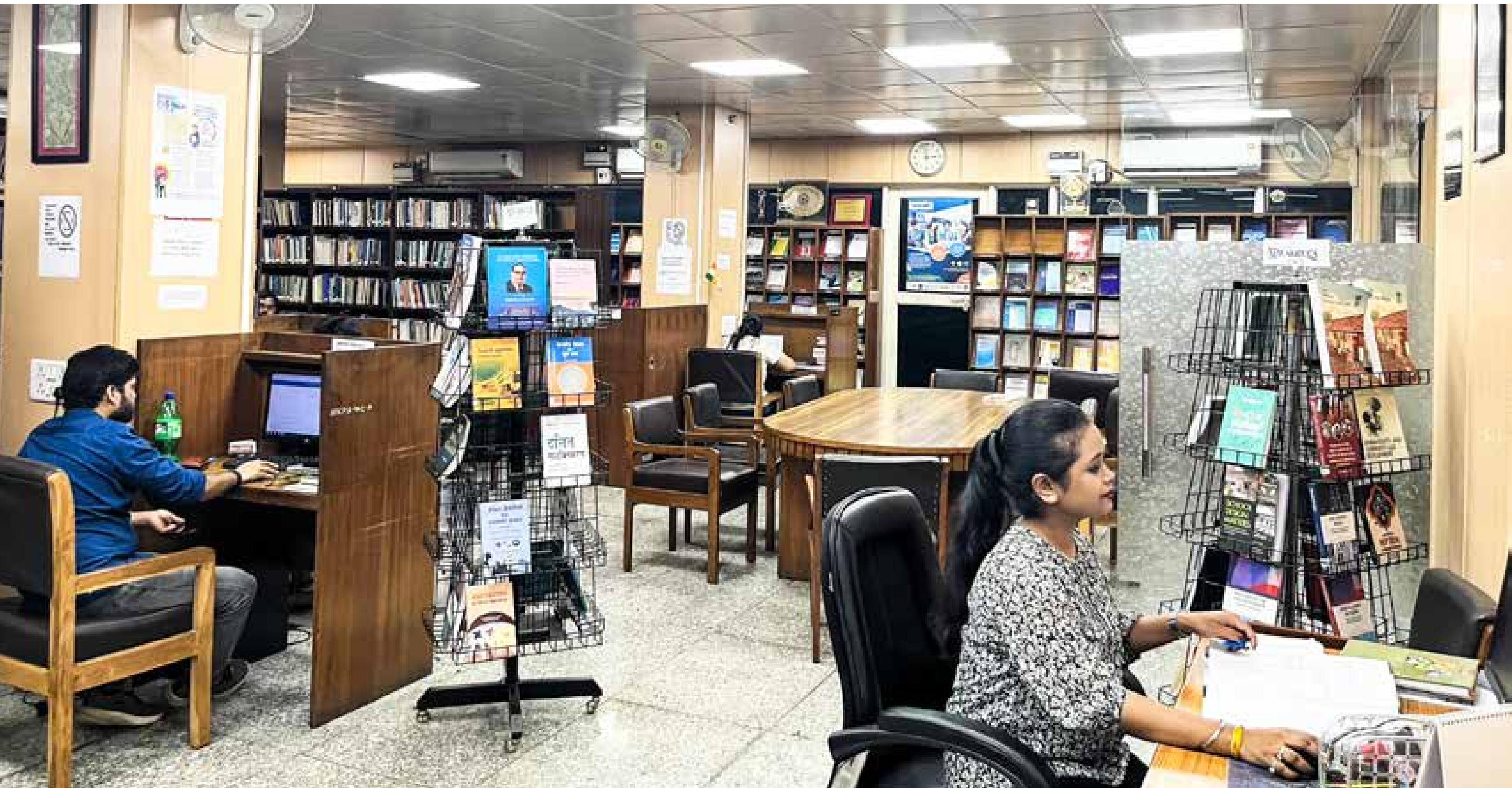

समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रशिक्षण सामग्री/पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

i. श्रीनिवास, के. और ठाकुर, डी.एस. (2022), **अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों** पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम की सूचना गाइड (19–23 सितंबर, 2022), नीपा, नई दिल्लीः 2022, 32 पी.

ii. 19–23 सितंबर, 2022 से **मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों** पर 5–दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार, विकसित एवं संपादित किया और प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान और बाद में प्रतिभागियों को प्रोत्साहित, संलग्न किया और उनके द्वारा उठाये गये विभिन्न प्रश्नों और मुद्दों को हल करने के लिए चर्चा मंच का इस्तेमाल किया।

iii. संकाय विकास कार्यक्रम के प्रतिभागियों के व्हाट्सएप ग्रुप **(नीपा एफडीपी एआईसीटीएआरएल 2022)** का गठन किया गया था और प्रतिभागियों को व्हाट्सएप ग्रुप (नीपा एफडीपी एआईसीटीएआरएल 2021), के माध्यम से दूसरे, तीसरे और चौथे सप्ताह के ऑनलाइन कार्यक्रम को डिजाइन और विकसित करने और सूचना के प्रसार के लिए 30 दिनों का तकनीकी समर्थन प्रदान किया तथा ऑनलाइन संसाधनों के लिंक डॉ. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल [https://dsthakur.gnomio.com] के माध्यम से प्रतिभागियों द्वारा सभी संसाधन (पूर्ण–पाठ लेख, पीपीटी, वीडियो और अन्य ओईआर) एक्सेस किए गए।

व्याख्यान दिये

i. 13–17 जून, 2022 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा **लेखन कौशल पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला** में 'अकादमिक लेखन के लिए साहित्यिक चोरी की जांच' पर 17 जून, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

ii. 19–23 सितम्बर, 2022 राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा **अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन/मिश्रित पाठ्यक्रम** विकसित करने में भारत सरकार की डिजिटल पहल और मुक्त शैक्षिक संसाधन विषय पर 19 सितंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

iii. 19–23 सितंबर, 2022 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित **'भारत में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के लिए आभासी अधिगम वातावरण' और ओबीएस स्टूडियोः वीडियो सामग्री विकास** पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में '20 सितंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

iv. 19–23 सितंबर, 2022 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित **अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों** पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'साहित्यिक चोरीः गुणवत्तापूर्ण मूक सामग्री और उरकुंड के विकास के लिए वास्तविक अधिगम में बाधा' विषय पर 21 सितंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

v. 19–23 सितंबर, 2022 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित **अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों** पर आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 'वीडियो संपादन उपकरणः शॉटकट वीडियो संपादक' पर 21 सितंबर, 2022 को व्याख्यान दिया।

समीक्षाधीन वर्ष में सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वार्षिक रिपोर्ट की तैयारी के लिए सूचना एकत्र की।

- नीपा की गतिविधियों के बारे में सभी विभागाध्यक्षों और प्रशासन के प्रमुखों, छात्र प्रकोष्ठ, प्रशिक्षण कक्ष, परियोजना प्रबंधन एकक से एकत्रित जानकारी

जैसे– पूर्ण/जारी अनुसंधान अध्ययन, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकन, सम्मानित की गई पीएच.डी. डिग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएँ, समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के लिए शिक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट की तैयारी के लिए हर साल एकत्र की जाती हैं।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

विकसित इंट्रानेट

नीपा के प्रलेखन केंद्र की वेबसाइट को बनाया और विभिन्न प्रकार की सूचना संसाधनों तक पहुँच प्रदान करने और प्रसारित करने के लिए संस्थान में इंट्रानेट को अद्यतन किया। संकाय, विद्वानों, परियोजना कर्मचारियों और डिप्लोमा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए सेवाएं जैसे भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं में सदस्यता, गैर–पुस्तक सामग्री मद, पत्रिकाओं की ऑनलाइन वर्तमान सामग्री, डिजिटल संसाधन, पुस्तकों और पत्रिकाओं के ऑनलाइन डेटाबेस, मुक्त शैक्षिक संसाधन, इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध (ईटीडी), इंडेक्सिंग डेटाबेस और बड़े पैमाने पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक) है। इसके अलावा, प्रलेखन केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रलेखन सेवाएं जैसे अनुसंधान अध्ययन, शोध प्रबंध, थीसिस, सामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, पीजीडेपा और आईडेपा के शोध प्रबंध, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) और अनुसंधान अध्ययन के अन्य पूर्ण पठन दस्तावेज, समसामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट और नीपा वृत्तचित्र, प्रख्यात विद्वानों के व्याख्यान श्रृंखला भी इंट्रानेट पर उपलब्ध है जो उच्च शिक्षा में ज्ञान के प्रसार को साझा करने और लाभ उठाने में मदद करती है।

इंट्रानेट पर उपलब्ध प्रलेखन केंद्र की सभी गतिविधियाँ जैसे– प्रलेखन सेवाएं, मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर) – भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (एनडीएलआई), ओपन एक्सेस जर्नल की निर्देशिका (डीओएजे), ओपन एक्सेस बुक्स की निर्देशिका (डीओएबी), थीसिस और शोध प्रबंधों की डिजिटल लाइब्रेरी (एनडीएलटीडी), शोधगंगा, एनडीएलआई और उरकुंड साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले साफ्टवेयर पर बनाये गये सूक्ष्म वीडियो, मूक्स को दस्तावेजीकरण केन्द्र द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मूल्यांकन दल के साथ साझा किया है।

आईसीटी और अधिगम प्रबंधन व्यवस्था (एलएमएस) और समर्थ ईआरपी कौशलः

अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस)	:	मूडल (मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट–ओरिएंटेड डायनामिक लर्निंग एनवायरनमेंट) ग्नोमिओ लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम
साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (पीडीएस)		ओरिजनल प्लेजिरिज्म डिटैक्शन सॉफ्टवेयर
वीडियो निर्माण एवं संपादन	:	स्क्रीनकॉस्टिफाइ, ओबीएस स्टूडिओ, शाटकट एडिटिंग, स्लाइडेटर (ऑनलाइन वीडियो प्रस्तुतियां रिकॉर्ड और साझा करना) यूट्यूब प्रस्तुती, स्क्रीन–कॉस्ट–ओ–मेटिक साफ्टवेयर इत्यादि
डिजीलॉकर के माध्यम से एनएडी	:	डिजीलॉकर पोर्टल के माध्यम से एनएडी पर छात्रों का विवरण अपलोड करना
समर्थ ईआरपी प्रणाली का उपयोग	:	नीपा में समर्थ ईआरपी प्रणाली की शुरूआत और अकादमिक एवं प्रशासन द्वारा विभिन्न मॉड्यूल का उपयोग
कम्प्यूटर प्रवीणता	:	विंडोज 2000, हाइपरटैक्स्ट मेकअप लैंग्वेज़ (एचटीएमएल), फ्रंटपेज 2002
काम का ज्ञान	:	लिबसिस–4, टैक्लीबप्लस, ज्ञानोदया, विद्या, लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर/पैकेज

विभिन्न अकादमिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में योगदान

i. नीपा की प्रशासन प्रक्रिया को मजबूत करने और नैक मूल्यांकन को औपचारिक बनाने, **साहित्यिक चोरी और दुर्व्यवहार की जांच करने के लिए आचार संहिता विकास** समिति के सदस्य

ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में सभी शैक्षणिक पुरस्कारों के लिए सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक भण्डार गृह बनाने के लिए **शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी द्वारा अनिवार्य राष्ट्रीय अकादमिक भंडार (एनएडी) के कार्यान्वयन** के लिए मैसर्स सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड (सीवीएल) के साथ समन्वय करने के लिए अधिकृत शैक्षणिक संस्थान अधिकारी।

iii. **शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी द्वारा अनिवार्य राष्ट्रीय अकादमिक भंडार (एनएडी) के कार्यान्वयन** के लिए एनएडी के साथ डिजीलॉकर के माध्यम से समन्वय करने के लिए अधिकृत शैक्षणिक संस्थान अधिकारी, संस्थान/विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक पुरस्कारों को एनएडी पर अपलोड करना।

iv. **शोधगंगा से संबंधित गतिविधियों के लिए संस्थान समन्वयक और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इनफ्लिबनेट (सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क)** के साथ वार्ता।

v. **संस्थान समन्वयक, ऑरिजनल (पहले उरकुंड) साहित्यिक चोरी डिटेक्शन सॉफ्टवेयर** पर शोधार्थियों, संकायों और कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत शोध प्रबंधों और अन्य अकादमिक और शोध प्रकाशनों की समानता की जांच करने के लिए अधिकृत।

vi. संस्थान समन्वयक, **ऑरिजनल साहित्यिक चोरी डिटेक्शन सॉफ्टवेयर** पर शोध प्रकाशनों की समानता की जांच और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए शोधों को अपलोड हेतु **शोधगंगा**–भारतीय शोध कोश में भेजा।

vii. नीपा द्वारा प्रदान की जाने वाली **एम.फिल.** और **पीएच.डी. डिग्री** का प्रारूप तैयार करने हेतु सदस्य सचिव। कार्य को पूरा करने के लिए, विभिन्न बैठकों का आयोजन/व्यवस्थता, समितियों का गठन, 3 केंद्रीय विश्वविद्यालयों का दौरा, पेपर के चयन के लिए 2 फर्मो का दौरा किया, सुरक्षा सुविधाओं की जांच की और निविदाएँ प्राप्त किए और अंतिम कार्यवृत्त/रिपोर्ट प्रस्तुत की।

viii. नीपा में **समर्थ ईगोव सूईट की समर्थ कार्यान्वयन समिति** के सदस्य।

ix. नीपा में **डिजिटल पहल के कार्यान्वयन के लिए नीपा डिजिटल लर्निंग मॉनिटरिंग** सेल के सदस्य।

x. नीपा की प्रशासनिक प्रक्रिया के सुदृढ़ीकरण और नैक मूल्यांकन को औपचारिक रूप देने तथा कर्मचारियों के लिए **आईसीटी, ई–गवर्नेंस, प्रबंधन वित्त आदि क्षेत्रों में व्यावसायिक विकास कार्यक्रम समिति** के सदस्य।

xi. नीपा की अभिशासन प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं एनएएसी मूल्यांकन को औपचारिक रूप देने हेतु **विभिन्न गतिविधियों में ई–गवर्नेंस और आईसीटी उपयोग** के लिए समिति के सदस्य।

xii. आईटी (सलाहकार) और ग्राफिक डिजाइनर के पदों के लिए स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य।

xiii. परियोजना वरिष्ठ सलाहकार (हिंदी), आईटी सलाहकार, ग्राफिक डिजाइनर सलाहकार, आदि पदों के लिए आवेदनों की जांच के लिए गठित समिति के सदस्य।

xiv. परियोजना प्रबंधन एकक जैसे डीईओ, परियोजना वरिष्ठ सलाहकार (हिंदी), परियोजना कनिष्ठ सलाहकार, परामर्शदाता ग्राफिक डिजाइनर, आदि विभिन्न पदों के साक्षात्कार के लिए गठित समितियों के संयोजक सदस्य।

xv. एमएसीपी और प्रशासन में पदोन्नति के लिए गठित समिति के सदस्य।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

i. भारतीय पुस्तकालय संघ, दिल्ली (आईएलए), (आजीवन सदस्य)

ii. भारत सरकार पुस्तकाध्यक्ष संघ (जी.आई.एल.ए.), नई दिल्ली, (आजीवन सदस्य)

iii. भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति (सीईएसआई), नई दिल्ली, (आजीवन सदस्य)

इसके अलावा, नीपा में **प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)** के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभाई।

नीपा में 12–14 अक्टूबर, 2022 के दौरान नैक मूल्यांकन दल का दौरा आयोजित किया।

विभिन्न वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

07 मार्च, 2022 को **हिन्दी संसदीय राजभाषा समिति** द्वारा राजभाषा संबंधी कार्यों का निरीक्षण।

ईऑफिस और समर्थ ईगोव सूईट की खरीद के प्रयास किये और समर्थ कार्यान्वयन समिति के सदस्य।

नीपा में पुनर्गठित **आंतरिक शिकायत समिति** के सदस्य और संयोजक। एफ. नं. 13–2/98–अकाद.–विविध। 26 जुलाई, 2022.

नीपा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) के पुनर्गठित समिति के सदस्य। क्रमांक एफ.न्यूपा/प्रशासन/आरओ/परिपत्र/030/2017–18, 14 मार्च, 2022।

प्रथम/द्वितीय/तृतीय एमएसीपी के अनुदान के लिए समूह 'बी' और समूह 'सी' अधिकारियों के मामलों पर विचार के लिए **जांच समिति के सदस्य**–सचिव।

संबंधित क्षेत्रों में उनके वर्तमान प्रदर्शन के आधार पर 2015–16, 2016–17 और 2017–18 की अवधि के लिए मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के एपीएआर की समीक्षा के लिए समीक्षा अधिकारी।

खानपान, सुरक्षा, फोटोकॉपी आदि जैसी विभिन्न सेवाओं के लिए नीपा द्वारा प्राप्त बोलियों का मूल्यांकन करने के लिए गठित **तकनीकी मूल्यांकन समिति के सदस्य**।

साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस)/शोधशुद्धि (ऑरिजिनल को पहले 'उरकुंड' के नाम से जाना जाता था) के लिए विश्वविद्यालय समन्वयक।

संस्थान की अतीत, वर्तमान और भविष्य की गतिविधियों को उजागर करने और वृत्तचित्र के विकास के लिए विक्रेता की पहचान करने, इसकी सामग्री और वृत्तचित्र फिल्म/क्लिप की अवधि को अंतिम रूप देने संबंधी निविदा दस्तावेज को अंतिम रूप देने हेतु गठित समिति के सदस्य–समन्वयक।

नीपा में सामुदायिक सहभागिता और अग्रगामी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए गठित समिति के सदस्य–संयोजक।

ऑरिजिनल साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर विश्लेषण रिपोर्ट के लिए गठित 'संस्थागत शैक्षणिक अखंडता पैनल (आईएआईपी)' की समिति के सदस्य (संयोजक)।

पुराने प्रकाशनों/पत्रिकाओं/पुस्तकों आदि, जिनकी अभी मांग नहीं है, के निपटान/बट्टे खाते में डालने/स्क्रैपिंग की संभावनाओं की जांच करने और दिशानिर्देश तैयार करने के लिए समिति के सदस्य।

नीपा कार्यालय और छात्रावास भवन में स्थापित एयर–कंडीशनर इकाइयों के आंतरिक भागों की चोरी के मामले की जांच के लिए गठित जांच समिति के सदस्य–समन्वयक।

नीपा की 50 से अधिक शैक्षणिक और प्रशासनिक समितियों के सदस्य जैसे नीपा आपदा प्रबंधन योजना समिति, आवास आवंटन समिति, निवेश समिति, एंटी–रैगिंग समिति, आईक्यूएसी, भौतिक सत्यापन, आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य और संयोजक, शिकायत निवारण समिति के सदस्य–सचिव, फिटनेस इंडिया 2021, डायमंड जुबली कार्यक्रम समिति, दीक्षांत कार्यक्रम की एक वृत्तचित्र फिल्म विकसित हेतु नीपा समिति आदि।

मौलिक साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर के नोडल अधिकारी।

नीपा के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)।

केंद्रीय लोक शिकायत के नोडल अधिकारी।

मिशन मोड रिक्रूमेंट (एमएमआर) के नोडल अधिकारी।

केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (सीपीपीपी)।

कानूनी सूचना प्रबंधन और संक्षिप्त प्रणाली (एलआईएमबीएस) के नोडल अधिकारी।

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

5

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। नेटवर्क संस्थान की रीढ की हड्डी है तथा इसके सक्रिय संघटकों को कंप्यूटर केंद्र द्वारा संचालित, अनुरक्षित तथा नियंत्रित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र एन.एम. ई.आई.सी.टी परियोजना के अंतर्गत **एन.के.एन./एम.टी.एन.एल.** द्वारा प्रदान की गई 1 जी.बी.पी.एस ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट संपर्कता से सुसज्जित है। संस्थान में सतत रूप से इंटरनेट 24x7x365 सुनिश्चित करने के लिए कंप्यूटर केंद्र सभी स्टाफ सदस्यों, प्रशिक्षुओं, परियोजना स्टाफ, कार्यक्रम भागीदारों, अनुसंधानविदों को कंप्यूटर सुविधा तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है।

विश्वविद्यालय में नेटवर्क संसाधनों का अधिकतम प्रयोग करने हेतु सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय सदस्यों को उच्च गति वाली इंटरनेट तथा नेटवर्क प्वाइंट प्रदान किये गये हैं। **नीपा डोमेन** पर सभी स्टाफ तथा संकाय सदस्यों को व्यक्तिगत ई–मेल खाता की सुविधा दी गई है। सभी संकाय सदस्यों को डैस्कटाप/लैपटाप कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं तथा सभी स्टाफ सदस्यों को उनके डेस्क पर डैस्कटाप कंप्यूटर उपलब्ध कराया गया है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती हैं। कंप्यूटर केन्द्र पर तृतीय पक्ष कम्पनी के सहयोग से संस्थान के अपने कंप्यूटरों तथा संबंधित उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी है।

कंप्यूटर केन्द्र संस्थान की दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने हेतु सुविधाएं प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम डेस्कटॉप कंप्यूटर और लैपटॉप तथा मल्टी–फंक्शन प्रिंटरों से सुसज्जित है।

नीपा भवन से नीपा हॉस्टल को हाई स्पीड इंटरनेट कनैक्टिविटी उपलब्ध कराई गई है। नीपा छात्रावास के सभी मंजिलों के सभी कमरों में अतिथियों के लिये प्रमाणित तथा सुरक्षित वाई–फाई संपर्कता उपलब्ध–कराई गई है।

यह केंद्र अकादमिक विभागों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर–अकादमिक एककों जैसे– पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

लेखा अनुभाग को भी कंप्यूटर अनुप्रयोग के लिए समर्थन दिया जाता है। इसमें शामिल है, वेतन गणना, आयकर गणना, पेंशन, भविष्य निधि गणना आदि। इसके लिए एस.पी.एस.एस. सांख्यिकी पैकेज (एसपीएसएस) नेटवर्क वर्जन सर्वर के साथ स्थापित किया गया है ताकि प्रयोगकर्त्ता नेटवर्क पर गणना कर सकें। कंप्यूटर केंद्र दैनिक गतिविधियों के लिये ओपन स्रोत साफ्टवेयरों को प्रोत्साहन देता है।

संस्थान की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आधुनिक डाटा केन्द्र स्थापित किया गया है। डाटा केन्द्र उच्च गुणवत्तायुक्त डाटा सर्वर तथा वेब सर्वर से जुड़ा है जोकि चौबीसों घंटे 24x7x365 उपभोक्ताओं के लिये ऑन–लाईन उपलब्ध है। डाटा सेंटर समर्पित समानांतर यू.पी.एस. सिस्टम से समर्थ है जो सर्वर को पावर बैक–अप प्रदान करता हैं।

कम्प्यूटर केंद्र भारत सरकार के मुख्य कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के फ्लैगशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत जाने–माने कार्यक्रम एकीकृत शैक्षिक जिला प्रणाली सूचना (यू–डाईस) के लिये सर्वर का रखरखाव संगणक केंद्र करता है। इसके अलावा संगणक केंद्र का डाटा केंद्र राष्ट्रीय विद्यालय मानक एवं मूल्यांकन – शाला सिद्धि के राष्ट्रीय कार्यक्रम के वेब पोर्टल का रखरखाव भी करता है।

नीपा आंकड़ा केन्द्र नेटवर्क संरचना

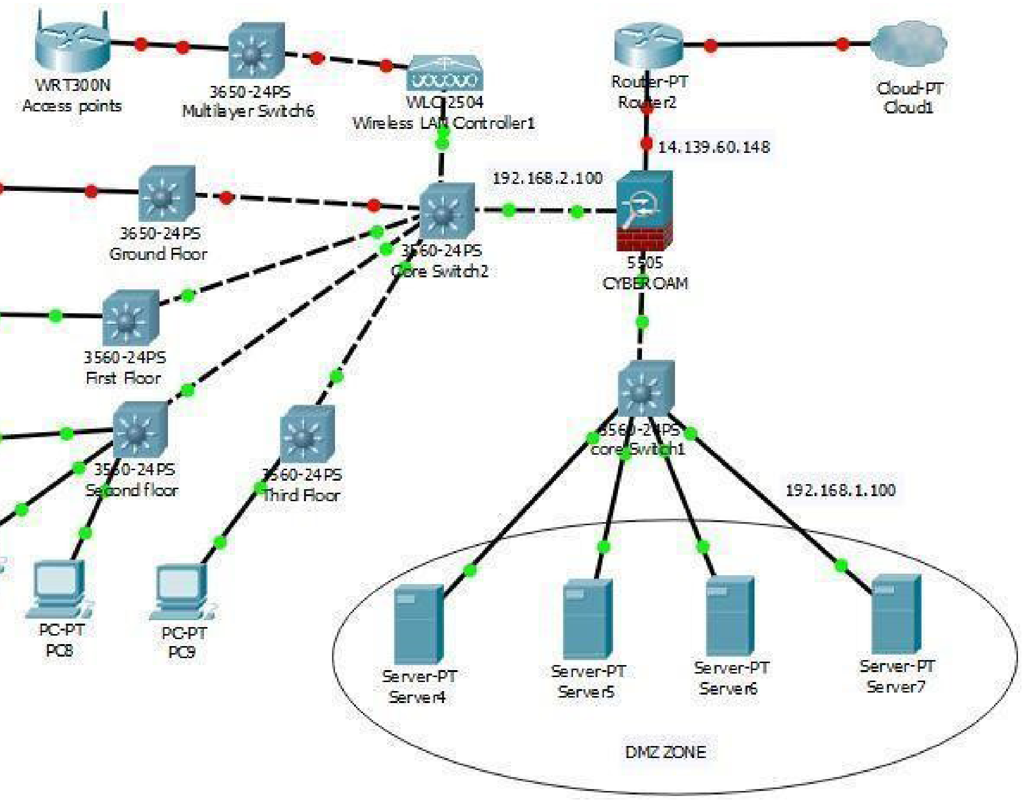

- डेटा सेंटर नेटवर्क आर्किटेक्चर में फायरवॉल, कोर स्विच वायरलेस, वाई–फाई कंट्रोलर और आईएसपी राउटर शामिल हैं।
- 8 आइबीएम सर्वर हैं जो यू–डाईस, शाला सिद्धि, ओरेकल सर्वर, एसडीएमआईएस, डेटा विजुअलाइज़ेशन, niepa.ac.in, छात्र प्रबंधन सूचना प्रणाली, स्कूल निर्देशिका प्रबंधन प्रणाली और स्कूल रिपोर्ट कार्ड जैसे कई वेब अनुप्रयोगों से जुड़े हैं
- दो डेल सर्वर हैं जो डिजिटल अभिलेखागार और डेटाबेस सर्वर से जुड़े हैं।
- एच.पी. सर्वर मूडल पोर्टल, एनसीएसएल पोर्टल, क्विक हील एंडपॉइंट सुरक्षा और प्रिंटिंग सर्वर से जुड़े हैं।
- लिबसिस के लिए आईबीएम टॉवर सर्वर (ओपेक)

आईसीटी विभाग की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

- डाटा सेंटर और सर्वर हार्डवेयर की नियमित रूप से निगरानी की जाती थी।
- नेटवर्क और वाई–फाई से संबंधित मुद्दों को नियमित रूप से प्रबंधित किया जाता है। नेटवर्क विलंबता का निरीक्षण करके संगठन के नेटवर्क प्रदर्शन को नियमित रूप से ट्यून किया गया था।
- संगठन के आंकड़ा केंद्र और नीपा छात्रावास में 24X7 नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।
- संस्थान का सोशल मीडिया प्रबंधन (ट्विटर और फेसबुक)
- यूट्यूब और फेसबुक पर गतिविधियों का सीधा प्रसारण
- उपलब्ध नीपा डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ लाइव वेबिनार का आयोजन
- बैठक और वेबिनार के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन
- साइबर खतरा अनुश्रवण नीपा आंकड़ा केन्द्र और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर हमलों की निगरानी
- ऑपरेटिंग सिस्टम लाइसेंस प्रबंधन
- ई–निविदा के लिए ई–विजार्ड की सुविधा और क्रियान्वयन
- जीईएम में तकनीकी बोली का मूल्यांकन
- संगठन की वेबसाइटों की निगरानी और अद्यतन करना।

- सर्वर एएमसी का प्रबंधन
- नियमित रूप से पूरे सर्वर के सुरक्षा पैच अद्यतन किए जाते हैं।
- नीपा डेटा सेंटर का सर्वर बैकअप नियमित अंतराल पर किया जाता है।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का बैकअप नियमित रूप से किया जाता है।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का निर्माण और नीपा एलएमएस में उपयोगकर्ताओं का नामांकन
- एंटी–वायरस पैच को सर्वर से क्लाइंट्स तक पहुंचाना
- ऑनलाइन यूपीएस का रखरखाव और निगरानी बार–बार की जाती है।
- संस्थान की सीसीटीवी निगरानी।
- सभी डोमेन की निगरानी
- niepa.ac.in मेल डोमेन का प्रबंधन
- ऑनलाइन भर्ती की निगरानी और प्रबंधन (स्थायी और अस्थायी)

नीपा डिजिटल भंडार

पीसी(स)			**नेटवर्किंग मदें**		
क्र. सं.	**विवरण (मेक/मॉडल)**	**मात्रा**	**क्र. सं.**	**वस्तु/मॉडल**	**मात्रा**
1	एचपी कोर आइ5(6200)	**28**	1	सिसको स्विच	**5**
2	एचपी कोर आइ7(8300)	**39**	2	सिसको एक्सेस प्वाइंट	**25**
3	एचपी (2280)	**82**	3	एल 2 स्विच	**24**
4	एचपी (7800)	**4**	4	डी लिंक राउटर	**9**
5	आइबीएम (थिंक सेंटर)	**1**	5	फायरवैल (पालो अल्टो)	**1**
6	एचपी प्रो वन 600G5	**42**	6	सीसीटीवी कैमरा (सीपी प्लस)	**50**
7	एचपी 400 जी4 ऑल इन वन	**13**		**कुल**	**114**
8	डैल ऑप्टीप्लैक्स 3050	**16**	1	एचडी डिसप्ले	**5**
9	एचपी 400 जी6 ऑल इन वन	**15**	2	यूपीएस	**12**
10	एचीप 240	**1**	3	वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली (जीएमईईटी)	**3**
11	टायरॉन	**1**			
12	एचपी 280 प्रो जी6 एमटी	**30**			
	कुल	**272**			

प्रिन्टर

क्र. सं.	मेक/मॉडल	प्रिंटरों की मात्रा	क्र. सं.	मेक/मॉडल	प्रिंटरों की मात्रा
1	एचपी एलजे 1020 प्लस	**15**	11	एचपी 1020	**12**
2	एचपी एलजे एम226डीएन	**09**	12	एचपी 1022	**17**
3	एचपी एलजे 1536डीएन	**06**	13	एचपी 1160	**16**
4	एचपी ओजे 276डीडब्ल्यु	**03**	14	एचपी 9040	**1**
5	एचपी एलजे एम1005	**03**	15	कैनन 4800	**1**
6	एचपी एलजे एम425डीएन	**02**	16	कैनन एमएफपी 33सीडीडब्ल्यु	**1**
7	कैनन एमएफ 4450	**02**	17	एचपी लेजरजेट प्रो एमएफपी एम226 डीडब्ल्यु	**19**
8	रिको एमएफ 210एसयू	**02**	18	लेक्समार्क एमबी 2236एडीडब्ल्यु	**11**
9	एचपी 1010	**1**	19	एचपी लेजर जेट एम233 डीडब्ल्यु	**1**
10	एचपी लेजरजेट प्रो एमएफपी 329 डीडब्ल्यु	**10**			
	कुल				**132**

लैपटॉप

क्र. सं.	मेक/मॉडल	प्रारूप	खरीद का वर्ष	मात्रा
1.	डेल/लेटीट्यूड 3590	कोर आइ7 – 8550यूसीपीयू@1.8 गिगाहर्टज़, 8 जीबी रैम 1 टीबी एचडीडी	2018	16
2.	डेल/लेटीट्यूड 3410	कोर आइ7 – 8550यूसीपीयू@1.8 गिगाहर्टज़, 8 जीबी रैम 2 टीबी एचडीडी	2020	12
3.	एचपी/प्रो बुक 4440	कोर आइ5 – 8550यू सीपीयू@1.8 गिगाहर्टज़, 8 जीबी रैम 1 टीबी एचडीडी	2016	5
4.	एचपी/430 जी1	कोर आइ5, 500जीबी एचडीडी/ 4 जीबी रैम/डीएस–वाई	2014	20
5.	एचपी/44431	कोर आइ5, 500जीबी एचडीडी/4 जीबी रैम/डीएस–वाई	2013	1
6.	लेनोवो/एक्स220	कोर आइ7, 500जीबी एचडीडी/4 जीबी रैम/डीएस–वाई	2008	3
7.	ऐसर	कोर आइ7, 1 टीबी एचडीडी / 16 जीबी रैम	2022	10
	कुल			**67**

सर्वर

क्र.सं.	मेक/मॉडल	प्रारूप	खरीद का वर्ष	मात्रा
1.	आइबीएम/ब्लेड सर्वर	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई2665 16जीबी	2014	8
2.	एचपी डीएल 380जी5	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई5430 32जीबी	2010	1
3.	एचपी/580जी5	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई5430 32जीबी	2010	1
4.	डेल/आर710	इंटेल(आर) कोर(टीएम) आई7–8550यू सीपीयू @ 1.80 गिगाहर्टज़	2014	1
5.	डेल/आर820	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई5–4650 वी2 @ 2.40 गिगाहर्टज़, 2400 मेगाहर्टज़, 10 कोर(एस), 20 लॉजिकल प्रोसेसर(स)	2014	1
6.	आइबीएम/सिस्टम एक्स 3100 एम4	इंटेल(आर) जेऑन(आर) सीपीयू ई5–2665	2010	1
7.	आइबीएम/स्टोरेज	स्टोरेज वीआईजेड वी7000	2014	1
8.	टायरॉन/सर्वर	इन्टेल® @ 2.30 गिगाहर्टज़ (2 प्रोसेसर)	2021	2
9.	क्यूएसएएन/स्टोरेज	100 टीबी	2021	1
	कुल			**17**

सॉफ्टवेयर की सूची

क्र. सं.	सॉफ्टवेयर	मात्रा
1.	एन्टी–वायरस	**250**
2.	एसपीएसएस	**10**
3.	एनवीआईवीओ	**10**
4.	एन्ड नोट	**5**
5.	एमएस ऑफिस	**5**
6.	अडॉब	**1**
7.	कोरल ड्रा	**10**
कुल		**290**

प्रकाशन

6

Azadi Ka Amrit Mahotsav
National Institute of Educational
Planning and Administration
Vinayak Garg
Sudhanshu Bhushan

प्रकाशन

राष्ट्रीय संस्थान का प्रकाशन एकक संस्थान द्वारा की गई शोध और विकास गतिविधियों के निष्कर्षों के प्रकाशन और प्रसारण द्वारा ज्ञान की साझेदारी संबंधी कार्यकलापों का समर्थन व्यापकता के लिए करता रहा है। संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने के क्रम में प्रकाशन एकक समसामयिक आलेख/जर्नल/पाक्षिक न्यूजलेटर, पुस्तकें, रिपोर्टें, एम.फिल. और पीएच.डी की विवरणिका और प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेण्डर प्रकाशित करता है। यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षणों की रिपोर्टों की श्रृंखला भी प्रकाशित करता है। उपरोक्त प्रकाशन अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित किए जाते हैं और कुछ महत्वपूर्ण और वैधानिक प्रकाशन अंग्रेजी भाषा के अलावा, आवश्यकता के अनुसार हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में भी प्रकाशित किए जाते हैं। प्रकाशन एकक में कुशल और तकनीकी रूप से योग्य पेशेवर हैं और यह विश्वविद्यालय के विभिन्न डी.टी.पी. कार्यों को करने के लिए कम्प्यूटर और प्रिंटर से लैस है।

वर्ष 2022–23 के अंतर्गत नीपा द्वारा कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले गए– *जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* (अंग्रेजी), *परिप्रेक्ष्य* (हिंदी) जर्नल, सम–सामयिक लेख और सी.पी.आर.एच.ई. अनुसंधान आलेख, एम.फिल. तथा पीएच.डी कार्यक्रमों की विवरणिका तथा नवाचार एवं नवोन्मेष की सारांश पुस्तिका, सूचना विवरणिका और एनसीएसएल मॉड्यूल आदि। संस्थान ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तक और मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित की।

समीक्षाधीन वर्ष 2022–23 के दौरान संस्थान ने निम्नांकित प्रमुख प्रकाशन निकाले :

पत्रिकाएं

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, वर्ष XXXVI, अंक 1, जनवरी 2022; वर्ष XXXVI, अंक 2, अप्रैल 2022; वर्ष XXXVI, अंक 3, जुलाई 2022; वर्ष XXXVI, अंक 4, अक्टूबर 2022 ।

परिप्रेक्ष्य (शैक्षिक योजना और प्रशासन में सामाजिक–आर्थिक संदर्भ पर हिन्दी जर्नल) वर्ष XXVI, अंक 3, दिसंबर 2019 और वर्ष XXVII, अंक 1, अप्रैल 2020; वर्ष XXVII, अंक 2, और 3, अगस्त और दिसंबर 2020; वर्ष XXVIII, अंक 1, और अंक 2, अप्रैल और अगस्त 2021; वर्ष XXVIII, अंक 3, दिसंबर 2021 और वर्ष XXIX, अंक 1, अप्रैल 2022; ;

एंट्रीप न्यूज़लेटर

1. एंट्रीप न्यूज़लेटर, वर्ष 26, अंक 2, जुलाई–दिसंबर 2020
2. एंट्रीप न्यूज़लेटर, वर्ष 27, अंक 1, जनवरी–जून 2021

नीपा न्यूजलेटर

1. वर्ष 1, अंक 1, जनवरी–जून 2022, संस्करण (ई–संस्करण और फ्लिप बुक)

सम–सामायिक आलेख

1. समसामयिक आलेख सं. 57: डायनेमिक्स ऑफ फाइनेन्सज़ ऑफ प्राइवेट हायर एजुकेशनल

इंस्टिटयूशनस् इन इंडिया, जैकब जॉन, मेघा जैकब तथा नवीन जोसेफ थॉमस।

2. समसामयिक आलेख सं. 58: पब्लिक–प्राइवेट मिक्स इन सेकेण्डरी एजुकेशन इन इंडियाः साइज, इन–स्कूल फेसिलिटिज एण्ड इनटेक प्रोफाइल, एन.के. मोहंती।
3. समसामयिक आलेख सं. 59: स्कूल कॉम्प्लेक्सेस् इन इंडियाः एक्सिटिंग प्रेक्टिसिस् एण्ड फ्यूचर प्रोस्पेक्टस् इन द लाइट ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020, रश्मि दीवान, सुभिता जी.वी., मोना सेदवाल तथा कश्यपी अवस्थी।

सी.पी.आर.एच.ई. शोध आलेख

1. सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 16: द फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडियाः फ्रॉम मॉसिफिकेशन टू यूनिवर्सलाइसेशन, एन.वी. वर्गीज तथा निधि एस. सभरवाल।

प्रकाशकों के सहयोग से सःशुल्क प्रकाशन

1. इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2021: प्राइवेट हायर एजुकेशन (सं.) एन.वी. वर्गीज तथा जिनुशा पाणीग्रही (रूटलेज)।
2. फाइनेनसिंग ऑफ हायर एजुकेशन– ट्रेडिशनल एप्परॉचस् एण्ड इनोवेटिव स्ट्रेटेजिस, (सं.) डॉ. एन.वी. वर्गीज तथा जिनुशा पाणीग्रही (स्प्रिंगर), (प्रेस में)।
3. टीचर एजुकेशन लेंडस्केपस् इन इंडियाः गवर्नेंस एण्ड क्वालिटी मेनेजमेंट, (सं.) प्रणति पंडा (रूटलेज) (प्रेस में)।
4. इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2022: वूमन इन हायर एजुकेशन, (सं.) एन.वी. वर्गीज तथा निधि सभरवाल(रूटलेज) (प्रेस में)।

निःशुल्क प्रकाशन :

1. नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2020–21 (अंग्रेजी संस्करण)
2. नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2020–21 (हिंदी संस्करण)
3. शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष का संग्रह 2018–19, *कुमार सुरेश और वी. सुचरिता द्वारा संकलित और संपादित*
4. पुरस्कार विजेताओं और प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्तकर्ताओं की प्रोफाइल 2018–19, शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार
5. शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष का संग्रह 2019–20, *कुमार सुरेश और वी. सुचरिता द्वारा संकलित और संपादित*
6. पुरस्कार विजेताओं और प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्तकर्ताओं की प्रोफाइल 2019–20, शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार
7. सीपीआरएचई रिपोर्ट 2021–22
8. नीपा एक नजर में (डिजीटल प्रिन्ट)
9. अनुसंधान प्रकाशनों और प्रशिक्षण गतिविधियों का संग्रह (2016–21)
10. नीपा दीक्षांत समारोह 2022 के लिए विवरणिका
11. नीपा दीक्षांत समारोह 2022 के लिए शोध का सार–संग्रह
12. हीरक जयंती विवरणिका 1962–2022
13. नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2021–22 (अंग्रेजी संस्करण)
14. नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2021–22 (हिंदी संस्करण)
15. पाठ्यचर्या मार्गदर्शिका – शिक्षा एवं विकास कार्यक्रम में स्नातकोत्तर (*मिमियोग्राफ*)
16. *संवाद और सुनने की कलाः हमारी कक्षाओं पर पुनर्विचार,* अविजीत पाठक (2022) (तेरहवाँ मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान)
17. सीपीआरएचई नीति संक्षेप 4 और 5 (अंग्रेजी संस्करण)
18. भारत की जी20 अध्यक्षता और शिक्षा एजेंडा पर परामर्शदात्री बैठक की प्रमुख सिफारिशें, (13–14 फरवरी, 2023) (डिजिटल प्रिंट संस्करण)
19. उच्चतर शिक्षा संस्थानों में उद्योग–अकादमिक संबंधों का विकास और उन्हें कायम रखना (23 मार्च, 2022) (डिजिटल प्रिंट संस्करण)

मॉड्यूल

1. अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने पर प्रशिक्षण के लिए मॉड्यूल, कश्यपी अवस्थी और प्रीति विवेक मिश्रा (7 मॉड्यूल का एक सेट)

2. सतत व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व मार्गः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज, रश्मी दीवान और चारु स्मिता मलिक (14 मॉड्यूल का एक सेट)

सूचना विवरणिका पुस्तिकाएँ

1. शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की सूचना विवरणिका
2. आंध्र प्रदेश के महाविद्यालय प्राचार्यों हेतु नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की सूचना विवरणिका (पांच अलग–अलग बैचों के लिए 5 सूचना पुस्तिकाएं) (डिजिटल प्रिंट संस्करण)
3. भारत में लैंगिक और उच्च शिक्षा के लिए सूचना विवरणिका (30–31 जनवरी, 2023) (डिजिटल प्रिंट संस्करण)
4. भारत की जी20 अध्यक्षता और शिक्षा एजेंडा पर परामर्शदात्री बैठक के लिए सूचना विवरणिका (13–14 फरवरी, 2023) (डिजिटल प्रिंट संस्करण)
5. उच्चतर शिक्षा में विविधता और समावेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के लिए सूचना विवरणिका (16–17 फरवरी, 2023) (डिजिटल प्रिंट संस्करण)

अन्य

इन प्रकाशनों के अलावा, नीपा ने 2022–23 के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर; एम.फिल.–पीएच.डी. विवरणिका 2022–23; और एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम सारणी 2022–23; एम.फिल.–पीएच.डी. डिग्री अधिनियम 2020 (पुर्नमुद्रण); निष्ठा 1.0, निष्ठा 2.0, निष्ठा 3.0, (अंग्रेजी और हिन्दी संस्करण में पुस्तिकाएं); संघीय ज्ञापन एवं भर्ती नियम और सेवा विनियम 2020 (ई–*संस्करण*); संस्थागत नीति दस्तावेजों का संग्रह; एनईपी 2020 पर वेबिनार में नीपा संकाय की भागीदारी; डेस्क कैलेंडर 2023; घोषणाएं– ई–आई.टी.ई.सी. के लिए; आईडेपा, आई.पी.ई.ए., पीजीडेपा और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए घोषणाएँ (ई–संस्करण); नीपा स्थापना दिवस के लिए पोस्टर, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस; और विभिन्न अन्य कार्यक्रमों की सामग्री, आदि प्रकाशित की।

मिमियोग्राफ प्रकाशनः इसके अलावा, नीपा ने रिपोर्ट की अवधि के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सेमिनारों के अनुसंधान अध्ययन, रिपोर्ट, पठन सामग्री से संबंधित कई मिमियोग्राफ/फोटोकॉपी प्रकाशन भी निकाले।

नीपा वेबसाइट के लिए सामग्रीः प्रकाशन एकक ने अपने प्रकाशनों के संबंध में नीपा वेबसाइट को नियमित अद्यतन प्रदान किया। अद्यतनों में निजी प्रकाशकों के माध्यम से प्रकाशित मूल्य और बिना मूल्य वाले प्रकाशनों और प्रकाशनों की व्यापक सूची शामिल हैं। जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के वर्तमान और आगामी अंकों के बारे में जानकारी; नीपा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर; और एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका। संघीय ज्ञापन एवं नियम; हिंदी जर्नल (त्रि–वार्षिक) परिप्रेक्ष्य का पूर्ण संस्करण; नीपा समसामयिक पत्रों का पूर्ण संस्करण; सीपीआरएचई शोध पत्रों का पूर्ण संस्करण; नीपा वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी और हिंदी संस्करण) का पूर्ण संस्करण और एनसीएसएल, शाला सिद्धि, सीपीआरएचई, और डाईस प्रकाशन आदि के वेब संस्करण इत्यादि।

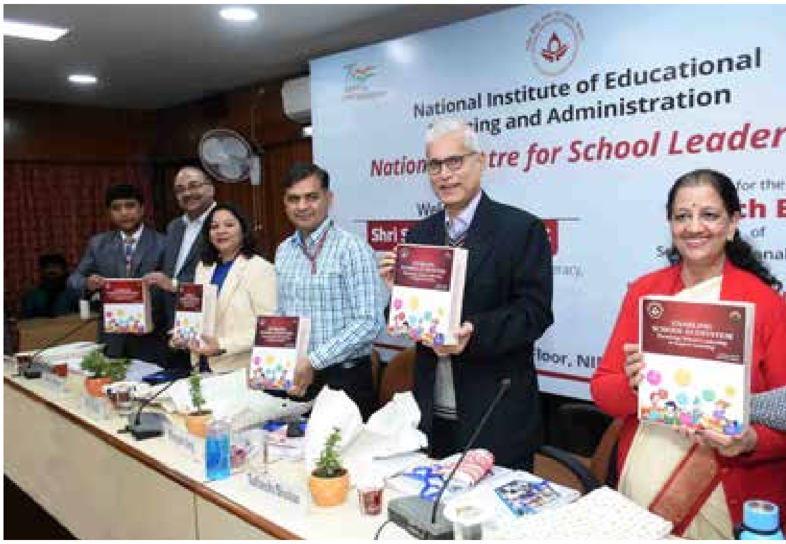

नीपा में सहायता अनुदान योजना

7

नीपा में सहायता अनुदान योजना

कार्य योजना के विस्तार के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कार्यवाही योजना में उनकी पुनः व्याख्या के विभिन्न मानकों के क्रियान्वयन हेतु उद्देश्यों का वृहद प्रचार आवश्यक है तथा शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक एजेंसियों तथा सामाजिक संगठनों के साथ निकटतम सहयोग आवश्यक है। नीति के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वयन हेतु, राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर पर समर्थन व्यवस्था समेत अंतःशास्त्रीय उपागम आवश्यक है।

इस संदर्भ में ये आवश्यक हैं: (अ) देश में शैक्षिक नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रति वृहद जागरूकता पैदा करना, (ब) नीति उन्मुख अध्ययनों तथा संगोष्ठियों को आरंभ करना ताकि मध्य–पाठ्यक्रम सुधार, संशोधन तथा नीति हस्तक्षेपों के साथ समायोजन किया जा सके (स) अध्यापकों, छात्रों, युवाओं तथा महिलाओं और संचार माध्यमों को प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके साझा मंच प्रदान करना। (द) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार तथा नवोन्षण एवं सफल प्रयोग को बढ़ावा देना (य) राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा कार्य योजना की समीक्षा को सुविधाजनक बनाना।

उपरोक्त प्रयोजन के लिये, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने सहायता अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसके अंतर्गत योग्य संस्थानों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता शिक्षा नीति के प्रबंधन तथा क्रियान्वयन पक्ष पर सीधे प्रभाव डालने वाली गतिविधियों के आधार पर प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत सम्मेलनों का आयोजन, प्रभावी तथा मूल्यांकन अध्ययन, सर्वोत्तम विकल्पों पर परामर्शकारी अध्ययन, भारत सरकार को सलाह देने हेतु तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु मॉडल, विडियो फिल्म इत्यादि का निर्माण सम्मिलित हैं।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने इस विश्वविद्यालय के माध्यम से यह योजना संचालित की है जो सहायता अनुदान समिति के द्वारा इसे संचालित करता है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के तहत विभिन्न संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन तथा अनुमोदन के लिए समिति का पुनर्गठन 07 मार्च, 2023 किया गया है। 31 मार्च, 2023 के अनुसार इस समिति के निम्नांकित सदस्य हैं:

प्रोफेसर ए.के. सिंह	–	अध्यक्ष
प्रोफेसर इलियास हुसैन	–	सदस्य
प्रोफेसर उमा मेदुरी	–	सदस्य
प्रोफेसर संतोष पांडा	–	सदस्य
प्रोफेसर दिनेश कुमार	–	सदस्य
प्रोफेसर कुमार सुरेश	–	सदस्य
प्रोफेसर के. बिस्वाल	–	सदस्य
प्रोफेसर वीरा गुप्ता	–	सदस्य
डा. संदीप चटर्जी	–	सदस्य सचिव

01.04.2022 से 31.03.2023 की अवधि के दौरान आयोजित जीआईएसी बैठकें

क्र. सं.	संगठन का नाम	संगोष्ठी/सम्मेलन/शोध अध्ययन का शीर्षक	बैठक की तिथि	स्वीकृत राशि
1.	**इलाशरी सेवा संस्थान, मधुबनी, बिहार**	''बिहार में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण की दिशा में टोला संयोजक की भूमिका'' विषय पर संगोष्ठी	27.12.2022 44वां जीआईएसी	₹ 1,50,000/-
2.	**शैक्षिक और सामाजिक अध्ययन केन्द्र (सीईएसएस) बंगलुरू, कर्नाटक**	''रा.शि.नीति. की तैयारी– उच्च शिक्षा में बदलाव की संभावनाएं और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन		₹ 3,00,000/-
3.	**समाधान, मधुबनी, बिहार**	''बिहार जैसे विकासशील राज्य में कोविड–19 महामारी की स्थिति के दौरान शिक्षा प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के परिणाम और उपाय'' विषय पर संगोष्ठी		₹ 1,50,000/-
4.	**बस्ती एरिया विकास परिषद (बीएडीसी), बालासोर, ओडिशा**	''भारत में महामारी के दौरान बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत बच्चों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा पर पंचायत राज संस्थानों की भूमिका'' विषय पर संगोष्ठी		₹ 2,00,000/-
5.	**भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, उ.प्र.**	XLVIवां भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस मुख्य विषयः ''स्वराज भारत के 75 साल''		₹ 3,00,000/-
		वर्ष 2022–23 में स्वीकृत कुल राशि		**₹ 11,00,000/-**

प्रशासन और वित्त

8

प्रशासन और वित्त

प्रशासन

संस्थान के पास हाउसकीपिंग (गृह–व्यवस्था) तथा सुरक्षा सेवाओं के लिये बाह्य सेवा–स्रोतों के अतिरिक्त निम्नांकित स्वीकृत पद हैं।

प्रशासन तथा अकादमिक एवं तकनीकी समर्थन सेवाएं प्रशासन के कार्य के अनुसार स्थापित अनुभागों द्वारा नियंत्रित तथा समन्वित की जाती हैं, जैसाकि ऑर्गनोग्राम में दर्शाया गया है।

संस्थान में अनुभाग कार्यकलापों के अनुसार स्वीकृत पदों के अलावा विभिन्न अकादमिक और अनुसचिवीय पदों पर 93 परियोजना कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं।

बाह्य संवर्ग पद	संख्या
कुलपति	01
कुलसचिव	01
संवर्ग पद	
संकाय (प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर)	42
अकादमिक समर्थन स्टाफ़	07
प्रशासन, वित्त, सचिवीय तथा अन्य तकनीकी स्टाफ	79
सहायक स्टाफ (एम.टी.एस.)	37
कुल	167

समीक्षाधीन वर्ष 2022–23 के दौरान, निम्नांकित सेवानिवृत्तियां की गईं।

सेवानिवृत्तियां

समूह 'ए'

नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
प्रो. रश्मि दीवान	प्रोफेसर	28.02.2023

समूह 'बी'

नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
श्री मनोहर लाल	स्टेनोग्राफर ग्रेड–1	31.08.2022
श्री पी.पी. सक्सेना	अनुभाग अधिकारी	30.11.2022

समूह 'सी'

नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
श्री रामबाबू	प्रवर श्रेणी लिपिक	31.01.2023
श्री सरोज कुमार	पुस्तकालय परिचारक	28.02.2023

वित्त तथा लेखा विभाग

नीपा में वित्त तथा लेखा सेवाएं लेखा अनुभाग द्वारा संचालित की जाती हैं जिसका अध्यक्ष वित्त अधिकारी होता है जिसके अंतर्गत अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कार्यालय के आठ सदस्य तथा अनुसचीवीय स्टाफ होता है। यह अनुभाग बजट की तैयारी, मासिक वेतन तथा पेंशन बिल, अन्य व्यक्तिगत प्रतिपूर्ति जैसे चिकित्सा, एल.टी.सी. बिल, अग्रिम इत्यादि, वस्तुओं की खरीद के लिये बिल भुगतान प्रक्रिया, कार्य, संविदा इत्यादि, पूर्व लेखा परीक्षा, बाह्य लेखा परीक्षा के साथ समन्वयन तथा वित्त तथा लेखा से जुड़े अन्य मसलों के लिये उत्तरदायी होता है। बाहरी ऑडिट और अन्य संबंधित मामलों की देखभाल आंतरिक ऑडिट द्वारा की जाती है। यह सभी वित्तीय मसलों पर समयबद्ध परामर्श देता है तथा वित्तीय भागीदारी, लेखा बयान, उपयोगिता प्रमाण–पत्र इत्यादि हेतु सभी प्रस्तावों के परीक्षण हेतु प्रभावी सहायता प्रदान करता है। वित्त अधिकारी वित्त समिति का सदस्य सचिव होता है जो संस्थान के वित्त, निर्देशन तथा विभिन्न श्रेणियों के लिये व्यय की सीमा का पर्यवेक्षण करता है। पिछले पांच वर्षों में शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान नीचे दी गई तालिका में निम्नांकित है :

प्राप्त अनुदान का व्यौरा (2017–2023) (रु. लाख में)

क्र. सं.	शीर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1.	सहायता अनुदान (योजना) सहायता अनुदान (योजनेतर)	3184.71	4559.46	3688.00	2986.58	5184.37
	आंतरिक प्राप्तियां	34.69	39.15	66.76	21.78	53.24
	योग	**3219.40**	**4598.61**	**3688.00**	**3008.36**	**5237.61**
2.	व्यय (योजना) व्यय (योजनेतर)	3491.89	4314.43	3352.41	3366.56	5052.17
	योग	**3491.89**	**4314.43**	**3352.41**	**3366.56**	**5052.17**
3.	आंतरिक प्राप्तियां व्यय के प्रतिशत के रूप में	1%	0.91%	2%	0.65%	1.05%
4.	सहायता अनुदान व्यय के प्रतिशत के रूप में	100%	94.63%	90.90%	112.72%	97.45%

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2018–19 से 2022–23 के दौरान सहायता अनुदान में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है और इसी अनुपात में इसका व्यय भी बढ़ा है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नीपा अपनी मुख्य गतिविधियों को पर्याप्त महत्व दे रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन/हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के तहत हिंदी कक्ष का प्रमुख कार्य संस्थान के शोध जर्नल 'परिप्रेक्ष्य' के प्रकाशन, संपादन व प्रसार में सहयोग के साथ हिंदी भाषी क्षेत्रों से शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्र में हिंदी भाषा में शोध लेखन को बढ़ावा देना है। संस्थान की शोध पत्रिका के माध्यम से देश के अन्य हिस्सों से राष्ट्रीय फलक पर देशज मेधा को सामने लाना, जिसके तहत राष्ट्रीय स्तर पर नीपा के अकादमिक विद्वानों के सहयोग व सहभागिता के माध्यम से 'परिप्रेक्ष्य शोध संवाद एवं विमर्श श्रृंखला' का आयोजन। इसके अलावा हिदी कक्ष संस्थान के विभिन्न विभागों से सहयोग में अकादमिक पाठयक्रम, प्रशिक्षण सामग्रियों का हिदी संस्करण मुहैया कराता है। हिंदी कक्ष के प्रमुख कार्यों में से एक संस्थान की समाचार पत्रिका (न्यूज लेटर) में सहयोग प्रदान करना है।

इन अकादमिक सहयोगों के अतिरिक्त हिंदी कक्ष प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन व प्रयोग को बढ़ावा देने का कार्य निरंतर कर रहा है। इस स्तर पर हिंदी कक्ष द्वारा संस्थान के प्रशासनिक प्रकाशनों जैसे वार्षिक रिपोर्ट, विवरणिका व अन्य दस्तावेजों आदि का हिंदी संस्करण मुहैया कराने के साथ संस्थान के विभिन्न अनुभाग अधिकारियों के सहयोग से हिदी भाषा में टिप्पण व लेखन कार्यों को राजभाषा नियमावली के तहत सुनिश्चित किया जाता है। इसके साथ–साथ शिक्षा मंत्रालय व राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के समय–समय पर प्राप्त निर्देशों का अनुपालन तथा कार्यान्वयन कक्ष द्वारा सुनिश्चित कराया जाता है। इस श्रृंखला में हर वर्ष हिंदी दिवस पर हिंदी पखवाड़े का आयोजन हिंदी कक्ष द्वारा किया जाता है।

'परिप्रेक्ष्य' शोध संवाद एवं विमर्श श्रृंखला

परिप्रेक्ष्य शोध संवाद एवं विमर्श श्रृंखला के अंतर्गत पहली दो दिवसीय कार्यशाला "समाजिक विज्ञान और मानविकीः हिंदी में चिंतन विमर्श तथा अकादमिक लेखन" नीपा एवं बीएचयू के संयुक्त तत्वावधान में ''मानवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र बीएचयू'' में आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों के साथ नीपा के अकादमिक विद्वानों ने भी हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं में लेखन एवं प्रकाशन की चुनौतियों पर चर्चा की एवं शोधपत्र प्रस्तुत किया।

'परिप्रेक्ष्य'

संस्थान की शोध पत्रिका 'परिप्रेक्ष्य' के पश्च संस्करणों को अद्यतन करने की प्रक्रिया में इस वार्षिक सत्र में परिप्रेक्ष्य के दिसंबर 2019 और अप्रैल 2020; अगस्त और दिसंबर 2020; अप्रैल तथा अगस्त 2021; दिसंबर 2021 तथा अप्रैल 2022 तक का संपादन कार्य पूर्ण किया गया।

हिंदी दिवस

हिंदी दिवस 14 सितंबर, 2022 के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताओं का आयोजन 14 सितंबर से 28 सितंबर, 2022 तक हिंदी पखवाड़े के दौरान किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी सुलेख प्रतियोगिता (केवल एम.टी.एस. और वाहन चालकों के लिए), हिंदी टिप्पण और प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रत्येक प्रतियोगिता में उपस्थित प्रतिभागियों के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया गया। हिंदी दिवस पर पूरे पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में संस्थान की प्रतिभागिता बहुत उत्साहपूर्ण रही।

राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय तथा 'अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद' के आदेशानुसार सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में (25–31, अक्टूबर, 2022) सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना था। राष्ट्रीय एकता दिवस पर हिन्दी कक्ष द्वारा दिनांक 02 नवंबर, 2022 को हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ एवं पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया गया।

सतर्कता सप्ताह का आयोजन

दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 से 6 नवंबर, 2022 तक आयोजित सतर्कता सप्ताह के दौरान संस्थान में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एक अन्य कार्यक्रम में हिंदी कक्ष द्वारा दिनांक 03 नवंबर 2022 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय पक्ष यह रहा कि इन कार्यक्रमों में संस्थान कर्मियों के अतिरिक्त विद्यार्थियों की प्रतिभागिता सराहनीय रहीं।

कार्यशालाओं का आयोजन (24–25 मई, 2022 एवं 26 दिसंबर, 2022)

(i) हिंदी कक्ष द्वारा राजभाषा हिंदी के कर्यान्वयन के अनुपालन में दिनांक 24–25 मई, 2022 के दौरान दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का विषय क्रमशः (i) ''राजभाषा हिंदी में काम करने की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन'' तथा (ii) ''राजभाषा नीति का कार्यान्वयन'' था। इस कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति एवं मुख्य वक्ता के रूप में श्री प्रेम सिंह, सेवानिवृत्त, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), गृह मंत्रालय को आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को कुलसचिव महोदय द्वारा प्रमाण–पत्र से सम्मानित भी किया गया।

(ii) हिंदी कक्ष द्वारा राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन हेतु दिनांक 26 दिसंबर, 2022 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषयः ''हिंदी टाइपिंग की चुनौतियाँ और अभ्यास'' रखा गया। यह कार्यशाला संस्थान के सभी प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परियोजना स्टाफ के लिए आयोजित की गई। इस कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति एवं मुख्य वक्ता के रूप में श्री अरूणेश कुलश्रेष्ठ (सेवानिवृत्त), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दैनिक कार्य के अलावा नीपा के हिन्दी कक्ष ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किएः

(i) वार्षिक रिपोर्ट 2021–2022 का हिन्दी अनुवाद एवं प्रकाशन।

(ii) राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में चार त्रैमासिक (जनवरी–मार्च 2023, अप्रैल–जून 2022, जुलाई–सितम्बर 2022, अक्तूबर–दिसम्बर 2022) रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गईं।

(iii) संस्थान की हिंदी वेबसाइट का नवीन संस्करण तैयार किया गया

(iv) प्रशिक्षण कार्यक्रम 2022–2023 का हिन्दी अनुवाद।

(v) नीपा के निगम ज्ञापन और नियमावली का हिन्दी अनुवाद कार्य पूर्ण किया।

(vi) उपरोक्त कार्य के अलावा संस्थान के हिन्दी प्रकोष्ठ ने आर.टी.आई, परिपत्र, नोटिस, पत्र, प्रशिक्षण सामग्री इत्यादि का हिन्दी अनुवाद किया।

व्यक्तिगत योगदानः

- विश्व पुस्तक मेले में केन्द्रीय मंच एम्फीथियेटर, प्रगति मैदान में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) एवं रेख्ता फाउंडेशन के आमंत्रण पर हिंदी संपादक डॉ. रवि प्रकाश द्वारा कविता का पाठ
- हिंदी संपादक द्वारा नीपा संगोष्ठी श्रृंखला के तहत आयोजित कार्यक्रम में 'ज्ञान की राजनीति' पुस्तक पर लेखक मणिन्द्रनाथ ठाकुर से परिचर्चा की गयी।
- परिप्रेक्ष्य शोध संवाद एवं विमर्श श्रृंखला के तहत बीएचयू में "समाजिक विज्ञान और मानविकीः हिंदी में चिंतन विमर्श तथा अकादमिक लेखन" विषय पर आयोजित कार्यशाला में "हिंदी और भारतीय भाषाओं में उच्च कोटि के अनुसंधान, लेखन और प्रकाशन की चुनौतियाँ" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

संकाय का अकादमिक योगदान

एन.वी. वर्गीज

कुलपति **(01 अप्रैल से 06 दिसंबर 2022)**

प्रकाशन

पुस्तकें

इंडिया हायर एजूकेशन रिपोर्ट 2022: वूमन इन हायर एजुकेशन (निधि एस. सभरवाल के साथ), नई दिल्ली, रूटलेज (प्रेस में)।

हायर एजुकेशन गर्वनेंस एंड ऑटोनामी इन इंडिया चैलेंजेज, अपरच्युनिटीज (गरिमा मलिक के साथ), स्प्रिंगर (प्रेस में)।

परसिसटिंग चैलेंजेज आफ इक्विटी, क्वालिटी एंउ इंक्लूजन इन एजुकेशन – इनसाइट एंड वे फारवर्ड (ए. मंगलागिरी और ए. मैथ्यू के साथ), नई दिल्ली, रूटलेज (प्रेस में)।

इनोवेशंस इन फानेंसिंग हायर एजुकेशन, (जिनुशा पानिग्रही के साथ), नई दिल्ली, स्प्रिंगर 2022।

फाइनेंसिंग इन हायर एजुकेशन (टेफेरा, डी., चाकोन, ई., एस्क्रिबेंस, एम., जॉनस्टोन, बी., माले बैसेट, आर., पेड्रो, एफ और रोजर, जे के साथ संयुक्त रूप से) (विश्व उच्च शिक्षा सम्मेलन के लिए नियुक्त), पेरिस, यूनेस्को, 2022।

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2021: प्राइवेट हायर एजुकेशन (जिनुशा पानिग्रही के साथ), नई दिल्ली, रूटलेज, 2022।

चेंजिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया (चटोपाध्याय, सौमेन और साइमन मार्जिन्सन के साथ), लंदन, ब्लूम्सबरी अकादमिक 2022।

आलेख और अध्याय

''भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन और शैक्षणिक अखंडता'', ईटन में, सारा इलेन द्वारा संपादित *हैंडबुक ऑफ एकेडमिक इंटीग्रिटी,* स्प्रिंगर नेचर (प्रकाशनाधीन)।

उच्च शिक्षा प्रशासन और संस्थागत स्वायत्तता: एक सिंहावलोकन, अध्याय 1: भारत में उच्च शिक्षा प्रशासन और स्वायत्तता: चुनौतियाँ, अवसर (गरिमा मलिक के साथ), स्प्रिंगर (प्रकाशनाधीन)।

उच्च शिक्षा में महिलाएं: एक सिंहावलोकन अध्याय 1: भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2022 में उच्च शिक्षा में महिलाएं (निधि एस. सभरवाल के साथ), नई दिल्ली, रूटलेज (प्रकाशनाधीन)।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अफ्रीकन हायर एजुकेशन में एशिया में अकादमिक सहयोग: भारत में विशेष महत्व, वॉल्यूम 9; नंबर 3, 2022।

'भारत में उच्च शिक्षा और अनुसंधान की संभावनाएं' *ज्ञानोत्तर समाज में उच्च शिक्षा और अनुसंधान: भावी दुनिया के लिए परिदृश्य में,* जैकब, मर्लेय किर्नी, मैरी–लुईस और मीक, वी.लीक, द्वारा संपादित, न्यू कैसल, कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशर्स, 2022, पीपी. 202–219।

भारत में उच्च शिक्षा का भविष्य: व्यापकीकरण से सार्वभौमिकरण तक (निधि एस. सभरवाल के साथ), सीपीआरएचई शोध पत्र संख्या 16, नई दिल्ली,

सीपीआरएचई/नीपा।

'शिक्षा और अनुसंधान में भारत और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग', विश्वविद्यालय न्यूज, वॉल्यूम. 60 (45) नवंबर 2022, पीपी 17–21।

निजी उच्च शिक्षा: एक सिंहावलोकन, *भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2021*: (जिनुशा पाणिग्रही के साथ), नई दिल्ली, रूटलेज, 2022 पृष्ठ 1–16।

दक्षिण एशिया में हिस्सेदारी नीतियां (निधि एस. सभरवाल के साथ) परियोजना रिपोर्ट ल्यूमिना फाउंडेशन, यूएसए 2022 को सौंपी गई।

बैठकों में भागीदारी

4 अप्रैल, 2022 को यूनेस्को, बैंकॉक द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा के अधिकार पर ऑनलाइन पैनल चर्चा।

4 अप्रैल 2022 को होटल ताज मानसिंह, नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के साथ वार्षिक अभिभाषण बैठक।

अप्रैल, 2022 को ऑस्ट्रेलियाई दूतावास, नई दिल्ली में एनईपी 2020 पर चर्चा।

अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में अकादमिक सहयोग पर 26–28 अप्रैल, 2022 तक अदीस अबाबा और हेफाला सम्मेलन में सेंट मैरी यूनिवर्सिटी और अफ्रीका उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी।

27 अप्रैल, 2022 को अदीस अबाबा में अकादमिक सहयोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन मुख्य भाषण।

5 मई, 2022 को निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा के सुधार विषय पर व्याख्यान।

9 मई, 2022 को ल्यूमिना फाउंडेशन द्वारा (जमील सालमी के नेतृत्व में) आयोजित इक्विटी नीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान समूह के साथ ऑनलाइन बैठक में भागीदारी।

12 मई, 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया में मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा बैठक का आयोजन।

27 मई, 2022 को एस्पायर, नई दिल्ली की गवर्निंग बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

31 मई, 2022 को एशिया आर्थिक और सामाजिक सर्वेक्षण पर दक्षिण एशिया नीति संवाद में ऑनलाइन भागीदारी।

6 जून, 2022 को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की योजना बोर्ड की बैठक में ऑनलाइन भागीदारी।

7 जून, 2022 को ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा उच्च शिक्षा पर आयोजित बैठक में भागीदारी।

13 जून, 2022 को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, मुंबई में एनईपी 2020 पर व्याख्यान।

15 जून, 2022 को सीमैट, इलाहाबाद द्वारा आयोजित बैठक में ऑनलाइन व्याख्यान।

16 जून, 2022 को कन्नूर विश्वविद्यालय के एचआरडीसी द्वारा आयोजित सेमिनार में एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा पर ऑनलाइन व्याख्यान।

17 जून, 2022 को शिक्षा मंत्रालय के साथ बैठक।

22 जून, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में संसदीय समिति दल का दौरा।

23 जून, 2022 को बोस्टन विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा केंद्र (सीआईएचई) की सलाहकार समूह की बैठक में भागीदारी।

28 जून, 2022 को भारतीय उच्च शिक्षा और छात्र प्रवाह पर केएचडीए, दुबई के साथ ऑनलाइन बैठक।

6 जुलाई, 2022 को फिनलैंड दूतावास, नई दिल्ली द्वारा स्कूली शिक्षा पर बैठक आयोजित।

12 जुलाई, 2022 को होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली में आयोजित ऑस्ट्रेलियाई मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के लिए अंतर्राष्ट्रीयकरण और एनईपी 2020 पर व्याख्यान।

14 जुलाई, 2022 को एनसीटीई की ऑनलाइन सामान्य निकाय बैठक में भागीदारी।

16 जुलाई, 2022 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में वैश्विक अधिगम संकट और अधिगम की बढ़ रही कमियों पर प्रथम खंडेलवाल मेमोरियल व्याख्यान दिया।

28 जुलाई, 2022 को बौद्धिक विरासत के अध्ययन पर सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के साथ ऑनलाइन बैठक।

28 जुलाई, 2022 को फिक्की उच्च शिक्षा समिति की बैठक

29 जुलाई, 2022 को अंबेडकर सभागार, नई दिल्ली में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एनईपी 2020 की दूसरी वर्षगांठ में भागीदारी।

5 अगस्त, 2022 को नीपा में उत्तर प्रदेश के शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता विकास के लिए नीपा समर्थन पर उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त सचिव आराधना शुक्ला के साथ बैठक।

6 जुलाई, 2022 को पूर्व छात्र संघ, मुंबई स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी के लिए एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा क्षेत्र के निहितार्थ पर ऑनलाइन व्याख्यान।

9 अगस्त, 2022 को यूनेस्को, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की संपादकीय बोर्ड की बैठक।

23 अगस्त, 2022 को यूजीसी द्वारा आयोजित विश्वविद्यालयों में अनुसंधान कक्ष पर ऑनलाइन बैठक।

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में नीपा स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा व्याख्यान।

24 अगस्त, 2022 को एआईएमए द्वारा अकादमिक नेतृत्व के लिए केवल नोहरिया पुरस्कार हेतु उम्मीदवार का चयन करने के लिए जूरी बैठक।

26 अगस्त, 2022 को एनईपी 2020 पर कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में भागीदारी।

2 सितंबर, 2022 को यूआईसी, पुणे द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा और समानता पर ऑनलाइन व्याख्यान।

5 सितंबर, 2022 को ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक, ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली।

5 सितंबर, 2022 को अशोक होटल, नई दिल्ली में एनसीईआरटी और शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित शिक्षक पुरस्कार समारोह में भागीदारी।

6 सितंबर, 2022 को अंबेडकर हाउस, नई दिल्ली में राज्य मंत्री द्वारा आयोजित शिक्षक पुरस्कार समारोह में भागीदारी।

7 सितंबर, 2022 को ल्यूमिना फाउंडेशन द्वारा आयोजित समता नीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान समूह के साथ ऑनलाइन बैठक।

9 सितंबर, 2022 को 'राष्ट्र निर्माण में शिक्षक' विषय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली और टीआईएसएस, मुंबई द्वारा पैनल चर्चा।

20 सितंबर, 2022 को आईटीसी मौर्य शेरेटन में यूनेस्को, नई दिल्ली द्वारा शिक्षा की स्थिति पर सम्मेलन में भागीदारी।

20 सितंबर, 2022 को ललित होटल, नई दिल्ली में नॉर्डिक सेंटर द्वारा आयोजित सेमिनार में 'अंतरसांस्कृतिक परिप्रेक्ष्यः भावी पीढ़ियों के लिए शिक्षकों को तैयार करना' विषय पर व्याख्यान।

23 सितंबर, 2022 को नीपा द्वारा आयोजित शिक्षा पर बौद्धिक विरासत अध्ययन की सलाहकार समिति की बैठक।

शिक्षकों पर यूजीसी उप–समिति की बैठक 28 सितंबर, 2022।

शिक्षकों पर यूजीसी उप–समिति की बैठक 7 अक्टूबर, 2022।

शिक्षकों पर यूजीसी उप–समिति की बैठक 10 अक्टूबर, 2022।

11 अक्टूबर, 2022 को अध्यक्ष, यूजीसी के साथ यूजीसी उप–समिति की बैठक।

14 अक्टूबर, 2022 को यूनेस्को द्वारा शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट पर संपादकीय बोर्ड की बैठक।

18 अक्टूबर, 2022 को एआईयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित छात्र विकास सूचकांक की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समिति।

21 अक्टूबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नीपा दीक्षांत समारोह और डिग्री पुरस्कार समारोह।

2 नवंबर, 2022 को पेकिंग विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को उच्च शिक्षा के वित्तपोषण पर ऑनलाइन व्याख्यान।

3 नवंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड (यूक्यूएआईबी) की ऑनलाइन बैठक।

10 नवंबर, 2022 को गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा में एआईयू द्वारा आयोजित शिक्षण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विषय पर व्याख्यान।

11 नवंबर, 2022 को इंडिया हैवीटेड सेंटर, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित मौलाना आजाद मेमोरियल व्याख्यान।

15 नवंबर, 2022 को बौद्धिक विरासत सीईएसएस हैदराबाद सलाहकार समिति की बैठक।

18 नवंबर, 2022 को इंदिरा गांधी स्टेडियम में फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में 'विश्व स्तरीय संकाय विकास' पर पैनल चर्चा।

22 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में नीपा हीरक जयंती समारोह का आयोजन किया।

23 नवंबर, 2022 को लीला एंबिएंस, कड़कड़डूमा, दिल्ली में आयोजित शिक्षा नेतृत्व शिखर सम्मेलन में वक्ता।

28–29 नवंबर, 2022 को सिंगापुर में ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर सेमिनार में भागीदारी और प्रस्तुति।

29 नवंबर, 2022 को एएसईएफ कार्यालय, सिंगापुर में एएसईएफ द्वारा अनुसंधान निष्कर्षों पर चर्चा बैठक में भागीदारी।

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेख/टिप्पणी

''स्टेट्स पेपर ऑन इंसीडेंस एंड ट्रेंड्स आफ ड्रॉपआउट्स इन स्कूल एंड हायर एजूकेशन इन इंडिया'' मसौदा शोध पत्र अक्टूबर 2022 में संशोधित।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों एवं सम्मेलनों में भागीदारी

27–28 मार्च, 2023 तक नीपा द्वारा राव तुला राम मार्ग, यूएसआई परिसर, नई दिल्ली में आयोजित ''एनईपी 2020 और भारत में गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली के संस्थागतकरणः शाला सिद्धि कार्यक्रम से अंतर्दृष्टि'' पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक में 'साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार पर पैनल चर्चा' में सत्र की अध्यक्षता।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित/आयोजित

31 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2022 तक असम के गुवाहाटी में आयोजित ''उत्तर–पूर्वी राज्यों में परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धति'' पर (डॉ. एन. के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी के साथ) प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य का संचालन

22–24 फरवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली में आयोजित सीमैट निदेशकों की वार्षिक बैठक में (डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी के साथ) एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य का संचालन।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागीदारी

2022–23 में संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार और सेमिनार सहित विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में भागीदारी।

नीपा के एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनार में भागीदारी।

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

11 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित मौलाना आजाद मेमोरियल व्याख्यान में भागीदारी।

प्रशिक्षण सामग्री/पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2022/23 में अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–1 (शिक्षा में आर्थिक परिप्रेक्ष्य) का सहयोगी संकाय के रूप में संचालन।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2022–23 में अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–6 (शैक्षिक योजना) का पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में संचालन।

सितंबर 2022 में 'पीजीडेपा पाठ्यक्रम सं. 903: शैक्षिक योजनाः अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण' का सह–संकाय के रूप में संचालन।

जुलाई 2021 में पीजीडेपा (चरण–II) मूडल लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग 'ऑनलाइन उन्नत पाठ्यक्रम संख्या 907: शैक्षिक योजना' के पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में आयोजन।

(डॉ. एन.के. मोहंती, डॉ. सुमन नेगी और डॉ. सांत्वना मिश्रा के साथ) वित्तीय वर्ष 2023–24 में निम्नलिखित मॉड्यूल को पूरा करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित निम्नलिखित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की प्रक्रिया को आरंभ किया:

- स्कूल आयु जनसंख्या अनुमान पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- एनईपी 2020: स्कूली शिक्षा में नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय अनुमानों पर ध्यान केंद्रण के साथ नामांकन प्रक्षेपण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- स्कूली शिक्षा की निगरानी, व्याख्याएं और योजना एवं सेक्टर विश्लेषण पर अनुमान के तरीकों में केपीआई के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल,
- जिला स्कूल शिक्षा विकास योजना में संचयी लक्ष्य निर्धारित करने में परिणाम ढांचे (आरएफ) का उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल; और
- राज्य/जिला स्कूल शिक्षा विकास योजनाओं में हस्तक्षेप डिजाइन करने में तार्किक रूपरेखा आव्यूह (एलएफएम) का उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

31 मार्च 2023 तक, विभाग द्वारा 2023–24 के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में परीक्षण के लिए तीन मसौदा प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए। अन्य दो मॉड्यूल का मसौदा तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

एम.फिल./पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

डॉ जवाहिरा तबस्सुम, स्कूल शिक्षा विभाग, असम सरकार, गुवाहाटी द्वारा "असम के दरांग जिले में प्राथमिक से उच्च प्राथमिक शिक्षा में परिवर्तन: प्रवृत्तियों और रणनीतिक हस्तक्षेपों का विश्लेषण" शीर्षक से पीजीडेपा शोध कार्य का मूल्यांकन और संचालन।

सुहैल अहमद मीर के पीएच.डी. (अंशकालिक) शोध कार्य "भारत में शिक्षा और श्रम बाजार परिणामों में अवसर की असमानता का अध्ययन" शीर्षक का पर्यवेक्षण।

आयशा मलिक के "राजस्थान में स्कूल विलय नीति के परिणामों का जीआईएस आधारित विश्लेषण" शीर्षक से पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

काव्या चंद्रा के "शिक्षा सुधार, कार्यान्वयन और एकाधिक जवाबदेही संबंध: दक्षिण दिल्ली के सरकारी स्कूलों में सुधार कार्यान्वयन का एक अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

गोहर रशीद गनी के पीएच.डी. शोध कार्य "व्यावसायिक शिक्षा के लिए छात्रों की पसंद के निर्धारक" शीर्षक का पर्यवेक्षण।

कारिका दास के "डिजिटल कौशल की ओर वापसी – बैंगलोर तथा दिल्ली–एनसीआर के शहरी स्नातक श्रमिकों का अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

एम.फिल. छात्र गोविंद कुमार साह के शोध निबंध, "सरकारी स्कूलों में लैंगिक समानता: बिहार के सारण और मुजफ्फरपुर जिलों का तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक का मौखिक परीक्षा का मूल्यांकन और संचालन। (एम.फिल. डिग्री 2022 में प्रदान की गई)

एम.फिल. छात्र दिवाकर सोनी के शोध कार्य "सामुदायिक भागीदारी की गतिशीलता और स्कूल सुधार में इसकी भूमिका की खोज: छत्तीसगढ़ में चुनिंदा सरकारी स्कूलों का केस अध्ययन"शीर्षक का मौखिक परीक्षा का मूल्यांकन और संचालन। (एम.फिल. डिग्री 2022 में प्रदान की गई)

मा.सं.वि. मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गई महत्वपूर्ण परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं

सदस्य, शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग के विभागीय सलाहकार बोर्ड, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

सदस्य, पीएमडी के विभागीय सलाहकार बोर्ड, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

सदस्य, वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति, एससीईआरटी, दिल्ली।

सदस्य, डाइट की वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति, कड़कड़डूमा, दिल्ली।

सदस्य, समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन (पहुंच, भागीदारी और

सिविल कार्यों पर अध्याय), की रूपरेखा को संशोधित करने के लिए उप–समिति, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

उच्च शिक्षा के बहु–विषयक संस्थानों में शिक्षा विभाग की स्थापना के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए यूजीसी समिति के सदस्य, 2022।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2022–23 तैयार कर फरवरी, 2023 में विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन।

4 जनवरी, 2017 से यू–डाईस परियोजना में प्रभारी के रूप में, नीपा में यू–डाईस परियोजना का प्रबंधन किया।

सदस्य, स्थायी सलाहकार समिति, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा।

सदस्य, पर्यवेक्षक आवंटन समिति (सीएएस), एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा।

अप्रैल 2022 में गठित यूजीसी अधिनियम 2018 के अनुबंध–VI के कार्यान्वयन के लिए उप–समिति के सदस्य।

सदस्य, नीपा पीएच.डी. पाठ्यक्रम, 2022 के रूपरेखा तैयार करने वाली समिति।

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा।

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा।

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा।

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक नीति विभाग, नीपा।

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग, नीपा।

सदस्य, नीपा फैलोशिप के संवितरण के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के लिए समिति।

सदस्य, नीपा विभागीय पदोन्नति एवं पुष्टिकरण समिति।

अध्यक्ष, नीपा अनुसंधान और नवाचार नीति पर उप–समिति।

सदस्य, नीपा पुस्तक चयन समिति।

सदस्य, नीपा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)।

अध्यक्ष, नीपा तकनीकी समिति।

सदस्य, नीपा प्रकाशनों के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के लिए समिति।

सदस्य, नीपा एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा की रूपरेखा के लिए समिति।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2022–23 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा संचालन।

सदस्य, नीपा एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए साक्षात्कार बोर्ड।

सदस्य, कोर ग्रुप, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में नीपा के संलग्नता।

सदस्य, सीएएस के तहत प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के हेतु नीपा आंतरिक समीक्षा समिति।

सदस्य, योजना और निगरानी समिति, नीपा।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2022 के लिए नवाचारों के मूल्यांकन के लिए एक विशेषज्ञ।

अनुसंधान अध्ययन

1. यू–डाइस डाटा का उपयोग और प्रसार (यू–डाइस परियोजना)

वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, शिक्षा मंत्रालय, राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों, राष्ट्रीय और उप–राष्ट्रीय स्तर के संसाधन संगठनों, विश्वविद्यालय विभागों और भारत और विदेशों के अनुसंधान विद्वानों की सूचना मांगों को पूरा करने के अलावा, विभाग की यू–डाईस परियोजना विशेष रूप से अनुसंधान में डाटा के उपयोग को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से लगा है।

शैक्षिक योजना विभाग अनुसंधान गतिविधियों में सहायता के अलावा, यू–डाईस परियोजना तकनीकी कर्मचारी विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों में संलग्न नीपा संकाय को डेटा प्रदान करते है। मौजूदा वेबसाइट/पोर्टल, ऑनलाइन प्रकाशन, रिपोर्टर मॉड्यूल और यू–डाईस परियोजना के डैशबोर्ड का भी रखरखाव किया गया है।

2. भारत में छात्र परिणाम और नीतिगत मुद्देः यू–डाईस

डाटा के आधार पर 2012–13 से स्कूलों के पैनल प्रदर्शन का विश्लेषण *(अन्वेषकः प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी)*

यह अध्ययन वित्त वर्ष 2022–23 में नीपा से बिना किसी वित्तीय सहायता के शुरू किया गया। वर्ष 2012–13 के बाद से स्कूली शिक्षा (ग्रेड 1–10) की आंतरिक दक्षता में रुझानों का विश्लेषण करने के लिए, ज्यादातर यू–डाईस और यू–डाईस+डेटाबेस से माध्यमिक डाटा का उपयोग करता है। जिसके विशिष्ट उद्देश्य निम्न हैं:

देश के विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों में प्रकार, प्रबंधन और स्थिति के आधार पर 2012–13 से स्कूलों के पैनल की आंतरिक दक्षता में रुझान की समीक्षा करना;

राज्यों में प्रकार, प्रबंधन और स्थिति के आधार पर स्कूली शिक्षा में पुनरावृत्ति और ड्रॉपआउट के कारण होने वाले क्षय का अनुमान लगाना;

वृहद स्तर के प्रमुख सामाजिक–आर्थिक संकेतकों के साथ स्कूलों के पैनल के प्रदर्शन रुझानों को सहसंबंधित करना (क्योंकि अवलोकनों की संख्या <40 होगी; कम से कम स्कैटर प्लॉट का निर्माण किया जा सकता है); और

उन क्षेत्रों की पहचान करके विकास के मुद्दों और उनके स्थानिक स्थिति की पहचान करना जहां गैर–निष्पादित स्कूल स्थित हैं।

2022–23 में प्रगति रिपोर्ट

2012–13 में यू–डाईस में शामिल देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्कूलों के पैनल की पहचान की गई और 2017–18 तक उनका पता लगाया गया।

स्कूलों के इन पैनलों के सभी संबंधित चर पर डाटा और सूचनाएं पुनर्प्राप्त और सारणीबद्ध की गई।

स्कूलों के 2012 पैनल को पुनर्निर्मित समूह पद्धति का उपयोग करके 2017–18 तक उनकी आंतरिक दक्षता को चिन्हित करने के लिए प्रकार, प्रबंधन और स्थान के आधार पर विभाजित किया गया।

आंतरिक दक्षता के प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (ग्रेड प्रमोशन, पुनरावृत्ति, ड्रॉपआउट और उत्तरजीविता दर; प्रति स्नातक निविष्ट, स्नातक दर, आंतरिक दक्षता गुणांक, पुनरावृत्ति और ड्रॉपआउट के कारण अपव्यय) का अनुमान पुनर्निर्मित समूह पद्धति को अपनाकर लगाया गया है।

स्कूलों में प्रमुख सुविधाओं और मुख्य विषय शिक्षकों के समग्र सूचकांक और वृहद स्तर पर प्रमुख सामाजिक–आर्थिक विकास संकेतकों की पहचान और अनुमान लगाया जाना है।

डेटा विश्लेषण प्रगति पर है, अध्ययन वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा होने की उम्मीद है।

3. भारत में स्कूली शिक्षा में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अध्ययन (*अन्वेषकः प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. सांत्वना मिश्रा, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी*)

इस अखिल भारतीय अध्ययन में राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अनुमान लगाने, स्कूली शिक्षा में उपलब्ध सेवा पदों की संख्या या कुछ मुआवजे/भुगतान के लिए एक निश्चित समय पर भरने की आवश्यकता के रूप में परिभाषित किया गया है। दूसरी ओर, 'शिक्षकों की आपूर्ति' को स्कूली शिक्षा और अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्रों के विभिन्न चरणों में मुआवजे/भुगतान के आधार पर अपनी सेवाएं देने में सक्षम और इच्छुक योग्य व्यक्तियों/स्नातकों (सरकारी/संस्थागत मानदंडों और आवश्यकताओं के अनुसार) की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य न केवल भारत में शिक्षक श्रम बाजार की विशेषताओं का एक संक्षिप्त विवरण प्रदान करना है, बल्कि शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का पूर्वानुमान लगाना और साथ ही 2030 तक स्कूली शिक्षा में आवश्यक शिक्षकों के सेवाओं का अनुकरण करना, एनईपी 2020 द्वारा निर्धारित नामांकन लक्ष्यों को हासिल करना है। इसके अलावा, अध्ययन उप–राष्ट्रीय स्तर पर विषय शिक्षकों सहित शिक्षकों के वितरण पैटर्न का विवरण प्रदान करने, स्कूली शिक्षा में प्रभावी शिक्षक प्रबंधन के लिए नीति और कार्यक्रम योजना को सूचित करने में बहुत उपयोगी होगा। फिलहाल, अध्ययन जारी है। स्कूली शिक्षा में भर्ती के लिए उपलब्ध योग्य शिक्षकों के स्टॉक और प्रवाह पर एक व्यापक और अलग–अलग डेटाबेस की अनुपलब्धता के कारण, अध्ययन की प्रगति थोड़ी धीमी हो गई है।

वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रगति रिपोर्ट

अध्ययन से संबंधित निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके हैं:

2012 से 2036 तक सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एकल जनसंख्या (5 से 17) सहित स्कूल आयु जनसंख्या का (प्रस्ताव में बताए गए तार्किक विकास पद्धति का उपयोग करके) अनुमान लगाया गया है।

स्कूली शिक्षा के ग्रेड और चरणों द्वारा छात्र प्रवाह पद्धति का उपयोग कर, 2030–31 तक नामांकन के वैकल्पिक परिदृश्य (स्कूल शिक्षा के ग्रेड और चरणों के अनुसार) बनाए गए हैं।

शिक्षक शिक्षा पर प्रशासनिक डेटा का संग्रह, जिसमें पाठ्यक्रम और पास–आउट द्वारा प्रवेश, केंद्रीय और राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा परिणाम, स्कूली शिक्षा और स्कूल श्रेणी के चरणों के अनुसार राज्य/केंद्र शासित प्रदेश–वार शिक्षक भर्ती मानदंड, और स्कूली शिक्षा चरणों के आधार पर नौकरी त्यागने की दर शामिल है।

अध्ययन वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा होने की उम्मीद है।

सांत्वना जी. मिश्रा

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेख/टिप्पणी

एजुकेशन इंडियाः अ क्वार्टली रेफर्ड जर्नल आफ डायलॉग ऑन एजूकेशन में "**अनुसंधान के प्रति दृष्टिकोण – सामाजिक विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्रों में लैंगिक लेंस से परिप्रेक्ष्य**" शीर्षक से पत्र प्रकाशित (आईएसएसएन 2278–2435, खंड 11, अंक–2)।

"जनरल फॉरमेट आफ रिपोर्टिंग रिसर्च इन द बुक, रिसर्चः इंपेडिमेंट्स एंड सोल्यूशन" शीर्षक से एक अध्याय सीरियल पब्लिकेशंस प्रा.लि., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक में प्रकाशित किया गया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

24–25 मार्च, 2023 को 'शैक्षणिक नवाचार – एनईपी 2020' विषय पर आयोजित बीपीएस विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा द्वारा ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पैनलिस्ट।

10 मार्च, 2023 को राजकीय महिला महाविद्यालय, रायसेन, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित 'उभरते भारत में महिला शक्तिकरण की आवश्यकता एवं चुनौतियों' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार (हिंदी) में मुख्य भाषण।

23 फरवरी, 2023 को सामाजिक कार्य विभाग और शिक्षा विभाग, जीकेवीवी और नेशनल फाउंडेशन फॉर कम्युनल हार्मनी एंड पीस, नई दिल्ली द्वारा "सांप्रदायिक सद्भाव और शांति' (ऑनलाइन) पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण।

16–17 फरवरी 2023 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में सीपीआरएचई, नीपा द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार' में "संस्थागत नेतृत्व, समता नीति, और छात्रों की सफलता का समर्थन करने के लिए संस्थागत अभ्यास" सत्र के लिए प्रतिवेदक।

8 जनवरी, 2023 को "वाणिज्य, प्रबंधन, विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, आईटी और मानविकी के क्षेत्र में महामारी के पश्चात शिक्षा क्षेत्र पर प्रभाव" (ऑनलाइन) विषय पर सरकार द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण और सत्राध्यक्ष। कॉलेज पीथमपुर, मध्य प्रदेश, एनी बेसेंट कॉलेज, इंदौर, रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया और आरएफआई–केयर।

28 जून, 2022 को काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रो. आर.जी. कोठारी व्याख्यान श्रृंखला में 'अनुसंधान में त्रिकोणीय डाटा' (ऑनलाइन) पर सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति।

28 अप्रैल, 2022 को काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रो. आर.जी. कोठारी व्याख्यान श्रृंखला में 'ऑनलाइन मूल्यांकन उपकरणः रूब्रिक्स का निर्माण' पर सत्र के लिए अध्यक्ष (ऑनलाइन)।

25 अप्रैल, 2022 को एसएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन, उस्मानाबाद, महाराष्ट्र द्वारा "आजादी का अमृत महोत्सव – 75 वर्षों में भारत में विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां" विषय पर आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य वक्ता।

16 अप्रैल, 2022 को श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर, मध्य प्रदेश द्वारा "ऑनलाइन शिक्षण अधिगम में वैश्विक उभरते रुझानः चुनौतियां और अवसर" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब सम्मेलन के तकनीकी सत्र में अध्यक्ष।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित/आयोजित

31 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2022 तक असम के गुवाहाटी में आयोजित ''उत्तर–पूर्वी राज्यों में परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धति'' पर (प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी के साथ) प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य का संचालन।

22–24 फरवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली में आयोजित सीमैट निदेशकों की वार्षिक बैठक में (प्रो. के. बिसवाल, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी के साथ) एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य का संचालन।

16–21 जनवरी, 2023 तक आंध्र प्रदेश कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय (एपीसीसीई) के प्राचार्यों के लिए छह दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे बैच के समन्वयक के रूप में (प्रो. कुमार सुरेश के साथ) संचालन किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागीदारी

2022–23 में संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार और सेमिनार सहित विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में भागीदारी।

नीपा के एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनार में भागीदारी।

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

11 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित मौलाना आजाद मेमोरियल व्याख्यान में भागीदारी।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

कोर कमेटी के सदस्य के रूप में, समग्र पाठ्यक्रम संरचना और अंतिम पाठ्यक्रम दस्तावेज विकसित किया। इसके अलावा, समन्वयक के रूप में 'सामाजिक विज्ञान में उन्नत सांख्यिकीय तकनीक' पर एक पाठ्यक्रम विकसित किया और जानकारी प्रदान की तथा एम.ए. (शिक्षा और विकास) के लिए दो अन्य पाठ्यक्रमों विकसित करने के लिए चर्चा में भाग लिया।

सहयोगी संकाय के रूप में (प्रो. रश्मिता दास स्वैन और डॉ. गरिमा मलिक के साथ), एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2022–23 में अनिवार्य पाठ्यक्रम सं. सीसी–5बी {रिसर्च मेथडोलॉजी–II (क्वांटिटेटिव स्ट्रीम)} का संचालन किया। .

सहयोगी संकाय के रूप में (प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. एन. के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी के साथ) अक्टूबर–नवंबर 2022 के दौरान पीजीडेपा पाठ्यक्रम संख्या 903: शैक्षिक योजना: अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण का संचालन किया।

(प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. एन.के. मोहंती, डॉ. सुमन नेगी के साथ) वित्तीय वर्ष 2023–24 में निम्नलिखित मॉड्यूल को पूरा करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित निम्नलिखित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की प्रक्रिया को आरंभ किया:

- स्कूल आयु जनसंख्या अनुमान पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- एनईपी 2020: स्कूली शिक्षा में नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय अनुमानों पर ध्यान केंद्रण के साथ नामांकन प्रक्षेपण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- स्कूली शिक्षा की निगरानी, व्याख्याएं और योजना एवं सेक्टर विश्लेषण पर अनुमान के तरीकों में केपीआई के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल,
- जिला स्कूल शिक्षा विकास योजना में संचयी लक्ष्य निर्धारित करने में परिणाम ढांचे (आरएफ) का उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल; और
- राज्य/जिला स्कूल शिक्षा विकास योजनाओं में हस्तक्षेप डिजाइन करने में तार्किक रूपरेखा आव्यूह (एलएफएम) का उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

31 मार्च 2023 तक, विभाग द्वारा 2023–24 के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में परीक्षण के लिए तीन मसौदा प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए। अन्य दो मॉड्यूल का मसौदा तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

एम.फिल./पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

एसुंगकुम लोंगकुमर, व्याख्याता, डाईट, जुन्हेबोटो, नागालैंड द्वारा ''नागालैंड के डाईट में शिक्षण–अधिगम की प्रक्रिया

में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग की खोज'' शीर्षक से पीजीडेपा शोध प्रबंध कार्य की मौखिक परीक्षा का मूल्यांकन और संचालन किया।

अंकिता सिंह द्वारा ''भारत में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं का अध्ययन'' शीर्षक से पर्यवेक्षित एम.फिल. शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण।

रश्मि मिश्रा द्वारा ''विज्ञान शिक्षा में नीति कार्यान्वयन: उत्तर प्रदेश में ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों की स्थिति का अध्ययन'' शीर्षक से पीएच.डी. शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

23 जनवरी, 2023 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉ. बी.ए.एम.यू., औरंगाबाद में मानवाधिकार और सामाजिक समावेशन में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''सामाजिक समावेशन – एनईपी–2020 क्या कहता है...'' पर सत्र आयोजित किया।

10 फरवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, डॉ. बी.ए.एम. यू., औरंगाबाद में शिक्षक शिक्षा में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – शिक्षक शिक्षा के निहितार्थ'' पर सत्र आयोजित किया।

आधिकारिक एवं अन्य समितियों की सदस्यता

सदस्य, परामर्श एवं संसाधन सृजन समिति (फरवरी 2023)।

सदस्य, शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (दिसंबर 2022) के लिए प्राप्त आवेदनों के मूल्यांकन के लिए समिति।

संकाय समन्वयक, वार्षिक रिपोर्ट 2021–22।

सदस्य, कार्यक्रम समन्वय समिति, एनएएसी सहकर्मी दल का दौरा (अक्टूबर 2022)।

समन्वयक, दीक्षांत समारोह प्रकाशन समिति (अगस्त 2022)।

सदस्य, दीक्षांत समारोह क्रय समिति (अगस्त 2022)।

सदस्य, हीरक जयंती समारोह क्रय समिति (सितंबर–अक्टूबर 2022)।

सदस्य, एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम के आवेदनों की जांच समिति, (जून 2022)।

सदस्य, एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम के लिखित परीक्षा पांडुलिपि के मूल्यांकन समिति, (जून 2022)।

सदस्य, हीरक जयंती समारोह समिति (मई–नवंबर 2022)।

सदस्य, शिक्षा और विकास में मास्टर ऑफ आर्ट्स के लिए कोर समिति (अप्रैल 2022)।

सदस्य, प्लेसमेंट सेल, नीपा (1 फरवरी, 2022 से)।

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा (28 दिसंबर, 2021 से)।

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा (28 दिसंबर, 2021 से)।

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक योजना विभाग (नवंबर 2021 से)।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, डॉ. होमी भाभा राज्य विश्वविद्यालय, मुंबई (5 दिसंबर, 2020 से)।

आजीवन सदस्य, भारतीय शिक्षक प्रशिक्षक संघ (आईएटीई)।

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर)।

आजीवन सदस्य, महाराष्ट्र शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबंधन परिषद।

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (आईएसएसए)।

आजीवन सदस्य, रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया।

अनुसंधान अध्ययन

भारत में स्कूली शिक्षा में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अध्ययन (*अन्वेषक प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. सांत्वना मिश्रा, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी*)

इस अखिल भारतीय अध्ययन में राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अनुमान लगाने, स्कूली शिक्षा में उपलब्ध सेवा पदों की संख्या या कुछ मुआवजे/भुगतान के लिए एक निश्चित समय पर भरने की आवश्यकता के रूप में परिभाषित किया गया है। दूसरी ओर, 'शिक्षकों की आपूर्ति' को स्कूली शिक्षा और अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्रों के विभिन्न चरणों में मुआवजे/भुगतान के आधार पर अपनी सेवाएं देने में सक्षम और इच्छुक योग्य व्यक्तियों/स्नातकों (सरकारी/संस्थागत मानदंडों और आवश्यकताओं के अनुसार) की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य न केवल भारत में शिक्षक श्रम बाजार की विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण प्रदान करना है, बल्कि शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का पूर्वानुमान लगाना और साथ ही 2030 तक स्कूली शिक्षा में आवश्यक शिक्षकों के सेवाओं का अनुकरण करना, एनईपी 2020 द्वारा निर्धारित नामांकन लक्ष्यों को हासिल करना है। इसके अलावा, अध्ययन उप–राष्ट्रीय स्तर पर विषय शिक्षकों सहित शिक्षकों के वितरण पैटर्न का विवरण प्रदान करने, स्कूली शिक्षा में प्रभावी शिक्षक प्रबंधन के लिए नीति और कार्यक्रम योजना को सूचित करने में बहुत उपयोगी होगा। फिलहाल, अध्ययन जारी है. स्कूली शिक्षा में भर्ती के लिए उपलब्ध योग्य शिक्षकों के स्टॉक और प्रवाह पर एक व्यापक और अलग–अलग डेटाबेस की अनुपलब्धता के कारण, अध्ययन की प्रगति थोड़ी धीमी हो गई है।

वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रगति रिपोर्ट

अध्ययन से संबंधित निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके हैं:

2012 से 2036 तक सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एकल जनसंख्या (5 से 17) सहित स्कूल आयु जनसंख्या का (प्रस्ताव में बताए गए तार्किक विकास पद्धति का उपयोग करके) अनुमान लगाया गया है।

स्कूली शिक्षा के ग्रेड और चरणों द्वारा छात्र प्रवाह पद्धति का उपयोग कर, 2030–31 तक नामांकन के वैकल्पिक परिदृश्य (स्कूल शिक्षा के ग्रेड और चरणों के अनुसार) बनाए गए हैं।

शिक्षक शिक्षा पर प्रशासनिक डेटा का संग्रह, जिसमें पाठ्यक्रम और पास–आउट द्वारा प्रवेश, केंद्रीय और राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा परिणाम, स्कूली शिक्षा और स्कूल श्रेणी के चरणों के अनुसार राज्य/केंद्र शासित प्रदेश–वार शिक्षक भर्ती मानदंड, और स्कूली शिक्षा चरणों के आधार पर नौकरी त्यागने की दर शामिल है।

अध्ययन वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा होने की उम्मीद है।

एन. के. मोहंती

प्रकाशन

शोध पत्र/लेख/नोट्स

नीपा समसामयिक पेपर श्रृंखला में ''पब्लिक प्राइवेट मिक्स इन सेकेण्डरी एजुकेशन इन इंडियाः साइज, इन स्कूल फैसिलिटीज एंड इन्टेक प्रोफाइल'' पर एक समसामयिक पत्र प्रकाशित, समसामयिक पेपर संख्या 58, प्रथम प्रकाशित–2022 (3एच)।

''स्कूलिंग प्रोविजन एंड स्कूल परफार्मेंस एट सेकेण्डरी लेवल इन इंडियाः अ कोरेलेशन अनालिसिस'' पर शोध पत्र, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), नीपा, नई दिल्ली के जुलाई 2023 संस्करण में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, वेबिनार और सम्मेलनों में भागीदारी

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 16वें स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

11 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 13वें मौलाना आजाद मेमोरियल व्याख्यान में भागीदारी।

16 मार्च, 2023 को ''ऑपरेशनलाइजिंग एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स एंड डिजी लॉकर'' पर प्रकाश के. पांडे द्वारा ऑनलाइन विशेष व्याख्यान में भागीदारी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित/आयोजित

31 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2022 तक (प्रो. के. बिस्वाल और डॉ. सुमन नेगी के साथ) गुवाहाटी, असम में आयोजित ''उत्तर–पूर्वी राज्यों में परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धति'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

22–24 फरवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली में आयोजित सीमैट निदेशकों की वार्षिक बैठक में संसाधन व्यक्ति। (प्रो. के. बिस्वाल और डॉ. सुमन नेगी के साथ)

प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागीदारी

2022–23 में संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार और सेमिनार सहित विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में भागीदारी

नीपा के एम.फिल और पीएचडी कार्यक्रमों के सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनार में भाग लिया।

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में भाग लिया।

11 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान में भाग लिया।

प्रशिक्षण सामग्री/पाठ्यक्रम विकसित एवं संचालित

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2022–23 के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम सीसी–6 (शैक्षिक योजना) पर (प्रो. के. बिस्वाल के साथ) संचालन।

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, अगस्त–नवंबर 2022 के दौरान पीजीडेपा पाठ्यक्रम सं. 903: शैक्षिक योजना: अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण का संचालन किया।

पीजीडेपा (चरण ।।) ऑनलाइन उन्नत पाठ्यक्रम सं. 907: शैक्षिक योजना, मूडल लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग पाठ्यक्रम संयोजक के रूप संचालन किया।

एमए में दो मुख्य पाठ्यक्रमों शिक्षा और विकास एवं तीन वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के विकास और मसौदा पाठ्यक्रम की तैयारी में सहायता की।

सेक्टर निदानः पहुंच और भागीदारी के संकेतक, पर संशोधित सिमुलेशन अभ्यास को संशोधित किया, अगस्त 2022।

सेक्टर निदानः पहुंच और भागीदारी के संकेतक, पर संशोधित सिमुलेशन अभ्यास को संशोधित (डॉ. सुमन नेगी के साथ), अगस्त 2022।

अक्टूबर 2022 में जनसंख्या अनुमान पर सिमुलेशन अभ्यास को संशोधित किया।

(प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. सुमन नेगी और डॉ. सांत्वना मिश्रर के साथ) वित्तीय वर्ष 2023–24 में निम्नलिखित मॉड्यूल को पूरा करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित निम्नलिखित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की प्रक्रिया को आरंभ किया:

- स्कूल आयु जनसंख्या अनुमान पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- एनईपी 2020: स्कूली शिक्षा में नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय अनुमानों पर ध्यान केंद्रण के साथ नामांकन प्रक्षेपण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- स्कूली शिक्षा की निगरानी, व्याख्याएं और योजना एवं सेक्टर विश्लेषण पर अनुमान के तरीकों में केपीआई के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल,
- जिला स्कूल शिक्षा विकास योजना में संचयी लक्ष्य निर्धारित करने में परिणाम ढांचे (आरएफ) का उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल; और
- राज्य/जिला स्कूल शिक्षा विकास योजनाओं में हस्तक्षेप डिजाइन करने में तार्किक रूपरेखा आव्यूह (एलएफएम) का उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

31 मार्च 2023 तक, विभाग द्वारा 2023–24 के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में परीक्षण के लिए तीन मसौदा प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए। अन्य दो मॉड्यूल का मसौदा तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

मा.सं.वि.मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गई महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएँ

''एम.ए. शिक्षा कार्यक्रम की स्व–शिक्षण सामग्री का मूल्यांकन'' के लिए विषय विशेषज्ञ सदस्य के रूप में, मैंने मार्च 2023 में दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा के शैक्षिक योजना {पाठ्यक्रम कोड – ईडीएन–306 (बी)} पर पाठ्यक्रम की स्व–शिक्षण सामग्री का मूल्यांकन किया।

मा.सं.वि.मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन की सुविधा के लिए राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और एडब्ल्यूपी और बी) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता प्रदान की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2023–24 तैयार कर 23 फरवरी, 2023 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन।

विनोद सिंह, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, बीईओ कार्यालय, ब्लॉक – मुनस्यारी, उत्तराखंड के पीजीडेपा 2022 शोध प्रबंध ''उत्तराखंड के संदर्भ में शैक्षणिक वर्ष 2020–21 पर यू–डाईस डाटा विश्लेषण'' शीर्षक का पर्यवेक्षण किया।

22 मार्च, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में संसाधन व्यक्ति के रूप में, ''स्कूल शिक्षा में सार्वजनिक नीतियों को तैयार करने में संकेतकों का उपयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनसंख्या अनुमान'' पर सत्र लिया।

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2023–24 में प्रवेश के लिए आवेदनों और अन्य संबंधित गतिविधियों को संसोधित करने में सहायता की।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2022–24 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के संचालन में सहायता की।

समिति के सदस्य के रूप में, शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों हेतु आवेदनों के प्रथम स्तर के मूल्यांकन में सहायता।

नीपा मेस समिति के सदस्य के रूप में, कैंटीन भोजन, छात्रावास मेस भोजन की गुणवत्ता की निगरानी में सहायता की और माहौल और सुविधा में सुधार का परामर्श दिया।

अपशिष्ट प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में, अपशिष्ट प्रबंधन के मामलों पर निरंतर निगरानी, समीक्षा और सिफारिशें करने और उचित प्राधिकारी को समिति की त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में सहायता।

जल संरक्षण नीति समिति के सदस्य के रूप में, जल संरक्षण के मामलों पर निरंतर निगरानी, समीक्षा और सिफारिशें करने और उचित प्राधिकारी को समिति की त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में सहायता।

अनुसंधान अध्ययन

1. ''भारत में माध्यमिक शिक्षा में सार्वजनिक–निजी क्षेत्र का समन्वयः आकार, स्कूल में उपलब्ध सुविधाएं और नामांकन (प्रवेश) की रूपरेखा'' पर एक शोध परियोजना शुरू की। अध्ययन का चरण I पूरा हो चुका है और रिपोर्ट 20 अगस्त, 2020 को प्रस्तुत की गई है। अध्ययन का चरण II प्राथमिक डेटा और नमूना राज्यों से एकत्र की जाने वाली जानकारी पर आधारित है। परियोजना के चरण–II को लागू करने की मंजूरी प्रक्रिया में है।

2. **भारत में छात्र परिणाम और नीतिगत मुद्दे: यू–डाईस डाटा के आधार पर 2012–13 से स्कूलों के पैनल प्रदर्शन का विश्लेषण** *(अन्वेषक: प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी)*

यह अध्ययन वित्त वर्ष 2022–23 में नीपा से बिना किसी वित्तीय सहायता के शुरू किया गया। वर्ष 2012–13 के बाद से स्कूली शिक्षा (ग्रेड 1–10) की आंतरिक दक्षता में रुझानों का विश्लेषण करने के लिए, ज्यादातर यू–डाईस और यू–डाईस+डेटाबेस से माध्यमिक डाटा का उपयोग करता है। जिसके विशिष्ट उद्देश्य निम्न हैं:

देश के विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों में प्रकार, प्रबंधन और स्थिति के आधार पर 2012–13 से स्कूलों के पैनल की आंतरिक दक्षता में रुझान की समीक्षा करना;

राज्यों में प्रकार, प्रबंधन और स्थिति के आधार पर स्कूली शिक्षा में पुनरावृत्ति और ड्रॉपआउट के कारण होने वाले क्षय का अनुमान लगाना;

वृहद स्तर के प्रमुख सामाजिक–आर्थिक संकेतकों के साथ स्कूलों के पैनल के प्रदर्शन रुझानों को सहसंबंधित करना (क्योंकि अवलोकनों की संख्या <40 होगी; कम से कम स्कैटर प्लॉट का निर्माण किया जा सकता है); और

उन क्षेत्रों की पहचान करके विकास के मुद्दों और उनके स्थानिक स्थिति की पहचान करना जहां गैर–निष्पादित स्कूल स्थित हैं।

2022–23 में प्रगति रिपोर्ट

2012–13 में यू–डाईस में शामिल देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्कूलों के पैनल की पहचान की गई और 2017–18 तक उनका पता लगाया गया।

स्कूलों के इन पैनलों के सभी संबंधित चर पर डाटा और सूचनाएं पुनर्प्राप्त और सारणीबद्ध की गई।

स्कूलों के 2012 पैनल को पुनर्निर्मित समूह पद्धति का उपयोग करके 2017–18 तक उनकी आंतरिक दक्षता को चिन्हित करने के लिए प्रकार, प्रबंधन और स्थान के आधार पर विभाजित किया गया।

आंतरिक दक्षता के प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (ग्रेड प्रमोशन, पुनरावृत्ति, ड्रॉपआउट और उत्तरजीविता दर; प्रति स्नातक निविष्ट, स्नातक दर, आंतरिक दक्षता गुणांक, पुनरावृत्ति और ड्रॉपआउट के कारण अपव्यय) का अनुमान पुनर्निर्मित समूह पद्धति को अपनाकर लगाया गया है।

स्कूलों में प्रमुख सुविधाओं और मुख्य विषय शिक्षकों के समग्र सूचकांक और वृहद स्तर पर प्रमुख सामाजिक–आर्थिक विकास संकेतकों की पहचान और अनुमान लगाया जाना है।

डेटा विश्लेषण प्रगति पर है, अध्ययन वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा होने की उम्मीद है।

3. भारत में स्कूली शिक्षा में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अध्ययन (*अन्वेषक प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. सांत्वना मिश्रा, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी*)

इस अखिल भारतीय अध्ययन में राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अनुमान लगाने, स्कूली शिक्षा में उपलब्ध सेवा पदों की संख्या या कुछ मुआवजे/भुगतान के लिए एक निश्चित समय पर भरने की आवश्यकता के रूप में परिभाषित किया गया है। दूसरी ओर, 'शिक्षकों की आपूर्ति' को स्कूली शिक्षा और अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्रों के विभिन्न चरणों में मुआवजे/भुगतान के आधार पर अपनी सेवाएं देने में सक्षम और इच्छुक योग्य व्यक्तियों/स्नातकों (सरकारी/संस्थागत मानदंडों और आवश्यकताओं के अनुसार) की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य न केवल भारत में शिक्षक श्रम बाजार की विशेषताओं का एक संक्षिप्त विवरण प्रदान करना है, बल्कि शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का पूर्वानुमान लगाना और साथ ही 2030 तक स्कूली शिक्षा में आवश्यक शिक्षकों के सेवाओं का अनुकरण करना, एनईपी 2020 द्वारा निर्धारित नामांकन लक्ष्यों को हासिल करना है। इसके अलावा, अध्ययन उप–राष्ट्रीय स्तर पर विषय शिक्षकों सहित शिक्षकों के वितरण पैटर्न का विवरण प्रदान करने, स्कूली शिक्षा में प्रभावी शिक्षक प्रबंधन के लिए नीति और कार्यक्रम योजना को सूचित करने में बहुत उपयोगी होगा। फिलहाल, अध्ययन जारी है. स्कूली शिक्षा में भर्ती के लिए उपलब्ध योग्य शिक्षकों के स्टॉक और प्रवाह पर एक व्यापक और अलग–अलग डेटाबेस की अनुपलब्धता के कारण, अध्ययन की प्रगति थोड़ी धीमी हो गई है।

वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रगति रिपोर्ट

अध्ययन से संबंधित निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके हैं:

2012 से 2036 तक सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एकल जनसंख्या (5 से 17) सहित स्कूल आयु जनसंख्या का (प्रस्ताव में बताए गए तार्किक विकास पद्धति का उपयोग करके) अनुमान लगाया गया है।

स्कूली शिक्षा के ग्रेड और चरणों द्वारा छात्र प्रवाह पद्धति का उपयोग कर, 2030–31 तक नामांकन के वैकल्पिक परिदृश्य (स्कूल शिक्षा के ग्रेड और चरणों के अनुसार) बनाए गए हैं।

शिक्षक शिक्षा पर प्रशासनिक डेटा का संग्रह, जिसमें पाठ्यक्रम और पास–आउट द्वारा प्रवेश, केंद्रीय और राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा परिणाम, स्कूली शिक्षा और स्कूल श्रेणी के चरणों के अनुसार राज्य/केंद्र शासित प्रदेश–वार शिक्षक भर्ती मानदंड, और स्कूली शिक्षा चरणों के आधार पर नौकरी त्यागने की दर शामिल है।

अध्ययन वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा होने की उम्मीद है।

सुमन नेगी

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार एवं सम्मेलनों में भागीदारी

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 16वें स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

11 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 13वें मौलाना आजाद मेमोरियल व्याख्यान में भागीदारी।

27 मई, 2022 को ''शिक्षक शिक्षा में शासन सुधारों को संस्थागत बनाना'' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार में भागीदारी।

16 मार्च, 2023 को प्रकाश के. पांडे द्वारा **''ऑपरेशनलाइजिंग एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स एंड डिजी लॉकर''** पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान में भागीदारी।

6 मई, 2022 को प्रोफेसर बारबरा हैरिस–व्हाइट द्वारा ''भारत की व्यावसायिक अर्थव्यवस्था में दलितों और आदिवासियों का मानचित्रण'' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार में भागीदारी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित/आयोजित

31 अक्टूबर–4 नवंबर, 2022 तक गुवाहाटी, असम में ''उत्तर–पूर्वी राज्यों में परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की पद्धतिष पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।

1–3 मार्च, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली में प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सीमैट के निदेशकों की वार्षिक बैठक का समन्वय किया।

''शैक्षिक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का उपयोग'' विषय पर एम.फिल. कार्यशाला का समन्वय किया। 1–5 अगस्त, 2022 तक निर्धारित प्रथम सप्ताह मात्रात्मक सॉफ्टवेयर पर और 22–26 अगस्त, 2022 के बीच निर्धारित दूसरा सप्ताह गुणात्मक सॉफ्टवेयर पर केंद्रित था।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित एवं संचालित

पाठ्यक्रम संचालित

एम.फिल. कोर्सः शैक्षिक योजना पर अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी6)

पीजीडेपा पाठ्यक्रम सं. 903: शैक्षिक योजना

शैक्षिक योजना पर पीजीडेपा उन्नत पाठ्यक्रम – ऑनलाइन

अक्टूबर 2022 में सेक्टर निदान पर सिमुलेशन अभ्यासः आंतरिक दक्षता के संकेतक का संशोधन।

अक्टूबर 2022 में जनसंख्या अनुमान पर सिमुलेशन अभ्यास का संशोधन।

(प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सांत्वना मिश्रा के साथ) वित्तीय वर्ष 2023–24 में निम्नलिखित मॉड्यूल को पूरा करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित निम्नलिखित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की प्रक्रिया आरंभ कियाः

- स्कूल आयु जनसंख्या अनुमान पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- एनईपी 2020: स्कूली शिक्षा में नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय अनुमानों पर ध्यान केंद्रण के साथ नामांकन प्रक्षेपण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- स्कूली शिक्षा की निगरानी, व्याख्याएं और योजना एवं सेक्टर विश्लेषण पर अनुमान के तरीकों में केपीआई के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल,
- जिला स्कूल शिक्षा विकास योजना में संचयी लक्ष्य निर्धारित करने में परिणाम ढांचे (आरएफ) का उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल; और
- राज्य/जिला स्कूल शिक्षा विकास योजनाओं में हस्तक्षेप डिजाइन करने में तार्किक रूपरेखा आव्यूह (एलएफएम) का उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।
- 31 मार्च 2023 तक, विभाग द्वारा 2023–24 के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में परीक्षण के लिए तीन मसौदा प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए। अन्य दो मॉड्यूल का मसौदा तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

मा.सं.वि.मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गई महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएँ

अनुसंधान सलाहकार समिति एससीईआरटी, गुरुग्राम, हरियाणा के सदस्य के रूप में, अनुसमर्थन देने के लिए बैठकों में भागीदारी।

एम.फिल./पीएचडी, डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

पीएच.डी. द्वितीय वर्ष की छात्रा रुचि पायल के शोध प्रबंध ''प्राथमिक विद्यालयों तक पहुंच में सुधारः राजस्थान में शैक्षिक सुधार कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण समीक्षा'' शीर्षक के पर्यवेक्षक।

पीएच.डी. प्रथम वर्ष के छात्र, गंगा एस. के शोध प्रबंध 'स्कूली शिक्षा के लिए मांग प्राथमिकताएँः दिल्ली और केरल के प्रवासी बच्चों का अध्ययन' शीर्षक के पर्यवेक्षक।

पीएच.डी. प्रथम वर्ष के छात्र, राजीव कुमार के शोध प्रबंध 'चीन–भारतीय तकनीकी शिक्षाः भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में तुलनात्मक अध्ययन' शीर्षक के पर्यवेक्षक।

राजीव कुमार के एम.फिल. शोध प्रबंध – 'बिहार में इंजीनियरिंग संस्थानों का भौगोलिक मानचित्रणः इसकी उपलब्धता का अध्ययन' शीर्षक के पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन। अध्ययन जुलाई 2022 में पूरा हुआ।

सुनीता यादव के पीजीडेपा शोध प्रबंध – 'स्कूल शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी' शीर्षक का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

अनुसंधान अध्ययन

1. भारत में छात्र परिणाम और नीतिगत मुद्दे: यू–डाईस डाटा के आधार पर 2012–13 से स्कूलों के पैनल प्रदर्शन का विश्लेषण *(अन्वेषक: प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी)*

यह अध्ययन वित्त वर्ष 2022–23 में नीपा से बिना किसी वित्तीय सहायता के शुरू किया गया। वर्ष 2012–13 के बाद से स्कूली शिक्षा (ग्रेड 1–10) की आंतरिक दक्षता में रुझानों का विश्लेषण करने के लिए, ज्यादातर यू–डाईस और यू–डाईस+डेटाबेस से माध्यमिक डाटा का उपयोग करता है। जिसके विशिष्ट उद्देश्य निम्न हैं:

- देश के विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों में प्रकार, प्रबंधन और स्थिति के आधार पर 2012–13 से स्कूलों के पैनल की आंतरिक दक्षता में रुझान की समीक्षा करना;
- राज्यों में प्रकार, प्रबंधन और स्थिति के आधार पर स्कूली शिक्षा में पुनरावृत्ति और ड्रॉपआउट के कारण होने वाले क्षय का अनुमान लगाना;
- वृहद स्तर के प्रमुख सामाजिक–आर्थिक संकेतकों के साथ स्कूलों के पैनल के प्रदर्शन रुझानों को सहसंबंधित करना (क्योंकि अवलोकनों की संख्या <40 होगी; कम से कम स्कैटर प्लॉट का निर्माण किया जा सकता है); और
- उन क्षेत्रों की पहचान करके विकास के मुद्दों और उनके स्थानिक स्थिति की पहचान करना जहां गैर–निष्पादित स्कूल स्थित हैं।

2022–23 में प्रगति रिपोर्ट

2012–13 में यू–डाईस में शामिल देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्कूलों के पैनल की पहचान की गई और 2017–18 तक उनका पता लगाया गया।

स्कूलों के इन पैनलों के सभी संबंधित चर पर डाटा और सूचनाएं पुनर्प्राप्त और सारणीबद्ध की गई।

स्कूलों के 2012 पैनल को पुनर्निर्मित समूह पद्धति का उपयोग करके 2017–18 तक उनकी आंतरिक दक्षता को चिन्हित करने के लिए प्रकार, प्रबंधन और स्थान के आधार पर विभाजित किया गया।

आंतरिक दक्षता के प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (ग्रेड प्रमोशन, पुनरावृत्ति, ड्रॉपआउट और उत्तरजीविता दर; प्रति स्नातक निविष्ट, स्नातक दर, आंतरिक दक्षता गुणांक, पुनरावृत्ति और ड्रॉपआउट के कारण अपव्यय) का अनुमान पुनर्निर्मित समूह पद्धति को अपनाकर लगाया गया है।

स्कूलों में प्रमुख सुविधाओं और मुख्य विषय शिक्षकों के समग्र सूचकांक और वृहद स्तर पर प्रमुख सामाजिक–आर्थिक विकास संकेतकों की पहचान और अनुमान लगाया जाना है।

डेटा विश्लेषण प्रगति पर है, अध्ययन वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा होने की उम्मीद है।

2. भारत में स्कूली शिक्षा में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अध्ययन (*अन्वेषक प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. सांत्वना मिश्रा, डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी*)

इस अखिल भारतीय अध्ययन में राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों में शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का अनुमान लगाने, स्कूली शिक्षा में उपलब्ध सेवा पदों की संख्या या कुछ मुआवजे/भुगतान के लिए एक निश्चित समय पर भरने की आवश्यकता के रूप में परिभाषित किया गया है। दूसरी ओर, 'शिक्षकों की आपूर्ति' को स्कूली शिक्षा और अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्रों के विभिन्न चरणों में मुआवजे/भुगतान के आधार पर अपनी सेवाएं देने में सक्षम और इच्छुक योग्य व्यक्तियों/स्नातकों (सरकारी/संस्थागत मानदंडों और आवश्यकताओं के अनुसार) की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य न केवल भारत में शिक्षक श्रम बाजार की विशेषताओं का एक संक्षिप्त विवरण प्रदान करना है, बल्कि शिक्षकों की मांग और आपूर्ति का पूर्वानुमान लगाना और साथ ही 2030 तक स्कूली शिक्षा में आवश्यक शिक्षकों के सेवाओं का अनुकरण करना, एनईपी 2020 द्वारा निर्धारित नामांकन लक्ष्यों को हासिल करना है। इसके अलावा, अध्ययन उप–राष्ट्रीय स्तर पर विषय शिक्षकों सहित शिक्षकों के वितरण पैटर्न का विवरण प्रदान करने, स्कूली शिक्षा में प्रभावी शिक्षक प्रबंधन के लिए नीति और कार्यक्रम योजना को सूचित करने में बहुत उपयोगी

होगा। फिलहाल, अध्ययन जारी है. स्कूली शिक्षा में भर्ती के लिए उपलब्ध योग्य शिक्षकों के स्टॉक और प्रवाह पर एक व्यापक और अलग–अलग डेटाबेस की अनुपलब्धता के कारण, अध्ययन की प्रगति थोड़ी धीमी हो गई है।

वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रगति रिपोर्ट

अध्ययन से संबंधित निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके हैं:

2012 से 2036 तक सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एकल जनसंख्या (5 से 17) सहित स्कूल आयु जनसंख्या का (प्रस्ताव में बताए गए तार्किक विकास पद्धति का उपयोग करके) अनुमान लगाया गया है।

स्कूली शिक्षा के ग्रेड और चरणों द्वारा छात्र प्रवाह पद्धति का उपयोग कर, 2030–31 तक नामांकन के वैकल्पिक परिदृश्य (स्कूल शिक्षा के ग्रेड और चरणों के अनुसार) बनाए गए हैं।

शिक्षक शिक्षा पर प्रशासनिक डेटा का संग्रह, जिसमें पाठ्यक्रम और पास–आउट द्वारा प्रवेश, केंद्रीय और राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा परिणाम, स्कूली शिक्षा और स्कूल श्रेणी के चरणों के अनुसार राज्य/केंद्र शासित प्रदेश–वार शिक्षक भर्ती मानदंड, और स्कूली शिक्षा चरणों के आधार पर नौकरी त्यागने की दर शामिल है।

अध्ययन वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा होने की उम्मीद है।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2023/24 तैयार कर 23 फरवरी, 2023 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया।

सदस्य, समान अवसर एकक के के रूप में, 6 अक्टूबर, 2022 को नीपा ने 'सहज योग ध्यान समतामूलक विश्व की पहचान का पुर्ननिर्माण पर व्याख्यान का आयोजन किया।

2 मई, 2022 को नीपा में आयोजित डॉ. नरेश कुमार मेमोरियल व्याख्यान में 'सामाजिक विज्ञान में निम्नवर्गीय परिप्रेक्ष्यः दार्शनिक और सैद्धांतिक तर्क' पर प्रोफेसर विवेक कुमार द्वारा व्याख्यान का समन्वय किया।

25–29 जुलाई, 2022 तक नीपा में एम.फिल.–पीएच.डी विस्तार व्याख्यान का समन्वय।

10 मार्च, 2023 को मानव संसाधन विकास केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अभिविन्यास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति और 'एनईपी 2020 और ऑनलाइन शिक्षा' पर सत्र लिया।

20–24 मार्च, 2023 तक शैक्षिक नीति विभाग, नीपा द्वारा आयोजित 'नीति निर्माण प्रक्रियाओं और संरचनाओं' पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम में 'नीति निर्माण में साक्ष्य के रूप में डेटा का उपयोग' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में सत्र लिया।

22 मार्च, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में 'स्कूल शिक्षा में सार्वजनिक नीतियों को तैयार करने में संकेतकों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनसंख्या अनुमान' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में, सत्र लिया।

एम.फिल.–पी.एच.डी. संचालन समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल.–पी.एच.डी. कार्यक्रम के प्रबंधन में योगदान।

कोर टीम के सदस्य के रूप में, एम.फिल.–पीएचडी. डिग्री नियमों को संशोधन में सहयोग।

जुलाई 2022–मई 2023 तक दो सेमेस्टर के लिए एम.फिल. –पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों की नियमावली तैयार की।

कोर टीम सदस्य के रूप में, नीपा एम.फिल.–पीएच.डी. विवरणिका 2022–23 के संशोधन में योगदान।

एम.फिल.–पीएच.डी. पाठ्यक्रम की दो अंतिम सत्र परीक्षाओं के लिए डेट शीट तैयार की।

एम.फिल.–पी.एच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2022–23 में प्रवेश के लिए आवेदनों के प्रसंस्करण और अन्य संबंधित गतिविधियों में योगदान।

ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा आयोजित करने, परिणाम तैयार करने और प्रवेश प्रक्रिया में सहयोग।

25 जुलाई, 2023 को नए एम.फिल.–पी.एच.डी. बैच 2022–23 के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का समन्वय किया।

संचालन समिति के सदस्य के रूप में, समर्थ मंच का उपयोग करके पीएच.डी. प्रवेश के लिए ऑनलाइन फॉर्म विकसित करने की प्रक्रिया में योगदान।

नॉक (एनएएसी) कोर टीम के सदस्य के रूप में, नॉक एसएसआर रिपोर्ट तैयार करने में योगदान तथा नॉक की विभिन्न विशेषताओं से संबंधित आंकड़े एकत्र करने और नॉक वेब पेज पर अपलोड और कई दस्तावेज तैयार करने में योगदान।

कोर टीम के सदस्य के रूप में, 12–14 अक्टूबर, 2023 को नीपा में नॉक सहकर्मी दल के दौरे में समन्वय की जिम्मेदारी निभाई।

नीपा परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में, एम.फिल. स्कॉलर्स के लिए अंतिम अवधि की परीक्षाओं और मौखिक परीक्षा का आयोजन किया।

एम.ए. पाठ्यचर्या विकास समिति के सदस्य के रूप में, शिक्षा में नीतिगत विश्लेषण और योजना, सामाजिक विज्ञान में उन्नत सांख्यिकीय तकनीक (डिकोडिंग डेटा), सामाजिक संदर्भ में विकास का आकलन और इसके आधार पर रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने पर पाठ्यक्रम विकसित करने में योगदान।

इग्नू बाह्य मूल्यांकन टीम के सदस्य के रूप में, इग्नू उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन।

पीएच.डी. पाठ्यचर्या संशोधन समिति के सदस्य के रूप में शैक्षिक अनुसंधान के लिए सॉफ्टवेयर के उपयोग पर शैक्षिक योजना और कार्यशाला पाठ्यचर्या के लिए पाठ्यक्रम संशोधन में योगदान।

हीरक जयंती समारोह के लिए कार्यक्रम आयोजन समिति के सदस्य के रूप में, प्रतिभागियों के पंजीकरण की जिम्मेदारी निभाई।

कार्यक्रम संगठन समिति के सदस्य के रूप में, नीपा दीक्षांत समारोह में सहयोग।

नीपा में आयोजित जी20 बैठकों के लिए छात्रों की भागीदारी में अनुसमर्थन।

सदस्य, एम.फिल.–पीएच.डी. संचालन समिति।

सदस्य, नीपा परीक्षा समिति।

सदस्य, नीपा प्रवेश समिति।

सदस्य, समान अवसर प्रकोष्ठ।

सदस्य, नीपा मेस समिति

सदस्य, एनएएसी कोर टीम।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए संपर्क अधिकारी, नीपा।

सदस्य, स्थायी क्रय समिति।

सदस्य, अनुभाग अधिकारी के लिए डीपीसी, नवंबर 2022।

सदस्य, एलडीसी के लिए डीपीसी, अप्रैल 2022।

सदस्य, पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या रूपरेखा समिति।

अध्यक्ष, एलडीसी (बैकलॉग) के लिए जांच समिति, दिसंबर 2022।

सदस्य, परियोजना सलाहकार (शैक्षणिक) और परियोजना सलाहकार (आईटी) के लिए जांच समिति।

सदस्य, वरिष्ठ परियोजना सलाहकार (तकनीकी) के लिए जांच समिति।

सदस्य, कनिष्ठ परियोजना सलाहकार (शैक्षणिक), कनिष्ठ परियोजना सलाहकार (वित्त और प्रशासन) के लिए जांच समिति।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, अनुसंधान समिति, रीप सेल, एससीईआरटी, हरियाणा।

सदस्य, इग्नू बाह्य मूल्यांकन दल।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

प्रो. कुमार सुरेश

पहचान/विशिष्टता

1. प्रोफेसर कुमार सुरेश को उनकी अकादमिक साख और ज्ञान में विशिष्ट योगदान के लिए केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन में **मानद प्रोफेसर** नियुक्त किया है।

2. सेंटर फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन इन एजुकेशन, हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जापान और एमराल्ड पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित ***जर्नल ऑफ इंटरनेशनल कोऑपरेशन इन एजुकेशन*** के संपादकीय बोर्ड के सदस्य नियुक्त।

3. एनआईसीईई ईडीयू सीएमयू 2023 के लिए सलाहकारः शिक्षा संकाय, चियांग माई विश्वविद्यालय, थाईलैंड द्वारा ''**विघटन के युग में स्थिरता के लिए शिक्षा नवाचार**'' पर तीसरा वार्षिक राष्ट्रीय और पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

प्रकाशित दस्तावेज तैयार करने में योगदान

सुरेश, कुमार और सुचरिता वी. (2022), *कम्पेंडियम ऑफ इनोवेशंस एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजुकेशनल एडमिनिसट्रेशन 2020–21 तथा 2021–22* (ड्राफ्ट रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया और प्रकाशानाधीन), नई दिल्ली, नीपा

तीन दस्तावेज तैयार किए– 1) अनुसंधान प्रकाशनों और प्रशिक्षण गतिविधियों का सार–संग्रह; 2) एनईपी 2020 दस्तावेज पर नीपा संकाय की संगोष्ठी भागीदारी; और 3) संस्थागत नीतियों का सार–संग्रह।

एक पुस्तिका जिसका शीर्षक– ''पुरस्कार विजेताओं की प्रोफाइल 2020–21 और 2021–22'' नीपा, नई दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनाएं/अध्ययन

अ) पूर्ण अनुसंधान अध्ययन

अफ्रीकी–एशियाई देशों में बच्चों के अधिगम की समानता पर कोविड–19 का प्रभाव (अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान – पूरा हुआ) *अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश।

एनईपी 2020 कार्यान्वयन का आकलनः उच्च शिक्षा में स्थिति/मुद्दे और मार्ग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए बौद्धिक विरासत का निर्माण की परियोजना।

ब) अनुसंधान अध्ययन जारी है

शैक्षिक प्रशासन का तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण– *अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश।

शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों का **तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण का विषयगत अध्ययन** – *अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. अन्शू श्रीवास्तव।

शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियां पर **तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण का विषयगत अध्ययन** – *अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता।

भारत में शैक्षिक प्रशासन में संघवाद और संघ–राज्य संबंध– **तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण का विषयगत अध्ययन** – *अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश.

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष – *अन्वेषकः* प्रो. कुमार सुरेश और वी. सुचरिता।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(अ) वेबिनार/कार्यशालाओं में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी

20–21 जून, 2022 को नॉक, बेंगलुरु और आईक्यूएसी, आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से ''उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों में नवीन शैक्षणिक और अनुसंधान प्रथाओं के माध्यम से गुणवत्ता संवर्धन पहल'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में एक प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में आमंत्रण पर, 20 जून, 2023 को उच्च शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी पर प्रस्तुति दी।

6–7 नवंबर, 2022 को राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में इंडियन एसोसिएशन ऑफ लाइफ स्किल्स एजुकेशन (आईएएलएसई) विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों और संस्थानों के सहयोग से आयोजित जीवन कौशल शिक्षा पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 4 नवंबर, 2022 को ''महामारी के दौरान भारत में शिक्षण और अधिगम की समानता– नीतियां और प्रथाएं'' पर भागीदारी और प्रस्तुति दी।

6 सितंबर, 2022 को केबीपीजी कॉलेज, मिर्जापुर द्वारा ''बहुभाषावाद और राष्ट्रीय शिक्षा'' विषय पर आयोजित सेमिनार में पत्र प्रस्तुत।

10 दिसंबर, 2022 को शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''संघवाद में नौकरशाही और शासन'' विषय पर आयोजित सेमिनार में भागीदारी और एक सत्र की अध्यक्षता की।

12–13 दिसंबर, 2022 को मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, बी.एच.यू. में आयोजित ''सामाजिक विज्ञान और मानविकी: हिंदी में विचार–विमर्श और अकादमिक लेखन'' विषय पर नीपा–बीएचयू की दो दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी।

11 नवंबर, 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ एजुकेशन, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रण पर ''उच्च शिक्षा में उभरते रुझान और शिक्षकों की तैयारी'' विषय पर एक प्रस्तुति दी।

1 फरवरी, 2023 को कनोरिया पीजी महिला महाविद्यालय द्वारा यूनिवर्सिटी फाइव ईयर लॉ कॉलेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से आयोजित ''परिणाम आधारित शिक्षा के माध्यम से कला और कानूनी अध्ययन के विषयों में गुणवत्ता सुधार'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी और सम्बोधन।

19 नवंबर, 2022 को शिक्षा विभाग, एएस कॉलेज, देवघर, झारखंड द्वारा इकोनॉमिक एसोसिएशन ऑफ बिहार और इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित ''झारखंड के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एनईपी 2020 पर पैनल चर्चा में भागीदारी।

ऑरोरा हायर एजुकेशन एंड रिसर्च एकेडमी द्वारा आयोजित ''4–वर्षीय यूजी कार्यक्रमों के लिए तिमाही/टर्म–आधारित पाठ्यचर्या ढांचे को पेश करने की व्यवहार्यता'' विषय पर पैनल चर्चा में भागीदारी और प्रस्तुति।

5 अप्रैल, 2022 को वारविक विश्वविद्यालय के सहयोग से सीपीआरएचई/नीपा द्वारा आयोजित ''शिक्षा के लिए उचित मौका: उच्च शिक्षा तक पहुंच और विकल्प के लिए लिंग आधारित मार्ग'' विषय पर वेबिनार में भागीदारी।

शैक्षिक नीति विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''कम सेवा वाले क्षेत्र और कम प्रदर्शन करने वाले समूह – शिक्षा की गुणवत्ता संकेतकों का उपयोग'' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता।

13–14 फरवरी, 2023 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा आयोजित ''जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठकों के दौरान विचार–विमर्श के लिए चिन्हित शैक्षिक एजेंडे पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक'' में समग्र समन्वयक के रूप में भागीदारी।

16 मार्च, 2023 को हैदराबाद में राज्य उच्च शिक्षा परिषद, तेलंगाना के सहयोग से सीपीआरएचई, नीपा द्वारा आयोजित राज्य उच्च शिक्षा परिषद की दो दिवसीय कार्यशाला में एनईपी 2020 के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों में क्रेडिट ट्रांसफर विषय पर भागीदारी और प्रस्तुति। साथ ही, एकाधिक प्रवेश और निकास, पाठ्यक्रम और क्रेडिट ट्रांसफर पर एक सत्र की अध्यक्षता।

29 नवंबर से 2 दिसंबर, 2022 तक शिक्षा विभाग, स्कूल ऑफ एजुकेशन, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड के मानद प्रोफेसर के आमंत्रण पर व्याख्यानों की एक श्रृंखला दी।

29 अगस्त, 2022 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा ''एसईडीजी शैक्षिक क्षेत्रों की पहचान'' विषय पर आयोजित ''असेवित क्षेत्र और कम प्रदर्शन करने वाले समूह – शिक्षा की गुणवत्ता संकेतकों का उपयोग'' विषय पर आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

23–24 मार्च, 2023 को स्कूल शिक्षा, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड द्वारा आयोजित एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण के साथ–साथ विचार–विमर्श और

चर्चा प्रक्रिया का नेतृत्व करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रण पर भागीदारी।

24 फरवरी, 2023 को शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा ''अनुसंधान एवं अकादमिक लेखन'' पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य और ''अकादमिक पत्र लेखन पर व्यावहारिक कार्यशाला'' विषय पर विद्वानों को मार्गदर्शन के लिए आमंत्रण।

27 मार्च, 2023 को स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय सलाहकारी बैठक' में ''एनईपी 2020, स्कूल शिक्षा के लिए मानक समायोजन और मान्यता'' पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।

8 फरवरी, 2023 को शिक्षा विभाग, शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, वडोदरा द्वारा आयोजित ''शिक्षक शिक्षा का आशाजनक चेहराः परिप्रेक्ष्य और अभ्यास' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्‌घाटन मुख्य भाषण और संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी।

(बी) आमंत्रित व्याख्यान

22 फरवरी, 2023 को लोकसभा सचिवालय (क्षमता निर्माण विंग) द्वारा ''भारत में संघवाद'' पर इथियोपिया के सांसदों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

14 नवंबर, 2022 को समाजशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ''भारतीय समाज–निरंतरता और परिवर्तन'' पर व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

30 जनवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पाठ्‌यक्रम के उद्‌घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित और मुख्य भाषण।

3 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में ऑनलाइन ''संकाय प्रेरण कार्यक्रम (गुरुदक्षता)'' में वक्ता/संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य।

26 अगस्त, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी (9वीं एफआईपी), इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में संस्थागत प्रशासन'' पर व्याख्यान दिया।

2 फरवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी (11वीं एफआईपी), इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय और वैश्विक रुझान'' पर व्याख्यान दिया।

17 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी (10वीं एफआईपी), इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''गुरु दक्षता दिशानिर्देशों के अनुसार'' विषय पर व्याख्यान दिया।

8 जून से 5 जुलाई, 2022 तक मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में शासन'' पर व्याख्यान दिया।

26 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा के संस्थागत प्रशासन'' पर प्रथम संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एवाई 22–23), में वक्ता/संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य और व्याख्यान दिया।

11 जून, 2022 को मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में अभिशासन'' पर ऑनलाइन सत्र दिया।

22 सितंबर, 2022 को सीड, नई दिल्ली द्वारा उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम में ''नेतृत्व एक कार्यकारी के रूप में'' विषय पर व्याख्यान दिया।

19 दिसंबर, 2022 को अमराज़–ए–निस्वान वक़्बालत (स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान) विभाग, यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली द्वारा प्रभावी शिक्षण और अधिगम की तकनीकों के लिए चिकित्सा और अंतःविषय विज्ञान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुकूलन और निष्पादन पर आयोजित दूसरे संकाय विकास कार्यक्रम में ''समान और समावेशी शैक्षिक अवधारणा– आवश्यकता और चुनौतियां'' विषय पर वक्ता के रूप में कार्य।

28 मई, 2022 और 31 मई 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020 के आलोक में उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचाररू चुनौतियां और अवसर'' और ''एनईपी 2020 और अंतःविषय और बहुविषयक शिक्षा का विचारः उच्च शिक्षा के लिए चुनौतियां और संभावनाएं'' पर दो व्याख्यान दिए।

1 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, पीआरएसयू, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित ''संकाय प्रेरण कार्यक्रम (गुरुदक्षता)'' में ''भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र का विकास (भारतीय उच्च शिक्षा संरचना, कार्य और एनईपी 2020 के तहत प्रस्तावित सुधार)'' और ''उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय और वैश्विक रुझान'' विषयों पर दो व्याख्यान दिए।

20–28 फरवरी, 2023 तक अविनाशलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वुमेन द्वारा आयोजित ''अकादमिक नेतृत्व 5.0 पर अल्पकालिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य।

22 जुलाई, 2022 को एम.ए.एन.यू. द्वारा आयोजित राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''नागरिकता, सामाजिक न्याय और समावेशी लोकतंत्र का विचार'' विषय पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, डीएवीवी, इंदौर द्वारा 31 अक्टूबर–5 नवंबर, 2022 तक आयोजित अकादमिक नेतृत्व पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम में ''संस्थागत विकास योजना'' पर व्याख्यान दिया।

3 सितंबर, 2022 को ईश्वर सरन कॉलेज, इलाहाबाद द्वारा आयोजित ''ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम'' में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

10 दिसंबर, 2022 को पश्चिम बंगाल शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय स्तर की अनुसंधान पद्धति कार्यशाला'' में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

17 जनवरी, 2023 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''भारतीय शिक्षा में नव–उदारवादी रुझान और नीतिगत सुधार'' विषय पर शिक्षक शिक्षा पर दो सप्ताह के ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

7 मार्च, 2023 को जीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में गुरु अंगद केंद्र द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम में ''संस्थागत योजना और प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

3 जनवरी, 2023 को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एफआईपी में ''संकाय की भूमिका और संस्थागत विकास योजना'' पर व्याख्यान दिया।

जी20 शिक्षा कार्य समूह के कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

7–9 दिसंबर, 2022 तक उच्च शिक्षा में एनईपी 2020 के कार्यान्वयनः एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा का संस्थागत संदर्भः विश्वविद्यालयों (केंद्रीय, राज्य और डीम्ड) से परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला–सह–चर्चा बैठक का आयोजन किया।

31 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2022 तक आरआईई भोपाल के एम.एड. छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम (डॉ. वी. सुचरिता के साथ) आयोजित किया।

जी20 शिक्षा कार्य समूह के कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य।

कार्यक्रम निदेशक के रूप में, आंध्र प्रदेश के कॉलेज प्राचार्यों (पांच बैच) के लिए नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

- पहला बैच – 2–7 जनवरी, 2023
- दूसरा बैच – 16–21 जनवरी, 2023
- तीसरा बैच – 13–18 फरवरी, 2023
- चौथा बैच – 20–25 फरवरी, 2023
- पांचवां बैच – 13–18 मार्च, 2023

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

एक समन्वयक के रूप में, पाठ्यक्रम विकास की प्रक्रिया का नेतृत्व और शिक्षा और शासन पर एम.ए. ई.डी पाठ्यचर्या का पाठ्यक्रम विकसित किया।

शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर मूल पाठ्यक्रम सीसी–07 के पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, पाठ्यक्रम संचालन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की और पाठ्यक्रम दल के सदस्यों के साथ सत्रों का संचालन किया।

समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–07 के पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, पाठ्यक्रम संचालन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की और 10 सत्रों का संचालन किया।

मूल पाठ्यक्रम सीसी–01 की पाठ्यक्रम दल के सदस्य के रूप में, शिक्षा पर राजनीतिक परिप्रेक्ष्य पर 11 सत्र आयोजित किए।

शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडेपा पाठ्यक्रम का ऑनलाइन माध्यम में संचालित किया।

पीजीडेपा कार्यक्रम के शैक्षिक प्रशासन में उन्नत पाठ्यक्रम के समन्वयक के रूप में, पाठ्यक्रम के संचालन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की और प्रमुख भाग का संचालन किया।

एक संसाधन व्यक्ति के रूप में नीपा में शैक्षिक प्रशासन विभाग और अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में कई व्याख्यान दिए।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

सेंटर फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन इन एजुकेशन, हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जपान और एमराल्ड पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित जर्नल ऑफ इंटरनेशनल कोऑपरेशन इन एजुकेशन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

शिक्षा पर संवादों का एक त्रैमासिक संदर्भित पत्रिका, जर्नल एजुकेशन इंडिया के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जर्नल, रिसर्च एंड रिफ्लेक्शन्स ऑन एजुकेशन, सेंट जेवियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पलायमकोट्टई के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

परिपेक्ष्य (नीपा का हिंदी जर्नल) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

नीपा समसामयिक पेपर श्रृंखला के संपादक।

नीपा पॉलिसी ब्रीफ्स के संपादक।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

एनएएसी कोर कमेटी के अध्यक्ष के रूप में, एसएसआर की तैयारी से लेकर सहकर्मी दल के दौरे और ए ग्रेड के रूप में परिणाम की अंतिम घोषणा तक मूल्यांकन के पहले चक्र के लिए एनएएसी द्वारा संस्थागत मान्यता की प्रक्रिया का नेतृत्व किया।

रूसा के केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम के तहत क्लस्टर विश्वविद्यालय के कामकाज का अध्ययन हेतु क्षेत्र दौरे के रूप में डॉ. होमी भाभा राज्य विश्वविद्यालय, मुंबई का दौरा किया।

शैक्षिक प्रशासन विभाग के प्रमुख के रूप में, विभाग की विभिन्न गतिविधियों का नेतृत्व किया, जिसमें विभाग सलाहकार समिति की बैठकों का आयोजन और विस्तृत कार्यसूची टिप्पणियां तैयार करना शामिल है।

प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए 14 नवंबर 2022 को निमंत्रण पर सीमैट, इलाहाबाद का दौरा किया।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना के कार्यक्रम निदेशक के रूप में जिला एवं प्रखंड स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए योजना के क्रियान्वयन से संबंधित कई दायित्वों का निर्वहन किया।

परियोजना निदेशक के रूप में शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की प्रमुख परियोजना का नेतृत्व। इसमें अकादमिक जानकारी, मार्गदर्शन और निगरानी से संबंधित कई गतिविधियां शामिल थीं

एम.फिल./पीएच.डी. पर्यवेक्षण

डॉक्टरेट विद्वानों का पर्यवेक्षण

आठ शोध विद्वान (अनुराधा बोस, सोनाली चितलकर, प्रतीक्षा त्रिपाठी, निदा खान, सुमन साहा और सुरवी, वंदना सिंह, जॉयसिल) का डॉक्टरेट अनुसंधान पर्यवेक्षण।

एम.फिल. शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण

वंदना सिंह द्वारा प्रस्तुत एम.फिल. शोध प्रबंध पूर्ण हुआ और पर्यवेक्षण तथा जमा किया।

पीजीडेपा का पर्यवेक्षण

पीजीडेपा प्रतिभागियों (अजीत कृष्णन और तकदीर सिंह) की परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण हुई।

पीजीडेपा प्रतिभागी कलियर का परियोजना पर्यवेक्षण

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के अकादमिक परिषद के सदस्य

तारा राजकीय महाविद्यालय, संगारेड्डी, तेलंगाना के शासी निकाय के सदस्य

आजीवन सदस्य, इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी

आजीवन सदस्य, आईआईपीए, नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय समाजशास्त्रीय संघ के सदस्य

अफ्रीका एशिया अनुसंधान समूह के सदस्य

तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के अनुसंधान मंच के सदस्य।

मामलों की जांच करने के लिए एससीईआरटी, नई दिल्ली की संचालन समिति के सदस्य।

स्कूल ऑफ एजुकेशन, एच.एस. गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के अध्ययन बोर्ड के सदस्य (2020 – अब तक)

सीड, नई दिल्ली द्वारा उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर आयोजित कार्यक्रम की सलाहकार समिति के सदस्य

नीपा में समितियों की सदस्यता

योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्य

अकादमिक परिषद के सदस्य

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

आईक्यूएसी के सदस्य

अनुदान सहायता समिति (जीआईएसी) के सदस्य

नॉक के एसएसआर के लिए कोर समिति के अध्यक्ष

अनुकंपा आधारों की नियुक्ति के लिए समिति के अध्यक्ष

एम.फिल./पीएच.डी. की स्थायी सलाहकार समिति के सदस्य।

पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति के सदस्य।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्य के प्रगति की समीक्षा समिति के सदस्य

एम.फिल. प्रवेश साक्षात्कार समिति और संशोधन समिति के सदस्य

संगोष्ठी अनुदान हेतु प्रस्ताव समीक्षा समिति के सदस्य

आंतरिक अनुसंधान समीक्षा अब शोध और विकास समिति के सदस्य।

कार्यक्रमों के संचालन से संबंधित नीपा के विभागों की सलाहकार समिति और विभिन्न कार्यबलों के सदस्य।

सीएएस योजना के तहत संकाय की पदोन्नति के लिए आवेदनों की जांच समिति के सदस्य।

विनीता सिरोही

अनुसंधान परियोजना/अध्ययन

भारत सरकार के शोध अध्ययन

कौशल निर्माण और रोजगारः भारत में युवाओं का अध्ययन।

चुनिंदा भारतीय राज्यों में विशिष्ट आस्ट्रेलियाई व्यावसाय शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यापक मांग

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं

20 मई, 2022 को दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी – एचआरडीसी में ''शैक्षिक प्रबंधनः एनईपी 2020 के विशेष संदर्भ में शिक्षकों की भूमिका की कल्पना'' पर सत्राध्यक्ष के रूप में ऑनलाइन मोड में शैक्षिक प्रबंधन पर शिक्षकों के लिए डीपीएसएस–एचआरडीसी वेबिनार में भागीदारी।

20 सितंबर, 2022 को ऑनलाइन माध्यम में, ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, मेलबर्न यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ''ऑस्ट्रेलिया और भारत में उच्च शिक्षा सूक्ष्म साख की चुनौतियां, अवसर और परिवर्तन'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र में सूक्ष्म साख, और पैनलिस्ट के रूप में: ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सहयोग के अवसरों और चुनौतियों पर पैनल चर्चा में भाग लिया।

14 दिसंबर, 2022 को ऑनलाइन माध्यम में ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, मेलबर्न यूनिवर्सिटी द्वारा ऑस्ट्रेलिया और भारत में स्कूलों में ज्ञान साझाकरण व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में: भारत में व्यावसायिक शिक्षा, और पैनलिस्ट के रूप में: द्वारा आयोजित स्कूल में व्यावसायिक शिक्षा पर शोधकर्ता पैनल चर्चा में भागीदारी।

2 जुलाई, 2022 को जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई

दिल्ली में एईईडीयू और जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''प्राथमिक शिक्षाः नए रुझान और आधुनिक दृष्टिकोण'' राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 2022 पर अतिथि वक्ता के रूप में भागीदारी।

6 जुलाई, 2022 को ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा भारत से सीख – मूलभूत शिक्षा में परिवर्तन (जीईईपी पैनल) पर आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी।

22 अगस्त, 2022 को एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में अध्यापकों की शिक्षा के लिए इंडो–फिनिश परियोजना पर आयोजित कार्यशाला में भागीदारी।

21 सितंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में फ़िनिश प्रतिनिधिमंडल (जीआईएनटीएल) के साथ वार्ता में भागीदारी।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

एम.फिल.–पीएच.डी. पाठ्यक्रम 2022–23 के छात्रों के लिए ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया।

भारत में युवाओं के अध्ययन कौशल निर्माण और रोजगार के लिए अनुसंधान उपकरणों के लिए पुनरीक्षण कार्यशाला का आयोजन।

कौशल निर्माण और रोजगार पर शोध अध्ययनः भारत में युवाओं का अध्ययन के लिए 8 सितंबर, 2022 को राज्यों के लिए अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया।

6 अक्टूबर, 2022 को नीपा में समान अवसर एकक के अध्यक्ष के रूप में मनो–सामाजिक कल्याण पर एक सत्र का समन्वय और आयोजन किया।

चुनिंदा भारतीय राज्यों में विशिष्ट ऑस्ट्रेलियाई व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यापक मांग पर शोध हेतु राज्यों के लिए अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

एम.फिल./पीएच.डी. मूल पाठ्यक्रम सीसी–1 – शिक्षा का मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य का संचालन और मूल्यांकन

एम.फिल./पी–एच.डी. मूल पाठ्यक्रम सीसी–7 का संचालन और मूल्यांकन

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी 2 – शिक्षा और कौशल विकास का समन्वयन, संचालन और मूल्यांकन

शैक्षिक प्रबंधन पर पीजीडेपा पाठ्यक्रम–904 भाग–I और शैक्षिक प्रबंधन पाठ्यक्रम–904 भाग–II का संचालन और मूल्यांकन

उन्नत पाठ्यक्रम – 908 का संचालन और मूल्यांकन

शिक्षा एवं विकास में एम.ए. कार्यक्रम के लिए मानव विकास पर पाठ्यक्रम विकसित किया

पीएचडी कार्यक्रम में सीसी–1 पाठ्यक्रम – मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य का संशोधन

एम.फिल. और पीएच.डी. विद्वानों को अनुसंधान मार्गदर्शन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

एससीईआरटी/डाईट के पुनर्गठन के बाद सृजित शैक्षणिक पदों के लिए भर्ती नियमों के पुनर्गठन और तैनाती पर एससीईआरटी दिल्ली को अकादमिक सहायता

प्रशिक्षण सलाहकार समिति की बैठक में सीबीएसई सदस्य के रूप में योगदान

कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में दिल्ली के दो डाईट की बैठकों में योगदान

अध्ययन बोर्ड, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, आईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली के सदस्य के रूप में योगदान

एससीईआरटी, दिल्ली की पीएसी बैठक में योगदान दिया

एससीईआरटी, दिल्ली की ईसी बैठक में योगदान दिया

क्षमता निर्माण, भविष्य के कार्य के संदर्भ में जीवनभर अधिगम को बढ़ावा देना विषय पर जी20 परामशदात्री बैठक के आयोजन में योगदान।

ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, शिक्षा परियोजनाओं के संचालन समूह को शैक्षणिक अनुसमर्थन

परीक्षक, सीसीयू मेरठ

दिल्ली विश्वविद्यालय की पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन

वनस्थली विश्वविद्यालय की पीएच.डी. सारांश की समीक्षा

ऑस्ट्रेलिया भारत संस्थान अनुसंधान परियोजना में 04 कौशल मास्टरक्लास विकसित और संचालित किए।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

1 अप्रैल, 2022 को प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर और सहायक–प्रोफेसर के पदों के लिए आवेदन की जांच के लिए एनसीईआरटी द्वारा आयोजित जांच समिति की ऑनलाइन अभिविनयास बैठक में भागीदारी।

13 जून, 2022 को ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा पर उन्मुख संकाय

15 जून, 2022 को प्रवेश परीक्षा के लिए समन्वित छात्रों का मॉक टेस्ट

एम.फिल.–पीएच.डी. 2022–23 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा समन्वित और संचालित।

संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम की योजना, समन्वय, प्रशासन और प्रबंधन एवं विभिन्न गतिविधियों को पूरा किया।

डॉक्टरेट कार्यक्रम के दिशानिर्देशों का संशोधन

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम 2023–2024 में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र और विवरणिका का संशोधन

नियोजित कैलेंडर और एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2023–2024 की अनुसूची संबंधी गतिविधियों में समन्वय किया

एम.फिल. स्कॉलर्स के संकाय और सहकर्मी समीक्षा सेमिनार की अध्यक्षता

पीएच.डी. स्कॉलर्स के संकाय और सहकर्मी समीक्षा सेमिनार की अध्यक्षता

पी–एच.डी. विद्वानों के प्री–सबमिशन सेमिनार का समन्वय और अध्यक्षता

सैक बैठकों में समन्वय और भागीदारी;

सदस्य सचिव के रूप में सीएएस की बैठकों में समन्वय और भागीदारी,

छात्रों को जेआरएफ से एसआरएफ छात्रवृत्ति में उन्नयन की बैठक में भागीदारी

अध्ययन बोर्ड, नीपा, सदस्य के रूप में, नीपा की बैठकों के लिए कार्यवृत तैयार करने में योगदान और चर्चाओं में भागीदारी।

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा) में प्रकाशन के लिए प्रस्तुत शोध पत्रों की समीक्षा में संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में अकादमिक अनुसमर्थन

अध्ययन बोर्ड, नीपा की चर्चा बैठकों में भागीदारी

अकादमिक परिषद, नीपा की चर्चा बैठकों में भागीदारी

शैक्षणिक पदों के लिए आवेदनों की जांच

अनुसंधान समीक्षा समिति की बैठकों में भागीदारी और योगदान

जेपा संपादकीय बोर्ड की बैठकों में भागीदारी

विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी

6 पीएच.डी. विद्वानों का मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण

एनएएसी समीक्षा में योगदान दिया

नीपा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विकास के लिए बैठकों में भागीदारी और योगदान

ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट के साथ प्रोजेक्ट प्लानिंग पर ऑनलाइन बैठक

नीपा में विभागीय और विभाग के बाहर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान, जिसमें मार्च 2023 में आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में चार व्याख्यान शामिल थे।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

शासी परिषद के मनोनीत सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली

कार्यकारी समिति के मनोनीत सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली

भर्ती नियम समिति के सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली

इंडियन जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पीएसएससीआईवीई) की संपादकीय दल के सदस्य।

नैदानिक मनोवैज्ञानिक संघ के आजीवन सदस्य।

भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान संघ के आजीवन सदस्य।

सदस्य, प्रशिक्षण सलाहकार समिति, सीबीएसई।

शिक्षा परियोजना विभाग, ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, के संचालन समूह के सदस्य

संघ लोक सेवा आयोग के सलाहकार/विषय विशेषज्ञ

सदस्य, संस्थान सलाहकार बोर्ड, पीएसएससीआईवीई (एनसीईआरटी)

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, आईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली

सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली, जाँच मानदंड, प्रक्रिया/प्रगति/भर्ती की योजना विकसित करने हेतु समिति

सदस्य, संचालन समूह शिक्षा परियोजना – ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट

नीपा में समितियों की सदस्यता

अध्यक्ष, संचालन समिति

सदस्य, अध्ययन बोर्ड

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा

सदस्य, स्थायी सलाहकार समिति, नीपा

सदस्य, शिकायत निवारण समिति, नीपा

सदस्य सचिव, (एम.फिल./पी–एच.डी.) पर्यवेक्षकों के आवंटन हेतु समिति

अध्यक्ष, प्रवेश समिति, नीपा

सदस्य, अनुसंधान के प्रसार के लिए आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति, नीपा

अध्यक्ष, समान अवसर एकक, नीपा

सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति, नीपा

सदस्य, जेपा संपादक मंडल, नीपा

सदस्य, पीएच.डी. विद्वानों के लिए अर्ध–वार्षिक समीक्षा समिति

सदस्य, पोस्ट–डॉक्टोरल फेलोशिप समिति, नीपा

सदस्य, एम.फिल.–पी.एच.डी. कार्यक्रम दीक्षांत समारोह समिति, नीपा

सदस्य, जेआरएफ और एसआरएफ समीक्षा समिति, नीपा

कार्यक्रम समन्वयक, एनएएसी दौरा, नीपा

अध्यक्ष, पीएच.डी. कार्यक्रम 2023–24 में प्रवेश के लिए डॉक्टरेट कार्यक्रम और विवरणिका के लिए विनियमों में संशोधन के लिए समिति

अन्शू श्रीवास्तव

प्रकाशन

पुस्तकः श्रीवास्तव, अन्शू (2022)। लिब्रेलाइज्ड इंडिया, पॉलिटिसाइज्ड मिडिल क्लास एंड सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स, रूटलेज।

पुस्तक (2023): 'डिकांस्ट्रक्टिंग जेंडर एंड फेनिज़्म' पर पुस्तक में डिबेटिंग इम्पावरमेंट थ्रू वेज़ेज़ फार हाउसवर्क संपादक अनीसुर रहमान और निहारिका तिवारी, स्प्रिंगर (प्रेस में)

शोध आलेख

प्रकाशित – 'मंदिर प्रवेश' के माध्यम से जाति की आलोचना में सामाजिक गांधीवादी अवधारणाः मुख्यधारा में गांधी का सत्याग्रह और अस्पृश्यता, वाल्यूम 60 सं. 38 10 सितंबर, 2022

जेपा वाल्यूम XXXVI, संख्या 2, अप्रैल 2022 में 'कॉम्प्रिहेंडिंग इक्विटीः कॉन्टेक्स्टुअलाइजिंग इंडियाज नॉर्थ ईस्ट' की पुस्तक समीक्षा (प्रकाशनार्थ स्वीकृत)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

9 जुलाई, 2022 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा लिब्रेलाइज्ड इंडिया, पॉलिटिसाइज्ड मिडिल क्लास एंड सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स पर पुस्तक चर्चा के लिए आमंत्रित।

23 अगस्त, 2022 को जीएनडीयू, अमृतसर द्वारा लिब्रेलाइज्ड इंडिया, पॉलिटिसाइज्ड मिडिल क्लास एंड सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स पर पुस्तक चर्चा के लिए आमंत्रित।

27 सितंबर, 2022 को नीपा, दिल्ली में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में महिला विकास प्रकोष्ठ को सशक्त बनाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला में ''भारत में उच्च शिक्षा में लैंगिक और भेदभाव'' पर संसाधन व्यक्ति।

16 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, इंदौर में शिक्षक शिक्षा और एनईपी 2020 में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सामाजिक विज्ञान शिक्षाशास्त्र के पुनर्निर्माण पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

30–31 जनवरी, 2023 को नीपा में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के भाग के रूप में भारत में लिंग और उच्च शिक्षा पर सम्मेलन में ''उच्च शिक्षा में जेंडर और शासनः सूक्ष्म दृष्टिकोण'' विषय पर एक सत्र में पैनलिस्ट

27–29 सितंबर, 2022 को विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्त बनाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला में सत्र की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

15 अगस्त, 2022 को विद्वत समाज को संबोधनः तुलनात्मक संघवादी अनुसंधान समूह, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वतंत्रता के 75 वर्ष के जश्न के अतिथि वक्ता

अकादमिक सम्मानः श्रीवास्तव, अन्शू ''लिब्रेलाइज्ड इंडिया, पॉलिटिसाइज्ड मिडिल क्लास एंड सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स'' पुस्तक, रूटलेज द्वारा प्रकाशित, 2022, 'द कारवां' के बुकशेल्फ शीर्षक कॉलम में, सितंबर 2022 में प्रदर्शितः पुस्तक समीक्षा, जेपा, वाल्यूम XXXVI, सं. 4 अक्टूबर, 2022 में प्रकाशित की गई।

पाठ्यचर्या और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

क. **पाठ्यक्रम विकसितः**

एम.ए. कार्यक्रम–

समन्वयक – वैकल्पिक विकास प्रतिमान

सदस्य – विकास पर परिप्रेक्ष्य

सदस्य – शिक्षा में शासन और प्रबंधन

सदस्य – लिंग और शिक्षा

ख. **दिए गए पाठ्यक्रम**

एम.फिल., पीएच.डी. और पीजीडेपा

1. एम.फिल. पर्यवेक्षण एवं 1. पीएच.डी. पर्यवेक्षण

ग. माध्यमिक स्रोतों से पठन एवं प्रशिक्षण सामग्री की पहचानः

- विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्त बनाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला (27–29 सितंबर, 2022)

घ. मूल पठन एवं प्रशिक्षण सामग्री तैयार करनाः

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्त बनाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला (27–29 सितंबर, 2022)

ङ. पाठ्यक्रमों में व्याख्यान और पैनल चर्चा में भागीदारीः

- एम.फिल. 2022–23 और पीजीडेपा 2022–23 में सत्र लिया।

च. प्रशिक्षण कार्यक्रमः

- समन्वयक, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्त बनाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला (27–29 सितंबर, 2022)
- कार्यक्रम समन्वयक, एपीसीसीई के लिए महाविद्यालय प्राचार्यों का नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम (20–25 फरवरी, 2023)

अनुसंधान परियोजनाएं/अध्ययन

भारत सरकार के अनुसंधान अध्ययन–

प्रोफेसर सुधांशु भूषण के नेतृत्व में शिक्षण–अधिगम सर्वेक्षण 2022–23 पर शोध अध्ययन

प्रोफेसर कुमार सुरेश के साथ शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों के अध्ययन पर शोध

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

18–19 जनवरी, 2023 को डीएसटी, भारत सरकार द्वारा संचालित गति कार्यक्रम के मूल्यांकन पैनल में भागीदारी।

आधिकारिक एवं अन्य समितियों की सदस्यता

तीन प्रश्नपत्रों के लिए एम.ए. शिक्षा और विकास पर पाठ्यक्रम विकास समिति के सदस्य

समन्वयक, वैकल्पिक विकास प्रतिमान प्रश्नपत्र के लिए एम.ए. शिक्षा और विकास पर पाठ्यक्रम विकास समिति

अध्यक्ष, हरित पहल समिति

संयोजक, नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2020–2021 और 2021–22 के आवेदनों का मूल्यांकन

सदस्य, एनएएसी वेबसाइट उप–समिति

सदस्य, कोलोक्वियम समिति, आईक्यूएसी

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक प्रशासन विभाग

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जेपा

सदस्य, एनएएसी सहकर्मी समीक्षा दल, 2022

सदस्य, एम.फिल. 2022–23 के लिए प्रवेश प्रपत्र की जांच

सदस्य, एम.फिल. प्रवेश परीक्षा 2022–23 के संचालन समिति

सदस्य, पीएच.डी. 2022–23 पाठ्यचर्या समिति

मूल्यांकन पैनल सदस्य, डीएसटी–गति कार्यक्रम, 2023

अन्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ

जेपा वॉल्यूम XXXVI, नं. 2, अप्रैल 2022 में प्रकाशित 'कॉम्प्रिहेंडिंग इक्विटी: कॉन्टेक्स्टुअलाइजिंग इंडियाज नॉर्थ ईस्ट' पुस्तक की समीक्षा

जेकेएसईटी 2022 (राजनीति विज्ञान कोड–31) के प्रश्नपत्र तैयारी के लिए पैनलिस्ट

नीपा की हरित नीति तैयार करना

20 जुलाई, 2022 को ई–कचरे के बारे में जागरूकता–सह–संग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया।

'ऊर्जा बचाओ' पोस्टर और स्टिकर की छपाई

नीपा में हरित पहलों की देखरेख और आयोजन करना और एनएएसी सहकर्मी समीक्षा टीम के साथ इसका प्रदर्शन करना

23 नवंबर, 2022 को हीरक जयंती समारोह के लिए अतिथि वक्ता श्री भूषण पटवर्धन द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन किया।

सदस्य, अध्ययन मंडल, राजनीति विज्ञान, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (सीजी)

वी. सुचरिता

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

17–25 अक्टूबर, 2022 तक यूजीसी द्वारा अनुमोदित अल्पकालिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम ''विश्वविद्यालय और महाविद्यालय शिक्षकों के लिए एनईपी 2020 का कार्यान्वयन' में भागीदारी

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

11–15 जुलाई, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली में ''जिला स्तर के अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व'' पर अभिविन्यास–सह–कार्यशाला का आयोजन किया।

31 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2022 तक आरआईई भोपाल के एम.एड. छात्रों के लिए ऑनलाइन इंटर्नशिप का आयोजन।

अप्रैल 2022–फरवरी 2023 तक शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों भाग I से संबंधित सभी गतिविधियाँ में भागीदारी।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

एचआरडीसी, एमएएनयूयू

एचआरडीसी, कन्नूर विश्वविद्यालय

प्रशिक्षण सामग्री विकसित और रिपोर्ट तैयार की गई

जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम अभिविन्यास–सह–कार्यशाला के लिए रिपोर्ट तैयार की।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई)

आजीवन सदस्य, भारतीय राष्ट्रीय परिसंघ और मानवविज्ञानी अकादमी (आईएनसीएए)

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा, नई दिल्ली

सदस्य, अध्ययन बोर्ड नीपा, नई दिल्ली

सदस्य, न्यूजलैटर संपादकीय बोर्ड, नीपा, नई दिल्ली

सदस्य, परीक्षा समिति, नीपा, नई दिल्ली

सदस्य, एम.ए. एजु. कार्यक्रम समिति, नीपा, नई दिल्ली के सदस्य

सदस्य, एम.ए. ई.डी. अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम के विकास में अग्रणी दल

सदस्य, हीरक जयंती समारोह समिति, नीपा, नई दिल्ली

सदस्य, एम.फिल.–पीएच.डी. प्रवेश के लिए आवेदनों की जांच हेतु जांच समिति, नीपा, नई दिल्ली

सदस्य, निविदा खोलने एवं मूल्यांकन समिति, नीपा, नई दिल्ली

व्याख्यान दिये

एम.फिल.–पीएच.डी. पाठ्यक्रम सीसी 5, सीसी 7 और ओसी 7 कार्यक्रम में व्याख्यान दिये।

शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडेपा पाठ्यक्रम 904 के अध्यापन और संयोजक।

अनुसंधान के लिए पर्यवेक्षक

पीजीडीईपीए प्रतिभागी रुल्हौनुओ रीता सेखोसे के शोध प्रबंध ''नागालैंड में जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों की स्थिति और चुनौतियों पर अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण किया।

एम.फिल. छात्र, नैन्सी लाकड़ा, के शोध प्रबंध ''आदिवासी छात्रों के स्कूली अनुभव को समझनाः झारखंड में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण किया।

पीएच.डी. शोध छात्रा बानाश्री मंडल के शोध प्रबंध ''विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा में निगरानी तंत्रः पश्चिम बंगाल का अध्ययन'' शीर्षक पर मार्गदर्शन।

पीएच.डी. शोध छात्र, पंकज सरकार के शोध विषय उच्च शिक्षा संस्थानों में क्रेडिट ढांचे के माध्यम से छात्रों के लचीलेपन और स्वायत्तता के व्यापक क्षेत्र पर कार्य पर मार्गदर्शन। शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है।

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे

प्रकाशन

''इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2020: एम्प्लॉयमेंट एंड एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट्स''। वर्गीज एन.वी., के साथ सह–संपादन, रूटलेज, न्यूयार्क, (2022)।

सस्टेनेबल एंड डायनामिक ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटीः अ कम्परेटिव ओवरव्यू अक्रॉस ज्योग्राफिक्स, रूटलेज (प्रेस में)

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की रिपोर्ट

भविष्य के उद्योगों के लिए मानव संसाधन विकास हेतु राष्ट्रीय रणनीति पर अध्ययन–भारत का मामला एशिया उत्पादकता संगठन, टोक्यो, जापान, अंतिम रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई।

शिक्षा में निवेश – सामान्य बदलाव या बदलते प्रतिमान। नवउदारवाद बनाम राजनीतिक पूंजीवाद, वैश्विक कल्याण में निवेश – उच्च शिक्षा के वित्तीय पोषण में बदलते प्रतिमान, हांगकांग विश्वविद्यालय और मिनेसोटा विश्वविद्यालय के साथ हैंडबुक ऑफ एजुकेशन पॉलिसी के योगदानकर्ता लेखक के रूप में योगदान (यूकेः एडवर्ड एल्गार पब्लिशिंग) अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

ऑक्सफोर्ड रिसर्च इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एजुकेशन के लिए ''उच्च शिक्षा में महिला भागीदारी की सुधारात्मक लैंगिक चिंताएं'' शीर्षक (प्रकाशनाधीन)।

राष्ट्रीय सार्वजनिक निकायों/संगठनों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान के रूप में कर्नाटक राज्य के बाल बजट में शैक्षिक विकास के लिए वित्तीय निहितार्थ, यूनिसेफ और वित्तीय नीति संस्थान, कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु, भारत (प्रस्तुत एवं प्रकाशित)।

ग्रुप ए और बी कैडर के अधिकारियों के लिए 'लैंगिक बजट' पर राष्ट्रीय और कर्नाटक सरकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकास, एफपीआई, वित्त और महिला एवं बाल विकास विभाग, कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु। मॉड्यूल प्रकाशित।

उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्योग–अकादमिक संबंधों को विकसित करने और बनाए रखने पर गोलमेज रिपोर्ट, नीपा, नई दिल्ली, फरवरी 2023। मोना खरे और अन्य।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और कर्नाटक में बाल विकास कार्यक्रमों के लिए बजटीय निहितार्थ, कर्नाटक में बच्चों के विकास के लिए सार्वजनिक वित्त में नीतिगत मुद्दे और चुनौतियाँ। पृष्ठ 108–128, एफपीआई और यूनिसेफ।

ग्विलीम क्राउचर एवं अन्य द्वारा संपादित एशियाई उच्च शिक्षा का प्रदर्शन – संस्थानों और प्रणालियों में उत्पादकता को समझना, में डॉ. मोना खरे एवं अन्य द्वारा चुनिंदा भारतीय तकनीकी शिक्षा संस्थानों के उच्च शिक्षा में उत्पादकता मापने में आदर्श बदलाव पर संपादित अध्याय। रूटलेज, लंदन, 28 जुलाई, 2022 पीपी 79–99, डीओआई https://doi.org/10.4324/9781003288954

बाहरी सहयोगः भारत के उच्च शिक्षा सहयोग और विनिमय की बदलती गतिशीलता, में अध्याय 14 एन वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही द्वारा संपादित उच्च शिक्षा का वित्तपोषण – पारंपरिक दृष्टिकोण और नवीन रणनीतियाँ, स्प्रिंगर नेचर, 2022।

उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलताः एक अवलोकन वर्गीस एन.वी. और मोना खरे (संपादक) में भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2020: उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता, रूटलेज, न्यूयॉर्क (2022)।

भारत में उच्च–शिक्षा स्नातकों का बेमेल कौशलः रोजगार योग्यता का निर्धारण करने वाले कारक, वर्गीस एन.वी. और मोना खरे (संपादक) में भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2020: उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार और रोजगार क्षमता, रूटलेज, न्यूयॉर्क (2022)।

''भारत में रोजगार विहीन विकासः शिक्षित युवाओं का रोजगार–बेरोजगारी आर.के. मिश्रा और संदीप कुमार कुजूर (संपादक) में सोनम अरोड़ा के साथ संयुक्त रूप से अध्याय 9: भारत में उच्च शिक्षा, रोजगार आर्थिक विकासः समसयाएं, संभावनाएं और नीतियां, रूटलेज (प्रकाशनाधीन)।

''भारत में विकास, रोजगार और रोजगार योग्यताः लिंग आधारित दृष्टिकोण'' सोनम अरोड़ा के साथ संयुक्त रूप से रोजगार से रोजगार क्षमता तकः उच्च शिक्षा स्नातकों का श्रम बाजार, फातिमा सुलेमान डिरेटोरा डो डिपार्टमेंटो डी इकोनोमिया पोलिटिका एस्कोला डी सिएनसियास सोसियास ई ह्यूमनस लिस्बोआ पुर्तगाल के साथ (प्रकाशनाधीन)

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

18–20 मई 2022 को यूनेस्को विश्व उच्च शिक्षा सम्मेलन 2022, बार्सिलोना, में कार्यबल पथ विकसित करने के लिए अधिगम कौशल को आगे बढ़ाने वाले कार्यक्रमों की गुणवत्ता और प्रासंगिकता विषय के तहत डब्ल्यूएचईसी 2022 ज्ञान उत्पाद योगदानकर्ता के रूप में आभासी भागीदारी और "भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता की चुनौतियाँ और नियोक्ता की आवश्यकताएँ" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

27 सितंबर 2022 को संघीय शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय, जर्मनी, कोलोन विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र और व्यावसायिक शिक्षा के अध्यक्ष, जर्मनी द्वारा आयोजित ''भारतीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में गुणवत्ता विश्लेषण पर क्वालइंडिया परियोजना (क्वालइंडिया)'', परियोजना भागीदार बैठक में विशेषज्ञ।

14 अक्टूबर, 2022 को कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी में ''व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के अंतर्राष्ट्रीयकरण'' पर आभासी सम्मेलन में आमंत्रित।

28–30 सितंबर, 2022 तक कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी में जी.आर.ई.ए.टी. सम्मेलन 2022 के लिए आमंत्रित चर्चाकर्ता ।

6 जुलाई, 2022 को ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली में ''भारत से सीख – मूलभूत शिक्षा में बदलाव'' कार्यक्रम के लिए आमंत्रित।

16–17 सितंबर, 2022 को स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा आयोजित ''अंतर्विषयक अनुसंधानः मुद्दे और चुनौतियां'' शीर्षक से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए सम्मानित अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित।

25 जनवरी, 2023 को उच्च शिक्षा के भविष्यः सीमाओं से परेः उच्च शिक्षा को पुनर्जीवित करने के नए तरीके पर यूनेस्को अध्यक्ष सेमिनार के लिए आमंत्रित।

कोलोन विश्वविद्यालय द्वारा दिल्ली में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) में गुणवत्ता पर ''क्वालइंडिया सम्मेलन'' 6–7 फरवरी, 2023 को भारत में उच्च शिक्षा के व्यावसायीकरण के लिए कौशल सतत मार्गों का निर्माण परियोजना भागीदार विशेषज्ञ प्रस्तुति के रूप में आमंत्रित।

15 फरवरी, 2023 को विश्वविद्यालयों और एजेंडा 2030, यूनेस्को, 2022 पर स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह द्वारा तैयार ''ज्ञान–संचालित कार्रवाईः वैश्विक स्थिरता के लिए उच्च शिक्षा में परिवर्तन'' विषय पर यूनेस्को सेमिनार के लिए आमंत्रित किया।

23–25 फरवरी, 2023 को महिला और लैंगिक अध्ययन विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालयय, भारत, और ब्रुनेल विश्वविद्यालय, यूके, द्वारा संयुक्त रूप से सावित्रीबाई फुले, पुणे विश्वविद्यालय में आयोजित ''पहुंच और समानता से परेः भारत में उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता की जटिलता'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया।

राष्ट्रीय

5 फरवरी, 2022 को प्रभाव नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा शिक्षा और केंद्रीय बजट 2022–23 पर शिक्षा की स्थिति -#संवाद श्रृंखला के भाग के रूप में आईएमपआरआई #वेबपॉलिसीटॉक– पैनल दिल्ली चर्चा के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

16 फरवरी, 2022 को बजट और शासन जवाबदेही केंद्र (सीबीजीए) नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत में स्कूली शिक्षा के सार्वजनिक वितरण में डिजिटलीकरणः में लैंगिक कैसे शामिल हैं? पर गोलमेज वेबिनार के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

5 अप्रैल, 2022 को स्कूल ऑफ साइंसेज, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली द्वारा ''व्यावसायिक शिक्षा, कौशल और रोजगार'' पर एक वीडियो वार्ता के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ।

20 जून, 2022 को एनसीसीटी के प्रशिक्षण और शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का अंतराल विश्लेषण करने हेतु सहयोग मंत्रालय (एमओसी) और आईआरएमए (ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद) में आमंत्रित विशेषज्ञ पैनल कार्यशाला का आयोजन किया।

16 अगस्त, 2022 को मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली में ''आज के नौकरी बाजार के लिए शिक्षित युवाओं के कौशल को बढ़ाना'' विषय पर कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता।

23–24 अगस्त, 2022 को नई दिल्ली में ''चुनिंदा क्षेत्रों में लैंगिक बजट'' विषय पर सेमिनार के लिए आमंत्रित।

1–2 सितंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय युवा छात्रावास, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में ''भारत में शिक्षा क्षेत्र का अवलोकन'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला के लिए पीआरएस लैंप फेलो में एक सत्र के लिए आमंत्रित।

5 सितंबर, 2022 को कला शिक्षा विभाग, ललित कला संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा विभागीय अनुसंधान समिति, पीएच.डी. साक्षात्कार के लिए बाहरी सदस्य के रूप में आमंत्रित।

7 सितंबर, 2022 को अर्थशास्त्र विभाग, जीसस एंड मैरी कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा ''स्नातक रोजगार – एक सतत चुनौती'' पर सत्र के लिए आमंत्रित।

13–14 अक्टूबर, 2022 को आईआईटी, रूड़की द्वारा आयोजित आईआईटी रजिस्ट्रार कॉन्क्लेव (बैठक) पर विषयगत कार्यशाला में पेशेवर विशेषज्ञ सलाह–सह–प्रस्ताव के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

1– 2 सितंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय युवा छात्रावास, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में ''भारत में शिक्षा क्षेत्र का

अवलोकन'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला के लिए आमंत्रित और कार्यशाला के अध्येताओं से वार्तालाप।

8 अक्टूबर, 2022 को ''इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स प्रेजेंट्स'' पर राष्ट्रीय वेबिनार के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।

17–18 नवंबर, 2022 को शिक्षा विभाग (यूजी और पीजी), सिनॉड कॉलेज, शिलांग, मेघालय द्वारा ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ः आगे की राह'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुति के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

13–14 अक्टूबर, 2022 को आईआईटी, रूड़की द्वारा आयोजित आईआईटी रजिस्ट्रार कॉन्क्लेव मीटिंग में आमंत्रित संसाधन व्यक्ति।

21 नवंबर, 2022 को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय, नई दिल्ली में आयोजित ''शिक्षा क्षेत्र पर सार–संग्रह तैयार करने के लिए समिति'' के लिए विशेषज्ञ सलाहकार।

7 नवंबर, 2022 को भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक का कार्यालय, 9 दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली में पिछले दशक में शिक्षा क्षेत्र के विकास और नीतियों पर चर्चा करने के लिए भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गोलमेज चर्चा बैठक के लिए विशेषज्ञ।

23–25 नवंबर, 2022 के दौरान उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा विश्वविद्यालय के डीन और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के लिए ''संसाधन जुटाने में नेतृत्व'' पर एक सत्र लेने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय में सलाहकार/विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त।

22 दिसंबर, 2022 को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय, नई दिल्ली में ''ऑडिट निष्कर्षों की विषय–वार व्यवस्था'' पर चर्चा बैठक के लिए आमंत्रित।

29 दिसंबर, 2022 को अभिनव चौधरी, सहायक निदेशक, एसएमयू/पीपीजी, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक कार्यालय, दिल्ली में आयोजित ''शिक्षा क्षेत्र सार–संग्रह'' पर आभासी बैठक के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित

25 जनवरी, 2023 को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय, दिल्ली, शिक्षा संग्रह पर चर्चा संगोष्ठी के लिए विशेषज्ञ सलाहकार।

6–7 जनवरी, 2023 को शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा द्वारा आयोजित आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम और''उद्योग–संस्थान संबंध की स्थापना और संसाधन जुटाना'' विषय पर वक्ता के लिए आमंत्रित।

16–21 जनवरी, 2023 तक नीपा में आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया और 20 जनवरी, 2023 को 'संसाधन जुटाना' सत्र में प्रतिभागियों के साथ वार्तालाप

30–31 जनवरी, 2023 को नीपा में ''भारत में लैंगिक और उच्चतर शिक्षा'' विषय पर सम्मेलन के लिए संसाधन व्यक्ति और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित।

5 फरवरी, 2023 को शिक्षा की स्थिति -#संवाद श्रृंखला के भाग के रूप में शिक्षा और केंद्रीय बजट 2023–24 पर आईएमपआरआई #वेबपॉलिसीटॉक– के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।

13–18 फरवरी, 2023 तक नीपा में आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया और 16 फरवरी, 2023 को ''संसाधन जुटाना'' सत्र में प्रतिभागियों के साथ वार्तालाप।

14 फरवरी, 2023 को शिक्षा सार–संग्रह पर चर्चा के लिए आभासी बैठक में आमंत्रित।

21 फरवरी, 2023 को राजकीय जवलनुअम कॉलेज, जवलनुअम–796471, ममितः मिजोरम द्वारा आयोजित ''जी20 प्रेसीडेंसीः इंडिया एंड ग्लोबल वेलफेयर'' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

9–10 फरवरी, 2023 को नीपा में सतत उद्योग–अकादमिक संबंध प्रक्रियाओं और प्रथाओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

10 फरवरी, 2023 को नीपा में उद्योग–अकादमिक संबंधों को बनाए रखने में नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर अंतर–राष्ट्रीय पैनल।

14 फरवरी, 2023 को नीपा में जी20 भारत की अध्यक्षता और शिक्षा कार्यसूची, क्षमता निर्माण पर ट्रैक 3, भविष्य के कार्य के संदर्भ में आजीवन अधिगम पर परामर्शदात्री बैठक आयोजित।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विकसित/संचालित प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम

नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) के पाठ्यक्रम सं. 905: 'परियोजना कार्य और लेखन' की प्रशिक्षण सामग्री विकसित एवं क्रियान्वित।

10 फरवरी, 2023 को नीपा में उद्योग–अकादमिक संबंधों को बनाए रखने में नवाचारों और नवोन्मेष पर अंतर–राष्ट्रीय पैनल।

14 फरवरी, 2023 को नीपा में जी20 भारत की अध्यक्षता और शिक्षा कार्यसूची, क्षमता निर्माण पर ट्रैक 3, भविष्य के कार्य के संदर्भ में आजीवन अधिगम पर परामर्शदात्री बैठक।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम सीसी3 – अनुसंधान पद्धति I।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

भारतीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में गुणवत्ता के विश्लेषण पर परियोजना क्वालइंडिया के लिए कोलोन विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र और व्यावसायिक शिक्षा के अध्यक्ष, संघीय शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय, जर्मनी के साथ संयुक्त भागीदार।

(यूके: एडवर्ड एल्गार प्रकाशन) हांगकांग विश्वविद्यालय और मिनेसोटा विश्वविद्यालय के साथ नवउदारवाद बनाम राजनीतिक पूंजीवाद, वैश्विक कल्याण में निवेश – उच्च शिक्षा के लिए वित्त पोषण में बदलाव के प्रतिमान, शीर्षक पर एक योगदानकर्ता लेखक के रूप में 'शिक्षा में निवेश – सार्वजनिक कल्याण बदलाव या बहाव के प्रतिमान'' परियोजना के तहत प्रस्तुत शिक्षा नीति की पुस्तिका।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय में सलाहकार/विशेषज्ञ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान के हिस्से के रूप में कर्नाटक राज्य के बाल बजट में शैक्षिक विकास के लिए वित्तीय निहितार्थ, यूनिसेफ और राजकोषीय नीति संस्थान, कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु।

ग्रुप ए और बी संवर्ग के अधिकारियों के लिए ''लैंगिक बजट'' पर राष्ट्रीय और कर्नाटक सरकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकास पर मॉड्यूल प्रकाशित। एफपीआई, वित्त और महिला एवं बाल विकास विभाग, कर्नाटक सरकार। बेंगलुरु।.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान के हिस्से के रूप में कर्नाटक राज्य के बाल बजट में शैक्षिक विकास के लिए वित्तीय निहितार्थ, यूनिसेफ और राजकोषीय नीति संस्थान, कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

ऑक्सफोर्ड रिसर्च इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एजुकेशन में ''उच्च शिक्षा में बेहतर महिला भागीदारी की लैंगिक चिंताएँ'' शीर्षक पर आमंत्रित लेख।

अल. ग्विलीम क्राउचर व अन्य द्वारा संपादित एशियाई उच्च शिक्षा का प्रदर्शन – संस्थानों और प्रणालियों में उत्पादकता को समझना में ''उच्च शिक्षा में उत्पादकता को मापने में प्रतिमान बदलाव – चुनिंदा भारतीय तकनीकी शिक्षा संस्थानों का अध्ययन'' डॉ. मोना खरे आदि आईआईआईटी के साथ संयुक्त आमंत्रित लेख।

डिपार्टमेंटो डी इकोनोमिया पोलिटिका एस्कोला डी सिएन्सियास सोसियाइस ह्यूमनस लिस्बोआ पुर्तगाल, फातिमा सुलेमान डिरेटोरा के साथ रोजगार योग्यता से रोजगार तक उच्च शिक्षा स्नातकों का श्रम बाजार में 'भारत में विकास, रोजगार और रोजगारशीलता एक लिंग आधारित दृष्टिकोण पर सोनम अरोड़ा के साथ संयुक्त रूप से योगदान

पीएच.डी. का पर्यवेक्षण कार्य

1. राज गौरव
2. सुजीत कुमार लुहा

3. पारुल शर्मा

4. सृष्टि चमोला

5. सोनम अरोड़ा

6. संध्या दुबे

पीजीडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण

भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता पर चार राज्यों की रिपोर्ट सीपीआरएचई को सौंपी।

कुलपति, नीपा द्वारा नामित विभिन्न नीपा समितियों के अध्यक्ष और सदस्य। कुछ महत्वपूर्ण इस प्रकार हैं:

(ए) पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन करना।

(बी) सदस्य, नीपा द्वारा प्रकाशित, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), संपादकीय बोर्ड

(सी) अध्यक्ष (परियोजना कर्मचारियों के लिए जांच समिति)

(डी) सदस्य, अनुसंधान और विकास कक्ष

(ई) सदस्य–सचिव, एम.फिल./पीएच.डी. के लिए अर्धवार्षिक समीक्षा समिति।

(एफ) पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति (सीएएस)

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय में सलाहकार/विशेषज्ञ।

कला शिक्षा विभाग, ललित कला संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के विभागीय अनुसंधान समिति के लिए बाहरी सदस्य।

सदस्य, चयन समितिः यूपीएससी, भारत सरकार, नई दिल्ली, विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालय और कॉलेज, आरएमएसए, भारत सरकार, आदि।

सदस्य, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, आईआईसी, नई दिल्ली।

रोटरी इंटरनेशनल (आरसीडीसी), नई दिल्ली की फैलोशिप।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के लिए पीएच.डी. के बाहरी परीक्षक

आमंत्रित सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, एनएलआईयू,

फेलो, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण अनुसंधान कांग्रेस।

आजीवन सदस्य, भारतीय आर्थिक संघ।

आजीवन सदस्य, भारतीय आर्थिक संघ

आजीवन सदस्य, मध्य प्रदेश इकोनॉमिक एसोसिएशन।

वेटुकुरी पी.एस. राजू

प्रकाशन

उच्च शिक्षा का वित्तपोषणः जम्मू और कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना का एक अध्ययन, एन.वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही, द्वारा संपादित उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में पारंपरिक दृष्टिकोण और नवीन रणनीतियाँ, पर अध्याय स्प्रिंगर नेचर (2023) प्रकाशनाधीन.

28 मार्च–1 अप्रैल, 2022 को वंडालूर, तमिलनाडु में भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी और बी.एस. अब्दुर रहमान क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वंडालूर, चेन्नई 2022 द्वारा आयोजित 45वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस की कार्यवाही में जनता की शिक्षाः समानता और गुणवत्ता की तलाश, सम्मेलन की कार्यवाही (प्रकाशित), पृष्ठ 516–531, संदर्भित, 978–81–7097–333–1।

27–31 जनवरी, 2023 तक भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी और भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली द्वारा आयोजित 45वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस की कार्यवाही में ''कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों'' में बालिका शिक्षा में समानता और गुणवत्ता के मुद्दे पर सम्मेलन की कार्यवाही (प्रकाशित), पृष्ठ 180–183, संदर्भित 978–81–83879–28–1

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

9–11 दिसंबर, 2022 तक कंपरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया और मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा आयोजित शैक्षिक परिवर्तनः संकट और लचीलापन पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन में ''एनईपी 2020: लड़कियों की शिक्षा के लिए कार्यान्वयन रणनीतियाँ: केजीबीवी का एक केस अध्ययन'' पर एक लेख प्रस्तुत किया।

28 मार्च से 1 अप्रैल, 2022 तक बी.एस. अब्दुर रहमान क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वंदुलुर, चेन्नई, तमिलनाडु के सहयोग से 45वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में ''जनता की शिक्षा: समानता और गुणवत्ता की खोज'' पर अध्यक्षीय अभिभाषण .

27–31 जनवरी, 2023 तक भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी का XLVI सम्मेलन और भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली द्वारा आयोजित 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों' के विशेष संदर्भ में बालिका शिक्षा में समानता और गुणवत्ता के मुद्दे' पर अध्यक्षीय भाषण।

10–12 मार्च, 2022 के दौरान उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा उपनिवेशिवाद के बाद विश्व में उच्च शिक्षा: कोविड पश्चात स्थिति में नया सामान्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''उच्च शिक्षा में उत्तर–औपनिवेशिक विकास: छात्र–आधारित वित्त पोषण'' पर लेख प्रस्तुत किया।

16–17 फरवरी, 2023 को उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन पर सीपीआरएचई/ब्रिटिश काउंसिल अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भागीदारी।

नीपा द्वारा आयोजित मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान में भागीदारी

6 मार्च, 2023 को नीपा वार्तालाप संगोष्ठी में भागीदारी।

9–10 फरवरी, 2023 को सतत उद्योग–अकादमिक संबंध: प्रक्रियाएं और प्रथाएं पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी।

10 फरवरी, 2023 को उद्योग–अकादमिक संबंधों को बनाए रखने में नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर अंतर–राष्ट्रीय पैनल में भागीदारी।

नीपा में आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

14–18 नवंबर, 2022 को स्कूली शिक्षा में छात्र–आधारित वित्तीय सहायता प्रणाली: मुद्दे और चुनौतियाँ पर अभिविन्यास कार्यक्रम।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पाठ्यक्रम सं. 903: शैक्षिक योजना और पाठ्यक्रम सं. 905 परियोजना कार्य और लेखन) पर प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई और संचालन किया।

गुणवत्तापूर्ण सामग्री और अधिगम अनुभवों के लिए खुली प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र और खुले शिक्षण संसाधनों का लाभ उठाने पर जी20 सलाहकार बैठक (कोर टीम सदस्य)।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

14–18 नवंबर, 2022 को स्कूली शिक्षा में छात्र–आधारित वित्तीय सहायता प्रणाली: मुद्दे और चुनौतियाँ पर अभिविन्यास कार्यक्रम।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) (पाठ्यक्रम सं. 905 परियोजना कार्य और लेखन, पाठ्यक्रम सं. 903 भाग II: शैक्षिक योजना) पर प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई और संचालन किया।

गुणवत्तापूर्ण सामग्री और अधिगम अनुभवों के लिए खुली प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र और खुले शिक्षण संसाधनों का लाभ उठाने पर जी20 सलाहकार बैठक (कोर टीम सदस्य)।

सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और अकादमिक सहायता

एनसीईआरटी/शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के राष्ट्रीय मूल्यांकन की कोर कमेटी सदस्य। (अध्ययन के संचालन के लिए विभिन्न राज्यों में भाग लेने वाली कार्यशालाओं और दौरों की संख्या)।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एम.फिल. शोध निबंधों का पर्यवेक्षण

पीजीडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण

शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन पर अनुसंधान रुचि समूह के संयोजक, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी।

नीपा छात्रावास के वार्डन

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

संयुक्त सचिव और आजीवन सदस्य, कम्पेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।

संयोजक, शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन पर अनुसंधान रुचि समूह (सीईएसआई)

सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी

पूर्व छात्र सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशन

पुस्तक/अध्याय

'*'प्राब्लम एंड पर्सपैक्ट्स आफ सिक्स्थ शैड्यूलः टूवार्डस ट्राइब्स ऑटोनॉमी एंड गवर्नेंस'* पुस्तक में 'द ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल्स एंड डिसेंट्रलाइज्ड एजुकेशनल गवर्नेंस इन द नॉर्थ–ईस्टः चेंज एंड कॉन्टिन्यूइटी' अध्याय, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता।

यूनिट–1 'द रोल आफ पॉलिसी इन हायर एजुकेशनः द कन्टूर्स ऑफ एनईपी 2020', एनईपी–2020 के कार्यान्वयन पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम का हिस्सा मॉड्यूल 1ः बुनियादः संरचना, पहुँच, समानता और भारतीय ज्ञान परंपरा' पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत इग्नू, नई दिल्ली। इग्नू, 2022.।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

18–22 फरवरी, 2023 को वाशिंगटन में आयोजित सीआईईएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सामाजिक न्याय और स्थिरता के साधनों में स्वदेशी ज्ञान प्रणाली – झारखंड में हो जनजाति का केस अध्ययन' विषय पर लेख प्रस्तुत।

24–25 मार्च, 2023 को वसंता कॉलेज, वाराणसी में 'भारत में सांस्कृतिक विविधता, बहुलवाद और शिक्षाः निरंतरता, चुनौतियां और आगे की राह' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

4–5 अगस्त, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में 'उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिताः नीतियां और प्रथाएं' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन मोड) का आयोजन किया।

29–31 अगस्त, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में 'एनईपी –2020 के तहत एसईडीजी के लिए विशेष शिक्षा क्षेत्रों का संचालनः कार्यान्वयन और चुनौतियां' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन मोड) का आयोजन किया।

9–10 नवंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में 'एनईपी–2020 कार्यान्वयन (स्कूल शिक्षा)ः स्थिति, मुद्दे और राह' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन मोड) का आयोजन किया।

5–6 दिसंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में 'एनईपी–2020 कार्यान्वयन (स्कूल शिक्षा)ः स्थिति, मुद्दे और राह' पर एक राष्ट्रीय जांच कार्यशाला का आयोजन किया।

1–3 फरवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में 'आरटीई अधिनियम के तहत वंचितों की शिक्षा' पर एक राष्ट्रीय अभिविन्यास कार्यशाला (ऑनलाइन मोड) का आयोजन किया।

पूर्ण अनुसंधान

'एनईपी–2020 कार्यान्वयन (स्कूल शिक्षा)ः स्थिति, मुद्दे और राह' पर रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को सौंपी गई। (जांचकर्ताः प्रो. ए.के. सिंह, प्रो. वीरा गुप्ता, प्रो. रस्मिता दास स्वॉई, डॉ. एस.के. मल्लिक, डॉ. कश्यपी अवस्थी)

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

'शिक्षा की नींव' पर एम.ए. ई.डी पाठ्यक्रम विकसित किया।

एम.फिल./पी.एच.डी. में अनिवार्य पाठ्यक्रम सीसी1: 'शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य' का शिक्षण

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–7: 'समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा'।

अनिवार्य पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षाः एक परिप्रेक्ष्य, शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) कार्यक्रम।

पीएच.डी. शोध का पर्यवेक्षण

लबोनी दास, पीएच.डी. विद्वान (अंशकालिक) को उनके अध्ययन 'सामाजिक न्याय और स्थानीय शासन में प्राथमिक शिक्षा में वंचित समूहों की भागीदारी' विषय में मार्गदर्शन किया (डिग्री से सम्मानित)।

नीलांजना मोइत्रा, पीएच.डी. विद्वान, को उनके अध्ययन 'झारखंड, के क्षेत्रों में 5वीं अनुसूची जनजातीय एजेंसी और उच्च शैक्षिक अभिशासन' पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

डालसी गंगमेई, पीएच.डी. विद्वान, को उनके अध्ययन 'उच्च शिक्षा में पहचान और भागीदारी: दिल्ली के चयनित शैक्षणिक संस्थानों में पूर्वोत्तर जातीय अल्पसंख्यक छात्रों का अध्ययन' विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

पीएच.डी. विद्वान बागेश कुमार को उनके अध्ययन 'उच्च शिक्षा में पहचान प्रवचनः दलित–बहुजन छात्र संगठनों का अध्ययन'' विषय में मार्गदर्शन प्रदान किया।

जमशेद अहमद, पीएच.डी विद्वान, को उनके अध्ययन 'मदरसों में आधुनिक शिक्षाः गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में चयनित मदरसों का अध्ययन' विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

वंदना तिवारी, को उनके अध्ययन 'कक्षा, भाषा और शैक्षिक प्राप्तिः दिल्ली में चयनित निजी गैर–सहायता प्राप्त स्कूलों में आरटीई अधिनियम के तहत ईडब्ल्युएस श्रेणी के छात्रों का अध्ययन' पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

टीना ठाकुर को उनके अध्ययन 'कुलीन शिक्षा, वर्ग विशेषाधिकार और वैश्वीकरणः भारत में अन्तर्राष्ट्रीय स्कूलों का अध्ययन पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

समिति/निकायों की सदस्यता

अध्यक्ष, अनुदान सहायता योजना, एमएचआरडी, भारत सरकार, नई दिल्ली 2015 से 5 वर्षों से अधिक के लिए।

सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई)।

सदस्य, आदिवासी और स्वदेशी अध्ययन जर्नल (जेएआईएस) संपादकीय सलाहकार बोर्ड।

सदस्य, वैश्विक विश्वविद्यालय के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के सुदृढ़ीकरण के लिए समिति।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक गतिविधियाँ

संपादक, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा)।

अध्यक्ष, अनुसंधान एवं प्रकाशन समीक्षा समिति, नीपा।

अध्यक्ष, परीक्षा समिति, नीपा।

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा।

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा।

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, नीपा।

वीरा गुप्ता

प्रकाशन

पुस्तक/अध्याय

सतत विकास के लिए नेतृत्व पथ परः ''मैं समावेशी कक्षा कैसे बनाऊं'' पर मॉड्यूल स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा।

सतत विकास के लिए नेतृत्व पथ में ''विकलांग बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्तर की समावेशी शिक्षा नीतियां'' पर मॉड्यूलः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा।

''एसएलडी और एएसडी वाले बच्चों सहित'' एनसीईआरटी के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पैकेज।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

12–14 दिसंबर, 2022 को वाधम कॉलेज, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित ''भारत में विकलांग महिलाओं के लिए शिक्षा के अधिकारः नीति बनाम परिणाम'' विषय पर ऑक्सफोर्ड महिला नेतृत्व संगोष्ठी में लेख प्रस्तुत किया गया।

1–2 नवंबर, 2022 को शिक्षा संकाय, विशेष शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित ''समावेशी शिक्षा में अधिगम के लिए सार्वभौमिक रूपरेखा'' पर 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष और मुख्य वक्ता।

25 नवंबर, 2022 को शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उच्च शिक्षा में विकलांग व्यक्तियों'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन भाषण दिया।

10–11 अक्टूबर, 2022 को एनसीईआरटी द्वारा ''स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण और स्कूल प्रशासकों की भूमिका'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता।

29 नवंबर से 6 दिसंबर, 2022 तक ''एनईपी 2020ः दूरस्थ, ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण में विकलांग छात्रों की सेवा'' पर यूजीसी द्वारा अनुमोदित अल्पकालिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में 30 नवंबर, 2022 को ''उच्च शिक्षा में विकलांग महिलाएं'' पर संसाधन व्यक्ति।

11 नवंबर, 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर मौलाना अबुल कलाम की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक शिक्षा विभाग, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय में वक्ता।

3 जनवरी, 2023 को प्रशिक्षण इकाई सीबीएसई द्वारा ''भारत में महिला शिक्षा पर सावित्रीबाई फुले का प्रभाव'' विषय पर आयोजित वेबिनार में वक्ता।

कार्यशाला/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

20–24 मार्च, 2023 के दौरान ''नीति निर्माण निकाय और प्रक्रियाएं'' पर अभिविन्यास पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

यूनेस्को, व्हिस्पर और एनसीपीईडीपी द्वारा प्रायोजित स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम में विकलांग लड़कियों और युवा महिलाओं के लिए यौवन शिक्षा पर शिक्षण अधिगम संसाधन सामग्री (मॉड्यूल) (2022) डिजाइन और विकसित की गई।

''सरकारी स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर अधिगम के परिणामों को मजबूत करना'' पर विस्तार परियोजना।

''विशिष्ट अधिगम की अक्षमता वाले बच्चों को शिक्षित करने के लिए प्रणालीगत और व्यवस्थित हस्तक्षेप'' पर पुस्तक।

पूरा शोध

एनईपी–2020 कार्यान्वयन (स्कूल शिक्षा)ः स्थिति, मुद्दे और राह पर रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को सौंपी गई (*जांचकर्ताः* प्रो. ए.के. सिंह, प्रो. वीरा गुप्ता, प्रो. रस्मिता दास स्वाँई, डॉ. एस.के. मल्लिक, डॉ. कश्यपी अवस्थी)

अन्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ

शिक्षा मंत्रालय की बौद्धिक विरासत परियोजना हेतु एनईपी के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए विभाग द्वारा आयोजित दो कार्यशालाओं में भागीदारी।

शिक्षा मंत्रालय की बौद्धिक विरासत परियोजना के लिए विकलांग छात्रों के लिए समग्र शिक्षा के तहत समावेशी शिक्षा नामक सीएसएस के मूल्यांकन पर मसौदा रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत की।

जामिया पत्रिका, विमेन लिंक के लिए दो पत्रों की समीक्षा की।

अनुसंधान का पर्यवेक्षक

पीएच.डी. छात्रा संगीता डे का नीपा थीसिस का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. छात्रा प्रीतिशर्मा, नीपा

पीएच.डी. छात्र नायब प्रवीण, नीपा

पीएच.डी. छात्र शालिनी वर्मा, डीईआई, आगरा की थीसिस के परीक्षक।

पीएच.डी. छात्र समराह खान आईएएसई, जामिया मिलिया इस्लामिया की थीसिस का मूल्यांकन।

15 नवंबर, 2022 को जेएमआई, नई दिल्ली में समरा खान की पीएच.डी. मौखिक परीक्षा।

पीएच.डी. छात्र स्मिताबिदानी की डिग्री, जेएमआई, नई दिल्ली के परीक्षक।

समितियों/निकायों के सदस्य

जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

29 सितंबर, 2022 को एनसीपीसीआर द्वारा ''नई शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के आलोक में पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में उपयुक्त बदलावों के माध्यम से स्कूल बैग का वजन कम करना'' विषय पर आयोजित समूह के विशेषज्ञ सदस्य।

13 सितंबर, 2022 को आयोजित एंग्लो अरेबिक मॉडल स्कूल की प्रबंध समिति की बैठक के सदस्य।

संकाय समिति, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने 22 दिसंबर, 2022 के बैठक में संकाय समिति के बाहरी सदस्यों में से एक के रूप में नाम को मंजूरी दी है।

मई 2023. से तीन वर्षों के लिए दिल्ली एजुकेशन सोसायटी के सदस्य।

आईसीसी, जामिया, नई दिल्ली के सदस्य।

सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र, जेएमआई, नई दिल्ली के सीओएस के सदस्य।

23 नवंबर, 2022 को पाठ्यक्रम और संस्थान की मान्यता के लिए एनसीटीई की निरीक्षण टीम के सदस्य।

डी.ई.आई., आगरा के शोध डिग्री समिति के सदस्य।

मनीषा प्रियम

प्रकाशन

पुस्तकें/अध्याय

2022: प्रियम, एम. (संपा) रिक्लेमिंग पब्लिक युनिवर्सिटीज: कंपरेटिव रिफ्लेक्शंस फॉर रिफार्म्स, रूटलेज।

2023: रॉब जेनकिंस और लुईस टिलिन द्वारा संपादित ''द मॉडर्न यूनिवर्सिटी इन ए लोकल एरेना: द पॉलिटिक्स ऑफ एजुकेशनल रिफॉर्म्स इन प्रिंसली मैसूर'', पुस्तक में डिके एंड पॉलिटिकल रिजनरेशन इन इंडियन पालिटिक्स: जेम्स मैनर के सम्मान में निबंध, अध्याय, ओरिएंट ब्लैकस्वान।

2023: "वेदर टीचर्स? एजुकेशन रिफार्म्स इन द एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन, रज्जाक, अजरा, पद्मा सारंगपानी और मनीष जैन (संस्करण) में पुस्तक अध्याय 'एजुकेशनल, टीचिंग एंड लर्निंग: डिस्कोर्स, कल्चर्स एंड कन्वरसेशन, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, पीपी.193–217।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

2022: मनीषा प्रियम, क्रेग जेफरी और जेन डायसन: इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, में ''स्टूडेंट फूड इनसिक्योरिटी इन इंडिया'' (वाल्यूम 57, अंक 50, दिसंबर 10, टिप्पणी अनुभाग) https://www.epw.in/journal/2022/50/commentary/food-insecurity-among-students-india.html

2022: सिन्हा, असीमा और मनीषा प्रियम: ''विलिंग'' एथनिक–नेशनलिस्ट, डिफ्यूजन एंड रिसेंटमेंट इन इंडिया: ए माइक्रो–फाउंडेशनल अकाउन्ट, मॉडर्न एशियन स्टडीज (2022), 1–32 doi:10.1017/S0026749X22000208

सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी *(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)*

23 जून, 2022 को लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ''भारत में महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका'', पर आमंत्रित विशेष व्याख्यान।

25 जून, 2022 को ''वैश्विक दक्षिण से महिला और विकास अधिगम'', पर ए.एन.सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज और सी3, पटना में भागीदारी।

11 जुलाई, 2022 को समाजशास्त्र विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में ''गली में उद्यम संस्कृति: पटना में युवाओं और उच्च शिक्षा के भौगोलिक बदलाव'' पर विशेष व्याख्यान।

13 जुलाई, 2022 को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई में ''गली में उद्यम संस्कृति: पटना में युवाओं और उच्च शिक्षा के भौगोलिक बदलाव'' पर विशेष व्याख्यान।

23 अगस्त, 2022: ''शोध पद्धति के रूप में नृवंशविज्ञान'', सीआईएस और एलएस, सीएसएस, जेएनयू।

24 अगस्त, 2022: ''संकट के समय में उच्च शिक्षा'', टिस्स–राष्ट्रीय मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान 'संकट के समय में शिक्षक शिक्षकों और विश्वविद्यालय व्याख्याताओं की शोध तैयारी' पर सेमिनार में भागीदारी।

29 अगस्त, 2022 को ''शहरी सीमांतता और सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों के शैक्षिक मुद्दे'', शिक्षा नीति विभाग, नीपा द्वारा एनईपी 2020 और सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों पर आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी

8 सितंबर, 2022 को मोती लाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ''नई शिक्षा नीति 2020: बहु–अनुशासनात्मकता की खोज'' पर आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी

23 सितंबर, 2022 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में ''वर्तमान भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण विश्वविद्यालयों का निर्माण'', पर आमंत्रित विशेष व्याख्यान।

1 अक्टूबर, 2022 को ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में नई अवधारणाएं: बहु–अनुशासनात्मकता और भाषाओं की खोज'', सीबीएसई स्कूल प्राचार्य सम्मेलन, कोच्चि में भागीदारी

10 नवंबर, 2022 को प्रोफेसर क्रेग जेफरी के पेनल नेतृत्व में मेलबर्न विश्वविद्यालय द्वारा ''उत्तर में भारत में युवाओं के विकास, शिक्षा और सामाजिक परिदृश्य में बदलाव'' पर अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ एंथ्रोपोलॉजी पैनल में ''भारत में सामाजिक परिदृश्य का पुनर्निमाण कर रहे युवाओं के विकास में बदलाव पर चर्चा।

10 नवंबर, 2022 को उच्च शिक्षा पर अनुसंधान रुचि समूह, सीईएसआई द्वारा "किसके लिए? ''नीचे से ऊपर'' परिप्रेक्ष्य से उच्च शिक्षा के प्रशासन की पूछताछ'' पर भागीदारी।

16 नवंबर, 2022 को केटीएचएम कॉलेज, नासिक द्वारा लैंगिक अनुसंधान में शोध के तरीके, ''लिंग और सामाजिक वास्तविकताओं को समझना और शोध करना'' पर अनुसंधान क्षमता का निर्माण पर आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी।

17 नवंबर, 2022: ::आवाज, एजेंसी, और शैक्षिक अनुसंधान में नृवंशविज्ञान परिप्रेक्ष्य का उपयोग'', जेएनयू–एचआरडीसी समाजशास्त्र में 42वां पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, जेएनयू।

7 जनवरी, 2023 सेंट थेरेसा, कोच्चि के ''नई शिक्षा नीति 2020: बहु–अनुशासनात्मकता की खोज'' पर आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी।

1 मार्च, 2023 को गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कश्मीर के ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में नई अवधारणाएँ: बहु–अनुशासनात्मकता और भाषाओं की खोज'' पर आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी।

1 फरवरी, 2023 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बीएचयू के ''नई शिक्षा नीति 2020: बहु–अनुशासनात्मकता की खोज'' पर आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी।

10 फरवरी, 2023: ''नीति संक्षिप्त कैसे लिखें'', उद्योग–अकादमिक सहयोग पर नीपा कार्यशाला में भागीदारी।

9 मार्च, 2023 को ''भारत में महिला सशक्तिकरण: अवसर और चुनौतियाँ'', पर स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, सियोल में भागीदारी।

22–23 मार्च, 2023 तक गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर नीपा–नीति आयोग कार्यशाला में ''भारत में शिक्षा नीति कार्यान्वयन: नीचे से दृष्टिकोण'', पर 22 मार्च, 2023 को भागीदारी ।

27 मार्च, 2023 को समाजशास्त्र विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय द्वारा ''उत्तर भारत में युवाओं का विकास और शिक्षा के लिए शहरी सीमांतता में बसना''।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

24 अगस्त, 2022 को नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान के अवसर पर वक्ता।

नीपा वार्तालाप, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष, नीपा

- 29 सितंबर, 2022: ''उपनिवेशवाद मुक्तिज्ञान बहुलवाद और विश्वविद्यालय की प्रासंगिकता'', प्रोफेसर श्रुति तांबे, समाजशास्त्र विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय।
- 19 अक्टूबर, 2022: ''ज्ञान की राजनीति'', प्रोफेसर मनिन्द्र एन.ठाकुर, सीपीएस, जेएनयू।
- 6 दिसंबर, 2022: ''जटिल आपात स्थितियों में शैक्षणिक जवाबदेही'', प्रोफेसर रुकसाना उस्मान और प्रोफेसर एलिजाबेथ वाल्टन

6 मार्च, 2022: ''चयनात्मक शहरीकरण: युवा, नीति और समकालीन भारत में शहरी क्षेत्र, प्रोफेसर क्रेग जेफरी, मेलबर्न विश्वविद्यालय।

24 जनवरी, 2023: ''आर्थिक अधिकार: वही विचार'', प्रोफेसर अकील बिलग्रामी, कोलंबिया विश्वविद्यालय।

12–13 दिसंबर, 2022 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के साथ आउटरीच कार्यशाला ''परिप्रेक्ष्य पल्लवन'' पर ''मानविकी और सामाजिक विज्ञान और हिंदी में अकादमिक लेखन पर विचार–विमर्श''।

''भारत में लिंग और उच्च शिक्षा'', जनवरी 30–31, 2023, नीपा।

''गुणात्मक अनुसंधान और विकास नीति'', नीपा–नीति आयोग सहयोगात्मक कार्यशाला, 22–23 मार्च, 2023।

27–28 मार्च, 2023 को नीपा–समाजशास्त्र विभाग, सावित्रीबाई फुले, पुणे विश्वविद्यालय के सहयोग से ''भारत में शहरी सीमांतता, सामाजिक नीति और शिक्षा'' पर कार्यशाला।

परिप्रेक्ष्य, दिसंबर 2019 एवं अप्रैल 2020, शिक्षा और विकेन्द्रीकरण, अगस्त 2022

परिप्रेक्ष्य, अगस्त एवं दिसंबर 2020, राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020, जुलाई 2022

परिप्रेक्ष्य, दिसंबर 2021 एवं अप्रैल 2022, जनवरी 2023

समितियों / निकायों की सदस्यता

सदस्य, लैंगिक बजट समिति, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य, ऑस्ट्रेलिया–भारत अनुसंधान छात्र फेलोशिप संचालन समिति, ऑस्ट्रेलिया–भारत संस्थान, मेलबर्न विश्वविद्यालय

शिक्षा मंत्रालय के लिए रूसा कार्यक्रम के मूल्यांकन के तहत क्लस्टर विश्वविद्यालयों, जम्मू और श्रीनगर की समीक्षा

एस.के. मलिक

प्रकाशन

पुस्तकें / अध्याय

'द ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल्स एंड डिसेंट्रीलाइज्ड एजुकेशनल गवर्नेंस इन द नॉर्थ–ईस्टः चेंज एंड कंटीन्यूटी' में 'प्राब्लम्स एंड प्रॉसपैक्ट्स ऑफ सिक्स्थ शेड्यूलः टूवड्र्स ट्राइब्स ऑटोनॉमी एंड गवर्नेंस' एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता (2022)

सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

24 अगस्त, 2022 को नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान पर ऑनलाइन कार्यक्रम में भागीदारी।

12–14 अक्टूबर, 2022 को नॉक समिति में भागीदारी।

21 अक्टूबर, 2022 को नीपा दीक्षांत समारोह में भागीदारी।

11 नवंबर, 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

22 नवंबर, 2022 को नीपा हीरक जयंती समारोह में भागीदारी।

16–17 फरवरी, 2023 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में ''भारत में उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

30–31 जनवरी, 2023 को ''लिंग और उच्च शिक्षा'' पर नीपा सेमिनार में भागीदारी।

6 मार्च, 2023 को प्रोफेसर क्रेग जेफरी द्वारा ''चयनात्मक शहरीकरण युवा, नीति और समकालीन भारत में शहरी क्षेत्र, विषय पर नीपा वार्तालाप व्याख्यान में भागीदारी।

10 मार्च, 2023 को प्रोफेसर मैरी ई. जॉन, डॉ. बिट्टू कावेरी राजारमन और डॉ. सुनैना आर्य द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

कार्यशाला / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

4–5, अगस्त, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में ''उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिताः नीति और आचरण'' विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला।

29–31 अगस्त, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में ''एनईपी–2020 के तहत एसईडीजी के लिए विशेष शिक्षा क्षेत्रों का संचालनः कार्यान्वयन और चुनौतियां'' पर ऑनलाइन कार्यशाला।

9–10 नवंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में ''एनईपी–2020 कार्यान्वयन (स्कूल शिक्षा): स्थिति, मुद्दे और राह'' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला।

5–6 दिसंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में ''एनईपी–2020 कार्यान्वयन (स्कूल शिक्षा): स्थिति, मुद्दे और राह'' विषय पर फेस–टू–फेस राष्ट्रीय कार्यशाला।

1–3 फरवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में ''आरटीई'' पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यशाला।

अन्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ

वैकल्पिक पाठ्यक्रम सं. 05 (शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय शासन) पर एम.फिल./पी.एच.डी. में अध्यापन

थीसिस का पर्यवेक्षण

एम.फिल. छात्र अश्विनी अजगर के शोध प्रबंध ''आदिवासी बच्चों की स्कूली शिक्षा के प्रारंभिक चरण: ओडिशा में बहुभाषी शिक्षा का अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

''आरटीई अधिनियम 2009 के तहत महाराष्ट्र राज्य के गोंदिया जिले में स्कूल प्रबंधन समितियों की भूमिका और कार्य'' पर पीजीडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण

समितियों/निकायों के सदस्य

प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अनुसंधान समूह के सदस्य

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम समिति के सदस्य

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश के लिए जांच समिति के सदस्य।

नवाचार पुरस्कार जांच समिति के सदस्य

अध्यक्ष, निविदा खोलने वाली समिति

योग समिति के सदस्य

शिकायत निवारण समिति के सदस्य

हरित समिति के सदस्य

जल संरक्षण समिति के सदस्य

शिक्षा और विकास में एम.ए पाठ्यक्रम समिति के सदस्य

शिक्षा और विकास पर एम.ए. पाठ्यक्रम के शुल्क विनिमय समिति के सदस्य

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

शैक्षिक योजना और प्रशासन संघ के सदस्य।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पांडा

प्रकाशन

शिक्षा मंत्रालय की बौद्धिक विरासत परियोजना के हिस्से के रूप में समग्र शिक्षा पर एक अध्याय : भारतीय स्कूली शिक्षा में बदलाव की दिशा में गुणवत्तापूर्ण पहल और रिपोर्ट तैयार की गई।

सेमीनार/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

'9 जनवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में 'कोविड महामारी के बाद की अवधि में बच्चों की स्कूल भागीदारी की वर्तमान स्थिति पर केन्द्रण'' पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं 2022–23 के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष,।

25 अगस्त, 2022 को बैंकॉक, थाईलैंड में दक्षिण पूर्व एशियाई शिक्षा मंत्री संगठन सचिवालय (सीईएएमईओ सचिवालय) द्वारा आयोजित वेबिनार में ''कक्षा में छात्रों के बीच सतत नवाचार संस्कृति को एकीकृत करना'' पर एक व्याख्यान दिया।

3 जून, 2022 और 6 जून, 2022 को यूनेस्को, नई दिल्ली में एशिया–प्रशांत क्षेत्रीय शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में ''प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में सीमांत प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर स्थितिजन्य विश्लेषण'' पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय

3 मार्च, 2023 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में देश में समग्र भर्ती प्रक्रिया पर एनईपी 2020 की सिफारिशें के अनुसार कक्षा 1 में प्रवेश की आयु (6 वर्ष) को संरेखित करने और स्नातक अवधि को 4 वर्ष तक बढ़ाने के परिणामों पर चर्चा करने के लिए स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय (एमओई) में बैठक में भागीदारी

20 मार्च, 2023 और 24 मार्च, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में 'स्कूल शिक्षा में सार्वजनिक नीतियों में संकेतकों का उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' में 'एसडीजी लक्ष्य 4 और स्कूल शिक्षा' पर उद्घाटन और समापन संबोधन।

15–17 मार्च, 2023 को खालसा कॉलेज, अमृतसर, पंजाब में दूसरी जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठक में भागीदारी।

3–4 मार्च, 2023 को अमृतसर, पंजाब में पहली जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठक में भागीदारी।

3 मार्च, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में सीमैट निदेशकों की वार्षिक बैठक में 'शाला सिद्धिः एसएसएसएए की स्थापना सहित प्रमुख निष्कर्ष और हालिया पहल' पर एक व्याख्यान दिया।

13 फरवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में जी20 शिक्षा कार्य समूह से संबंधित, ''विशेष रूप से मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना'' विषय पर आधे दिन की सलाहकार बैठक में व्याख्यान दिया।

9 फरवरी, 2023 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर कक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में ''सामाजिक समूहों में कौशल विकास कार्यक्रमों पर कोविड–19 के प्रभाव का अध्ययन'' विषय पर कार्यकारी समिति में विशेषज्ञ।

2 फरवरी, 2023 को इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर, नई दिल्ली में 'नीति परिप्रेक्ष्य और शिक्षा में स्वायत्तता और जवाबदेही'', ''स्कूल और शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन'', एससीईआरटी, दिल्ली सत्र के अध्यक्ष।

19 जनवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में ''कोविड महामारी के पश्चात की अवधि पर विशेष ध्यान के साथ बच्चों की स्कूल भागीदारी की वर्तमान स्थितिः सामाजिक पूंजी के उपयोग और सुदृढ़ीकरण की संभावना को समझना'' विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

9 जनवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में ''वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं'' पर सहयोगात्मक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

1–3 दिसंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में ''स्कूल शिक्षा में सीमांत प्रौद्योगिकी का उपयोग'' पर उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और व्याख्यान दिया और ''शैक्षिक प्रशासकों और शिक्षक प्रशिक्षकों की दक्षताओं को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला'' के समापन सत्र की अध्यक्षता की।

12 अक्टूबर, 2022, नई दिल्ली, में भारतीय स्कूल शिक्षा बोर्ड परिषद की कार्यकारी समिति में सदस्य के रूप में भागीदारी।

30 सितंबर, 2022 को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, जनपथ, नई दिल्ली में ''प्रारंभिक बचपन के विकास में स्वदेशी खिलौनों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' पर बैठक में भागीदारी।

28 सितंबर, 2022 को नीपा नई दिल्ली में 'विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में महिला विकास कक्ष के सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला'' में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य और व्याख्यान दिया।

20 सितंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में नीपा संकाय और यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात के साथ बच्चों के परस्पर वार्तालाप सत्र की सुविधा प्रदान की और आयोजन किया।

15 सितंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में समग्र शिक्षा पर मूल्यांकनात्मक अध्ययन' पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सकार की 'बौद्धिक विरासत, के लिए लेखक के रूप में भागीदारी।

25 अगस्त, 2022 को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई में 'शिक्षक शिक्षा प्रावधान/प्रदाताओं के प्रशासन और विनियम', समानता और समावेशन की संभावनाएं के लिए शिक्षक तैयारी पर परियोजना–अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।

31 अगस्त, 2022 को शैक्षिक नीति विभाग, नीपा, नई दिल्ली में ''एनईपी–2020 के तहत एसईडीजी के लिए विशेष शिक्षा क्षेत्रों का संचालनः कार्यान्वयन चुनौतियां और मार्ग'' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

12 जुलाई, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व, 'स्कूल मूल्यांकन और गुणवत्ता सुधार' पर अभिविन्यास–सह–कार्यशाला' में भागीदारी।

30 जून, 2022 को राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, अमरावती, आंध्र प्रदेश में 'आंध्र प्रदेश के स्कूलों में शिक्षण और अधिगम प्रथाओं में बदलाव के संयुक्त प्रयास, विश्व बैंक समर्थन' पर विशेषज्ञ समिति की बैठक में भागीदारी।

17 जून, 2022 को शिक्षा विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, मुंबई, महाराष्ट्र में ''उच्च शिक्षा के बदलते परिदृश्य में शिक्षक की भूमिका'' पर व्याख्यान दिया।

9–23 मई, 2022 तक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में शिक्षक शिक्षा पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 'शिक्षक शिक्षा में अभिशासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन' पर व्याख्यान दिया।

30 दिसंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय के सलाहकार समूह की बैठक में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल, 'समग्र शिक्षा पर एक मूल्यांकन अध्ययन', बौद्धिक विरासत का निर्माण' परियोजना के अनुसंधान निष्कर्षों पर थीम समन्वयक के रूप में प्रस्तुति।

15 जुलाई, 2022 को कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सीओएल), कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) और नीपा द्वारा उच्च शिक्षा में ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण पर आयोजित कार्यशाला/गोलमेज सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में भागीदारी।

20–24 मार्च, 2023 नई दिल्ली में 'शाला सिद्धिः स्कूली शिक्षा में संकेतक आधारित परिवर्तन', स्कूली शिक्षा में साक्ष्य आधारित नीति निर्माण का उपयोग करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और व्याख्यान दिया।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

27 मई, 2022 को अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा ''शिक्षक शिक्षा में शासन सुधारों को संस्थागत बनानाष''विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

6 सितंबर 2022 को ''समग्र शिक्षा'' ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई पहल पर मूल्यांकनात्मक अध्ययन'' पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक।

29–30 सितंबर, 2022 को समग्र शिक्षा'' ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई पहल का मूल्यांकनात्मक अध्ययन'' पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक।

12–13 दिसंबर, 2022 को समग्र शिक्षा'' ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई पहल का मूल्यांकनात्मक अध्ययन'' पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक।

19–20 दिसंबर, 2022 को समग्र शिक्षा'' ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई पहल का मूल्यांकनात्मक अध्ययन'' पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक।

कार्यक्रम निदेशक के रूप में आईक्यूएसी पहल के तहत 5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया।

आधिकारिक बैठकों में भागीदारी

समग्र शिक्षा'' ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई पहल पर सहायता प्रदान की और मूल्यांकनात्मक अध्ययन'' आयोजित किया गया।

24 फरवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में विभागीय सलाहकार समिति, स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग और शाला सिद्धि की विभागीय सलाहकार समिति का आयोजन किया।

15 मार्च, 2023 को नीपा की अकादमिक परिषद की 31वीं बैठक में भागीदारी।

13 मार्च, 2023 को नीपा के अध्ययन बोर्ड की 12वीं बैठक में भागीदारी।

18 जनवरी, 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली में पीएबी बैठक (शाला सिद्धि) में भागीदारी।

20 मार्च, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में योजना एवं निगरानी बोर्ड, नीपा की चौथी बैठक में भागीदारी।

13 मार्च, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में अध्ययन बोर्ड, नीपा की 12वीं बैठक में भागीदारी।

6 मार्च, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में कार्यकारी समिति सदस्य के रूप में स्कूल नेतृत्व के लिए विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी

नीपा के लिए एम.ए. ई.डी., पाठ्यक्रम सामग्री की रूपरेखा

शिक्षा एवं विकास (सेमेस्टर–II)

तुलनात्मक एवं अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा (सेमेस्टर–IV)

अनुसंधान अध्ययन और परियोजनाएं

'भारत में शिक्षक शिक्षा के शासन, विनिमय और गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन, नीपा अनुसंधान परियोजना का समन्वय और प्रबंधन।

''समग्र शिक्षा पर मूल्यांकन अध्ययन'' पूरा किया और जनवरी 2023 में नीपा को शोध रिपोर्ट सौंपी।

'स्कूल की गुणवत्ता सुधार पर शाला सिद्धि कार्यक्रम का प्रभाव' पर अनुसंधान परियोजना का समन्वय और प्रबंधन।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

नीपा, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए मूल पाठ्यक्रम (सीसी–2) 'भारत में शिक्षा' संशोधित और विकसित।

नीपा, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए मूल पाठ्यक्रम (सीसी–2) 'भारत में शिक्षा' के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

नीपा, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–3) 'अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा' को संशोधित और विकसित किया।

नीपा, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–3) 'अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा' के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–14) 'शिक्षकों का व्यावसायिक विकास और प्रबंधन' को संशोधित और विकसित किया।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–14) 'शिक्षकों का व्यावसायिक विकास और प्रबंधन', के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

गुणवत्ता सुधार के लिए स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन पर विकसित मॉड्यूल, नीपा, जिसमें निम्न मॉड्यूल शामिल हैं:

1. स्कूल की गुणवत्ता और सुधार।
2. स्कूल प्रदर्शन प्रबंधन के लिए मानक निर्धारित करना।
3. शाला सिद्धि – स्कूल गुणवत्ता और प्रदर्शन प्रबंधन के लिए एक अभिनव पहल
4. स्कूल मूल्यांकन के तरीके – स्व और बाह्य–मूल्यांकन की प्रक्रियाएं और अभ्यास
5. साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार में बड़े पैमाने पर आंकड़ों का प्रयोग
6. साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार
7. स्कूल गुणवत्ता आश्वासनः बेहतर स्कूल प्रशासन के लिए प्रणालीगत समर्थन

पीएच.डी./एम.फिल./पीजीडेपा/आईडेपा के प्रतिभागियों का मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण

सुश्री ट्विंकल पांडा, पीएच.डी. स्कॉलर, के शीर्षकः ''संस्थागत प्रक्रिया और परिणाम पर माध्यमिक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के शासन और गुणवत्ता आश्वासन की प्रभावशीलता'' का पर्यवेक्षण।

सृष्टि भाटिया, पीएच.डी. स्कॉलर, के शीर्षकः ''जनजातियों पर सामाजिक–स्थानिक शैक्षणिक सिद्धांतों की खोजः असम की चाय जनजातियों का केस अध्ययन'' का पर्यवक्षण

पवित्रा साहा, एम.फिल. स्कॉलर, के शीर्षकः ओडिशा के आकांक्षी जिलों में शिक्षक प्रबंधन का अध्ययन'' का पर्यवेक्षण।

नीपा की महत्वपूर्ण समितियों के अध्यक्ष और सदस्य

अध्यक्ष, आंतरिक शिकायत समिति, नीपा

सदस्य, स्थायी सलाहकार समिति, नीपा

सदस्य, योजना एवं निगरानी समिति, नीपा

अध्यक्ष, रैगिंग विरोधी समिति, नीपा

अध्यक्ष, छात्र परामर्श केंद्र, नीपा

सदस्य, दीक्षांत समारोह संचालन समिति, नीपा

सदस्य, एम.फिल. / पीएच.डी. पाठ्यक्रम के लिए साक्षात्कार समिति।

अध्यक्ष, परियोजना कर्मचारी चयन, नीपा

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

अध्यक्ष, स्कूल शिक्षा क्षेत्र, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, बरहामपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर विश्वविद्यालय, आदि के 8 पीएच. डी. शोध प्रबंध के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

कार्यकारी मंडल सदस्य, स्कूल शिक्षा बोर्ड की परिषद (कोबसे), नई दिल्ली।

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी) की आजीवन सदस्य

सदस्य, एससीईआरटी कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड, नई दिल्ली।

जर्नल ऑफ एजुकेशन पॉलिसी (केजेईपी) केईडीआई के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

सदस्य, स्कूल प्रभावशीलता और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस।

सदस्य, भारतीय शिक्षक प्रशिक्षक संघ।

संस्थापक सदस्य, शिक्षा में शोधकर्ताओं का अंतर्राष्ट्रीय मंच (आईआरओआरई)।

सदस्य, पूर्व छात्र संघ, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली।

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ।

मधुमिता बंद्योपाध्याय

प्रकाशन

पुस्तक में अध्याय:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के परिप्रेक्ष्य पुस्तक में ''अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई)'' पर अध्याय, दिल्लीः अटलांटिक 2022 पृ. 24–64.

''वूमन एजुकेशन एंड डवलपमेंट इन इंडिया कॉन्टेक्स्ट (सह–लेखक), 'डायनामिक्स ऑफ वूमन एजुकेशन इन इंडिया' अजीत मंडल और नीरू स्नेही द्वारा संपादित पुस्तक में अध्याय, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली, 2022 पीपी 115–142)।

''भारत में प्रवासन, गतिशीलता और स्कूली शिक्षाः मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से अनुभवजन्य साक्ष्य'' इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च (सहकर्मी समीक्षा) शिक्षा विभाग, कोलकत्ता विश्वविद्यालय, आईएसएसएन 2277–3819, वाल्यूम VII, जुलाई 2022 में प्रकाशित।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों / सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा द्वारा 11–15 जुलाई, 2022 तक निर्धारित ''जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व'' पर कार्यक्रम में 12 जुलाई, 2022 को ''लिंग अंतर को पाटने के लिए समुदाय को संगठित करने में प्रशासकों की भूमिका'' पर एक सत्र लिया।

25–26 अगस्त, 2022 तक टीआईएसएस मुंबई और ससेक्स यूनिवर्सिटी द्वारा टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई में आयोजित ''ब्रिक्स देशों और यूके में समानता और समावेशन के लिए शिक्षक तैयारी की गुणवत्ता पर एसपीएआरसी परियोजना– अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षक शिक्षा में निजी खिलाड़ियों की भूमिकाः अवधारणाएं, तुलना और सहयोग'' पर सत्र की अध्यक्षता की।

27–29 सितंबर, 2022 तक नीपा में ''विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में महिला विकास प्रकोष्ठ को सशक्त बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की।

25–26 अगस्त, 2022 तक साइन्स मुंबई में टीआईएसएस और ससेक्स विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''ब्रिक्स देशों और यूके में समानता और समावेशन के लिए शिक्षक तैयारी की गुणवत्ताः अवधारणाएं, तुलना और सहयोग'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

29–31 अगस्त, 2022 को आयोजित ''एनईपी–2020 के तहत एसईडीजी के लिए विशेष शिक्षा क्षेत्रों का संचालनः कार्यान्वयन चुनौतियां और मार्ग'' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की।

1 दिसंबर, 2022 को यूके के ससेक्स विश्वविद्यालय में वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अभ्यास के तहत–पांच विश्वविद्यालयों द्वारा डिजाइन किया गया एक सहयोगी पाठ्यक्रम मॉड्यूल में ''भारत में शिक्षक, प्रशिक्षक प्रबंधन और शिक्षक शिक्षा'' पर सेमीनार में 'शिक्षक शिक्षा– 21वीं सदी में अनुसंधान, नीति और प्रथाएं– एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य', पर प्रस्तुति दी।

6–8 मई, 2022. को पोस्ट कोविड युग में परिणाम–आधारित पाठ्यचर्या और शैक्षणिक मांगों पर जामिया अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन (जेआईसीई–2022) में ''शहरी क्षेत्र में यूईईः भारत में शहरी वंचित समूहों के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान'' पर पत्र प्रस्तुत किया।

19–21 अप्रैल, 2022 के दौरान 'ब्रिटिश काउंसिल के भारत सरकार की वैश्विक भागीदारी अनुदान परियोजना, ससेक्स विश्वविद्यालय, यूके और एयूडी, दिल्ली, टीआईएसएस, मुंबई और जेएमआई, नई दिल्ली के साथ एक सहयोगी परियोजना वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीति मॉड्यूल विकास कार्यशाला (आभासी) में भागीदारी। .

7–8 जून, 2021 को 'ब्रिटिश काउंसिल के भारत सरकार की वैश्विक भागीदारी अनुदान परियोजना में 'समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं'' पर पाठ्यक्रम समीक्षा आभासी कार्यशाला में भागीदारी। यह ससेक्स विश्वविद्यालय, यूके और एयूडी, दिल्ली, टीआईएसएस, मुंबई और जेएमआई, नई दिल्ली के साथ एक सहयोगी परियोजना है।

''शिक्षक शिक्षा के लिए 'उत्तर–दक्षिण' साझेदारीः ज्ञान आधिपत्य को उपनिवेश से मुक्त करना'' पर एक संयुक्त पत्र का योगदान दिया, जिसे यूके के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षा सहभागिता, सहयोग 2022 में भागीदारी पर ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल एंड कंपरेटिव एजुकेशन (बीएआईसीई) सम्मेलन के लिए स्वीकार किया गया है। यह लेख ब्रिटिश काउंसिल, यूके द्वारा वित्त पोषित 'समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं का महत्वपूर्ण विश्लेषण' नामक परियोजना पर आधारित है।

30 दिसंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सलाहकार समूह की बैठक में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल, ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' के तहत प्रभाव अध्ययन, ''भारत में पीएम पोषण, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजनाओं पर मूल्यांकन अध्ययन'' पर परियोजना के अनुसंधान निष्कर्षों पर थीम समन्वयक के रूप में प्रस्तुति।

13 फरवरी, 2023 को जी20 शिक्षा कार्यकारी समूह के हिस्से के रूप में ''विशेष रूप से मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना'' पर परामर्श बैठक में प्रस्तुति।

ग्लोबल–साउथ में शैक्षिक जांच सत्र में अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए शिक्षा में सुधार सीआईईएस 2023 में भागीदारी और ''भारत में प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा में पहुंच और समानताः हरियाणा और राजस्थान का अनुभवजन्य और तुलनात्मक अध्ययन'' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

6 सितंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल, ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' के तहत ''भारत में पीएम पोषण योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन'' पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक।

29–30 सितंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल, ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' के तहत ''भारत में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन'' पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक।

12–13 दिसंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल, ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' के तहत ''भारत में पीएम पोषण योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन'' पर फेस–टू–फेस कार्यशाला।

19–20 दिसंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल, ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' के तहत ''भारत में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन'' पर फेस–टू–फेस कार्यशाला।

16–20 जनवरी, 2023 को ''कोविड महामारी के पश्चात की अवधि में बच्चों की स्कूल भागीदारी की स्थिति: स्कूल भागीदारी के लिए सामाजिक पूंजी के उपयोग और सुदृढ़ीकरण की संभावना को समझना'' पर कार्यशाला।

9–12 जनवरी, 2023 तक नीपा में ससेक्स यूनिवर्सिटी, यूके, जेएमआई, नई दिल्ली; एयूडी, नई दिल्ली और टीआईएसएस, मुंबई के सहयोग से ''न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियां और अभ्यास'' पर कार्यशालाय।

13 फरवरी, 2023 को जी20 शिक्षा कार्य समूह के हिस्से के रूप में ''विशेष रूप से मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना'' पर परामर्श बैठकें आयोजित की।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विकसित/संचालित प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम

सितंबर 2022 में ''भारत में पीएम पोषण योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन'' पर एक ऑनलाइन परामर्शी बैठक के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई।

सितंबर 2022 में ''भारत में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन'' पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई।

दिसंबर 2022 में ''भारत में पीएम पोषण योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन'' पर एक कार्यशाला के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई।

दिसंबर 2022 में ''भारत में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन'' पर एक कार्यशाला के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई।

16–20 जनवरी, 2023 तक ''कोविड महामारी के पश्चात की अवधि में बच्चों की स्कूल भागीदारी की वर्तमान स्थिति: स्कूल भागीदारी के लिए सामाजिक पूंजी के उपयोग और सुदृढ़ीकरण की संभावना को समझना'' विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और शैक्षणिक सहायता

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान में ईसीसीई के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम में भागीदारी।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल, बौद्धिक विरासत का निर्माण का आकलन'' के लिए सहायता प्रदान की और संचालन किया।

जी20 शिक्षा कार्य समूह के हिस्से के रूप में मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीति के विकास के लिए सहायता प्रदान किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

विशेष रूप से जी20 शिक्षा कार्य समूह के भाग के रूप में मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना'' पर परामर्शी बैठक की अवधारणा नोट, पृष्ठभूमि पत्र, निमंत्रण पत्र और रिपोर्ट तैयार किये।

27–28 जुलाई और 16 अगस्त, 2023 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' के तहत ''भारत में पीएम पोषण, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजनाओं पर मूल्यांकन अध्ययन'' का प्रस्ताव तैयार किया।

एंट्रीप के लिए नीपा का केंद्र बिंदु और एंट्रीप न्यूजलेटर के संपादक। 2022–23 के दौरान निम्नलिखित समाचार पत्र प्रकाशित किए गए हैं–

- स्कूल प्रशासन: रुझान और चुनौतियाँ
- स्कूलों में शिक्षक और अध्यापन
- एम.फिल पाठ्यक्रम में अध्यापन और समन्वय किया

अनुसंधान पद्धति (सीसी5ए)

सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय शासन (ओसी5)

लैंगिक, शिक्षा और विकास (ओसी9)

13–14 अक्टूबर, 2022 को नॉक (एनएएसी) के लिए आवश्यक गतिविधियों में भागीदारी।

नीपा सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष के रूप में 13 अक्टूबर, 2022 को नॉक के लिए नीपा छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन और मार्गदर्शन।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित हीरक जयंती समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भागीदारी।

21 अक्टूबर, 2022 को नीपा द्वारा आयोजित वार्षिक दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में भागीदारी।

24 फरवरी, 2023 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी।

12 जनवरी, 2023 और 30–31 जनवरी, 2023 को ''लैंगिक और उच्चतर शिक्षा'' पर कार्यशाला के लिए कार्यबल की बैठक में भागीदारी।

8 जून, 2022 और 5 जुलाई, 2022 को शिक्षा और विकास पर एम.ए. ई.डी. पाठ्यक्रम के विकास हेतु बैठक में भागीदारी।

एम.फिल. और पीएच.डी. अनुसंधान विद्वानों का मार्गदर्शनः

एम.फिल.

स्कूलों के कार्यकरण में पर्यवेक्षण के महत्व को समझनाः हरियाणा में राजकीय स्कूलों का अध्ययन (2023 में प्रस्तुत)।

मणिपुर में प्राथमिक स्तर पर सामाजिक पहुंच और भागीदारी का अध्ययनः चुराचांदपुर जिले का केस अध्ययन (2022–23 में सम्मलित)।

पीएच.डी.

ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा और सशक्तिकरणः पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले का अध्ययन (2023 में प्रस्तुत)।

''स्कूली शिक्षा में सामाजिक असमानताएँः दिल्ली में चयनित स्कूलों का अध्ययन'' (जारी)।

स्कूलों की निगरानी और पर्यवेक्षण की नीति और प्रथाएं और छात्रों की भागीदारी पर इसका प्रभाव; महाराष्ट्र में राजकीय स्कूलों का अध्ययन। (जारी).

प्राथमिक स्तर पर संस्कृति और स्कूली शिक्षा के बीच संबंधों की खोजः मणिपुर की पहाड़ियों और घाटी का तुलनात्मक अध्ययन (जारी)।

सामाजिक संरचना, एजेंसी और आकांक्षाएँः ग्वालियर, मध्य प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में किशोरियों पर अध्ययन (जारी)।

अनुसंधान परियोजनायें

'हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में लड़कियों की शिक्षा पर तुलनात्मक अध्ययन' पर शोध परियोजना पूरी की और अगस्त 2022 में नीपा को शोध रिपोर्ट सौंपी।

''भारत में पीएम पोषण, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजनाओं पर मूल्यांकन अध्ययन'' पूरा किया और जनवरी 2023 में नीपा को शोध रिपोर्ट सौंपी।

'सामाजिक पूंजी और स्कूली शिक्षा के अंतर–संबंधः एक अंतरराज्यीय तुलनात्मक अध्ययन' पर भारत सरकार की अनुसंधान परियोजना 1 सितंबर, 2022 से शुरू हुई।

अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएँ

''समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियां और प्रथाएं'', फरवरी, 2023 में पूरी हुईं।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा समिति (सेसी)

ब्रिक्स, यूके की सदस्यता

सीआईईएस, यूएसए की सदस्यता

दिल्ली के गैर–सरकारी संगठन, एस्पायर इंडिया की सदस्यता

भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका के सलाहकार बोर्ड के सदस्य, कलकत्ता विश्वविद्यालय

रस्मिता दास स्वाँई

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

23–24 मार्च, 2023 को जयपुर, राजस्थान में ''भारत में सार्वभौमीकरण और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के लिए अभिसरण शासन और प्रबंधन'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

27–28फरवरी, 2023, कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम में ''प्रारंभिक शिक्षा में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता का प्रबंधनः पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आगे की राह'' विषय पर कार्यशाला

सेमीनार/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

27 मई, 2022 को स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा ''शिक्षक शिक्षा में शासन सुधारों को संस्थागत बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी।

13 फरवरी, 2023 को शिक्षा कार्य समूह पर ''मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना'' जी20 शिक्षा के विकास के लिए बैठक के संबंध में परामर्शदात्री बैठक में भागीदारी और योगदान दिया।

23 दिसंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय के सलाहकार समूह की बैठक में एनईपी 2020 कार्यान्वयन स्थितिः प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) का सार्वभौमिकरण और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल, ''बौद्धिक विरासत का निर्माण'' के तहत और मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर शोध रिपोर्ट

24 फरवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग और शाला सिद्धि की विभागीय सलाहकार समिति (डीएसी) की बैठक में भागीदारी।

15 मार्च, 2023 को नीपा की अकादमिक परिषद की 31वीं बैठक में भागीदारी।

13 मार्च, 2023 को नीपा अध्ययन बोर्ड की 12वीं बैठक में भागीदारी।

18 जनवरी, 2022 को पीएबी बैठकों (शाला सिद्धि), शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली में भागीदारी।

16–17 फरवरी, 2023 को नीपा द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में ''उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

10 जनवरी, 2023 को नीपा में डॉ. जूलिया सदरलैंड, ससेक्स विश्वविद्यालय, ''साक्षरता के संदर्भ में भागीदारी अनुसंधान पद्धति'' पर वार्तालाप।

9–12 जनवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली में ''वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं'' पर सहयोगात्मक कार्यशाला में 9 जनवरी, 2023 को भागीदारी।

30–31 जनवरी, 2023 को ''भारत में लैंगिक और उच्चतर शिक्षा'' पर नीपा सम्मेलन में भागीदारी।

20–24 मार्च, 2023 तक नीपा में ''स्कूली शिक्षा में सार्वजनिक नीतियों को तैयार करने में संकेतकों का उपयोग'' पर कार्यक्रम।

31 अगस्त, 2022 को शैक्षिक नीति विभाग, नीपा, नई दिल्ली में 'एनईपी–2020 के तहत एसईडीजी के लिए विशेष शिक्षा क्षेत्रों का संचालनः कार्यान्वयन चुनौतियां और रास्ते' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में वेबिनार।

16–20 जनवरी, 2023 तक ''कोविड महामारी पश्चात की अवधि पर विशेष ध्यान देने के साथ बच्चों की स्कूल भागीदारी की स्थितिः स्कूल भागीदारी के लिए सामाजिक पूंजी के उपयोग और सुदृढ़ीकरण की संभावना को समझना''।

20 सितंबर, 2022 को नीपा ने चिल्ड्रेन्स यूनिवर्सिटी, गांधी नगर, गुजरात के साथ संकाय वार्तालाप का आयोजन।

30 सितंबर 2022 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15, जनपथ, नई दिल्ली में ''प्रारंभिक बचपन के विकास के लिए स्वदेशी खिलौने'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी बैठक में भागीदारी।

27–29 सितंबर, 2022 तक नीपा में ''विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्त बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की।

9–12 जनवरी, 2023 तक नीपा में ससेक्स यूनिवर्सिटी, यूके; जेएमआई, नई दिल्ली; एयूडी, नई दिल्ली; और टीआईएसएस, मुंबई के सहयोग से ''समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियां और प्रथाएं'' विषय पर कार्यशाला में भागीदारी।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

शिक्षा और विकास में मास्टर ऑफ आर्ट्स पाठ्यक्रम का विकास–मानव विकास, विकासात्मक संदर्भों और वार्तालाप पर विस्तारित निबंध पर लेखन, सामाजिक विज्ञान के लिए शिक्षा और अनुसंधान पद्धति की नींव।

एम.फिल. मूल पाठ्यक्रम – ''मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति और शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य'' का पुनरीक्षण।

उत्तर पूर्वी राज्यों में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के शासन और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण और पाठ्य सामग्री।

बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के लिए पठन और प्रशिक्षण सामग्री एकत्रित

ईसीसीई के शासन और प्रबंधन के लिए रूपरेखा का विकास

स्कूल प्रशासन और गुणवत्ता सुधार के माड्यूल

शैक्षणिक कार्यक्रमों में आमंत्रित व्याख्यान और संसाधन व्यक्ति

3 मार्च, 2023 को एनएसडीसी परिसर, एयरोसिटी, दिल्ली में डॉ. तृप्ति सिंह द्वारा समन्वित एनएसडीसी कर्मचारियों के लिए ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति'' पर पैनल चर्चा।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई पहल बौद्धिक विरासत के निर्माण के लिए एनईपी 2020 के प्रभाव मूल्यांकन के लिए अकादमिक समर्थन।

जी20 शिक्षा कार्य समूह के हिस्से के रूप में विशेष रूप से मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करने हेतु रणनीतिक विकास के लिए अकादमिक समर्थन।

शिक्षा मंत्रालय, नीति कार्यान्वयन के लिए राज्य और केंद्र शासित प्रदेश, यूनिसेफ, योजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) की बैठकें, दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग और दिल्ली के कॉलेज, जम्मू विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विभिन्न विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र, प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रबंधन संस्थान, मनोवैज्ञानिक परीक्षण और मूल्यांकन सेवा केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रकाशकों, गैर–सरकारी संगठनों, जम्मू और कश्मीर पुलिस अकादमी के विशेषज्ञों की मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा।

डॉक्टरेट थीसिस के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक–सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय।

एम.फिल. पाठ्यक्रम में अध्यापन

शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य (सीसी–1) मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

अनुसंधान पद्धति–I (सीसी–3) मात्रात्मक वर्ग

अनुसंधान पद्धति–II (सीसी–5अ) मात्रात्मक वर्ग

प्रारंभिक बचपन देखभाल और विकास (ओसी–6)

अनुसंधान पद्धति–II (सीसी5अ) मात्रात्मक वर्ग

पीजीडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण

पीजीडेपा पाठ्यक्रम–शैक्षिक प्रबंधन में शिक्षण (904)

डॉक्टरेट अनुसंधान का पर्यवेक्षण

हरियाणा के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में समावेशी संस्कृति और छात्र विकास के लिए संस्थागत अभिशासन और प्रबंधन के संदर्भ में विकलांग छात्रों के अनुभवों पर अध्ययन, हरलीन कौर (2018 बैच)

कश्मीर में स्कूल प्रबंधन पर सशस्त्र संघर्ष के प्रभावः राज्य और गैर–राज्यीय कार्यकर्ताओं के दृष्टिकोण को समझना, मोहम्मद इलियास (2019)

स्कूल परिवर्तन के लिए राहः भारतीय स्कूल और उनके आख्यान, सोमनाथ रॉय, (2022)

गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के सार्वभौमिक प्रावधान के लिए अभिसरण, शासन और प्रबंधन, मानसी पांडे, 2023।

21वीं सदी के कौशल के लिए शिक्षक तैयारीः मूलभूत शिक्षा में सिद्धांत, नीति और व्यवहार, अंजिता सिंह ,2023।

अनुसंधान परियोजना

31 जनवरी, 2023 को अनुसंधान प्रस्ताव ''भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन शिक्षा के लिए शासन, प्रबंधन और नेतृत्वः अनुभव और सीख'' शीर्षक के बाहरी विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक ऑनलाइन आयोजित।

शिक्षा मंत्रालय के लिए नीपा को एनईपी 2020 कार्यान्वयन स्थिति प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) और मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता का सार्वभौमिकरण, पर रिपोर्ट।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों में सदस्यता

राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी, नई दिल्ली

भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान संघ, चेन्नई

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी), नई दिल्ली

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर), भुवनेश्वर, ओडिशा

भारतीय स्कूल मनोविज्ञान संघ

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ, कोलकत्ता

भारतीय सकारात्मक मनोविज्ञान संघ, नई दिल्ली

प्राची एसोसिएशन ऑफ क्रॉस–कल्चरल साइकोलॉजी, मेरठ

राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क, हैदराबाद

इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली, राष्ट्रीय एच.आर.डी नेटवर्क

भारतीय क्रीड़ा मनोविज्ञान संघ, पटियाला

प्रारंभिक शिक्षा और विकास संघ (एईसीईडी), मुंबई

आजीवन सदस्य– एनएओपी, आईएएपी, सेसी, एआईएईआर

सदस्य, पूर्व छात्र संघ, जेएनयू और दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

नीपा के विभिन्न शैक्षणिक निकायों के सदस्य के रूप में योगदान

संचालन समिति के सदस्य

पीएच.डी. विनियमन, प्रॉस्पेक्टस का विकास.

परामर्श और संसाधन सृजन समिति (सी एंड आरजी), फरवरी 2023

छात्र परामर्श के सदस्य

एम.फिल. / पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा और मूल्यांकन समिति के सदस्य

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति, स्कूल एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा

सदस्य, नीपा डॉक्यूमेंट्री फिल्म

सदस्य, आईक्यूएसी की पहल के तहत नीपा की द्वि–वार्षिक न्यूजलेटर समिति

सदस्य जनवरी 2023 शैक्षिक अनुसंधान में नैतिक प्रथाओं पर दिशानिर्देश तैयार करने के समिति

13–14 अक्टूबर, 2022 को नीपा में दस्तावेजीकरण के लिए शैक्षणिक सहायता

21 अक्टूबर, 2022 को नीपा द्वारा आयोजित वार्षिक दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में भागीदारी

अमित गौतम

प्रकाशन

जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड पेडागॉजी में ''भारतीय शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा की ऑनलाइन पद्धतिः एक सिंहावलोकन'' शीर्षक से शोध पत्र सहकर्मी समीक्षा संदर्भित अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल, वाल्यूम XIV अंक 2, दिसंबर 2022 पृष्ठ 200–243 राष्ट्रीय शिक्षाविद् परिषद द्वारा प्रकाशित, आईएसएसएन 0975–0797, पीपी 14–20।

''माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया, उपलब्धि और प्रतिधारण पर रचनावादी उपागम आधारित निर्देशात्मक सामग्री की प्रभावशीलता का अध्ययन'' शीर्षक से शोध पत्र, परिप्रेक्ष्य हिंदी जर्नल यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल, अंक–I, वाल्यूम 28–29, अंक–1, दिसंबर 2021 और अप्रैल 2022 पीपी.175–179, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

डॉ. अमित गौतम ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रकाशित ''समग्र शिक्षाः शिक्षा का समग्र दृष्टिकोण'', नामक संपादित पुस्तक में ''समग्र शिक्षा 2.0 में डिजिटल शिक्षा'' शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया। (एससीईआरटी) नई दिल्ली और पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स, नई दिल्ली। आईएसबीएन–9789394964044, पीपी 61–66

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

6–8 मई, 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जामिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एजुकेशन (जेआईसीई–2022) में कोविड पश्चात युग में परिणाम–आधारित पाठ्यक्रम और शैक्षणिक मांगों में ''फ्लिप्ड क्लासरूम और मूडलः शिक्षण और अधिगम

में सहायता'' के लिए सहभागिता शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

27 मई (शुक्रवार), 2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग द्वारा ''एनईपी 2020: शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर प्रौद्योगिकी की परस्पर क्रिया'' पर आयोजित ''नई शिक्षा नीति 2020: प्रौद्योगिकी–सक्षम शिक्षण और अधिगम की प्रक्रिया'' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21 जून, 2022 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई–2022) में भागीदारी।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 4 मई से 21 जून, 2022 तक आयोजित योग शिविर में भागीदारी।

5 जून, 2022 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी और इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, शिलांग द्वारा ''सतत विकास के लिए हरित पहल'' पर आयोजित ''सतत विकास के लिए पर्यावरण शिक्षा पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका (ऑनलाइन)'' के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23 जून, 2022 को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर एक दिवसीय बैठक में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

13 जुलाई, 2023 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, एनईएचयू शिलांग द्वारा आयोजित ''मूक और ई–कंटेंट डेवलपमेंट'' और ''शिक्षण, मूल्यांकन और अनुसंधान में आईसीटी उपकरण (मोबाइल ऐप), वीडियो संपादन'' में ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम में दो सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

7 जून, 2022 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''मिश्रित शिक्षण के लिए सहयोगात्मक शिक्षण उपकरण'' विषय पर मिश्रित शिक्षण वातावरण के लिए प्रभावी उपकरण हेतु मूडल–अधिगम प्रबंधन प्रणाली को समझने पर पांच दिवसीय ऑनलाइन हैंड्स–ऑन संकाय विकास कार्यक्रम में दो सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21 जुलाई, 2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, गौहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''मिश्रित शिक्षण वातावरण के लिए प्रभावी उपकरणों हेतु मूडल–ई–लर्निंग प्रबंधन प्रणाली को समझना'' विषय पर ''ऑनलाइन माध्यम में संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी–06)'' के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21 जून, 2022 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा ''मिश्रित शिक्षण के लिए सहयोगात्मक शिक्षण उपकरण'' पर आयोजित मिश्रित शिक्षण वातावरण के लिए प्रभावी उपकरण हेतु मूडल–ई–लर्निंग प्रबंधन प्रणाली को समझने पर पांच दिवसीय ऑनलाइन हैंड्स–ऑन संकाय विकास कार्यक्रम में दो सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

26 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा ''मिश्रित शिक्षण के लिए सहयोगात्मक शिक्षण उपकरण'' पर आयोजित मिश्रित शिक्षण वातावरण के लिए प्रभावी उपकरण हेतु मूडल–ई–लर्निंग प्रबंधन प्रणाली को समझने पर पांच दिवसीय ऑनलाइन हैंड्स–ऑन संकाय विकास कार्यक्रम में दो सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

28 जुलाई, 2022 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित एम.एड. शोध प्रबंध और ऑनलाइन मौखिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नामांकित।

26, 27 और 29 अगस्त, 2022 को राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वयस्क शिक्षा पाठ्यक्रमों में काम के घंटों के बाद और सप्ताहांत पर स्कूलों/स्कूल परिसरों के लिए विस्तृत दिशानिर्देश तैयार करने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला हेतु संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

2–8 सितंबर, 2022 के दौरान उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केन्द्र (सीपीडीएचई), यूजीसी–एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए मूक, ई–सामग्री विकास और मुक्त शैक्षिक संसाधनों पर ऑनलाइन अल्पावधि पाठ्यक्रम के

लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित और 7 सितंबर, 2022 के सत्र आयोजित किया।

14–27 सितंबर, 2022 तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए शिक्षक डिजिटल दक्षताः व्यावसायिकरण और समर्थन'' विषय पर आयोजित 23 सितंबर 2022 को शिक्षक प्रशिक्षक और एनईपी 2020 में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ वार्तालाप के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20 सितंबर, 2022 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''मिश्रित शिक्षण के लिए सहयोगात्मक उपकरण'' विषय पर अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन एफडीपी के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

28–30 सितंबर, 2022 तक शिक्षक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली द्वारा ''शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के विकास'' पर आयोजित कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। .

14 नवंबर, 2022 को संकाय विकास केंद्र, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, यूपी द्वारा ''मिश्रित शिक्षण के लिए सहयोगात्मक उपकरण'' विषय पर ''शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में उभरते रुझान'' पर कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

10–11 दिसम्बर, 2022 को शिक्षा संकाय, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020 में कौशल, रोजगार योग्यता, उद्यमशीलता प्रावधानों के विकास की व्यावहारिकता'' पर ''एनईपी 2020 का कार्यान्वयनः चुनौतियां और संकल्प'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुति देने हेतु संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20 दिसंबर, 2022 को प्राणीशास्त्र विभाग, आगरा कॉलेज, आगरा द्वारा ''प्रभावी शिक्षण और अधिगम के लिए डिजिटल कौशल'' पर आयोजित कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

2–7 जनवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा ''उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' में 4 जनवरी, 2023 को शिक्षार्थी केन्द्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ मिश्रित शिक्षण को लागू करना'' विषय के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

12 जनवरी, 2023 को लिंगवा ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज, मंडी रोड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''प्रभावी शिक्षण शिक्षाशास्त्र'' पर तीन दिवसीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित अभिभाषण।

9–21 जनवरी, 2023 तक यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र. द्वारा ''मिश्रित शिक्षण के लिए सहयोगात्मक शिक्षण उपकरण'' पर आयोजित 11 जनवरी, 2023 को ''सभी विषयों के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम'' के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

16–21 जनवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा 'उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के लिए ''शिक्षार्थी केन्द्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ मिश्रित शिक्षण का कार्यान्वयन'' शीर्षक वाले सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

16–21 जनवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा 'उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के लिए आयोजित 21 जनवरी, 2023 को ''सहयोगात्मक डिजिटल उपलकरण पर व्यावहारिक गतिविधि'' शीर्षक वाले सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27–28 फरवरी, 2023 को एसपी मंडली और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा ''एनईपी 2020 का कार्यान्वयनः संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) पर अनुकूलन यूजीसी दिशानिर्देश'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि व्याख्याता के रूप में आमंत्रित।

13–18 फरवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा 'उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से

आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के लिए आयोजित 14 फरवरी, 2023 को ''शिक्षार्थी केन्द्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ मिश्रित शिक्षण का कार्यान्वयन'' शीर्षक वाले सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

13–18 फरवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा 'उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के लिए आयोजित 18 फरवरी, 2023 को ''सहयोगात्मक डिजीटल उपकरण पर व्यावहारिक गातिविधि'' शीर्षक वाले सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20–25 फरवरी, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा 'उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के लिए आयोजित 25 फरवरी, 2023 को ''सहयोगात्मक डिजिटल उपकरण पर व्यावहारिक गतिविधि'' शीर्षक वाले सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20 मार्च, 2023 को एचपीकेवी बिजनेस स्कूल, स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा आयोजित ''विशाल मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रमों पर राष्ट्रीय कार्यशाला'' के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

13–18 मार्च, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा 'उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' में आयोजित 14 मार्च, 2023 को ''शिक्षार्थी केन्द्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ मिश्रित शिक्षण का कार्यान्वयन'' शीर्षक वाले सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

13–18 मार्च, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा 'उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के लिए आयोजित 18 मार्च, 2023 को ''सहयोगात्मक डिजिटल उपकरण पर व्यावहारिक गतिविधि'' शीर्षक वाले सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

27 मई, 2022 को विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा ''शिक्षक शिक्षा में शासन सुधारों को संस्थागत बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन में सहयोग किया।

15 जुलाई, 2022 को कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सीओएल), कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) और नीपा द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण'' पर कार्यशाला/गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया।

कार्यक्रम समन्वयक के रूप में 12 अगस्त, 2022 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, नीपा नई दिल्ली के सहयोग से ''अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस'' का आयोजन किया।

5 सितंबर, 2022 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, के पहल पर ''शिक्षक दिवस'' के आयोजन में सहयोग दिया।

1–3 दिसंबर, 2022 तक विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली के समन्वयक के रूप में ''शैक्षिक प्रशासकों और शिक्षक प्रशिक्षकों की दक्षताओं को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के एकीकरण'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

12–16 दिसंबर, 2022 तक नीपा, नई दिल्ली, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में दल के सदस्य के रूप में ''ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण'' पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

13–14 फरवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली के सहयोग से वर्ष 2023 के जी20 की अध्यक्षता के अवसर पर ''हर स्तर पर तकनीक–सक्षम शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणात्मक और सहयोगात्मक बनाना'' विषय पर जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठकों से संबंधित परामर्शदात्री बैठक का आयोजन किया।

कार्यक्रम समन्वयक के रूप में 13–18 मार्च, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा आयुक्तालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री

कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

कार्यक्रम समन्वयक के रूप में 1–3 दिसंबर, 2022 तक विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''शैक्षिक प्रशासकों और शिक्षक प्रशिक्षकों की दक्षताओं को बढ़ाने हेतु डिजिटल प्रौद्योगिकी का एकीकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यक्रम समन्वयक के रूप में 13–18 मार्च, 2023 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा उच्च शिक्षा आयुक्ताालय, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

शिक्षा प्रभाव कारक 5.396 (एसजेआईएफ) का एक अर्धवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी–समीक्षित संदर्भित पत्रिका ''शिक्षा शोध मंथन'' में सहकर्मी समीक्षा बोर्ड के मनोनीत सदस्य।

5 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा में सलाहकार अनुसूची की चयन समिति के मनोनीत सदस्य।

शिक्षा प्रभाव कारक 5.396 (एसजेआईएफ) का एक अर्धवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी–समीक्षित संदर्भित पत्रिका ''शिक्षा शोध मंथन'' में सहकर्मी समीक्षा बोर्ड के मनोनीत सदस्य।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, (एससीईआरटी), नई दिल्ली में राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा के विशेषज्ञ और मनोनीत सदस्य।

एम जे पी रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सहकर्मी–समीक्षित संदर्भित पत्रिका ''सर्वज्ञ'' के सहकर्मी समीक्षा बोर्ड के मनोनीत सदस्य।

वैदिक सेवा न्यास, लखनऊ द्वारा प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सहकर्मी–समीक्षित पत्रिका ''प्रज्ञा प्रबोधिनी'' में समीक्षा समिति और निर्देशी बोर्ड के मनोनीत सदस्य।

विकास अध्ययन संघ (डीएसए), यूके के सदस्य।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली में वयस्क शिक्षा की राज्य पाठ्यचर्या और रूपरेखा (एससीएफ) समिति के मनोनीत विशेषज्ञ सदस्य।

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा विद्यालय, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उच्च शिक्षा में प्रस्तावित स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएचई) के लिए ''अकादमिक सलाहकार'' के रूप में मनोनीत।

नीपा में प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

27 मई, 2022 को ''शिक्षक शिक्षा में शासन सुधारों को संस्थागत बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में आयोजन समिति के सदस्य

एसएसआर एनएएसी, नीपा की तैयारी के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नॉक) के मुख्य समिति सदस्य के रूप में मनोनीत।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), नीपा के सदस्य के रूप में मनोनीत।

कानूनी परामर्श/सलाहकार, नीपा पैनल के लिए पैनल सदस्य के रूप में मनोनीत।

मंत्रालय द्वारा गठित राजभाषा समिति के सदस्य।

नीपा के हीरक जयंती समारोह समिति के सदस्य।

स्कूल एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा के विभागीय सलाहकार समिति के सदस्य।

जल संरक्षण नीति, नीपा के अध्यक्ष।

नॉक दस्तावेजीकरण और नॉक समीक्षा दल के समक्ष प्रस्तुतिकरण हेतु समिति के सदस्य।

निम्नलिखित प्रक्रिया में नॉक, नीपा प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल और योगदान दिया:

डेटा का संग्रह, तैयारी और आईआईक्यूए, नीपा को प्रस्तुत करना।

एनएएसी ए और ए प्रक्रिया की आवश्यकताओं के अनुसार नीपा में आवश्यक डेटा के अनुसार एनएएसी संबंधित आंकड़ों का निर्माण और प्रबंधन किया।

आंकड़ा संग्रह, तैयारी और डीवीवी, नीपा को प्रस्तुत करना।

आंकड़ा संग्रह, तैयारी और स्व–अध्ययन रिपोर्ट नीपा को प्रस्तुत करना।

आंकड़ा संग्रह, तैयारी और संशोधित स्व–अध्ययन रिपोर्ट नीपा को प्रस्तुत करना

30 सितंबर, 2022 को नॉक मॉक ड्रिल समन्वय दल के सदस्य

नीपा में नॉक सहकर्मी दल का दौरा, में सक्रिय रूप से शामिल

सहकर्मी दल के दौरे और पूर्व तैयारी के दौरान नॉक, नीपा गतिविधियों का मुख्य समन्वय

एनएएसी सहकर्मी दल के दौरे के लिए मुख्य समन्वय समिति के सदस्य

एनएएसी सहकर्मी दल के दौरे के लिए नीपा सांस्कृतिक कार्यक्रम की योजना और तैयारी

नीपा में परियोजना सलाहकार, ग्राफिक डिजाइनर और सलाहकार आईटी, नीपा के पद के लिए चयन समिति के सदस्य

नॉक के लिए संकाय परिचय पुस्तिका का नवीनीकरण

सदस्य, हीरक जयंती समारोह के लिए क्रय समिति

नीपा डॉक्यूमेंट्री फिल्म के सक्रिय सदस्य, और पटकथा–लेखन, योजना और समन्वय तथा सभी प्रकार के शैक्षणिक समर्थन में योगदान।

नीपा स्मारक डाक टिकट से संबंधित सभी प्रक्रियाओं में सक्रियता और अंतिम रूप दिया तथा 22 नवंबर, 2022 को आयोजित हीरक जयंती समारोह में जारी किया।

सदस्य, एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए आवेदनों की जांच समिति।

सदस्य, एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम की लिखित परीक्षा लिपियों के मूल्यांकन समिति।

सदस्य, पदोन्नति समिति, ग्रुप सी और डी, नीपा।

सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की पहल पर नीपा द्वि–वार्षिक न्यूजलेटर समिति

सदस्य, सांस्कृतिक समिति, नीपा।

सदस्य, न्यूजलैटर संपादकीय बोर्ड, नीपा

सदस्य, नॉक की आवश्यकता अनुसार नीपा वेबसाइट अद्यतन समिति

सदस्य, पीएच.डी. संचालन समिति, नीपा

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर) भुवनेश्वर।

आजीवन सदस्य, भारतीय शिक्षक प्रशिक्षक संघ (आईएटीई), पटना।

आजीवन सदस्य, अमेरिकी शैक्षिक अनुसंधान संघ (एईआरए), वाशिंगटन, डीसी।

सदस्य, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ, कोलकाता।

आजीवन सदस्य, शिक्षा और प्रशिक्षण पर नीति अनुसंधान, समीक्षा और सलाहकारी नेटवर्क (एनओआरआरएजी) जेनेवा, स्विटजरलैंड।

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संस्था (सीईएसआई) तुलनात्मक शिक्षा समितियों की विश्व कांग्रेस, नई दिल्ली से संबद्ध।

आजीवन सदस्य, भारतीय शिक्षक प्रशिक्षक संघ (एआईएटीई), नई दिल्ली।

आजीवन सदस्य, सिस्टम सोसाइटी ऑफ इंडिया, दयालबाग चैप्टर, आगरा।

सदस्य, विकास अध्ययन संघ (डीएसए), यूके।

ए एन रेड्डी

प्रकाशन

समग्र शिक्षाः भारतीय स्कूली शिक्षा में बदलाव की दिशा में गुणवत्तापूर्ण पहल, शिक्षा मंत्रालय की बौद्धिक विरासत परियोजना के हिस्से के रूप में तैयार की गई रिपोर्ट के सह–लेखक।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

6 जून, 2022 को दूसरे एशिया–प्रशांत क्षेत्रीय शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के हिस्से के रूप में नई डिजिटल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से शिक्षण और सीखने में बदलाव (आभासी)।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

20–24 मार्च, 2023 के दौरान नई दिल्ली में स्कूली शिक्षा में साक्ष्य आधारित नीति निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

शैक्षिक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का उपयोग एम.फिल.–पीएच.डी. पाठ्यक्रम के लिए अनिवार्य गैर–क्रेडिट पाठ्यक्रम।

शिक्षा और विकास में एम.ए. पाठ्यक्रम के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को विकसित करने में संलग्न

अ. शैक्षिक विकास के सूचक

ब. शैक्षिक विकास

स. सामाजिक विज्ञान में उन्नत सांख्यिकीय तकनीकें

द. बजट विश्लेषण और जवाबदेही

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

प्रभारी, शिक्षा एवं विकास में एम.ए. पाठ्यक्रम की शुल्क संरचना समिति

सदस्य, परामर्श एवं संसाधन सृजन समिति

सदस्य, जांच समिति, वर्ष 2022–23 और 2021–22 के लिए शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की योजना

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संस्था (सीईएसआई)

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय नीतियों और शिक्षा सहयोग नेटवर्क

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण

प्रकाशन

अनुसंधान परियोजना/आलेख/अध्याय

आलेखः पावर सेंटर्स इन गर्वनेंस ऑफ हायर एजुकेशन फॉर द फ्यूचर, वाल्यूम 10 अंक–1; जनवरी 2023, सेज जर्नल।

प्रभावशाली शक्ति केंद्रों के मध्य अकादमिक नेतृत्व' परिपेक्ष्य जर्नल में आलेख

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, पर आलेख, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 58, अंक 8, फरवरी 2023

भारत में प्रतिष्ठित संस्थानों के समक्ष चुनौतियाँ, पर आलेख इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वाल्यूम 57, अंक 42, अक्टूबर 2022

डिग्री अवमूल्यन, पर आलेख इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 57, अंक 20, मई 2022

द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल में संपादकीय

व्याख्यान, सेमिनार और कार्यशालाएँ

10—12 मार्च, 2022 तक ''उत्तर—औपनिवेशिक विश्व में उच्च शिक्षा— कोविड पश्चात स्थिति में नई परिस्थितियां'' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

आईक्यूएसी, पारुल यूनिवर्सिटी, वडोदरा के सहयोग से स्कूल ऑफ एजुकेशन (एसओई), जीएनडीयू, अमृतसर द्वारा आयोजित ''एनईपी—2020 और इसके कार्यान्वयन में जागरूकता'' पर एक सप्ताह की संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

13—18 मार्च, 2023 तक नीपा द्वारा आयोजित ''आंध्र प्रदेश के कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम में यूजी कार्यक्रम के लिए बहुविषयक शिक्षा और पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट ढांचे को डिजाइन करना'' पर सत्र की अध्यक्षता की।

13 मार्च, 2023 को ''दूरस्थ, ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण के लिए एसएलएम की रूपरेखा और विकास'' पर राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में मुख्य वक्ता।

31 जनवरी, 2023 को आरएलएस, दक्षिण एशिया के सहयोग से आईआईडीएस द्वारा ''भारत में विदेशी विश्वविद्यालयः हाशिये पर पड़े सामाजिक समूहों पर प्रभाव'' विषय पर आयोजित एक वेबिनार में पैनलिस्ट।

24 जनवरी, 2023 को नीपा में प्रोफेसर अकील बिलग्रामी द्वारा ''आर्थिक अधिकारः वही विचार'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया।

18—24 जनवरी, 2023 के दौरान टीएलसी, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा प्रभावी शिक्षण शिक्षाशास्त्र पर आयोजित मिश्रित संकाय विकास कार्यक्रम में ''शिक्षाशास्त्र अध्यापन के पीछे का दर्शन'' विषय पर वक्ता।

19 दिसंबर, 2022 को शिक्षा आपातकाल पर राष्ट्रीय गठबंधन द्वारा आयोजित ''कक्षा में निराशाः झारखंड और उसके बाहर स्कूली शिक्षा संकट'' अनुसंधान रिपोर्ट पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और चर्चा।

12—13 दिसंबर, 2022 को नीपा—बीएचयू सम्मेलन, वाराणसी में ''सामाजिक विज्ञान और मानविकीः हिंदी में विचार—विमर्श और अकादमिक लेखन'' शीर्षक से दो दिवसीय विचार—विमर्श का आयोजन किया।

27—29 दिसंबर, 2022 के दौरान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड द्वारा आयोजित इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के 105वें वार्षिक सम्मेलन में पैनलिस्ट।

17 नवंबर, 2022 को युवा जीवन प्रसार कार्यक्रम में विशेष अतिथि।

11 नवंबर, 2022 को चार—वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) पर ऑनलाइन सलाहकार बैठक का आयोजन किया।

14 नवंबर, 2022 को राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्यों के साथ ऑनलाइन सलाहकार बैठक का आयोजन किया।

19 नवंबर, 2022 को इकोनॉमिक एसोसिएशन ऑफ बिहार और इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के सहयोग से शिक्षा विभाग, ए.एस. कॉलेज, देवघर, झारखंड द्वारा ''झारखंड के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वय किया।

5 सितंबर, 2022 को एसईईडी—सीएचईएसटी द्वारा शैक्षिक नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा – उच्चतर शिक्षा के उद्घाटन कार्यक्रम में भागीदारी।

25 जुलाई, 2022 को यूजीसी—मानव संसाधन विकास केंद्र, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 114वें संकाय प्रेक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

2 जुलाई 2022 को एचआरडीसी, गौहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय प्रेक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

16 जून, 2022 को मुंबई विश्वविद्यालय के यूजीसी—एचआरडीसी द्वारा ''परिणाम आधारित पाठ्यक्रम और विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम'' विषय पर आयोजित एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम के लिए संसाधक व्यक्ति।

24 मई, 2022 को आईआईडीएस द्वारा रोजा लक्जमबर्ग स्टिफ्टंग, दक्षिण एशिया के सहयोग से आयोजित ''शिक्षा पर सार्वजनिक नीति'' विषय पर सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति।

अनुसंधान परियोजनाएँ पूरी हुईं

रूसा परियोजना को तीन घटकों के साथ पूरा किया – क्लस्टर विश्वविद्यालय, स्वायत्त महाविद्यालय को विश्वविद्यालय में अपग्रेड करना और रूसा – राज्य उच्च शिक्षा परिषद के तहत राज्य स्तरीय योजना और हस्तक्षेप को समझना।

परामर्श प्रदान किया

16–17 मार्च, 2023 को हैदराबाद में राज्य उच्च शिक्षा परिषद की परामर्शदात्री बैठक।

27 जनवरी, 2023 को मिश्रित शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

21 अक्टूबर, 2022 को महिंद्रा विश्वविद्यालय में इंदिरा महिंद्रा स्कूल ऑफ एजुकेशन संकाय साक्षात्कार (ऑनलाइन) के लिए चयन समिति पैनल में बाहरी विशेषज्ञ।

सितंबर 2022 के दौरान शिक्षा नीति और योजना के क्षेत्र में 2023 फुलब्राइट–नेहरू अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फेलोशिप आवेदनों की समीक्षा।

अध्यापन

एम.फिल. छात्रों को उनके पाठ्यक्रम कार्य सीसी–4 शिक्षा नीति पर अध्यापन।

पीएच.डी. पर्यवेक्षण

पीएच.डी. में नामांकित सात छात्रों और एम.फिल. कार्यक्रम में एक छात्र का पर्यवेक्षण।

समितियों के सदस्य

सामाजिक विज्ञान और विकास नीति, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

कॉलेज पोस्ट के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

संपादक, इंडियन इकोनोमिक जर्नल

अकादमिक संपादक, परिप्रेक्ष्य, नीपा की हिंदी पत्रिका

नीपा की आंतरिक समितियों के सदस्य – प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, अध्ययन बोर्ड, वित्त समिति, योजना और निगरानी समिति।

निदेशक, आईक्यूएसी नीपा

प्रो. आरती श्रीवास्तव

प्रकाशन

श्रीवास्तव, ए. और अन्य (2023) ''युवाओं की खुशी और उनके विकास पर पालन–पोषण शैलियों के प्रभाव पर समीक्षा अध्ययन'', *रेस मिलिटेरिस, सोशल साइंस जर्नल,* 13(3), पीपी 96–106, आईएसएसएन 0044–0477।

श्रीवास्तव, ए. और अन्य (2022) ''उच्च शिक्षा के व्यावसायिक छात्रों के संदर्भ में खुशी और लचीलेपन पर अध्ययन का विषयगत विश्लेषण'', वाईएमईआर, 21(12), पीपी 672–682, आईएसएसएन 0044–0477।

श्रीवास्तव, ए. और अन्य (2022) ''स्थायी ग्रामीण समाज के विकास हेतु ग्रामीण किशोरों की खुशी'', वाईएमईआर, 21(11), पीपी 973–979, आईएसएसएन 0044–0477।

श्रीवास्तव, ए. और बलोदी, बी. (2022) ''व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए नेतृत्व संवर्धनः एनईपी–2020 के लिए महत्वपूर्ण कदम'', *मध्य भारती,* वॉल्यूम 82, पीपी 94–101, आईएसएसएन 0974–0066।

श्रीवास्तव, ए. और चोपड़ा, ई. (2022) *माइंडफुल पाथवेज फॉर वर्चुअल लर्निंग,* अमृता कात्यायनी और रंजीता मारक (संपा.), टीचिंग लर्निंग एंड द वर्चुअल वर्ल्ड, कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पीपी 44–52, आईएसबीएनः 9789391450021।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

15 जुलाई, 2022 को आईपी यूनिवर्सिटी में पैनलिस्ट।

26–27 अगस्त, 2022 को बारामूला कॉलेज, जम्मू–कश्मीर में आमंत्रित वक्त।

7 सितंबर, 2022 को 'शिक्षापर्व' एनसीईआरटी में आमंत्रित वक्ता।

20 सितंबर, 2022 को देवी अहिल्या अल्पकालिक कार्यक्रम में वक्ता।

21 सितंबर, 2022 को बर्धवान विश्वविद्यालय में आमंत्रित वक्ता (ऑनलाइन)।

26 सितंबर, 2022 को नीपा में पूर्व छात्रों की बैठक में अध्यक्षता।

29 सितंबर, 2022 को शैक्षिक प्रशासन विभाग के कार्यक्रम में एक सत्र की अध्यक्षता की।

20 अक्टूबर, 2022 को नीपा में पूर्व छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया।

7 नवंबर, 2022 को जेएनयू में शारदा पुरस्कार समिति की बैठक।

14 नवंबर, 2022 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन)।

16 नवंबर, 2022 को मुंबई विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा नीति के बदलते स्वरूपः एनईपी 2020 पर आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन)।

19 नवंबर 2022 को सेंटर फॉर ट्रेनिंग एंड एकेडमिक काउंसिल, जामिया नगर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित समीक्षा और परामर्श बैठक में वक्ता।

24 नवंबर, 2022 को कन्नूर विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन)।

9–12 दिसंबर, 2022 तक रूसा परियोजना के लिए पंडित एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय, संभलपुर का दौरा किया ।

21 दिसंबर, 2022 से इटरनल यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश में सलाहकार समिति और आयोजन समिति के सदस्य।

2–7 जनवरी, 2023 तक आंध्र प्रदेश प्रधानाचार्य नेतृत्व कार्यक्रम के समन्वयक।

जनवरी से मार्च 2023 तक चार आंध्र प्राचार्यों का नेतृत्व कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

चार आंध्र प्राचार्य नेतृत्व कार्यक्रम के लिए क्षेत्र दौरा समन्वयक।

9–11 जनवरी, 2023 तक शिक्षक और शिक्षक शिक्षा, अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक कार्यशाला में वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं के परिप्रेक्ष्य पर सत्र की अध्यक्षता की।

सदस्य, पी.पी. सक्सैना तथ्यान्वेषी समिति

23 जनवरी, 2023 को आईआर प्रभाग, एनसीईआरटी, दिल्ली में बैठक।

24 जनवरी 2023 को एनआईएलईआरडी, नरेला, दिल्ली में ''सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में तेजी लाने हेतु उपकरण के रूप में शिक्षा'' विषय पर आमंत्रित वक्ता।

13–14 फरवरी, 2023 को ब्रिटिश काउंसिल द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक बैठक में भागीदारी।

16 फरवरी, 2023 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में सीपीआरएचई, नीपा द्वारा ''उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन'' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भागीदारी।

21 फरवरी, 2023 को नोएडा में आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''शिक्षा, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में महामारी के बाद समाज का पुनर्निर्माण और पुनर्कल्पना'', विषय पर आमंत्रित मुख्य भाषण।

25 फरवरी, 2023 को बर्दवान विश्वविद्यालय में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व' विषय पर आमंत्रित वक्ता।

27 फरवरी, 2023 को नीपा में नवाचार पुरस्कारों के मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में बैठक में भागीदारी।

3–4 मार्च, 2023 को जी20 बैठक के लिए आईआईटी रोपड़ और अमृतसर का दौरा किया।

20–23 मार्च, 2023 तक नेतृत्व विकास पर गुवाहाटी विभागीय कार्यक्रम (डीएचपीई) में आमंत्रित वक्ता।

24–25 मार्च, 2023 को वसंत महिला कॉलेज, राजघाट, वाराणसी में ''भारत में विविधता, बहुलवाद और शिक्षाः निरंतरता, चुनौतियाँ और आगे की राह'' विषय पर व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

31 मार्च 2023 को लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: विषय–वस्तु और परिप्रेक्ष्य'' विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

6–10 फरवरी, 2023 तक यूपीएससी साक्षात्कार में विशेषज्ञ।

1 मार्च, 2023 को फिक्की हाउस, नई दिल्ली में ''शिक्षक प्रशिक्षण के सुदृढ़ीकरण'' पर ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग की गोलमेज बैठक।

2 मार्च, 2023 को पुस्तक मेले, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में पुस्तक चयन समिति के सदस्य के रूप में आईसीएसएसआर, एनएएसएसडीओसी द्वारा आमंत्रित।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

निम्नलिखित निकायों के आजीवन सदस्य

प्रौढ़ शिक्षा संगठन, आईटीओ, नई दिल्ली (1999)

भारतीय ज्ञानपीठ परिवार, नई दिल्ली (1999)

भारतीय आर्थिक संघ (2004)

इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स (1998)

नेशनल बुक ट्रस्ट (1998)

यूपी भारत स्काउट एंड गाइड्स (2003)

थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी (2004)

सीईएसआई, नई दिल्ली (2010)

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (2009)

भारतीय शिक्षक शिक्षा संघ (2015)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (2016)

भारत–अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, अल्पकालिक सदस्यता, मार्च, 2021 से आगे

आईएनटीएसीएच (2022)।

अन्य सूचना

पीएच.डी पर्यवेक्षण

अ. बबिता बलोदी

ब. अर्चना कुमारी

एम.फिल पर्यवेक्षण

अ. पृद्धवी रायला

नीरू स्नेही

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेख/टिप्पणी

अजीत मंडल, इंद्रजीत दत्ता और भानु प्रताप प्रीतम द्वारा संपादित पुस्तक, 2022 में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: भारतीय उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए आगे का रास्ता'' पर अध्याय। अटलांटिक पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

अनुसंधान रिपोर्ट

''समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियां और अभ्यास'' पर एक मॉड्यूल, ससेक्स विश्वविद्यालय और भारतीय साझेदारी के साथ भारत सरकार की वैश्विक साझेदारी सहयोगी परियोजना के तहत ब्रिटिश काउंसिल को प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी

प्रस्तुति

6–8 मई, 2022 को पोस्ट–कोविड युग में परिणाम आधारित पाठ्यचर्या और शैक्षणिक मांगों पर जामिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कोविड–19 के पश्चात की अवधि में भारतीय उच्च शिक्षा: चुनौतियां और संभावनाएं'' विषय पर ऑनलाइन लेख प्रस्तुत किया गया।

''भारत में निजी ट्यूशन की बदलती गतिशीलता'' पर ऑनलाइन लेख प्रस्तुत किया गया।

अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए शिक्षा में सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में हर्षिता शर्मा के साथ संयुक्त रूप से लेख प्रस्तुत, सीआईईएस 2023, वाशिंगटन डीसी।

शिक्षा में भागीदारी: सहकार्यता, सहयोग, सह–योजन, 2022 पर ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल एंड कंपरेटिव एजुकेशन (बीएआईसीई) सम्मेलन में प्रस्तुति हेतु ''शिक्षक शिक्षा के लिए उत्तर–दक्षिण भागीदारी: ज्ञान आधिपत्य को उपनिवेश मुक्त'' पर एक संयुक्त लेख का योगदान दिया। यह लेख ब्रिटिश काउंसिल, यूके द्वारा वित्त पोषित ''समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण'' परियोजना पर आधारित है।

व्याख्यान–वेबिनार

उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण और एनईपी 2020 विषय पर एचआरडीसी, गोवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 114वें एफआईपी (ऑनलाइन) संकाय प्रेषण कार्यक्रम में वक्ता।

12–25 नवंबर, 2022 को शिक्षा विभाग, यूजीसी–एचआरडीसी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा ''शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन'' और ''शिक्षक शिक्षा के लिए व्यावसायिक विकास'' विषयों पर आयोजित ''शिक्षक शिक्षा में 22वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम'' में वक्ता।

5 नवंबर, 2022, को स्कूल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी, जयपुर में ''बालिकाओं की शिक्षा और आकांक्षाएंः सभी के लिए बेहतर भविष्य की ओर'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में वक्ता।

16 नवंबर, 2022 को टीआईएसएस, मुंबई द्वारा ''समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं'' पर सर्टिफिकेट कोर्स, चरण 1 कार्यशाला में वक्ता।

जनवरी–मार्च 2023 में आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम की चार कार्यशालाओं में ''एफवाईयूपी के तहत अनुसंधान को बढ़ावा देना'' विषय पर व्याख्यान दिया।

20–24 मार्च, 2023, गुवाहाटी में ''पूर्वोत्तर भारत के कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व क्षमता विकास'' पर अभिविन्यास–सह–कार्यशाला में ''एफवाईयूपी के तहत अनुसंधान को बढ़ावा देना'' और ''एनईपी के संदर्भ में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण'' पर व्याख्यान दिया।

जनवरी 2023 नीपा में ''वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं'', पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक कार्यशाला में ''शिक्षार्थी–केंद्रित शिक्षाशास्त्र'' पर सत्र आयोजित किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सेमिनारों में भागीदारी

5 अप्रैल, 2022 को ''शिक्षा के लिए उचित अवसर – उच्चतर शिक्षा तक पहुंच और विकल्प के लिए लिंग आधारित मार्ग'' विषय पर एक वेबिनार में भागीदारी।

12 अप्रैल, 2022 को पीएच.डी. विद्वानों के लिए अर्धवार्षिक समीक्षा सेमिनार में भागीदारी।

25 अप्रैल, 2022 को दीपिंदर कौर की मौखिक परीक्षा में भागीदारी।

25 मई, 2022 को आईएचईआर 2023ः उच्च शिक्षा में अनुसंधान पर पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक में भागीदारी।

शिक्षण–अधिगम सर्वेक्षण अनुसंधान प्रस्ताव विकसित करने के लिए बैठकों में भागीदारी।

शैक्षिक विकास के संकेतकों पर पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए संकाय बैठक और टीम बैठकों में भागीदारी, मूल्यांकन, शासन और प्रबंधन (परियोजना कार्य), के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की गई।

27 मई, 2022 को ''शिक्षक शिक्षा में शासन सुधारों को संस्थागत बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी।

एकीकृत एम.फिल.–पीएच.डी., 2022 की प्रवेश परीक्षा के उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया।

एनएएसी सहकर्मी दल/समीक्षा समिति की बैठक में भागीदारी और विभागीय वार्तालाप के लिए तैयारी की।

7–8 जुलाई, 2022 को ऑनलाइन ब्रिटिश काउंसिल की सहयोगी परियोजना के तहत 'वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं' पर मॉड्यूल तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भागीदारी।

12 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भागीदारी।

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में नीपा स्थापना दिवस पर आयोजित सेमिनार में भागीदारी।

29 सितंबर, 2022 को ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम के साथ डिजिटल प्रौद्योगिकी का एकीकरण'' पर आयोजित पहली अनुसंधान विशेषज्ञ समिति की बैठक में भागीदारी।

9 नवंबर, 2022 को हेरिटेज वॉक में नीपा द्वारा आयोजित हीरक जयंती समारोह में भागीदारी।

20 अक्टूबर, 2022 को नीपा में ''शिक्षा, विकास और असमानताएँ'' विषय पर पूर्व छात्र संगोष्ठी में भागीदारी।

21 अक्टूबर, 2022 को पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में नीपा के दीक्षांत समारोह में भागीदारी।

11 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 13वें मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान में भागीदारी, व्याख्यान प्रोफेसर अविजीत पाठक ने दिया और सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर एस इरफान हबीब ने की।

14 जुलाई, 2020 को सीपीआरएचई, नीपा में ''शिक्षा के माध्यम से लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना'' विषय पर एक वेबिनार में भागीदारी।

नीपा, सीआईईटी अपने 60वें वार्षिक समारोह के अवसर पर नीपा पर एक वृत्तचित्र फिल्म के विकास में भागीदारी।

22 नवंबर, 2022, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली के हीरक जयंती समारोह में भागीदारी।

6 दिसंबर, 2022 को विटवाटरसैंड विश्वविद्यालय के वरिष्ठ उप–कुलपति प्रोफेसर रुक्साना उस्मान और नॉटिंघम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन के प्रोफेसर एलिजाबेथ वाल्टन द्वारा 'जटिल संदर्भों में शैक्षणिक जवाबदेही'' विषय पर वार्तालाप व्याख्यान में भागीदारी।

19–20 दिसंबर, 2022 को पीएच.डी. स्कॉलर्स 2020 बैच के सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनार में भागीदारी।

24 फरवरी, 2023 को उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी।

मार्च 2023 में शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के आभासी समारोह हेतु नवाचार के प्रतिभागियों के प्रस्तावों की जांच में भागीदारी और योगदान।

10 मार्च 2023 को नीपा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में भागीदारी।

7 जनवरी, 2022 को एनआरसीई, नीपा द्वारा उच्चतर शिक्षा में शिक्षा अनुशासन शिक्षकों के लिए आयोजित संकाय संवर्धन वेबिनार में भागीदारी।

सीपीआरएचई, नीपा में उच्च शिक्षा में महिलाओं पर आईएचईआर 2022 की पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक में भागीदारी।

क्या अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा पर्याप्त नैतिक और राजनीतिक है? अंतर्राष्ट्रीय छात्र गतिशीलता की नैतिकता और राजनीति पर पुनर्विचार' विषय पर वैश्विक उच्च शिक्षा केन्द्र (सीजीएचई) सेमिनार 334 में भागीदारी।

इनके अतिरिक्त नीपा द्वारा आयोजित अन्य सेमिनारों/बैठकों, संकाय और अनुसंधान विद्वानों के वार्षिक और सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनारों में भागीदारी।

पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण समन्वय

सितंबर 2020 में संयोजक के रूप में, पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा– एक परिप्रेक्ष्य का संचालन किया।

28 नवंबर–2 दिसंबर, 2022 तक नीपा, नई दिल्ली में ''कॉलेज प्राचार्यों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास'' पर समन्वित राष्ट्रीय कार्यशाला।

9–12 जनवरी, 2023 को ''वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं'' पर समन्वित अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक कार्यशाला।

13–18 फरवरी, 2023 तक ''आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का समन्वय।

20–24 मार्च, 2023 तक गुवाहाटी में ''पूर्वोत्तर भारत के कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व क्षमता विकास'' पर समन्वित अभिविन्यास–सह–कार्यशाला।

अध्यापन

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा – एक परिप्रेक्ष्य का संचालन

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905: अनुसंधान के तरीके और सांख्यिकी का संचालन

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी1): उच्च शिक्षा: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य, का संचालन

विभाग में आयोजित एवं संचालित कार्यशालाओं में व्याख्यान दिये

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

पीजीडेपा

योगेश आर सोनवणे द्वारा 'महाराष्ट्र (भारत) और ढाका (बांग्लादेश) के शिक्षकों के बीच 7 सतत विकास लक्ष्यों की जागरूकता पर दूरसंचार परियोजना की प्रभावशीलता का अध्ययन' शीर्षक से पीजीडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

प्रतिमा सिंह द्वारा 'आरटीई कार्यान्वयन स्थिति – एक दशक बाद आरटीई 2009' शीर्षक से पीजीडेपा निबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

डॉ. पल्लवी चिंचोलकर द्वारा ''महाराष्ट्र राज्य के सांगली जिले में प्राथमिक स्तर पर शिक्षण अधिगम में दीक्षा ऐप की भूमिका'' शीर्षक से पीजीडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण किया।

एम.फिल. / पीएच.डी.

ऐश्वर्या शर्मा द्वारा 'कोविड –19 महामारी के दौरान निजी ट्यूटोरियल केंद्रों के कामकाजः चुनौतियां और संभावनाएं' शीर्षक से एम.फिल. शोध प्रबंध कार्य का पर्यवेक्षण किया।

निकिता द्वारा 'चयनित भारतीय विश्वविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के शैक्षणिक अनुभवों का अध्ययन' शीर्षक से एम.फिल. शोध प्रबंध कार्य का पर्यवेक्षण किया।

''शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया के मोहम्मद अख्तर रजा द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री के लिए प्रस्तुत शोध ''यूपी के सोनभद्र जिले के वरिष्ठ माध्यमिक राजकीय विद्यालयों में आदिवासी छात्रों की शैक्षिक स्थिति और समस्याओं का अध्ययन'' शीर्षक का मूल्यांकन किया।

हर्षिता शर्मा द्वारा 'द फ्रैंचाइज़िंग ऑफ़ प्राइवेट ट्यूटरिंग इन इंडिया' शीर्षक से पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण।

मोहम्मद रौफ भट द्वारा 'जम्मू–कश्मीर में स्कूली शिक्षा के विकास में निजी स्कूलों की भूमिका को समझनाः जिला कुलगाम का अध्ययन' शीर्षक से पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

अनुष्का द्वारा 'उच्च शिक्षा में नामांकित अफगान शरणार्थियों और उनकी राज्य विहीनता का अध्ययन' शीर्षक से पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

अन्य गतिविधियां

25–26 अगस्त, 2022 को टीआईएसएस, मुंबई में 'समानता और समावेशन के लिए शिक्षक तैयारीः संभावनाएं और आशाएं' पर आयोजित संगोष्ठी में 'शिक्षक शिक्षा प्रावधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका' पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता।

इंडियन जर्नल फॉर जेंडर स्टडीज के लिए एक लेख की समीक्षा की।

5 दिसंबर, 2022 को संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी) कार्यक्रम, वी–अवार्ड्स–2022 के जूरी सदस्य के रूप में पुरस्कार समारोह में भागीदारी।

17 फरवरी, 2023 को मिरांडा हाउस और जीसस एंड मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्रतिभागी प्राचार्यों के लिए प्रत्येक आधे दिन की वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन किया।

ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली में भारत सरकार के वैश्विक कार्यक्रम हाई प्रोफाइल विज़िट में भागीदारी।

संसदीय प्रश्नों के उत्तर तैयार किये।

कनिष्ठ परियोजना सलाहकार (शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों), के पदों के लिए आवेदनों की जांच हेतु जांच समिति के सदस्य।

परियोजना सलाहकार (आईटी) और परियोजना सलाहकार (शैक्षणिक) के पद के लिए जांच समिति के अध्यक्ष।

स्थायी खरीद समिति के सदस्य (2.5 लाख रुपये से कम)।

सदस्य, नीपा एम.फिल. एवं पीएच.डी. जून 2022, में प्रवेश हेतु आयोजित लिखित परीक्षा के मूल्यांकन समिति।

सदस्य, 1 नवंबर, 2022 को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में भागीदारी।

सदस्य, 10 नवंबर, 2022 को अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी।

सदस्य, 13 मार्च, 2023 को नीपा अध्ययन बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

सदस्य, 15 मार्च, 2023 को नीपा अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी।

सदस्य, 27–28 फरवरी, 2023 को नवाचारों और नवोन्मेष के मूल्यांकन के लिए समिति की बैठक में भागीदारी।

सदस्य, हीरक जयंती समारोह समिति, नीपा, 2022।

सदस्य, नीपा पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म की तैयारी हेतु समिति

सदस्य, नीपा न्यूजलैटर समिति

सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ (सीईएसआई)

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी

सदस्य, तुलनात्मक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी, 2022—23

सदस्य, ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल एंड कम्पेरेटिव एजुकेशन, 2022—23

संगीता अंगोम

प्रकाशन

शोध पत्र/पत्रिका में प्रकाशित लेख (सहकर्मी समीक्षा)

अंगोम, संगीता (2022), भारतीय उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2021 में ''भारत में निजी विश्वविद्यालयों में संस्थागत स्वायत्तता'', (संस्करण) एन.वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही, रूटलेज प्रकाशन, जुलाई 2022।

अंगोम, संगीता (2022), ''भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अकादमिक अनुसंधान में सुधारः शिक्षकों के परिप्रेक्ष्य की जांच'', जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), अक्टूबर 2022 अंक।

अंगोम, संगीता (2023), ''एनईपी 2020: उच्च शिक्षा में नियामक प्रणाली को बदलना'', ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: नीति सुधार और परिप्रेक्ष्य'' में अध्याय, (संस्पादक) डॉ. अजीत मंडल, डॉ. इंद्रजीत दत्ता, और डॉ. भानु प्रताप प्रीतम, अटलांटिक प्रकाशन, जनवरी 2023

सेमिनारों और सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुत

9—11 दिसंबर, 2022 को मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मनु), हैदराबाद में मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद और भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ (सेसी) द्वारा आयोजित संयुक्त रूप से आयोजित 12वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सेसी सम्मेलन और सेसी के 11वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''एनईपी 2020: उच्चतर शिक्षा में नियामक प्रणाली का बदलाव'' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

सेमिनारों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और बैठकों में भागीदारी

27—29 सितंबर, 2022 को शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा द्वारा ''विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्त बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में 27 सितंबर, 2022 को नीपा में ''लिंग और उच्च शिक्षा'' पर सत्र की अध्यक्षता की।

30—31 जनवरी, 2023 को शैक्षिक नीति विभाग, नीपा द्वारा ''लिंग और उच्च शिक्षा'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

9—10 फरवरी, 2023 को एआईएमए के सहयोग से शैक्षिक वित्त विभाग द्वारा आयोजित ''उद्योग—अकादमिक संबंधों प्रक्रियाएं और अभ्यास कौशल को बनाए रखना'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी।

25 मई, 2022 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा उच्च शिक्षा में अनुसंधान पर आयोजित आईएचईआर 2023 की पहली सहकर्मी समीक्षा (ऑनलाइन) बैठक में भागीदारी।

24 जनवरी, 2023 को नीपा, नई दिल्ली में ''आर्थिक अधिकारः मूल विचार'' विषय पर प्रोफेसर अकील बिलग्रामी के व्याख्यान में भागीदारी।

16—17 फरवरी, 2023 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा ''उच्च शिक्षा में पहुंच और समानता'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

27—28 फरवरी, 2023 को नीपा में मूल्यांकन और विचार (एनएआईईए) के लिए ''शैक्षणिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार'' के मामलों के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ के रूप में भागीदारी।

3 मार्च, 2023 को नीपा में एनईपी के आलोक में ''उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण'' पर ''सीमा पार उच्च शिक्षा योग्यता मान्यता को आगे बढ़ाना'' विषय पर डॉ. ब्रिगिड फ्रीमैन, विजिटिंग प्रोफेसर, नीपा और अकादमिक फेलो, ऑस्ट्रेलिया भारत संस्थान, मेलबर्न विश्वविद्यालय द्वारा दिए व्याख्यान में भागीदारी।

22 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित नीपा के हीरक जयंती समारोह में भागीदारी।

21 अक्टूबर, 2022 को पी.एच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पी.एच.डी. हाउस), नई दिल्ली में आयोजित नीपा दीक्षांत समारोह में भागीदारी।

11 नवंबर, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा दिवस/13वें मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम में भागीदारी।

13–14 फरवरी, 2023 को भारत की जी20 अध्यक्षता और शिक्षा एजेंडा पर सलाहकार बैठक में भागीदारी।

6 मार्च, 2023 को नीपा में नीपा वार्तालाप सीरीज–वार्तालाप व्याख्यान में प्रोफेसर क्रेग जेफरी (स्कूल ऑफ ज्योग्राफी, अर्थ एंड एटमॉस्फेरिक साइंसेज, साइंस फैकल्टी, द यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया) द्वारा ''चयनात्मक शहरीकरणः समकालीन भारत में युवा, नीति और शहरी क्षेत्र'' शीर्षक पर दिए गए व्याख्यान में भागीदारी।

9–12 जनवरी 2023 को नीपा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक कार्यशाला के भागीदार संस्थानों के अतिथि संसाधन व्यक्तियों के साथ आयोजित संकाय वार्तालाप सत्र में भागीदारी।

नीपा द्वारा आयोजित ''साक्षरता के संदर्भ में भागीदारी अनुसंधान पद्धति'' पर ससेक्स विश्वविद्यालय के संकाय डॉ. जूलिया सदरलैंड द्वारा दिए गए व्याख्यान में भागीदारी।

9 नवंबर, 2022 को नीपा के हीरक जयंती समारोह के संबंध में आयोजित ''फैकल्टी हेरिटेज वॉक'' में भागीदारी।

19 अक्टूबर, 2023 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा आयोजित आईएचईआर 2023 की द्वितीय सहकर्मी समीक्षा बैठक और अतिरिक्त अध्याय में भागीदारी।

19 अक्टूबर, 2022 को नीपा छात्रावास में प्रो. मनिन्द्र नाथ ठाकुर द्वारा उनकी नव प्रकाशित पुस्तक ''ज्ञान की राजनीति'' के प्रकाश में दिए गए व्याख्यान, नीपा वार्तालाप श्रृंखला में भागदारी।

14 अक्टूबर, 2022 को नीपा में नॉक दल के दौरे के समापन दिवस कार्यक्रम में भागीदारी।

5 सितंबर, 2022 को नीपा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, नीपा के तत्वावधान में शिक्षक दिवस समारोह कार्यक्रम में भागीदारी।

29–31 अगस्त, 2022 को नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''एनईपी–2020 के तहत एसईडीजी के लिए विशेष शिक्षा क्षेत्रों का संचालनः कार्यान्वयन चुनौतियां और रास्ते'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान प्रोफेसर सुखदेव थोरात द्वारा दिए गए ''एनईपी–2020 में विशेष शिक्षा क्षेत्र'' पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान में भागीदारी।।

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित नीपा के 16वें स्थापना दिवस समारोह में भागीदारी।

20 जुलाई, 2022 को नीपा द्वारा आयोजित हरित पहल पर जागरूकता–सह–ई–कचरा संग्रहण अभियान में भागीदारी।

25–19 जुलाई, 2022 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल, नीपा द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में नृवंशविज्ञान अनुसंधान'' पर तीन–व्याख्यान श्रृंखला में भागीदारी।

27 मई, 2022 को विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा ''शिक्षक शिक्षा में शासन सुधारों को संस्थागत बनाना'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी।

2 मई, 2022 को नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सामाजिक प्रणाली अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रोफेसर विवेक कुमार द्वारा ''सामाजिक विज्ञान में निम्नवर्गीय परिप्रेक्ष्यः दार्शनिक और सैद्धांतिक तर्क'' विषय पर डॉ. नरेश कुमार मेमोरियल व्याख्यान में भागीदारी।

5 अप्रैल, 2022 को सीपीआरएचई/नीपा और वारविक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा तक पहुंच और विकल्प के लिए लिंग आधारित रास्ते' वेबिनार में भागीदारी।

23 जनवरी, 2023 को एन. मेनन सेंटर डी साइंसेज ह्यूमेन्स आईएफआई–सीएसएच, द्वारा ''लोकतंत्र की योजनाः कैसे एक प्रोफेसर, एक संस्थान, और एक विचार भारत को आकार देते हैं'' विषय पर (ऑनलाइन) व्याख्यान में भागीदारी।

16 नवंबर से 19 दिसंबर, 2022 तक शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वाराणसी में काशी तमिल संगम (केटीएस) में ऑनलाइन भागीदारी।

22 अक्टूबर, 2022 को आरआईजी उच्च शिक्षा और

आरआईजी अर्थशास्त्र शिक्षा द्वारा (ऑनलाइन) आयोजित ''उच्च शिक्षा में असमानताः संरचनात्मक, संस्थागत पर सीईएसआई के पूर्व–सम्मेलन कार्यक्रम में पैनल चर्चा में भागीदारी।

29 अगस्त, 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित सार्थक के टास्क 295 के लिए विशेषज्ञ समिति के अन्तर्गत गठित ''शिक्षा का सार्वभौमिकरण'' पर उप–समिति की बैठक (ऑनलाइन) में भागीदारी।

22 अगस्त, 2022 को यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार और उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण'' विषय पर यूजीसी ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में भागीदारी।

7 जुलाई, 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 3 दिवसीय ''शिक्षा शिखर सम्मेलन'', अखिल भारतीय शिक्षा समागम के उद्घाटन कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में भागीदारी।

21 नवंबर, 2022 को पुणे विश्वविद्यालय के शिक्षा और विस्तार विभाग की विद्वान पूनम सोनवाने की पीएच. डी. प्री–सबमिशन सेमिनार में बाहरी परीक्षक के रूप में ऑनलाइन भागीदारी।

22 फरवरी 2022 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली की स्कॉलर सारा मुजीब की पीएच. डी. प्री–सबमिशन सेमिनार में बाहरी परीक्षक के रूप में ऑनलाइन भागीदारी।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

23–25 नवंबर, 2022, तक नीपा में विश्वविद्यालयों के संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला का आयोजन।

20–24 मार्च, 2023 को एचआरडीसी, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में आयोजित ''पूर्वोत्तर के कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास'' पर पांच दिवसीय अभिविन्यास–सह–कार्यशाला का आयोजन।

28 नवंबर–2 दिसंबर, 2022 को नीपा, नई दिल्ली में उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ''कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन में सहायता प्रदान की।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

2–4 मार्च, 2022 को नीपा द्वारा 'विश्वविद्यालयों के संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला' के लिए सामग्री विकसित।

20–24 मार्च, 2023 को एचआरडीसी, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में आयोजित ''पूर्वोत्तर के कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास'' पर पांच दिवसीय अभिविन्यास–सह–कार्यशाला के लिए सामग्री विकसित की गई।

पाठ्यक्रम विकास दल के प्रमुख संकाय के रूप में शिक्षा और विकास में एम.ए. के लिए ''अनुदान प्रस्ताव तैयार करना (538)'' शीर्षक से विकसित पाठ्यक्रम।

पाठ्यक्रम विकास दल के सदस्य के रूप में शिक्षा और विकास में एम.ए. के लिए ''शिक्षा की नींव (503)'' शीर्षक से विकसित पाठ्यक्रम।

पाठ्यक्रम विकास दल के सदस्य के रूप में शिक्षा और विकास में एम.ए. के लिए ''शिक्षा में शासन और प्रबंधन (508)'' शीर्षक से विकसित पाठ्यक्रम।

पाठ्यक्रम विकास दल के सदस्य के रूप में शिक्षा और विकास में एम.ए. के लिए ''लिंग और शिक्षा (526)'' शीर्षक से विकसित पाठ्यक्रम।

पाठ्यक्रम विकास दल के सदस्य के रूप में शिक्षा और विकास में एम.ए. के लिए ''बजट विश्लेषण और व्यय (537)'' शीर्षक से विकसित पाठ्यक्रम

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और सहायता

नीपा द्वारा (शिक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर) शैक्षणिक वर्ष 2022–23 के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची तैयार की गई; जनवरी 2022 में शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

पूर्वोत्तर में उच्च शिक्षाः विज़न दस्तावेज तैयार किया और मई 2023 में कुलपति, नीपा को प्रस्तुत किया।

एनएएसी के लिए अक्टूबर 2022 में पूर्वोत्तर संपर्क समिति का नीतिगत परिप्रेक्ष्य तैयार किया।

जून 2023 में शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत करने के लिए कुलपति, नीपा को पूर्वोत्तर क्षेत्र निधि का संक्षिप्त दस्तावेज तैयार किया।

2022–23 में पूर्वोत्तर में नीपा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नोडल मंत्रालय से बजट अनुमोदान और उत्तर पूर्वी क्षेत्र निधि, की मांग के लिए अक्टूबर 2023 में दस्तावेज तैयार किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शोध अध्ययन (भारत सरकार)

अनुसंधान अध्ययन जिसका शीर्षक है, ''भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर उनका प्रभाव''

पीएच.डी. और एम.फिल. छात्रों का पर्यवेक्षण

पीएच.डी. विद्वान फातिमा जराह की थीसिस ''लद्दाख में उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी और महिला सशक्तीकरण की संभावनाएं'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. विद्वान गद्दाम मिहिर की थीसिस ''भारतीय विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम के संविधान का ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विश्लेषणः उस्मानिया विश्वविद्यालय का केस अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. विद्वान अनुराधा शाह की थीसिस ''उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारीः उत्तर प्रदेश का अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

एम.फिल. छात्र अब्दुल सकूर के शोध प्रबंध, ''पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक और निजी शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेजों का तुलनात्मक अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन। (एम.फिल. बैच 2021–23, शोध प्रबंध अभी जमा नहीं किया गया है)।

नीपा प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण

डेनिस एलंगबाम (पीजीडेपा प्रशिक्षु 2022–23) के शोध प्रबंध ''स्टाफ की कमी और प्रबंधन मुद्देः कामजोंग जिले, मणिपुर का केस अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

पाठ्यक्रम समन्वयक

समन्वयक, आईडेपा पाठ्यक्रम 201–विषयगत संगोष्ठी

समन्वयक, पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905–अनुसंधान पद्धति, परियोजना कार्य और लेखन

पाठ्यक्रमों का संचालन

एम.फिल. पाठ्यक्रम ओसी–9, लैंगिक, शिक्षा और विकास

पीजीडेपा कार्यक्रम

1. पीजीडेपा पाठ्यक्रम 906ः प्रतिभागियों की संगोष्ठी
2. पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905 अनुसंधान पद्धति परियोजना कार्य और लेखन
3. पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902 भारतीय शिक्षाः एक परिप्रेक्ष्य

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां में संलग्नता

परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में छह एम.फिल. छात्र (2020–22 बैच) की मौखिक परीक्षा आयोजित की।

परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में शैक्षणिक वर्ष 2022–23 के दौरान दो पीएच.डी. विद्वानों की मौखिक परीक्षा आयोजित की।

परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल. 2020–22 बैच का अंतिम परिणाम तैयार किया।

परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल. 2021–23 बैच के द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम तैयार किया।

परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल. 2022–24 बैच के प्रथम सेमेस्टर का परिणाम तैयार किया।

सितंबर 2022 में शिक्षा एवं विस्तार विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की सोनावणे पूनम लहू की पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन किया।

अक्टूबर 2022 में जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, जेएनयू की सारा मुजीब की पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन किया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान नीपा की अन्य गतिविधियों में योगदान

शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (एनएआईईए) हेतु अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा राज्यों के नवाचार मामलों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकन समिति के सदस्य।

पूर्वोत्तर क्षेत्र अनुदान के अन्तर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, परियोजनाओं आदि के संचालन के लिए संकाय समन्वयक।

नीपा की संबंधित गतिविधियों में शामिल ओबीसी और पीडब्ल्यूडी के लिए संपर्क अधिकारी

नीपा में आयोजित जी20 बैठक, 2023 के आयोजन में भागीदारी।

नीपा कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम संचालन/प्रदत्त व्याख्यान/संसाधन व्यक्ति के रूप में संलग्नता

20–24 मार्च, 2023 को मानव संसाधन विकास केन्द्र, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में आयोजित ''पूर्वोत्तर के कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास'' पर पांच दिवसीय अभिविन्यास–सह–कार्यशाला के दौरान ''पूर्वोत्तर में उच्च शिक्षाः अंतराल और आगे के मार्ग'' पर एक व्याख्यान।

27–29 सितंबर, 2022 तक शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में महिला विकास प्रकोष्ठों को सशक्त बनाना'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान 27 सितंबर, 2022 को ''लिंग और उच्च शिक्षा'' पर सत्र की अध्यक्षता की।

30–31 जनवरी, 2023 को शैक्षिक नीति विभाग, नीपा द्वारा ''लिंग और उच्च शिक्षा'' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''पूर्वोत्तर भारत में नारीवाद'' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

9–10 फरवरी, 2023 को एआईएमए के सहयोग से शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा द्वारा उद्योग–अकादमिक संबंधों प्रक्रियाएं और अभ्यास कौशल को कायम रखना'' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

16–17 फरवरी, 2023 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा ''उच्च शिक्षा में पहुंच और समानता'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन'' पर पूर्ण सत्र–1 के लिए प्रतिवेदक के रूप में कार्य।

अन्य विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों के संचालन में सहयोग/व्याख्यान

31 अगस्त, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो सप्ताह के ''शिक्षक शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम'' में ''उच्च शिक्षा में निजीकरणः चुनौतियां और चिंताएं'' पर व्याख्यान दिया।

8 जुलाई, 2022 को एनसीएसएल, नीपा और एनसीईआरटी द्वारा पीएमईविद्या, एनसीईआरटी चैनल नंबर पर 6,9 और 12 (लाइव स्ट्रीमिंग सत्र) में ''उत्तर पूर्व में अग्रणी स्कूलः चुनौतियां और अवसर'' विषय पर व्याख्यान दिया।

नीपा समितियों के सदस्य

जुलाई 2022 में पुनर्गठित मेस समिति के अध्यक्ष।

आंध्र प्रदेश कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के लिए राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए दिसंबर 2022 में गठित छात्रावास समिति के अध्यक्ष।

आंध्र प्रदेश कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के लिए राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए दिसंबर 2022 में गठित खाद्य समिति के अध्यक्ष

परियोजना सलाहकार एवं कनिष्ठ परियोजना सलाहकार के पद हेतु आवेदनों की जांच हेतु गठित समिति के सदस्य।

परियोजना सलाहकार (शैक्षणिक एवं वित्त) के पद हेतु आवेदनों की जांच हेतु गठित समिति के सदस्य।

अनुभाग अधिकारी की पदोन्नति हेतु डी.पी.सी. के लिए गठित समिति के सदस्य

समान अवसर प्रकोष्ठ के सदस्य

अक्टूबर 2022 में नॉक सहकर्मी टीम के दौरे के लिए गठित चिकित्सा, जल संचयन और हरित पहल सहित बुनियादी ढांचे और संस्थागत सुविधाओं के लिए समिति के सदस्य

एनईआर अनुदान के तहत उत्तर पूर्व क्षेत्र से संबंधित शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, परियोजनाओं आदि के संचालन हेतु संकाय समन्वयक।

प्रशासनिक सहायक पद के लिए चयन समिति के सदस्य।

ओबीसी और पीडब्ल्यूडी के लिए संपर्क अधिकारी।

सदस्य, संचालन समिति, नीपा

सदस्य, परीक्षा समिति, नीपा

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा।

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, नीपा

सदस्य, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2022–23 के आवेदनों की जांच के लिए समिति।

सदस्य, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2022–23 के लिए प्रवेश समिति।

सदस्य एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2022–23 की लिखित परीक्षा आयोजन के लिए निरीक्षण समिति।

सदस्य, अनुकंपा नियुक्ति हेतु गठित समिति।

सदस्य, प्रशासनिक सहायक पद हेतु चयन समिति।

सदस्य, आंध्र प्रदेश के कॉलेज प्राचार्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए छात्रावास समिति।

सदस्य, नीपा की जी20, 2023 गतिविधियों के लिए छात्र भागीदारी समिति

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

नॉर्थ ईस्ट इंडिया एजुकेशन सोसाइटी, शिलांग (एनईआईईएस) के आजीवन सदस्य

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ (सीईएसआई) के आजीवन सदस्य

शिक्षा विभाग, सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय, नागालैंड में पीएच.डी. थीसिस के मूल्यांकनकर्ताओं के पैनल के सदस्य।

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

बी.के. पंडा

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/वेबिनार/गोलमेज सम्मेलनों में भागीदारी

26 अप्रैल, 2022 को क्लैरिवेट द्वारा आयोजित जोनाथन एडम्स, रॉस पॉटर, द इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक इंफॉर्मेशन और लूडो वॉल्टमैन, लीयन यूनिवर्सिटी द्वारा ''एक सहयोगात्मक दुनिया में अनुसंधान क्रेडिट का प्रबंधन'' विषय पर वेबिनार में भागीदारी।

9–13 मई, 2022, तक नीपा में ''ऑनलाइन/मिश्रित पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और संचालन'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में अभिरुचि सत्र में भागीदारी।

20 मई, 2022 को अखिल भारतीय शिक्षा मंच, नागालैंड द्वारा प्रोफेसर राम शंकर कुरील, सदस्य, एनईपी समिति तथा कुलपति, एमजी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ और प्रोफेसर नित्यानंद प्रधान, एनआईईआरआई, शिलांग द्वारा ''भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली और एनईपी 2020'' विषय पर एक वेबिनार में भागीदारी।

24 मई, 2022 को वक्ताओं डैन वैगनर, रंगाचर गोविंदा, करेन मुंडी, सिल्विया श्मेल्क्स, जॉन मुगो द्वारा ''नीति से कार्यान्वयन की ओर बढ़ते हुए पिरामिड के तल पर अधिगम'' विषय पर आईआईईपी–यूनेस्को रणनीतिक वार्तालाप वेबिनार में भागीदारी।

27 मई 2022, को नीपा में ''शिक्षक शिक्षा में शासन सुधारों को संस्थागत बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी।

31 मई, 2022 को आंकड़े जो बोलते हैं, स्कूल सुधार जो अनुसरण करते हैं, पर ज्यूरिख से एनओआरआरएजी–केआईएक्स वेबिनार–13 में भागीदारी।

15 जून, 2022, ज्यूरिख में ''बालिकाओं की शिक्षा अनगिनत मायने रखती है विषय पर एनओआरआरएजी–केआईएक्स वेबिनार–14 में भागीदारी।

7–9 जुलाई, 2022 तक वाराणसी में आयोजित माननीय प्रधान मंत्री के शिक्षा शिखर सम्मेलन – अखिल भारतीय शिक्षा समागम, विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 कार्यक्रम में भागीदारी।

15 जुलाई, 2022 को जूम के माध्यम से दक्षिण एशिया में दलित अध्ययन पर वैश्विक संवाद, प्रो. विलियम ए. डेरिटी जूनियर, निदेशक, सैमुअल डुबॉइस कुक सेंटर ऑन सोशल इक्विटी, ड्यूक यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा ''क्षतिपूर्ति एक वैश्विक अनिवार्यता'' विषय पर आयोजित छठे विशिष्ट व्याख्यान में भागीदारी।

4–5 अगस्त, 2022 को नीपा में ''उच्च शिक्षा संस्थानों की नीतियों और प्रथाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता'' विषय पर राष्ट्रीय (आभासी) कार्यशाला में भागीदारी।

12 अगस्त, 2022 को नीपा द्वारा ''उच्च शिक्षा और युवा एकजुटता'' विषय पर एक वेबिनार में भागीदारी।

20 अगस्त, 2022 को आईएमपीआरआई, नई दिल्ली में प्रोफेसर मुचकुंद दुबे के मुख्य भाषण ''भारत में स्कूली शिक्षा की स्थिति'' पर विशेष विचार–विमर्श, पर आयोजित वेबिनार में भागीदारी।

24 अगस्त, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

26 अक्टूबर, 2022 को गूगल मीट के माध्यम से ''अधिगम आकलन से शिक्षा सुधार को आगे बढ़ाने के लिए साक्ष्यों का उपयोग'' विषय पर ज्यूरिख से एनओआरआरएजी–केआईएक्स वेबिनार–15 में भागदारी।

15 नवंबर 2022 को अध्यक्षः मिशेल कैफेनबर्गर, राइज अनुसंधान उप–निदेशक, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, (यूकेएफईआईटी, आईआईईपी–यूनेस्को) द्वारा ''शिक्षा प्रणालियों में शिक्षण और शिक्षक'' विषय पर वेबिनार में भागीदारी।

- जेकोबस सिलियर्स, जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय, तंजानिया
- जोन डी जेघेरे, प्रोफेसर, मिनेसोटा विश्वविद्यालय, वियतनाम
- शिंतिआ रेविना, एसएमईआरयू, इंडोनेशिया
- सौफिया अनीस सिद्दीकी, लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय
- यू–यी ह्वा, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय

1 दिसंबर, 2022 को ज्यूरिख में एनओआरआरएजी–केआईएक्स वेबिनार–16 द्वारा ''शिक्षा प्रणाली प्रबंधन के लिए परिणाम आधारित वित्तपोषण'' विषय पर आयोजित एक वेबिनार में भागीदारी।

17 दिसंबर, 2022 को विकास अध्ययन केन्द्र, शिमला द्वारा आयोजित 9वें विशिष्ट व्याख्यान में नॉटिंघम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विक्रांत किशोर द्वारा ''दक्षिण एशिया में दलित अध्ययन पर वैश्विक संवाद'' विषय पर वेबिनार में भागीदारी।

19 दिसंबर, 2022 को विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा ''कक्षा में निराशा – झारखंड और उसके बाहर स्कूली शिक्षा संकट'' विषय पर वेबिनार में भागीदारी।

9–12 जनवरी, 2023 के दौरान नीपा में ''वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियों और प्रथाओं'' पर सहयोगात्मक कार्यशाला में भागीदारी।

20 जनवरी, 2023 को विकास अध्ययन केन्द्र, शिमला द्वारा आयोजित 9वें विशिष्ट व्याख्यान में नॉटिंघम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विक्रांत किशोर द्वारा ''दक्षिण एशिया में दलित अध्ययन पर वैश्विक संवाद'' विषय पर वेबिनार में भागीदारी।

26 जनवरी, 2023 को यूनेस्को–पेरिस द्वारा आयोजित ''लघु पाठ्यक्रम, सूक्ष्म–साख, और लचीले अधिगम पथः नीति विकास और कार्रवाई पुष्टिकरण के लिए मूल योजना'' विषय पर वेबिनार में भागीदारी।

8 फरवरी, 2023 को, जिनेवा, जूम द्वारा ''अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और विकास में प्रणालीगत सोचः सभी के लिए शिक्षा का द्वार खोल रही है?'' विषय पर एक वेबिनार में भागीदारी।

21 फरवरी, 2023 को आईआईईपी–यूनेस्को, पेरिस द्वारा आयोजित ''सीखे गए सबकः मध्य स्तर शिक्षण और अधिगम को कैसे बेहतर बना सकता है? (भाग 1)'' विषय पर यूनेस्को–आईआईईपी बैठक में भागीदारी।

23 फरवरी, 2023 को आईआईईपी–यूनेस्को, पेरिस द्वारा आयोजित ''नीति से कार्यान्वयन तक मध्य स्तर पर अनुदेशात्मक नेतृत्व की सफलता के लिए क्या करना पड़ता है? (भाग 2)'' विषय पर यूनेस्को–आईआईईपी बैठक में भागीदारी

17 मार्च को जूम माध्यम से डॉ. बिंदेश्वर पाठक द्वारा ''जाति व्यवस्था का क्षैतिज सिद्धांत – दलित को दूसरों के बराबर होना चाहिए'' विषय पर वेबिनार में भागीदारी।

28 मार्च, 2023 को आईआईईपी–यूनेस्को, पेरिस द्वारा आयोजित ''अधिगम मूल्यांकन आंकड़ों का अधिक प्रभावी उपयोग हम वहां कैसे पहुंचे?'' विषय पर यूनेस्को–आईआईईपी वेबिनार बैठक में भागीदारी।

नीपा की अकादमिक परिषद और अन्य निकायों के सदस्य

12–16 अक्टूबर, 2022 को नीपा में नॉक की विशेषज्ञ टीम के समक्ष विभागीय गतिविधियों की प्रस्तुति।

13 अक्टूबर, 2022 को नीपा में संस्थान के लिए प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास विभाग के योगदान पर नॉक विशेषज्ञ सदस्यों के साथ चर्चा।

सदस्य के रूप में, 1 नवंबर, 2022 को नीपा अध्ययन बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

सदस्य के रूप में, 10 नवंबर, 2022 को नीपा अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी।

सदस्य के रूप में, 16 नवंबर, 2022 को नीपा योजना और निगरानी बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

24 फरवरी, 2023 को नीपा में वर्ष 2023–24 के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों पर चर्चा के लिए कुलपति की अध्यक्षता में विभागीय सलाहकार बैठक आयोजित की गई और इसमें छह विशेषज्ञों ने भाग लिया।

सदस्य के रूप में, 13 मार्च, 2023 को नीपा में एम.ए. पाठ्यक्रम के नियमों और विनियमों पर चर्चा करने और पीएच.डी. पाठ्यक्रमों को संशोधित करने के लिए अध्ययन बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

सदस्य के रूप में, 15 मार्च 2023 को 11.00 बजे नीपा सेमीनार कक्ष 113 में आयोजित एम.ए. की शुरूआत और पीएच.डी. कार्यक्रमों और विभागीय कार्यक्रमों के नियमों पर चर्चा के लिए नीपा अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी।

सदस्य के रूप में, 20 मार्च 2023 को नीपा में आयोजित एम.ए. पाठ्यक्रम के नियमों और विनियमों पर चर्चा करने और पीएच.डी. पाठ्यक्रमों को संशोधित करने के लिए नीपा योजना और निगरानी बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

कार्यक्रम की रूपरेखा और मॉड्यूल विकास

शैक्षिक योजना और प्रशासन में दीर्घकालिक स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडेपा) के लिए कार्यक्रम निदेशक और संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षुओं के लिए (ऑनलाइन) पांच अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम।

30 मार्च–12 अप्रैल, 2022 तक नीपा द्वारा ऑनलाइन माध्यम से ''शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम'' शीर्षक से ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रूपरेखा और विकास किया।

''संस्थागत योजनाः अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षुओं के लिए हस्तपुस्तिका'' का डिजाइन किया और इसका उपयोग शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों को प्रशिक्षण देने के लिए किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपयोग हेतु ''कार्यपुस्तिका'' विकसित की।

पाठ्यक्रम प्रभारी के रूप में, 2023 में शुरू होने वाले नीपा मास्टर्स कार्यक्रम के लिए ''इंटर्नशिप गतिविधियों की तैयारी और अंतिम रूप देने पर रिपोर्ट लेखन'' पर पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार और विकसित की।

डॉक्टरेट छात्रों को मार्गदर्शन

सत्या गरदा के पीएच.डी. शोध शीर्षक ''ओडिशा के कोरापुट जिले के स्कूलों में आदिवासी बच्चों की समस्याएं'' विषय का पर्यवेक्षण।

पूनम चौधरी के पीएच.डी. शोध शीर्षक ''बदलते नीति संदर्भ में शिक्षकों की व्यावसायिक पहचान का समाजशास्त्रीय विश्लेषण'' विषय का पर्यवेक्षण।

''मालागासी समाज में प्रारंभिक बचपन की शिक्षाः राजनीतिक और रणनीतिक नवाचारों की ओर'' विषय पर इकोले डॉक्टरेल थेमैटिक लेट्रे, ह्यूमनाइट एट इंडिपेंडेंस कल्चरल, यूनिवर्सिटि डी तुलिया, मैडगास्कर में डॉक्टरेट

विद्वान रसोआंड्रियाका मैरी जीन के सह–मार्गदर्शक के रूप में पर्यवेक्षण।

डॉक्टरेट थीसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक

31 अगस्त, 2022 को गूगल मीट के माध्यम से पंजाब विश्वविद्यालय के डॉक्टरेट विद्वान सुल्तान सिंह की मौखिक परीक्षा आयोजन और शोध विषय ''अंग्रेजी के प्रति उनके दृष्टिकोण के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच अंग्रेजी पढ़ने की समझ और अभिव्यंजक लेखन में कठिनाइयों का आकलन'' शीर्षक का मूल्यांकन किया।

प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन

पीजीडेपा प्रशिक्षु लेफ्टिनेंट कमांडर स्पर्श सिंघल द्वारा अकादमिक प्रमुखों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को समझनाः नौसेना बाल स्कूलों का अध्ययन।

व्यावसायिक निकायों में सदस्यता

(आईआईईपी–यूनेस्को), पेरिस, फ्रांस में 9 महीने की वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान के पूर्व छात्र।

इंडो–फ्रेंच टेक्निकल एसोसिएशन (आईएफटीए), दिल्ली के आजीवन सदस्य।

इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी (आईएसएस), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (आईएईआर), भुवनेश्वर के आजीवन सदस्य।

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ (सीईएसआई), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

एंथ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, (एएआई), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

भारतीय सामाजिक विज्ञान संघ (आईएसएसए), आगरा के आजीवन सदस्य।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटर्स (आईएटीई), इलाहाबाद में आजीवन सदस्य।

इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

मोना सेदवाल

प्रकाशन

एशियन नेटवर्क ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशन प्लानिंग (एंट्रीप) न्यूज लेटर में 'भारत में स्कूली शिक्षा में पहुंच, समानता और गुणवत्ताः कोविड–19 महामारी के दौरान अधिगम' वॉल्यूम. 27, नं. 1, जनवरी–जून 2021, नीपा, नई दिल्ली, दिसम्बर 2022 में मुद्रित।

शिक्षा में आईसीटी एकीकरणः मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ, खान ए. व अन्य (संपादक) में स्कूल शिक्षकों के लिए क्षमता विकसित करने में आईसीटीः दीक्षा कार्यक्रम की समीक्षा, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली, भारत, 2023. पीपी. 28–33। आईएसबीएनः 978–93–91978–21–1 प्रिंट।

समसामयिक पत्र शीर्षक *'भारत में स्कूल परिसरः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में मौजूदा प्रथाएं और भविष्य की संभावनाएं'* (रश्मि दीवान, सुभिथा जी.वी., मोना सेदवाल और कश्यपी अवस्थी) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), द्वारा प्रकाशित 2022।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

प्रस्तुतकर्ता के रूप में

6–7 मई, 2022 को जूम वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से चिन्मय विश्व विद्यापीठ, मानद विश्वविद्यालय केरल द्वारा आयोजित में 'मिश्रिम अधिगमः कल के समाधान की तैयारी' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय संदर्भ में स्कूली बच्चों के लिए कोविड–19 महामारी के दौरान 'मिश्रित' शिक्षण दृष्टिकोण और डिजिटल विभाजन शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

6–8 मई, 2022 तक शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग (शिक्षा में उन्नत अध्ययन संस्थान), जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा ऑनलाइन/मिश्रित माध्यम में आयोजित 'स्कूली शिक्षकों के क्षमता विकास में आईसीटी की भूमिकाः दीक्षा कार्यक्रम की समीक्षा, जामिया में शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जेआईसीई–2022) में गुणवत्ता परिप्रेक्ष्य के संदर्भ में कोविड पश्चात परिणाम आधारित पाठ्यचर्या और शैक्षणिक मांगें' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

20–24 नवंबर, 2022 सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में मिश्रित (ऑनलाइन/व्यक्तिगत) माध्यम में आयोजित

वैश्वीकरण और एक नई विश्व व्यवस्था के उद्भवः सैद्धांतिक सूत्रीकरण और अनुभवजन्य वास्तविकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 20 नवंबर, 2022 को 'कोविड–19 महामारी और स्कूलों में अधिगम की कमीः वैश्विक संदर्भ में शैक्षणिक प्रथाओं में आईसीटी के एकीकरण के माध्यम से रास्ते तलाशना' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

9–11 दिसंबर, 2022 तक मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मनु), हैदराबाद द्वारा आयोजित शैक्षिक परिवर्तनः संकट और लचीलापन विषय पर भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ (सीईएसआई) के बारहवें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षक प्रशिक्षण नीतियां और कार्यक्रमः चुनौतियों और मार्गों की खोज पर उत्तर पूर्वी राज्यों का एक तुलनात्मक विश्लेषण शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

अतिथि वक्ता, पैनलिस्ट, चर्चाकर्ता के रूप में

15 मार्च, 2022 को नीपा में आयोजित छात्रों के एक दिवसीय अध्ययन दौरे के दौरान आईआईटीई, गुजरात के विद्वानों का शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास विभाग का परिचय दिया।

24 जून, 2022 को सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (सीआईईटी), नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) द्वारा प्रदर्शित पीएमईविद्या चैनल 6, 9 और 12 के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर आयोजित लाइव स्ट्रीमिंग के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति। विचार–विमर्श का विषय – हितधारकों के साथ स्कूल सुधार के लिए साझेदारीः स्कूल प्रबंधन समिति की भूमिका जिसका नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप (एनसीएसएल) द्वारा समन्वय किय गया।

29 जुलाई, 2022 को मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), डीपीएस सोसाइटी द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूलों के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की क्षमता विकास के लिए आयोजित प्राथमिक विद्यालय में ईवीएस को एकीकृत करने पर ऑनलाइन सत्र के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। .

27 सितंबर, 2022 को व्यावसायिक उन्मुखीकरण परामर्शी सत्र की श्रृंखला के तहत प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित माता सुंदरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.ई.एल.एड के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए शिक्षक प्रशिक्षुओं के लिए आजीविका की संभावनाएं और एनईपी 2020 से दिशानिर्देश शीर्षक वार्ता के लिए संसाधन व्यक्ति।

19 अक्टूबर, 2022 को शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में स्कूली शिक्षा विस्तार व्याख्यान के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

26 नवंबर, 2022 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा दयानंद एंग्लो वैदिक (डीएवी) सेंटेनरी कॉलेज, फरीदाबाद में आयोजित एनईपी 2020 को लागू करने में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए चुनौतियों और अवसरों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया। यह पैनल चर्चा विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस); एकाधिक प्रवेश और निकास प्रणाली (एमईईएस) और सतत और व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) पर केंद्रित थी।

14 दिसंबर, 2022 को जूम एप्लिकेशन के माध्यम से स्कूल परिसर नेतृत्व का संकट और स्कूलों में मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोण का उपयोग – भारतीय संदर्भ में नेतृत्व के लिए मुद्दे और चुनौतियाँ शीर्षक पर आयोजित 89वें राजगिरी गोलमेज सम्मेलन में आभासी पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित।

1–2 फरवरी, 2023 तक स्नातकोत्तर (पीजी) महिला महाविद्यालय, जयपुर द्वारा यूनिवर्सिटी फाइव ईयर लॉ कॉलेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से आयोजित परिणाम आधारित शिक्षा के माध्यम से कला और कानूनी अध्ययन के विषयों में गुणवत्ता सुधार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित। 1 फरवरी, 2023 को उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुकूल शिक्षण वातावरण के निर्माण पर तकनीकी सत्र में विचार–विमर्श किया।

3 फरवरी, 2023 को शिक्षक शिक्षा में उत्कृष्टता केन्द्र (सीईटीई), संस्थापक भागीदार टाटा ट्रस्ट, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), मुंबई और समावेशी शिक्षा पर दक्षिण एशिया रिसर्च हब (एसएआरएचआईई) द्वारा आयोजित संगोष्ठी में समावेशी प्रथाओं पर परिचर्चा और सीमांत स्कूलों में समावेशी शिक्षण और अधिगम का माहौल बनाना विषय पर आभासी पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया।

22–24 फरवरी, 2023 तक शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा भारतीय भाषा समिति, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित भारतीय भाषाओं में अनुसंधान और अकादमिक लेखन पर कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 22 फरवरी, 2023 को गुणात्मक अनुसंधान के सिद्धांत (गुणात्मक अनुसंधान के बुनियादी सिद्धांत) पर सत्र में विचार–विमर्श किया गया।

कार्यशालाएं / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में अगस्त–जुलाई, 2021–22 से आठवें शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) के कार्यक्रम समन्वयक।

16–29 अगस्त, 2022 तक नीपा, नई दिल्ली में गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीएमएचईआई) के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में अगस्त–जुलाई, 2022–23 में शैक्षिक योजना और प्रशासन में नौवें स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) के कार्यक्रम समन्वयक।

12 अगस्त, 2022 को गूगल मीट के माध्यम से तमिलनाडु के जिला स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों, जिला शैक्षिक अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए क्षेत्रों की पहचान पर एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसमें प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए शैक्षिक प्रशासकों की भविष्य की भूमिका और कार्यों के साथ–साथ वर्तमान की आलोचनात्मक जांच करने के लिए गहन अध्ययन परियोजना के भाग के रूप में पंद्रह शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया। (प्रोफेसर, बी.के. पंडा (प्रधान अन्वेषक), अध्ययन राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित है (लिंक: https://meet.google.com/iko-fvqf-woy)।

7–20 दिसंबर, 2022 तक नीपा, नई दिल्ली में गूगल मीट पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित शैक्षिक संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना और प्रबंधन पर पांचवें अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीएमएचईआई) के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित

सतत व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व पथ पर मॉड्यूल पैकेज के एक भाग के रूप में ''हितधारकों के साथ स्कूल सुधार के लिए साझेदारी'' स्कूल नेतृत्व के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज मॉड्यूल तैयार किया। एनसीएसएल–नीपा आईएसबीएन 978–81–953899–1–9. (2022)।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

11–24 जनवरी, 2023 तक मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा में चौथे दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 19 जनवरी 2023 को ''उच्च शिक्षाः वर्तमान रुझान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के साथ भविष्य की संभावनाएं'' शीर्षक से ऑनलाइन व्याख्यान दिया। जिसमें शिक्षा विषयों से जुड़े विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के तीस संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

21–25 फरवरी, 2023 तक योजना और निगरानी प्रभाग पीएमडी), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित परियोजना, नियोजन, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में डाइट संकाय के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 24 फरवरी, 2023 को प्रभावी स्कूली शिक्षा के लिए मानचित्रण संसाधन पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

7–12 मार्च, 2022 तक एससीईआरटी, हरियाणा द्वारा आयोजित शैक्षणिक नेतृत्व विषय के अन्तर्गत स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर आयोजित छह दिवसीय कार्यक्रम में 16 मार्च, 2022 को अधिगम की संस्कृति विकसित करने पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में राज्य के चालीस स्कूल प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।

राज्य शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), हरियाणा द्वारा समन्वित हरियाणा राज्य के लिए शिक्षक शिक्षा पर पत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में मनोनीत। डॉ. विकास कुमार, सहायक प्रोफेसर, डाइट मोहरा, अंबाला सदस्य सचिव थे। सुझाव अप्रैल–मई 2022 से पोर्टल पर अपलोड किए गए थे।

6–11 फरवरी, 2023 तक एससीईआरटी, हरियाणा द्वारा आयोजित शैक्षणिक नेतृत्व विषय के अन्तर्गत स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर आयोजित छह दिवसीय कार्यक्रम में 8 फरवरी, 2023 को शैक्षणिक नेतृत्व के लिए व्यावसायिक शिक्षण समुदाय (पीएलसी) बनाना पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में राज्य के चालीस स्कूल प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।

11–15 मार्च, 2023 तक योजना और निगरानी प्रभाग पीएमडी), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित परियोजना, नियोजन, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में डाईट संकाय के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में स्थित डाईट के संकाय के लिए राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एनआईई), नई दिल्ली 14 मार्च, 2023 को प्रभावी स्कूली शिक्षा के लिए मानचित्रण संसाधन पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

अन्य शैक्षणिक/व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया (केंद्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा शैक्षिक योजना और प्रशासन (ईपीए) कार्यक्रम में एमए तीसरे सेमेस्टर के पीजी छात्रों के लिए 5 जुलाई से 5 अगस्त, 2022 तक प्रो. बी.के. पंडा द्वारा संयुक्त रूप से एक माह का इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया।

अफ्रीका से शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता विकास अपेक्षाएँ शीर्षक से परियोजना रिपोर्ट प्रो. बी.के. पंडा के साथ सह–लेखन। जुलाई 2022, नीपा।

प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ (सेसी)।

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईईआर), भुवनेश्वर, भारत

आजीवन सदस्य, इंडियन सोशिलॉजिकल सोसायटी (आईएसएस)।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

सुनीता चुग

प्रकाशन

भारत में शिक्षा की राजनीतिः तल से परिप्रेक्ष्य, रूपावथ, आर. (संपादित) 2023 में अध्याय ''विकेंद्रीकरण के ढांचे में सामुदायिक भागीदारी, स्थानीय स्वशासन की ओर कदम'' चुग, एस और मलिक, सी.एस. 2023 रूटलेज, आईएसबीएन 9781032466422

मॉड्यूल

मॉड्यूल 6ः स्कूल नेतृत्व के व्यावसायिक विकास के लिए सहानुभूतिः महत्वपूर्ण कौशल (सह–लेखक)

मॉड्यूल 10ः स्कूली शिक्षा में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए व्यावसायिक शिक्षण समुदायों की स्थापना और रखरखाव

मॉड्यूल 11ः रोजगार हेतु शिक्षा का व्यावसायीकरण (सह–लेखक), आईएसबीएन 978–81–953899–1–9

नीति संक्षिप्त

पारदर्शिता के माध्यम से नेतृत्वः जवाबदेही के उपाय, 20 जुलाई, 2022, http://ncsl.niepa.ac.in/leadership.php

परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत

भारत में शहरी मलिन बस्तियों में शिक्षा में बच्चों की भागीदारी का महत्वपूर्ण मूल्यांकन। अंतिम संश्लेषण रिपोर्ट फरवरी 2023 में प्रस्तुत की गई।

इस परियोजना में देश भर के दस शहरों (भोपाल, भुवनेश्वर, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, लुधियाना, रायपुर, हैदराबाद, लखनऊ और कानपुर) को शामिल किया गया। शोध अध्ययन का उद्देश्य शिक्षा तक पहुंच ने मलिन बस्तियों में रहने वाले ''हाशिये'' के बच्चों की शैक्षिक स्थिति को कैसे कम किया है। और उन कारकों का पता लगाया है जो दस शहरों की 46 मलिन बस्तियों में

शिक्षा में बच्चों की पहुंच और भागीदारी में परिवर्तनशीलता निर्धारित करते हैं।

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अकादमिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए नेतृत्व पर निष्ठा 6.0 मॉड्यूल पर पाठ्यक्रम

डॉ. चारु स्मिता मलिक के सहयोग से इसकी कल्पना, अवधारणा और लेखन किया गया।

मूल्यांकन अध्ययनः निष्ठाः अधिगम संवर्धन के लिए शिक्षकों की पीढ़ी तैयार करना

डॉ. चारु स्मिता मलिक के सहयोग से संकल्पित और लिखित।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

14–15 अगस्त, 2022 को वाशिंगटन डीसी, यूएसए में अंतःविषय परिप्रेक्ष्य से सामाजिक विज्ञान और मानविकी पर 29वां अंतर्राष्ट्रीय आरएआईएस सम्मेलन में भारतीय शहरी परिवेश की शिक्षा में बच्चों की भागीदारीः शैक्षिक प्रशासकों के लिए निहितार्थ पर लेख प्रस्तुत किया।

31 अक्टूबर–2 नवंबर, 2022 को ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में अनुदेशात्मक नेतृत्व के माध्यम से पूरे स्कूल में सुधार लाने पर सम्मेलन में उच्च गुणवत्ता समावेशी स्कूल नेतृत्व के लिए प्रयास विषय पर सत्र में पैनलिस्ट।

27–28 मार्च, 2023 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग और नीपा द्वारा आयोजित भारत में शहरी सीमांतता, सामाजिक नीति और शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में शहरी सीमांतता और शिक्षाः नीति और योजना के लिए निहितार्थ विषय पर प्रस्तुति दी। .

15–16 फरवरी 2023 को नीपा में ''महामारी और उससे आगे के दौरान स्कूल प्रमुखों के नेतृत्व अभ्यास'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 16 फरवरी, 2023 को सत्र की अध्यक्षता की।

सम्मेलन/कार्यशालाएं/परामर्शदात्री बैठकें आयोजित

17 नवंबर, 2022 को एससीईआरटी, गुरुग्राम, हरियाणा में निष्ठा कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर सीआरसी और बीआरसी के साथ परामर्श बैठक।

28–30 नवंबर, 2022 को एमआईईपीए, औरंगाबाद, महाराष्ट्र में निष्ठा कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर सीआरसी और बीआरसी के साथ परामर्श बैठक।

2–3 दिसंबर, 2022 को देहरादून, एससीईआरटी और उधम नगर एससीईआरटी में निष्ठा कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर सीआरसी और बीआरसी के साथ परामर्श बैठक।

8 दिसंबर, 2022 को नीपा में निष्ठा कार्यक्रम के मूल्यांकन पर निष्ठा के राज्य समन्वयकों के लिए कार्यशाला।

27 फरवरी–1 मार्च, 2023 को स्कूलों में समानता, विविधता और समावेशन के लिए नेतृत्व पर ऑनलाइन कार्यशाला।

अन्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ

नीपा के बाहर

25 जुलाई, 2022 को रांची में झारखंड शैक्षिक अनुसंधान और शिक्षण परिषद की कार्यकारी समिति की बैठक में भागीदारी।

2 सितंबर, 2022 को एचपी स्कूल एजुकेशन सोसाइटी (समग्र शिक्षा) की 55वीं कार्यकारी समिति की बैठक में भागीदारी।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में स्टार्स परियोजना का समर्थन करने के लिए पीएमयू की स्थापना हेतु सलाहकारों की नियुक्ति के लिए आरएफपी तकनीकी प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए निविदा मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में बैठकों में भागीदारी।

19–20 सितंबर, 2022 को केवीएस मुख्यालय, नई दिल्ली में जेडआईईटी के लिए केवीएस सलाहकार समिति में स्कूल नेतृत्व पर भागीदारी और परिदृश्य प्रस्तुत किया।

शिक्षक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा पर कार्यसूची पत्र के सदस्य के रूप में जानकारी प्रदान की।

अकादमिक

सह–संयोजक के रूप में शिक्षा में समानता और समावेशन पर एम.ए. वैकल्पिक पाठ्यक्रम की संकल्पना की; और जानकारी प्रदान किए तथा अन्य पाठ्यक्रमों– लैंगिक और शिक्षा, अनुदान प्रस्ताव तैयार करना, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के विचार–विमर्श में भागीदारी।

11–12 अप्रैल, 2022 को पीएच.डी. अर्धवार्षिक समीक्षा संगोष्ठी में भागीदारी।

19 दिसंबर, 2022 को स्कूल और उच्च शिक्षा पर सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनार में विशेषज्ञ के रूप में भागीदारी।

दीपिंदर कौर के शोध विषय पंजाब में स्कूल शिक्षक भर्ती का अध्ययन शीर्षक के पर्यवेक्षक और 10 मई, 2022 मौखिक परीक्षा तथा उपाधि से सम्मानित किया।

एम.फिल. छात्रा अयाना पाठक के शोध विषय लड़कियों को स्कूली शिक्षाः स्त्रीत्व पर छिपे पाठ्यक्रम की खोज शीर्षक के पर्यवेक्षक; और 1 अगस्त, 2022 को मौखिक परीक्षा आयोजित की।

एनएएसी के लिए परीक्षा नीति तैयार करने में सहयोग किया।

सांस्कृतिक विरासत परियोजनाः शिक्षा को लागू करने के तौर–तरीकों पर चर्चा करने के लिए, 28 जुलाई, 2022, 1 सितंबर, 2022, 15 सितंबर, 2022 की बैठकों में भागीदारी और 23 सितंबर, 2020 को बाहरी विशेषज्ञों के समक्ष निष्ठा के प्रभाव की प्रगति प्रस्तुत की।

5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस समारोह में भागीदारी।

30 सितंबर, 2022 को नॉक द्वारा नीपा की तैयारियों का आकलन करने के लिए बाहरी विशेषज्ञों के साथ बैठक में भाग लिया।

20 अक्टूबर, 2022 को पूर्व छात्र संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

10 नवंबर, 2022 को नीपा की अकादमिक परिषद की 30वीं बैठक में भागीदारी।

21 जुलाई, 2022, 28 अक्टूबर, 2022, 21 दिसंबर, 2022, 7 फरवरी, 2023 को संकाय बैठकों में भागीदारी।

1 नवंबर, 2022 को नीपा के अध्ययन बोर्ड की 11वीं बैठक में भागीदारी।

18 जनवरी, 2023 को शिक्षा मंत्रालय में परियोजना सलाहकार बोर्ड की बैठक में भागीदारी और निष्ठा की प्रस्तावित कार्ययोजना प्रस्तुत की।

15 फरवरी, 2023 को एनसीएसएल–नीपा में स्कूल नेतृत्व पर सीपीडी मॉड्यूल के शुभारम्भ में भागीदारी और मॉड्यूल के पैकेज का विवरण प्रस्तुत किया।

22 नवंबर, 2022 को नीपा हीरक जयंती समारोह में भागीदारी।

13 मार्च, 2023 को नीपा के अध्ययन बोर्ड की 12वीं बैठक में भागीदारी।

15 मार्च, 2023 को नीपा की अकादमिक परिषद की 31वीं बैठक में भागीदारी।

29 मार्च, 2023 को ऑनलाइन पीजीडीएसएलएम की सामग्री विकास के लिए समीक्षा समिति की बैठक में भागीदारी।

अन्य संस्थानों को परामर्श

अध्यक्ष, स्कूल प्रशासन और नेतृत्व पर स्थिति पत्र, राष्ट्रीय पाठ्चर्या रूपरेखा, 2022, हरियाणा सरकार।

पर्यवेक्षक पीएच.डी. छात्र

मृण्मयी मंडल के पीएच.डी. शोध 'स्कूल शिक्षकों और प्रशासकों के बीच लैंगिक न्याय की अवधारणा और अभ्यासः दिल्ली में सरकारी स्कूलों का अध्ययन शीर्षक का पर्यवेक्षण।

शादाब अनीस के पीएच.डी. शोध 'हाशिये पर पड़े शहरी लोगों का सामाजिक बहिष्कारः मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों की शिक्षा पर स्थानिक असमानताओं का प्रभाव' शीर्षक का पर्यवेक्षण

दीपिंदर कौर और अयना पाठक एम.फिल. छात्रों को डिग्रियाँ प्रदान की।

आधिकारिक एवं अन्य समितियों की सदस्यता

सदस्य, एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों के लिए परीक्षा समिति नीपा

सदस्य, हिन्दी पत्रिका परिपेक्ष्य की संपादकीय समिति

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ के आजीवन सदस्य

अखिल भारतीय शिक्षक प्रशिक्षक संघ (एआईएटीई) की आजीवन सदस्य

सदस्य, शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, पर मूल्यांकन समिति, नीपा

सदस्य, वरिष्ठ सलाहकार के लिए जांच समिति, नीपा

सदस्य, परियोजना सलाहकार (शैक्षणिक) और परियोजना सलाहकार (आईटी) के लिए चयन समिति, नीपा

सदस्य, एमएससीपी समिति, नीपा

(अंशकालिक) सीवीओ, नीपा

कश्यपी अवस्थी

प्रकाशन

पुस्तकें/अनुसंधान आलेख/रिपोर्ट/दिशानिर्देश

स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करनाः अधिगम सहायता के लिए स्कूल नेतृत्व का पोषण शीर्षक से पुस्तक में सह–लेखिका प्रीति विवेक मिश्रा के साथ, नीपा प्रकाशन आईएसबीएनः978–81–953899–0–2 नवंबर 2022

सतत व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व पथः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज, शीर्षक से पुस्तक में एनसीएसएल टीम के साथ सह–लेखक आईएसबीएन–978–81–953899–1–9 फरवरी 2023

शोध आलेख, भारत में स्कूल परिसरः एनईपी, 2020 के आलोक में मौजूदा प्रथाएं और भविष्य की संभावनाएं, रश्मि दीवान, मोना सेदवाल और सुभिथा जीवी मेनन के साथ सह–लेखक, नीपा समसामयिक पत्र 59 http://www.niepa.ac.in/download/Occasional%20paper%2059%20_web.pdf

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वेबिनार/सम्मेलन/ कार्यशालाओं में भागीदारी

11 फरवरी, 2023 को शिक्षा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अकादमी द्वारा शैक्षिक अनुप्रयोगों और एआई आधारित उपकरण चैटबॉट और चैटजीपीटी के शैक्षिक अनुप्रयोग के निहितार्थ पर आयोजित ऑनलाइन सेमिनार में चैटबॉट और चैटजीपीटी, शिक्षा के लिए निहितार्थ पर पत्र प्रस्तुत किया।

10–11 अक्टूबर, 2022 को (मिश्रित माध्यम से) एनसीईआरटी द्वारा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण और स्कूल प्रशासकों की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षकों, स्कूल स्टाफ और अभिभावकों के मानसिक स्वास्थ्य की प्रगति में भागीदार शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

14–16 दिसंबर, 2022को (मिश्रित माध्यम से) एनसीईआरटी द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एनईआरआईई) शिलांग, मेघालय में, स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को सशक्त बनाना पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

1–2 फरवरी, 2023 को एससीईआरटी, उत्तराखंड द्वारा जेएसआर, कॉन्टिनेंटल, देहरादून, उत्तराखंड में एनईपी, 2020 के कार्यान्वयन पर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यावसायिक विकास और स्कूल नेतृत्व शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

13–14 मई, 2022 को तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय, लोयला कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड यूनिवर्सिटी, टेक्नोलॉजी मारा, मलेशिया द्वारा आयोजित नए प्रत्याशित कक्षा वातावरण में रचनात्मकता बढ़ानाः चुनौतियाँ और संभावनाएँ पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में कक्षाओं में रचनात्मकता बढ़ाने के लिए नेतृत्व शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

निम्नलिखित वेबिनार के लिए प्रस्तुतकर्ता और संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रितः

4 मई, 2022 को भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर द्वारा सैनिक स्कूल सोसाइटी के लिए आयोजित एक प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम – ''गुरुदीक्षा'' में कक्षा निर्देशों में सुधार तथा शिक्षक नेतृत्व की भूमिका पर सत्र।

25 मई, 2022 को भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर द्वारा सैनिक स्कूल सोसायटी के लिए आयोजित प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम – ''गुरुदीक्षा'' में कक्षा निर्देशों में सुधार में शिक्षक नेतृत्व की भूमिका पर सत्र।

27 मई, 2022 को इंटर–यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, आरआईई, मैसूर द्वारा दक्षिणी रेलवे स्कूल के स्कूल प्रध्यापकों के लिए आयोजित 21 दिवसीय शिक्षक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में स्कूल नेतृत्वः अर्थ और निहितार्थ पर सत्र।

27 जून–1 जुलाई, 2022 को उत्तरी क्षेत्र के स्कूलों में ऑनलाइन और डिजिटल संसाधनों के उपयोग से शिक्षकों और छात्रों के बीच विकसित दक्षताओं के अध्ययन के लिए आरआईई, अजमेर में एक शोध परियोजना के लिए उपकरणों के विकास पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

29 जुलाई, 2022 को टीआईएसएस, मुंबई में एमए प्रोग्राम स्कूल नेतृत्व के लिए कार्यक्रम संरचना पर चर्चा के लिए परामर्शी बैठक में आमंत्रित किया।

5–8 अगस्त, 2022 को गोवा प्रधानाध्यापक संघ और समग्र शिक्षा, गोवा द्वारा सेंट जोसेफ रिन्यूअल सेंटर, ओल्ड गोवा में आयोजित गोवा प्रधानाध्यापक सम्मेलन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

14 अक्टूबर, 2022 को एससीईआरटी के निदेशकों, राज्य शिक्षा अधिकारियों (डीईओ), सीबीएसई, केवीएस और एनवीएस के अध्यक्षों/आयुक्तों के साथ–साथ राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर के संबंधित कर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण और समस्याओं की शीघ्र पहचान और हस्तक्षेप पर मॉड्यूलर हस्तपुस्तिका के बारे में मनोदर्पण सेल द्वारा एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजित।

11–13 अक्टूबर, 2022 को स्कूलों में व्यापक मानसिक स्वास्थ्य पहल पर राष्ट्रीय सम्मेलन में स्कूल के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और कल्याणार्थ स्कूल प्रमुखों और प्रशासकों की भूमिका पर एक सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित।

परिचर्चा – परीक्षाओं में प्रदर्शन और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर एनसीईआरटी लाइव 13 जनवरी, 2023 https://www.youtube.com/watch?v=xfBHjU25da4

19 मार्च, 2023 को जिला परियोजना कार्यालय, कुल्लू में सामुदायिक/एसएमसी सदस्यों के दो दिवसीय सम्मेलन ''स्कूल सुधार में एसएमसी और समुदाय के सदस्यों की भागीदारीः स्कूल नेतृत्व की भूमिका'' विषय पर एक सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

22–26 फरवरी, 2023 को शिक्षा निदेशालय, केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप में स्कूल नेतृत्व विकास पर स्कूल प्रमुखों की क्षमता निर्माण पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23 मार्च, 2023, रांची, झारखंड में एनसीपीसीआर द्वारा स्कूलों को सुरक्षित और भयमुक्त बनानाः बहु–क्षेत्रीय और संपूर्ण स्कूल दृष्टिकोण पर विद्यालय प्रमुखों/प्रबंधन/एसएमसी की जवाबदेही रूपरेखा भूमिका पर आयोजित क्षेत्रीय समीक्षा एवं अभिविन्यास कार्यशाला।

28 मार्च, 2023 को गुवाहाटी, असम में एनसीपीसीआर द्वारा स्कूलों को सुरक्षित और भयमुक्त बनानाः बहु–क्षेत्रीय और संपूर्ण स्कूल दृष्टिकोण पर विद्यालय प्रमुखों/प्रबंधन/एसएमसी की जवाबदेही रूपरेखा भूमिका पर आयोजित क्षेत्रीय समीक्षा एवं अभिविन्यास कार्यशाला।

11 मार्च 2023 को एनसीईआरटी के योजना, प्रबंधन और निगरानी प्रभाग द्वारा संस्थागत विकास के लिए संस्थागत योजना पर सत्र का आयोजन किया।

12 मार्च 2023 को एनसीईआरटी के योजना, प्रबंधन और निगरानी प्रभाग द्वारा संस्थागत विकास के लिए संस्थागत योजना पर सत्र का आयोजन किया।

22–24 फरवरी, 2023 को शिक्षा निदेशालय, केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप द्वारा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के एचएम की क्षमता निर्माण के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर अकादमिक समर्थन बढ़ाने पर सत्र का आयोजन किया।

वर्ष के दौरान कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

3–8 अक्टूबर, 2022 तक 11 राज्यों के 70 प्रतिभागियों की कुल भागीदारी के साथ नोडल स्कूलों के प्राचार्यों और/या क्लस्टर प्रमुखों के साथ ''स्कूल परिसर सहयोग और अधिगम के लिए सतत ढांचे का विकास'' पर राष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्शदात्री कार्यशाला का आयोजत किया।

13–17 मार्च, 2023 तक 17 राज्यों के कुल 102 प्रतिभागियों के साथ ''डाइट और एससीईआरटी के सुदृढ़ीकरण'' पर राष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यशाला आयोजित की।

30–31 मार्च, 2023 को ''डाइट और एससीईआरटी के सुदृढ़ीकरण'' पर राष्ट्रीय आमने–सामने परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 21 प्रतिभागियों ने डाइट से लेकर विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी और सिविल सोसायटी संगठनों के विभिन्न हितधारकों का प्रतिनिधित्व किया।

5–6 दिसंबर, 2022 को शैक्षिक नीति विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''एनईपी–2020 कार्यान्वयनः स्थिति, मुद्दे और मार्ग'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय आमने–सामने पुनरीक्षण

कार्यशाला में 19 राज्यों के कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

26 अगस्त, 2022 को निशा शर्मा के साथ ''अग्रणी छोटे स्कूलः राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बगहार, शिमला का केस अध्ययन'' विषय पर एनसीईआरटी प्रसारण का आयोजन किया।

15 फरवरी, 2023 को ''स्कूल लीडरशिप पर मॉड्यूल का सार–संग्रह'' के विमोचन के लिए शुभारंभ समारोह का आयोजन किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और शैक्षणिक सहायता

आईटीईपी पाठ्यक्रम के लिए शिक्षा घटक पर पाठ्यक्रम सामग्री के पर्यवेक्षण, बेहतर समन्वय और निर्बाध एकीकरण के लिए एनसीटीई द्वारा गठित मुख्य समिति के सदस्य।

मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और छात्रों की चिंताओं की निगरानी और कोविड पश्चात मानसिक स्वास्थ्य और विकास के मनोसामाजिक पहलुओं का समर्थन, मनोदर्पण (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल) कार्य समूह के सदस्य।

नीपा और एससीईआरटी, सिक्किम द्वारा संयुक्त रूप से सिक्किम राज्य में नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन और विशेषकर विद्यालय परिसरों के विकास के लिए कार्य समूह के मनोनीत सदस्य।

दीक्षा (डिजिटल ज्ञान की उन्नति साझा करने के लिए पहल) और विद्यालय नेतृत्व के लिए वर्गीकरण के विकास पर कार्य हेतु संचालन समिति के सदस्य।

दीक्षा (ज्ञान साझाकरण और उन्नति के लिए डिजिटल पहल) और स्कूल नेतृत्व वर्ग के लिए वर्गीकरण के विकास कार्य हेतु संचालन समिति के सदस्य।

दीक्षा के लिए 'ई–सामग्री विकास हेतु दिशानिर्देशों' के विकास के लिए संचालन समिति के सदस्य और एनसीईआरटी पोर्टल पर प्रकाशित दिशानिर्देशों के विकास के लिए सीआईईटी, एनसीईआरटी के सहयोग से कार्य किया।

आईयूसीटीई के सलाहकार समूह के सदस्य, शिक्षा विभाग, एम.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात।

शिक्षक शिक्षा निदेशालय, एससीईआरटी, ओडिशा द्वारा गठित शिक्षक शिक्षा पर विशेषज्ञ दल के सदस्य।

अनुसंधान मार्गदर्शन

पीएच.डी. पाठ्यक्रम

स्कूली शिक्षा और कोविड–19 महामारी का अध्ययनः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में नए प्रत्याशित के साथ आगे बढ़ना

पल्लवी कुमारी (पीएचडी, बैच 2020): ''स्कूलों को शिक्षण संगठन में बदलनाः स्कूल नेतृत्व की भूमिका'' पर मार्गदर्शन

दीपक कर्माकर (एकीकृत एम.फिल.–पीएच.डी, बैच 2020): ''स्कूल नेतृत्व सूची का विकास और मानकीकरण'' पर मार्गदर्शन

दीपानिता मुखर्जी (एकीकृत एम.फिल.–पीएच.डी, बैच 2021) को मार्गदर्शन

एम.फिल

नेटवर्किंग और सहयोगः राजस्थान में स्कूल परिसरों के कामकाज का अध्ययन

अस्मिता सैनी (एकीकृत एम.फिल.–पीएचडी, बैच 2022) को मार्गदर्शन

सुभिथा जी.वी.

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेख

दीवान, आर., सुभिथा जी.वी., सेदवाल, एम., अवस्थी, के. (2022), भारत में स्कूल परिसरः राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में मौजूदा प्रथाएं और भविष्य की संभावनाएं, *नीपा समसामयिक पत्र सं. 59*। http://www.niepa.ac.in/download/Occasional%20paper%2059%20_web.pdf से लिया गया।

सुभिथा जी.वी. (2022), भारतीय स्कूलों में अधिगम के लिए नेतृत्व की आवश्यकता, महत्व और विस्तार, *जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट,* 13(24), 30–44, आईएसएसएनः 2248–9703।

अश्विन, सी.आर., सुभिथा जी.वी., कामथ, एम.पी., कुमार, डी.आर.पी., प्रकाश, एस., हेगडी, पी.एस., वासु, ए., सेक्वेरा,

ए., तिम्मापुर, एस. (2022), राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण विभाग, बेंगलुरु, कर्नाटक, ''एनईपी 2020 के आधार पर कर्नाटक पाठ्यचर्या की रूपरेखा विकसित करने के लिए स्कूल प्रशासन और नेतृत्व'' पर स्थिति पत्र। https://dsert.kar.nic.in/nep/20_School_Governance_and_Leadership1.pdf से लिया गया

सुभिथा जी.वी. (2022)। ''अधिगम के लिए अग्रणीः भारतीय संदर्भ में स्कूलों का परिवर्तन'', लीडरशिप ब्रीफ नंबर–2, एनसीएसएल–नीपा, http://ncsl.niepa.ac.in/materials/Leadership%20Brief%202.pdf से लिया गया

सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

7–11 फरवरी, 2023 को स्कूल नेतृत्व अकादमी, हरियाणा द्वारा ''अधिगम के लिए नेतृत्वः स्कूल प्रमुखों की चुनौतियाँ, भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ'' विषय पर आयोजित छह दिवसीय ऑनलाइन शैक्षणिक नेतृत्व कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी और जानकारी प्रदान की।

13 दिसंबर, 2022 को स्कूल नेतृत्व अकादमी–एससीईआरटी, तेलंगाना द्वारा ''अधिगम के लिए नेतृत्वः क्षेत्र से मामले'' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी और जानकारियां प्रदान की।

7–8 फरवरी, 2023 को एससीईआरटी, असम द्वारा 'स्कूल नेतृत्व अकादमी असम के नव चयनित 16 राज्य संसाधन समूह के लिए स्कूल नेतृत्व विकास'' पर आयोजित दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी।

कार्यशालाओं/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

27–30 सितंबर, 2022 को ''राजकीय स्कूलों में छात्रों के शिक्षण और अधिगम परिणामों में सुधार के लिए स्कूल नेतृत्व पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की रूपरेखा और कार्यान्वयन'' पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य राज्कीय स्कूलों में छात्रों के अधिगम में सुधार करना और संसाधनों का भंडार विकसित करना अधिगम सुधार हेतु नेतृत्व रणनीतियों पर केस अध्ययन, वीडियो और उपाख्यान शामिल थे।

पाठ्यक्रम का संचालन

''पीजीडेपा के तहत स्कूल नेतृत्व पर पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में बदलाव'' पर पाठ्यक्रम का संचालन।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित

सुभिथा जी.वी. (2022), आलोचनात्मक सोच के लिए शिक्षा. दीवान, आर., और मलिक, सी.एस. (संपादक.), सतत व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व पथः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का पैकेज, आईएसबीएन – 978–81–953899–1–9।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एनसीएसएल के ऑनलाइन स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए ''शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को बदलना'' पाठ्यक्रम के लिए समन्वित सामग्री विकास।

''स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (उच्चतर माध्यमिक स्तर) पाठ्यक्रम'' पर ऑनलाइन कार्यक्रम का समन्वय किया।

6 मार्च, 2023 को समन्वित एनसीएसएल की राष्ट्रीय सलाहकार बैठक आयोजन किया।

29 मार्च, 2023 को स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए समीक्षा समिति की बैठक का समन्वय किया।

सीआईईटी–एनसीईआरटी के सहयोग से आयोजित ''स्कूल नेतृत्व'' पर सीधा प्रसाारण सत्र में भागीदारी।

17 जून, 2022 को आंध्र प्रदेश की स्कूल प्रमुख के. सुधा रानी के साथ, 'महामारी के दौरान शिक्षण और अधिगम में अग्रणीः आंध्र प्रदेश के प्राथमिक विद्यालय का मामला' विषय पर प्रसारण, https://www.youtube.com/watch?v=oS0qCdYNOMo&t=505s पर उपलब्ध।

15 जुलाई, 2022 को गुजरात के स्कूल प्रमुख, लिनस एस. परमार के साथ, 'अग्रणी स्कूल–सामुदायिक भागीदारीः गुजरात के प्राथमिक विद्यालय का मामला' विषय पर प्रसारण, https://www.youtube.com/watch?v=NV4Brs5g1L0 पर उपलब्ध।

12 अगस्त, 2022 को 'उत्तरदायी स्कूल नेतृत्व प्रसंगः असम के चार क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें' विषय पर प्रसारण, https://www.youtube.com/watch?v=fS1Cydqzu8s पर उपलब्ध है।

7 अक्टूबर 2022 को सिक्किम के स्कूल प्रमुख रुमित लेप्चा के साथ, अधिगम के लिए नेतृत्वः सिक्किम में प्राथमिक विद्यालय का मामला' विषय पर प्रसारण, https://www.youtube.com/watch?v=OM2-i8gwKnI पर उपलब्ध।

28 अक्टूबर, 2022 को एनसीएसएल के सहायक प्रोफेसर डॉ. चारू स्मिता मलिक के साथ, अग्रणी स्कूल परिवर्तनः क्षेत्र से मामले विषय पर। https://www.youtube.com/watch?v=sub2EoZXaeU पर उपलब्ध।

2 दिसंबर, 2022 को दीपा आर्य, स्कूल प्रमुख, उत्तराखंड के साथ, स्कूलों में बदलाव के लिए नेतृत्वः उत्तराखंड के प्राथमिक स्कूल का मामला' विषय पर प्रसारण, https://www.youtube.com/watch?v=9ovtSOL6XcI पर उपलब्ध।

27 जनवरी, 2023 को विश्वजीत बेहरा, स्कूल प्रमुख, ओडिशा के साथ, 'छात्र अधिगम में सुधार के लिए नेतृत्वः ओडिशा में राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय का मामला' विषय पर प्रसारण https://www.youtube.com/watch?v=MKOThUFdZZw पर उपलब्ध।

7 अप्रैल, 2022 को ''तेलुगु भाषा में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन'' पर ऑनलाइन कार्यक्रम शुरू करने हेतु स्कूल नेतृत्व अकादमी (एससीईआरटी) तेलंगाना के साथ समन्वय किया।

राज्यों में स्कूल नेतृत्व शैक्षणिक गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के लिए असम, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों के साथ समन्वय किया।

नीपा एम.ए. पाठ्यक्रम शिक्षा और विकास के लिए सुधार पर पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य की रूपरेखा विकसित करने में योगदान दिया।

चारु स्मिता मलिक

शोध पत्र/आलेख प्रकाशित

चुग, एस. और मलिक, सी.एस. 2023, ''विकेंद्रीकरण के ढांचे में सामुदायिक भागीदारीः स्थानीय स्व–शासन की ओर कदम'' रूपावथ, आर. (संपा.) 2023 में। भारत में शिक्षा की राजनीतिः नीचे से एक परिप्रेक्ष्य। रूटलेज। आईएसबीएन 9781032466422

दीवान, आर और मलिक, चारु एस. 2022, सतत व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व पथः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज। नीपा। आईएसबीएन 978–81–953899–1–9

सेमिनारों/कार्यशालाओं में भागीदारी

10–12 मई, 2022 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में शिक्षा मंत्रालय द्वारा केंद्र शासित प्रदेश दमन और दीव में पहचाने गए एलपीडी जिलों में छात्र अधिगम में सुधार के लिए दीव में निष्ठा–एफएलएन के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में अकादमिक सहायता प्रदान की।

21–23 जून, 2022 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में शिक्षा मंत्रालय द्वारा पहचाने गए एलपीडी जिलों में छात्र अधिगम में सुधार के लिए संबलपुर, ओडिशा में निष्ठा–एफएलएन के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में अकादमिक सहायता प्रदान की।

20–22 सितंबर, 2022 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सहयोग से समग्र शिक्षा मणिपुर द्वारा निपुण सलाहकार निपुण भारत पर कार्यशाला के लिए शैक्षणिक सहायता प्रदान की।

कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

20–21 जून, 2022 तक एससीईआरटी, रांची, झारखंड द्वारा स्कूल नेतृत्व विकास पर डाइट संकाय के लिए एलईडी क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

18–20 अक्टूबर, 2022 तक एससीईआरटी, श्रीनगर में स्कूल लीडरशिप अकादमी, जम्मू और कश्मीर के सहयोग से स्कूल लीडरशिप पर केआरपी/डीएनओ युक्त यूटी संसाधन समूह के लिए नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम।

23–26 अगस्त, 2022 तक स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर कार्यशाला (बैच I) का समन्वय और नेतृत्व किया।

30 अगस्त से 2 सितंबर, 2022 तक स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर कार्यशाला (बैच II) का समन्वय और नेतृत्व किया।

27 सितंबर, 2022 से स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर ऑनलाइन कार्यशाला की समीक्षा बैठक का नेतृत्व किया।

28 सितंबर, 2022 से स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर ऑनलाइन कार्यशाला की समीक्षा बैठक का नेतृत्व किया।

31 अक्टूबर–4 नवंबर, 2022 तक मध्य प्रदेश के अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयकों के नेतृत्व विकास के लिए अनुरोध कार्यक्रम का समन्वय और नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश के 50 एडीपीसी ने भाग लिया।

8 दिसंबर, 2022 को नीपा में निष्ठा कार्यक्रम के मूल्यांकन पर निष्ठा के राज्य समन्वयकों के लिए कार्यशाला का समन्वय किया।

12–15 दिसंबर, 2022 तक स्कूली शिक्षा में लैंगिक समावेशिता के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला का समन्वय और नेतृत्व किया।

19–22 दिसंबर, 2022 तक व्यावसायिक शिक्षा के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला का समन्वय और नेतृत्व किया।

11–13 जनवरी, 2023 तक प्रणाली स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व विकास पर सामग्री विकास कार्यशाला का समन्वय और नेतृत्व किया।

27 फरवरी से 1 मार्च, 2023 तक प्रोफेसर सुनीता चुघ के साथ स्कूलों में नेतृत्व समानता, विविधता और समावेशन पर (ऑनलाइन) कार्यशाला का समन्वय किया।

2–4 मार्च, 2023 तक व्यावसायिक शिक्षा के लिए नेतृत्व पर (ऑनलाइन) कार्यशाला का समन्वय और नेतृत्व किया।

पाठ्यक्रम संचालित

पीजीडेपा पाठ्यक्रम में स्कूल नेतृत्व पर दो शैक्षणिक सत्र।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई

प्रोफेसर सुनीता चुघ, नीपा के साथ शैक्षिक प्रशासकों के लिए अकादमिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए नेतृत्व पर निष्ठा 6.0 पर पाठ्यक्रम विकसित किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

चुघ, एस. और मलिक, सी.एस. 2023, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय की बौद्धिक विरासत परियोजना के लिए ष्मूल्यांकन अध्ययनः निष्ठाः अधिगम वृद्धि के लिए शिक्षकों की एक पीढ़ी तैयार करना''।

पीएमईविद्या चैनल 6, 9 और 12 पर स्कूल नेतृत्व विकास पर सीधा प्रसारण सत्र आयोजित किए।

वर्ष 2022–23 के दौरान स्कूल प्रमुखों के साथ सीधा प्रसारण सत्र आयोजित किए।

सीधा प्रसारण सत्र

वर्ष 2022–23 के दौरान स्कूल प्रमुखों के साथ सीधा प्रसारण सत्र आयोजित किए।

पूजा सिंघल

प्रकाशन

सह–लेखक मॉड्यूल नं. 11 शीर्षक (2022) ''शिक्षा का व्यवसायीकरणः रोजगार कौशल के लिए अग्रणी शिक्षण'' पैकेज में जिसका शीर्षक ''निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व पथः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का पैकेज'', एनसीएसएल–नीपा आईएसबीएन 978–81–953899–1–9.

सह–लेखक मॉड्यूल नं. 12 शीर्षक (2022) ''दलों का निर्माण और नेतृत्वः टीम के सदस्यों के बीच व्यावसायिक संवाद'' पैकेज में जिसका शीर्षक ''निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व पथः स्कूल प्रमुखों के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का पैकेज'', एनसीएसएल–नीपा आईएसबीएन 978–81–953899 –1–9.

कार्यशालाएं समन्वित

23–26 अगस्त, 2022 को स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर कार्यशाला का समन्वय।

19–22 दिसंबर, 2022 को व्यावसायिक शिक्षा के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला का समन्वय।

2–4 मार्च, 2023 व्यावसायिक शिक्षा के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला का समन्वय।

सीधा प्रसारित सत्र

वर्ष 2022–23 के दौरान स्कूल प्रमुखों के साथ सीधा प्रसारण सत्र आयोजित किए।

शदमा अबसार

प्रकाशन

विद्यालय प्रमुखों का वितरित नेतृत्व : केंद्रीय व राजकीय स्कूलों का तुलनात्मक अध्ययन, परिप्रेक्ष्य वर्ष 26, अंक 3, एवं वर्ष 27, अंक 1, दिसंबर 2019 एवं अप्रैल 2020।

कार्यशालाएं

30 अगस्त से 2 सितंबर, 2022 तक डॉ. चारू स्मिता मलिक, सहायक प्रोफेसर, एनसीएसएल, नीपा के साथ ''स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व (बैच II)'' पर ऑनलाइन कार्यशाला का समन्वय किया।

28 सितंबर, 2022 को डॉ. चारू स्मिता मलिक, सहायक प्रोफेसर, एनसीएसएल, नीपा के साथ ''स्कूलों में अग्रणी शिक्षण के लिए शैक्षणिक नेतृत्व'' पर ऑनलाइन कार्यशाला की समीक्षा बैठक का समन्वय किया।

12–15 दिसंबर, 2022 तक डॉ. चारू स्मिता मलिक, सहायक प्रोफेसर, एनसीएसएल, नीपा के साथ ''स्कूल शिक्षा में लैंगिक समावेशिता के लिए नेतृत्व'' पर आमने–सामने कार्यशाला का समन्वय किया।

सेमिनार और सम्मेलन

15–16 फरवरी, 2023 को मोनिका बजाज, कनिष्ठ सलाहकार, एनसीएसएल–नीपा के साथ ''महामारी और उससे आगे के दौरान स्कूलों में नेतृत्व पहल'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वय किया।

20 अक्टूबर, 2022 को नीपा में आयोजित नीपा पूर्व छात्र संगोष्ठी में एनसीएसएल, नीपा की सहायक प्रोफेसर डॉ. चारू स्मिता मलिक के साथ ''क्या विद्यालय नेतृत्व विद्यार्थियों के अधिगम को प्रभावित करता है?'' एक विश्लेषणात्मक समीक्षा विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सीधा प्रसारित सत्र

वर्ष 2022–23 के दौरान स्कूल प्रमुखों के साथ सीधा प्रसारण सत्र आयोजित किए।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

प्रदीप कुमार मिश्र

प्रकाशन

पुस्तकें

मिश्र, एस. और मिश्र, पी.के. (2022) विकासशील देशों में मुक्त एवं दूरस्थ अनौपचारिक शिक्षा, ओ. जवाकी–रिक्टर, आई. जंग (संपा.), मुक्त दूरस्थ डिजिटल शिक्षा की हस्तपुस्तिका में (पीपी.1–17) स्प्रिंगर.

समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रकाशित शोध पत्र, आलेख

मिश्र, पी.के. (2023), समावेशी और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छह डिजिटल पहल, विश्वविद्यालय समाचार, 61 (12), 116–122।

त्यागी, सी., और मिश्र, पी.के. (2022), प्राचीन भारत में शिक्षक व्यावसायिक विकास प्रथाएँ: उपनिषदों से साक्ष्य (सी.800 ईसा पूर्व – सी.500 ईसा पूर्व)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च – ग्रंथालय, 10(5), 139–153।

मिश्र, पी.के. (2022)। युवा उद्यमिता, रोजगार सृजन के उत्प्रेरक, असाधारण और पूर्णाधिकारी राजनयिक, 10 (3), 10–11।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

मिश्र, पी.के. (2022), 30–31 दिसंबर, 2022 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में शिक्षक शिक्षा पर आईएटीई 55वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षक शिक्षा में राष्ट्रीय और वैश्विक चिंताओं पर सत्र में अध्यक्ष।

मिश्र, पी.के. (2022), 19–20 सितंबर, 2022 तक महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में "एसटीईएम अनुशासन @ शिक्षा 4.0 के माध्यम से आत्मनिर्भर भारतः मुद्दे और चुनौतियाँ" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 20 सितंबर, 2022 'शिक्षा 4.0 के क्षेत्र में एसटीईएम/एसटीईएएम में प्रौद्योगिकी की भूमिका' पर समापन भाषण दिया

मिश्र, पी.के. (2022), 14–16सितंबर, 2022 को उच्च शिक्षा में समानता, समावेशन और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकियों के संबंध में भारत में नीति दस्तावेजों का विश्लेषण पर आयोजित सम्मेलन मुक्त अधिगम पर दसवां पैन–कॉमनवेल्थ फोरम (पीसीएफ10) में आभासी प्रस्तुति।

मिश्र, पी.के. (2022), 7–8 जून, 2022 को रुद्र इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेरठ, द्वारा उच्च शिक्षा में उभरते रुझान. पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में '7 जून, 2022 को शिक्षा में उभरते बहु–विषयक रुझानों और नवाचारों' पर मुख्य भाषण।

मिश्र, पी.के. (2022), 19 अप्रैल, 2022 को प्रिंसिपल्स एसोसिएशन ऑफ कॉलेजेज ऑफ एजुकेशन (पीएसीई) द्वारा एनईपी 2020 और शिक्षक शिक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षक शिक्षाः नीति परिप्रेक्ष्य पर मुख्य वक्ता।

मिश्र, पी.के. (2022), 11–13 अप्रैल, 2022 तक आई. पी. (पी.जी.) कॉलेज, कैम्पस–2, बुलन्दशहर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एनईपी–2020 और शिक्षक शिक्षा पर 13 अप्रैल, 2022 को संसाधन व्याख्यान दिया।

मिश्र, पी.के. (2022), 8–9 अप्रैल, 2022 को शिक्षा संकाय, सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में एनईपी 2020ः भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए नई दूरदर्शी दृष्टि, एनईपी 2020ः भारतीय शिक्षा प्रणाली का परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि।

20–24 मार्च, 2022 तक नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय में ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए दल सदस्य ।

30 दिसंबर–03 जनवरी, 2023 तक राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, ऑनलाइन/ मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए दल सदस्य और संसाधन व्यक्ति।

12–16 दिसंबर, 2022 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए दल सदस्य और संसाधन व्यक्ति।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

15 जुलाई, 2022 को सीओएल–सीईएमसीए और नीपा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मिश्रित शिक्षण पर गोलमेज/कार्यशाला के समन्वयक।

विकसित/संचालित प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम

मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) में शिक्षा और विकास पाठ्यक्रम के समन्वयक

शिक्षा और विकास की गतिशीलता (कोर्स लीड)

प्रौद्योगिकी और शिक्षा (पाठ्यक्रम टीम सदस्य)

डिजिटल उपकरणों और अनुप्रयोगों से अधिगम (कोर्स टीम सदस्य)

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

'सर्वोत्तम शिक्षण के लिए अधिगम माहौल और शिक्षार्थी समर्थन को सक्षम करना' (विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी–2020 के कार्यान्वयन' पर इग्नू के व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के लिए वीडियो व्याख्यान)।

शिक्षकों की भूमिका (विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी–2020 के कार्यान्वयन पर इग्नू के व्यावसायिक विकास कार्यक्रम की इकाई)।

ऑनलाइन शिक्षण और अधिगम हेतु अधिगम अनुभवों की योजना और रूपरेखा बनाना (इग्नू के लिए वीडियो व्याख्यान)।

विभिन्न संस्थानों द्वारा संकाय विकास कार्यक्रमों में संसाधन व्याख्यान दिए।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

''नीपा द्वारा तकनीक–सक्षम शिक्षण'' विषय पर जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठकों से संबंधित सलाहकार बैठक आयोजन समिति के सदस्य।

नीपा द्वारा विशिष्ट संस्थान योजना के सहकर्मी मूल्यांकन समिति के सदस्य।

नीपा द्वारा रूसा योजना के तहत क्लस्टर विश्वविद्यालयों के सहकर्मी मूल्यांकन समिति के सदस्य।

नीपा द्वारा आंध्र प्रदेश कॉलेज प्राचार्यों के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या समिति के संयोजक।

शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास विभाग की विभागीय सलाहकार समितियों और नीपा की आईसीटी इकाई के सदस्य।

नीपा वृत्तचित्र विकास समिति के समन्वयक।

सीपीआरएचई पेपर श्रृंखला के संपादक।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2023 के संपादक।

नॉक मुख्य समिति, नीपा के सदस्य।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय केन्द्र समूह के सदस्य।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए आगंतुक मनोनीत।

'व्यावसायिक शिक्षा अनुशासन' के प्रवेश परीक्षा के पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम कार्य के संशोधन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण स्कूल, इग्नू।

संस्थान सलाहकार बोर्ड, आरआईई, अजमेर के सदस्य।

अध्ययन बोर्ड, शिक्षा विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान के सदस्य।

शिक्षा विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के अध्ययन मंडल के सदस्य।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नोएडा की अकादमिक परिषद के सदस्य।

शिक्षा विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के स्कूल बोर्ड के सदस्य।

शिक्षा विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

स्कूल ऑफ एजुकेशन, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के बी.एससी. बी.एड. 4–वर्षीय एकीकृत और अभिनव विशेष (एचआई, आईडी, एलडी, VI) कार्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या प्रारूप समिति के सदस्य।

स्कूल बोर्ड, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय के सदस्य।

निधि एस. सभरवाल

प्रकाशन

एन.वी. वर्गीज और निधि एस. सभरवाल, मलिश सी.एम. (2022)। समावेशी विकास के लिए उच्च शिक्षा में समानताः भारत से साक्ष्य। सौमेन चट्टोपाध्याय, साइमन मार्जिन्सन और एन.वी. वर्गीज (संपा.) में भारतीय उच्च शिक्षा में बदलाव। लंदनः ब्लूम्सबरी प्रकाशन। पीपी 67–93.

हेंडरसन ई.एफ. और सभरवाल एन.एस. (2022), दक्षिण अफ्रीकी उच्च शिक्षा में एजेंसी और सामाजिक परिवर्तन की तुलनाः तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा की पत्रिका।

वर्गीज एन.वी. और सभरवाल, एन.एस. (2022), भारत में उच्च शिक्षा का भविष्यः व्यापकीकरण से सार्वभौमीकरण तक। सीपीआरएचई शोध पत्र 16. नई दिल्ली, सीपीआरएचई/नीपा।

सभरवाल, एन.एस., और मलिश, सी.एम. (2023), उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर मॉड्यूल, उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान केंद्र, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान।

सभरवाल, एन.एस., और मलीश, सी.एम. (2023), मॉड्यूल 1ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशनः अवधारणाएं और दृष्टिकोण। एन.एस. सभरवाल और सी. एम. मलिश (संपा.) में, उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर मॉड्यूल (पीपी. 5–21)। सीपीआरएचई, नीपा।

सभरवाल, एन.एस. (2023), मॉड्यूल 2ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण। एन.एस. सभरवाल और सी. एम. मलिश (संपा.) में, उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर मॉड्यूल (पीपी. 22–40)। सीपीआरएचई, नीपा।

सोनालकर, डब्ल्यू., सभरवाल, एन.एस., और जोसेफ, आर. एस. (2023), मॉड्यूल 3ः परिसरों में शैक्षणिक एकीकरण प्राप्त करने के दृष्टिकोण। एन.एस. सभरवाल और सी.एम.

मलिश (सं.) में, उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर मॉड्यूल (पीपी. 42–56)। सीपीआरएचई, नीपा।

द लांसेट (2022), नस्लवाद, विदेशी द्वेष, भेदभाव और स्वास्थ्य का निर्धारण। द लांसेट, वॉल्यूम. 400, संख्या 10368 (सह–लेखक)।

द लांसेट (2022)। सिर्फ पहचान का सवाल नहीं: नस्लवाद और स्वास्थ्य पर वैश्विक अंतरसंबंधी अंतर्दृष्टि। द लांसेट, वॉल्यूम. 400, संख्या 10368 (सह–लेखक)।

द लांसेट (2022)। नस्लवाद, जेनोफोबिया और भेदभाव से स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान से संबोधित हस्तक्षेप। द लांसेट, वॉल्यूम. 400, संख्या 10368 (सह–लेखक)।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

3 मई, 2022 को आयोजित उच्च शिक्षा का अधिकार परियोजना: पुनर्विचार योग्यता पर यूनेस्को आईईएसएएलसी विषयगत परामर्श में पैनलिस्ट।

29–31 अगस्त, 2022 तक नीति विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एनईपी–2020 के तहत एसईडीजी के लिए विशेष शिक्षा क्षेत्रों के संचालन: कार्यान्वयन, चुनौतियां और रास्ते' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में वंचित समूहों की शिक्षा–विशेष शिक्षा क्षेत्र के लिए निहितार्थ पर सत्र के लिए पैनलिस्ट।

7–8 सितंबर, 2022 को ल्यूमिना फाउंडेशन द्वारा ''तृतीयक शिक्षा में अभिनव समानता प्रथाओं'' पर आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय बैठक में पैनलिस्ट।

21–22 नवंबर, 2022 को ऑस्ट्रिया के वियना में सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी में लुमिना फाउंडेशन द्वारा ''तृतीयक शिक्षा में अभिनव समानता प्रथाओं'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बैठक में दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षा में निष्पक्ष नीतियों पर पत्र प्रस्तुत।

5–9 दिसंबर, 2022 तक ''एसआरएचई सम्मेलन 2022 में उच्च शिक्षा में पहुंच और भागीदारी, उच्च शिक्षा में गतिशीलता'' विषय पर पूर्ण सत्र में वक्ता।

9 दिसंबर, 2022 को द लैंसेट द्वारा नस्लवाद, भेदभाव और जेनोफोबिया पर आयोजित लैंसेट कार्यक्रम में पैनल वक्ता।

9–11 दिसंबर, 2022 तक मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू), हैदराबाद और भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ द्वारा आयोजित ''शैक्षिक परिवर्तन: संकट और लचीलापन'' पर 12वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सीईएसआई सम्मेलन में ''उच्च शिक्षा में भेदभाव और बहिष्कार और शिक्षकों की संवेदनशीलता पर नीतियां और मॉड्यूल'' पर प्रस्तुति।

23–25 फरवरी, 2023 तक महिला और लैंगिक अध्ययन विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (एसपीपीयू) और ब्रुनेल विश्वविद्यालय, लंदन द्वारा आयोजित और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्त पोषित 'पहुँच और समानता से परे: भारत में उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता को जटिल बनाना शीर्षक से अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''लिंग, अंतर्विभागीयता और उच्च शिक्षा: एनईपी 2020 के निहितार्थ'' विषय पर प्रस्तुति।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

16–17 फरवरी, 2023 को निदेशक, सीपीआरएचई/नीपा के सहयोग से ''उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन'' पर सहयोगी सीपीआरएचई/नीपा और ब्रिटिश काउंसिल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

3 मार्च, 2023 को नौवीं सीपीआरएचई/नीपा कार्यकारी समिति की बैठक का आयोजन किया।

20 अक्टूबर, 2022 को भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तार: संस्थागत दृष्टिकोण बनाना'' पर वारविक विश्वविद्यालय और सीपीआरएचई/नीपा अनुसंधान परियोजना पर पहली अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया।

9–10 नवंबर, 2022 को सीपीआरएचई/नीपा अनुसंधान परियोजना: 'भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्रों की सफलता' पर पहली अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम का विकास/संचालन

उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर 7 मॉड्यूल विकसित और संपादित। मॉड्यूल के विषय निम्नलिखित हैं:

मॉड्यूल 1: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशन: अवधारणाएं और दृष्टिकोण।

मॉड्यूल 2: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण।

मॉड्यूल 3: परिसरों में शैक्षणिक एकीकरण प्राप्त करने के दृष्टिकोण।

मॉड्यूल 4: उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप।

मॉड्यूल 5: उच्च शिक्षा परिसर में सामाजिक समावेश।

मॉड्यूल 6: छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र।

मॉड्यूल 7: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और नागरिक शिक्षा।

शिक्षा और विकास में नीपा मास्टर ऑफ आर्ट्स के लिए ''इक्विटी और समावेशन'' पाठ्यक्रम के लिए (प्रो. चुग के साथ) प्रमुख पाठ्यक्रम विकासकर्त्ता।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

वारविक अन्तर्राष्ट्रीय विकास अंतःविषय अनुसंधान केन्द्र (डब्ल्यूआईसीआईडी), वारविक विश्वविद्यालय, यूके के सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

अनुसंधार एवं विकास प्रकोष्ठ, नीपा के सदस्य।

आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति, नीपा के सदस्य के रूप में कार्य करते हुए और समिति को प्रस्तुत की गई कई शोध रिपोर्टों पर सहकर्मी प्रतिक्रिया प्रदान की है।

भारतीय अर्थशास्त्र पुर्नविचार नेटवर्क (आरईआईएन) के परामर्शदाता के रूप में कार्य।

जर्नल ऑफ फ्रंटियर्स इन एजुकेशन के उच्च शिक्षा पर समीक्षा संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप कार्य।

रूटलेज द्वारा प्रकाशित जर्नल, लिंग और शिक्षा के संपादकीय बोर्ड में सदस्य के रूप में कार्य।

'भारत में उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने के लिए अध्ययन' पर अनुसंधान सलाहकार समूह के सदस्य के रूप में कार्य। अनुसंधान परियोजना ब्रुनेल विश्वविद्यालय, लंदन और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा की जाती है, और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा समर्थित है।

गरिमा मलिक

प्रकाशन

मलिक, गरिमा और नारायणन अन्नलक्ष्मी (2022), "भारत में दूरस्थ शिक्षा और मुक्त शिक्षण मंच, मिशेला मार्टिन, और उलियानाफुरिव (सं.) में, एसडीजी–4: उच्च शिक्षा में लचीले अधिगम के रास्ते – नीति से अभ्यास तक: एक अंतरराष्ट्रीय तुलनात्मक विश्लेषण।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

18 मई, 2022 को यूनेस्को–आईआईईपी द्वारा बार्सिलोना, स्पेन में आयोजित विश्व उच्च शिक्षा सम्मेलन, में ''चुनौतियों को अवसरों में बदलना: भारतीय उच्च शिक्षा में लचीले अधिगम के रास्ते'' शीर्षक पर गोलमेज सम्मेलन में प्रस्तुति।

8 सितंबर और 10 नवंबर, 2022 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में यूजीसी–एचआरडीसी संकाय प्रेषण कार्यक्रम में ''उच्च शिक्षा का पारिस्थितिकी तंत्र'' पर व्याख्यान दिया।

20 अक्टूबर, 2022 को दूरस्थ शिक्षा कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, इग्नू में ''एनईपी 2020: मुक्त दूरस्थ अधिगम संस्थानों में अभिशासन और नेतृत्व'' पर तीन दिवसीय ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम के पैनलिस्ट।

15 दिसंबर, 2022 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में ''उच्च शिक्षा के पुनर्गठन अभिशासन'' पर आयोजित उच्च शिक्षा में नेतृत्व और शासन में यूजीसी–एचआरडीसी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

16–17 मार्च, 2023 को हैदराबाद में सीपीआरएचई/नीपा और राज्य उच्च शिक्षा परिषद, तेलंगाना द्वारा आयोजित राज्य उच्च शिक्षा परिषदों (एसएचईसी) की दो दिवसीय परामर्शदात्री बैठक आयोजित की गई। इसमें एसएचईसी के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों सहित 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विकसित/संचालित प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम

शिक्षा और विकास में नीपा मास्टर्स पाठ्यक्रम के लिए "सामाजिक विज्ञान के लिए अनुसंधान पद्धति" के पाठ्यक्रम विकास दल का नेतृत्व (डॉ. वी. सुचरिता के साथ)।

सदस्य, आंध्र प्रदेश कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के लिए कॉलेज प्राचार्यों के नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम की पाठ्यचर्या समिति, नीपा।

2 जनवरी और 17 जनवरी 2023 को नीपा में आंध्र प्रदेश कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के लिए कॉलेज प्राचार्यों के नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में "स्नातक कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम और श्रेय हस्तांतरण" पर सत्र आयोजित किए।

5 जनवरी, 2023 को आन्ध्र प्रदेश के कॉलेज प्राचार्यों के प्रथम बैच का लेडी श्री राम कॉलेज और मिरांडा हाउस, नई दिल्ली का समन्वित दौरा।

सीपीआरएचई वार्षिक रिपोर्ट 2021–22 को तैयार किया और समन्वित किया।

तिमाही आधार पर सीपीआरएचई के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई रिपोर्ट का समन्वय किया।

आंध्र प्रदेश कॉलेज प्राचार्यों के नेतृत्व कार्यक्रम में "स्नातक कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम और क्रेडिट फ्रेमवर्क" पर सत्र आयोजित किए।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

नवंबर 2022 में "तेलंगाना की उच्च शिक्षा में आकलन और मूल्यांकन प्रणाली" पर आयोजित छह महीने का अध्ययन में आईएसबी–हैदराबाद के साथ संयुक्त रूप से तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद और कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय को सहायता प्रदान की और तेलंगाना के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययन के लिए क्षेत्र का दौरा किया।

दूरस्थ शिक्षा विद्यालय, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा में सीसी–5बी मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति – एम.फिल. बैच को व्याख्यान दिया।

पीएच.डी.–एम.फिल. प्रवेश परीक्षा 2022 के लिए निरीक्षण और मूल्यांकन।

नीपा, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), के लिए समीक्षा लेख।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र।

सदस्य, इंडिया हैबिटेट सेंटर।

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय केंद्र – गोवा।

अनुपम पचौरी

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

नीपा पूर्व छात्र संगोष्ठी 20 अक्टूबर, 2022, नीपा।

21 सितंबर, 2022 को नॉक मुख्य समिति की बैठक, नीपा।

5 अप्रैल, 2022 को सीपीआरएचई/नीपा और वारविक विश्वविद्यालय द्वारा "उच्च शिक्षा तक पहुंच और विकल्प के लिए लिंग आधारित रास्ते" पर वेबिनार का आयोजन।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

लिंग और शिक्षा, वैकल्पिक पाठ्यक्रम, 5 जून, 2022 को सह–प्रमुख प्रोफेसर मधुमिता बंद्योपाध्याय के साथ पाठ्यक्रम दल की बैठक।

19 अक्टूबर, 2022 को नीपा में गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन माध्यम से उच्च शिक्षा अनुसंधान पर आईएचईआर 2023 के लेखकों की दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक।

25 मई, 2022 को नीपा में गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन माध्यम से उच्च शिक्षा अनुसंधान पर

आईएचईआर 2023 के लेखकों की पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक।

2 मई, 2022 को प्रोफेसर विवेक कुमार द्वारा डॉ. नरेश कुमार स्मृति व्याख्यान का समन्वय।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

13–15 दिसंबर, 2022 तक आईसीएसएसआर के सहयोग से एचएसएस जम्मू विंटर स्कूल में आईआईटी और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में चयनित डॉक्टरेट विद्वानों के लिए साहित्य समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया।

नीपा में 'अकादमिक लेखन' पाठ्यक्रम में साहित्य समीक्षा का अध्यापन

नीपा में डॉक्टरेट विद्वानों से शिक्षण अधिगम, नियोक्ताओं से प्रतिक्रिया, माता–पिता से प्रतिक्रिया और पूर्व छात्रों से प्रतिक्रियाओं के लिए फीडबैक सर्वेक्षण विकसित किया। सर्वेक्षण विश्लेषण रिपोर्ट और आईक्यूएसी निदेशक और टीम सदस्यों के सहयोग से की गई कार्रवाई रिपोर्ट विकसित की गई।

नीपा में नॉक मान्यता के लिए एसएसआर टीम के सदस्य; नॉक सहकर्मी समीक्षा दल के दौरा का समन्वय।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

अध्यक्ष, सीआईई, शिक्षा विभाग पूर्व छात्र संघ।

उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय शिक्षा मंच

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संघ (सीईएसआई)।

सदस्य, ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल एंड कम्पेरेटिव एजुकेशन (बीएआईसीई), यूके।

सदस्य, राष्ट्रमंडल विद्वान और अध्येता पूर्व छात्र संघ।

संपादकीय बोर्ड सदस्य, सदर्न इनिशिएटिव्स जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट

जिनुशा पाणिग्रही

प्रकाशन

पुस्तकें

पाणिग्रही, जे. (2022), हायर एजुकेशन फाइनेंनसिंग इन इंडियाः स्टूडेंट लोन एंड इक्विटी इन एक्सैस, रूटलेज प्रकाशन, टेलर और फ्रांसिस ग्रुप, लंदन और न्यूयॉर्क।

वर्गीज, एन.वी. और पाणिग्रही, जे. (2022), भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2021ः निजी उच्च शिक्षा, रूटलेज प्रकाशन, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, लंदन और न्यूयॉर्क।

वर्गीज, एन.वी. और पाणिग्रही, जे. (2023)। फाइनेंनसिंग आफ हायर एजुकेशन इन इंडियाः ट्रेडिशनल अप्रोच एंड इनोवेटिव स्ट्रेटेजीज, स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर।

शोध पत्र/आलेख

पाणिग्रही, जे. (2022) ''भारत में निजी उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण'' 'भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2021ः निजी उच्च शिक्षा' में, एन.वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही (संपा.), रूटलेज प्रकाशन, टेलर और फ्रांसिस ग्रुप, लंदन और न्यूयॉर्क।

वर्गीज, एन.वी. और पाणिग्रही, जे. (2022), ''निजी उच्च शिक्षाः एक सिंहावलोकन'' 'भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2021ः निजी उच्च शिक्षा' में, एन.वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही (संपा.), रूटलेज प्रकाशन, टेलर और फ्रांसिस ग्रुप, लंदन और न्यूयॉर्क।

पाणिग्रही, जे. (2022), ''भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण'' 'उच्च शिक्षा का वित्तपोषणः पारंपरिक दृष्टिकोण और नवीन रणनीतियाँ' में, एन. वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही (संपा.), स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर।

वर्गीज, एन.वी. और पाणिग्रही, जे. (2022), ''उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में नवाचारः एक सिंहावलोकन'' 'उच्च शिक्षा के वित्तपोषणः पारंपरिक दृष्टिकोण और नवीन रणनीतियाँ' में, एन.वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही (संपा.), स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

14–22 फरवरी, 2023 तक वाशिंगटन डी.सी. यूएसए में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से 'अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए शिक्षा में सुधार', सीआईईएस 2023, पर आयोजित तुलनात्मक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआईईएस) के वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में ''निजी उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण: नीतियों और प्रथाओं से परे'' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विकसित / संचालित प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए नीपा के शिक्षा और विकास कार्यक्रम में परास्नातक पाठ्यक्रम विकास दल के सदस्य:

मूल पाठ्यक्रम – शिक्षा और विकास की गतिशीलता (एस2सीसी504) और शिक्षा का वित्तपोषण (एस4सीसी510),

वैकल्पिक पाठ्यक्रम – सामाजिक विज्ञान में उन्नत सांख्यिकीय तकनीकें (एस4ईसी527) और शिक्षा और रोजगार (एस3ईसी525)

गैर–आकलित अनिवार्य पाठ्यक्रम – बुनियादी सांख्यिकी (प्रमुख समन्वयक)

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

14–22 फरवरी, 2023 तक वाशिंगटन डी.सी. यूएसए में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से सीआईईएस वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीआईईएस 2023 में 'अधिक न्यायसंगत विश्व के लिए शिक्षा में सुधार' पर आयोजित 14 फरवरी, 2023 को ऑनलाइन, जूम से 'उच्च शिक्षा का अर्थशास्त्र' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

दुनिया की सबसे बड़ी तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआईईएस), यूएसए के विशिष्ट सदस्य।

(2021–24) अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त विशेष रुचि समूह (ईएफई–एसआईजी), तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआईईएस), यूएसए के सह–अध्यक्ष।

तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई) से संबद्ध विश्व कांग्रेस के आजीवन सदस्य।

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

प्रणति पंडा (विभागाध्यक्ष)

रस्मिता दास स्वाँई

ए.एन. रेड्डी

एकक का संक्षिप्त परिचय

शाला सिद्धि कार्यक्रम: स्कूल कार्य निष्पादन मूल्यांकन और प्रत्यायन की दिशा में अभिनव पहल

स्कूल मानकों और मूल्यांकन संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) भारत में गुणवत्तापूर्ण आश्वासन की प्रणाली विकसित करने हेतु व्यापक स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और प्रत्यायन को संस्थागत रूप देने के लिए एक अभिनव पहल है। जिसका मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापरक सुधार तथा समुन्नत अधिगम के निमित्त स्कूल गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली विकसित करना है। 'शाला सिद्धी' बनाने का प्रमुख उद्देश्य सुधारात्मक मानकों और प्रक्रियाओं की स्थापना करना है ताकि लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में सभी स्कूलों को अनवरत प्रयत्नशील रहना चाहिए। इसमें '***विद्यालय कार्यनिष्पादन मूल्यांकन***' की परिकल्पना साधन के रूप में और '***विद्यालय सुधार***' की परिकल्पना लक्ष्य के रूप में की गई है। अतः स्कूल कार्यनिष्पादन मूल्यांकन का तात्पर्य किसी भी स्कूल विशेष और इसके कार्य निष्पादन

सशक्त विद्यालय कार्य निष्पादन मूल्यांकन और प्रत्यायन की संस्कृति का निर्माण

कल्पनात्मक रूपरेखा और मानक निर्धारण

शाला सिद्धि कार्यक्रम में स्कूलों के प्रयोजना, प्रक्रियाएं तथा परिणाम पर बल दिया गया है। संकल्पनात्मक रूपरेखा की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- मूल्यांकन और प्रत्यायन की इकाई के रूप में विद्यालय
- स्कूली मूल्यांकन दो रूपों में किया जाता है– स्व मूल्यांकन और बाह्य मूल्यांकन
- स्कूली मूल्यांकन को साक्ष्य आधारित स्कूल के सुधार से जोड़ना

स्कूल कार्यनिष्पादन मूल्यांकन और प्रत्यायन हेतु मानकों का निर्धारण

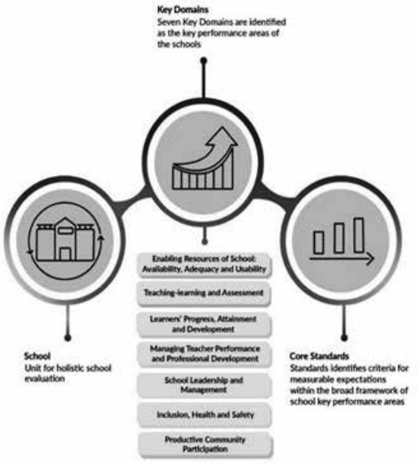

- मानक निर्धारण स्कूली शिक्षा अध्यापन (प्रबंध) का महत्वपूर्ण भाग है। इसमें स्कूल के महत्वपूर्ण कार्य निष्पादन क्षेत्रों की व्यापक रूपरेखा के भीतर मापन योग्य प्रत्याशाओं के लिए मानदंडों को चिहि्नांकित किया गया है।
- मानक महत्वपूर्ण कार्य निष्पादन क्षेत्रकों से व्युत्पन्न किए जाते हैं। 7 महत्वपूर्ण कार्य निष्पादन क्षेत्रक और 46 मूल मानक स्कूल कार्य निष्पादन मूल्यांकन और प्रत्यायन हेतु संदर्भ बिन्दु हैं।
- मूल मानकों का उल्लेख तीन स्तरों– स्तर–1, स्तर–2 और 3 पर व्याख्याकर्ताओं द्वारा बढ़ते क्रम में किया गया है। ये क्रमशः मूलभूत स्तर मध्यम (औसत) स्तर और उच्च स्तर के होते हैं। व्याख्या के विवरणों से प्रत्येक स्तर पर मूल मानक किस सीमा तक पूरा किया गया इसकी परिभाषा प्राप्त होती है।

प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कार्यनीतिक योजना निर्माण

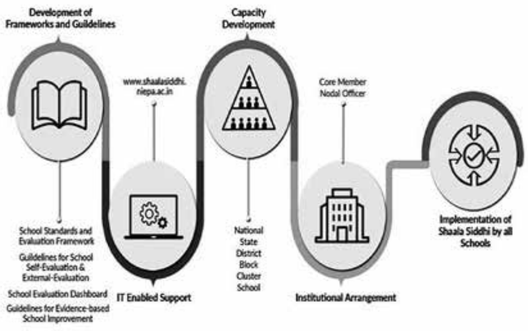

- **साधन और सामग्री** – स्कूल मानक और मूल्यांकन रूपरेखा, स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड, स्व–मूल्यांकन हेतु दिशानिर्देश, साक्ष्य आधारित स्कूली सुधार के लिए मार्ग निर्देश तथा स्कूलों के बाह्य मूल्यांकन हेतु दिशा–निर्देश।
- **सूचना प्रौद्योगिकी सहायित सहयोग** – स्व और बाह्य मूल्यांकन डैशबोर्ड सभी सामग्रियों को अपलोड करने के लिए एक समर्पित वेबपोर्टल **(www.shaalasiddhi.niepa.ac.in)** उपलब्ध है।
- **क्षमता निर्माण कार्यक्रम**–शाला सिद्धि कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु लगभग पचास लाख अध्यापक शिक्षा प्रदाता, शिक्षा विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, प्रधानाध्यापक और अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया है।
- **संस्थागत और संरचनात्मक प्रबंध व्यवस्था**– राज्यों और संघराज्य क्षेत्रों ने राज्यों में और जिला स्तर पर शाला सिद्धि के लिए संस्थाओं में नामिक नोडल अधिकारियों को चिह्नांकित किया है और राज्य, जिला, ब्लॉक, और समूह स्तर पर मुख्य समूह का गठन किया गया है ताकि कार्यक्रम का प्रभावी ढंग से कार्यान्वयन हो सके।

का समग्र रूप से मूल्यांकन करना है। इसके फलस्वरूप विद्यालयों को अपने अधिकार, सुधार के अवसरों, कार्यो को प्राथमिकता देने, निर्णय लेने, की प्रक्रिया और उनके सुधार के लिए साक्ष्य–आधारित समर्थन को समझने में सहायता मिलती है।

शाला सिद्धि कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य हैं:

1. स्कूल मूल्यांकन और गुणवत्तापूर्ण आश्वासन प्रणाली को सुदृढ़ एवं विकसित करना;
2. स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन और गुणवत्तापूर्ण आश्वासन के लिए मानक और कार्यप्रणाली निर्धारित करना;
3. साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार के लिए सहयोगी स्कूल मूल्यांकन प्रक्रियाओं को संस्थागत बनाना;
4. प्रत्येक स्कूल को सतत स्कूल सुधार के लिए सशक्त बनाना जिससे अधिगम के बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकें।

प्रगति और अवस्थितिः शाला सिद्धि

शाला सिद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी बढ़ी है। वर्ष 2016 से सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों ने वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्कूल स्व–मूल्यांकन की प्रक्रिया अपनाई है। वर्ष 2022–23 के दौरान लगभग 50–60 प्रतिशत विद्यालयों ने स्कूल स्व–मूल्यांकन का कार्य पूरा कर लिया है। इसी प्रकार 20–30 प्रतिशत स्कूलों ने बाह्य मूल्यांकन कार्य पूरा कर लिया है। शाला सिद्धि स्व–मूल्यांकन के अन्तर्गत सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में एक समान नहीं है। महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, चंडीगढ़ दिल्ली, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु और गुजरात में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन वाले राज्य/संघ राज्य क्षेत्र रहे हैं। जबकि असम, बिहार, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, उड़ीसा औसत कार्यनिष्पादन वाले राज्य रहे हैं, और हिमाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य/संध राज्य क्षेत्र न्यून कार्य निष्पादन वाली श्रेणी में आते हैं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, चंडीगढ़ और राजस्थान जैसे कुछेक राज्यों ने लगभग शत–प्रतिशत कवरेज के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/सम्मेलन आयोजित

शाला सिद्धि कार्यक्रम के लिए सही अर्थ में तैयारी कर इसे लागू करने के लिए बहुत से क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को आयोजन किया गया।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 और स्कूल गुणवत्ता आश्वासन तंत्रः शाला सिद्धि कार्यक्रम से प्राप्त अंतर्दृष्टि विषय पर 27–28 मार्च, 2023 को रेजिडेंसी रेजॉर्ट, यू.एस.आई., नई दिल्ली में राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक का अयोजन किया गया। इसमें राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के शाला सिद्धि अधिकारी और विभिन्न स्तरों (जिला, प्रखण्ड, समूह स्तर) के नोडल अधिकारीगण और शैक्षणिक प्रशासक स्तर के 120 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।
- 30–31 मार्च, 2023 को गंगटोक, सिक्किम में शिक्षा अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए बाह्य मूल्यांकन और स्कूल प्रत्यायन विषय पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इसमें स्कूल प्रमुखों, शैक्षणिक प्रशासकों, शाला सिद्धि अधिकारियों सहित कुल 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 17–18 नवंबर, 2022 को जम्मू, जम्मू और कश्मीर में साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार योजना के विकास और स्कूल कार्य निष्पादन मूल्यांकन और प्रत्यायन का संरेखन विषय पर उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र में क्षेत्रीय कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसमें स्कूल प्रमुखों, शैक्षणिक प्रशासकों, शाला सिद्धि अधिकारियों/कर्मचारियों सहित कुल 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 2–3 फरवरी, 2023 को तिरुपति, आंध्र प्रदेश में साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार योजना के विकास और स्कूल कार्य निष्पादन मूल्यांकन और प्रत्यायन विषय पर दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय कार्यशालाएं आयोजित की गईं। जिसमें स्कूल प्रमुखों, शैक्षणिक प्रशासकों, शाला सिद्धि के अधिकारियों/कर्मचारियों सहित 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से नीपा द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम

13 मई, 2022 को मिजोरम के लिए स्कूल बाह्य–मूल्यांकन और स्कूल सुधार विषय पर राज्य विशिष्ट क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल प्रमुखों, शैक्षणिक प्रशासकों, शाला सिद्धि के अधिकारियों/कर्मचारियों सहित कुल 251 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

30 जून–1 जुलाई, 2022 को मध्य प्रदेश के लिए स्कूल बाह्य–मूल्यांकन और स्कूल सुधार विषय पर राज्य

विशिष्ट क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्कूल प्रमुखों, शैक्षणिक प्रशासकों, शाला सिद्धि के अधिकारियों/कर्मचारियों सहित कुल 140 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

22 सितंबर, 2022 को सिक्किम के लिए स्कूल बाह्य–मूल्यांकन और स्कूल सुधार विषय पर राज्य विशिष्ट क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल प्रमुखों, शैक्षणिक प्रशासकों, शाला सिद्धि के अधिकारियों/कर्मचारियों सहित कुल 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

31 अक्टूबर, 2022 को चंडीगढ़ के लिए स्कूल बाह्य–मूल्यांकन और स्कूल सुधार विषय पर राज्य विशिष्ट क्षमता विकास कार्यक्रम का अयोजन किया गया। जिसमें स्कूल प्रमुखों, शिक्षा जगत के प्रशासकों, शाला सिद्धि के अधिकारियों/कर्मचारियों सहित 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

24 नवंबर, 2022 को बिहार के लिए स्कूल बाह्य–मूल्यांकन और स्कूल सुधार विषय पर राज्य विशिष्ट क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल प्रमुखों, शिक्षा जगत के प्रशासकों, शाला सिद्धि के अधिकारियों/कर्मचारियों सहित कुल 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

22–23 नवंबर, 2022 को ओडिशा के लिए स्कूल बाह्य–मूल्यांकन और स्कूल सुधार पर राज्य विशिष्ट क्षमता विकास कार्यक्रम में स्कूल प्रमुखों, शिक्षा जगत के प्रशासकों, शाला सिद्धि के अधिकारियों/कर्मचारियों सहित 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अनुसंधान और नवाचार

अनुसंधान और नवाचार के सभी चरणों – वैचारिक विकास; उपकरण और कार्यप्रणाली; स्व और बाह्य–मूल्यांकन प्रक्रियाएं; कार्यान्वयन, आदि को शाला सिद्धि कार्यक्रम का अभिन्न अंग माना जाता है। स्कूल प्रदर्शन विश्लेषिकी स्कूल स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड के आधार पर स्व–प्रकटीकरण रिपोर्ट के रूप में तैयार की जाती है। शाला सिद्धि स्कूल कार्य निष्पादन मूल्यांकन पर बड़े पैमाने में डेटाबेस तैयार करती है। जिसका विश्लेषण निम्न चार स्तरों पर किया जाता है: 1. शिक्षार्थियों और शिक्षकों के बारे में बुनियादी जानकारी 2. मूल मानक वार 3. मूल प्रदर्शन डोमेन–वार 4. स्कूल प्रदर्शन स्तर (समग्र स्कोर–वार) 5. प्रदर्शन ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई 2019–20) और एसडीजी4 इंडिया द्वारा कार्य निष्पादन विश्लेषण का तुलनात्मक विश्लेषण।

- वार्षिक राष्ट्रीय स्कूल कार्य निष्पादन विश्लेषण: स्व–प्रकटीकरण रिपोर्ट के रूप में स्कूल स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड के आधार पर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए राष्ट्रीय स्कूल प्रदर्शन विश्लेषण और राज्य विशिष्ट प्रदर्शन विश्लेषणात्मक रिपोर्ट।
- सक्षम (उच्च प्रदर्शन करने वाले) और औसत सुधार की आवश्यकता वाले (कम प्रदर्शन करने वाले) स्कूलों का तुलनात्मक विश्लेषण 2020–21।
- स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन के रुझान विश्लेषण – शाला सिद्धि: 2016–18 से 2020–21।
- स्कूल गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली शाला सिद्धि कार्यक्रम के संस्थागतकरण के प्रभाव पर राष्ट्रीय अनुसंधान अध्ययन।
- राज्य विशिष्ट स्कूल प्रदर्शन विश्लेषण 2020–21 (36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश)। राज्यवार रिपोर्ट का विवरण नीचे दिया गया है।
- उच्च और निम्न कार्य निष्पादन वाले स्कूलों का महत्वपूर्ण विश्लेषण: प्रक्रियाओं और प्रथाओं की पहचान रिपोर्ट
- स्कूल मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए नीति प्राथमिकता और नीति संक्षेप का विकास।

वेब पोर्टल (www.shaalasiddhi.niepa.ac.in) के प्रभावी उपयोग के लिए दिशानिर्देशों का विकास

शाला सिद्धि परस्पर संवादात्मक वेब पोर्टल द्वारा समर्थित है। वेब पोर्टल में कार्यक्रम संबंधी सभी दस्तावेजों को उपयोगकर्ता डाउनलोड कर सकते हैं। वेब पोर्टल में प्रत्येक स्कूल अपनी स्व और बाह्य मूल्यांकन डैशबोर्ड ऑनलाइन अपलोड कर सकता है। जिससे व्यवसायी, नीति निर्माता, अन्य सभी हितधारक तक यह जानकारी पहुँच सकती है, इस प्रकार यह गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। एकक ने स्व और बाह्य मूल्यांकन डैशबोर्ड को सही और वैध तरीके से प्रभावी ढंग से अपलोड करने के लिए निम्नलिखित दस्तावेज भी विकसित किए हैं:

1. स्व–मूल्यांकन के लिए उपयोगकर्ता पुस्तिका।
2. बाह्य मूल्यांकन के लिए उपयोगकर्ता पुस्तिका।
3. संशोधित स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड।
4. प्रशासकों के लिए उपयोगकर्ता पुस्तिका।

'स्कूल मूल्यांकन और प्रत्यायन' पर स्व–अधिगम मॉड्यूल का विकास

शाला सिद्धि कार्यक्रम के भाग के रूप में नीपा, मानक निर्धारण, स्कूल मूल्यांकन और प्रत्यायन विषय पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित कर रहा है। इस प्रशिक्षण पैकेज का उपयोग उन सामूहिक मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जाएगा जो स्कूल मूल्यांकन और प्रत्यायन हेतु समर्थन बढ़ाने के लिए जवाबदेह और उत्तरदायी हैं।

प्रशिक्षण पैकेज में निम्नांकित मॉड्यूल शामिल हैं जो प्रक्रियाधीन हैं:

1. विद्यालय की गुणवत्ता एवं सुधार
2. स्कूल कार्य निष्पादन प्रबंधन के लिए मानक निर्धारण
3. स्कूल मूल्यांकन कार्य निष्पादन प्रबंधन
4. कार्यनीतिक युक्तियां और दिशानिर्देशः युक्तियां और पद्धति
5. स्कूल कार्य निष्पादन/प्रत्यायन/मूल्यांकन रिपोर्ट का उपयोग
6. सुधार का मूल्यांकनः साक्ष्य–आधारित स्कूल गुणवत्ता सुधार
7. समुन्नत स्कूल प्रशासन के लिए प्रणालीगत समर्थन

मॉड्यूलों की प्रासंगिकता, अनुवाद और विकास

शाला सिद्धि सामग्री (स्कूल मानक एवं मूल्यांकन रूपरेखा, स्कूल मूल्यांकन डेश बोर्ड, स्व–मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश, मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश और साक्ष्य–आधारित स्कूल सुधार) का 20 राज्यों की विशिष्ट क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है।

शाला सिद्धि कार्यक्रम के फलस्वरूप कैसे बदलाव आ रहा है? स्कूलों द्वारा प्रस्तुति

स्कूल विभिन्न मंचों, कार्यक्रमों, ई–मेल के माध्यम से शाला सिद्धि कार्यक्रम के बारे में लगातार अपने अनुभवों को निरंतर साझा कर रहे हैं। स्कूलों से मिलने वाली फीडबैक (प्रतिपुष्टि) अति उत्साहवर्धक है कि इनसे उन्हें मूल मानक कार्य निष्पादन स्तरों को सुधार के निमित्त कार्रवाई से जोड़ने में शक्तियां प्राप्त हो रही हैं। बहुत से स्कूलो ने इस कार्यक्रम के भीतर निहित स्कूल और सशक्तिकरण प्रक्रिया के समग्र दृष्टिकोण की सराहना की। कई राष्ट्रीय और राज्य के समाचार पत्रों में बार–बार शाला सिद्धि की सफल कथानक का प्रकाशन हुआ है।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग एकक

सरिंग चोनजोम भूटिया

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लगभग 25 विषयों पर शिक्षा मंत्रालय (एमओई) को विस्तारित समर्थन।

1. 26 मई, 2022 को ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक (ईएमएम) हेतु 25 मई, 2022 को ब्रिक्स वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएम) के लिए आईसीसी के स्वागत और समापन टिप्पणियों के लिए 9 मई, 2022 को 5 मसौदा वार्ता बिंदु/भाषण तैयार और प्रस्तुत किए।
2. 23 मई, 2022 को ईएमएम के लिए तीन विषयों पर माननीय मंत्री द्वारा हस्तक्षेप के लिए वार्ता बिंदु तैयार और प्रस्तुत किए।
3. चीनी प्रेसीडेंसी द्वारा आयोजित 25 मई, 2022 को ब्रिक्स एसओएम बैठक, 26 मई, 2022 को ब्रिक्स ईएमएम बैठक में भागीदारी। एसओएम और ईएमएम के कार्यवृत्त 26 मई, 2022 और 1 जून, 2022 को आईसीसी को सौंपे गए।
4. 25 मई, 2022 को ट्रैक परिवर्तन मोड में ब्रिक्स ईएमएम घोषणा पर टिप्पणियाँ आईसीसी को सौंपी गईं।
5. 26 मई, 2022 को ब्रिक्स विश्वविद्यालय संघ पर विस्तृत मसौदा शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।
6. भारत के जी20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता, 2023 की तैयारी और शिक्षा कार्य समूह (एडब्ल्यूजी) की बैठकों के आयोजन के संबंध में 7 मार्च, 2022 को सचिव (एचई) की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान

सहमत बिंदुओं के संबंध में की गई कार्रवाई रिपोर्ट – 23 अप्रैल, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को सौंपी गई।

7. जी20 शिक्षा कार्य समूह (एडब्ल्यूजी) के पहले ड्राफ्ट पर टिप्पणियाँ प्रदान की गईं। 13 मई, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी।
8. जी20 शिक्षा मंत्रियों की घोषणा (2022) के शून्य मसौदा पर जानकारियां प्रदान की। 17 मई, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी।
9. 30 जून, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को ट्रैक परिवर्तन मोड में जी20 शिक्षा मंत्रियों की घोषणा के पहले ड्राफ्ट पर टिप्पणियाँ/जानकारी प्रस्तुत की।
10. 20 जुलाई, 2022 को जी20 की तैयारी बैठक में भागीदारी – जी20 शेरपा के लिए जानकारी।
11. प्रदान की गई जानकारीः i) इटालियन और भारतीय इंडोनेशियाई अध्यक्षीय सरकार के दौरान जी20 शिक्षा कार्य समूह के पिछले विषयों और जारी टिप्पणियों पर संक्षिप्त जानकारी ii) हमारी अध्यक्षता के लिए विकसित की जा रही जी20 वेबसाइट हेतु शिक्षा कार्य समूह के बारे में जानकारी, दोनों बिंदुओं पर जानकारी पूरी की और एक ही दिन, 25 जुलाई, 2022 को आईसीसी को प्रस्तुत किया।
12. भारतीय अध्यक्षता के दौरान जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठकों की तैयारी के संबंध में 26 जुलाई, 2022 को सचिव (एचई) की अध्यक्षता में हुई बैठक में भागीदारी। बैठक का विवरण 26 जुलाई, 2022 को आईसीसी को प्रस्तुत किया।
13. 2022 जी20 बाली अपडेट के पहले ड्राफ्ट पर टिप्पणियाँ/जानकारी 22 जुलाई, 2022 को आईसीसी को प्रस्तुत किए।
14. 26 जुलाई, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को सौंपी गई शिक्षा कार्य समूह की तृतीय बैठक में परिचर्चा के लिए जी20 शिक्षा रिपोर्ट और सार–संग्रह पर जानकारी।
15. प्रथम मसौदा अंक टिप्पणी 9 अगस्त, 2022 को प्रस्तुत किया।
16. आगामी जी20 शेरपा बैठक के संदर्भ में जी20 इंडिया प्रेसीडेंसी के विषय टिप्पणी पर परिचर्चा के लिए 10 अगस्त, 2022 को शिक्षा मंत्रालय की बैठक में भागीदारी।
17. 10 अगस्त, 2022 को बैठक में हुई चर्चा के अनुसार जी20 शिक्षा विषय टिप्पणी (भारत की अध्यक्षता) को संशोधित किया और 11 अगस्त, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।
18. 2018 अर्जेंटीना की अध्यक्षता से शुरू होने वाली जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठकों के प्रत्येक विषय/प्राथमिकताओं के संबंध में किए गए विकास और वर्तमान स्थिति पर संक्षिप्त टिप्पणी तैयार करने में योगदान दिया और 30 सितंबर, 2022 को आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।
19. जी20 शिक्षा कार्य समूह की प्रथम बैठक का अस्थायी मसौदा एजेंडा तैयार किया और आंतरिक समीक्षा के लिए 13 सितंबर, 2022 को प्रस्तुत किया।
20. नीपा द्वारा आयोजित जी20 सलाहकार बैठक पर परिचर्चा के लिए 17 जनवरी, 2023 को जेएस, आईसीसी की अध्यक्षता में शिक्षा मंत्रालय में बैठक में भागीदारी।
21. 31 जनवरी, 1–2 फरवरी, 2023 को चेन्नई में होने वाली जी20 शिक्षा कार्य समूह प्रथम बैठक के लिए नौ मसौदा वार्ता बिंदुओं के एक सेट को संपादित और अंतिम रूप दिया और 25 जनवरी, 2023 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।
22. जी20 शिक्षा मंत्रियों द्वारा जारी किए जाने वाले मसौदा घोषणा को अंतिम रूप देने में योगदान दिया। इसे 7 मार्च, 2023 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।
23. 2 नवंबर, 2022 को भारत और जापान के बीच दूसरे उच्च स्तरीय संवाद के एजेंडे पर शिक्षा मंत्रालय को जानकारी प्रदान की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम के संबंध में 18 जुलाई, 2022 के लिए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 25 पर जानकारी तैयार की और 8 जुलाई, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

21 जुलाई, 2022 को ऑनलाइन माध्यम से ऑस्ट्रेलिया–भारत संयुक्त कार्य बल की दूसरी बैठक में भाग लिया।

''सहयोग के माध्यम से अनुसंधान को सुदृढ़ करना और नवाचार को बढ़ावा देना'' पर परामर्शी बैठक के संकल्पना टिप्पणी के लिए जी20 पर पृष्ठभूमि टिप्पणी प्रदान किया।

यूआईसी संकाय और कनिष्ठ परियोजना सलाहकार के सहयोग से भारत की अध्यक्षता में होने वाले 2023 शिखर सम्मेलन में जी20 के 19 सदस्य देशों और 9 आमंत्रित देशों की कंट्री फैक्ट शीट तैयार की गई।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, भारत त्रैमासिक पत्रिका

एल्डो मैथ्यूज

प्रकाशन

पुस्तक में अध्याय

एल्डो मैथ्यूज (2022), ''भारत में विशिष्ट निजी विश्वविद्यालयों का उदयः एक केस अध्ययन'' एन.वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही (संपा.) भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2021: निजी उच्च शिक्षा, दिल्लीः रूटलेज.

आलेख

एल्डो मैथ्यूज (2022), ''संभ्रांत निजी विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा क्षेत्र को हिला रहे हैं'', विश्वविद्यालय विश्व समाचार, 3 दिसंबर, 2022.

फिलिप जी. अल्टबैक और एल्डो मैथ्यूज, ''भारत के विशिष्ट निजी विश्वविद्यालय ताजी हवा का झोंका हैं'', टाइम्स हायर एजुकेशन, (14 अगस्त 2022)।

फिलिप जी. अल्टबैक और एल्डो मैथ्यूज, ''भारत में एक हार्वर्ड शाखा; संभावनाएं और चुनौतियां'', द हिंदू दैनिक, 24 मई, 2022।

शोध पत्र

एल्डो मैथ्यूज और अनामिका (2022)। ''भारत का शाखा परिसर एजेंडाः महत्वाकांक्षाएं और चुनौतियां'', उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण – नीति और अभ्यास, अंक (1) 2022. पृ.21–33

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

उन विदेशी विश्वविद्यालयों से संपर्क किया जो भारत में कैंपस स्थापित करने के इच्छुक थे।

वर्ष 2019 में शुरू किए गए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के उद्देश्य और दायरे पर जानकारी प्रदान की।

''एएसईएम उच्च शिक्षा नीति मानचित्रणः एसडीजी की दिशा में कार्य'' पर प्रश्नावली भरने के लिए अनुसंधान जानकारी प्रदान की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

''सहयोग के माध्यम से अनुसंधान को सुदृढ़ करना और नवाचार को बढ़ावा देना'' विषय पर परामर्शी बैठक आयोजित करने हेतु अवधारणा नोट तैयार किया।

''भारत में अनुसंधान और विकास में हालिया रुझान और विचारणीय मामले'' पर टिप्पणी तैयार किया।

आलोक रंजन

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

2022–23 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की निम्नलिखित 12 विषयों पर शिक्षा मंत्रालय (एमओई) को विस्तारित समर्थनः

1. 26 मई, 2022 को 'नदी 2022: एशियाई संगम नदी सम्मेलन' के लिए ''भारत और बिम्सटेक सदस्य–राज्यों के बीच शिक्षा सहयोग की वर्तमान स्थिति पर पृष्ठभूमि नोट'' तैयार करा और प्रस्तुत किया।
2. 26 मई, 2022 को 'नदी 2022: एशियाई संगम नदी सम्मेलन' के लिए भारत सरकार के माननीय शिक्षा और विदेश राज्य मंत्रियों के भाषण के लिए जानकारियां प्रदान की।
3. भारत की अध्यक्षता के दौरान जी20 शिक्षा कार्य समूह प्रक्रिया और प्रमुख घटनाओं/कार्यवाहियों पर प्रस्तुति की समीक्षा और संशोधन किया, और 13 जून, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।
4. जी20 शिक्षा मंत्रियों की घोषणा के पहले मसौदे पर टिप्पणियाँ/जानकारी प्रदान की और आंतरिक समीक्षा तथा आगे की कार्रवाई हेतु 25 जून, 2022 को सलाहकार को प्रस्तुत किया। (30 जून, 2022 को शिक्षा मंत्रालय में सलाहकार द्वारा जानकारियों के साथ संशोधित दस्तावेज प्रस्तुत किया गया)।
5. जी20 के लिए 'नवीनतम/अद्यतन आंकड़ों के साथ स्पार्क (एसपीएआरसी) और ज्ञान (जीआईएएन) पर एक पृष्ठभूमि टिप्पणी' तैयार किया और आंतरिक समीक्षा एवं आगे की कार्रवाई हेतु 25 जून, 2022 को वरिष्ठ सलाहकार को प्रस्तुत किया। (अंतिम जानकारी 24 जुलाई, 2022 को वरिष्ठ सलाहकार द्वारा शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया)।

6. 'हर स्तर पर तकनीक–सक्षम शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणात्मक और सहयोगात्मक बनाना' पर जी20 के लिए मसौदा टिप्पणी तैयार किया और आंतरिक समीक्षा एवं आगे की कार्रवाई हेतु 25 जून, 2022 को वरिष्ठ सलाहकार को प्रस्तुत किया। 9 अगस्त, 2022 को शिक्षा मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार द्वारा अंतिम जानकारी प्रस्तुत की गई)।
7. शिक्षा कार्य समूह की तीसरी बैठक के लिए जी20 शिक्षा रिपोर्ट और सार–संग्रह पर जानकारियां प्रदान की और आंतरिक समीक्षा एवं आगे की कार्रवाई के लिए सलाहकार को प्रस्तुत किया, (26 जुलाई 2022 को सलाहकार द्वारा शिक्षा मंत्रालय को अंतिम जानकारी प्रस्तुत की गई)।
8. जी20 शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन हेतु माननीय राज्य मंत्री के लिए एक मसौदा भाषण तैयार किया और 12 अगस्त, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।
9. 2018 अर्जेंटीना की अध्यक्षता से शुरू होने वाली जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठकों के प्रत्येक विषय/प्राथमिकताओं के संबंध में किए गए विकास और वर्तमान स्थिति पर संक्षिप्त टिप्पणी तैयार किया और 24 अगस्त, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।
10. जी20 शिक्षा रिपोर्ट और सार–संग्रह 2023 के लिए प्रश्नावली का मसौदा तैयार किया और आंतरिक समीक्षा के लिए 17 सितंबर, 2022 को वरिष्ठ सलाहकार को प्रस्तुत किया। अंतिम मसौदा वरिष्ठ सलाहकार द्वारा 7 दिसंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।
11. ''जी20 शिक्षा कार्य समूह की बैठक के प्रत्येक विषय/प्राथमिकताओं के संबंध में विकास और वर्तमान स्थिति'' पर एक नोट तैयार किया और आंतरिक समीक्षा के लिए 28/29 सितंबर, 2022 को वरिष्ठ सलाहकार को प्रस्तुत किया, वरिष्ठ सलाहकार द्वारा 30 सितंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।
12. जी20 शिक्षा कार्य समूह की प्रथम बैठक के लिए प्राथमिकता क्षेत्र ''हर स्तर पर तकनीक–सक्षम शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणात्मक और सहयोगात्मक बनाना'' पर जानकारी प्रदान की और 24 जनवरी, 2023 को उप–सलाहकार डॉ. बिनय प्रसाद के साथ साझा किया।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

जी–20 के 5 स्थायी सदस्यों: अर्जेंटीना, ब्राजील, मैक्सिको, सऊदी अरब और तुर्की और इस वर्ष भारत द्वारा आमंत्रित 3 अतिथि देश: बांग्लादेश, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात) की शिक्षा प्रणाली (सामान्य और तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षण (टीवीईटी)) की संरचना तैयार की; और 10 जनवरी, 2023 को सलाहकार को प्रस्तुत किया।

20 जनवरी, 2023 को नीपा द्वारा आयोजित जी20 सलाहकार बैठक के लिए ''हर स्तर पर तकनीक–सक्षम शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणात्मक और सहयोगात्मक बनाना'' विषय पर परामर्शी बैठक के अवधारणा नोट के लिए जी20 में शिक्षा पथ और विषयों के प्रवाह पर पृष्ठभूमि नोट प्रदान किया।

24 जनवरी, 2023 को नीपा द्वारा आयोजित जी20 सलाहकार बैठक में ''हर स्तर पर तकनीक–सक्षम शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणात्मक और सहयोगात्मक बनाना'' विषय पर परामर्शदात्री बैठक के लिए मसौदा अवधारणा टिप्पणी हेतु जानकारी प्रदान की।

बिनय प्रसाद

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

2022–23 की अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से संबंधित निम्नलिखित विषयों पर शिक्षा मंत्रालय (एमओई) को विस्तारित समर्थनः

26 जुलाई, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी के तहत जी20 शिक्षा कार्य समूह 2022 के सार–संग्रह पर जानकारी में योगदान दिया।

भारत की अध्यक्षता में जी20 शिखर सम्मेलन 2023 की तैयारियों के संबंध में 6 जुलाई, 2022 को शास्त्री भवन में जेएस (आईसीसी), एमओई के साथ बैठक में भागीदारी और चर्चा का रिकॉर्ड शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

8 जुलाई, 2022 को ओईसीडी के अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीआईएसए) में भारत की भागीदारी के संबंध में संसदीय प्रश्नों (लोकसभा) के उत्तर पर जानकारी में योगदान दिया।

26 जुलाई, 2022 को भारतीय अध्यक्षता के तहत जी20 शिखर सम्मेलन 2023 में शिक्षा के विषयगत टिप्पणी – (प्राथमिकता क्षेत्र III– क्षमता निर्माण, काम के भविष्य के संदर्भ में आजीवन अधिगम को बढ़ावा देना) में योगदान दिया।

जी20 शिखर सम्मेलन 2023 की तैयारियों के संबंध में 20 जुलाई, 2022 को शास्त्री भवन में जेएस (आईसीसी), एमओई के साथ बैठक में भागीदारी।

10 अगस्त, 2022 को भारत की अध्यक्षता (जी20 शिखर सम्मेलन 2023) के तहत शिक्षा पर जी20 शिक्षा के विषयगत टिप्पणी पर चर्चा के लिए जेएस (आईसीसी), शिक्षा मंत्रालय के साथ बैठक में भागीदारी।

16 अगस्त, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को जी20 शिखर सम्मेलन 2023 के शिक्षा ट्रैक के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए अवधारणा पत्र प्रस्तुत किया।

23 अगस्त, 2022 को बाली में जी20 शिखर सम्मेलन 2022 में शिक्षा मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के समापन भाषण के लिए जानकारी और भारतीय प्रतिनिधिमंडल (सत्र 2) द्वारा विषयगत सत्र में हस्तक्षेप के लिए जानकारी प्रस्तुत की।

इंडोनेशियाई अध्यक्षता के तहत जी20 शिखर सम्मेलन 2022 में सार्वजनिक भागीदारी और भ्रष्टाचार–विरोधी शिक्षा पर नवोन्मेष के जी20 सार–संग्रह के पहले ड्राफ्ट पर टिप्पणियाँ/इनपुट 30 सितंबर, 2022 को आईसीसी को सौंपे गए।

7 नवंबर, 2022 को शिक्षा मंत्रालय को सौंपी गई यूके–भारत व्यापार परिषद की रिपोर्ट के संदर्भ में शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण/भारत–यूके सहयोग पर जानकारी प्रदान की।

प्राथमिकता क्षेत्र 2, 3 और 4 पर भारतीय अध्यक्ष द्वारा देश के वक्तव्य और टिप्पणियों के लिए जानकारियों में योगदान दिया और 25 जनवरी, 2023 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

31 जनवरी, 2023 को आईआईटी मद्रास में ''शिक्षा में डिजिटल प्रौद्योगिकी की भूमिका'' पर जी20 सेमिनार में भागीदारी।

1–2 फरवरी, 2023 को चेन्नई में भारतीय अध्यक्षता के तहत जी20 शिक्षा कार्य समूह (एडु.डब्ल्यूजी) की पहली बैठक में भागीदारी और जी20 शिखर सम्मेलन 2023 की पहली शिक्षा कार्य समूह पर रिपोर्ट के लिए जानकारी में योगदान दिया।

जुलाई 2023 में प्रस्तावित जी20 शिक्षा मंत्रियों की बैठक का मसौदा और घोषणा पर जानकारी और टिप्पणियाँ प्रदान की गईं।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

10 जनवरी, 2023 को जर्मनी की शिक्षा प्रणाली की संरचना पर एक नोट (यूआईसी का आंतरिक दस्तावेज) तैयार किया।

जी20 और आमंत्रित देशों (2023) शैक्षिक उपलब्धि और गतिशील ढांचे पर प्रमुख संकेतकों पर प्रकाश डालते हुए तथ्य पत्र में योगदान दिया।

नीपा में शिक्षा पर जी20 सलाहकार बैठक के लिए थीम III – ''क्षमताओं का निर्माण, कार्य के भविष्य के संदर्भ में आजीवन अधिगम को बढ़ावा देना'' पर विषय नोट/संकल्पना नोट में योगदान दिया।

नीपा में शिक्षा पर जी20 परामर्शदात्री बैठक के लिए जी20 एजुकेशन ट्रैक थीम III – ''क्षमताओं का निर्माण, कार्य के भविष्य के संदर्भ में आजीवन अधिगम को बढ़ावा देना'' पर जी20 प्राइमर तैयार किया।

13–14 फरवरी, 2023 को नीपा में शिक्षा पर जी20 सलाहकार बैठक के आयोजन में यूआईसी का समर्थन किया।

नीपा में शिक्षा पर जी20 सलाहकार बैठक के लिए जी20 एजुकेशन ट्रैक थीम III – ''क्षमताओं का निर्माण, कार्य के भविष्य के संदर्भ में आजीवन अधिगम को बढ़ावा देना'' पर विशेषज्ञों की सिफारिशों पर रिपोर्ट में योगदान दिया।

21 सितंबर, 2022 को नीपा में ग्लोबल इनोवेशन नेटवर्क फॉर टीचिंग एंड लर्निंग (जीआईएनटीएल) और ज्यावलास्का विश्वविद्यालय के फिनिश प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्तालाप की सुविधा और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए यूआईसी के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया।

शिक्षा मंत्रालय को जानकारी

2022 में चीन द्वारा आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित शिक्षा स्ट्रीम से संबंधित बैठकों में भागीदारी के लिए लगभग पांच विषयों पर जानकारी और अनुसमर्थन।

इंडोनेशियाई अध्यक्षता के तहत दिसंबर 2021 से नवंबर 2022 तक चलने वाले जी20 शिक्षा संबंधी सहयोग में भागीदारी के लिए सहयोग की 12 विषयों पर जानकारी और अनुसमर्थन।

2022–23 में भारत की जी20 अध्यक्षता के संबंध में सहयोग की 28 से अधिक विषयों पर जानकारी और अनुसमर्थन।

भारत और अन्य देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय रुझानों और पैटर्न का विश्लेषण और शिक्षा के क्षेत्र में बहुपक्षीय संगठनों जिसमें द्विपक्षीय ज्ञापनों की समीक्षा करना आदि का दस्तावेजीकरण और विश्लेषण करने वाले लगभग 7 विषयों पर जानकारी दी।

यूआईसी 2022–23 में भारत की अध्यक्षता की तैयारी के लिए आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को जानकारी और सहायता प्रदान करने में निकटता से शामिल रहा है। यूआईसी दिसंबर 2022 में भारत द्वारा जी20 की अध्यक्षता के साथ ही आईसीसी, शिक्षा मंत्रालय को आगे की जानकारी और समर्थन प्रदान करने के साथ–साथ यूआईसी द्वारा प्रदान किए गए कई इनपुट वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि से आगे उपयोग किए जाने हेतु निर्धारित हैं।

जी20 तथ्य पत्रक

यूआईसी ने भारत की अध्यक्षता में होने वाले शिखर सम्मेलन 2023 के 19 जी20 सदस्य देशों और 9 आमंत्रित देशों की देश तथ्य पत्रक की तैयारी पूरी कर ली है। तथ्य पत्रक भारतीय अध्यक्षता में 2023 में भाग लेने वाले जी20 देशों के सामान्य, सामाजिक–आर्थिक और प्रमुख शैक्षिक संकेतकों का एक सेट प्रदान करते हैं।

जी20 में 19 सदस्य–देश हैं:

- अर्जेंटीना
- ऑस्ट्रेलिया
- ब्राजील
- कनाडा
- चीन
- फ्रांस
- जर्मनी
- भारत
- इंडोनेशिया
- इटली
- जापान
- कोरिया गणराज्य
- मेक्सिको
- रूस
- सऊदी अरब
- दक्षिण अफ्रीका
- तुर्कीए
- यूनाइटेड किंगडम
- संयुक्त राज्य अमेरिका

भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान 9 आमंत्रित देश हैं:

- बांग्लादेश
- मिस्र
- मॉरीशस
- नीदरलैंड
- नाइजीरिया
- ओमान
- सिंगापुर
- स्पेन
- संयुक्त अरब अमीरात

आयोजित कार्यक्रम

- 21 सितंबर, 2022 को नीपा में ग्लोबल इनोवेशन नेटवर्क फॉर टीचिंग एंड लर्निंग (जीआईएनटीएल) और ज्यावलास्का विश्वविद्यालय के फिनिश प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्तालाप।
- 13–14 फरवरी, 2023 को नीपा में 'भारत की जी20 अध्यक्षता और शिक्षा एजेंडा' पर आयोजित दो दिवसीय परामर्शदात्री बैठक में निम्नलिखित चार विषयगत सत्रों में सहयोग किया।
    - विषय 1: विशेष रूप से मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्या सुनिश्चित करना।
    - विषय 2: हर स्तर पर तकनीक–सक्षम शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणात्मक और सहयोगात्मक बनाना।
    - विषय 3: क्षमता निर्माण, काम के भविष्य के संदर्भ में आजीवन अधिगम को बढ़ावा देना।
    - विषय 4: अनुसंधान को मजबूत करना, समृद्ध सहयोग के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना।

आईसीटी अनुप्रयोग

के. श्रीनिवास

प्रकाशन

6–7 मई, 2022 को चिन्मय विश्व विद्यापीठ, केरल द्वारा उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा की परिवर्तनकारी संभावनाएं: शिक्षकों के परिप्रेक्ष्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मिश्रित अधिगम कल के समाधान की तैयारी शीर्षक से शोध पत्र।

19–20 मई, 2022 को एमआईईआर शिक्षा महाविद्यालय (स्वायत्त), जम्मू द्वारा कोविड–19 महामारी के दौरान शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन में परिप्रेक्ष्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नए सामान्य में मिश्रित शिक्षण छात्रों के परिप्रेक्ष्य शीर्षक से शोध पत्र।

पुस्तक में अध्याय

काजल यादव के साथ, मिश्रित शिक्षणः उच्च शिक्षा पर शैक्षिक नीति और प्रशासन में शिक्षण–अधिगम की बदलती गतिशीलता में शिक्षकों की धारणा, डॉ. कालिंदी कमला और डॉ. कल्वापल्ले पद्मावती द्वारा संपादित पुस्तक में अध्याय।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय/ वेबिनार/सेमिनार/ सम्मेलन/बैठकों में भागीदारी

12 जून, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में प्रौद्योगिकी के लिए प्रमुख प्रावधान'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

30 जून, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम द्वारा ''मूक (एमओओसी) – सामग्री विकास' पर राष्ट्रीय वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

30 अगस्त, 2022 को जहीर साइंस फाउंडेशन द्वारा यूनेस्को–अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश दिवस 2022 (आईडीएल 2022) पर आयोजित समारोह में ''कोविड–19 महामारी के दौरान शिक्षा में व्यवधान'' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता।

3 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जेएनटीयू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में प्रौद्योगिकी के लिए प्रमुख प्रावधान'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

9 सितंबर, 2022 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पंपोर, जम्मू और कश्मीर द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020 में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका'' पर राष्ट्रीय वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

19 अक्टूबर 2022 को लालबहादुर शास्त्री सांस्कृतिक विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: प्रौद्योगिकी के उपयोग और एकीकरण के संदर्भ में कार्यान्वयन समस्याएं और समाधान'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

19 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी एनईएचयू, शिलांग द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में प्रौद्योगिकी के लिए प्रमुख प्रावधान'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21 अक्टूबर, 2022 को शिक्षा प्रौद्योगिकी विभाग, एससीईआरटी, दिल्ली द्वारा ''एनईपी कार्यों के लिए कार्य योजना विकसित करना'' पर आयोजित दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21 दिसंबर, 2022 को उच्च शिक्षा अध्ययन और प्रशिक्षण केंद्र (सीएचईएसटी), शिक्षा और आर्थिक संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''एनईपी–2020 के कार्यान्वयन के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम'' के लिए आमंत्रित वक्ता।

19 दिसंबर, 2022 को आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम में आयोजित ''एआईयू पूर्वी क्षेत्र के कुलपतियों की बैठक 2022–23'' के दौरान 'मिश्रित शिक्षण' सत्र में आमंत्रित वक्ता।

8 फरवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी पुणे विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में प्रौद्योगिकी के लिए प्रमुख प्रावधान'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27 जनवरी, 2023 को एआईयू–सीईएमसीए द्वारा आयोजित ''मिश्रित शिक्षण'' पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति की प्रथम बैठक में भागीदारी।

10 फरवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में प्रौद्योगिकी के लिए प्रमुख प्रावधान'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

24 जनवरी, 2023 को नीपा द्वारा आयोजित ''प्रत्येक स्तर पर तकनीकी–सक्षम शिक्षण को अधिक समावेशी, गुणात्मक और सहयोगात्मक बनाना'' थीम–2 के लिए विषय सदस्य के रूप में भागीदारी।

21 फरवरी, 2023 को आंध्र विश्वविद्यालय में आयोजित ''अंतर्राष्ट्रीय तेलुगु सम्मेलन'' में आमंत्रित वक्ता के रूप में भागीदारी।

4 मार्च, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी सागर विश्वविद्यालय, सागर द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम में प्रौद्योगिकी के लिए प्रमुख प्रावधान'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

24 मार्च, 2023 को बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, हरियाणा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित।

31 मार्च, 2023 को लेडी श्री राम कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: विषयवस्तु और परिप्रेक्ष्य पर आईसीएसएसआर–प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता के रूप में आमंत्रित।

महत्वपूर्ण परामर्शी और सलाहकारी सेवाएं

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू), हैदराबाद द्वारा गठित ऑनलाइन शिक्षण केन्द्र की सलाहकार समिति के सदस्य।

उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला के लिए तकनीकी वास्तुकला और मानकों पर कार्य समूह के सदस्य।

स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला के लिए तकनीकी वास्तुकला और मानकों पर कार्य समूह के सदस्य।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा गठित ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा समिति (ओडीएलसी) के सदस्य।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), सोनीपत, हरियाणा के प्रबंधकारिणी समिति सदस्य।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के ई–लर्निंग विशेष केंद्र की मुख्य समिति के सदस्य।

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग (इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय), एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा के अध्ययन बोर्ड (बीओएस) के सदस्य।

स्कूली शिक्षा और साक्षरता के लिए राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (एनडीईएआर–एसई एंड एल) के लिए तकनीकी वास्तुकला और मानकों पर कार्य समूह के सदस्य।

अनुसंधान नवाचार और गुणवत्ता सुधार परियोजना के सदस्य ''वैश्विक ज्ञान पूल के उचित उपयोग और अपनाने के लिए अनुकूलन योग्य एलएमएस: ई–लर्निंग के आकस्मिक सिद्धांत का अनुकूलन'' पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरयूएसए 2.0 के अन्तर्गत मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान को सम्मानित किया गया।

सलाहकार (बाह्य), विश्वविद्यालय स्वयम बोर्ड, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखंड।

लेडी डॉक कॉलेज, मदुरै, तमिलनाडु के अकादमिक परिषद के सदस्य।

एनसीईआरटी स्वयम मूक्स और यूजीसी स्वयम मूक के लिए शैक्षणिक सलाहकार परिषद (एएसी) के सदस्य।

एमएचआरडी, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, गांधीग्राम के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएनएमटीटी) की योजना के तहत स्कूल ऑफ एजुकेशन (एसओई) के सलाहकार समिति के सदस्य।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (एनआरसी), यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुरकलां, हरियाणा की अकादमिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

पुड्डुचेरी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (फ्रेंच), यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) की अकादमिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (गणित), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारंगल की अकादमिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, यूजीसी–मानव संसाधन केंद्र (एचआरडीसी) की अकादमिक सलाहकार परिषद के सदस्य।

रांची विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, यूजीसी–एचआरडीसी की अकादमिक सलाहकार परिषद के सदस्य।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी), गया की अकादमिक सलाहकार परिषद के सदस्य।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (गृह विज्ञान), जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू–कश्मीर की अकादमिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

स्कूल ऑफ एजुकेशन बोर्ड (एसओई), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के सदस्य।

सार्वजनिक निकायों को अकादमिक सहायता

20 जून, 2022 को राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (एनडीईएआर) स्कूल शिक्षा सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी।

30 जून, 2022 को राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (एनडीईएआर) स्कूल शिक्षा सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी।

7 जुलाई,2022 को एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा की अध्ययन बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

3 अगस्त, 2022 को चैतन्य भारती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीबीआईटी), हैदराबाद की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी।

13 सितंबर, 2022 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली (एनएलयूडी) के लिए मुक्त और दूरस्थ अधिगम माध्यम में ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भागीदारी।

16 सितंबर, 2022 को लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय लाइब्रेरी एपेक्स कमेटी के सदस्य के रूप में भागीदारी।

15 नवंबर,2022 को स्कूल ऑफ एजुकेशन, जीएनडीयू, अमृतसर की अध्ययन बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

26 दिसंबर, 2022 को ऑनलाइन मोड में आईआईआईटी सोनीपत के प्रबंधकारिणी समिति बैठक में भागीदारी।

बाहर व्याख्यान दिये

21–22 अप्रैल, 2022 को आईक्यूएसी पीआर राजकीय महाविद्यालय काकीनाडा द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा में प्रौद्योगिकी की भूमिका'' पर ऑफलाइन कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23 अप्रैल, 2022 को ऑनलाइन शिक्षण केन्द्र, डॉ.बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (डीआरबीआरएयू) की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित।

25 अप्रैल, 2022 को आईक्यूएसी एमवीआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, विशाखापत्तनम द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तनः अवसरों की खोज'' पर ऑफलाइन कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27 अप्रैल, 2022 को आईक्यूएसी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (स्वायत्त), राजमुंदरी द्वारा आयोजित ''एनईपी 2020: शिक्षण और अधिगम हेतु प्रभावी ऑनलाइन शिक्षण अनुभवों को डिजाइन करना'' पर ऑफलाइन कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

13 मई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी यूनिवर्सिटी ऑफ पांडिचेरी द्वारा ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की दक्षता निर्माण'' पर ऑनलाइन अल्पकालिक कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

19 मई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की दक्षता निर्माण'' पर ऑनलाइन अल्पकालिक कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

19 मई और 23 मई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी शिमला विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23 मई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा द्वारा ''मूक – सामग्री विकास'' पर ऑनलाइन अल्पकालिक कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27 मई, 2022 को जेसीडी स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, सिरसा, हरियाणा में ''बहुविषयक संस्थानों में ऑफलाइन और ऑनलाइन मिश्रित शिक्षण रणनीतियों के अभिनव युग की खोज'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित।

28 मई और 30 मई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा ''मॉड्यूल 4ः शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

31 मई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र द्वारा ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की दक्षता निर्माण'' पर एक ऑनलाइन अल्पकालिक कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

3 जून, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जेएनटीयू हैदराबाद द्वारा ''मॉड्यूल 4ः शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

4 जून, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा 'मॉड्यूल 4ः शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

4 जून, 2022 को शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ऑनलाइन ''जामिया स्कूल शिक्षकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए मिश्रित शिक्षण में क्षमता निर्माण'' के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

14 जून, 2022 को महर्षि पाणिनी संस्कृत और वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा के लिए शिक्षण प्रबंधन प्रणालियों (एलएमएस) का इस्तेमालः प्रभावी उपयोग पर ध्यान केंद्रित करना'' विषय पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20 जून, 2022 को कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, जीआईएमटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित ''मूडल (एक ओपन सोर्स लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम)'' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21–22 जून, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी कुमाऊं विश्वविद्यालय द्वारा ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की दक्षता निर्माण'' विषय पर ऑनलाइन आईसीटी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21–24 जून, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी पुडुचेरी विश्वविद्यालय द्वारा 'मॉड्यूल 4ः शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27–28 जून,2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4ः शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

29 जून,2022 को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी, एनआईटी वारंगल, वारंगल तेलंगाना द्वारा ''मॉड्यूल 4ः शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

1–2 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी असम यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी द्वारा ''मॉड्यूल 4ः शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

4 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की दक्षता निर्माण'' पर एक ऑनलाइन आईसीटी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

6 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा द्वारा ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की दक्षता निर्माण'' पर ऑफलाइन आईसीटी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

12 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी एनईएचयू, शिलांग द्वारा ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की दक्षता निर्माण'' पर ऑफलाइन आईसीटी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

यूजीसी–एचआरडीसी पीटीएसयू, रायपुर द्वारा 12–14 जुलाई, 2022 को ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

15–16 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जीजीवी, बिलासपुर द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

22 जुलाई, 2022 को आंध्र प्रदेश कॉलेज शिक्षा आयुक्त, विजयवाड़ा द्वारा आई–जेनरेशन के शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

यूजीसी–एचआरडीसी जीएनडीयू, अमृतसर द्वारा आई–जेनरेशन के शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

25 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

29 जुलाई, 2022 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में और गुरु अंगद देव शिक्षण अधिगम केन्द्र (जीएडी–टीएलसी), श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से पी. एन. दोशी महिला कॉलेज, घाटकोपर, मुंबई (एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संबद्ध) पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएनएमटीटी) शिक्षा मंत्रालय की योजना के तहत ''21वीं सदी में शिक्षण–अधिगम डिजिटल कौशल'' एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम/प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

1–2 अगस्त, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी डीएवीवी विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा ''मूक और ई–सामग्री विकास पर एक ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया।

11–12 अगस्त, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जाधवपुर विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

11–12 अगस्त, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी रांची विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर एक ऑनलाइन गुरु–दक्ष संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

16 अगस्त, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी भारतीदासन विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

18–22 अगस्त, 2022 को गंडाधरमेहर विश्वविद्यालय, संभलपुर, ओडिशा द्वारा पांच दिवसीय ऑफलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23 अगस्त, 2022 को ई एंड आईसीटी अकादमिक, एनआईटी वारंगल, वारंगल द्वारा ''शिक्षण और अधिगम में आईसीटी का एकीकरण'' पर आयोजित ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

25–26 अगस्त, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी डीएवीवी विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा ''मूक और ई–सामग्री विकास'' पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

29 अगस्त, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी पुडुचेरी विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

2 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जेएनटीयू, हैदराबाद द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

2 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान द्वारा मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर मूक और ई–सामग्री विकास'' पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

7 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

9 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21–24 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

24–25 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी रांची विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

25–26 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी रांची विश्वविद्यालय द्वारा ''मूक और ई–सामग्री विकास पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27 सितंबर, 2022 को ''शिक्षण और अधिगम में आईसीटी का एकीकरण'' पर आंध्र प्रदेश कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

28 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा द्वारा ''मिश्रित शिक्षण और अधिगम में शिक्षकों की दक्षता निर्माण'' पर ऑफलाइन आईसीटी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21–24 सितंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

25–26 अक्टूबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा ''मूक और ई–सामग्री विकास पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27 अक्टूबर, 2022 को मेडिकल कॉलेज, मोहाली द्वारा ''शिक्षण और अधिगम में मूडल ई–सामग्री प्रबंधन प्रणाली का एकीकरण'' पर आयोजित ऑनलाइन वार्ता के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27–28 अक्टूबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी डीएवीवी विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा ''मूक और ई–सामग्री विकास पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

2 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जेएनटीयू, हैदराबाद द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

4–5 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

7 नवंबर, 2022 को मध्य प्रदेश भोज विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित ''अधिगम प्रबंधन प्रणाली: लचीले अधिगम की ओर कदम'' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए मुख्य अतिथि और आमंत्रित वक्ता।

8 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

11 नवंबर, 2022 को आईक्यूएसी बेनेट विश्वविद्यालय द्वारा ''मूक पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन: चरण–दर–चरण व्यावहारिक दृष्टिकोण'' पर ऑफलाइन एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

13 नवंबर, 2022 को आईक्यूएसी ईश्वर सरन कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 'मूक पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन: चरण–दर–चरण व्यावहारिक दृष्टिकोण'' पर ऑफलाइन पूर्ण एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

15 और 17 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21, 25 और 26 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21, 25 और 26 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, गुवाहाटी द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

21 और 23 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, एएमयू, अलीगढ़ द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

29 और 30 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, औरंगाबाद द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

2–3 दिसंबर, 2022 को आईक्यूएसी जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा 'मूक पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन: चरण–दर–चरण व्यावहारिक दृष्टिकोण'' पर ऑफलाइन पूर्ण एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

5 दिसंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जेएनटीयू, हैदराबाद द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

6 दिसंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी जेएनयू द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

7–8 दिसंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी डीएवीवी, इंदौर द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

9 दिसंबर, 2022 को आईक्यूएसी एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा 'मूक पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन: चरण–दर–चरण व्यावहारिक दृष्टिकोण'' पर ऑफलाइन एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

यूजीसी–एचआरडीसी कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा 19–20 दिसंबर, 2022 को ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

22–23 दिसंबर, 2022 को एमएस कृष्णा कॉलेज (स्वायत्त), विशाखापत्तनम द्वारा ''मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन'' पर ऑफलाइन संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

26 दिसंबर, 2022 को पीआर गवर्नमेंट कॉलेज कॉलेज (स्वायत्त), काकीनाडा द्वारा ''मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन'' पर ऑफलाइन संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

28 दिसंबर, 2022 को आन्ध्र प्रदेश, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई), विजयवाड़ा द्वारा ''अधिगम प्रबंधन प्रणाली के उपयोग से मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन करना'' पर एक ऑफलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

2 जनवरी, 2023 को पेरियार मनियाम्मई इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु द्वारा ऑनलाइन एफआईपी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

9–10 जनवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी आरडीवीवी, जबलपुर द्वारा ''मूक और ई–सामग्री विकास'' पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

12–13 जनवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

19–20 जनवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी एनईएचयू, शिलांग द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20 जनवरी, 2023 को स्ट्राइड, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा ''अभिनव पीढ़ी के शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

6 और 9 फरवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20 फरवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा ''मिश्रित शिक्षण अधिगम में शिक्षकों की क्षमताओं का निर्माण'' पर एक ऑनलाइन आईसीटी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23–25 फरवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

1–2 मार्च, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, बीएचयू, वाराणसी द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

3 मार्च, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, सागर विश्वविद्यालय द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

6–7 मार्च, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, आरडीवीवी, जबलपुर द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

9–10 मार्च, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

11–12 मार्च, 2023 को जम्मू विश्वविद्यालय में एलएमएस/एमओओसी कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

15–17 मार्च, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा ''मिश्रित शिक्षण–अधिगम में शिक्षकों की क्षमताओं का निर्माण'' पर एक ऑनलाइन आईसीटी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27–28 मार्च, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा ''मॉड्यूल 4: शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रथम पीढ़ी की प्रौद्योगिकी'' पर ऑनलाइन गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संचालित/आयोजित

4–8 अप्रैल, 2022 तक ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्क्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड)

9–13 मई, 2022 तक ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड)

6–10 जून, 2022 तक ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड)

19–23 सितंबर, 2022 तक शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोग पर संकाय विकास कार्यक्रम (सहयोग कार्यक्रम) (ऑनलाइन मोड)

12–16 दिसंबर, 2022 तक सिक्किम सेंट्रल यूनिवर्सिटी, गंगटोक में ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड)

30 जनवरी– 3 फरवरी, 2022 तक राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, विकास और संचालन पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड)

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित एवं संचालित

1 अप्रैल, 2022 को दूरस्थ शिक्षा कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के एनईपी 2020 संकाय विकास कार्यक्रम के लिए एक वीडियो व्याख्यान विकसित किया।

मिश्रित शिक्षण वातावरण की सुविधा के लिए लाइव वेब पोर्टल http://profksrinivas.in विकसित किया।

परिशिष्ट

परिशिष्ट–I

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2023 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली (06 दिसंबर, 2022 तक)

   प्रो. सुधांशु भूषण
   कुलपति (प्रभारी)
   नीपा, नई दिल्ली (07 दिसंबर, 2022 से)

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3–5. **कुलाधिपति, द्वारा मनोनीत तीन प्रख्यात शिक्षाविद्**

3. प्रो. कपिल कपूर — सदस्य
   पूर्व सम–कुलपति, जेएनयू
   बी–2/332 एकता गार्डन,
   9–आई.पी. एक्सटेंसन, मदर डेयरी मार्ग,
   दिल्ली–110092

4. प्रो. डी.एस. चौहान — सदस्य
   कुलपति
   जीएलए विश्वविद्यालय, 17 केएम स्टोन,
   एन एच–2, मथुरा–दिल्ली रोड,
   पो.औ. चौमुहान, मथुरा–281406
   उत्तर प्रदेश

5. प्रो. पी. दुराइसामी — सदस्य
   पूर्व कुलपति, मद्रास विश्वविद्यालय
   न्यू नं. 3, पुराना नं. 2/1, थर्ड स्ट्रीट
   नेहरू नगर, अडयार
   चेन्नई–600020

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती

6. सुश्री नीता प्रसाद — सदस्य
   संयुक्त सचिव (आईसीसी/पी)
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   शिक्षा मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

7–8 संस्थान के दो संकाय सदस्यः एक प्रोफेसर और एक सह–प्रोफेसर

7. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
प्रोफेसर और अध्यक्ष,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

8. डा. संगीता अंगोम — सदस्य
सह–प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग,
नीपा, नई दिल्ली

9–11 शिक्षा मंत्रालय द्वारा मनोनीत तीन प्रख्यात शिक्षाविद

9. प्रो. बद्रीनारायण तिवारी — सदस्य
अध्यक्ष एवं निदेशक
जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान
झूसी, प्रयागराज–211019
उत्तर प्रदेश

10. प्रो. पी.एस राणा — सदस्य
प्रोफेसर (अध्यक्ष) अर्थशास्त्र
हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय
गढ़वाल, श्रीनगर–246147
उत्तराखंड

11. प्रो. शैलेन्द्र कुमार पोखरियाल — सदस्य
सलाहकार
ग्लोबल यूनिवर्सिटी सिस्टम इंडिया प्रा.लि.
गुरुग्राम (हरियाणा)
पूर्व प्रोफेसर,
पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय
देहरादून, उत्तराखंड

कुलसचिव, नीपा

12. डा. संदीप चटर्जी — पदेन सचिव
कुलसचिव
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट–II

वित्त समिति के सदस्य

(31 मार्च, 2023 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली (06 दिसंबर, 2022 तक)

   प्रो. सुधांशु भूषण
   कुलपति (प्रभारी)
   नीपा, नई दिल्ली (07 दिसंबर, 2022 से)

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि

3. सुश्री दर्शना मोमाया डबराल — सदस्य
   जे.एस. और एफ.ए.
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   शिक्षा मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली (09 सितंबर, 2022 तक)

4. सुश्री लीना जौहरी
   ए.एस. और एफ.ए.
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   शिक्षा मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली (10 सितंबर, 2022 से)

5–6 **प्रबंधन बोर्ड के नामित दो सदस्य**

5. प्रो. बद्रीनारायण तिवारी — सदस्य
   अध्यक्ष एवं निदेशक
   जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान,
   झूसी, प्रयागराज–211019
   (उत्तर प्रदेश)

6. प्रो. पी.एस राणा — सदस्य
   प्रोफेसर (अध्यक्ष) अर्थशास्त्र
   हेमवती नन्दन बहुगुणा, गढ़वाल विश्वविद्यालय
   गढ़वाल, श्रीनगर–246147
   उत्तराखंड

7. श्री निशान्त सिन्हा — पदेन सचिव
   वित्त अधिकारी
   नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-III

अकादमिक परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2023 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली (06 दिसंबर, 2022 तक)

   प्रो. सुधांशु भूषण
   कुलपति (प्रभारी)
   नीपा, नई दिल्ली (07 दिसंबर, 2022 से)

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3 से 11 सभी विभागों के विभागाध्यक्ष

3. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   प्रोफेस एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. प्रणति पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
   स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. बी.के. पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

10. प्रो. रश्मि दीवान सदस्य
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
नीपा, नई दिल्ली (28 फरवरी, 2023 से)

11. प्रो. के. श्रीनिवास सदस्य
प्रोफेसर,
आईसीटी एवं अध्यक्ष, पीएमयू
नीपा, नई दिल्ली

12 से 20 सभी प्रोफेसर

12. प्रो. वीरा गुप्ता सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

13. प्रो. पी. गीता रानी सदस्य
प्रोफेसर (21 जनवरी, 2021 से प्रतिनियुक्ति पर)
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

14. प्रो. विनीता सिरोही सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

15. प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय सदस्य
प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

16. प्रो. आरती श्रीवास्तव सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

17. प्रो. रस्मिता दास स्वाँई सदस्य
प्रोफेसर
स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
नीपा, नई दिल्ली

18. प्रो. मनीषा प्रियम सदस्य
प्रोफेसर,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

19. प्रो. नीरू स्नेही सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

20. प्रो. सुनीता चुग सदस्य
प्रोफेसर
राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
नीपा, नई दिल्ली

21 से 23 संस्थान से बाहर के तीन प्रख्यात विशेषज्ञ

21. प्रो. एच. रामचंद्रन सदस्य
राष्ट्रीय अध्येता, आईसीएसएसआर
नई दिल्ली

22. प्रो. पूनम बत्रा सदस्य
केंद्रीय शिक्षा संस्थान,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली

23. प्रो. एस. मधेश्वरन सदस्य
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
आर्थिक अध्ययन और नीति केंद्र,
सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान,
बैंगलुरू

24 से 25 कुलपति द्वारा मनोनीत दो सह प्रोफेसर

24. डॉ. संगीता अंगोम — सदस्य
सह–प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली।

25. डॉ. सांत्वना जी. मिश्रा — सदस्य
सह–प्रोफेसर
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

26 से 27 कुलपति द्वारा मनोनीत दो सहायक प्रोफेसर

26. डॉ. कश्यपी अवस्थी — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

27. डॉ. वी. सुचरिता — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

28 से 30 तीन व्यक्तियों को उनके विशिष्ट ज्ञान के लिए चयनित

28. प्रो. सुदर्शन अयंगर — सदस्य
प्लॉट नंबर 3, आर्क कैंपस
नगरिया, ओजरपाड़ा रोड
धरमपुर – 396050
जिला वलसाड, गुजरात

29. प्रो. अतुल शर्मा — सदस्य
अध्यक्ष, ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी
264, रामा अपार्टमेंट, सेक्टर–11,
पॉकेट 2, द्वारका,
नई दिल्ली – 110075

30. प्रो. गीता बी. नंबिसन — सदस्य
जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विभाग
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

परीक्षा नियंत्रक

31. प्रो. ए.के. सिंह — स्थायी आमंत्रित
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

कुलसचिव, नीपा

32. डॉ. संदीप चटर्जी — पदेन सचिव
कुलसचिव,
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-IV

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2023 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली (06 दिसंबर, 2022 तक)

   प्रो. सुधांशु भूषण
   कुलपति (प्रभारी)
   नीपा, नई दिल्ली (07 दिसंबर, 2022 से)

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3 से 20 विभागाध्यक्ष और संकाय/विभाग के सभी प्रोफेसर

3. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. प्रणति पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
   स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. बी.के. पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

10. प्रो. रश्मि दीवान — सदस्य
    प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
    राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
    नीपा, नई दिल्ली (28 फरवरी 2023 तक)

11. प्रो. के. श्रीनिवास — सदस्य
    प्रोफेसर, आईसीटी एवं अध्यक्ष, पीएमयू
    नीपा, नई दिल्ली

12. प्रो. वीरा गुप्ता — सदस्य
    प्रोफेसर, शैक्षिक नीति विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

13. प्रो. पी. गीता रानी (प्रतिनियुक्ति पर) सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

14. प्रो. विनीता सिरोही सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

15. प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय सदस्य
प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

16. प्रो. आरती श्रीवास्तव सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

17. प्रो. रस्मिता दास स्वाँई सदस्य
प्रोफेसर
स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
नीपा, नई दिल्ली

18. प्रो. मनीषा प्रियम सदस्य
प्रोफेसर,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

19. प्रो. नीरू स्नेही सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

20. प्रो. सुनीता चुग सदस्य
प्रोफेसर
राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
नीपा, नई दिल्ली

कुलपति द्वारा मनोनीत दो सह प्रोफेसर

21. डॉ. संगीता अंगोम सदस्य
सह–प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

22. डॉ. सांत्वना जी. मिश्रा सदस्य
सह–प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

कुलपति द्वारा मनोनीत दो सहायक प्रोफेसर

23. डॉ. कश्यपी अवस्थी सदस्य
सहायक प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

24. डॉ. वी. सुचरिता सदस्य
सहायक प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

25 से 26 दो सदस्यों को उनके विशिष्ट ज्ञान के लिए चयनित

25. प्रो. संतोष पंडा सदस्य
कर्मचारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)
नई दिल्ली–110068

26. प्रो. जानकी राजन सदस्य
सेवानिवृत्त प्रोफेसर
जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर
नई दिल्ली – 110025 (25.01.2022 तक)

प्रो. मालती दुरईसामी सदस्य
सेवानिवृत्त प्रोफेसर (अर्थशास्त्र)
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
चेन्नई–600 036 (09 सितंबर, 2022 से)

परीक्षा नियंत्रक

27. प्रो. ए.के. सिंह स्थायी आमंत्रित
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट–V

योजना और निरीक्षण बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2023 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली (06 दिसंबर, 2022 तक)

   प्रो. सुधांशु भूषण
   कुलपति (प्रभारी)
   नीपा, नई दिल्ली (07 दिसंबर, 2022 से)

2 से 8 सभी विभागों के विभागाध्यक्ष

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. प्रणति पांडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
   स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. बी.के. पंडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

9 से 11 संस्थान के बाहर के तीन प्रख्यात विशेषज्ञ

9. प्रो. जी.डी. शर्मा — सदस्य
   अध्यक्ष
   शिक्षा और आर्थिक विकास समिति
   नई दिल्ली
   ईमेल: ganeshdatts@gmail.com

10. प्रो. मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी — सदस्य
    प्रोफ़ेसर
    उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान,
    शिक्षा विभाग
    जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
    ईमेल: mohdakhtar.siddiqui@gmail.com

11. प्रो. नमिता रंगनाथन — सदस्य
    प्रोफ़ेसर
    शिक्षा विभाग, सीआईई
    दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
    ईमेल: namita.ranganathan@gmail.com

कुलसचिव, नीपा

12. डॉ. संदीप चटर्जी — सचिव
    कुलसचिव
    नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट–VI

संकाय और प्रशासनिक स्टाफ

(31 मार्च, 2023 के अनुसार)

कुलपति

प्रो. एन.वी. वर्गीज अध्यक्ष
नीपा, नई दिल्ली (06 दिसंबर, 2022 तक)

प्रो. सुधांशु भूषण
कुलपति (प्रभारी)
नीपा, नई दिल्ली (07 दिसंबर, 2022 से)

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
पी. गीता रानी, प्रोफेसर (प्रति नियुक्ति पर)
सांत्वना जी. मिश्रा, सह–प्रोफेसर
एन.के. मोहंती, सहायक प्रोफेसर
सुमन नेगी, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशासन विभाग

कुमार सुरेश, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
विनीता सिरोही, प्रोफेसर
अन्शू श्रीवास्तव, सह–प्रोफेसर
वी. सुचरिता, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वेटुकुरी पी.एस. राजू, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वीरा गुप्ता, प्रोफेसर
मनीषा प्रियम, प्रोफेसर
एस.के. मलिक, सहायक प्रोफेसर

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
रश्मि दिवान, प्रोफेसर (28 फरवरी, 2023 को सेवानिवृत्त)
मधुमिता बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर
सुनीता चुग, प्रोफेसर
अमित गौतम, सह–प्रोफेसर
ए.एन. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर
कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
आरती श्रीवास्तव, प्रोफेसर
नीरू स्नेही, प्रोफेसर
संगीता अंगोम, सह–प्रोफेसर

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसयिक विकास विभाग

बी.के. पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मोना सेदवाल, सहायक प्रोफेसर

कंप्यूटर केंद्र

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
(28 फरवरी, 2023 को सेवानिवृत्त)
अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (1 मार्च, 2023 से)
सुनीता चुग, प्रोफेसर
कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर
सुभिथा जी.वी., सहायक प्रोफेसर
चारू स्मिता मलिक, सहायक प्रोफेसर
शदमा अबसार, सहायक प्रोफेसर
पूजा सिंघल, सहायक प्रोफेसर

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

प्रदीप कुमार मिश्र, प्रोफेसर एवं निदेशक
निधि सदाना सभरवाल, सह–प्रोफेसर
अनुपम पचौरी, सहायक प्रोफेसर
गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर
जिनुशा पाणिग्रही, सहायक प्रोफेसर

स्कूल मानक एवं मूल्याकन एकक

प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
रस्मिता दास स्वाँई, प्रोफेसर
ए.एन. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर

परियोजना प्रबंधन एकक

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

प्रशासनिक और अकादमिक सहयोग

कुलसचिव
डॉ. संदीप चटर्जी

सामान्य और कार्मिक प्रशासन

डी.एस. ठाकुर, प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)
चन्द्र प्रकाश, अनुभाग अधिकारी (सा.प्र.)
सुचित्रा भटनागर, (प्रभारी – कार्मिक प्रशासन)

अकादमिक प्रशासन

भारत भूषण जैन, (प्रभारी – अकादमिक प्रशासन)

वित्त एवं लेखा

निशांत सिन्हा, वित्त अधिकारी
कमल कुमार गुप्ता (प्रभारी – वित्त एवं लेखा)

प्रशिक्षण कक्ष

सोनम आनन्द सागर, (प्रभारी – प्रशिक्षण कक्ष)

प्रकाशन एकक

अमित सिंघल, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष

रवि प्रकाश सिंह, हिन्दी संपादक
मनोज गौड़, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र

पूजा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्षा
डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी

कंप्यूटर केंद्र

के. श्रीनिवास, अध्यक्ष,
चन्द्र कुमार एम.जे., सिस्टम एनालिस्ट

छात्र प्रकोष्ठ

डी.एस. ठाकुर, प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)
सोनम आनन्द सागर, (प्रभारी – छात्र प्रकोष्ठ)

छात्रावास

वी.पी.एस. राजू, हॉस्टल वार्डन
कश्यपी अवस्थी, सहायक हॉस्टल वार्डन,

वार्षिक लेखा
2022-23

VII

तुलन पत्र

31 मार्च 2023 तक

(राशि ₹ में)

निधि के स्रोत/देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
पूंजीकृत निधि	1	(1,22,89,77,280)	(1,04,10,83,634)
मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान	3	1,81,23,44,776	1,47,90,01,796
योग		**58,33,67,496**	**43,79,18,161**
स्थायी परिसंपत्तियां	4	27,59,51,846	19,94,44,130
अचल संपत्तियां – योजना		26,94,08,827	19,00,36,615
अचल संपत्तियां – योजनेत्तर		-	-
अचल संपत्तियां – अमूर्त आस्तियाँ		56,38,217	82,25,981
अचल संपत्तियां – पेटेंट और कॉपीराइट्स		-	-
अचल संपत्तियां – अन्य (प्रायोजित परियोजनाएं)		9,04,802	11,81,534
चालू परिसंपत्तियां	7	21,44,57,845	15,17,69,072
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशियां	8	9,29,57,805	8,67,04,960
योग		**58,33,67,496**	**43,79,18,161**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	24		

ह./–	ह./–	ह./–
(निशांत सिन्हा)	**(संदीप चटर्जी)**	**(शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

आय और व्यय लेखा
31 मार्च 2023 तक

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ. आय			
अकादमिक प्राप्तियां	9	12,12,801	6,16,981
अनुदान/सहायता अनुदान	10	39,76,72,157	33,33,96,918
अर्जित ब्याज	12	49,53,631	1,51,775
अन्य आय	13	54,10,213	18,53,139
पूर्वावधि आय	14	1,56,77,226	-
योग (अ)		42,49,26,028	33,60,18,813
ब. व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	15	42,56,62,093	1,09,00,96,560
अकादमिक व्यय	16	7,12,37,730	7,33,24,146
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	3,55,82,682	2,88,73,482
परिवहन व्यय	18	12,82,572	8,95,789
मरम्मत एवं रखरखाव	19	7,53,74,874	2,35,12,756
मूल्यह्रास	4	1,82,55,988	1,55,12,123
पूर्वावधि व्यय	22	1,54,76,866	-
योग (ब)		**64,28,72,805**	**1,23,22,14,856**
पूंजी निधि में हो रहे अधिशेष/(घाटा)		**(21,79,46,777)**	**(89,61,96,042)**

ह./–	ह./–	ह./–
(निशांत सिन्हा)	**(संदीप चटर्जी)**	**(शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

अनुसूची 1 से 5

31 मार्च 2023 के अनुसार तुलन पत्र

अनुसूची 1

कोष/पूँजी निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(1,04,10,83,634)	(15,90,92,631)
जोड़करः कोष/पूंजीगत निधि में योगदान	9,33,42,038	1,34,91,820
जोड़करः उपहार/दान में प्राप्त आस्तियां	(473)	32,703
जोड़करः असमायोजित शेष आगे बढ़ाया गया	(6,32,88,434)	-
जोड़करः प्रयोजित परियोजना निधि से खरीदी गई आस्तियां	-	5,91,000
जोड़करः मूल्यह्रास दर में त्रुटि के लिए विगत वर्ष का समायोजन	-	89,516
जोड़करः आय और व्यय खाते से स्थानांतरित व्यय से अधिक आय	-	-
योग	**(1,01,10,30,503)**	**(14,48,87,592)**
घटाकरः आय और व्यय खाते से स्थांतरित घाटा	21,79,46,777	89,61,96,042
वर्ष के अंत में शेष	**(1,22,89,77,280)**	**(1,04,10,83,634)**

अनुसूची 2

नामित निर्धारित/बंदोबस्ती निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
शून्य	-	-
योग	-	-

अनुसूची 3

वर्तमान देनदारियां और प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
अ. वर्तमान देनदारियां		
प्रतिभूति जमा	10,31,973	9,35,973
पत्रिकाओं की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	65,425	57,870
बकाया देयता	32,90,260	-10,662
स्थापना व्यय देय	1,53,10,984	-
मा.सं.वि.मं. को देय ब्याज/विशिष्ट परियोजना अनुदान	20,14,418	-
प्रायोजित परियोजना की प्राप्तियां (निवल व्यय)	10,90,03,847	9,85,69,778
अग्रिम में प्राप्त आय (वर्ष 2022–23 का अप्रयुक्त अनुदान)	9,24,48,876	17,37,637
योग (अ)	**22,31,65,783**	**10,12,90,597**
ब. प्रावधान		
पेंशन	1,32,98,93,385	1,19,63,06,197
उपदान	8,71,37,861	7,43,37,675
अवकाश नकदीकरण	9,00,65,719	8,46,26,950
व्यय के लिए प्रावधान	8,20,82,028	2,24,40,377
योग (ब)	**1,58,91,78,993**	**1,37,77,11,199**
योग (अ+ब)	**1,81,23,44,776**	**1,47,90,01,796**

अनुसूची 3(अ)

प्रायोजित परियोजना

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक जमा		वर्ष के दौरान अनुदान प्राप्ति	वर्ष के दौरान अन्य प्राप्तियां	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	जमा शेष	
		निकासी	जमा					निकासी	जमा
1	2	3	4	5		6	7	8	9
1	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)	-	92,32,915		35,836	92,68,751	5,04,515	-	87,64,236
2	डाईस की स्थापना और संचालन (यूनीसेफ़) डा. के. बिस्वाल	-	6,98,946			6,98,946		-	6,98,946
3	14 राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के संदर्भ में स्कूल प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण में ग्रा.शि.स./डी.टी.ए./एस. एम.डी.सी./स्थानीय नगरीय निकायों की भूमिका का अध्ययन, एडसिल (प्रो. ए.के. सिंह)	-	5,63,371			5,63,371		-	5,63,371
4	बुरूण्डी, (दक्षिण अफ्रीका) में भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान	-	-		-	-	-	-	-
5	सर्व शिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय)	-	1,07,294			1,07,294		-	1,07,294
6	माध्यमिक शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली (सेमिस) मा. सं.वि.मं. (प्रो. ए.सी. मेहता)	-	5,03,573			5,03,573		-	5,03,573
7	प्रशासनिक उपरिव्यय प्रभार/बचत खाता पर ब्याज	-	3,25,22,843	-	5,04,126	3,30,26,969	86,40,369	-	2,43,86,600
8	समग्र शिक्षा	-	1,09,86,514	3,26,92,394	-	4,36,78,908	1,91,91,764	-	2,44,87,144
9	नीति अनुसंधान केन्द्र (यूजीसी) (प्रो. एन.वी वर्गीज)	-	-0			-0	-0	-	-
10	विविधता, भेदभाव और असमानता से निपटना (डॉ. निधि सदाना –सीपीआरएचई) केंद्रीय योजना कार्यक्रम	-	20,05,865			20,05,865	40,000	-	19,65,865
11	श्रीलंका कार्यक्रम (एसएमआईए जैदी)	-	7,79,234			7,79,234		-	7,79,234
12	आरएमएसए के अन्तर्गत विद्यालय मानक	-	4,46,564			4,46,564		-	4,46,564

13	वरिष्ठ अध्येतावृत्ति – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)	-	47,333			47,333		-	47,333
14	राज्य राजनीतिक अध्ययन – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)	-	37,500	-		37,500		-	37,500
15	पंडित मदन मोहन मालवीय	-	2,35,94,755			2,35,94,755		-	2,35,94,755
16	आईईपीए (विदेश मंत्रालय)	-	8,03,906		-	8,03,906		-	8,03,906
17	आईआईईपी – यूनेस्को (डॉ. सुजाता)	-	41,54,053			41,54,053		-	41,54,053
18	राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र (पीएमएमएमटी)	14,58,107	-			-14,58,107	-	14,58,107	-
19	आईपीईए – म्यांमार	-	10,30,341		-	10,30,341		-	10,30,341
20	लीप प्रोग्राम	-	9,13,687		23,600	9,37,287		-	9,37,287
21	योजना और लचीला अधिगम – गरिमा मलिक	-	0			0	0	-	-
22	शिक्षा प्रशिक्षण में मुक्त सरकार – सुनीता चुग	-	0			0	0	-	-
23	उच्च शिक्षा में ईएसपीआई असमानता – जिनुशा पाणिग्रही	-	1			1	1	-	-
24	स्कूल मानक शिक्षा ईएफसी (प्रो. प्रणति पंडा)	-	86,63,305			86,63,305		-	86,63,305
25	शिक्षाशास्त्रीय एन.वी.एस (एन. मैथिली)	-	12,249	-	14,351	26,600	-	-	26,600
26	संस्थागत योजना और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (विदेश मंत्रालय)	-	5,04,000	7,56,000		12,60,000		-	12,60,000
27	शैक्षिक नीति के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (कंबोडिया)		2,52,000	-		2,52,000			2,52,000
28	स्थितिजन्य विश्लेषण प्राप्तियां		2,09,529	-		2,09,529	2,09,529		-
29	प्रतिष्ठित संस्थान	10,000		2,91,672		2,81,672	2,81,672	-	-
30	प्रौद्योगिकी में समानता को बढ़ावा देना – आईसीएसएसआर		5,00,000	-		5,00,000	2,10,833		2,89,167
31	वैश्विक शिक्षक शिक्षा नीतियां और व्यवहार			23,21,901		23,21,901	11,77,868		11,44,033
32	आन्ध्र प्रदेश के कॉलेज प्राचार्य	-	-	25,00,000	-	25,00,000	13,38,498	-	11,61,502
33	भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच का विस्तार करना			25,21,853	-	25,21,853	2,52,185		22,69,668
34	शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी तक लैंगिक और पहुँच			1,98,740	-	1,98,740	19,874		1,78,866
35	बढ़ती माँग – मेलबोर्न			5,65,704	-	5,65,704	1,15,001		4,50,703
	योग	**14,68,107**	**9,85,69,778**	**4,18,48,270**	**5,77,913**	**13,95,27,848**	**3,19,82,109**	**14,58,107**	**10,90,03,847**

अनुसूची 3(ब)

प्रायोजित अध्येतावृत्तियां एवं छात्रवृत्तियां

(राशि ₹ में)

विवरण	01.04.2022 को चालू	वर्ष के दौरान लेन–देन	31.03.2023 को समाप्त
शून्य			
योग	-	-	-

अनुसूची 3 (स)

शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुपयुक्त अनुदान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022—23)	विगत वर्ष (2021—22)
अ. योजना अनुदान मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रानीत	17,37,637	4,99,68,375
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	51,84,37,000	29,86,58,000
जमाः पिछले वर्षों का अनुप्रयुक्त अनुदान पुनः बहाल	6,32,88,434	
योग (अ)	**58,34,63,071**	**34,86,26,375**
घटाकरः राजस्व व्यय के लिए उपयोग	39,76,72,157	33,33,96,918
घटाकरः पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	9,33,42,038	1,34,91,820
योग (ब)	**49,10,14,195**	**34,68,88,738**
अनप्रयुक्त अग्रानीत (अ—ब)	**9,24,48,876**	**17,37,637**
ब. अनुदान योजनेतर मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रानीत	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	-	-
योग (स)	-	-
घटाकरः राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	-
घटाकरः पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	-	-
योग (द)	-	-
अनप्रयुक्त अग्रानीत (स—द)	-	-
महायोग (अ+ब)	**9,24,48,876**	**17,37,637**

अनुसूची 4

अचल संपत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष 2022–23 के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
			अथ शेष	परिवर्धन	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023
1	2	3	4	5	9	10	11	12	13	14	15
1	भूमि	0%	23,07,892	-	-	23,07,892	-	-	-	-	23,07,892
2	भवन	2%	11,21,71,256	-	-	11,21,71,256	22,43,425	-	-	22,43,425	10,99,27,831
3	कार्यालय उपकरण	7.50%	1,08,36,074	21,83,309	-	1,30,19,383	8,12,706	1,63,748	29,952	10,06,406	1,20,12,977
4	कम्प्यूटर और उपकरण	20%	1,79,40,189	1,65,478	-	1,81,05,667	35,88,037	33,096	10,37,584	46,58,717	1,34,46,950
5	फर्नीचर और फिक्सचर	7.50%	53,36,184	52,66,940	-	1,06,03,124	4,00,214	3,95,021	1,582	7,96,817	98,06,307
6	वाहन*	10%	20,03,649	7,25,045	-25,200	27,03,494	1,97,845	72,505	39,027	3,09,377	23,94,117
7	पुस्तकालय पुस्तकें	10%	66,57,748	24,620	-5,689	66,76,679	6,65,206	2,462	3,465	6,71,133	60,05,546
8	पत्रिकायें	10%	3,39,65,157	14,65,101	-	3,54,30,258	33,96,516	1,46,510	3,635	35,46,661	3,18,83,597
	योग (क)		**19,12,18,149**	**98,30,493**	**-30,889**	**20,10,17,753**	**1,13,03,949**	**8,13,342**	**11,15,245**	**1,32,32,536**	**18,77,85,217**
1	डब्ल्यू.आई.पी निर्माण	0%	-	8,25,28,412	-	8,25,28,412	-	-	-	-	8,25,28,412
	योग (ख)		-	**8,25,28,412**	-	**8,25,28,412**	-	-	-	-	**8,25,28,412**
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	40,07,590	-	-	40,07,590	16,03,036	-	4,89,118	20,92,154	19,15,436
2	ई–जर्नल	40%	42,18,391	24,35,688	-	66,54,079	16,87,356	9,74,275	2,69,667	29,31,298	37,22,781
	योग (ग)		**82,25,981**	**24,35,688**	-	**1,06,61,669**	**32,90,392**	**9,74,275**	**7,58,785**	**50,23,452**	**56,38,217**
	महायोग (क+ख+ग)		**19,94,44,130**	**9,47,94,593**	**-30,889**	**29,42,07,834**	**1,45,94,341**	**17,87,617**	**18,74,030**	**1,82,55,988**	**27,59,51,846**

अनुसूची 4 (अ)

अचल संपत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष 2022–23 के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
			अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.23
1	2	3	4	5	9	10	11	12	13	14	15
1	भूमि	0%	23,07,892	-	-	23,07,892	-	-	-	-	23,07,892
2	भवन	2%	11,21,71,256	-	-	11,21,71,256	22,43,425	-	-	22,43,425	10,99,27,831
3	कार्यालय उपकरण	7.50%	1,08,36,074	21,83,309	-	1,30,19,383	8,12,706	1,63,748	29,952	10,06,406	1,20,12,977
4	कम्प्यूटर और उपकरण	20%	1,70,16,192	1,65,478	-	1,71,81,670	34,03,238	33,096	9,64,966	44,01,300	1,27,80,370
5	फर्नीचर और फिक्सर	7.50%	50,78,647	52,66,940	-	1,03,45,587	3,80,899	3,95,021	1,582	7,77,502	95,68,085
6	वाहन*	10%	20,03,649	7,25,045	-25,200	27,03,494	1,97,845	72,505	39,027	3,09,377	23,94,117
7	पुस्तकालय पुस्तकें	10%	66,57,748	24,620	-5,689	66,76,679	6,65,206	2,462	3,465	6,71,133	60,05,546
8	पत्रिकायें	10%	3,39,65,157	14,65,101		3,54,30,258	33,96,516	1,46,510	3,635	35,46,661	3,18,83,597
	योग (I)		**19,00,36,615**	**98,30,493**	**-30,889**	**19,98,36,219**	**1,10,99,835**	**8,13,342**	**10,42,627**	**1,29,55,804**	**18,68,80,415**
1	भवन डब्ल्यूआईपी	0%	-	8,25,28,412	-	8,25,28,412	-	-	-	-	8,25,28,412
	योग (II)		**-**	**8,25,28,412**	**-**	**8,25,28,412**	**-**	**-**	**-**	**-**	**8,25,28,412**
	योग (अ=I+II)		**19,00,36,615**	**9,23,58,905**	**-30,889**	**28,23,64,631**	**1,10,99,835**	**8,13,342**	**10,42,627**	**1,29,55,804**	**26,94,08,827**

*वाहनों का कब्जा नीपा के पास है, हालांकि परिवहन विभाग के साथ पंजीकरण नीपा के अनुभाग अधिकारी के नाम पर है

अनुसूची 4 (ब)

अचल संपत्तियां – योजनेत्तर

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक					वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष 2022–23 के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
		मूल्यह्रास की दर	अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.23
1	2	3	4	5	9	10	11	12	13	14	15
	योग										

अनुसूची 4 (स)

अचल संपत्तियां – अमूर्त संपत्ति

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक					वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष 2022–23 के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
		मूल्यह्रास की दर	अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.23
1	2	3	4	5	9	10	11	12	13	14	15
1	पेटेंट एवं कॉपीराइट		-	-	-	-	-	-	-	-	-
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	40,07,590	-	-	40,07,590	16,03,036	-	4,89,118	20,92,154	19,15,436
3	ई–जर्नल	40%	42,18,391	24,35,688	-	66,54,079	16,87,356	9,74,275	2,69,667	29,31,298	37,22,781
	योग (स)		**82,25,981**	**24,35,688**	-	**1,06,61,669**	**32,90,392**	**9,74,275**	**7,58,785**	**50,23,452**	**56,38,217**

अनुसूची 4 (स)(i)

अचल संपत्तियां – पेटेंट्स और कॉपीराइट्स

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास: मूल्यह्रास अथ शेष	वर्ष 2022–23 के लिए मूल्यह्रास: परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन	कुल मूल्यह्रास	निवल ब्लॉक 31.03.23
1	2	3	4	5	9	10	11	12	13	14	15
1	पेटेंट एवं कॉपीराइट	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग (घ)										

अनुसूची 4 (द)

अचल संपत्तियां – अमूर्त संपत्ति

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास: मूल्यह्रास अथ शेष	वर्ष 2022–23 के लिए मूल्यह्रास: परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन	कुल मूल्यह्रास	निवल ब्लॉक 31.03.23
1	2	3	4	5	9	10	11	12	13	14	15
1	कंप्यूटर और बाहम उपकरण*	20%	9,23,997	-	-	9,23,997	1,84,799	-	72,618	2,57,417	6,66,580
2	फर्नीचर एवं फिक्सचर	7.5%	2,57,537	-	-	2,57,537	19,315	-	-	19,315	2,38,222
	योग (द)		**11,81,534**	-	-	**11,81,534**	**2,04,114**	-	**72,618**	**2,76,732**	**9,04,802**

*प्रायोजित परियोजनाओं में खरीदी गई संपत्ति का पूंजीकरण उसी दिन किया जाता है जिस दिन उन्हें खरीदा जाता है।

अनुसूची 5

निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
	शून्य		
	योग		

अनुसूची 6

निवेश अन्य

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
	शून्य		
	योग		

अनुसूची 7

चालू परिसम्पत्तियाँ

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
	1. स्टॉक		
1.	हस्तगत प्रकाशन	6,82,754	6,09,154
2.	वस्तुसूची	8,85,577	9,94,711
	2. नकदी एवं बैंक बचत		
1.	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) (चालू खाता)	43,94,490	31,261
2.	बैंक बचत (बचत खाता)	20,84,75,313	15,00,87,347
3.	हस्तगत डाक टिकट	19,710	46,599
	योग	**21,44,57,845**	**15,17,69,072**

बैंक खातों में शेष राशि

31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	बैंक खाते	चालू वर्ष 2022-23	विगत वर्ष (2021-22)
1	भारतीय स्टेट बैंक (10137881320)	6,63,88,738	2,62,64,051
2	केनरा बैंक (913920210001112)	24,71,159	606
3	केनरा बैंक (91392010001092)	11,68,03,200	5,00,000
4	केनरा बैंक (91392010001108)	2,26,95,409	14,203
5	केनरा बैंक (91392015365)	1,16,807	4,18,111
6	केनरा बैंक खाता सं. 25536	-	1,13,656
7	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702)	43,94,490	31,261
	योग	**21,28,69,803**	**2,73,41,888**

अनुसूची 8

ऋण, अग्रिम और जमा

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
	1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर–ब्याज)		
1.	त्यौहार अग्रिम	-	-
	2. कर्मचारियों को दीर्घावधि के लिए अग्रिम (ब्याज)		
1	मोटर कार	-	-
2	कम्प्यूटर अग्रिम	-	-
3	स्कूटर अग्रिम	-	-
	3. अग्रिम और नकद मूल्य या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अन्य राशियां		
1	पूंजीगत खाता पर	6,93,06,240	7,43,71,491
2	संकाय/स्टाफ के लिए विविध अग्रिम	13,46,694	20,000
3	चिकित्सा अग्रिम	72,000	3,87,000
4	एलटीसी अग्रिम	-	2,45,499
5	संकाय को यात्रा भत्ता अग्रिम	10,06,642	90,000
6	टीडीएस पुर्नप्राप्ति	62,25,639	-
7	कर्मचारियों से वसूली योग्य चिकित्सा बकाया	9,77,800	-
	4. पूर्व भुगतान व्यय		
1.	बीमा	27,309.0	24,564
2.	अन्य व्यय	8,46,222	-
	5. जमा		
1.	एल.पी. गैस	77,349	77,349
2.	जल मीटर	1,650	1,650
3.	विद्युत	17,500	17,500
4.	अन्य	14,83,800	1,800
5.	पेंशनभोगियों के सेवार्थ एस.बी.आई.	1,00,00,000	1,00,00,000
	6. प्रोद्भूत आय		
1	ऋण एवं अग्रिम	-	-
2	बैंक जमा पर	1,10,854	-
	7. अन्य – यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य वर्तमान परिसंपत्तियां		
1.	प्रायोजित परियोजनाएं में शेष नामे	14,58,107	14,68,107
	योग	**9,29,57,805**	**8,67,04,960**

अनुसूची 9

शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
	छात्रों से शुल्क		
	शैक्षणिक		
1.	छात्र शुल्क	10,24,545	3,39,745
	योग (अ)	10,24,545	3,39,745
	बिक्री		
1.	प्रकाशन बिक्री	1,06,351	1,23,820
2.	प्रास्पैक्टस की बिक्री	81,905	1,53,416
	योग (ब)	**1,88,256**	**2,77,236**
	महायोग (अ+ब)	**12,12,801**	**6,16,981**

अनुसूची 10

अनुदान/सहायता अनुदान (प्राप्त अचल अनुदान)

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
शेष अग्रानीत	17,37,637	4,99,68,375
जोड़करः वर्ष के दौरान प्राप्तियां	51,84,37,000	29,86,58,000
जोड़करः वर्ष के दौरान अन्य प्राप्तियां	-	-
योग	**52,01,74,637**	**34,86,26,375**
घटाकरः पूंजीगत व्यय के लिए प्रयोग (अ)	9,33,42,038	1,34,91,820
शेष	**42,68,32,599**	**33,51,34,555**
घटाकरः राजस्व व्यय के लिए प्रयोग (ब)	39,76,72,157	33,33,96,918
शेष स/फ (स)	**2,91,60,442**	**17,37,637**

अनुसूची 11

निवेश से आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	विगत वर्ष (2021-22)
	-शून्य-		
योग			

अनुसूची 12

अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
1.	**अनूसूचित बैंकों में बचत खातों पर**		
	केनरा बैंक खाता (91392010001112)	1,23,182	1,156
	अतिरिक्त प्रशासनिक निधि खाता (91392010001108)	1,36,089	1,26,751
	छात्रावास खाता (91392010005365)	11,542	11,908
	केनरा बैंक खाता (91392010001092)	43,32,100	-
	भारतीय स्टेट बैंक खाता (10137881320)	1,87,166	8,705
	केनरा बैंक खाता (1484101025536)	3,299	3,255
2	**पैनल ब्याज**		
	एलटीसी अग्रिम	19,762	-
3	**अन्य ब्याज**		
1	आयकर से वापस निधि	86,469	-
2	सुरक्षा जमा पर ब्याज	54,022	
	योग	**49,53,631**	**1,51,775**

अनुसूची 13

अन्य आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
	अ. भूमि एवं भवनों से आय		
1.	छात्रावास किराया	19,44,241	1,36,350
2.	लाईसेंस शुल्क	6,02,241	3,74,632
3.	जल प्रभार की वसूली	44,690	37,392
	योग (अ)	**25,91,172**	**5,48,374**
	ब. अन्य		
1	रॉयल्टी से आय	31,988	1,51,676
2	विविध प्राप्तियां	1,21,250	5,85,524
3	स्टाफ कार प्रयोग	-	-
4	विभिन्न परियोजनाओं से प्राप्त संस्थागत प्रभार	3,55,079	1,79,878
5	बेकार पड़ी वस्तुओं की बिक्री	-	69,262
6	निविदा फार्म की बिक्री	-	2,000
7	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रवेश शुल्क	51,300	38,700
8	किराया, दरें और कर	-	-
9	चिकित्सा योजना के लिए योगदान	22,59,425	2,77,725
	योग (ब)	**28,19,041**	**13,04,765**
	महायोग (अ+ब)	**54,10,213**	**18,53,139**

अनुसूची 14

पूर्व अवधि की आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
1	केनरा बैंक और एसबीआई खाता पर ब्याज	1,51,42,587	-
2	आयकर वापसी पर ब्याज	9,59,384	-
3	बेकार पड़ी वस्तुओं की बिक्री	(25,200)	-
4	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रवेश शुल्क	(3,99,545)	-
	योग	**1,56,77,226**	-

अनुसूची 15

कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022-23) आवर्ती	राशि	विगत वर्ष (2021-22) आवर्ती	राशि
1	वेतन और मजदूरी	11,03,53,004	11,03,53,004	8,74,10,582	8,74,10,582
2	बोनस और भत्ते तथा समयोपरि भत्ता	5,91,13,953	5,91,13,953	4,23,49,329	4,23,49,329
3	नई पेंशन योजना में योगदान	64,99,403	64,99,403	45,09,498	45,09,498
4	कर्मचारी कल्याण व्यय (वर्दी)	1,09,576	1,09,576	1,15,000	1,15,000
5	एलटीसी सुविधायें	14,54,412	14,54,412	6,38,895	6,38,895
6	चिकित्सा भत्ता प्रतिपूर्ति	1,03,34,124	1,03,34,124	1,16,54,994	1,16,54,994
7	बाल शिक्षा भत्ता	4,05,000	4,05,000	17,41,750	17,41,750
8	यात्रा भत्ता	-	-	-	-
9	अन्य (सरकारी अंशदान–सीपीएफ + भुगतान किया गया ब्याज)	4,40,760	4,40,760	-	-
10	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	-	-		
a)	पेंशन	19,87,58,784	19,87,58,784	83,93,26,051	83,93,26,051
b)	ग्रेज्युटी	2,45,02,895	2,45,02,895	3,64,80,558	3,64,80,558
c)	अवकाश नकदीकरण	1,36,90,182	1,36,90,182	6,58,69,903	6,58,69,903
	योग	**42,56,62,093**	**42,56,62,093**	**1,09,00,96,560**	**1,09,00,96,560**

अनुसूची 15 अ

कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	योग
1	01–04–2022 को अथ शेष राशि	1,19,63,06,197.00	7,43,37,675.00	8,46,26,950.00	1,35,52,70,822.00
2	**घटाकर:** वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान	6,51,71,596.00	1,17,02,709.00	82,51,413.00	8,51,25,718.00
3	31–03–2023 को उपलब्ध शेष राशि (अ)	1,13,11,34,601.00	6,26,34,966.00	7,63,75,537.00	1,27,01,45,104.00
4	वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31–03–2023 को आवश्यक प्रावधान (ब)	1,32,98,93,385.00	8,71,37,861.00	9,00,65,719.00	1,50,70,96,965.00
अ.	**चालू वर्ष में किये जाने वाले प्रावधान (ब–अ)**	**19,87,58,784.00**	**2,45,02,895.00**	**1,36,90,182.00**	**23,69,51,861.00**

अनुसूची 16

शैक्षणिक व्यय (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022-23) आवर्ती	चालू वर्ष (2022-23) राशि	विगत वर्ष (2021-22) आवर्ती	विगत वर्ष (2021-22) राशि
1	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (संकाय के लिए यात्रा भत्ता)	25,79,072	25,79,072	1,85,483.00	1,85,483
2	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (प्रतिभागी का यात्रा भत्ता)	26,52,969	26,52,969	3,940.00	3,940
3	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय (शैक्षणिक कार्यक्रमों में व्यय)	79,82,718	79,82,718	15,38,680.00	15,38,680
4	अतिथि संकाय को भुगतान (संसाधन/व्यक्ति को मानदेय)	15,52,626	15,52,626	11,24,830.00	11,24,830
5	संस्थान के अनुसंधान अध्ययन	1,78,14,828	1,78,14,828	3,60,09,159.00	3,60,09,159
6	छात्रों को अध्येतावृत्ति (एम.फिल. और पी–एच.डी.)	3,10,80,249	3,10,80,249	2,98,93,562.00	2,98,93,562
7	छात्रवृत्ति/पुस्तकें व परियोजना अनुदान	-	-	1,500.00	1,500
8	प्रकाशन व्यय (मुद्रण से प्राप्त)	33,03,276	33,03,276	25,90,784.00	25,90,784
अ)	(1) जोड़करः पिछले वर्ष का स्टॉक	6,09,154	6,09,154	6,12,082.28	6,12,082
ब)	(2) घटाकरः हस्तगत पुस्तकों का भण्डार	(6,82,754)	(6,82,754)	(6,09,154)	(6,09,154)
9	सदस्यता के लिए अंशदान	2,31,834	2,31,834	67,732.00	67,732
10	अन्य (फोटोकॉपी प्रभार)	6,81,773	6,81,773	2,84,899.00	2,84,899
11	गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान	9,33,261	9,33,261	7,50,000.00	7,50,000
12	एनईआर (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहित)	24,98,725	24,98,725	8,70,000.00	8,70,000
13	ऊपरी प्रशासन कोष 1008	-	-	648.42	648
	योग	**7,12,37,730**	**7,12,37,730**	**7,33,24,146**	**7,33,24,146**

अनुसूची 17

प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022-23) आवर्ती	चालू वर्ष (2022-23) राशि	विगत वर्ष (2021-22) आवर्ती	विगत वर्ष (2021-22) राशि
अ	**आधार संरचना**				
1	विद्युत प्रभार	89,00,390	89,00,390	64,21,730	64,21,730
2	जल प्रभार	79,17,263	79,17,263	73,50,925	73,50,925
3	किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	6,16,696	6,16,696	3,32,851	3,32,851
4	सुरक्षा प्रभार	69,42,214	69,42,214	56,01,240	56,01,240
ब	**संचार**		-		-
1	डाक तथा तार	4,00,845	4,00,845	2,42,535	2,42,535
2	टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	12,92,281	12,92,281	7,77,322	7,77,322
स	**अन्य**		-		-
1	स्टेशनरी	23,44,144	23,44,144	22,17,349	22,17,349
2	पोषाहार व्यय	21,74,799	21,74,799	5,59,316	5,59,316
3	लेखा परीक्षा शुल्क	4,59,082	4,59,082	1,80,540	1,80,540
4	मजदूरी प्रभार	6,268	6,268	10,674	10,674
5	सलाहकारी शुल्क	21,87,279	21,87,279	15,64,333	15,64,333
6	कानूनी प्रभार	1,01,300	1,01,300	61,800	61,800
7	विज्ञापन प्रभार	4,38,422	4,38,422	24,42,593	24,42,593
8	अखबार प्रभार	4,68,674	4,68,674	2,30,410	2,30,410
9	अन्य (पाठ्यक्रम शुल्क/प्रशिक्षण)	1,28,793	1,28,793	21,700	21,700
10	विविध व्यय	11,90,637	11,90,637	8,57,515	8,57,515
11	प्रभार (अन्य लेखा)	13,595	13,595	649	649
	योग	**3,55,82,682**	**3,55,82,682**	**2,88,73,482**	**2,88,73,482**

अनुसूची 18

परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022-23) आवर्ती	चालू वर्ष (2022-23) राशि	विगत वर्ष (2021-22) आवर्ती	विगत वर्ष (2021-22) राशि
1	**स्टाफ कार**				
	क) स्टाफ कार का रखरखाव	3,38,338	3,38,338	1,53,576	1,53,576
	ख) बीमा	27,808	27,808	54,794	54,794
	ग) पेट्रोल, तेल एवं ल्यूब्रीकेन्ट	5,22,727	5,22,727	5,46,424	5,46,424
2	वाहन टैक्सी के किराए का खर्च	3,93,699	3,93,699	1,40,995	1,40,995
	योग	**12,82,572**	**12,82,572**	**8,95,789**	**8,95,789**

अनुसूची 19

मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022-23)		विगत वर्ष (2021-22)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	भवन का रख–रखाव	5,70,01,466	5,70,01,466	27,96,197	27,96,197
2	संपदा रखरखाव इलेक्ट्रिकल (एआरएमओ)	21,75,723	21,75,723	78,52,040	78,52,040
3	फर्नीचर तथा फिक्सचर का रख–रखाव	1,16,611	1,16,611	-	-
4	कार्यालय उपकरणों का रखरखाव	46,57,596	46,57,596	31,24,697	31,24,697
5	गृह व्यवस्था सेवाएं	1,14,23,478	1,14,23,478	97,39,822	97,39,822
	योग	**7,53,74,874**	**7,53,74,874**	**2,35,12,756**	**2,35,12,756**

अनुसूची 20

वित्तीय लागत

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
	शून्य		
	योग		

अनुसूची 21

अन्य व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
	शून्य		
	योग		

अनुसूची 22

पूर्व अवधि के व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
1	मंत्रालय को ब्याज का भुगतान	3,00,294	-
2	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	1,54,053	-
3	भवन	1,50,22,519	-
	योग	**1,54,76,866**	-

अनुसूची 23

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखा निर्माण के आधार

1.1 जब तक कि अलग से उल्लेख न किया जाए, और सामान्यतया आमतौर पर कहा गया है कि लेखे लेखांकन के प्रोदभूत विधि पर तैयार किए जाते हैं।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विद्यार्थियों से शुल्क, निविदा प्रपत्रों की बिक्री, प्रवेश फार्म की बिक्री और बचत बैंक खाते पर रॉयल्टी नकद आधार पर लेखांकन किए जाते हैं।

2.2 छात्रावास किराया से प्राप्त आय को नकदी आधार पर लेखांकन किया जाता है।

2.3 हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी अदायगी के बाद शुरू होता है, गृह निर्माण पेशगी, वाहन और कंप्यूटर की खरीद के लिए कर्मचारियों को ब्याज सहित अग्रिम की वसूली प्रोद्भूत आधार पर की जाती है।

3. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्ति भाड़ा, शुल्कों और करों और अधिग्रहण स्थापना और परिचालन से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च आवक सहित अधिग्रहण की लागत से निर्धारित किया जाता है।

3.2 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों पर मुद्रित बिक्री मूल्य को मूल्यवान माना जाता है। जिन पुस्तकों मे मूल्य पुस्तक में मुद्रित नहीं होते, उनका मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है। उन्हें पूंजी कोष में जमा करके संस्था की अचल संपत्ति के साथ विलय कर लिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों की लागू दरों पर निर्धारित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्ति का मूल्यांकन मूल्यह्रास में घटाकर निकाला जाता है। अचल परिसंपत्तियों का अवमूल्यन निम्नलिखित दरों के अनुसार लिखित–ह्रासित मूल्य पद्धति पर किया जाता है।

1	भवन	2%
2	कार्यालय उपकरण	7.5%
3	कंप्यूटर और अन्य सहायक सामग्री	20%
4	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग्स	7.5%
5	वाहन	10%
6	पुस्तकालय में पुस्तकें	10%
7	जर्नल्स	10%
8	ई–जर्नल	40%
9	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%

3.4 समीक्षाधीन वर्ष के अन्तर्गत वर्ष के लिये जमा पर मूल्यह्रास स्वायत संगठनों के लिये पसंदीदा विद्धि है। इसके अतिरिक्त संपत्तियों का संग्रह पूरे वर्ष के लिए रहा, इससे मूल्यह्रास बराबर रहा।

3.5 जहां एक परिसंपत्ति जिसका पूर्णतः मूल्यह्रास हो चुका हो, उसे तुलन पत्र में रु. 1 के एक अवशिष्ट मूल्य पर अंकन किया जाएगा और आगे उसका पुनः मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद, मूल्यह्रास प्रत्येक वर्ष की वृद्धि के लिए इस परिसंपत्ति मद हेतु पृथक रूप से उस पर लागू दर के अनुसार की जाएगी।

3.6 **इलेक्ट्रानिक पत्रिकाओं** (ई–जर्नल्स) पर व्यय की अधिकता को देखते हुए पुस्तकाल्य में इसे पुस्तकों से अलग किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में उपलब्ध कराए गए 10 प्रतिशत के अवमूल्यन के सापेक्ष 40 प्रतिशत की एक उच्च दर पर ई–जर्नल्स के संबंध में मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

3.7 अर्जित सॉफ्टवेयर के व्यय से कंप्यूटर और सहायक सामग्री को अलग किया गया है क्योंकि इसकी लुप्तशीलता की दर अपेक्षाकृत उच्च होती है। साफफ्टवेयर का अवमूल्यन दर उच्च स्तर पर 40 प्रतिशत है जबकि कंप्यूटर और सहायक सामग्री का अवमूल्यन दर 20 प्रतिशत है।

4. स्टॉक

4.1 स्टेशनरी, प्रकाशन और अन्य दुकानों से खरीद पर व्यय को राजस्व व्यय के रूप में लेखांकित किया जाता है, सिवाय इसके कि 31 मार्च को रखे गए अंतिम स्टॉक के मूल्य को सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित राजस्व को कम करके वस्तुसूची के रूप में स्थापित किया जाता है।

5. सेवानिवृत्ति लाभ

5.1 सेवानिवृत्ति लाभ यानी, पेंशन, ग्रेच्युटी लाभ और अवकाश नकदीकरण बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

5.2 संस्थान के जो कर्मचारी अन्य नियोक्ता संस्थानों से आये हैं और जिन्हें संस्थान में समाहित कर लिया गया है, उनके नियोक्ता संस्थानों से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्यूटी लाभ पूंजीकृत मूल्य के रूप में पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण का वास्तविक भुगतान संबंधित प्रावधानों के खातों में नामे किया जाता है। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात् नई पेंशन योजना, सेवानिवृत्ति पर गृह नगर के लिए यात्रा बिल, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति, (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान सह बकाया बिल) प्रोद्भूत रूप में लेखांकित किया गया है।

6. सरकारी और यू.जी.सी. अनुदान

6.1 सरकारी अनुदान और यू.जी.सी. अनुदान प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है।

6.2 पूंजीगत व्यय की दिशा में प्रयुक्त सरकारी अनुदान पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है।

6.3 राजस्व व्यय (वास्तविक आधार पर) को पूरा करने के लिए प्राप्त सरकारी अनुदान को प्रयुक्त मानकर उसे उस वर्ष की आय के रूप में लिया गया है जिसमें वह प्राप्त हुआ है।

6.4 अप्रयुक्त अनुदान (इस तरह के अनुदान का भुगतान अग्रिमों सहित) को आगामी वर्ष में लिया गया है और उसे तुलनपत्र में देयताएं के रूप में प्रस्तुत किया गया।

7. पीएच.डी और एम.फिल. के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

7.1 पीएच.डी और एम.फिल. के छात्रों को छात्रवृत्ति शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) द्वारा प्रदान किए गए योजना अनुदान से भुगतान की जा रही हैं और इसे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खर्च के रूप में लेखांकित किया जाता है।

8. चिकित्सा अंशदान

8.1 चिकित्सा अंशदान नीपा की चिकित्सा योजना के अनुसार योजना खाते में जमा किया जाता है क्योंकि चिकित्सा प्रतिपूर्ति का योजना खाते से भुगतान किया जाता है।

9. गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

9.1 समान उद्देश्य वाले गैर–सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता/अनुदान, योजना खाते के अंतर्गत व्यय के रूप में लेखांकित की जा रही है।

10. अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री

10.1 सेवा में प्रयुक्त न होने वाली और पुरानी वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय को ''अन्य आय'' में दर्शाया जाता है, क्योंकि बेकार वस्तुओं के मूल्य का पहले ही पूर्ण अवमूल्यन हो जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएं

11.1 चल रही प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को ''वर्तमान देनदारियां और प्रावधान – वर्तमान देनदारियां – अन्य देनदारियां – चल रही प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में प्राप्तियां'' शीर्षक में जमा किया जाता हैं। जब भी ऐसी परियोजनाओं के लिए व्यय/अग्रिम भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना खाते से आवंटित अतिरिक्त शुल्क नामे किया जाता है, तो देयता खाता नामे कर दिया जाता है।

12. लेखापरीक्षा टिप्पणियों के अनुसार, अनुसूची 4(स) और अनुसूची 4(द) को वार्षिक खातों में जोड़ा गया है और अचल संपत्तियों में परिवर्तन अनुसूची 4 को अचल संपत्तियों के उप–विभाजन हेतु अमूर्त संपत्ति, पेटेन्ट्स और कॉपीराइट, अन्य (प्रायोजित परियोजनाएं) में वर्गीकृत करने के लिए किया गया है।

अनुसूची 24

आकस्मिक देयताएं और लेखा टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देनदारियां

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021–22)
1	इकाई के विरूद्ध दावे को ऋण के रूप में अस्वीकार	शून्य	शून्य
2	इस संबंध में – इकाई द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी – इकाई की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र – बैंकों में बिलों की छूट	शून्य	शून्य
3	निम्नलिखित संबंध में माँग – वर्ष 2015–16 का आयकर निर्धारण – विभिन्न वर्षों में स्रोत पर कर की कटौती	11.93 करोड़ 3.92 लाख़	11.93 करोड़ 3.92 लाख़
4	आदेशों के गैर'निष्पादन के लिए पार्टियों के दावे के संबंध में, परन्तु इकाई द्वारा विरोधित	शून्य	शून्य

2. लेखांकन नीतियों में परिवर्तन का प्रभाव

नीति सं.	लेखांकन नीतियां (पुरानी)	लेखांकन नीतियां (नई)	लाभ पर प्रभाव
3.3	स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन संचित मूल्यह्रास को घटाकर लागत पर किया जाता है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाता है	स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन संचित मूल्यह्रास को घटाकर निवल लागत के आधार पर किया जाता है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास लिखित–ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया जाता है	कोई असर नहीं

3. पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

नीपा परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक भवन के निर्माण के लिए अनुबंध का अनुमानित मूल्य ₹ 30,56,00,000 है, जिसके लिए 17,48,62,600.63 (निविदा राशि) का काम सौंपा गया है। जिसमें से पूंजी खाते पर निष्पादित किया जाना बाकी है और इसके लिए प्रावधान नहीं किया गया है (अग्रिम का शुद्ध मूल्य – ₹ 8,00,00,000) ₹ 9,48,62,600.63।

4. अचल संपत्तियां

4.1 अनुदान से सृजित अचल संपत्तियां, अनुसूची 3 में अचल संपत्तियों में वर्ष में वृद्धि के साथ संस्थान निधि से खरीदी गई संपत्तियां (9,22,17,079) और पुस्तकालय पुस्तकें और (5,216 रुपये) मूल्य की अन्य संपत्तियां विश्वविद्यालय को उपहार में दी गई हैं। परिसंपत्तियों को पूंजीगत निधि में जमा करके स्थापित किया गया है।

4.2 परियोजना अनुदान से सृजित अचल संपत्तियां अनुसूची 4 (ई) में अचल संपत्तियों में वर्ष में वृद्धि के साथ परियोजना निधि से खरीदी गई संपत्तियां, (₹ शून्य) शामिल हैं।

4.3 31.03.2023 के तुलन–पत्र और पहले के वर्षों के तुलन–पत्र में संस्थान के निधि से बनाई गई अचल संपत्तियां। दिनांक 01.04.2022 से 31.03.2023 तक के वर्षों के दौरान संस्थान और अन्य निधियों से वृद्धि और उन परिवर्धनों पर संबंधित अवमूल्यन को अलग रूप में प्रदर्शित किया गया है (अनुसूची–4)।

5. **मौजूदा देनदारियां और प्रावधान**

5.1 व्यय जो 31 मार्च, 2023 को देय थे और जिनका भुगतान नहीं किया गया इनका लेखा पुस्तिका में प्रावधन किया गया।

5.2 आयकर अधिनियम 1961 के तहत कोई कर योग्य आय न होने की स्थिति में, आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है।

5.3 कर्मचाारियों के सेवानिवृति लाभों के प्रति देय दायित्व का प्रावधान और जमा अवकाश के नकदीकरण के बदले में एकमुश्त भुगतान के प्रति दायित्व का प्रावधान 31.03.2023 को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर और 2022–23 में भुगतान को ध्यान में रखकर और मौजूदा शुद्ध प्रावधान, आय और भुगतान खाते ध्यान में रखकर नामे द्वारा 2022–23 के खातों में आगे प्रावधान किए गए हैं।

6. **विदेशी मुद्रा व्यय**

क.	यात्रा (भुगतान भारतीय मुद्रा में)	5,17,723/-
ख.	पत्रिकाओं की खरीद	13,63,123/-
ग.	अन्य	शून्य

7. **वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा**

विश्वविद्यालय की राय में, वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम और जमा का सामान्य तौर पर वसूली पर मूल्य होता है, जो कम से कम तुलन पत्र में दिखाई गई कुल राशि के बराबर होता है।

8. **भविष्य निधि खाता**

चूंकि भविष्य निधि खातों का स्वामित्व उन निधियों के सदस्यों के पास होता है, न कि विश्वविद्यालय के पास, प्रोद्भवन आधार पर खाते तैयार करने के संबंध में भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार पीएफ खाते को विश्वविद्यालय के खातों से अलग किया जाता है। हालांकि, एक प्राप्ति और भुगतान खाता, एक आय और व्यय खाता (प्रोद्भवन आधार पर) और भविष्य निधि खाते का तुलन पत्र विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों से जुड़ी होती है।

9. **नई पेंशन प्रणाली खाता**

नई पेंशन प्रणाली के अंतर्गत आने वाले सभी कर्मचारियों को पीआरए नंबर प्रदान किया गया है और उनसे संबंधित नियोक्ता और कर्मचारी का योगदान नियमित रूप से प्रोटीयॉन ईगॉव टेक्नोलॉजीज लिमिटेड–सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी को हस्तांतरित किया जाता है। अभी कोई भी बकाया राशि हस्तांतरित नहीं की जानी है।

10. **सेवानिवृत्ति लाभ**

सेवानिवृत्ति लाभ, यानी पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किए जाते हैं। विश्वविद्यालय के जिन कर्मचारियों को विश्वविद्यालय में समाहित किया गया है, उनके पिछले नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्युटी का पूंजीकृत मूल्य संबंधित प्रावधान खातों में जमा किया जाता है।

11. **अनुदान**

पिछले वर्षों में योजना अनुदान को आय के रूप में लिया गया, केवल वे पूंजीगत व्यय के लिये उपयोग किये जाते थे। 31.3.2023 को अप्रयुक्त अनुदान को आगे बढ़ाया गया और तुलन पत्र मे देयताओं के रूप में दर्शाया गया।

वर्ष के दौरान वित्तीय वर्ष 2016–17, वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2018–19, वित्तीय वर्ष 2019–20, वित्तीय वर्ष 2020–21 और वित्तीय वर्ष 2021–22 से संबंधित अप्रयुक्त अनुदान ₹6,32,88,434 रुपये है। उपर्युक्त वित्तीय वर्षों में राजस्व व्यय के अतिरिक्त उपयोग के सुधार को कॉर्पस/पूंजीगत निधि (अनुसूची 1) से वर्तमान देनदारियों और प्रावधान (अनुसूची 3) में बहाल किया गया है।

12. नीपा परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक भवन के निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी को धन हस्तांतरण को दिए गए कार्य के आधार पर भवन (कार्य प्रगति पर) के तहत दिखाया गया है ताकि मामलों की सही स्थिति और खातों की बेहतर प्रस्तुति को दर्शाया जा सके।

13. बचत बैंक खातों में शेष के विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची 'अ' में संलग्न हैं।

14. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार फिर से वर्गीकृत एवं पुनः संगठित किये गए हैं।

15. अंतिम खातों में आंकड़े निकटतम रुपए में अंकित किया गया हैं।

16. अनुसूची 1 से 22 को संलग्न किया गया है और यह 31 मार्च 2023 के तुलन–पत्र और इस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय लेखा का अभिन्न भाग होता है।

17. जमा, अग्रिम आदि के अंतर्गत प्रदर्शित शेष राशि समाधान/पुष्टि के अधीन हैं। पुष्टि/समाधान के बाद प्रभाव, यदि कोई हो, तो पुष्टि/समाधान के वर्ष में लिया जाएगा।

प्राप्तियां और भुगतान लेखा

31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष (2022-23)	विगत वर्ष (2021-22)	भुगतान	चालू वर्ष (2022-23)	विगत वर्ष (2021-22)
प्रारंभिक जमा			**व्यय**		
1 बचत बैंक खाता	15,01,18,608	21,97,01,140			
2 हस्तगत डाक	46,599	60,412	अ) स्थापना व्यय	26,04,90,306	20,01,02,395
शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान			ब) शैक्षणिक व्यय	3,88,90,179	3,53,38,744
भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय) से			स) प्रशासनिक व्यय	3,63,62,815	2,87,63,989
(अ) योजना	51,84,37,000	29,86,58,000	द) मरम्मत और रख–रखाव	1,28,43,585	1,31,51,388
			य) यात्रा व्यय	13,30,101	8,15,429
अकादमिक प्राप्तियां	12,12,801	19,49,783	**अध्येतावृत्ति से संबंद्ध भुगतान**	2,82,54,829	3,42,15,804
प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के संबद्ध में प्राप्तियां	4,29,87,586	2,43,88,889	**प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से संबंद्ध भुगतान**	3,63,48,251	4,67,96,783
प्राप्त ब्याज			**सीपीडब्ल्यूडी को अचल संपत्ति और अग्रिम पर व्यय**		
(क) बैंक वचत खाता	-	1,156	1 अचल संपत्तियां	9,22,11,863	1,34,59,117
(ख) एनआर खाता	-	3,00,294	2 सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	1,46,61,403	1,03,46,500
(ग) केनरा बैंक	-	3,255	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**		
(घ) अतिरिक्त प्रशासनिक निधि	3,55,079	1,79,878	प्रभार (अन्य खाते)	-	1,25,053
(ङ) छात्रावास खाता	16,43,743	11,908	**जमा और अग्रिम**		
(च) अवकास वेतन पेंशन अंशदान	-	-	अ) पूर्वदात व्यय	8,73,231	-
(छ) ब्याज अग्रिमों पर ब्याज	2,08,92,679		ब) अन्य व्यय	15,26,938	42,60,123
अन्य आय	4,62,609		स) सुरक्षा जमा	14,82,000	1,01,98,000
जमा और अग्रिम	8,40,909	22,67,066	द) आयकर प्रतिदाय	-	
प्रेषण	-	90,000	**प्रेषण**	-	-
वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां			**शेष समापन**		
1 आयकर प्रतिदाय	11,67,400	-	बैंक बैंलेस	21,28,69,803	15,01,18,608
2 अतिरिक्त प्रशासनिक निधि खाता 1108	-	1,26,751	हस्तगत डाक	19,710	46,599
योग	**73,81,65,014**	**54,77,38,532**	**योग**	**73,81,65,014**	**54,77,38,532**

ह./–	ह./–	ह./–
(निशांत सिन्हा)	**(संदीप चटर्जी)**	**(शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

भविष्य निधि खाता

31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

देयताएं	राशि चालू वर्ष (2022–23)	राशि विगत वर्ष (2021-22)	परिसंपत्तियां	राशि चालू वर्ष (2022–23)	राशि विगत वर्ष (2021-22)
जीपीएफ खाता			**निवेश**		16,33,67,396.49
अथशेष	15,31,31,460.17	14,31,65,961.17	**अथशेष**	16,33,67,396.49	
जमाः वर्ष में दौरान अंशदान	2,56,77,145.00	2,32,58,400.00	जमा : निवेश	4,27,19,829.00	
जमाः अर्जित ब्याज	1,18,40,560.00	95,15,395.00	घटाया : नकदीकरण	7,42,33,752.00	
घटायाः अग्रिम/आहरण	5,63,44,440.00	2,28,08,296.00	**जमा शेष**	**13,18,53,473.49**	
जमा शेष	**13,43,04,725.17**	**15,31,31,460.17**			
			उपार्जित ब्याज	1,10,68,763.89	60,61,371.89
सीपीएफ खाता					
अथशेष	28,60,536.00	34,80,462.00	बैंक में नकदी	1,74,36,575.65	1,20,68,832.91
घटायाः समायोजन	-	11,98,494.00			
जमाः वर्ष के दौरान अंशदान	4,63,640.00	4,57,120.00	टीडीएस प्राप्य	8,26,911.30	1,13,124.30
जमाः ब्याज जमा	2,76,970.00	1,21,448.00			
घटायाः अग्रिम/आहरण	-	-			
जमा शेष	**36,01,146.00**	**28,60,536.00**			
विश्वविद्यालय योगदान					
प्रारंभिक जमा	16,09,345.00	2,96,413.00			
जमा : समायोजन	-	11,98,494.00			
जमा : वर्ष के दौरान अंशदान	-	-			
जमा : ब्याज क्रेडिट	1,29,679.00	1,14,438.00			
घटाया : अग्रिम/आहरण	-				
जमा शेष	**17,39,024.00**	**16,09,345.00**			
ब्याज रिजर्व		2,40,09,384.42			
प्रारंभिक जमा	2,40,09,384.42				
घटाया : समायोजन					
जमा : आय से अधिक व्यय	(24,98,830.26)				
जमा शेष	**2,15,10,554.16**				
टीडीएस देय	**30,275.00**				
	16,11,85,724.33	**18,16,10,725.59**		**16,11,85,724.33**	**18,16,10,725.59**

ह./–	ह./–	ह./–
(निशांत सिन्हा)	**(संदीप चटर्जी)**	**(शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

भविष्य निधि खाता

01/04/2022 से 31/03/2023 तक

जीपीएफ/सीपीएफ खाते का प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
प्रारंभिक जमा	**1,20,68,832.91**	जीपीएफ आहरण	5,63,44,440.00
जीपीएफ अंशदान	2,59,17,145.00	निवेश अर्जित	4,27,19,829.00
निवेश नकदीकरण	7,42,33,752.00	बैंक प्रभार	-
बचत पर ब्याज	2,47,538.00	वसूली योग्य कर	
निवेश पर ब्याज	38,09,936.74	**जमा शेष**	**1,74,36,575.65**
सीपीएफ संस्थान योगदान	2,23,640.00		
	11,65,00,844.65		**11,65,00,844.65**

ह./–
(निशांत सिन्हा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(संदीप चटर्जी)
कुलसचिव

ह./–
(शशिकला वंजारी)
कुलपति

भविष्य निधि खाता

01/04/2022 से 31/03/2023 तक
जीपीएफ/सीपीएफ खाते का आय एवं व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

व्यय	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021-22)	आय	चालू वर्ष (2022–23)	विगत वर्ष (2021-22)
अर्जित ब्याज			निवेश पर ब्याज अर्जित	96,48,795	1,49,65,559
जीपीएफ खाता	1,18,70,835	95,15,395	संस्थान का योगदान प्राप्ति	2,23,640	2,17,120
सीपीएफ खाता					
कर्मचारियों का योगदान	1,47,111	1,21,448	आय पर व्यय की अधिकता	24,98,830	-
विश्वविद्यालय का योगदान	1,29,679	1,14,438			
संस्थान का योगदान (सीपीएफ)	2,23,640	2,17,120			
व्यय पर आय की अधिकता	-	52,14,278			
	1,23,71,265	**1,51,82,679**		**1,23,71,265**	**1,51,82,679**

ह./–	ह./–	ह./–
(निशांत सिन्हा)	**(संदीप चटर्जी)**	**(शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) को अनुदान की सूची

वर्ष 2022–23 के लिए गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	एनजीओ के नाम	जारी राशि
1	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी	3,00,000
2	जाकिर हुसैन शिक्षा केन्द्र, जेएनयू	2,50,000
3	एस.ई.ई.डी	2,83,261
4	हिमालयन बौद्ध सांस्कृतिक संघ	1,00,000
	योग	**9,33,261**

अनुसूची–ग (अ)

निवेश का विस्तार

01.04.2022 से 31.03.2023 तक की अवधि के लिए

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12.01.2023	12.04.2024	1,22,21,139
2	केनरा बैंक	316100	29.06.2022	29.06.2023	77,54,966
3	केनरा बैंक	197821	31.03.2021	31.03.2024	55,16,367
4	केनरा बैंक	197811	31.03.2021	31.03.2024	44,17,301
5	केनरा बैंक	197828	31.03.2021	31.03.2024	77,17,025
6	केनरा बैंक	969781	31.03.2021	31.03.2024	38,54,486
7	केनरा बैंक	197860	31.03.2021	31.03.2024	98,86,930
8	केनरा बैंक	197861	31.03.2021	31.03.2024	98,86,930
9	केनरा बैंक	197862	31.03.2021	31.03.2024	98,86,930
10	केनरा बैंक	316099	23.06.2022	23.06.2023	77,56,332
11	केनरा बैंक	197895	20.05.2022	20.05.2023	72,32,426
12	केनरा बैंक	316101	29.06.2022	29.06.2023	77,54,966
13	केनरा बैंक	197964	14.08.2021	14.02.2024	23,81,511
14	केनरा बैंक	970252	09.09.2021	09.03.2024	89,26,371
15	एसबीआई विशेष जमा	812	27.06.1981	-	14,24,264
16	केनरा बैंक	868981	08.11.2021	08.11.2023	51,17,765
17	केनरा बैंक	868982	08.11.2021	08.11.2023	51,17,765
18	केनरा बैंक	869138	07.12.2020	07.12.2023	50,00,000
19	केनरा बैंक	869139	07.12.2020	07.12.2023	50,00,000
20	केनरा बैंक	869140	07.12.2020	07.12.2023	50,00,000
		योग			**13,18,53,474**

अनुसूची–ग (ब)

वर्ष 01.04.2022 से 31.03.2023 के दौरान सावधि जमा नकदीकरण

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12.01.2023	12.04.2024	1,14,85,146.00
2	केनरा बैंक	316100	29.06.2022	29.06.2023	73,83,877.00
3	केनरा बैंक	316099	23.06.2022	23.06.2023	73,83,877.00
4	केनरा बैंक	197895	20.05.2022	20.05.2023	68,81,886.00
5	केनरा बैंक	316101	29.06.2022	29.06.2023	73,83,877.00
6	पंजाब नेशनल बैंक	4151	25.02.2021	25.02.2022	1,13,24,921.00
8	केनरा बैंक	869041	08.11.2021	08.11.2023	55,97,542.00
9	केनरा बैंक	869042	08.11.2021	08.11.2023	55,97,542.00
10	केनरा बैंक	869043	08.11.2021	08.11.2023	55,97,542.00
11	केनरा बैंक	869044	08.11.2021	08.11.2023	55,97,542.00
				योग	**7,42,33,752.00**

अनुसूची–ग (स)

वर्ष 01.04.2022 से 31.03.2023 के दौरान किये गये निवेश

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12.01.2023	12.04.2024	1,22,21,139.00
2	केनरा बैंक	316100	29.06.2022	29.06.2023	77,54,966.00
3	केनरा बैंक	316099	23.06.2022	23.06.2023	77,56,332.00
4	केनरा बैंक	197895	20.05.2022	20.05.2023	72,32,426.00
5	केनरा बैंक	316101	29.06.2022	29.06.2023	77,54,966.00
				कुल	**4,27,19,829.00**

वर्ष 2022–23 के निवेश विवरण

(राशि ₹ में)

अथ शेष	16,33,67,397
वर्ष के दौरान किये गये निवेश	**4,27,19,829**
कुल निवेश	20,60,87,226
वर्ष के दौरान किये गये नकदीकरण	**7,42,33,752**
शुद्ध निवेश (अंत शेष)	**13,18,53,474**

PRE-AUDIT CERTIFICATE 2022-23

AJEET KUMAR& COMPANY
Chartered Accountants

To,
Finance Officer
National Institute of Education Planning and Administration (NIEPA)
17-B, Shaheed Jeet Singh Marg, NCERT Campus,
Katwaria Sarai,
New Delhi - 110067

Subject: Pre- Audit observation on the financials for the FY 2022-23

Dear Sir/Mam,

I have conducted the Pre-Audit of the Balance Sheet as at 31.03.2023, Income & Expenditure Account and Receipt and Payment Account for the year then ended of the National Institute of Educational Planning and Administration (NIEPA) within my professional capabilities and In my opinion and to the best of my information and according to the explanations given to me, the aforesaid financial statements give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India. During the audit I observed anomalies which are attached to this report.

You are requested to pay attention to this matter and take note of the report.

Thanking you!

FOR AJEET KUMAR & COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

(AJEET KUMAR)
PROPRIETOR
M NO: 539224
PLACE: NEW DELHI
DATE: 14/06/2023
UDIN: 23539224BGVJOI6819

Mobile: +91-9540641005 |Regd. Address: Shop No. Pvt No. 261, Plot No. 170, 2nd Floor, Shiva Market,, Pitampura, New Delhi-110034I e-mail us: caajeet singh@yahoo.in

Annexure

1. In the GST Regime, businesses whose turnover exceeds Rs.40 lakhs* (Rs 10 lakh for NE and hill states) are required to register as normal taxable persons.

   NIEPA is providing various services which come under the preview of GST. Hence, NIEPA is liable to obtain GST Registration and follow the associated compliances.

   Some pf the incomes considered for the GST threshold:

   - Hostel Room Rent
   - Income from Royalty
   - Sale of condemned items
   - Sale of tender form
   - Sale of publication
   - Sale of prospectus
   - Institutional Charge received from various Projects.

   In addition, the GST Registration is also mandatory to comply with the provision of the reverse Charge Mechanism as laid down under the act.

2. The organization is not following a single set of accounting policies. It was observed that the organization is using the mix of both I.e., accrual basis and the cash basis of accounting.

3. CPWD's ledger is not in reconciliation with the ledger of NIEPA for the assurance of the expenditure and balances.

4. On TRACES, demand in respect of TDS defaults for certain previous years could be observed, necessary steps should be taken immediately to make these defaults good.

5. During the year, no Physical verification of the inventories and assets were conducted. Therefore, the existence and authority of the inventories and assets as depicted in the financials can't be ascertained.

6. The student fee, royalty and rent due during the period is not known to the organisation.

7. The premises of NIEPA are not insured under any short of insurance policy.

8. Amount of TDS recoverable as depicted in the financial statement for the year and as visible in the records of the form 26 do not reconcile as on the date of the issuance of the certificate.

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

लेखापरीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के लेखे पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), के 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखाओं, प्राप्ति और भुगतान लेखाओं की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तों) के अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अधीन संलग्न तुलन–पत्र की लेखापरीक्षा कर ली है। हमें वर्ष 2025–26 की अवधि तक की लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी नीपा के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण के व्यवहार्य से एकरूपता, लेखाकरण के मानदंडों और पारदर्शिता के मानकों इत्यादि के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। पृथक निरीक्षण रिपोर्टों/नि.म.ले. की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के द्वारा आवश्यकतानुसार विधि, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियामक) के अनुपालन और वित्तीय संचालन और कार्य निष्पादन सहित कार्यदक्षता संबंधी पक्षों इत्यादि पर लेखा परीक्षा की टिप्पणियां प्रस्तुत की जाती है।

3. हमने आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के अधिक यथार्थ विवरणों से युक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम योजना तथा लेखा परीक्षा का निष्पादन करें। लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों की राशि तथा प्रकटीकरण के साक्ष्यों का लेखा परीक्षण होता है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण के सिद्धांतों, महत्वपूर्ण आकलनों की समीक्षा के साथ–साथ प्रस्तुत किए गए संपूर्ण वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन शामिल है। हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा हमारे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर प्रतिवेदन करते हैं कि–

(i) हमने लेखापरीक्षा उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्र में सही प्रकार से तैयार किए गए हैं, जो कि रिपोर्ट में अवलोकन के अधीन है।

(iii) हमारी राय के अनुसार राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा समुचित रूप से लेखा पुस्तिकाओं और संबंधित दस्तावेजों का रखरखाव किया है जो कि ऐसी पुस्तिकाओं की जांच से पता चलता है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदन करते हैं–

अ. तुलन पत्र

अ.1 देयताएं

अ.1.1 वर्तमान देयताएं और प्रावधान (अनुसूची–3) रु. 181.23 करोड़

वर्ष 2021–22 के खातों में, 31 मार्च 2022 तक अप्रयुक्त सहायता अनुदान को नीपा द्वारा 5.03 करोड़ रुपये के सही आंकड़े के बजाय 0.17 करोड़ रुपये दिखाया गया था। लेखापरीक्षा द्वारा इंगित किए जाने पर, नीपा ने वर्ष के दौरान अप्रयुक्त सहायता अनुदान के प्रारंभिक शेष में 6.33 करोड़ रुपये की वृद्धि की है, जबकि समायोजन केवल 4.93 करोड़ रुपये की राशि का किया जाना आवश्यक था। मार्च महीने के वेतन प्रावधानों के संबंध में भी समायोजन किया है, जबकि इसकी आवश्यकता नहीं है, इस प्रकार अप्रयुक्त अनुदान सहायता के प्रारंभिक शेष में 1.40 करोड़ रुपये का (अतिरिक्त) समायोजन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों – अप्रयुक्त सहायता अनुदान को अधिक और पूंजीगत निधि को 1.40 करोड़ रुपये कम दिखाया गया है।

ब. सहायता अनुदान

2022–23 के दौरान नीपा को रु. 51.84 करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ, जिसमें से रु. 3.67 करोड़ मार्च 2023 में प्राप्त हुए। इसका प्रारंभिक शेष रु. 5.10 करोड़ (4.93 करोड़ + 0.17 करोड़) था। 56.94 करोड़ रुपये के कुल निधि में से, रु. 49.10 करोड़ रुपये (राजस्वः रू. 39.77 करोड़ रुपये और पूंजीः 9.33 करोड़ रुपये) का उपयोग किया, जिससे 31 मार्च 2023 तक 7.84 करोड़ रुपये शेष थे।

नीपा को वर्ष के दौरान शिक्षा मंत्रालय से विशिष्ट परियोजनाओं के लिए 3.27 करोड़ रुपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ और इन परियोजनाओं में 4.38 करोड़ रुपये का प्रारंभिक शेष बजट था। कुल 7.65 करोड़ रुपये में से, नीपा द्वारा वर्ष के दौरान 1.92 करोड़ रुपये का व्यय किया गया, और 31 मार्च 2023 तक 5.73 करोड़ रुपये शेष थे।

स. प्रबंधन पत्र

लेखा से संबंधित जो कमियां लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं, उनमें सुधारात्मक कार्रवाई हेतु पृथक रूप से प्रबंधन पत्र के माध्यम से कुलपति, नीपा के संज्ञान में लाया गया है।

(v) पिछले अनुच्छेदों में टिप्पणी के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि इस लेखा रिपोर्ट में तुलन–पत्र तथा आय एवं व्यय/प्राप्तियां तथा भुगतान लेखा के विवरण लेखा पुस्तिका के अनुरूप है।

(vi) हमारे विचार से और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां और उपर्युक्त महत्वपूर्ण विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अनुलग्नक में प्रस्तुत अन्य दूसरी सामग्री के संदर्भ में आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखाकरण के सिद्धांतों के अनुसार सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं:

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2023 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के तुलन पत्र की स्थिति से संबंधित हैं; तथा

(ब) जहाँ तक यह इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटे के आय तथा व्यय लेखे से संबंधित हैं।

भारत के नियंत्रक तथा महानिदेशक, लेखापरीक्षा की ओर से और कृते

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 19.09.2023

ह./–

महानिदेशक, लेखापरीक्षा
केंद्रीय व्यय

नोटः ''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**

- वर्ष 2022–23 में आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग बनाया गया है लेकिन वर्ष के दौरान कोई आंतरिक लेखा परीक्षण नहीं किया गया।
- नीपा में कोई आंतरिक लेखा परीक्षा नियमावली नहीं है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**

नीपा की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को निम्नांकित क्षेत्रों में सुदृढ़ करने की आवश्यकता है:

- 31 मार्च 2023 तक 2000–01 से 2021–22 की अवधि के दौरान 54 बाह्य लेखा परीक्षा पैरा के उत्तर प्राप्त नहीं हुए।
- वर्ष 2012–13 से फर्नीचर और फिक्स्चर का भौतिक सत्यापन नहीं हुआ है।
- वर्ष 2013 से प्रलेखन केन्द्र का भौतिक सत्यापन नहीं हुआ है।

3. **अचल संपत्तियों का भौतिक निरीक्षण की व्यवस्था**

- अचल संपत्तियों अर्थात फर्नीचर और फिक्स्चर का भौतिक सत्यापन 31.03.2013 तक किया गया, कंप्यूटर का सत्यापन 2020–21 तक और वाहनों का 2021–22 तक किया गया। पुस्तकों और प्रकाशनों का भौतिक सत्यापन 2021–22 तक पूरा किया गया और दस्तावेजीकरण केंद्र का भौतिक सत्यापन 2013 तक पूरा किया गया।

4. **वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन**

स्टेशनरी, तथा उपभोग वस्तुओं का भौतिक सत्यापन 2022–23 तक कर लिया गया है।

5. **सांविधिक देयता के भुगतान में नियमितता**

31 मार्च 2023 तक पिछले छः महीने से कोई भी सांविधिक देयता का भुगतान बाकी नहीं है।

प्रबंधन पत्र का अनुलग्नक

भाग–अ (लगातार अनियमितता)

1. वर्तमान देनदारियां और प्रावधान (अनुसूची 3) में प्रायोजित परियोजनाओं की शेष राशि पर अर्जित ब्याज के रूप में 2.44 करोड़ रुपये की देनदारी शामिल है जिसे न तो प्रायोजक प्राधिकारी को वापस किया गया है और न ही इसे समाप्त करने के लिए नीपा द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई की गई है। इसका उल्लेख विगत वर्ष के पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में किया गया था।

भाग–ख (अन्य अनियमितता)

1. नीपा प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध परिग्रहण रजिस्टर में पंजीकृत दस्तावेजों में 8.19 लाख रुपये मूल्य के कुल 3141 दस्तावेज/पत्रिकाएँ/सामग्री हैं। इसे उपरोक्त अनुसूची में इसे नहीं लिया गया है। इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों और पूंजीगत निधि में रुपये 8.19 लाख से कम बताया गया है। इन संपत्तियों पर तदनुसार मूल्यह्रास की आवश्यकता है।

2. **जी.पी.एफ./सी.पी.एफ खाता**

   उपरोक्त में जी.पी.एफ. के निवेश पर अर्जित ब्याज रु. 110.69 लाख शामिल है जबकि जी.पी.एफ. निवेश के निवेश पर अर्जित ब्याज रु. 108.50 लाख है इसके परिणामस्वरूप जी.पी.एफ. कोष और चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिम को रु. 2.19 लाख अधिक दिखाया है। .

3. ऋण, अग्रिम और जमा (अनुसूची 8) में 62.26 लाख रुपये का टीडीएस प्राप्य शामिल है, जिसमें से 1.58 लाख रुपये (79322+78545 क्रमशः वर्ष 2012–13 और 2014–15 से संबंधित हैं)। इन राशि की वसूली की समीक्षा और खातों में उचित कार्रवाई की जा सकती है।

4. **अनुदान/सहायिकी (अनुसूची 10)**

   नीपा ने पिछले वर्षों की अप्रयुक्त अनुदान सहायता के संबंध में 6.33 करोड़ रुपये का समायोजन किया है। हालाँकि, तुलन पत्र में उपरोक्त (पूंजी निधि अनुसूची 1 और वर्तमान देनदारियां और प्रावधान अनुसूची 3) में, अनुसूची में समायोजन नहीं किया गया है, जिसके कारण उपरोक्त अनुसूची में अप्रयुक्त अनुदान सहायता अनुसूची 3 (स) में दिखाए गए 9.24 करोड़ रुपये के आंकड़े के मुकाबले 2.91 करोड़ रुपये दिखाई गई है। अनुसूची 10 को तद्नुसार सुधारने की आवश्यकता है।

5. **लेखा परीक्षण के लिए अनुमोदित वार्षिक खाते प्रस्तुत करने में देरी**

   जी.एफ.आर 2017 के नियम 237 के अनुसार अनुमोदित और प्रमाणित वार्षिक खाते स्वायत्त निकाय द्वारा अगले वर्ष के 30 जून तक संबंधित लेखा परीक्षा कार्यालय को उपलब्ध कराए जाने हैं। हालाँकि, नीपा ने 04.07.2023 को लेखा परीक्षा के लिए अपना वार्षिक लेखा प्रस्तुत किया। इसके अलावा लेखा परीक्षा के लिए प्रस्तुत किए गए खाते संबंधित प्राधिकारी अर्थात प्रबंधन बोर्ड द्वारा अनुमोदित भी नहीं थे। इन्हें 27.7.2023 को संबंधित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

हीरक जयंती
Diamond Jubilee
1962-2022

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17 – बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली – 110016 (भारत)
दूरभाष : 91-011-26544800, 26565600
ई-मेल : niepa@niepa.ac.in
www.niepa.ac.in